मग भास्कर पञ्चाङ्ग



ग्वालियर अक्षांश २६:१२ उत्तर रेखांश ७८:१२ पलभा ५।५४।१७ ❖ संस्करण १

सिद्धार्थी संवत्सर विक्रमाब्द २०८२ शकाब्द १९४७ ई. २०२५-२६

प्रस्तावना

प्राचीन काल से ही खगोलीय घटाएँ और उनका मानव जीवन पर प्रभाव भारतीय परंपरा का अभिन्न अंग रही हैं। इस दिव्य ज्ञान को संरक्षित और प्रचारित करने में **शाकद्वीपीय ब्राह्मणों** (मग ब्राह्मणों) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। **वराहमिहिर, आर्यभट्ट और चाणक्य** जैसे महान खगोल शास्त्री, जिन्होंने ज्योतिष, गणित और राजनीति में अपूर्व योगदान दिया - भी शाकद्वीपीय (मग) ब्राह्मण थे। उनकी वेध, शोध एवं गणनाएँ आज भी पञ्चाङ्ग विज्ञान की आधारशिला बनी हुई हैं।
मग ब्राह्मणों ने पीढ़ी दर पीढ़ी **ज्योतिष विद्या** को संरक्षित किया। इनकी महिमा का उल्लेख स्वयं **भविष्य पुराण** में विस्तार से मिलता है। बहु प्रचलित "निर्णय सिधु" नामक ग्रंथ में इनकी महिमा का वर्णन किया गया है।

अत्यंत हर्ष का विषय है कि **"मग भास्कर पञ्चाङ्ग"** का प्रथम संस्करण प्रकाशित होने जा रहा है। यह हमारे पूर्वज **पं. गौरी शंकर मिश्र, ग्वालियर राजघराने के राज ज्योतिष** - को समर्पित एक विनम्र प्रयास है। आपके द्वारा स्थापित **१७९० ई० के पूर्व स्थापित माता बगलामुखी देवी का सिद्ध विग्रह** आज भी ग्राम निधान , तहसील जौरा, जिला मुरैना (म.प्र) में विद्यमान है। प्रार्थना है कि इस धर्म कृत्य के लिए माता का अनुग्रह सदैव बना रहे। अपार श्रद्धा और सम्मान के साथ, मैं इस **मग भास्कर पञ्चाङ्ग** को अपने पूज्य पिता स्वर्गीय **श्री रमेश चंद्र मिश्र** (मूल निवासी ग्राम निधान) को समर्पित करता हूँ। आपने ज्ञान, अनुशासन और आध्यात्मिकता की परिपूर्णता के साथ **शाकद्वीपीय वंश की गौरवशाली परंपराओं** को आगे बढ़ाया।

प्रस्तुत पञ्चाङ्ग मात्र एक तिथि पत्रक न होकर **काल गणना, ज्योतिष और खगोलीय लय** के उस पवित्र ज्ञान को समर्पित है, जिसे हमारे पूर्वजों ने पीढ़ी दर पीढ़ी संजोकर रखा। पञ्चाङ्ग पारंपरिक एवं अर्वाचीन खगोलीय सिद्धांतों के आधार पर निर्मित किया गया है जो शुभ तिथियों, पर्वों, और ग्रह नक्षत्रों की दृक् तुल्य जानकारी प्रदान करता है।

हमारा आदर्श वाक्य **"शाकद्वीपसंभूतं कालविज्ञानं"** (*"शाकद्वीपीय वंश की काल-गणना विद्या"*) शाकद्वीपियों की खगोलीय परंपरा से गहरे संबंध को प्रदर्शित करता है। आशा है कि यह पञ्चाङ्ग सभी श्रद्धालुओं, खगोल शास्त्रियों, विद्वानों और ज्योतिष प्रेमियों के लिए लाभदायक सिद्ध होगा।

कृतज्ञ एवं श्रद्धावनत
शशिकान्त मिश्र
संपादक, मग भास्कर पञ्चाङ्ग ***मो. +91 9497227600 ईमेल samparkskm@hotmail.com***



श्री बगलामुखी देवी का सिद्ध विग्रह
ग्राम निधान, जौरा तहसील, मुरैना (म.प्र.)
१७९०ई पूर्व से मग विप्रों द्वारा पूजित

ग्वालियर नगर का पञ्चाङ्ग

अक्षांश - २६°१२' उत्तर

रेखांश - ७८°१२' पूर्व

पलभा - ०५।५४।१७.४ अंगुलादि

संवत्सर में पठनीय सङ्कल्प

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः .....

सिद्धार्थी नामसंवत्सरे

द्वाशीति-उत्तर-द्विसहस्रतमे विक्रमाब्दे
(२०८२)

सप्तचत्वारिशदधिक एकोनविशति-
शततमे शालिवाह्नशकाब्दे

(१९४७) .....

॥सुप्रभात स्तोत्र ॥

(श्रीवामनपुराण के चौदहवें अध्याय में श्लोक २३-२८)

ब्रह्मा मुरारिस्त्रिपुरान्तकारी भानुः शशी भूमिसूतो बुधश्च।
गुरुश्च शुक्रः शनिराहुकेतवः कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्॥१॥

ब्रह्मा, विष्णु, शिव, सूर्य, चन्द्रमा, मङ्गल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु, केतु – ये सभी मेरे प्रातःकाल को मङ्गलमय करें।

भृगुर्वसिष्ठः क्रतुरङ्गिराश्च मनुः पुलस्य पुलहश्च गौतमः।
रैभ्यो मरीचिश्च्यवनश्च दक्षः कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्॥२॥

भृगु, वसिष्ठ, क्रतु, अङ्गिरा, मनु, पुलत्स्य, पुलह, गौतम, रैभ्य, मरीचि, च्यवन और दक्ष – ये समस्त मुनिगण मेरे प्रातःकाल को मङ्गलमय करें।

सनत्कुमारः सनकः सनन्दनः सनातनोऽप्यासुरिपिङ्गलौ च।
सप्त स्वराः सप्तरसातलानि कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्॥३॥

सनत्कुमार, सनक, सनन्दन, सनातन, आसुरि और पिङ्गल – ये ऋषिगण; षड्ज, ऋषभ, गान्धार, पञ्चम, धैवत, तथा निषाद – ये सप्त स्वर; अतल, वितल, सुतल, तलातल, महातल, रसातल तथा पाताल – ये सात अधोलोक सभी मेरे प्रातःकाल को मङ्गलमय करें।

सप्तार्णवाः सप्त कुलाचलाश्च सप्तर्षयो द्वीपनानि सप्त।
भूरादिकृत्वा भुवनानि सप्त कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्॥४॥

सातों समुद्र, सातों कुलपर्वत, सप्तर्षिगण, सातों वन तथा सातों द्वीप, भूर्लोकादि सातों लोक सभी मेरे प्रातःकाल को मङ्गलमय करें।

पृथ्वी सगन्धा सरसास्तथापः स्पर्शी च वायुर्ज्वलितं च तेजः।
नभः सशब्दं महता सहैव कुर्वन्तु सर्वे मम सुप्रभातम्॥

गन्धयुक्त पृथ्वी, रसयुक्त जल, स्पर्शयुक्त वायु, प्रज्वलित तेज, शब्दसहित आकाश एवं महतत्व – ये सभी मेरे प्रातःकाल को मङ्लमय करें।

इत्थं प्रभाते परमं पवित्रं पठेत् स्मरेद्वा श्रृणुयाच्च भक्त्या।
दुःस्वपननाशस्त्विह सुप्रभातं भवेच्च नित्यं भगवत्प्रसादात्॥

इस प्रकार उपर्युक्त इन प्रातः स्मरणीय परम पवित्र श्लोकों का जो मनुष्य भक्ति पूर्वक प्रातःकाल पाठ करता है, स्मरण करता है अथवा सुनता है, भगवत् दया से उसके दुःस्वप्न का नाश हो जाता है।

अनुक्रमणिका

विक्रमाब्द २०८२, शालिवाह्न शकाब्द १९४७, ३० मार्च २०२५ से १९ मार्च २०२६ तक

- ◊ संवत्सर संज्ञा - सिद्धार्थी।
- ◊ ३६६ सावन दिवसों का संवत्सर है।
- ◊ सृष्ट्यादि १,९५,५८,८५,१२६ गत वर्ष।
- ◊ सृष्ट्यादि अहर्गण ७,१४,४०,४१,६८,९२६ दिन।
- ◊ कलियुगादि ५१२६ गत वर्ष।
- ◊ कलियुगादि अहर्गण १८,७२,२९९ दिन।
- ◊ श्रीरामचन्द्र जन्म ८,८०,१६६ गत वर्ष।
- ◊ संवत्सरारंभ पर सूर्य की परम क्रान्ति **२३°२६' ९.५८३६"।**
  (जैट प्रपल्शन-२०१० सूत्र के अनुसार)
- ◊ इस संवत्सर के भीतर वसंत सम्पात दिवस नहीं होगा।

सिद्धार्थी संवत्सर फल

अन्तर राज्यीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धो में सौमनस्य रहता है। पृथ्वी पर सभी प्रकार के खाद्य पदार्थ की उत्पत्ति होती है। विकास के लिए संसाधनो की वृद्धि होती है। विश्व में अनेक प्रकार की वैज्ञानिक प्रगति होती है।

सम्वत्सर के दस अधिकारी, वाहन

राजा सूर्य - वर्ष के राजा सूर्य के होने पर राजनेताओं में तनाव रहता है। खेती की उपज थोड़ी होती है। अन्न महँगा तथा वर्षा अधिक होती है।

मंत्री सूर्य - यदि सूर्य वर्ष का मन्त्री हो तो उस वर्ष में राजनेताओं में तनाव रहता है, खेती में उपज थोड़ी होती है। अन्न महँगा तथा वर्षा अधिक होती है।

मेघेश सूर्य - अनाज पैदावार में कमी रहे। जनता में खलबली, भय, ढोंग व पाखण्ड बढ़ता है।

सस्येश बुध - सुख समृद्धि का माहौल रहे, समाज में शान्ति बहाल हो। बुद्धिजीवियों द्वारा शासक दल की प्रशंसा होती है।

दुर्गेश शनि - सर्वत्र अफरातफरी मची रहती है। लोगो में आपसी वैर भाव बढ़ता है। फसलों की स्थिति भी अच्छी नहीं रहती है।

धनेश मंगल - माघ में मीठी धूप पड़ते रहने से और तब वर्षा न होने से गेहूं आदि भूसे से पैदा होने वाले अनाज कम होते हैं। सारे देश में अस्थिरता का माहौल रहता है और शासन भी जन विरोधी तेवर अपनाता है।

रसेश शुक्र - अच्छी वर्षा के कारण लोगों में संतोष, सुख, सुभिक्ष रहता है और शासन अच्छी तरह चलता है।

धान्येश चन्द्र - श्रेष्ठ वर्षा, धरती पर जल की अच्छी स्थिति, फसलो की अच्छी पैदावार तथा लोगो में उत्साह रहता है।

नीरसेश बुध - सब रस पदार्थों के बाजार तेज रहते हैं। शासन की नीतियाँ प्रजानुकूल रहती है।

संवत्सर वाहन - संवत्सर वाहन घोड़ा है। इस संवत्सर में राजनैतिक मतभेद, सत्ता परिवर्तन, कम वर्षा, भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोपों का भय तथा बाजारों में महंगाई का रुख रहता है।

संवत्सर के चार स्तम्भ

जलस्तम्भ ८५.४% **तृणस्तम्भ १००%**

वायुस्तम्भ १०.७% **अन्नस्तम्भ २१.७%**

आर्षमान - प्रथम १३.९६% द्वितीय ३१.९% तृतीय ८२.९६% चतुर्थ ०%

रोहिणी वास - समुद्र में है। आगामी संवत्सर में व्यापक मात्रा में वर्षा होगी।

मेघ ज्ञान - नवमेघ नील, संवत्सर में तीव्र वर्षा के संकेत देता है। चतुर्मेघ संवर्त, तीव्र वर्षा के संकेत देता है।

विशोपक ज्ञान

प्रथम - वर्षा-११, धान्य-११, तृण-५, शीत-१३, गर्मी-१७, वायु-१३, प्रजा-१५, क्षय-१५, राजनैतिक टकराव-११

द्वितीय - क्षुधा-११, तृण-९, निद्रा-१५, आलस्य-१५, उद्यम-१३, शान्ति-१५, क्रोध -१३, दंभ-५, लोभ-३, मैथुन-१५, रस निष्पत्ति-९, फल निष्पत्ति-१३, लोगों का उत्साह-११

तृतीय - उग्रा-१३, पाप-१५, पुण्य-५, व्याधि-५, व्याधिनाश-३, आचार-३, अनाचार-९, मृत्यु-७, जन्म-१७, देश उपद्रव-७

विशोत्तरी आय व्ययांक

प्रयोग विधि - अपनी जन्म राशि के दोनों अंक जोड़कर १ घटाकर 8 से भाग दें। शेषानुसार फल - १-लाभ, २-सुख, ३-कष्ट, ४-रोग, ५-अपयश, ६-आदर, ७विजय, ०-हानि।

राशि	मे	वृ	मि	क	सि	कं	तु	वृ	ध	म	कु	मी
आय	१४	८	१४	८	११	१४	८	१४	११	१३	१३	११
व्यय	११	५	२	१४	११	२	५	११	२	५	५	२

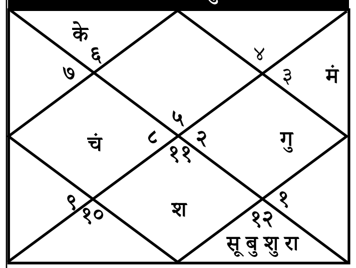
संवत्सर प्रवेश, जगत लग्न, आर्द्रा प्रवेश संवत्सर प्रवेश, जगत लग्न, आर्द्रा प्रवेश

संवत्सर प्रवेश २९ मार्च २०२५ १६:२६ बजे है।

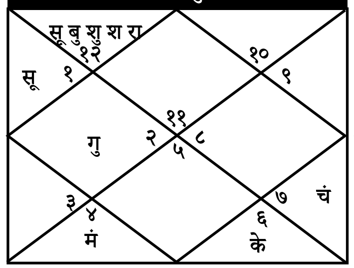
जगत लग्न - मेष संक्रान्ति १३ अप्रैल २०२५ रविवार २७:२२ घंटे (१४ अप्रैल रात्रि ०३:२२ बजे) पर है। लग्नेश शनि शुभ ग्रहों से युत पणफर में रहे तो वर्ष भर जगत में मनुष्य सुख भोगने वाले होते हैं, संसार में अधिक अन्न व अच्छी वर्षा हो। अन्न सस्ता हो। जनता में पित्त, कफ, वायु जनित रोगों की आशंका राजनेताओं में आपसी मतभेद बढ़े। राजनेता प्रसन्न, राज्य में पुष्टि, नेताओं की संतानें सत्ता में प्रभाव बढ़ाएँ, अन्य राज्यों से लाभ। राज्यों में सस्ती और अधिक अन्न की प्राप्ति हो। कपास में महंगी, अधिक आम की फसल, दूध आदि की अधिकता, व्यापारियों को अल्प भय, गेहूँ व खर्बूजादि का बाहुल्यता, तिलों की अधिकता, रोग ग्रस्त बालक, अग्नि भय, तृण की अधिकता हो।

आर्द्रा प्रवेश - सूर्य नारायण का आर्द्रा प्रवेश २२ जून २०२५ रविवार ०६:२० घंटे पर है। द्वादशी तिथि का आर्द्रा प्रवेश आगामी वर्ष में नाना प्रकार के शुभ फल के संकेत देता है। परंतु रविवार, दिवस काल में, भरणी नक्षत्र में जल से संबंधित रोग, पशु नाश, अच्छी वर्षा के न होने का सूचक है। आर्द्रा नक्षत्र में अच्छी वर्षा नहीं होगी। कुण्डली में चन्द्रमा और शुक्र की युति त्रिकोण भाव में तथा एकादश भाव में बुधादित्य योग वर्षा शुभ वर्षा के योग बनाते हैं। परंतु किसी भी जलचर राशि या जलीय राशि की अनुकूलता बिलकुल नहीं है। अतः आगामी वर्ष में सामान्य वर्षा ही संभावित है।

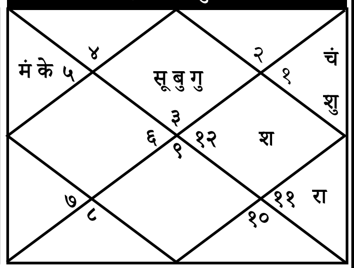
संवत्सर प्रवेश कुण्डली



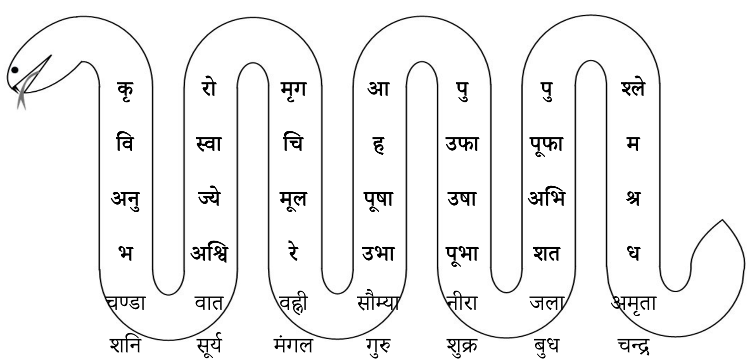
जगत लग्न कुण्डली



आर्द्रा प्रवेश कुण्डली



सप्तनाड़ी विचार - आर्द्रा प्रवेश के समय **वह्नी नाड़ी** है। मंगल अमृता नाड़ी में है। अतः तेज वायु, गर्मी, उमस से परेशानी रहेगी। सप्तनाड़ी अध्ययन में पूरे संवत्सर में ज्यादातर ग्रह वर्षा नाड़ियों में वर्षा की अनुकूलता दर्शाते हैं। संवत्सर भर चण्डा/वात/वह्नी/सौम्या/नीरा/जला/अमृता आदि नाडियों में क्रमशः २६८/२३७/५२२/४७१/४५९/३०८/२२० ग्रहों का गोचर वर्षा नाड़ियों में अधिक है। वर्षा ऋतु में भी चण्डादि नाडियों में क्रमशः ३१/२५/१३८/११८/१२०/१२०/१०६ ग्रहों का गोचर होगा। यहाँ भी वर्षा नाड़ियों में अधिक ग्रहों का गोचर है। स्पष्ट रूप से वर्षा नाडियों में अधिक ग्रहों का होना अच्छी वर्षा संकेत देती है। लेकिन वह्नी नाड़ी के भी प्रबल होने से उमस बहुत अधिक रहेगी। ग्रीष्म ऋतु चण्डादि नाड़ियों में ६२/८१/१९४/९१/३१/८०/४९ के मासों में चण्ड-वात-वह्नी में अधिक ग्रहों का गोचर **तेज गर्मी, लू आदि से जनता परेशान रहेगी, लेकिन वर्षा ऋतु से राहत मिलेगी।**



धार्मिक कार्य संबंधित महत्वपूर्ण खगोलीय घटनाएँ

चन्द्र ग्रहण

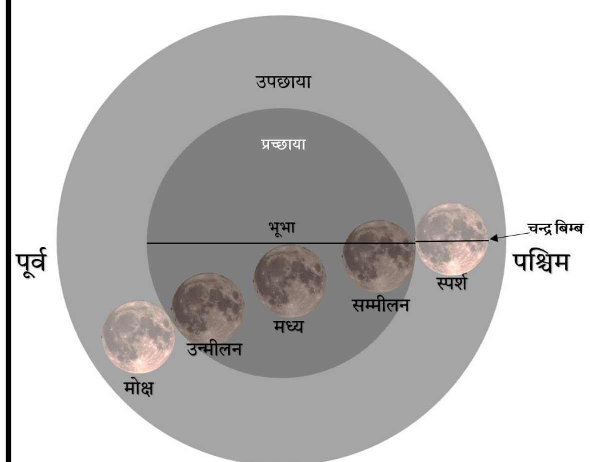
(क) **पूर्ण चन्द्र ग्रहण ०७ सितम्बर २०२५** - भारतीय मानक समय के अनुसार रात्रि के दूसरे प्रहर में ०९:५७ बजे से पूर्ण चन्द्र ग्रहण दिखेगा। ग्रहण का समय ०३घंटे २९ मिनट का है। ग्वालियर समयानुसार मध्यदिवस १२:१७ बजे से सूतक आरंभ होगा।

बिम्ब प्रमाण -	सूर्य बिम्ब	१०:३५:००
	चन्द्र बिम्ब (छाद्य)	११:२८:१४
	छादक बिम्ब (भूभा)	२९:४३:१९
स्पर्श-मोक्ष काल -	स्पर्श स्थिति	२१:५७ बजे
	सम्मीलन काल	२३:०० बजे
	मध्य काल	२३:४१ बजे
	उन्मीलन काल	२४:२२ बजे
	मोक्ष स्थिति	२५:२६ बजे

(ख) **खग्रास चन्द्र ग्रहण ०३ मार्च २०२६** - भारतीय मानक समय के अनुसार ग्रसित चन्द्र का उदय ग्वालियर १८:२० बजे होगा। ग्वालियर में खग्रास चन्द्र ग्रहण मात्र २७ मिनट तक दिखेगा।

सूर्योदय से सूतक आरंभ हो जाता है। रात्रि में भी भोजन का निषेध है।

बिम्ब प्रमाण -	सूर्य बिम्ब	१०:५६:०५
	चन्द्र बिम्ब (छाद्य)	१०:४६:२७
	छादक बिम्ब (भूभा)	२७:०६:११
स्पर्श-मोक्ष काल -	ग्रस्तोदय	१८:२० बजे
	मध्य काल	१८:२७ बजे
	मोक्ष स्थिति	१८:४७ बजे



(ग) **अगस्त्य तारा लोप दर्शन** - अगस्त्य अर्घ्य तथा दूर्वाष्टमी निर्णय के लिए अगस्त्य तारा लोप दर्शन काल की गणना की जाती है। आकाशीय मण्डल में परिवर्तन के कारण पौराणिक तथा आधुनिक काल में भेद लगभग एक पक्ष का अंतर आता है।

	पौराणिक गणना द्वारा	आधुनिक गणना द्वारा
अस्त	१५ मई २५, १९:१२घंटे	३० अप्रैल २५, १९:३०घंटे
सूर्य	वृषभ राशि	मेष राशि
उदय	१२ सितम्बर २५, ०४:२६घंटे	२३ अगस्त२५, ०५:१२घंटे
सूर्य	सिह राशि	सिह राशि

दूर्वाष्टमी निर्णय - १६ अगस्त २०२५ भाद्रपद कृष्ण ८ शनिवार को सिह के सूर्य में दोषमुक्त दूर्वाष्टमी व्रत प्रशस्त है। (*शुक्ल पक्ष में ८ को ज्येष्ठा नक्षत्र के कारण ग्राह्य नहीं है।)*

ग्रहों का राशि प्रवेश समय (घंटा मिनट)

सूर्य संक्रान्ति

राशि	मास	वार	नक्षत्र	दिनाङ्क	समय
मेष	चैत्र कृष्ण १	र	स्वाति	१३-०४-२०२५	२७:२२
वृष	ज्येष्ठ कृष्ण २	बु	ज्येष्ठा	१४-०५-२०२५	२४:१३
मिथुन	आषाढ़ कृष्ण ४	र	श्रवण	१५-०६-२०२५	६:४५
कर्क	श्रावण कृष्ण ६	बु	उ.भा.	१६-०७-२०२५	१७:३२
सिह	भाद्रपद कृष्ण ८	श	कृत्तिका	१६-०८-२०२५	२५:५२
कन्या	आश्विन कृष्ण १०	मं	पुनर्वसु	१६-०९-२०२५	२५:४७
तुला	कार्तिक कृष्ण ११	शु	मघा	१७-१०-२०२५	१३:४६
वृश्चिक	मार्ग. कृष्ण १२	र	हस्त	१६-११-२०२५	१३:३७
धनु	पौष कृष्ण ११	सो	स्वाती	१५-१२-२०२५	२८:१९
मकर	माघ कृष्ण ११	बु	अनुराधा	१४-०१-२०२६	१५:०६
कुंभ	फाल्गुन कृष्ण १०	गु	मूल	१२-०२-२०२६	२८:०७
मीन	चैत्र कृष्ण १०	श	उ.षा.	१४-०३-२०२६	२५:०१

सूर्य सायन संक्रान्ति

अंश	सायन राशि	वार	दिनाङ्क	समय	टिप्पणी
३०	वृष		१९-०४-२०२५	२५:२६	
६०	मिथुन		२०-०५-२०२५	२४:२४	दक्षिणायन
९०	कर्क		२१-०६-२०२५	८:१२	
१२०	सिह		२२-०७-२०२५	१८:५९	
१५०	कन्या		२८-०८-२०२५	२६:०३	
१८०	तुला		२२-०९-२०२५	२३:४९	शरद सम्पात
२१०	वृश्चिक		२३-१०-२०२५	९:२०	
२४०	धनु		२२-११-२०२५	७:०५	
२७०	मकर		२१-१२-२०२५	२०:३३	उत्तरायण
३००	कुंभ		२०-०१-२०२६	७:१४	
३३०	मीन		१८-०२-२०२६	२१:२१	

इस संवत्सर में सायन मेष (विषुव) संक्रान्ति नहीं हो रही है। अगली मेष संक्रान्ति २० मार्च २०२६ को २०:१५ बजे हो रही है।

गुरु राशि प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	राशि	समय
१४-०५-२०२५	बु	मिथुन	२२:४०
१८-१०-२०२५	श	कर्क	१९:५२
०५-१२-२०२५	शु	मिथुन	१७:२६

शुक्र राशि प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	राशि	समय
३१-०५-२०२५	श	मेष	११:३३
२९-०६-२०२५	र	वृष	१४:०९
२६-०७-२०२५	श	मिथुन	८:५६
२०-०८-२०२५	बु	कर्क	२५:१८
१४-०९-२०२५	र	सिह	२४:१६
०९-१०-२०२५	गु	कन्या	१०:४९
०२-११-२०२५	र	तुला	१३:१५
२६-११-२०२५	बु	वृश्चिक	११:२१
२०-१२-२०२५	श	धनु	७:४४
१२-०१-२०२६	सो	मकर	२७:५६
०५-०२-२०२६	गु	कुंभ	२५:०९
०१-०३-२०२६	र	मीन	२४:५५

शनि राशि प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	राशि	समय
संपूर्ण संवत्सर काल मीन राशि			

राहु राशि प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	राशि	समय
१८-०५-२०२५	र	कुंभ	१९:२०

बुध राशि प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	राशि	समय
०६-०५-२०२५	मं	मेष	२८:०७
२३-०५-२०२५	शु	वृष	१३:००
०६-०६-२०२५	शु	मिथुन	९:२७
२२-०६-२०२५	र	कर्क	२१:३३
३०-०८-२०२५	श	सिह	१६:४१
१५-०९-२०२५	सो	कन्या	११:०७
०२-१०-२०२५	गु	तुला	२७:४३
२४-१०-२०२५	शु	वृश्चिक	१२:३६
२३-११-२०२५	र	तुला	२०:२८
०६-१२-२०२५	श	वृश्चिक	२०:२८
२९-१२-२०२५	सो	धनु	७:२२
१७-०१-२०२६	श	मकर	१०:२२

मंगल राशि प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	राशि	समय
०२-०४-२०२५	बु	कर्क	२५:२९
०६-०६-२०२५	शु	सिह	२६:१२
२८-०७-२०२५	सो	कन्या	१९:५८
१३-०९-२०२५	श	तुला	२१:२२
२७-१०-२०२५	सो	वृश्चिक	१५:४२
०७-१२-२०२५	र	धनु	२०:१६
१५-०१-२०२६	गु	मकर	२८:२६
२३-०२-२०२६	सो	कुंभ	११:४७

वक्री-मार्गी, उदयास्त

बुध वक्री-मार्गी काल

	से	तक
वक्री	संवत्सरारंभ से	०६-०४-२०२५
मार्गी	०६-०४-२०२५	१८-०७-२०२५
वक्री	१८-०७-२०२५	१०-०८-२०२५
मार्गी	१०-०८-२०२५	१०-११-२०२५
वक्री	१०-११-२०२५	२९-११-२०२५
मार्गी	२९-११-२०२५	२६-०२-२०२६
वक्री	२६-०२-२०२६	२०-०३-२०२६
अस्त	संवत्सरारंभ से	३१-०३-२०२५
उदित	३१-०३-२०२५	२४-०७-२०२५
अस्त	२४-०७-२०२५	०९-०८-२०२५
उदित	०९-०८-२०२५	२९-०८-२०२५
अस्त	२९-०८-२०२५	२८-०९-२०२५
उदित	२८-०९-२०२५	१४-११-२०२५
अस्त	१४-११-२०२५	२६-११-२०२५
उदित	२६-११-२०२५	२७-१२-२०२५
अस्त	२७-१२-२०२५	०६-०२-२०२६
उदित	०६-०२-२०२६	२८-०२-२०२६
अस्त	२८-०२-२०२६	१३-०३-२०२६

शुक्र वक्री-मार्गी/उदय-अस्त काल

	से	तक
अस्त	१९-०३-२०२५	२१-०३-२०२५
उदित	२१-०३-२०२५	१२-१२-२०२५
अस्त	१२-१२-२०२५	३१-०१-२०२६
वक्री	संवत्सरारंभ से	१२-०४-२०२५
मार्गी	१२-०४-२०२५	संवत्सर अंत तक

गुरु वक्री-मार्गी/उदय-अस्त काल

	से	तक
मार्गी	संवत्सरारंभ से	१२-११-२०२५
वक्री	१२-११-२०२५	१०-०३-२०२६
उदित	संवत्सरारंभ से	११-०६-२०२५
अस्त	११-०६-२०२५	०८-०७-२०२५

मंगल वक्री-मार्गी/उदय-अस्त काल

	से	तक
उदित	संवत्सरारंभ	२४-११-२०२५
अस्त	२४-११-२०२५	सं. समाप्ति तक
वक्री	संवत्सरारंभ से	सं. समाप्ति तक

शनि वक्री-मार्गी/उदय-अस्त काल

	से	तक
मार्गी	संवत्सरारंभ से	१३-०७-२०२५
वक्री	१३-०७-२०२५	२७-११-२०२५
उदित	संवत्सरारंभ से	११-०३-२०२५
अस्त	११-०३-२०२५	०९-०४-२०२५

शुक्रास्त में वर्जित - बावली, कूप, तालाब, प्रपा, यात्रा, मुण्डन, प्रतिष्ठा, कृच्छादि व्रत, पाठशाला, मन्दिर, कर्म वेध, गोदान, तुला दान (महादान), वनयात्रा (वानप्रस्थ प्रवेश), तीर्थ स्नान, विवाह, देवगृह, मन्त्र ग्रहण, देव दर्शन, ये सब कार्य शुक्रास्त में वर्जित हैं।

नमाम्यहं वेदनिधि मुरारि वेदान्तविज्ञानसुनिश्चितार्थम्। सूर्येन्दुवत्प्रोज्ज्वलनेत्रमिन्द्रं खगस्वरूपं च पतिस्वरूपम्॥

जो वेदों के निधि हैं, वेदान्त के विज्ञान द्वारा जिनके परमार्थ स्वरूप का भलीभाँति निश्चय होता है, सूर्य और चन्द्रमा के तुल्य जिनके नेत्र हैं, तथा जो खगपति (गरुड़) स्वरूप हैं, उन भगवान्, मुरारि को मैं प्रणाम करता हूँ।

ग्रहों का नक्षत्र प्रवेश समय (घंटा मिनट)

सूर्य नक्षत्र प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	समय
३१-०३-२०२५	सो	रेवती	१४:००
१३-०४-२०२५	र	अश्विनी	२७:२२
२७-०४-२०२५	र	भरणी	१९:११
११-०५-२०२५	र	कृत्तिका	१३:१९
२५-०५-२०२५	र	रोहिणी	९:३२
०८-०६-२०२५	र	मृगशिरा	७:१८
२२-०६-२०२५	र	आर्द्रा	६:२०
०६-०७-२०२५	र	पुनर्वसु	०५:४७
१९-०७-२०२५	श	पुष्य	२९:२२
०२-०८-२०२५	श	आश्लेषा	२८:०८
१६-०८-२०२५	श	मघा	२५:५२
३०-०८-२०२५	श	पू.फा.	२१:४३
१३-०९-२०२५	श	उ.फा.	१५:४०
२७-०९-२०२५	श	हस्त	०७:०६
१०-१०-२०२५	शु	चित्रा	२०:११
२४-१०-२०२५	शु	स्वाति	०६:४०
०६-११-२०२५	गु	विशाखा	१४:५२
१९-११-२०२५	बु	अनुराधा	२०:५६
०२-१२-२०२५	मं	ज्येष्ठा	२५:१४
१५-१२-२०२५	सो	मूल	२८:१९
२९-१२-२०२५	सो	पू.षा.	०६:२९
११-०१-२०२६	र	उ.षा.	०८:३४
२४-०१-२०२६	श	श्रवण	१०:४८
०६-०२-२०२६	शु	धनिष्ठा	१४:०३
१९-०२-२०२६	गु	शतभिषा	१८:३१
०४-०३-२०२६	बु	पू.भा.	२४:५२
१८-०३-२०२६	बु	उ.भा.	०९:१९

मंगल नक्षत्र प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	समय
१२-०४-२०२५	श	पुष्य	६:१०
१२-०५-२०२५	सो	आश्लेषा	८:३८
०६-०६-२०२५	शु	मघा	२६:१२
३०-०६-२०२५	सो	पू.फा.	२०:१८
२३-०७-२०२५	बु	उ.फा.	८:३७
१३-०८-२०२५	बु	हस्त	२२:३१
०३-०९-२०२५	बु	चित्रा	१७:५१
२३-०९-२०२५	मं	स्वाति	२०:५६
१३-१०-२०२५	सो	विशाखा	९:१७
०१-११-२०२५	श	अनुराधा	८:१७
१९-११-२०२५	बु	ज्येष्ठा	१९:२९
०७-१२-२०२५	र	मूल	२०:१६
२५-१२-२०२५	गु	पू.षा.	१२:१३
११-०१-२०२६	र	उ.षा.	२१:०८
२८-०१-२०२६	बु	श्रवण	२४:३६
१४-०२-२०२६	श	धनिष्ठा	२४:३५
०३-०३-२०२६	मं	शतभिषा	२२:५२

बुध नक्षत्र प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	समय
०३-०४-२०२५	गु	पू.भा.	१८:४१
११-०४-२०२५	शु	उ.भा.	१७:३०
२७-०४-२०२५	र	रेवती	१५:३१
०६-०५-२०२५	मं	अश्विनी	२८:०७
१४-०५-२०२५	बु	भरणी	२५:०२
२१-०५-२०२५	बु	कृत्तिका	२२:१८
२७-०५-२०२५	मं	रोहिणी	२९:०५
०३-०६-२०२५	मं	मृगशिरा	६:५७

बुध नक्षत्र प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	समय
०९-०६-२०२५	सो	आर्द्रा	१४:५७
१६-०६-२०२५	सो	पुनर्वसु	१७:०३
२४-०६-२०२५	मं	पुष्य	२९:०४
०७-०७-२०२५	सो	आश्लेषा	५:४६
२९-०७-२०२५	मं	पुष्य	१६:२५
२१-०८-२०२५	गु	आश्लेषा	२८:२०
३०-०८-२०२५	श	मघा	१६:४१
०६-०९-२०२५	श	पू.फा.	१६:४३
१३-०९-२०२५	श	उ.फा.	१६:०१
२०-०९-२०२५	श	हस्त	२४:५३
२८-०९-२०२५	र	चित्रा	२३:०६
०७-१०-२०२५	मं	स्वाति	१२:१८
१६-१०-२०२५	गु	विशाखा	१९:०५
२७-१०-२०२५	सो	अनुराधा	९:३१
२०-११-२०२५	गु	विशाखा	२८:१६
०९-१२-२०२५	मं	अनुराधा	२६:२८
२०-१२-२०२५	श	ज्येष्ठा	६:०८
२९-१२-२०२५	सो	मूल	७:२२
०६-०१-२०२६	मं	पू.षा.	२३:५९

गुरु नक्षत्र प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	समय
१०-०४-२०२५	गु	मृगशिरा	१८:५९
१३-०६-२०२५	शु	आर्द्रा	२३:३०
१२-०८-२०२५	मं	पुनर्वसु	२९:०२

राहु नक्षत्र प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	समय
२३-११-२०२५	र	शतभिषा	१२:४१

बुध नक्षत्र प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	समय
१५-०१-२०२६	गु	उ.षा.	९:१८
२३-०१-२०२६	शु	श्रवण	१०:२३
३०-०१-२०२६	शु	धनिष्ठा	२७:२३
०७-०२-२०२६	श	शतभिषा	१६:२९
१५-०२-२०२६	र	पू.भा.	२१:४०
१०-०३-२०२६	मं	शतभिषा	८:००

शुक्र नक्षत्र प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	समय
३१-०३-२०२५	सो	पू.भा.	२८:४६
२५-०४-२०२५	शु	उ.भा.	२३:३५
१६-०५-२०२५	शु	रेवती	१२:४७
३१-०५-२०२५	श	अश्विनी	११:३३
१३-०६-२०२५	शु	भरणी	२१:१३
२६-०६-२०२५	गु	कृत्तिका	१२:१७
०८-०७-२०२५	मं	रोहिणी	१६:२४
२०-०७-२०२५	र	मृगशिरा	१२:५५
३१-०७-२०२५	गु	आर्द्रा	२७:४४
१२-०८-२०२५	मं	पुनर्वसु	१४:०७
२३-०८-२०२५	श	पुष्य	२०:३६
०३-०९-२०२५	बु	आश्लेषा	२३:५१
१४-०९-२०२५	र	मघा	२४:१६
२५-०९-२०२५	गु	पू.फा.	२२:११
०६-१०-२०२५	सो	उ.फा.	१८:०६
१७-१०-२०२५	शु	हस्त	१२:१९
२७-१०-२०२५	सो	चित्रा	२१:११
०७-११-२०२५	शु	स्वाति	२१:०७
१८-११-२०२५	मं	विशाखा	१२:१८

शुक्र नक्षत्र प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	समय
२८-११-२०२५	शु	अनुराधा	२७:००
०९-१२-२०२५	मं	ज्येष्ठा	१७:२८
२०-१२-२०२५	श	मूल	७:४४
३०-१२-२०२५	मं	पू.षा.	२१:५९
१०-०१-२०२६	श	उ.षा.	१२:२०
२०-०१-२०२६	मं	श्रवण	२६:४८
३१-०१-२०२६	श	धनिष्ठा	१७:३५
११-०२-२०२६	बु	शतभिषा	८:५०
२१-०२-२०२६	श	पू.भा.	२४:३६:००
०४-०३-२०२६	बु	उ.भा.	१७:०८
१५-०३-२०२६	र	रेवती	१०:३७

शनि नक्षत्र प्रवेश समय (घंटा मिनट)

दिनाङ्क	वार	नक्षत्र	समय
२८-०४-२०२५	सो	उ.भा.	६:३१
०३-१०-२०२५	शु	पू.भा.	२३:४७
२०-०१-२०२६	मं	उ.भा.	१०:२९

संक्षिप्त व्रत-पर्व-उत्सव सारणी

चैत्र (शुक्ल)			वैशाख			आषाढ़			भाद्रपद		
३०-०३-२०२५	र	वत्सरारंभ, वासंतीय नवरात्रि	०२-०५-२०२५	शु	शङ्कराचार्य जयन्ती, सूरदास जयन्ती	२६-०६-२०२५	गु	गुप्त नवरात्रांभ	१५-०८-२०२५	शु	कृष्णावतार जन्माष्टमी
३१-०३-२०२५	सो	मत्स्यावतार, बालेन्दु व्रत, गणगौरी पूजा	०३-०५-२०२५	श	निम्ब/शर्करा/कमल/गङ्गा सप्तमी	२७-०६-२०२५	शु	श्री जगन्नाथ रथयात्रा	१७-०८-२०२५	र	गोगा नवमी
०१-०४-२०२५	मं	वासुदेवरूप श्रीगणेश पूजा	०५-०५-२०२५	सो	बगुलामुखी जयन्ती	३०-०६-२०२५	सो	स्कंध षष्ठी	१९-०८-२०२५	मं	अजा एकादशी
०२-०४-२०२५	बु	श्रीपञ्चमी, पृथ्वीव्रत, चान्द्रव्रत, हयग्रीव व्रत	०६-०५-२०२५	मं	सीता नवमी।	०२-०७-२०२५	बु	सूर्य सप्तमी (विवस्वान व्रत)	२३-०८-२०२५	श	अगस्त्यार्घ्यव्रतारंभ॥ कुशोत्पटनी अमावस्या
०३-०४-२०२५	गु	कुमारव्रत, स्कंद षष्ठी, यमुना छठ	०८-०५-२०२५	गु	मोहिनी एकादशी व्रत।	०४-०७-२०२५	शु	भड्डुली नवमी	२६-०८-२०२५	मं	हरतालिका तीज व्रत॥ ४ चन्द्र दर्शन निषेध
०४-०४-२०२५	शु	सूर्य सप्तमी, मोदनव्रत	०९-०५-२०२५	शु	शुक्र प्रदोष व्रत। मधुसूदन पूजा	०५-०७-२०२५	श	वामन पूजा	२८-०८-२०२५	गु	ऋषि पञ्चमी
०५-०४-२०२५	श	महाष्टमीव्रत, अशोक-कलिका प्राशन	१०-०५-२०२५	श	छिन्नमस्ता जयन्ती। कामदेव व्रत	०६-०७-२०२५	र	देवशयनी एकादशी॥ चातुर्मास्यव्रतारंभ	२९-०८-२०२५	शु	बलराम जयन्ती
०६-०४-२०२५	र	राम नवमी, दुर्गा/मातृका नवमी	११-०५-२०२५	र	नृसिहावतार। लिङ्गव्रत	०७-०७-२०२५	सो	वामन पूजा	३०-०८-२०२५	श	मुक्ताभरण/संतान सप्तमी॥ महालक्ष्मी व्रतारंभ
०७-०४-२०२५	सो	धर्मराज दशमी	१२-०५-२०२५	सो	यमाय कुम्भदान। कूर्मावतार	०८-०७-२०२५	मं	भौम प्रदोष व्रत	३१-०८-२०२५	र	राधाष्टमी॥
०८-०४-२०२५	मं	कामदा एकादशी, लक्ष्मीकान्त दोलनोत्सव	**ज्येष्ठ**			१०-०७-२०२५	गु	कोकिला व्रतारंभ, गुरु पूर्णिमा	०१-०९-२०२५	सो	नन्दा नवमी
०९-०४-२०२५	बु	मदन व्रत, भर्तृ द्वादशी	१६-०५-२०२५	शु	संकष्ट चतुर्थी व्रत	**श्रावण**			०२-०९-२०२५	मं	दशावतार जयन्ती
१०-०४-२०२५	गु	प्रदोष व्रत, अनङ्ग त्रयोदशी	२०-०५-२०२५	मं	शीतला अष्टमी व्रत	१४-०७-२०२५	सो	संकष्ट चतुर्थी। प्रथम सोमवार	०३-०९-२०२५	बु	पद्मा एकादशी ५४:३७घटी वेध
११-०४-२०२५	शु	दमनपवित्ररोपण	२३-०५-२०२५	शु	अपरा एकादशी	१५-०७-२०२५	मं	नागपञ्चमी पूजा व्रत	०४-०९-२०२५	गु	वामनावतार॥
१२-०४-२०२५	श	हनुमन जयन्ती	२४-०५-२०२५	श	शनि प्रदोष व्रत	२१-०७-२०२५	सो	द्वितीय सोमवार व्रत॥ कामिका एकादशी	०५-०९-२०२५	शु	शुक्र प्रदोष व्रत
वैशाख			२६-०५-२०२५	सो	वट सावित्री व्रत	२२-०७-२०२५	मं	भौम प्रदोष	०६-०९-२०२५	श	अनन्त चतुर्दशी व्रत
१५-०४-२०२५	मं	आशामाई दौज	२७-०५-२०२५	मं	भौमवती अमावस्या	२४-०७-२०२५	गु	हरियाली अमावस्या	०७-०९-२०२५	र	चन्द्र ग्रहण ॥ १५ तिथि श्राद्ध॥
१६-०४-२०२५	बु	संकष्ट चतुर्थीव्रत	२८-०५-२०२५	बु	करवीर व्रत	२८-०७-२०२५	सो	तृतीय सोमवार व्रत	**आश्विन**		
१७-०४-२०२५	गु	अनुसूईया जयन्ती	२९-०५-२०२५	गु	रम्भा तृतीया	२९-०७-२०२५	मं	नागपञ्चमी	०८-०९-२०२५	सो	प्रतिपदा श्राद्ध
२०-०४-२०२५	र	गुरु अर्जुनदेव जयन्ती	०३-०६-२०२५	मं	धूमावती जयन्ती	३०-०७-२०२५	बु	कल्की अवतार	०९-०९-२०२५	मं	द्वितीया श्राद्ध
२१-०४-२०२५	सो	शीतला अष्टमी व्रत	०५-०६-२०२५	गु	गङ्गा दशहरा, बटुक भैरव जयन्ती	३१-०७-२०२५	गु	गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती	१०-०९-२०२५	बु	तृतीया श्राद्ध
२४-०४-२०२५	गु	वरुथिनी एकादशी।	०६-०६-२०२५	शु	निर्जला एकादशी	०४-०८-२०२५	सो	चतुर्थ सोमवार व्रत	११-०९-२०२५	गु	पंचमी श्राद्ध
२५-०४-२०२५	शु	प्रदोष व्रत।	०८-०६-२०२५	र	अर्क प्रदोष	०५-०८-२०२५	मं	पुत्रदा एकादशी॥ पवित्रार्पण	१२-०९-२०२५	शु	षष्ठी श्राद्ध
२६-०४-२०२५	श	मास शिवरात्रि।	१०-०६-२०२५	मं	वट सावित्री व्रत	०८-०८-२०२५	शु	हयग्रीव जयन्ती	१३-०९-२०२५	श	सप्तमी श्राद्ध
२७-०४-२०२५	र	ऋषि पाराशर जयंती, श्रीशुकदेव जयन्ती	**आषाढ़**			०९-०८-२०२५	श	ऋषि तर्पण, श्रावणी पूजन, रक्षाबन्धन	१४-०९-२०२५	र	अष्टमी श्राद्ध॥ जीवत्पुत्रिका व्रत
२८-०४-२०२५	सो	छत्रपति शिवाजी जयन्ती ।	१४-०६-२०२५	श	संकष्ट चतुर्थी व्रत	**भाद्रपद**			१५-०९-२०२५	सो	नवमी श्राद्ध॥ मातृ नवमी
२९-०४-२०२५	मं	परशुरामावतार	१८-०६-२०२५	बु	कालाष्टमी॥	१२-०८-२०२५	मं	कज्जली तीज/अंगारक चतुर्थी व्रत	१६-०९-२०२५	मं	दशमी श्राद्ध
३०-०४-२०२५	बु	गंगा स्नान-दान, अक्षय-तृतीया	२२-०६-२०२५	र	योगिनी एकादशी	१४-०८-२०२५	गु	हल षष्ठी	१७-०९-२०२५	बु	एकादशी श्राद्ध॥ इन्दिरा एकादशी ४५:५५ घटी वेध
०१-०५-२०२५	गु	बासवा जयन्ती	२३-०६-२०२५	सो	सोम प्रदोष व्रत						

संक्षिप्त व्रत-पर्व-उत्सव सारणी

आश्विन			कार्तिक			माघ		
१८-०९-२०२५	गु	द्वादशी श्राद्ध ॥ सन्यासी-यति वैष्णवों का श्राद्ध	०४-११-२०२५	मं	वैकुण्ठ चतुर्दशी	०५-०२-२०२६	गु	संकष्ट चतुर्थी व्रत
१९-०९-२०२५	शु	त्रयोदशी श्राद्ध ॥	०५-११-२०२५	बु	कार्तिक पूर्णिमा ॥ श्री गुरुनानक जयन्ती ॥	१३-०२-२०२६	शु	विजया एकादशी ॥
२०-०९-२०२५	श	चतुर्दशी श्राद्ध	**मार्गशीर्ष**			१५-०२-२०२६	र	महाशिवरात्रि
२१-०९-२०२५	र	रोगहा व्रत (आदित्य+उ.फा.) सर्व पितृश्राद्ध	०८-११-२०२५	श	संकष्ट चतुर्थी व्रत	१७-०२-२०२६	मं	भौमवती अमावस्या
२२-०९-२०२५	सो	मातामह श्राद्ध, शारदीय नवरात्र आरंभ	१२-११-२०२५	बु	श्री कालभैरव जयन्ती	**फाल्गुन**		
२६-०९-२०२५	शु	उपाङ्ग ललिता व्रत	१५-११-२०२५	श	उत्पन्ना एकादशी ४५:३४घटी का वेध	१६-०२-२०२६	गु	श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती, फुलैरा दौज
३०-०९-२०२५	मं	महाअष्टमी व्रत ॥	१७-११-२०२५	सो	सोम प्रदोष	२०-०२-२०२६	शु	मधुकरव्रत, अविघ्नकरव्रत, मनोरथ ४
०१-१०-२०२५	बु	महानवमी व्रत	२५-११-२०२५	मं	श्रीराम विवाहोत्सव	२४-०२-२०२६	मं	होलाष्टक आरंभ
०२-१०-२०२५	गु	भगवान बुद्धावतार ॥ दुर्गा विसर्जन ॥ विजया दशमी	०१-१२-२०२५	सो	मोक्षदा एकादशी ॥ गीता जयन्ती	२५-०२-२०२६	बु	आनंद नवमी
०३-१०-२०२५	शु	पापाङ्कुशा एकादशी	०२-१२-२०२५	मं	भौम प्रदोष	२७-०२-२०२६	शु	आमलकी एकादशी
०४-१०-२०२५	श	शनि प्रदोष	**पौष**			२८-०२-२०२६	श	पापनाशिनी द्वादशी
०६-१०-२०२५	सो	शरद पूर्णिमा, कोजागरी पूजा	०७-१२-२०२५	र	संकष्ट चतुर्थी व्रत	०१-०३-२०२६	र	अर्क प्रदोष १८:१८से २०:४२तक
०७-१०-२०२५	मं	महर्षि वाल्मीकि जयन्ती ॥	१५-१२-२०२५	सो	सफला एकादशी ॥	०२-०३-२०२६	सो	होलिका दहन २५:३७-२६:३७तक
कार्तिक			३१-१२-२०२५	बु	पुत्रदा एकादशी	०३-०३-२०२६	मं	ग्रस्तोदय चन्द्र ग्रहण।
१०-१०-२०२५	शु	संकष्ट चतुर्थी व्रत ॥ करक चतुर्थी व्रत, दशरथ पूजा ॥	०१-०१-२०२६	गु	प्रदोष व्रत।	**चैत्र (कृष्ण)**		
१३-१०-२०२५	सो	अहोई अष्टमी (चन्द्रोदय २३:२३)	**माघ**			०४-०३-२०२६	बु	वसंतोत्सव, रंग होली (होलिकोत्सव)
१४-१०-२०२५	मं	राधाष्टमी (उदया)	०६-०१-२०२६	मं	गणेश चतुर्थी व्रत	०५-०३-२०२६	गु	भाई दूज
१७-१०-२०२५	शु	रमा एकादशी ॥ गोवत्सर द्वादशी	१२-०१-२०२६	सो	विवेकानन्द जयन्ती	०६-०३-२०२६	शु	संकष्ट चतुर्थी व्रत(चन्द्रोदय २१:०७)
१८-१०-२०२५	श	शनि प्रदोष ॥ यमदीपदान ॥ धन त्रयोदशी।	१३-०१-२०२६	मं	लोहड़ी पर्व	०८-०३-२०२६	र	रंग पंचमी
१९-१०-२०२५	र	हनुमज्जन्मोत्सव (निशाकाल २३:५३ से २४:४१तक)	१४-०१-२०२६	बु	षटतिला एकादशी, मकर संक्रान्ति	१०-०३-२०२६	मं	शीतला सप्तमी
२०-१०-२०२५	सो	रूप चतुर्दशी, अरुणोदय स्नान, यम एवं भीष्म तर्पण ॥	१८-०१-२०२६	र	मौनी अमावस्या	१३-०३-२०२६	शु	दशामाता पूजा
२१-१०-२०२५	मं	देवपितृकार्य भौमवती अमावस्या, अरुणोदय स्नान, दीपावली	१६-०१-२०२६	सो	गुप्त नवरात्रांभ	१५-०३-२०२६	र	पापमोचिनी एकादशी
२२-१०-२०२५	बु	अरुणोदय स्नान ॥ अन्नकूट, गोवर्धन पूजा, मार्गपाली ॥	२१-०१-२०२६	बु	गौरी तृतीया व्रत।	१६-०३-२०२६	सो	सोम प्रदोष
२३-१०-२०२५	गु	यमद्वितीया, भाई दूज, चित्रगुप्त पूजा, विश्वकर्मा पूजा	२२-०१-२०२६	गु	श्री वरद विनायक तिल चतुर्थी	१७-०३-२०२६	मं	वारुणी योग ०६:१०तक
२९-१०-२०२५	बु	डाला छठ ॥ शाक सप्तमी ॥	२३-०१-२०२६	शु	वसंत पंचमी, सरस्वती जयन्ती	१६-०३-२०२६	गु	विक्रमाब्द २०८२/शकाब्द १६४७ का अंतिम दिवस। तथा आगामी
३०-१०-२०२५	गु	गोपाष्टमी, धात्री (आँवला) नवमी, कूष्माण्ड नवमी	२५-०१-२०२६	र	नर्मदा जयन्ती, रथ सप्तमी			
०२-११-२०२५	र	प्रबोधिनी एकादशी ॥ तुलसी विवाह	२६-०१-२०२६	गु	जया एकादशी			
०३-११-२०२५	सो	सोम प्रदोष (२०:२७ तक)	३०-०१-२०२६	शु	प्रदोष व्रत			

श्राद्ध में विशेष ध्यान रखने योग्य बातें

श्राद्ध के दिन - विषुव संक्रान्ति, सूर्य और चन्द्र ग्रहण, सूर्य के प्रत्येक राशि में प्रवेश करते समय, नक्षत्र अथवा ग्रह की पीड़ा होने पर, दुःस्वप्न देखने पर और घर में नवीन अन्न आने पर भी काम्य श्राद्ध करें। मन्वादि, युगादि, चन्द्र ग्रहण, सूर्य ग्रहण, वैधृति और व्यतिपात नामक महापात, इन अवसरों पर किए गए कर्म तत्काल फल देने वाले होते हैं। जो गृहस्थ व्यक्ति सूर्य के कन्या राशि में स्थित होने पर श्राद्ध नहीं करता, वह चाहे शाक खाने वाला हो या अत्यंत दरिद्र हो, अंततः अंत्यज (अधम योनि) को प्राप्त होता है। *(विष्णु पुराण)*

कृष्ण/शुक्ल पक्ष में - मार्कण्डेय पुराण के अनुसार शुक्लपक्ष में युगादि श्राद्ध पूर्वाह्न में करते हैं। (यहाँ दिन के दो विभाग से पराह्न का प्रयोग करना है।) रोहिणी नामक नवम् मुहूर्त्त का उल्लंघन न करें।

प्रायश्चित - मन्वादि श्राद्ध नित्य हैं न करने पर प्रायश्चित कहा है। (१) ऋग्विधान के अनुसार - जब मन्वादि तिथियाँ न्यून हो और उन तिथियों में श्राद्ध न करें तो "**त्वं भुवः**" इस मन्त्र को सौ बार जल में जप करें। (२) जो मनुष्य युगादि में न्यूनता हो जाने पर श्राद्ध करते ही नहीं है वे **न यस्य द्यावापृथिवी** इस मन्त्र को सौ बार जपें। (३) मन्वादि/युगादि तिथियों पर रात को भोजन करने वाले को "अभिस्ववृष्टिम्" इस मन्त्र को दस बार जपने से पातक नहीं लगता है।

चतुर्दशी तिथि का त्याग - कृष्ण पक्ष में केवल चतुर्दशी को छोड़कर दशमी से लेकर अमावस्या तक की सभी तिथियाँ श्राद्ध कर्म के लिए प्रशस्त मानी गई हैं। प्रतिपदा से नवमी तक की तिथियाँ उतनी प्रशस्त नहीं।

पिण्ड रहित श्राद्ध - हेमाद्रि निबन्ध में पुलस्त्य का वचन है कि निम्नलिखित दिवसों पर पिण्ड के बिना श्राद्ध करते हैं - दक्षिणायन तथा उत्तरायण में, तुला तथा मेष की संक्रान्ति में, युगादि तिथियों में।

अष्टका – हेमन्त और शिशिर ऋतु के कृष्ण पक्ष की चारों अष्टमी तिथियों के अष्टका कहते हैं। **गजच्छाया** - जब हस्तनक्षत्र पर सूर्य हो तब मघा युक्त त्रयोदशी को गजच्छाया कहते हैं। इसमें श्राद्ध करने से महान फल की प्राप्ति होती है। **पद्मक** – जब विष्टि, व्यतिपात और रविवार हो तो पद्मक नाम उसके कहा है। **अन्वाहार्य** - पितरों के श्राद्ध को अन्वाहार्य कहते हैं।

श्राद्ध कहाँ नहीं करें - किरात, कलिग, कौंकण और खश देशों में सिन्धु नदी के उत्तर किनारे पर, नर्मदा नदी के दक्षिण किनारे पर और करतोया नदी के पूर्व किनारे पर श्राद्ध देना नहीं कहा है। यह काम्यविषयक है। अन्यथा वहाँ पर रहने वालों को श्राद्ध करने पर आपत्ति हो जाएगी। अर्थात वे किसी का भी श्राद्ध नहीं कर सकते हैं।

संदर्भ ग्रंथ - निर्णय सिन्धु

संवत्सर के "श्राद्ध दिवस"

क्रम	दिनांक	पक्ष	ति.	वार	श्राद्ध
			चैत्र		
१	३१ मार्च	शु.	२	सो	मन्वादि
२	९ अप्रै.	शु.	१२	बु	व्यतिपात
३	१२ अप्रै.	शु.	१५	श	मन्वादि
			वैशाख		
४	१४ अप्रै.	कृ.	१	सो	संक्रान्ति
५	२३ अप्रै.	कृ.	१०	बु	वैधृति
६	२७ अप्रै.	कृ.	३०	र	अमावस्या
७	३० अप्रै.	शु.	३	बु	त्रेता युगादि
८	५ मई	शु.	८	सो	व्यतिपात
			ज्येष्ठ		
९	१५ मई	कृ.	३	गु	संक्रान्ति
१०	१९ मई	कृ.	६	सो	वैधृति
११	२६ मई	कृ.	१४	सो	अमावस्या
१२	३१ मई	शु.	५	श	व्यतिपात
१३	११ जून	शु.	१५	बु	मन्वादि
			आषाढ़		
१४	१४ जून	कृ.	३	श	वैधृति
१५	१५ जून	कृ.	४	र	संक्रान्ति
१६	२१ जून	कृ.	१०	श	दक्षिणायन
१७	२२ जून	कृ.	१२	र	व्यतिपात
१८	२५ जून	कृ.	३०	बु	अमावस्या
१९	५ जुला.	शु.	१०	श	मन्वादि
२०	६ जुला.	शु.	११	र	वैधृति
२१	१० जुला.	शु.	१५	गु	मन्वादि
			श्रावण		
२२	१६ जुला.	कृ.	६	बु	संक्रान्ति
२३	१७ जुला.	कृ.	७	गु	मन्वादि
२४	१९ जुला.	कृ.	९	श	व्यतिपात
२५	२४ जुला.	कृ.	३०	गु	अमावस्या
२६	१ अग.	शु.	८	शु	वैधृति

क्रम	दिनांक	पक्ष	ति.	वार	श्राद्ध
			भाद्रपद		
२७	१४ अग.	कृ.	६	गु	व्यतिपात
२८	१७ अग.	कृ.	९	र	संक्रान्ति
२९	२० अग.	कृ.	१२	बु	कलियुगारंभ
३०	२२ अग.	कृ.	१४	शु	अमावस्या
३१	२६ अग.	शु.	३	मं	मन्वादि
३२	२७ अग.	शु.	४	बु	वैधृति
३३	७ सित.	शु.	१५	र	महालय+चन्द्रग्रहण
			आश्विन		
३४	८ सित.	कृ.	१	सो	प्रतिपदा
३५	९ सित.	कृ.	२	मं	द्वितीया + व्यतिपात
३६	१० सित.	कृ.	३	बु	तृतीया, चतुर्थी
३७	११ सित.	कृ.	४	गु	पञ्चमी
३८	१२ सित.	कृ.	५	शु	षष्ठी
३९	१३ सित.	कृ.	६	श	सप्तमी
४०	१४ सित.	कृ.	८	र	अष्टमी
४१	१५ सित.	कृ.	९	सो	नवमी
४२	१६ सित.	कृ.	१०	मं	दशमी
४३	१७ सित.	कृ.	११	बु	एकादशी + संक्रान्ति
४४	१८ सित.	कृ.	१२	गु	द्वादशी
४५	१९ सित.	कृ.	१३	शु	मघा+१३ गजच्छाया
४६	२० सित.	कृ.	१४	श	चतुर्दशी
४७	२१ सित.	कृ.	३०	र	अमावस्या
४८	२३ सित.	शु.	२	मं	विषुव संपात, मातामही
४९	१ अक्टू.	शु.	९	बु	मन्वादि पूर्वाह्न
५०	५ अक्टू.	शु.	१३	र	व्यतिपात
			कार्तिक		
५१	१७ अक्टू.	कृ.	११	शु	संक्रान्ति + वैधृति
५२	२१ अक्टू.	कृ.	३०	मं	अमावस्या
५३	३१ अक्टू.	शु.	९	शु	सत्युगारंभ+व्यतिपात
५४	२ नव.	शु.	११	र	मन्वादि

क्रम	दिनांक	पक्ष	ति.	वार	श्राद्ध
			कार्तिक		
५५	५ नव.	शु.	१५	बु	मन्वादि
			मार्गशीर्ष		
५६	११ नव.	कृ.	७	मं	अन्वष्टका
५७	१२ नव.	कृ.	८	बु	अन्वष्टका
५८	१३ नव.	कृ.	९	गु	अन्वष्टका
५९	१६ नव.	कृ.	१२	र	संक्रान्ति
६०	१९ नव.	कृ.	१४	बु	अमावस्या
६१	२५ नव.	शु.	५	मं	व्यतिपात
			पौष		
६२	८ दिस.	कृ.	४	सो	वैधृति
६३	११ दिस.	कृ.	७	गु	अन्वष्टका
६४	१२ दिस.	कृ.	८	शु	अन्वष्टका
६५	१३ दिस.	कृ.	९	श	अन्वष्टका
६६	१६ दिस.	कृ.	१२	मं	संक्रान्ति
६७	१९ दिस.	कृ.	३०	शु	अमावस्या
६८	२१ दिस.	शु.	१	र	उत्तरायण
६९	३० दिस.	शु.	१०	मं	मन्वादि+वैधृति
			माघ		
७०	९ जन.	कृ.	७	शु	अन्वष्टका
७१	१० जन.	कृ.	७	श	अन्वष्टका
७२	११ जन.	कृ.	८	र	अन्वष्टका
७३	१२ जन.	कृ.	९	सो	व्यतिपात
७४	१४ जन.	कृ.	११	बु	संक्रान्ति
७५	१८ जन.	कृ.	३०	र	अमावस्या
७६	२५ जन.	शु.	७	र	मन्वादि
७७	२६ जन.	शु.	८	सो	वैधृति
			माघ		
७८	०७ फर.	कृ.	६	श	व्यतिपात
७९	०८ फर.	कृ.	७	र	अन्वष्टका
८०	०९ फर.	कृ.	८	सो	अन्वष्टका

क्रम	दिनांक	पक्ष	ति.	वार	श्राद्ध
			माघ		
८१	१० फर.	कृ.	८	मं	अन्वष्टका
८२	१३ फर.	कृ.	११	शु	संक्रान्ति
८३	१७ फर.	कृ.	३०	मं	मन्वादि, अमा
८४	२१ फर.	शु.	४	श	वैधृति
८५	०३ मार्च	शु.	१५	मं	मन्वादि + चन्द्र ग्रहण
			चैत्र		
८६	०५ मार्च	कृ.	२	गु	व्यतिपात
८७	१४ मार्च	कृ.	१०	श	संक्रान्ति
८८	१८ मार्च	कृ.	१४	बु	अमावस्या

श्राद्ध का इतिहास

श्राद्ध धर्म के प्रवर्तक स्वयं भगवान ब्रह्माजी हैं। महर्षि निमि सर्वप्रथम श्राद्ध में प्रवृत्त हुए थे। ब्रह्मा जी के पुत्र अत्रि, उनके पुत्र दत्तात्रेय, उनके पुत्र निमि हुए। निमि के पुत्र का नाम कान्तिमान की अकाल मृत्यु हो गई थी। सर्व प्रथम निमि में अपने पुत्र के लिए श्राद्ध किया था। इस श्राद्ध की मुख्य बातें थी –

अमावस्या को श्राद्ध किया था। सात ब्राह्मणों को (विषम संख्यक) को निमंत्रित किया गया था। प्रदक्षिणा भाव से मोड़े हुए कुश का आसन दिया गया था। श्राद्ध के लिए अलोना सावाँ परोसा गया। इसके बाद भोजन करने वाले ब्राह्मणों के पैरो के नीचे आसनों पर उन्होंने दक्षिणाग्र कुश बिछा दिए और (अपने सामने भी) दक्षिणाग्र कुश रखकर पवित्र एवं सावधान हो अपने पुत्र के नाम और गोत्र का उच्चारण करते हुए कुशों पर पिण्डदान किया।

(महाभारत अनुशासन पर्व अध्याय ११)

संवत २०८२ शक १९४७ के “शुभ हवन स्थापना मुहूर्त्त”

दिनाङ्क	आरंभ	समाप्त	ग्रहाहुति	दिनाङ्क	आरंभ	समाप्त	ग्रहाहुति	दिनाङ्क	आरंभ	समाप्त	ग्रहाहुति	दिनाङ्क	आरंभ	समाप्त	ग्रहाहुति	दिनाङ्क	आरंभ	समाप्त	ग्रहाहुति
०१-०४-२०२५	११:०९	१८:२२	बुध	१६-०६-२०२५	५:२८	१९:०५	गुरु	०८-०९-२०२५	६:०३	१८:३०	चन्द्र	०४-१२-२०२५	६:५३	८:३७	चन्द्र	०५-०३-२०२६	६:४०	१७:५३	चन्द्र
०३-०४-२०२५	६:१०	१८:२४	बुध	१८-०६-२०२५	५:२९	१९:०५	गुरु	१२-०९-२०२५	६:०५	१८:२८	गुरु	०५-१२-२०२५	६:५४	१७:४०	चन्द्र	०९-०३-२०२६	६:३६	१७:५७	गुरु
०५-०४-२०२५	६:०८	१८:२६	शुक्र	२८-०६-२०२५	६:३६	१९:०२	बुध	१५-०९-२०२५	६:०६	१८:२७	गुरु	०९-१२-२०२५	६:५७	१४:३६	गुरु	११-०३-२०२६	६:३४	१७:५९	गुरु
०६-०४-२०२५	६:०६	१८:२७	शुक्र	२९-०६-२०२५	९:१८	१९:०२	बुध	२४-०९-२०२५	१६:१८	१८:२४	बुध	१०-१२-२०२५	१३:५३	१७:३६	गुरु	नोट—ग्रहण, विवाह, व्रतबन्ध, विष्णुपूजा, पुत्र के जन्मादि में गण्डान्त और दुर्गोत्सव में अग्नि चक्र का विचार नहीं करना चाहिए। किन्तु ग्रहशान्ति, वास्तुकर्म में विचार करना चाहिए।			
१०-०४-२०२५	१२:२६	१८:३१	चन्द्र	३०-०६-२०२५	५:३२	९:२७	बुध	२६-०९-२०२५	६:११	१८:२३	बुध	११-१२-२०२५	६:५८	१४:०२	गुरु				
१२-०४-२०२५	६:००	१८:३३	चन्द्र	०१-०७-२०२५	१०:२३	१९:०१	बुध ०८:५५तक, शुक्र १९:०१तक	२८-०९-२०२५	६:१२	१४:२५	बुध	२३-१२-२०२५	७:०५	१७:२९	बुध				
१४-०४-२०२५	५:५८	१८:३५	चन्द्र	०२-०७-२०२५	५:३२	१२:०१	शुक्र	२९-०९-२०२५	६:१२	१८:२१	शुक्र	२५-१२-२०२५	७:०६	१७:२८	बुध				
१८-०४-२०२५	८:१९	१८:३९	गुरु	०३-०७-२०२५	१४:०८	१९:०१	शुक्र	३०-०९-२०२५	६:१२	१८:०२	शुक्र	२७-१२-२०२५	७:०६	१७:२७	शुक्र				
२०-०४-२०२५	५:५३	१८:४१	गुरु	०४-०७-२०२५	५:३३	१६:३२	शुक्र	०२-१०-२०२५	६:१३	१८:२०	शुक्र	२८-१२-२०२५	११:५५	१७:२७	शुक्र				
३०-०४-२०२५	१६:२२	१४:१७	बुध	०९-०७-२०२५	५:३५	१८:५८	चन्द्र	०५-१०-२०२५	७:५९	१८:१९	चन्द्र	२९-१२-२०२५	७:०७	१०:०९	शुक्र				
०१-०५-२०२५	११:२८	१८:५०	बुध	११-०७-२०२५	५:३६	१८:५७	चन्द्र	०७-१०-२०२५	६:१६	१८:१८	चन्द्र	०३-०१-२०२६	७:०९	१७:२५	चन्द्र				
०२-०५-२०२५	५:४३	९:१८	बुध	१५-०७-२०२५	६:२६	१८:५५	गुरु	११-१०-२०२५	१५:२४	१६:४८	गुरु	०४-०१-२०२६	१२:३४	१७:२४	चन्द्र				
०३-०५-२०२५	७:५४	१८:५२	बुध १२:३९तक, शुक्र १८:५२तक	१७-०७-२०२५	५:३९	१८:५५	गुरु	१२-१०-२०२५	६:१८	१८:१५	गुरु	०८-०१-२०२६	७:१०	१७:२४	गुरु				
०५-०५-२०२५	५:४०	१८:५३	शुक्र	२८-०७-२०२५	५:४४	१८:४९	बुध	१४-१०-२०२५	६:१९	१८:१४	गुरु	१०-०१-२०२६	८:२५	१७:२४	गुरु				
११-०५-२०२५	५:३७	१८:५७	चन्द्र	३०-०७-२०२५	५:४५	१८:४८	बुध	२५-१०-२०२५	७:५१	१८:०८	बुध	२१-०१-२०२६	१३:५५	१७:२४	बुध				
१३-०५-२०२५	५:३५	१८:५८	चन्द्र	०१-०८-२०२५	५:४६	१८:४७	शुक्र	२६-१०-२०२५	६:२६	१८:०८	बुध	२३-०१-२०२६	७:०८	१७:२५	बुध				
१७-०५-२०२५	१७:४०	१९:००	गुरु	०२-०८-२०२५	५:४७	७:२३	शुक्र	२८-१०-२०२५	७:५८	१८:०७	बुध १५:४१तक, शुक्र १८:०७तक	२६-०१-२०२६	७:०८	१७:२६	शुक्र				
१८-०५-२०२५	५:५७	१९:०१	गुरु	०३-०८-२०२५	५:४७	१८:४६	शुक्र	२९-१०-२०२५	६:२७	९:२०	शुक्र	२८-०१-२०२६	७:०७	१७:२७	शुक्र				
१९-०५-२०२५	५:३२	६:११	गुरु	०७-०८-२०२५	५:४९	१८:४४	चन्द्र	३०-१०-२०२५	१०:०३	१८:०५	शुक्र	०२-०२-२०२६	७:०५	१७:२९	चन्द्र				
२०-०५-२०२५	५:५१	१९:०१	गुरु	०९-०८-२०२५	५:५०	१८:४३	चन्द्र	३१-१०-२०२५	६:२९	१०:००	शुक्र	०६-०२-२०२६	७:०२	१७:३१	गुरु				
३०-०५-२०२५	५:२९	१९:०५	बुध	१०-०८-२०२५	१२:०८	१८:४३	चन्द्र	०३-११-२०२५	१५:०१	१५:०१	चन्द्र	०८-०२-२०२६	७:०१	१७:३२	गुरु				
०१-०६-२०२५	५:२८	१९:०५	बुध	१३-०८-२०२५	१०:३१	६:३६	गुरु	०५-११-२०२५	६:३२	१८:०१	चन्द्र	१०-०२-२०२६	७:००	१७:३३	गुरु				
०३-०६-२०२५	५:२८	१९:०५	शुक्र	१४-०८-२०२५	५:५३	१८:४१	गुरु	०६-११-२०२५	१४:५६	१८:०१	चन्द्र	२१-०२-२०२६	६:५२	१२:५९	बुध				
०८-०६-२०२५	१२:४०	१९:०६	चन्द्र	१६-०८-२०२५	५:५३	१८:४०	गुरु	१०-११-२०२५	६:३५	१७:५८	गुरु	२२-०२-२०२६	६:५१	१७:४३	बुध				
०९-०६-२०२५	१५:२९	९:३५	चन्द्र	२६-०८-२०२५	५:५८	१८:३५	बुध	१२-११-२०२५	६:३७	१७:५६	गुरु	२४-०२-२०२६	६:४९	१७:४४	शुक्र				
१०-०६-२०२५	११:३४	१९:०६	चन्द्र	२८-०८-२०२५	५:५९	१८:३५	बुध	२४-११-२०२५	६:४६	१७:४८	बुध	२६-०२-२०२६	६:४७	१७:४६	शुक्र				
११-०६-२०२५	५:२८	१३:११	चन्द्र	३०-०८-२०२५	६:००	१८:३४	शुक्र	२६-११-२०२५	६:४७	१७:४६	बुध	०१-०३-२०२६	८:३५	१७:४९	चन्द्र				
१२-०६-२०२५	१४:२५	१९:०५	चन्द्र	०१-०९-२०२५	६:००	१८:३३	शुक्र	२८-११-२०२५	६:४९	१७:४५	शुक्र	०३-०३-२०२६	६:४२	१७:५१	चन्द्र				

संस्कार प्रकरण - संवत २०८२ शक १९४७ के शुभ मुहूर्त्त - (भाग-१)

गर्भाधान मुहूर्त्त

दिनाङ्क	आरंभ	समाप्त	दिनाङ्क	आरंभ	समाप्त
३-४-२०२५	२१:२०	२७:१२	**२२-१०-२०२५**	२१:१४	२५:५२
११-४-२०२५	२१:२४	२७:०८	**२४-१०-२०२५**	२१:१३	२७:२१
१४-४-२०२५	२१:२६	२४:१३	**२९-१०-२०२५**	२१:११	२७:२३
१६-४-२०२५	२१:२७	२७:०६	**३०-१०-२०२५**	२१:११	२७:२३
२१-४-२०२५	२१:२९	२७:०४	**७-११-२०२५**	२१:०९	२७:२६
३०-४-२०२५	२१:३३	२७:००	**२६-११-२०२५**	२१:०२	२७:३३
८-५-२०२५	२१:३६	२६:५७	**२७-११-२०२५**	२१:०१	२७:३३
९-५-२०२५	२१:३६	२१:३६	**२८-११-२०२५**	२१:०१	२६:४७
२८-५-२०२५	२१:४०	२४:३२	**५-१२-२०२५**	२०:५८	२७:३६
४-६-२०२५	२१:४१	२६:५२	**१२-१२-२०२५**	२०:५६	२७:३८
५-६-२०२५	२१:४१	२६:५२	**२२-१२-२०२५**	२०:५३	२७:४१
१६-६-२०२५	२१:४१	२६:५३	**२४-१२-२०२५**	२०:५३	२७:४१
१९-६-२०२५	२१:४१	२३:१४	**२५-१२-२०२५**	२०:५२	२७:४२
२-७-२०२५	२१:३९	२६:५५	**१-१-२०२६**	२०:५१	२७:४३
७-७-२०२५	२१:३८	२५:१०	**९-१-२०२६**	२०:५०	२७:४३
१४-७-२०२५	२१:३६	२६:५७	**१४-१-२०२६**	२०:५०	२७:०३
२१-७-२०२५	२१:३५	२६:५९	**१९-१-२०२६**	२०:५०	२७:४३
३०-७-२०२५	२१:३३	२१:५५	**२१-१-२०२६**	२०:५१	२७:४३
८-८-२०२५	२१:३०	२७:०४	**२९-१-२०२६**	२०:५२	२७:४१
१८-८-२०२५	२१:२८	२६:००	**५-२-२०२६**	२०:५३	२७:३९
२५-८-२०२५	२१:२६	२७:०७	**६-२-२०२६**	२०:५४	२४:३६
४-९-२०२५	२१:२४	२७:१०	**१६-२-२०२६**	२०:५७	२७:३६
५-९-२०२५	२१:२४	२७:१०	**१८-२-२०२६**	२०:५८	२१:!३
२२-९-२०२५	२१:२१	२७:१३	**२५-२-२०२६**	२१:०१	२७:३२
२-१०-२०२५	२१:१९	२७:१५	**१६-३-२०२६**	२१:१०	२७:२२
३-१०-२०२५	२१:१८	२७:१६	**१९-३-२०२६**	२१:१२	२७:२१

लग्न चयन - 2,3,4,5,6,7,9,12 लग्न हो तथा पुरुष ग्रहों से दृष्ट हो। चन्द्रमा मेष, मिथुन, सिंह, धनु, कुम्भ के नवांश में हो। (*संदर्भ नारद संहिता 16वाँ अध्याय*)

उपनयन संस्कार मुहूर्त्त

दिनांक	मास	पक्ष	वार	शुभ ति.	शुभारंभ	शुभ अ.	शुभ न.	टिप्पणी
२-४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	बु	५	८:५२	१४:२४	रोहिणी	
३-४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	गु	६	६:१०	१४:२४	रोहिणी	
७-४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	सो	१०	६:०५	१४:२३	पुष्य	
८-४-२०२५	*चैत्र*	*शुक्ल*	*मं*	*११*	*६:०४*	*८:३४*	*आश्लेषा*	*सामवेदी*
९-४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	बु	१२	९:५८	१४:२३	पू.फा.	
७-५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	बु	१०,११	५:३९	१४:२५	पू.फा.	
१३-५-२०२५	*ज्येष्ठ*	*कृष्ण*	*मं*	*१*	*९:०८*	*१४:२६*	*अनुराधा*	*सामवेदी*
१९-२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	गु	२	६:५३	१४:२३	पू.भा.	
२०-२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	शु	३	६:५२	१४:२३	उ.भा.	
२२-२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	र	५,६	६:५१	१४:२३	अश्विनी	
२६-२-२०२६	*फाल्गुन*	*शुक्ल*	*गु*	*१०*	*६:५१*	*१४:२४*	*मृगशिरा*	*होलाष्टक*
२७-२-२०२६	*फाल्गुन*	*शुक्ल*	*शु*	*११*	*६:५१*	*११:३३*	*आर्द्रा*	*होलाष्टक*

नोट - होलाष्टक का विचार हिमाचल/पंजाब प्रान्तों के लिए ही है। चम्बल के दक्षिण भाग के लिए २६-२७ के मुहूर्त्त भी दिए गए हैं।

मंगलवार में केवल सामवेद शाखा वालों का यज्ञोपवीत होता है, अन्य के लिए मंगलवार त्याज्य है।

कर्णवेध मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	तिथि	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
०१-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	५	गु	मृगशिरा	११:२८	१२:१४
२८-०५-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	२	बु	मृगशिरा	०५:२९	१२:१४
२६-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	१०	गु	मृगशिरा	०६:४७	१२:१२
२७-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	११	शु	आर्द्रा	१०:४९	११:३३

नोट - जन्म से सम वर्ष, जन्म तारा का त्याग करें।

प्रथम बार झूले पर लिटाना

बालक को जिस दिन पहली बार पालने में लिटाना हो तब उस दिन सूर्य नक्षत्र से चन्द्र नक्षत्र तक गिनें। पहले 5 नक्षत्रों में निरोगता, 6 से 10 में बालक का अनिष्ट, 11 से 15 नक्षत्रों में शारीरिक कमजोरी, 16 से 20 तक नक्षत्रों में रोग, शेष 7 नक्षत्रों में सुख होता है।



मुण्डन मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
१४-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	१	सो	स्वाति	०५:५८	०८:२५
२३-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	१०	बु	धनिष्ठा	०५:५०	१८:४०
२४-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	११	गु	शतभिषा	०५:४९	१०:४५
०१-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	४	गु	मृगशिरा	११:२८	१४:२६
१२-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	१५	सो	स्वाति	०५:३६	०६:१७
१४-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	२	बु	अनुराधा	११:४५	१८:५१
१५-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	३	गु	ज्येष्ठा	०५:३४	१४:०५
१९-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	६	सो	श्रवण	०६:११	१८:५४
२३-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	११	शु	उ.भा.	१५:५८	१८:५६
२८-०५-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	२	बु	मृगशिरा	०५:२९	१८:५९
११-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	१५	बु	ज्येष्ठा	०५:२८	१९:०५
१६-०६-२०२५	आषाढ़	कृष्ण	५	सो	धनिष्ठा	०५:२८	१५:२८
२०-०६-२०२५	आषाढ़	कृष्ण	९	शु	रेवती	०९:४७	१९:०७
२५-०६-२०२५	आषाढ़	कृष्ण	३०	बु	मृगशिरा	०५:३०	१०:४२
२६-०६-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	१	गु	आर्द्रा	१३:२९	१९:०९
२७-०६-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	२	शु	पुनर्वसु	०५:३१	१९:०९
०२-०७-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	७	बु	उ.फा.	११:०९	१२:०१
०४-०७-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	९	शु	चित्रा	१६:३२	१९:०९
२१-०१-२०२६	माघ	शुक्ल	३	बु	धनिष्ठा	०७:०९	१७:४७
२६-०१-२०२६	माघ	शुक्ल	८	सो	अश्विनी	०७:०८	१२:३०
२९-०१-२०२६	माघ	शुक्ल	११	गु	रोहिणी	०७:३१	१३:५४
११-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	९	बु	अनुराधा	१०:५२	१८:०३
१२-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	१०	गु	ज्येष्ठा	०६:५९	१३:४०
१६-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	१४	सो	श्रवण	०६:५६	१८:०६
१८-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	१	बु	शतभिषा	१६:५४	१८:०७
२६-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	१०	गु	मृगशिरा	०६:४७	१२:१२
२७-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	११	शु	आर्द्रा	१०:४९	१८:१३

संस्कार प्रकरण - संवत २०८२ शक १९४७ के शुभ मुहूर्त्त - (भाग २)

सीमन्तोन्नयन / पुंसवन संस्कार मुहूर्त्त - १

दिनाङ्क	मास	पक्ष	ति	वा	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
९-४-२०२५	चैत्र	शु	१२	बु	मघा	०६:०३	१४:२१
२३-४-२०२५	वैशाख	कृ	२५	बु	धनिष्ठा	०५:५०	१४:२६
२५-४-२०२५	वैशाख	कृ	२७	शु	पू.भा.	०५:४८	१४:२६
२६-४-२०२५	वैशाख	कृ	२८	श	उ.भा.	०५:४७	०८:२६
३०-४-२०२५	वैशाख	शु	३	बु	रोहिणी	०५:४४	१४:१७
३-५-२०२५	वैशाख	शु	६	श	पुनर्वसु	०५:४२	१४:२८
७-५-२०२५	वैशाख	शु	१०	बु	पू.फा.	०५:३९	१४:२९
९-५-२०२५	वैशाख	शु	१२	शु	हस्त	०५:३८	१४:३०
१०-५-२०२५	वैशाख	शु	१३	श	चित्रा	०५:३७	१७:३०
१७-५-२०२५	ज्येष्ठ	कृ	२०	श	पू.षा.	०५:३३	१४:३१
१९-५-२०२५	ज्येष्ठ	कृ	२१	सो	श्रवण	०५:३२	१४:३१
२३-५-२०२५	ज्येष्ठ	कृ	२६	शु	उ.भा.	०५:३१	१४:३२
२४-५-२०२५	ज्येष्ठ	कृ	२७	श	रेवती	०५:३०	१४:३२
२-६-२०२५	ज्येष्ठ	शु	७	सो	मघा	०५:२८	१४:३०
६-६-२०२५	ज्येष्ठ	शु	११	शु	हस्त	०५:२८	१४:३३
७-६-२०२५	ज्येष्ठ	शु	१२	श	चित्रा	०५:२८	१४:३३
१३-६-२०२५	आषाढ़	कृ	१७	शु	पू.षा.	०५:२८	१४:३३
१४-६-२०२५	आषाढ़	कृ	१८	श	उ.षा.	०५:२८	१५:४४
१६-६-२०२५	आषाढ़	कृ	२०	सो	धनिष्ठा	०५:२८	१४:३३
१८-६-२०२५	आषाढ़	कृ	२२	बु	पू.भा.	०५:२९	१३:३१
२०-६-२०२५	आषाढ़	कृ	२५	शु	रेवती	०९:४७	१४:३३
२७-६-२०२५	आषाढ़	शु	२	शु	पुनर्वसु	०५:३१	१४:३२
३०-६-२०२५	आषाढ़	शु	५	सो	मघा	०५:३२	१४:३२
२-७-२०२५	आषाढ़	शु	७	बु	उ.फा.	०५:३२	१२:०१
१२-७-२०२५	श्रावण	कृ	१७	श	उ.षा.	०५:३७	१४:३०
१६-७-२०२५	श्रावण	कृ	२१	बु	पू.भा.	०५:३८	१४:२९
२१-७-२०२५	श्रावण	कृ	२६	सो	रोहिणी	०५:४१	१४:२९
३०-७-२०२५	श्रावण	शु	६	बु	हस्त	०५:४५	१४:२७
११-८-२०२५	भाद्रपद	कृ	१७	सो	शत	०५:५१	१४:२५

सीमन्तोन्नयन / पुंसवन संस्कार मुहूर्त्त - २

दिनाङ्क	मास	पक्ष	ति	वा	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
१३-८-२०२५	भाद्रपद	कृ	२०	बु	उ.भा.	०६:३६	१४:२५
२०-८-२०२५	भाद्रपद	कृ	२७	बु	पुनर्वसु	०५:५५	१४:२४
२३-८-२०२५	भाद्रपद	कृ	३१	श	मघा	११:३९	१४:२३
२५-८-२०२५	भाद्रपद	शु	२	सो	उ.फा.	०५:५८	१४:२३
३-९-२०२५	भाद्रपद	शु	११	बु	पू.षा.	०६:०१	१४:२२
५-९-२०२५	भाद्रपद	शु	१३	शु	श्रवण	०६:०२	१४:२०
१०-९-२०२५	आश्विन	कृ	१८	बु	रेवती	०६:०४	१५:३८
१७-९-२०२५	आश्विन	कृ	२६	बु	पुनर्वसु	०६:०७	१४:२०
२२-९-२०२५	आश्विन	शु	१	सो	उ.फा.	०६:०९	१४:१९
२४-९-२०२५	आश्विन	शु	३	बु	चित्रा	०६:१०	१४:२०
३-१०-२०२५	आश्विन	शु	११	शु	श्रवण	०६:१४	१४:१८
४-१०-२०२५	आश्विन	शु	१२	श	धनिष्ठा	०६:१४	१४:१८
११-१०-२०२५	कार्तिक	कृ	२०	श	रोहिणी	०६:१७	१४:१६
१७-१०-२०२५	कार्तिक	कृ	२६	शु	मघा	०६:२१	१४:१५
१८-१०-२०२५	कार्तिक	कृ	२७	श	पू.फा.	०६:२१	१४:१५
२९-१०-२०२५	कार्तिक	शु	७	बु	उ.षा.	०६:२७	०९:२०
३१-१०-२०२५	कार्तिक	शु	१०	शु	धनिष्ठा	१०:००	१४:१३
१-११-२०२५	कार्तिक	शु	१०	श	शत	०६:२९	१४:१२
३-११-२०२५	कार्तिक	शु	१३	सो	उ.भा.	०६:३१	१४:१३
७-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृ	१७	शु	रोहिणी	०६:३३	१४:११
१०-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृ	२१	सो	पुनर्वसु	०६:३५	१४:१०
१४-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृ	२५	शु	पू.फा.	०६:३८	१४:०९
१५-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृ	२६	श	उ.फा.	०६:३९	१४:०९
१७-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृ	२८	सो	चित्रा	०६:४१	१४:०९
२६-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शु	६	बु	श्रवण	०६:४७	१४:०७
१-१२-२०२५	मार्गशीर्ष	शु	११	सो	रेवती	०६:५१	१४:०५
१०-१२-२०२५	पौष	कृ	२१	बु	मघा	०६:५७	१४:०३
१५-१२-२०२५	पौष	कृ	२६	सो	चित्रा	०७:००	१४:०२
२२-१२-२०२५	पौष	शु	२	सो	उ.षा.	०७:०४	१४:०१

सीमन्तोन्नयन / पुंसवन संस्कार मुहूर्त्त - ३

दिनाङ्क	मास	पक्ष	ति	वा	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
२४-१२-२०२५	पौष	शु	५	बु	श्रवण	१३:०८	१४:०१
२६-१२-२०२५	पौष	शु	६	शु	शतभिषा	०७:०६	१४:००
२७-१२-२०२५	पौष	शु	७	श	पू.भा.	०७:०६	१३:०५
२९-१२-२०२५	पौष	शु	१०	सो	रेवती	१०:०९	१४:००
७-१-२०२६	माघ	कृ	२०	बु	मघा	०७:०९	१३:५९
९-१-२०२६	माघ	कृ	२२	शु	उ.फा.	०७:१०	१७:२४
१०-१-२०२६	माघ	कृ	२२	श	हस्त	०७:१०	०८:२५
१९-१-२०२६	माघ	शु	१	सो	उ.षा.	०७:०९	१३:५९
२१-१-२०२६	माघ	शु	३	बु	धनिष्ठा	०७:०९	१७:२४
२३-१-२०२६	माघ	शु	५	शु	पू.भा.	०७:०८	१३:५९
२४-१-२०२६	माघ	शु	६	श	उ.भा.	०७:०८	१४:००
३१-१-२०२६	माघ	शु	१३	श	पुनर्वसु	०७:०६	०८:२६
४-२-२०२६	फाल्गुन	कृ	१८	बु	पू.फा.	०७:०४	१४:००
६-२-२०२६	फाल्गुन	कृ	२०	शु	हस्त	०७:०२	१४:०१
७-२-२०२६	फाल्गुन	कृ	२१	श	चित्रा	०७:०२	१४:०२
१४-२-२०२६	फाल्गुन	कृ	२७	श	पू.षा.	०६:५७	१४:०३
१८-२-२०२६	फाल्गुन	शु	१	बु	शतभिषा	०६:५४	१४:०४
२०-२-२०२६	फाल्गुन	शु	३	शु	उ.भा.	०६:५२	१४:३६
२१-२-२०२६	फाल्गुन	शु	५	श	रेवती	१२:५९	१४:०५
२८-२-२०२६	फाल्गुन	शु	१२	श	पुनर्वसु	०६:४५	१४:०७
६-३-२०२६	चैत्र	कृ	१८	शु	हस्त	०६:३९	१४:०७
१३-३-२०२६	चैत्र	कृ	२५	शु	पू.षा.	०६:३२	१४:१२
१४-३-२०२६	चैत्र	कृ	२५	श	उ.षा.	०६:३१	१४:१२
१६-३-२०२६	चैत्र	कृ	२७	सो	धनिष्ठा	०६:२९	१४:१३

पुंसवन संस्कार में पुंसवन पुरुष नक्षत्रों में करें। श्रवण, पुष्य, स्वाती, हस्त, पुनर्वसु, मूल, उ.भा., अनुराधा, मृगशिरा, अश्विनी पुरुष नक्षत्र हैं।



अनध्याय तिथियाँ

युगादि तिथियाँ

दिनाङ्क	मास	पक्ष	ति.	वा.
३०-०४-२०२५	वैशाख	शुक्ल	३	बु
२०-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	१२	बु
३१-१०-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	९	शु
१८-०१-२०२५	माघ	कृष्ण	३०	र

मन्वन्तर आरंभ तिथियाँ

दिनाङ्क	मास	पक्ष	ति.	वा.
३१-०३-२०२५	चैत्र	शुक्ल	३	सो
१२-०४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	१५	श
११-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	१५	बु
०५-०७-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	१०	श
१०-०७-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	१५	गु
१७-०७-२०२५	श्रावण	कृष्ण	८	गु
२६-०८-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	३	मं
०१-१०-२०२५	आश्विन	शुक्ल	९	बु
०२-११-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	१२	र
०५-११-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	१५	बु
३०-१२-२०२५	पौष	शुक्ल	११	मं
२५-०१-२०२६	माघ	शुक्ल	७	र
१७-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	३०	मं
०३-०३-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	१५	मं

सोमपदा तिथियाँ

दिनाङ्क	मास	पक्ष	ति.	वा.
२८-०५-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	२	**बु**
०३-०७-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	८	**गु**
३०-१२-२०२५	पौष	शुक्ल	११	**मं**
२२-०१-२०२६	माघ	शुक्ल	४	**गु**
३०-०१-२०२६	माघ	शुक्ल	१२	**शु**

संक्रान्ति दिवस - पृष्ठ ६ पर सारणी देखें।

अनध्याय - सोमपदा, संक्रान्ति दिन, मन्वादि, युगादि तिथियाँ अनध्याय होती हैं। *(संदर्भ - मुहूर्त्त चिन्तामणि, संस्कार प्रकरण ५४)*

संस्कार प्रकरण - संवत २०८२ शक १९४७ के शुभ मुहूर्त्त - (भाग-२)

प्रसूता स्नान मुहूर्त्त - १

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
१०-०४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	१३	गु	पू.फा.	१२:२६	१८:३४
२०-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	७	र	पू.षा.	११:४५	१८:३९
०१-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	४	गु	मृगशिरा	११:२८	१४:२६
०८-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	११	गु	उ.फा.	०५:३८	१८:४८
१३-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	१	मं	विशाखा	०९:०८	१८:५१
१८-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	५	र	उ.षा.	०५:३३	०५:५७
२२-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	१०	गु	पू.भा.	१७:४२	१८:५६
२५-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	१३	र	अश्विनी	०५:३०	११:११
०५-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	१०	गु	हस्त	०५:२८	१९:०२
१७-०७-२०२५	श्रावण	कृष्ण	७	गु	रेवती	०५:३९	१९:०७
२२-०७-२०२५	श्रावण	कृष्ण	१२	मं	मृगशिरा	०५:४१	१९:०५
२९-०७-२०२५	श्रावण	शुक्ल	५	मं	उ.फा.	०५:४५	१९:०२
०३-०८-२०२५	श्रावण	शुक्ल	९	र	विशाखा	०९:४१	१८:५९
०७-०८-२०२५	श्रावण	शुक्ल	१३	गु	पू.षा.	१३:५७	१४:२४
१२-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	३	मं	पू.भा.	११:५०	०८:४०
२६-०८-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	३	मं	हस्त	०५:५८	१३:५८
२८-०८-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	५	गु	चित्रा	०८:४४	१७:५८
३१-०८-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	८	र	अनुराधा	०६:००	१७:२४
०४-०९-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	१२	गु	उ.षा.	०६:०२	१८:३०
०९-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण	२	मं	उ.भा.	०६:०४	१८:२५
११-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण	४	गु	अश्विनी	१२:४६	१३:५८
१४-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण	८	र	रोहिणी	०६:०६	१८:१९
२३-०९-२०२५	आश्विन	शुक्ल	२	मं	हस्त	०६:०९	१३:४२
२५-०९-२०२५	आश्विन	शुक्ल	३	गु	स्वाति	०६:१०	०७:०६
०२-१०-२०२५	आश्विन	शुक्ल	१०	गु	उ.षा.	०६:१३	०९:१०
०७-१०-२०२५	आश्विन	शुक्ल	१५	मं	रेवती	०६:१५	१७:५४
१९-१०-२०२५	कार्तिक	कृष्ण	१३	र	उ.फा.	०६:२२	१३:५४
२८-१०-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	६	मं	पू.षा.	१५:४१	१७:३४
०२-११-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	११	र	पू.भा.	१६:५७	१७:३०

प्रसूता स्नान मुहूर्त्त - २

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
१६-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	१२	र	हस्त	०६:४०	१७:२३
१८-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	१३	मं	स्वाति	०६:४१	०७:१२
२५-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	५	मं	उ.षा.	०६:४७	१७:२१
३०-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	१०	र	उ.भा.	०६:५०	१७:२०
०२-१२-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	१२	मं	अश्विनी	०६:५२	१७:२०
०४-१२-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	१४	गु	कृत्तिका	१४:५४	१७:२०
०८-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	७	र	स्वाति	०७:०१	१८:००
१०-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	८	मं	विशाखा	०७:५५	०७:२७
१५-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	१३	र	उ.षा.	०६:५६	१७:०१
२२-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	५	र	अश्विनी	०६:५१	११:०९
२४-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	७	मं	कृत्तिका	१५:०६	१८:११
२६-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	१०	गु	मृगशिरा	०६:४७	१२:१२
०५-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	२	गु	उ.फा.	०६:४०	१८:१६
०८-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	५	र	स्वाति	०६:३७	१३:३३
१०-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	७	मं	अनुराधा	०६:३५	१८:१९

जल पूजन मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
१६-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	३	बु	अनुराधा	०५:५६	१३:१६
२१-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	८	सो	उ.षा.	१२:३३	१८:३९
३०-०४-२०२५	वैशाख	शुक्ल	३	बु	रोहिणी	१६:२२	१४:१७
०१-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	४	गु	मृगशिरा	११:२८	१४:२६
१४-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	२	बु	अनुराधा	०५:३५	११:४५
१५-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	३	गु	मूल	१४:०५	१८:५२
१९-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	६	सो	श्रवण	०६:११	१८:५४
२८-०५-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	२	बु	मृगशिरा	०५:२९	१८:५९
०५-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	१०	गु	हस्त	०५:२८	१९:०२
०४-०८-२०२५	श्रावण	शुक्ल	१०	सो	अनुराधा	०५:४८	०९:११
०६-०८-२०२५	श्रावण	शुक्ल	१२	बु	मूल	०५:४९	१२:५६
१८-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	१०	सो	मृगशिरा	०५:५४	१८:४७
२०-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	१२	बु	पुनर्वसु	०५:५५	१८:४५
२१-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	१३	गु	पुष्य	०५:५६	१२:४८
१७-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण	११	बु	पुनर्वसु	०६:०७	१८:१६
१८-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण	१२	गु	पुष्य	०६:०७	०६:३३
२९-०९-२०२५	आश्विन	शुक्ल	७	सो	मूल	०६:१२	१८:०२
०२-१०-२०२५	आश्विन	शुक्ल	१०	गु	उ.षा.	०९:१०	१७:५९
१३-१०-२०२५	कार्तिक	कृष्ण	७	सो	आर्द्रा	१२:३१	१७:४८
१५-१०-२०२५	कार्तिक	कृष्ण	९	बु	पुष्य	१०:३७	१२:०३
२०-१०-२०२५	कार्तिक	कृष्ण	१४	सो	हस्त	१५:४७	१७:४१
२९-१०-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	७	बु	उ.षा.	१७:२५	१७:३३
३०-१०-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	८	गु	श्रवण	०६:२८	१०:०३
११-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	९	बु	अनुराधा	०९:५८	१०:५२
१२-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	१०	गु	मूल	१३:४०	१८:०३
१६-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	१४	सो	श्रवण	१७:३०	१८:०६
२६-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	१०	गु	मृगशिरा	०६:४७	१२:१२

संस्कार प्रकरण - संवत २०८२ शक १९४७ के शुभ मुहूर्त्त - (भाग-३)

अक्षरारंभ मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	वार	तिथि	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
०७-०४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	सो	१०	पुष्य	०६:०५	०६:२५
१४-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	सो	२	स्वाति	०८:२५	१८:३६
०२-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	शु	५	पुनर्वसु	१३:०९	१८:४५
०३-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	श	६	पुनर्वसु	०५:४२	०७:५४
०९-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	शु	१२	हस्त	०५:३८	१४:५७
१४-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	बु	२	अनुराधा	०५:३५	११:४५
१९-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	सो	६	श्रवण	०५:३२	०६:११
२३-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	शु	११	रेवती	१५:५८	१८:५६
२४-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	श	१२	रेवती	०५:३१	१८:५७
०५-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	गु	१०	हस्त	०५:२८	११:०२
०६-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	शु	११	हस्त	०५:२८	१५:३२
०७-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	श	१२	चित्रा	०५:२८	११:०३
१०-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	सो	६	पुनर्वसु	०६:३६	१७:२६
१६-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	र	१२	हस्त	०६:४०	१७:२३
२६-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	बु	६	श्रवण	०६:४७	१७:२०
०१-१२-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	सो	११	रेवती	०६:५१	०८:१८
०२-१२-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	मं	१२	अश्विनी	०६:५२	१५:५३
०७-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	र	३	पुनर्वसु	०६:५५	०७:५३
०८-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	सो	५	पुष्य	१६:१०	१७:२१
०६-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	शु	५	हस्त	०७:०२	१७:५९
०७-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	श	६	चित्रा	०७:०२	१८:००
११-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	बु	१०	अनुराधा	०९:५८	१०:५२
२१-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	श	५	रेवती	१२:५९	१८:०९
२७-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	शु	११	पुनर्वसु	१०:४९	११:३३
२८-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	श	१२	पुनर्वसु	०६:४५	१८:१३
०५-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	गु	२	हस्त	०८:१९	१८:१६
०९-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	सो	६	अनुराधा	१६:१२	१८:१८
०३-०४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	गु	६	मृगशिरा	०७:०३	१८:३१
०९-०४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	बु	१२	पू.फा.	०९:५८	१८:३३

विद्यारंभ मुहूर्त्त - १

दिनाङ्क	मास	पक्ष	वार	तिथि	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
१४-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	सो	२	स्वाति	०८:२५	१८:३६
१८-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	शु	५	मूल	०८:१९	१८:३८
१९-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	श	६	मूल	०५:५४	१८:१८
२२-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	मं	१०	श्रवण	१८:०७	१८:४०
२४-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	गु	११	पू.भा.	१०:४५	१८:४१
२५-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	शु	१२	पू.भा.	०५:४८	०८:५१
०१-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	गु	५	मृगशिरा	११:२८	१८:४४
०२-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	शु	५	आर्द्रा	०५:४३	१८:४५
०३-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	श	६	पुनर्वसु	०५:४२	०७:५४
०६-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	मं	१०	पू.फा.	१५:५५	१८:४७
०७-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	बु	१०	पू.फा.	०५:३९	१८:१९
०९-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	शु	१२	हस्त	०५:३८	१४:५७
१४-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	बु	२	अनुराधा	०५:३५	११:४५
१५-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	गु	३	मूल	१४:०५	१५:१६
१८-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	र	५	श्रवण	१८:४९	१८:५३
१९-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	सो	६	श्रवण	०५:३२	०६:११
२२-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	गु	१०	पू.भा.	०५:३१	१४:१६
२४-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	श	१२	अभिजित	१३:४५	१८:५७
२८-०५-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	बु	२	मृगशिरा	०५:२९	१८:५९
२९-०५-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	गु	३	आर्द्रा	०५:२९	१८:५९
०१-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	र	६	आश्लेषा	०५:२९	११:००
०५-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	गु	१०	हस्त	०५:२८	११:०२
०६-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	शु	११	हस्त	०५:२८	१५:३२
०७-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	श	१२	चित्रा	०५:२८	११:०३
०९-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	र	५	आर्द्रा	०६:३५	१७:२६
१०-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	सो	६	पुनर्वसु	०६:३६	१७:२६
१४-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	शु	१०	पू.फा.	०६:३८	१२:१०
१६-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	र	१२	हस्त	०६:४०	१७:२३
२३-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	र	३	मूल	०६:४५	१७:२१
२६-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	बु	६	श्रवण	०६:४७	१७:२०
०२-१२-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	मं	१२	अश्विनी	०६:५२	१५:५३
०७-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	र	३	पुनर्वसु	०६:५५	०७:५३
०८-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	सो	५	पुष्य	१६:१०	१७:२१

विद्यारंभ मुहूर्त्त - २

दिनाङ्क	मास	पक्ष	वार	तिथि	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
०४-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	बु	३	पू.फा.	०७:०४	१२:२४
०६-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	शु	५	हस्त	०७:०२	१७:५९
०७-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	श	६	चित्रा	०७:०२	१८:००
११-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	बु	१०	अनुराधा	०९:५८	१०:५२
१२-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	गु	१०	मूल	१३:४०	१८:०३
१३-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	शु	११	मूल	०६:५८	१८:०४
१४-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	श	१२	पू.षा.	०६:५७	१५:५८
१९-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	गु	२	पू.भा.	०६:५३	१८:०८
२२-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	र	५	अश्विनी	०६:५१	१७:५३
२६-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	गु	१०	मृगशिरा	०६:४७	१८:१२
२७-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	शु	११	आर्द्रा	०६:४६	११:३३
२८-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	श	१२	पुनर्वसु	०६:४५	१८:१३
०५-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	गु	२	हस्त	०८:१९	१८:१६
०८-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	र	५	स्वाति	०६:३७	१३:३३
०९-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	सो	६	अनुराधा	१६:१२	१८:१८
१३-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	शु	१०	पू.षा.	०६:३२	१८:२०
१५-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	र	११	श्रवण	०६:३०	१८:२१
१६-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	सो	१२	धनिष्ठा	०६:२९	०९:३८

विवाह प्रकरण - संवत २०८२ शक १९४७ के शुभ मुहूर्त्त

वर वरण मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	वार	तिथि	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
१९-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	श	६	पू.षा.	१०:१८	१८:१८
२०-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	र	७	पू.षा.	०६:४५	१८:३९
२१-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	सो	८	उ.षा.	०५:५२	१२:३३
२४-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	गु	११	पू.भा.	१०:४५	१८:४१
२५-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	शु	१२	पू.भा.	०५:४८	१८:४१
२९-०४-२०२५	वैशाख	शुक्ल	मं	२	कृत्तिका	०५:४५	१८:४३
०७-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	बु	१०	पू.फा.	०५:३९	१८:४८
०८-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	गु	११	उ.फा.	१२:३१	१८:४८
१६-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	शु	४	पू.षा.	१६:०५	१८:५२
१७-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	श	५	पू.षा.	०५:३३	१८:५३
१८-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	र	५	उ.षा.	०५:३३	१८:४९
२१-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	बु	९	पू.भा.	१८:५३	१८:५५
२३-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	शु	११	उ.भा.	०५:३१	१५:५८
०३-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	मं	८	पू.फा.	०९:१३	१९:०१
०४-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	बु	९	उ.फा.	०५:२८	१९:०२
०३-११-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	सो	१३	उ.भा.	०६:३१	१५:०१
१५-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	श	११	उ.फा.	०६:३९	१७:२३
२५-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	मं	५	उ.षा.	०६:४७	१७:२१
२९-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	श	९	पू.भा.	०६:५०	१७:२०
३०-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	र	१०	उ.भा.	०६:५०	१७:२०
११-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	गु	७	पू.फा.	०६:५८	१७:२१
०५-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	गु	४	उ.फा.	०७:०३	१७:५८
१३-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	शु	११	पू.षा.	१६:०९	१८:०४
१४-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	श	१२	पू.षा.	०६:५७	१८:०५
१९-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	गु	२	पू.भा.	०६:५३	१८:०८
२०-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	शु	३	उ.भा.	०६:५२	१४:३६
०३-०३-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	मं	१५	पू.फा.	०७:३२	१८:१५
०४-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	बु	१	पू.फा.	०६:४१	१८:१६
०५-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	गु	२	उ.फा.	०६:४०	०८:१९
१३-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	शु	१०	पू.षा.	०६:३२	१८:२०
१४-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	श	१०	उ.षा.	०८:०९	१८:२१

नोट - वर/कन्या वरण में यथा संभव रवि, मंगल, शनि वार का त्याग करें। (अग्निपुराण के अनुसार)

कन्या वरण मुहूर्त्त (भाग-१)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	वार	तिथि	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
१४-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	सो	१	स्वाति	०५:५८	१८:३६
१९-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	श	६	पू.षा.	१०:१८	१८:१८
२०-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	र	७	पू.षा.	०६:४५	१८:३९
२१-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	सो	८	उ.षा.	०५:५२	१८:३९
२२-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	मं	१०	श्रवण	१८:०७	१८:४०
२४-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	गु	११	पू.भा.	१०:४५	१८:४१
२५-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	शु	१२	पू.भा.	०५:४८	१८:४१
२९-०४-२०२५	वैशाख	शुक्ल	मं	२	कृत्तिका	०५:४५	१८:४३
३०-०४-२०२५	वैशाख	शुक्ल	बु	३	रोहिणी	०५:४४	१४:१७
०१-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	गु	५	मृगशिरा	११:२८	१४:२६
०७-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	बु	१०	पू.फा.	०५:३९	१८:४८
०८-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	गु	११	उ.फा.	१२:३१	१८:४८
११-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	र	१४	स्वाति	०५:३७	१८:५०
१६-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	शु	४	पू.षा.	१६:०५	१८:५२
१७-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	श	५	पू.षा.	०५:३३	१८:५३
१८-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	र	५	उ.षा.	०५:३३	१८:५३
२०-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	मं	७	धनिष्ठा	०५:३२	१८:५४
२१-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	बु	९	पू.भा.	१८:५३	१८:५५
२३-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	शु	११	उ.भा.	०५:३१	१८:५६
२४-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	श	१२	रेवती	०५:३१	१८:५७
२६-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	सो	३०	कृत्तिका	०८:२३	१२:१२
२८-०५-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	बु	२	मृगशिरा	०५:२९	१८:५९
०२-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	सो	७	मघा	०५:२८	१९:०१
०३-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	मं	८	पू.फा.	०९:१३	१९:०१
०४-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	बु	९	उ.फा.	०५:२८	१९:०२
०३-११-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	सो	१३	उ.भा.	०६:३१	१७:३०
०४-११-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	मं	१४	रेवती	०६:३१	१७:२९
०६-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	गु	१	कृत्तिका	०६:३४	१७:२८
०७-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	शु	२	रोहिणी	०६:३३	१७:२७
१३-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	गु	९	मघा	०६:३८	१७:२४
१५-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	श	११	उ.फा.	०६:३९	१७:२३
१६-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	र	१२	हस्त	०६:४०	१७:२३

कन्या वरण मुहूर्त्त (भाग-२)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	वार	तिथि	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
२२-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	श	२	मूल	१६:४५	१७:२१
२५-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	मं	५	उ.षा.	०६:४७	१७:२१
२६-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	बु	६	श्रवण	०६:४७	१७:२०
२७-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	गु	७	धनिष्ठा	०६:४८	१७:२०
२९-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	श	९	पू.भा.	०६:५०	१७:२०
३०-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	र	१०	उ.भा.	०६:५०	१७:२०
०५-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	शु	१	रोहिणी	०६:५४	१७:२०
०६-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	श	२	मृगशिरा	०६:५५	०८:५०
११-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	गु	७	पू.फा.	०६:५८	१७:२१
०३-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	मं	२	मघा	०७:०४	१७:५७
०५-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	गु	४	उ.फा.	०७:०३	१७:५८
११-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	बु	१०	अनुराधा	०९:५८	१०:५२
१२-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	गु	१०	मूल	१३:४०	१८:०३
१३-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	शु	११	पू.षा.	१६:०९	१८:०४
१४-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	श	१२	पू.षा.	०६:५७	१८:०५
१९-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	गु	२	पू.भा.	०६:५३	१८:०८
२०-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	शु	३	उ.भा.	०६:५२	१४:३६
२१-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	श	५	रेवती	१२:५९	१८:०९
२३-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	सो	६	कृत्तिका	१६:३२	१८:१०
२५-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	बु	९	रोहिणी	०६:४८	१८:१२
२६-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	गु	१०	मृगशिरा	०६:४७	१२:१२
०३-०३-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	मं	१५	मघा	०६:४२	१८:१५
०४-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	बु	१	पू.फा.	०६:४१	१८:१६
०५-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	गु	२	उ.फा.	०६:४०	१८:१६
१०-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	मं	७	अनुराधा	१२:४०	१८:१९
१३-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	शु	१०	पू.षा.	०६:३२	१८:२०
१४-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	श	१०	उ.षा.	०८:०९	१८:२१

शुभ विवाह - संवत २०८२ शक १९४७ के मुहूर्त्त (भाग-१)

तिथि	नक्षत्र	शुभ	लग्न	आरंभ	समाप्त	विश.	सूर्य	रेखा	चन्द्र	रेखा	गुरु	रेखा
वैशाख कृष्ण ॥ १४ अप्रैल २०२५ सोमवार												
१	स्वाति	||||S ।SS ॥(७)	मेष	०६:३४	०७:३५	३	मेष	३	तुला	३	वृष	५
१	स्वाति	||||S ।SS ॥(७)	वृष	०७:३५	०९:३२	११.५	मेष	४	तुला	४	वृष	५
२	स्वाति	||||S ।SS ॥(७)	मिथुन	०९:३२	११:४६	७.५	मेष	४	तुला	३	वृष	४
२	स्वाति	|||S ॥S ॥(८)	कर्क	११:४६	१४:०५	७	मेष	४	तुला	३	वृष	५
२	स्वाति	|||S ॥S ॥(८)	सिंह	१४:०५	१६:२०	११	मेष	३	तुला	४	वृष	५
२	स्वाति	|||S ॥S ॥(८)	वृश्चिक	२०:५१	२३:०८	७.५	मेष	४	तुला	३	वृष	५
२	स्वाति	|||S ॥S ॥(८)	धनु	२३:०८	०१:१३	१२	मेष	३	तुला	४	वृष	५
वैशाख कृष्ण ॥ १६ अप्रैल २०२५ बुधवार												
४	अनु	।S |||S ||||(८)	धनु	२३:००	०१:०५	७	मेष	४	वृश्चिक	५	वृष	६
४	अनु	|||||S ||||(९)	मकर	०१:०५	०२:४९	१३	मेष	५	वृश्चिक	६	वृष	६
४	अनु	|||||S ||||(९)	कुंभ	०२:४९	०४:१९	१२	मेष	५	वृश्चिक	६	वृष	६
४	अनु	|||||S ||||(९)	मीन	०४:१९	०५:४७	७	मेष	४	वृश्चिक	५	वृष	५
वैशाख कृष्ण ॥ १८ अप्रैल २०२५ शुक्रवार												
५	मूल	||||SSSS ॥(६)	कर्क	११:३०	१३:४९	७	मेष	४	धनु	६	वृष	५
५	मूल	||||SSSS ॥(६)	सिंह	१३:४९	१६:०४	६	मेष	३	धनु	५	वृष	५
५	मूल	||||SSSS ॥(६)	कन्या	१६:०४	१८:१८	८	मेष	३	धनु	५	वृष	५
६	मूल	||||SS ।S ।S(६)	कुंभ	०२:४१	०४:११	१७	मेष	४	धनु	६	वृष	५
वैशाख कृष्ण ॥ १९ अप्रैल २०२५ शनिवार												
६	मूल	||||S ॥S ।S(७)	वृष	०७:१६	०९:१३	११.५	मेष	४	धनु	५	वृष	५
६	मूल	||||S ॥S ।S(७)	मिथुन	०९:१३	११:२६	७.५	मेष	४	धनु	५	वृष	४
वैशाख कृष्ण ॥ २० अप्रैल २०२५ रविवार												
८	उ.षा.	S ॥S ।S ||||(७)	वृश्चिक	२०:२७	२२:४४	१२.५	मेष	४	मकर	६	वृष	६
८	उ.षा.	SS ।S ।S ||||(६)	कुंभ	०२:३४	०४:०३	१२	मेष	४	मकर	५	वृष	६
वैशाख कृष्ण ॥ २१ अप्रैल २०२५ सोमवार												
८	उ.षा.	SS ।S ||||||(७)	कर्क	११:१८	१३:३७	७	मेष	४	मकर	५	वृष	६
८	श्रवण	।S ॥S ॥S ॥(७)	सिंह	१३:३७	१५:५२	६	मेष	३	मकर	६	वृष	६
८	श्रवण	।S ॥S ॥S ॥(७)	कन्या	१५:५२	१८:०६	८	मेष	३	मकर	५	वृष	६
९	श्रवण	।S ॥S ॥S ॥(७)	वृश्चिक	२०:२३	२२:४०	१२.५	मेष	४	मकर	६	वृष	६
९	श्रवण	।S ॥S ॥S ॥(७)	धनु	२२:४०	००:४५	१२	मेष	३	मकर	५	वृष	६
९	श्रवण	।S ॥S ॥S ॥(७)	मकर	२४:४५	२६:३०	८	मेष	४	मकर	५	वृष	६
९	श्रवण	।S ॥S ॥S ॥(७)	कुंभ	२६:३०	२७:५९	१२	मेष	४	मकर	५	वृष	६
९	श्रवण	।S ॥S ॥S ॥(७)	मीन	२७:५९	२९:२७	१२	मेष	३	मकर	६	वृष	५
वैशाख कृष्ण ॥ २२ अप्रैल २०२५ मंगलवार												
९	श्रवण	।S ॥S ॥S ॥(७)	वृष	०७:०४	०९:०१	११.५	मेष	४	मकर	५	वृष	६
९	श्रवण	।S ॥SS ।S ॥(६)	मिथुन	०९:०१	११:१४	७.५	मेष	४	मकर	५	वृष	५
९	श्रवण	।S ॥SS ।S ॥(६)	कर्क	११:१४	१३:३३	७	मेष	४	मकर	५	वृष	६
९	धनिष्ठा	।S |||S ।S ॥(७)	सिंह	१३:३३	१५:४८	६	मेष	३	मकर	६	वृष	६
९	धनिष्ठा	।S |||S ।S ॥(७)	कन्या	१५:४८	१८:०२	८	मेष	३	मकर	५	वृष	६
१०	धनिष्ठा	।S |||S ।S ॥(७)	वृश्चिक	२०:१९	२२:३७	१२.५	मेष	४	मकर	६	वृष	६
१०	धनिष्ठा	।S |||S ।S ॥(७)	धनु	२२:३७	००:४१	१२	मेष	३	मकर	५	वृष	६
१०	धनिष्ठा	|||||S ।S ॥(८)	मकर	००:४१	०२:२६	१३	मेष	५	कुंभ	३	वृष	५
१०	धनिष्ठा	|||||S ।S ॥(८)	कुंभ	०२:२६	०३:५५	१२	मेष	५	कुंभ	३	वृष	५
१०	धनिष्ठा	|||||S ।S ॥(८)	मीन	०३:५५	०५:२३	७	मेष	४	कुंभ	३	वृष	४

तिथि	नक्षत्र	शुभ	लग्न	आरंभ	समाप्त	विश.	सूर्य	रेखा	चन्द्र	रेखा	गुरु	रेखा
वैशाख कृष्ण ॥ २३ अप्रैल २०२५ बुधवार												
१०	धनिष्ठा	|||||S ।S ॥(८)	मीन	०३:५५	०५:२३	७	मेष	४	कुंभ	३	वृष	४
१०	धनिष्ठा	|||||S ।S ॥(८)	मेष	०५:२३	०७:००	८	मेष	४	कुंभ	४	वृष	५
१०	धनिष्ठा	|||||S ।S ॥(८)	वृष	०७:००	०८:५७	११.५	मेष	५	कुंभ	४	वृष	५
१०	धनिष्ठा	|||||||S ॥(९)	मिथुन	०८:५७	११:१०	७.५	मेष	५	कुंभ	३	वृष	४
१०	धनिष्ठा	|||||||S ॥(९)	कर्क	११:१०	१३:२९	७	मेष	५	कुंभ	३	वृष	५
वैशाख कृष्ण ॥ २५ अप्रैल २०२५ शुक्रवार												
१२	उ.भा.	|||||S ।S ॥(८)	मिथुन	०८:५२	११:०२	७.५	मेष	४	मीन	५	वृष	४
१२	उ.भा.	||||SS ||||(८)	कर्क	११:०२	१३:२१	७	मेष	४	मीन	४	वृष	५
वैशाख शुक्ल ॥ २९ अप्रैल २०२५ मंगलवार												
३	रोहिणी	|||||S ||||(९)	वृश्चिक	१९:५२	२२:०९	७.५	मेष	४	वृष	६	वृष	५
३	रोहिणी	|||||S ||||(९)	धनु	२२:०९	००:१४	७	मेष	३	वृष	७	वृष	५
३	रोहिणी	|||||S ||||(९)	मकर	००:१४	०१:५८	८	मेष	४	वृष	६	वृष	५
३	रोहिणी	|||||S ||||(९)	कुंभ	०१:५८	०३:२८	१२	मेष	४	वृष	६	वृष	५
३	रोहिणी	|||||S ||||(९)	मीन	०३:२८	०४:५५	१२	मेष	३	वृष	७	वृष	४
वैशाख शुक्ल ॥ ३० अप्रैल २०२५ बुधवार												
३	रोहिणी	|||||S ||||(९)	वृष	०६:३३	०८:२९	११.५	मेष	४	वृष	६	वृष	५
३	रोहिणी	|||||S ||||(९)	मिथुन	०८:२९	१०:४३	७.५	मेष	४	वृष	६	वृष	४
३	रोहिणी	|||||S ||||(९)	कर्क	१०:४३	१३:०२	१२	मेष	४	वृष	७	वृष	५
३	रोहिणी	||||||||||(१०)	सिंह	१३:०२	१५:१७	६	मेष	३	वृष	७	वृष	५
४	रोहिणी	||||||||||(१०)	कन्या	१५:१७	१७:३०	८	मेष	३	वृष	६	वृष	५
४	मृगशिरा	||||||||||(१०)	वृश्चिक	१९:४८	२२:०५	७.५	मेष	४	वृष	६	वृष	५
४	मृगशिरा	||||||||||(१०)	धनु	२२:०५	००:१०	७	मेष	३	वृष	७	वृष	५
४	मृगशिरा	||||||||||(१०)	मकर	००:१०	०१:५४	८	मेष	४	वृष	६	वृष	५
वैशाख शुक्ल ॥ ०१ मई २०२५ गुरुवार												
४	मृगशिरा	||||||||||(१०)	कर्क	१०:३९	१२:५८	७	मेष	५	मिथुन	४	वृष	५
५	मृगशिरा	||||||||||(१०)	सिंह	१२:५८	१५:१३	११	मेष	४	मिथुन	५	वृष	५
वैशाख शुक्ल ॥ ०५ मई २०२५ सोमवार												
९	मघा	SS |||S ॥S ।(६)	कन्या	१४:५७	१७:११	८	मेष	३	सिंह	४	वृष	५
९	मघा	SS |||||S ।(७)	वृश्चिक	१९:२८	२१:४५	७.५	मेष	४	सिंह	५	वृष	५
९	मघा	SS |||||S ।(७)	धनु	२१:४५	२३:५०	८.५	मेष	३	सिंह	४	वृष	५
९	मघा	SS |||||S ।(७)	मकर	२३:५०	०१:३५	६.५	मेष	४	सिंह	४	वृष	५
९	मघा	S ||||||S ।(८)	कुंभ	०१:३५	०३:०४	१२	मेष	४	सिंह	४	वृष	५
वैशाख शुक्ल ॥ ०६ मई २०२५ मंगलवार												
९	मघा	S ||||||S ।(८)	वृष	०६:०९	०८:०६	११.५	मेष	४	सिंह	४	वृष	५
९	मघा	S ||||||S ।(८)	मिथुन	०८:०६	१०:१९	१२.५	मेष	४	सिंह	५	वृष	४
वैशाख शुक्ल ॥ ०७ मई २०२५ बुधवार												
११	उ.फा.	|||S ।SSS ।(६)	वृश्चिक	१९:२०	२१:३८	७.५	मेष	४	सिंह	६	वृष	६
११	उ.फा.	|||S ।SSS ।(६)	धनु	२१:३८	२३:४२	८.५	मेष	३	सिंह	५	वृष	६
वैशाख शुक्ल ॥ ०८ मई २०२५ गुरुवार												
११	उ.फा.	||||S ॥S ॥(८)	सिंह	१२:३०	१४:४५	१३	मेष	३	कन्या	४	वृष	७
१२	उ.फा.	||||S ॥S ॥(८)	कन्या	१४:४५	१६:५९	८	मेष	३	कन्या	४	वृष	७
१२	उ.फा.	|||SS ।S ॥(७)	वृश्चिक	१९:१६	२१:३४	१२.५	मेष	४	कन्या	५	वृष	७

शुभ विवाह - संवत २०८२ शक १९४७ के मुहूर्त्त (भाग-२)

<table>
<tr><th>तिथि</th><th>नक्षत्र</th><th>शुभ</th><th>लग्न</th><th>आरंभ</th><th>समाप्त</th><th>विश.</th><th>सूर्य</th><th>रेखा</th><th>चन्द्र</th><th>रेखा</th><th>गुरु</th><th>रेखा</th></tr>
<tr><td colspan="13">वैशाख शुक्ल ॥ ०९ मई २०२५ शुक्रवार</td></tr>
<tr><td>१२</td><td>हस्त</td><td>SS |SSS ||||(५)</td><td>वृष</td><td>०५:५७</td><td>०७:५४</td><td>९.५</td><td>मेष</td><td>४</td><td>कन्या</td><td>४</td><td>वृष</td><td>७</td></tr>
<tr><td>१२</td><td>हस्त</td><td>SS |SSS ||||(५)</td><td>मिथुन</td><td>०७:५४</td><td>१०:०७</td><td>७.५</td><td>मेष</td><td>४</td><td>कन्या</td><td>४</td><td>वृष</td><td>६</td></tr>
<tr><td>१३</td><td>हस्त</td><td>SS |SSSS |||(४)</td><td>वृश्चिक</td><td>१९:१२</td><td>२१:३०</td><td>१२.५</td><td>मेष</td><td>४</td><td>कन्या</td><td>५</td><td>वृष</td><td>७</td></tr>
<tr><td colspan="13">वैशाख शुक्ल ॥ १० मई २०२५ शनिवार</td></tr>
<tr><td>१३</td><td>चित्रा</td><td>|||S ||||||(९)</td><td>वृष</td><td>०५:५३</td><td>०७:५०</td><td>९.५</td><td>मेष</td><td>४</td><td>कन्या</td><td>४</td><td>वृष</td><td>७</td></tr>
<tr><td>१३</td><td>चित्रा</td><td>|||S ||||||(९)</td><td>मिथुन</td><td>०७:५०</td><td>१०:०३</td><td>७.५</td><td>मेष</td><td>४</td><td>कन्या</td><td>४</td><td>वृष</td><td>६</td></tr>
<tr><td>१४</td><td>चित्रा</td><td>|||S ||||||(९)</td><td>वृश्चिक</td><td>१९:०८</td><td>२१:२६</td><td>७.५</td><td>मेष</td><td>४</td><td>तुला</td><td>३</td><td>वृष</td><td>६</td></tr>
<tr><td>१४</td><td>चित्रा</td><td>|||S |S ||||(८)</td><td>कुंभ</td><td>०१:१५</td><td>०२:४४</td><td>१२</td><td>मेष</td><td>४</td><td>तुला</td><td>३</td><td>वृष</td><td>६</td></tr>
<tr><td colspan="13">ज्येष्ठ कृष्ण ॥ १३ मई २०२५ मंगलवार</td></tr>
<tr><td>१</td><td>अनु</td><td>||||SS |S ||(७)</td><td>मकर</td><td>२३:१९</td><td>०१:०३</td><td>११.५</td><td>मेष</td><td>५</td><td>वृश्चिक</td><td>७</td><td>वृष</td><td>७</td></tr>
<tr><td>२</td><td>अनु</td><td>|S ||SS |S ||(६)</td><td>कुंभ</td><td>०१:०३</td><td>०२:३३</td><td>१२</td><td>मेष</td><td>५</td><td>वृश्चिक</td><td>७</td><td>वृष</td><td>७</td></tr>
<tr><td>२</td><td>अनु</td><td>|S ||SS |S ||(६)</td><td>मीन</td><td>०२:३३</td><td>०४:००</td><td>७</td><td>मेष</td><td>४</td><td>वृश्चिक</td><td>६</td><td>वृष</td><td>६</td></tr>
<tr><td colspan="13">ज्येष्ठ कृष्ण ॥ १४ मई २०२५ बुधवार</td></tr>
<tr><td>२</td><td>अनु</td><td>|S ||SS |S ||(६)</td><td>वृष</td><td>०५:३७</td><td>०७:३४</td><td>९.५</td><td>मेष</td><td>५</td><td>वृश्चिक</td><td>६</td><td>वृष</td><td>७</td></tr>
<tr><td>२</td><td>अनु</td><td>|S ||SS |S ||(६)</td><td>मिथुन</td><td>०७:३४</td><td>०९:४८</td><td>७.५</td><td>मेष</td><td>५</td><td>वृश्चिक</td><td>७</td><td>वृष</td><td>६</td></tr>
<tr><td>२</td><td>अनु</td><td>|S ||SS |S ||(६)</td><td>कर्क</td><td>०९:४८</td><td>१२:०७</td><td>७</td><td>मेष</td><td>५</td><td>वृश्चिक</td><td>६</td><td>वृष</td><td>७</td></tr>
<tr><td colspan="13">ज्येष्ठ कृष्ण ॥ १५ मई २०२५ गुरुवार</td></tr>
<tr><td>३</td><td>मूल</td><td>||||S |||||(९)</td><td>कन्या</td><td>१४:१८</td><td>१६:३१</td><td>६</td><td>वृष</td><td>३</td><td>धनु</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td colspan="13">ज्येष्ठ कृष्ण ॥ १७ मई २०२५ शनिवार</td></tr>
<tr><td>५</td><td>उ.षा.</td><td>|||||S |S ||(८)</td><td>तुला</td><td>१७:४१</td><td>१८:४१</td><td>१३</td><td>वृष</td><td>३</td><td>धनु</td><td>६</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td>५</td><td>उ.षा.</td><td>|||S |S |S ||(७)</td><td>वृश्चिक</td><td>१८:४१</td><td>२०:५८</td><td>९</td><td>वृष</td><td>३</td><td>धनु</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>३</td></tr>
<tr><td>५</td><td>उ.षा.</td><td>|||S |S |S ||(७)</td><td>धनु</td><td>२०:५८</td><td>२३:०३</td><td>९</td><td>वृष</td><td>४</td><td>धनु</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td>५</td><td>उ.षा.</td><td>|||S |S |S ||(७)</td><td>मकर</td><td>२३:०३</td><td>००:४७</td><td>६.५</td><td>वृष</td><td>३</td><td>धनु</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td colspan="13">ज्येष्ठ कृष्ण ॥ १८ मई २०२५ रविवार</td></tr>
<tr><td>६</td><td>उ.षा.</td><td>|||S |||SS |(७)</td><td>वृश्चिक</td><td>१८:३७</td><td>२०:५४</td><td>९</td><td>वृष</td><td>२</td><td>मकर</td><td>६</td><td>मिथुन</td><td>२</td></tr>
<tr><td>६</td><td>श्रवण</td><td>S ||||||S |(८)</td><td>धनु</td><td>२०:५४</td><td>२२:५९</td><td>१४</td><td>वृष</td><td>३</td><td>मकर</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>३</td></tr>
<tr><td>६</td><td>श्रवण</td><td>S ||||||S |(८)</td><td>मकर</td><td>२२:५९</td><td>००:४३</td><td>६.५</td><td>वृष</td><td>२</td><td>मकर</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>३</td></tr>
<tr><td>६</td><td>श्रवण</td><td>SS |||||S |(७)</td><td>कुंभ</td><td>००:४३</td><td>०२:१३</td><td>८.५</td><td>वृष</td><td>३</td><td>मकर</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>३</td></tr>
<tr><td colspan="13">ज्येष्ठ कृष्ण ॥ १९ मई २०२५ सोमवार</td></tr>
<tr><td>७</td><td>श्रवण</td><td>SS |||S ||S |(६)</td><td>तुला</td><td>१६:१६</td><td>१८:३३</td><td>८</td><td>वृष</td><td>२</td><td>मकर</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>३</td></tr>
<tr><td>७</td><td>श्रवण</td><td>SS |||S ||S |(६)</td><td>वृश्चिक</td><td>१८:३३</td><td>२०:५०</td><td>९</td><td>वृष</td><td>२</td><td>मकर</td><td>६</td><td>मिथुन</td><td>२</td></tr>
<tr><td colspan="13">ज्येष्ठ कृष्ण ॥ २३ मई २०२५ शुक्रवार</td></tr>
<tr><td>१२</td><td>रेवती</td><td>|||S |S |S ||(७)</td><td>मेष</td><td>०३:२१</td><td>०४:५८</td><td>६.५</td><td>वृष</td><td>३</td><td>मीन</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>३</td></tr>
<tr><td colspan="13">ज्येष्ठ कृष्ण ॥ २४ मई २०२५ शनिवार</td></tr>
<tr><td>१२</td><td>रेवती</td><td>|||S |||S ||(८)</td><td>कन्या</td><td>१३:४२</td><td>१५:५६</td><td>८</td><td>वृष</td><td>३</td><td>मीन</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td>१२</td><td>अश्विनी</td><td>||||||||||(१०)</td><td>तुला</td><td>१५:५६</td><td>१८:१३</td><td>८</td><td>वृष</td><td>२</td><td>मेष</td><td>३</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td>१२</td><td>अश्विनी</td><td>||||||||||(१०)</td><td>वृश्चिक</td><td>१८:१३</td><td>२०:३१</td><td>२</td><td>वृष</td><td>२</td><td>मेष</td><td>४</td><td>मिथुन</td><td>३</td></tr>
</table>

<table>
<tr><th>तिथि</th><th>नक्षत्र</th><th>शुभ</th><th>लग्न</th><th>आरंभ</th><th>समाप्त</th><th>विश.</th><th>सूर्य</th><th>रेखा</th><th>चन्द्र</th><th>रेखा</th><th>गुरु</th><th>रेखा</th></tr>
<tr><td colspan="13">ज्येष्ठ शुक्ल ॥ २८ मई २०२५ बुधवार</td></tr>
<tr><td>२</td><td>मृगशिरा</td><td>||S |||||||(९)</td><td>मिथुन</td><td>०६:३९</td><td>०८:५२</td><td>५</td><td>वृष</td><td>३</td><td>वृष</td><td>६</td><td>मिथुन</td><td>५</td></tr>
<tr><td>२</td><td>मृगशिरा</td><td>||S |||||||(९)</td><td>कर्क</td><td>०८:५२</td><td>११:१२</td><td>१४</td><td>वृष</td><td>३</td><td>वृष</td><td>७</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td>२</td><td>मृगशिरा</td><td>||S |||||||(९)</td><td>सिह</td><td>११:१२</td><td>१३:२६</td><td>६.५</td><td>वृष</td><td>३</td><td>वृष</td><td>७</td><td>मिथुन</td><td>५</td></tr>
<tr><td>२</td><td>मृगशिरा</td><td>||S ||S ||||(८)</td><td>कन्या</td><td>१३:२६</td><td>१५:४०</td><td>८</td><td>वृष</td><td>२</td><td>वृष</td><td>६</td><td>मिथुन</td><td>५</td></tr>
<tr><td>२</td><td>मृगशिरा</td><td>|||||S ||||(९)</td><td>तुला</td><td>१५:४०</td><td>१७:५८</td><td>८</td><td>वृष</td><td>२</td><td>मिथुन</td><td>३</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td>२</td><td>मृगशिरा</td><td>|||||S ||||(९)</td><td>वृश्चिक</td><td>१७:५८</td><td>२०:१५</td><td>२</td><td>वृष</td><td>२</td><td>मिथुन</td><td>३</td><td>मिथुन</td><td>३</td></tr>
<tr><td>२</td><td>मृगशिरा</td><td>|||||SS |||(८)</td><td>धनु</td><td>२०:१५</td><td>२२:२०</td><td>९</td><td>वृष</td><td>३</td><td>मिथुन</td><td>३</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td>२</td><td>मृगशिरा</td><td>|||||SS |||(८)</td><td>मकर</td><td>२२:२०</td><td>००:०४</td><td>६.५</td><td>वृष</td><td>२</td><td>मिथुन</td><td>४</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td>२</td><td>मृगशिरा</td><td>|||||SS |||(८)</td><td>कुंभ</td><td>००:०४</td><td>०१:३४</td><td>८.५</td><td>वृष</td><td>३</td><td>मिथुन</td><td>३</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td colspan="13">ज्येष्ठ शुक्ल ॥ ०१ जून २०२५ रविवार</td></tr>
<tr><td>६</td><td>मघा</td><td>|S |||SS |||(७)</td><td>धनु</td><td>२१:४२</td><td>२२:०४</td><td>९</td><td>वृष</td><td>४</td><td>कर्क</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>५</td></tr>
<tr><td>७</td><td>मघा</td><td>SS |||SSS ||(५)</td><td>मकर</td><td>२२:०४</td><td>२३:४८</td><td>८.५</td><td>वृष</td><td>३</td><td>सिह</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>५</td></tr>
<tr><td>७</td><td>मघा</td><td>SS |||SSS ||(५)</td><td>कुंभ</td><td>२३:४८</td><td>०१:१८</td><td>६.५</td><td>वृष</td><td>४</td><td>सिह</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>५</td></tr>
<tr><td>७</td><td>मघा</td><td>SS |||SSS ||(५)</td><td>मीन</td><td>०१:१८</td><td>०२:४६</td><td>१०.५</td><td>वृष</td><td>४</td><td>सिह</td><td>६</td><td>मिथुन</td><td>५</td></tr>
<tr><td>७</td><td>मघा</td><td>SS |||SSS ||(५)</td><td>मेष</td><td>०२:४६</td><td>०४:२३</td><td>८.५</td><td>वृष</td><td>३</td><td>सिह</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td colspan="13">ज्येष्ठ शुक्ल ॥ ०२ जून २०२५ सोमवार</td></tr>
<tr><td>७</td><td>मघा</td><td>SS |||SSS ||(५)</td><td>मिथुन</td><td>०६:२०</td><td>०८:३३</td><td>१०</td><td>वृष</td><td>४</td><td>सिह</td><td>६</td><td>मिथुन</td><td>५</td></tr>
<tr><td>७</td><td>मघा</td><td>SS |||S |S ||(६)</td><td>कर्क</td><td>०८:३३</td><td>१०:५२</td><td>१४</td><td>वृष</td><td>४</td><td>सिह</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td>७</td><td>मघा</td><td>SS |||S |S ||(६)</td><td>सिह</td><td>१०:५२</td><td>१३:०७</td><td>८.५</td><td>वृष</td><td>४</td><td>सिह</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>५</td></tr>
<tr><td>७</td><td>मघा</td><td>SS |||S |S ||(६)</td><td>कन्या</td><td>१३:०७</td><td>१५:२१</td><td>८</td><td>वृष</td><td>३</td><td>सिह</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>५</td></tr>
<tr><td>७</td><td>मघा</td><td>SS |||S |S ||(६)</td><td>तुला</td><td>१५:२१</td><td>१७:३८</td><td>१३</td><td>वृष</td><td>३</td><td>सिह</td><td>६</td><td>मिथुन</td><td>५</td></tr>
<tr><td>७</td><td>मघा</td><td>SS |||||S ||(७)</td><td>धनु</td><td>१९:५५</td><td>२२:००</td><td>९</td><td>वृष</td><td>४</td><td>सिह</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>५</td></tr>
<tr><td colspan="13">ज्येष्ठ शुक्ल ॥ ०४ जून २०२५ बुधवार</td></tr>
<tr><td>९</td><td>उ.फा.</td><td>||||SS ||||(८)</td><td>धनु</td><td>१९:४७</td><td>२१:५२</td><td>९</td><td>वृष</td><td>३</td><td>कन्या</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td>९</td><td>उ.फा.</td><td>||||SS ||||(८)</td><td>मकर</td><td>२१:५२</td><td>२३:३७</td><td>८.५</td><td>वृष</td><td>२</td><td>कन्या</td><td>४</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td>९</td><td>उ.फा.</td><td>||||SS ||||(८)</td><td>कुंभ</td><td>२३:३७</td><td>०१:०६</td><td>६.५</td><td>वृष</td><td>३</td><td>कन्या</td><td>४</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td>१०</td><td>उ.फा.</td><td>||||SS ||||(८)</td><td>मीन</td><td>०१:०६</td><td>०२:३४</td><td>१०.५</td><td>वृष</td><td>३</td><td>कन्या</td><td>४</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td colspan="13">ज्येष्ठ शुक्ल ॥ ०५ जून २०२५ गुरुवार</td></tr>
<tr><td>१०</td><td>हस्त</td><td>|||SSS |S ||(६)</td><td>मिथुन</td><td>०६:०८</td><td>०८:२१</td><td>५</td><td>वृष</td><td>३</td><td>कन्या</td><td>४</td><td>मिथुन</td><td>४</td></tr>
<tr><td colspan="13">ज्येष्ठ शुक्ल ॥ ०७ जून २०२५ शनिवार</td></tr>
<tr><td>१२</td><td>चित्रा</td><td>|||S |S |S ||(७)</td><td>कर्क</td><td>०८:१३</td><td>१०:३२</td><td>७</td><td>वृष</td><td>४</td><td>तुला</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>५</td></tr>
<tr><td>१२</td><td>स्वाति</td><td>S |||S |S |||(७)</td><td>कुंभ</td><td>२३:२५</td><td>००:५४</td><td>५</td><td>वृष</td><td>४</td><td>तुला</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>६</td></tr>
<tr><td>१२</td><td>स्वाति</td><td>S |||S |S |||(७)</td><td>मीन</td><td>००:५४</td><td>०२:२२</td><td>१२</td><td>वृष</td><td>४</td><td>तुला</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>६</td></tr>
<tr><td>१२</td><td>स्वाति</td><td>S |||S |S |||(७)</td><td>मेष</td><td>०२:२२</td><td>०३:५९</td><td>८.५</td><td>वृष</td><td>३</td><td>तुला</td><td>५</td><td>मिथुन</td><td>५</td></tr>
</table>

शुभ विवाह - संवत २०८२ शक १९४७ के मुहूर्त्त

तिथि	नक्षत्र	शुभ	लग्न	आरंभ	समाप्त	विश.	सूर्य	रेखा	चन्द्र	रेखा	गुरु	रेखा
ज्येष्ठ शुक्ल ॥ ०८ जून २०२५ रविवार												
१२	स्वाति	ऽ ।।।ऽ ।ऽ ।।।(७)	मिथुन	०५:५६	०८:०९	८.५	वृष	४	तुला	५	मिथुन	६
१३	स्वाति	।।।।ऽ ।।ऽ ।।(८)	कर्क	०८:०९	१०:२८	७	वृष	४	तुला	५	मिथुन	५
१३	स्वाति	।।।।ऽ ।।ऽ ।।(८)	सिह	१०:२८	१२:४३	१३.५	वृष	४	तुला	६	मिथुन	६
मार्गशीर्ष शुक्ल ॥ २२ नवम्बर २०२५ शनिवार												
३	मूल	।।।ऽ ।ऽ ।।।।(८)	सिह	२३:२८	०१:४२	३.५	वृश्चिक	५	धनु	३	कर्क	५
३	मूल	।।।ऽ ।ऽ ।।।।(८)	कन्या	०१:४२	०३:५६	१३.५	वृश्चिक	५	धनु	३	कर्क	६
३	मूल	।।।ऽ ।ऽ ।।।।(८)	तुला	०३:५६	०६:१३	१३.५	वृश्चिक	४	धनु	४	कर्क	६
मार्गशीर्ष शुक्ल ॥ २३ नवम्बर २०२५ रविवार												
३	मूल	।।।ऽ ।ऽ ।।।।(८)	मकर	१०:३६	१२:२०	१०.५	वृश्चिक	५	धनु	३	कर्क	६
मार्गशीर्ष शुक्ल ॥ २४ नवम्बर २०२५ सोमवार												
५	उ.षा.	ऽ ।।।।ऽऽ ।।।(७)	कर्क	२१:५२	२३:२०	८.५	वृश्चिक	४	धनु	५	कर्क	६
५	उ.षा.	।।।।ऽऽऽऽ ।।(६)	सिह	२३:२०	०१:३५	३.५	वृश्चिक	५	धनु	४	कर्क	५
५	उ.षा.	।।।।ऽऽऽऽ ।।(६)	तुला	०३:४८	०६:०६	१३.५	वृश्चिक	४	धनु	५	कर्क	६
मार्गशीर्ष शुक्ल ॥ २५ नवम्बर २०२५ मंगलवार												
५	उ.षा.	।।।।ऽऽऽऽ ।।(६)	मकर	१०:२८	१२:१२	१०.५	वृश्चिक	५	मकर	७	कर्क	७
५	उ.षा.	।।।।ऽ ।।ऽ ।।(८)	कुंभ	१२:१२	१३:४२	७	वृश्चिक	५	मकर	७	कर्क	७
५	उ.षा.	।।।।ऽ ।।ऽ ।।(८)	मीन	१३:४२	१५:०९	८	वृश्चिक	४	मकर	८	कर्क	७
५	उ.षा.	।।।।ऽ ।।ऽ ।।(८)	मेष	१५:०९	१६:४७	८	वृश्चिक	४	मकर	८	कर्क	७
५	उ.षा.	।।।।ऽ ।।ऽ ।।(८)	मिथुन	१८:४३	२०:५७	१२	वृश्चिक	५	मकर	७	कर्क	७
५	उ.षा.	।।।।ऽ ।।ऽ ।।(८)	कर्क	२०:५७	२३:१६	८.५	वृश्चिक	४	मकर	७	कर्क	७
६	श्रवण	।ऽ ।।।।।।।(९)	तुला	२७:४४	२९:२५	८.५	वृश्चिक	४	मकर	७	कर्क	७
मार्गशीर्ष शुक्ल ॥ २७ नवम्बर २०२५ गुरुवार												
७	धनिष्ठा	।ऽ ।।।ऽ ।ऽ ।।(७)	मकर	१०:२०	१२:०४	१०.५	वृश्चिक	५	मकर	७	कर्क	७
७	धनिष्ठा	।ऽ ।।।ऽ ।ऽ ।।(७)	मिथुन	१८:३५	२०:४९	१०	वृश्चिक	५	कुंभ	४	कर्क	६
७	धनिष्ठा	।ऽ ।।।ऽ ।ऽ ।।(७)	कर्क	२०:४९	२३:०८	८.५	वृश्चिक	४	कुंभ	४	कर्क	६
मार्गशीर्ष शुक्ल ॥ ३० नवम्बर २०२५ रविवार												
११	रेवती	।।।।।।ऽ ।।(९)	तुला	०३:२५	०५:४२	८.५	वृश्चिक	४	मीन	४	कर्क	७
मार्गशीर्ष शुक्ल ॥ ०४ दिसम्बर २०२५ शुक्रवार												
१५	रोहिणी	।।।।ऽ ।।ऽ ।।(८)	मिथुन	१८:०८	२०:२१	१०	वृश्चिक	५	वृष	६	कर्क	६
१५	रोहिणी	।।।।ऽ ।।ऽ ।।(८)	कर्क	२०:२१	२२:४०	१३.५	वृश्चिक	४	वृष	७	कर्क	६
१५	रोहिणी	।।।।ऽ ।।ऽ ।।(८)	सिह	२२:४०	००:५५	५.५	वृश्चिक	५	वृष	७	कर्क	५
१५	रोहिणी	।।।।ऽ ।।ऽ ।।(८)	कन्या	००:५५	०३:०९	११.५	वृश्चिक	५	वृष	६	कर्क	६
फाल्गुन कृष्ण ॥ ०४ फरवरी २०२५ बुधवार												
३	उ.फा.	ऽ ।।।।ऽऽ ।।(७)	तुला	२३:०५	०१:२२	१३.५	मकर	६	सिह	५	मिथुन	५
४	उ.फा.	ऽ ।।।।।ऽ ।।(८)	धनु	०३:४०	०५:४५	५.५	मकर	५	सिह	४	मिथुन	५

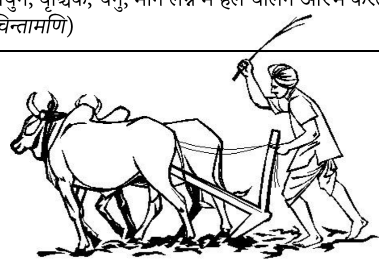
तिथि	नक्षत्र	शुभ	लग्न	आरंभ	समाप्त	विश.	सूर्य	रेखा	चन्द्र	रेखा	गुरु	रेखा
फाल्गुन कृष्ण ॥ ०५ फरवरी २०२५ गुरुवार												
४	उ.फा.	ऽ ।।।।ऽ ।ऽ ।।(७)	कुंभ	०७:२९	०८:५८	५	मकर	५	कन्या	४	मिथुन	४
४	उ.फा.	ऽ ।।।।ऽ ।ऽ ।।(७)	मीन	०८:५८	१०:२६	१०	मकर	५	कन्या	४	मिथुन	४
४	उ.फा.	ऽ ।।।।ऽ ।ऽ ।।(७)	मेष	१०:२६	१२:०३	८.५	मकर	५	कन्या	५	मिथुन	३
४	उ.फा.	ऽ ।।।।ऽ ।ऽ ।।(७)	वृष	१२:०३	१४:००	८.५	मकर	४	कन्या	४	मिथुन	४
४	उ.फा.	ऽ ।।।।ऽ ।ऽ ।।(७)	मिथुन	१४:००	१६:१३	८.५	मकर	४	कन्या	४	मिथुन	४
४	उ.फा.	ऽ ।।।।ऽ ।ऽ ।।(७)	कन्या	२०:४७	२३:०१	८.५	मकर	४	कन्या	४	मिथुन	४
फाल्गुन कृष्ण ॥ १० फरवरी २०२५ मंगलवार												
८	अनु	।ऽ ।।।।।।।(९)	कुंभ	०७:५५	०८:३९	७	मकर	७	वृश्चिक	६	मिथुन	४
९	अनु	।ऽ ।।।।ऽ ।।(८)	मीन	०८:३९	१०:०७	८	मकर	७	वृश्चिक	४	मिथुन	४
९	अनु	।ऽ ।।।।ऽ ।।(८)	मेष	१०:०७	११:४४	८.५	मकर	७	वृश्चिक	४	मिथुन	३
९	अनु	।ऽ ।।।।ऽ ।।(८)	वृष	११:४४	१३:४०	८.५	मकर	६	वृश्चिक	४	मिथुन	४
९	अनु	।ऽ ।।।।ऽ ।।(८)	मिथुन	१३:४०	१५:५४	१०.५	मकर	६	वृश्चिक	५	मिथुन	४
९	अनु	।ऽ ।।।।ऽ ।।(८)	कर्क	१५:५४	१८:१३	९.५	मकर	६	वृश्चिक	४	मिथुन	३
९	अनु	।ऽ ।।।।ऽ ।।(८)	सिह	१८:१३	२०:२८	९.५	मकर	७	वृश्चिक	४	मिथुन	४
९	अनु	।ऽ ।।।।ऽ ।।(८)	कन्या	२०:२८	२२:४२	११.५	मकर	६	वृश्चिक	५	मिथुन	४
९	अनु	।ऽ ।।।।ऽ ।।(८)	तुला	२२:४२	००:५९	१३.५	मकर	७	वृश्चिक	४	मिथुन	४
९	अनु	।।।।।।ऽ ।।(९)	वृश्चिक	००:५९	०३:१६	९	मकर	७	वृश्चिक	४	मिथुन	३
फाल्गुन शुक्ल ॥ २० फरवरी २०२५ शुक्रवार												
४	उ.भा.	।।।।।।।।ऽ(९)	कन्या	१९:४८	२२:०२	१०	कुंभ	४	मीन	३	मिथुन	४
४	रेवती	।।।।।।।।ऽ(९)	तुला	२२:०२	००:१९	८.५	कुंभ	३	मीन	४	मिथुन	४
४	रेवती	।।।।।।।।ऽ(९)	वृश्चिक	००:१९	०२:३७	५.५	कुंभ	४	मीन	३	मिथुन	३
चैत्र कृष्ण ॥ ०९ मार्च २०२५ सोमवार												
६	अनु	ऽ ।।।।ऽ ।।।।(८)	कन्या	१८:४२	२०:५५	१६.५	कुंभ	५	वृश्चिक	५	मिथुन	३
६	अनु	ऽ ।।।।ऽ ।।।।(८)	तुला	२०:५५	२३:१३	११.५	कुंभ	४	वृश्चिक	४	मिथुन	३
चैत्र कृष्ण ॥ १० मार्च २०२५ मंगलवार												
७	अनु	ऽऽ ।।।।ऽ ।।।(७)	मिथुन	११:५०	१४:०४	७	कुंभ	४	वृश्चिक	५	मिथुन	३
चैत्र कृष्ण ॥ ११ मार्च २०२५ बुधवार												
८	मूल	।।।ऽ ।ऽ ।ऽ ।।(७)	वृश्चिक	२३:०५	०१:२२	९	कुंभ	६	धनु	५	मिथुन	३
८	मूल	।।।ऽ ।।।ऽ ।।(८)	धनु	०१:२२	०३:२७	१०.५	कुंभ	६	धनु	५	मिथुन	४
८	मूल	।।।ऽ ।।।ऽ ।।(८)	मकर	०३:२७	०५:११	६.५	कुंभ	५	धनु	५	मिथुन	४
चैत्र कृष्ण ॥ १२ मार्च २०२५ गुरुवार												
९	मूल	।।।ऽ ।।।ऽ ।।(८)	मीन	०६:४१	०८:०९	५	कुंभ	६	धनु	६	मिथुन	४
९	मूल	।।।ऽ ।।।ऽ ।।(८)	मेष	०८:०९	०९:४६	११.५	कुंभ	६	धनु	५	मिथुन	३

कृषि प्रकरण - संवत २०८२ शक १९४७ के शुभ मुहूर्त्त

हल जोतने का मुहूर्त्त (हल चक्र शुद्ध)

दिनांक	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
वैशाख						
२१-४-२०२५	कृष्ण	८	सो	उ.षा.	०५:५२	१८:३९
२२-४-२०२५	कृष्ण	१०	मं	श्रवण	१८:०७	१८:४०
२३-४-२०२५	कृष्ण	१०	बु	धनिष्ठा	०५:५०	१८:४०
२४-४-२०२५	कृष्ण	११	गु	शतभिषा	०५:४९	१०:४५
२५-४-२०२५	कृष्ण	१२	शु	पू.भा.	०८:५१	१८:४१
६-५-२०२५	शुक्ल	९	मं	मघा	०५:४०	१५:५५
७-५-२०२५	शुक्ल	१०	बु	पू.फा.	१८:१९	१८:४८
८-५-२०२५	शुक्ल	११	गु	उ.फा.	०५:३८	१८:४८
ज्येष्ठ						
१९-५-२०२५	कृष्ण	७	सो	श्रवण	०६:११	१८:५४
२०-५-२०२५	कृष्ण	७	मं	धनिष्ठा	०५:३२	१८:५४
२२-५-२०२५	कृष्ण	१०	गु	पू.भा.	१७:४२	१८:५६
२३-५-२०२५	कृष्ण	११	शु	उ.भा.	०५:३१	१८:५६
२-६-२०२५	शुक्ल	७	सो	मघा	०५:२८	१९:०१
४-६-२०२५	शुक्ल	९	बु	उ.फा.	०५:२८	१९:०२
५-६-२०२५	शुक्ल	१०	गु	हस्त	०५:२८	१९:०२
६-६-२०२५	शुक्ल	११	शु	हस्त	०५:२८	१९:०३
आषाढ़						
१७-६-२०२५	कृष्ण	७	मं	शतभिषा	१४:४३	१९:०७
१९-६-२०२५	कृष्ण	८	गु	उ.भा.	०५:२९	११:५२
२०-६-२०२५	कृष्ण	१०	शु	रेवती	०९:४७	१९:०७
२३-६-२०२५	कृष्ण	१३	सो	कृत्तिका	१५:१६	१९:०८
३०-६-२०२५	शुक्ल	५	सो	मघा	०५:३२	०७:२२
१-७-२०२५	शुक्ल	७	मं	पू.फा.	१०:२३	१९:०९
२-७-२०२५	शुक्ल	७	बु	उ.फा.	०५:३२	१९:०९
३-७-२०२५	शुक्ल	८	गु	हस्त	०५:३३	१४:०८
४-७-२०२५	शुक्ल	९	शु	चित्रा	०५:३३	१९:०९
७-७-२०२५	शुक्ल	१२	सो	अनुराधा	०५:३४	१९:०९

नोट - वृष, मिथुन, वृश्चिक, धनु, मीन लग्न में हल चालन आरंभ करते हैं। (*संदर्भ ग्रंथ - मुहूर्त्त चिन्तामणि*)



बीज बोने के मुहूर्त्त (बीजोप्ति चक्र शुद्ध)

दिनाङ्क	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
चैत्र						
३१-३-२०२५	शुक्ल	२	सो	अश्विनी	०६:१३	१३:४६
२-४-२०२५	शुक्ल	५	बु	कृत्तिका	०८:५२	१८:३०
७-४-२०२५	शुक्ल	१०	सो	पुष्य	०६:०५	०६:२५
९-४-२०२५	शुक्ल	१२	बु	मघा	०६:०३	०९:५८
१०-४-२०२५	शुक्ल	१३	गु	पू.फा.	१२:२६	१८:३४
वैशाख						
१४-४-२०२५	कृष्ण	१	सो	स्वाति	०५:५८	१८:३६
१६-४-२०२५	कृष्ण	३	बु	अनुराधा	०५:५६	१३:१६
१८-४-२०२५	कृष्ण	५	शु	ज्येष्ठा	०८:१९	१७:०४
२१-४-२०२५	कृष्ण	८	सो	उ.षा.	०५:५२	१८:३९
२३-४-२०२५	कृष्ण	१०	बु	धनिष्ठा	०५:५०	१८:४०
२५-४-२०२५	कृष्ण	१२	शु	पू.भा.	०८:५१	१८:४१
३०-४-२०२५	शुक्ल	३	बु	रोहिणी	०५:४४	१४:१७
७-५-२०२५	शुक्ल	१०	बु	पू.फा.	१८:१९	१८:४८
८-५-२०२५	शुक्ल	११	गु	उ.फा.	०५:३८	१८:४८
९-५-२०२५	शुक्ल	१२	शु	हस्त	०५:३८	१८:४९
१२-५-२०२५	शुक्ल	१५	सो	स्वाति	०५:३६	१८:५०
ज्येष्ठ						
१४-५-२०२५	कृष्ण	२	बु	अनुराधा	०५:३५	११:४५
१५-५-२०२५	कृष्ण	३	गु	ज्येष्ठा	१४:०५	१८:५२
२२-५-२०२५	कृष्ण	१०	गु	पू.भा.	१७:४२	१८:५६
२३-५-२०२५	कृष्ण	११	शु	उ.भा.	०५:३१	१८:५६
२८-५-२०२५	शुक्ल	२	बु	मृगशिरा	०५:२९	१८:५९
२-६-२०२५	शुक्ल	७	सो	मघा	०५:२८	१९:०१
४-६-२०२५	शुक्ल	९	बु	उ.फा.	०५:२८	१९:०२
५-६-२०२५	शुक्ल	१०	गु	हस्त	०५:२८	१९:०२
६-६-२०२५	शुक्ल	११	शु	हस्त	०५:२८	१९:०३
आषाढ़						
१२-६-२०२५	कृष्ण	१	गु	मूल	०५:२८	१९:०५
१६-६-२०२५	कृष्ण	५	सो	धनिष्ठा	०५:२८	१५:२८
१९-६-२०२५	कृष्ण	८	गु	उ.भा.	०५:२९	११:५२
२०-६-२०२५	कृष्ण	१०	शु	रेवती	०९:४७	१९:०७
२३-६-२०२५	कृष्ण	१३	सो	कृत्तिका	१५:१६	१९:०८
२६-६-२०२५	शुक्ल	२	गु	आर्द्रा	१३:२९	१९:०९
२७-६-२०२५	शुक्ल	२	शु	पुनर्वसु	०७:२३	१९:०९
३०-६-२०२५	शुक्ल	५	सो	मघा	०५:३२	०७:२२
२-७-२०२५	शुक्ल	७	बु	उ.फा.	०५:३२	१९:०९
३-७-२०२५	शुक्ल	८	गु	हस्त	०५:३३	१४:०८
४-७-२०२५	शुक्ल	९	शु	चित्रा	०५:३३	१९:०९
७-७-२०२५	शुक्ल	१२	सो	अनुराधा	०५:३४	१९:०९

फसल कटाई के मुहूर्त्त

दिनाङ्क	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
चैत्र						
३१-३-२०२५	शुक्ल	२	सो	अश्विनी	१३:४६	१८:२९
२-४-२०२५	शुक्ल	५	बु	कृत्तिका	०६:११	०८:५२
४-४-२०२५	शुक्ल	७	शु	आर्द्रा	०६:०८	१८:३१
६-४-२०२५	शुक्ल	९	र	पुष्य	०६:०६	१८:३२
७-४-२०२५	शुक्ल	१०	सो	पुष्य	०६:०५	१८:३३
९-४-२०२५	शुक्ल	१२	बु	मघा	०६:०३	०९:५८
१०-४-२०२५	शुक्ल	१३	गु	पू.फा.	१२:२६	१८:३४
१२-४-२०२५	शुक्ल	१५	श	हस्त	०६:००	१८:३५
आश्विन						
८-९-२०२५	कृष्ण	१	सो	पू.भा.	०६:०३	१८:२६
१२-९-२०२५	कृष्ण	५	शु	भरणी	०६:०५	१०:००
१३-९-२०२५	कृष्ण	७	श	कृत्तिका	०७:२४	१०:१३
१४-९-२०२५	कृष्ण	८	र	रोहिणी	०८:४२	१८:१९
१७-९-२०२५	कृष्ण	११	बु	पुनर्वसु	०६:२६	१८:१६
१८-९-२०२५	कृष्ण	१२	गु	पुष्य	०६:०७	१८:१५
१९-९-२०२५	कृष्ण	१३	शु	आश्लेषा	०६:०८	१८:१४
२४-९-२०२५	शुक्ल	३	बु	चित्रा	०६:१०	१८:०८
२८-९-२०२५	शुक्ल	७	र	ज्येष्ठा	१४:२५	१८:०३
२९-९-२०२५	शुक्ल	७	सो	मूल	०६:१२	१८:०२
१-१०-२०२५	शुक्ल	९	बु	पू.षा.	०६:१३	१८:००
२-१०-२०२५	शुक्ल	१०	गु	उ.षा.	०६:१३	१७:५९
३-१०-२०२५	शुक्ल	११	शु	श्रवण	०६:१४	१७:५८
४-१०-२०२५	शुक्ल	१२	श	धनिष्ठा	०६:१४	०९:०६
५-१०-२०२५	शुक्ल	१३	र	शतभिषा	०७:५९	१४:५९
६-१०-२०२५	शुक्ल	१५	सो	पू.भा.	१२:२०	१७:५५
फाल्गुन						
२-२-२०२६	कृष्ण	१	सो	आश्लेषा	०७:०५	१७:५६
६-२-२०२६	कृष्ण	५	शु	हस्त	०७:०२	१७:५९
८-२-२०२६	कृष्ण	७	र	स्वाति	०७:०१	१८:००
११-२-२०२६	कृष्ण	१०	बु	अनुराधा	१०:५२	१८:०३
१२-२-२०२६	कृष्ण	१०	गु	ज्येष्ठा	०६:५९	१८:०३
१३-२-२०२६	कृष्ण	११	शु	मूल	०६:५८	१८:०४
१४-२-२०२६	कृष्ण	१२	श	पू.षा.	०६:५७	१८:०५
१५-२-२०२६	कृष्ण	१३	र	उ.षा.	०६:५६	१७:०१
१९-२-२०२६	शुक्ल	२	गु	पू.भा.	०६:५३	१८:०८
२०-२-२०२६	शुक्ल	३	शु	उ.भा.	०६:५२	१४:३६
२३-२-२०२६	शुक्ल	७	सो	भरणी	०९:०९	१८:१०
२५-२-२०२६	शुक्ल	९	बु	रोहिणी	१३:३८	१८:१२
२६-२-२०२६	शुक्ल	१०	गु	मृगशिरा	०६:४७	१८:१२
२७-२-२०२६	शुक्ल	११	शु	आर्द्रा	०६:४६	१०:४९
२८-२-२०२६	शुक्ल	१२	श	पुनर्वसु	०९:३६	१८:१३
१-३-२०२६	शुक्ल	१३	र	पुष्य	०६:४४	१८:१४
२-३-२०२६	शुक्ल	१५	सो	आश्लेषा	१७:५९	१८:१५

फसल कटाई के मुहूर्त्त

दिनाङ्क	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
चैत्र						
५-३-२०२६	कृ	२	गु	उ.फा.	०६:४०	१८:१६
६-३-२०२६	कृ	३	शु	हस्त	०६:३९	१७:५७
८-३-२०२६	कृ	५	र	स्वाति	०६:३७	१३:३३
११-३-२०२६	कृ	८	बु	ज्येष्ठा	०६:३४	१८:१९
१३-३-२०२६	कृ	१०	शु	पू.षा.	०६:३२	१८:२०
१४-३-२०२६	कृ	१०	श	उ.षा.	०६:३१	१८:२१
१५-३-२०२६	कृ	११	र	श्रवण	०६:३०	१८:२१
१६-३-२०२६	कृ	१२	सो	धनिष्ठा	०६:२९	१८:२२
२३-३-२०२६	शु	५	सो	कृत्तिका	०६:२२	१८:२५
२५-३-२०२६	शु	७	बु	मृगशिरा	०६:१९	१८:२६
२६-३-२०२६	शु	८	गु	आर्द्रा	०६:१८	११:५१
२७-३-२०२६	शु	९	शु	पुनर्वसु	१५:२६	१८:२७
२८-३-२०२६	शु	१०	श	पुष्य	०६:१६	१८:२८
२९-३-२०२६	शु	११	र	आश्लेषा	०६:१५	१८:२८
३०-३-२०२६	शु	१२	सो	मघा	०६:१४	१४:५०
१-४-२०२६	शु	१५	बु	उ.फा.	०७:०७	१८:३०
२-४-२०२६	शु	१५	गु	हस्त	०६:११	१८:३०



वित्त व्यवहार, व्यापार इत्यादि - दस्तकारी, शिल्प विद्या सीखने का मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
३०-मार्च	चैत्र	शु	१	र	रेवती	०६:१४	१८:२९
०३-अप्रैल	चैत्र	शु	६	गु	रोहिणी	०६:१०	१८:३१
०५-०४	चैत्र	शु	८	श	पुनर्वसु	०६:०७	१८:३२
११-०४	चैत्र	शु	१४	शु	उ.फा.	०६:०१	१८:३४
१२-०४	चैत्र	शु	१५	श	हस्त	०६:००	१८:३५
१३-०४	वैशाख	कृ	१६	र	चित्रा	०५:५९	१८:३५
२१-०४	वैशाख	कृ	२३	सो	उ.षा.	०५:५२	१८:३९
२२-०४	वैशाख	कृ	२४	मं	श्रवण	०५:५१	१८:४०
२३-०४	वैशाख	कृ	२५	बु	धनिष्ठा	०५:५०	१८:४०
२६-०४	वैशाख	कृ	२८	श	उ.भा.	०५:४७	१८:४२
३०-०४	वैशाख	शु	३	बु	रोहिणी	०५:४४	१८:४४
०३-मई	वैशाख	शु	६	श	पुनर्वसु	०५:४२	१८:४५
०८-०५	वैशाख	शु	११	गु	उ.फा.	०५:३८	१८:४८
०९-०५	वैशाख	शु	१२	शु	हस्त	०५:३८	१८:४९
१०-०५	वैशाख	शु	१३	श	चित्रा	०५:३७	१८:४९
१८-०५	ज्येष्ठ	कृ	२०	र	उ.षा.	०५:३३	१८:५३
१९-०५	ज्येष्ठ	कृ	२१	सो	श्रवण	०५:३२	१८:५४
२०-०५	ज्येष्ठ	कृ	२२	मं	धनिष्ठा	०५:३२	१८:५४
२१-०५	ज्येष्ठ	कृ	२४	बु	शत	०५:३२	१८:५३
२३-०५	ज्येष्ठ	कृ	२६	शु	उ.भा.	०५:३१	१८:५६
२४-०५	ज्येष्ठ	कृ	२७	श	रेवती	०५:३१	१८:५७
२७-०५	ज्येष्ठ	कृ	३०	मं	कृत्तिका	०५:३२	१८:५८
३०-०५	ज्येष्ठ	शु	४	शु	पुनर्वसु	०५:२९	१९:००
०४-जून	ज्येष्ठ	शु	९	बु	उ.फा.	०५:२८	१९:०२
०५-०६	ज्येष्ठ	शु	१०	गु	हस्त	०५:२८	१९:०२
०६-०६	ज्येष्ठ	शु	११	शु	हस्त	०५:२८	१९:०३
०७-०६	ज्येष्ठ	शु	१२	श	चित्रा	०५:२८	१९:०३
१०-०६	ज्येष्ठ	शु	१४	मं	अनु	०५:२८	१७:५१
१४-०६	आषाढ़	कृ	१८	श	उ.षा.	०५:२८	१९:०६
१५-०६	आषाढ़	कृ	१९	र	श्रवण	०५:२८	१९:०६
१६-०६	आषाढ़	कृ	२०	सो	धनिष्ठा	०५:२८	१९:०६
१९-०६	आषाढ़	कृ	२३	गु	उ.भा.	०५:२९	१९:०७
२०-०६	आषाढ़	कृ	२४	शु	रेवती	०५:२९	१९:०७
२४-०६	आषाढ़	कृ	२९	मं	रोहिणी	०५:३०	१९:०८
२६-०६	आषाढ़	शु	१	गु	आर्द्रा	०८:४८	१९:०९
२७-०६	आषाढ़	शु	२	शु	पुनर्वसु	०५:३१	१९:०९
०१-जुलाई	आषाढ़	शु	६	मं	पू.फा.	०८:५५	१९:०९
०२-०७	आषाढ़	शु	७	बु	उ.फा.	०५:३२	१९:०९
०३-०७	आषाढ़	शु	८	गु	हस्त	०५:३३	१९:०९
०४-०७	आषाढ़	शु	९	शु	चित्रा	०५:३३	१९:०९
११-०७	श्रावण	कृ	१६	शु	पू.षा.	०५:५६	१९:०८
१२-०७	श्रावण	कृ	१७	श	उ.षा.	०५:३७	१९:०८
१३-०७	श्रावण	कृ	१८	र	श्रवण	०५:३७	१९:०८

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
१४-जुलाई	श्रावण	कृ	१९	सो	धनिष्ठा	०५:३७	१९:०८
१६-०७	श्रावण	कृ	२१	बु	पू.भा.	०५:४६	१९:०७
१७-०७	श्रावण	कृ	२२	गु	रेवती	०५:३९	१९:०७
२१-०७	श्रावण	कृ	२६	सो	रोहिणी	०५:४१	१९:०५
२४-०७	श्रावण	कृ	३०	गु	पुनर्वसु	०५:४२	१९:०४
२५-०७	श्रावण	शु	१	शु	पुष्य	०५:४३	१६:०५
२९-०७	श्रावण	शु	५	मं	उ.फा.	०५:४५	१९:०२
३०-०७	श्रावण	शु	६	बु	हस्त	०५:४५	१९:०१
३१-०७	श्रावण	शु	७	गु	चित्रा	०५:४६	१९:००
०३-अगस्त	श्रावण	शु	९	र	विशाखा	०६:३४	१८:५९
०८-०८	श्रावण	शु	१४	शु	उ.षा.	०५:५०	१८:५५
०९-०८	श्रावण	शु	१५	श	श्रवण	०५:५०	१८:५४
१०-०८	भाद्रपद	कृ	१६	र	धनिष्ठा	०५:५१	१८:५४
१३-०८	भाद्रपद	कृ	१९	बु	उ.भा.	०५:५२	१८:५१
१४-०८	भाद्रपद	कृ	२१	गु	रेवती	०५:५३	१८:५०
१७-०८	भाद्रपद	कृ	२४	र	रोहिणी	०५:५४	१८:४८
२०-०८	भाद्रपद	कृ	२७	बु	पुनर्वसु	०५:५५	१८:४५
२५-०८	भाद्रपद	शु	२	सो	उ.फा.	०५:५७	१८:४०
२६-०८	भाद्रपद	शु	३	मं	हस्त	०५:५८	१८:३९
२७-०८	भाद्रपद	शु	४	बु	हस्त	०५:५८	१८:३८
२८-०८	भाद्रपद	शु	५	गु	चित्रा	०५:५९	१८:३७
३१-०८	भाद्रपद	शु	८	र	अनुराधा	०६:००	१७:२४
०४-सितम्बर	भाद्रपद	शु	१२	गु	उ.षा.	०६:०२	१८:३०
०५-०९	भाद्रपद	शु	१३	शु	श्रवण	०६:०२	१८:२९
०६-०९	भाद्रपद	शु	१४	श	धनिष्ठा	०६:०२	१८:२८
०९-०९	आश्विन	कृ	१७	मं	उ.भा.	०६:०४	१८:२५
१०-०९	आश्विन	कृ	१८	बु	रेवती	०६:०४	१८:२४
१४-०९	आश्विन	कृ	२३	र	रोहिणी	०६:०६	१८:१९
१६-०९	आश्विन	कृ	२५	मं	आर्द्रा	०६:४६	१८:१७
१७-०९	आश्विन	कृ	२६	बु	पुनर्वसु	०६:०७	१८:१६
२२-०९	आश्विन	शु	१	सो	उ.फा.	०६:०९	१८:१०
२३-०९	आश्विन	शु	२	मं	हस्त	०६:०९	१८:०९
२४-०९	आश्विन	शु	३	बु	चित्रा	०६:१०	१८:०८
०२-अक्टूबर	आश्विन	शु	१०	गु	उ.षा.	०६:१३	१७:५९
०३-१०	आश्विन	शु	११	शु	श्रवण	०६:१४	१७:५८
०४-१०	आश्विन	शु	१२	श	धनिष्ठा	०६:१४	१७:५७
०६-१०	आश्विन	शु	१४	सो	पू.भा.	०६:१५	१७:५५
०७-१०	आश्विन	शु	१५	मं	रेवती	०६:१५	१७:५४
११-१०	कार्तिक	कृ	२०	श	रोहिणी	०६:१७	१७:५०
१४-१०	कार्तिक	कृ	२३	मं	पुनर्वसु	०६:१९	१७:४७
१९-१०	कार्तिक	कृ	२८	र	उ.फा.	०६:२२	१७:४२
२०-१०	कार्तिक	कृ	२९	सो	हस्त	०६:२२	१७:४१
२१-१०	कार्तिक	कृ	३०	मं	चित्रा	०६:२३	१७:४०

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
२९-१०	कार्तिक	शु	७	बु	उ.षा.	०६:२७	१७:३३
३०-१०	कार्तिक	शु	८	गु	श्रवण	०६:२८	१७:३३
३१-१०	कार्तिक	शु	९	शु	धनिष्ठा	०६:२९	१७:३२
०३-नवम्बर	कार्तिक	शु	१३	सो	उ.भा.	०६:३१	१७:३०
०४-११	कार्तिक	शु	१४	मं	रेवती	०६:३१	१७:२९
०७-११	मार्गशीर्ष	कृ	१७	शु	रोहिणी	०६:३३	१७:२७
१०-११	मार्गशीर्ष	कृ	२१	सो	पुनर्वसु	०६:३६	१७:२६
१५-११	मार्गशीर्ष	कृ	२६	श	उ.फा.	०६:३९	१७:२३
१६-११	मार्गशीर्ष	कृ	२७	र	हस्त	०६:४०	१७:२३
१७-११	मार्गशीर्ष	कृ	२८	सो	चित्रा	०६:४१	१७:२३
२५-११	मार्गशीर्ष	शु	५	मं	उ.षा.	०६:४७	१७:२१
२६-११	मार्गशीर्ष	शु	६	बु	श्रवण	०६:४७	१७:२०
२७-११	मार्गशीर्ष	शु	७	गु	धनिष्ठा	०६:४८	१७:२०
३०-११	मार्गशीर्ष	शु	१०	र	उ.भा.	०६:५०	१७:२०
०१-दिसम्बर	मार्गशीर्ष	शु	११	सो	रेवती	०६:५१	१७:२०
०५-१२	पौष	कृ	१६	शु	रोहिणी	०६:५४	१७:२०
०७-१२	पौष	कृ	१८	र	पुनर्वसु	०६:५५	१७:२१
१२-१२	पौष	कृ	२३	शु	उ.फा.	०६:५९	१७:२२
१३-१२	पौष	कृ	२४	श	हस्त	०६:५९	१७:२२
१४-१२	पौष	कृ	२५	र	हस्त	०७:००	१७:२२
१५-१२	पौष	कृ	२६	सो	चित्रा	०७:०१	१७:२३
२२-१२	पौष	शु	२	सो	उ.षा.	०७:०४	१७:२६
२३-१२	पौष	शु	३	मं	श्रवण	०७:०५	१७:२६
२४-१२	पौष	शु	४	बु	श्रवण	०७:०५	१७:२७
२५-१२	पौष	शु	५	गु	धनिष्ठा	०७:०६	१७:२७
२८-१२	पौष	शु	८	र	उ.भा.	०७:०७	१७:२९
२९-१२	पौष	शु	९	सो	रेवती	०७:०७	१७:३०
०१-जनवरी	पौष	शु	१३	गु	रोहिणी	०७:०८	१७:३२
०४-०१	माघ	कृ	१६	र	पुनर्वसु	०७:०९	१७:३४
०९-०१	माघ	कृ	२२	शु	उ.फा.	०७:१०	१७:३७
१०-०१	माघ	कृ	२२	श	हस्त	०७:१०	१७:३८
११-०१	माघ	कृ	२३	र	चित्रा	०७:१०	१७:३९
१९-०१	माघ	शु	१	सो	उ.षा.	०७:०९	१७:४५
२०-०१	माघ	शु	२	मं	श्रवण	०७:०९	१७:४६
२१-०१	माघ	शु	३	बु	धनिष्ठा	०७:०९	१७:४७
२४-०१	माघ	शु	६	श	उ.भा.	०७:०८	१७:४९
२५-०१	माघ	शु	७	र	रेवती	०७:०८	१७:५०
२९-०१	माघ	शु	११	गु	रोहिणी	०७:०६	१७:५३
३१-०१	माघ	शु	१३	श	पुनर्वसु	०७:०६	१७:५४
०५-फरवरी	फाल्गुन	कृ	१९	गु	उ.फा.	०७:०३	१७:५८
०६-०२	फाल्गुन	कृ	२०	शु	हस्त	०७:०२	१७:५९
०७-०२	फाल्गुन	कृ	२१	श	चित्रा	०७:०२	१८:००
१०-०२	फाल्गुन	कृ	२३	मं	विशाखा	०७:५५	१८:०२

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
१५-०२	फा.	कृ	२८	र	उ.षा.	०६:५६	१८:०५
१६-०२	फा.	कृ	२९	सो	श्रवण	०६:५६	१८:०६
१७-०२	फा.	कृ	३०	मं	धनिष्ठा	०६:५५	१८:०७
२०-०२	फा.	शु	३	शु	उ.भा.	०६:५२	१८:०९
२१-०२	फा.	शु	४	श	रेवती	०६:५२	१८:०९
२२-०२	फा.	शु	५	र	अश्विनी	०६:५१	१७:५३
२५-०२	फा.	शु	९	बु	रोहिणी	०६:४८	१८:१२
२८-०२	फा.	शु	१२	श	पुनर्वसु	०६:४५	१८:१३
०४-०३	चैत्र	कृ	१६	बु	पू.फा.	०७:४०	१८:१६
०५-०३	चैत्र	कृ	१७	गु	उ.फा.	०६:४०	१८:१६
०६-०३	चैत्र	कृ	१८	शु	हस्त	०६:३९	१८:१७
०७-०३	चैत्र	कृ	१९	श	चित्रा	०६:३८	१८:१७
१४-०३	चैत्र	कृ	२५	श	उ.षा.	०६:३१	१८:२१
१५-०३	चैत्र	कृ	२६	र	श्रवण	०६:३०	१८:२१
१६-०३	चैत्र	कृ	२७	सो	धनिष्ठा	०६:२९	१८:२२
१९-०३	चैत्र	कृ	३०	गु	उ.भा.	०६:२६	१८:२३

व्यापार/फैक्ट्री आरंभ मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र
३०-०४-२०२५	वैशाख	शु	३	बुध	रोहिणी
०१-०५-२०२५	वैशाख	श	४	गुरु	मृगशिरा
२५-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृ	१३	रवि	अश्विनी
२८-०५-२०२५	ज्येष्ठ	शु	२	बुध	मृगशिरा
२१-०६-२०२५	आषाढ़	कृ	१०	शनि	अश्विनी
२१-०७-२०२५	श्रावण	कृ	११	सोम	रोहिणी
०३-०८-२०२५	श्रावण	शु	९	रवि	अनुराधा
०४-०८-२०२५	श्रवण	शु	१०	सोम	अनुराधा
२५-०८-२०२५	भाद्रपद	शु	२	सोम	उ.फा.
०४-०९-२०२५	भाद्रपद	शु	१२	गुरु	उ.षा.
२४-०९-२०२५	आश्विन	शु	३	बुध	चित्रा
०२-१०-२०२५	आश्विन	शु	१०	गुरु	उषा
१९-१०-२०२५	कार्तिक	कृ	१३	बुध	उ.फा.
२४-१०-२०२५	कार्तिक	शु	३	शुक्र	अनुराधा
०३-११-२०२५	कार्तिक	शु	१३	सोम	उ.भा.
१५-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृ	११	शनि	उ.फा.
०५-१२-२०२५	पौष	कृ	१	शुक्र	रोहिणी-मृगशिरा
२१-०२-२०२६	फाल्गुन	शु	१	शनि	रेवती

वित्त व्यवहार, व्यापार इत्यादि के मुहूर्त्त

वाहन, मशीनरी, मोबाइल खरीदने के मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	समय
१४-०४-२०२५	वैशाख	कृ	१	सोम	स्वाति	०९:३१-११:४५, ११:५१-१२:४३
२४-०४-२०२५	वैशाख	कृ	११	गुरु	शतभिषा	०७:३०-११:२१
३०-०४-२०२५	वैशाख	शु	३	बुध	रोहिणी	०८:२८-१०:४३, १०:५५-११:४८
०१-०५-२०२५	वैशाख	शु	४	गुरु	मृगशिरा	१२:४०-१४:२५
०२-०५-२०२५	वैशाख	शु	५	शुक्र	पुनर्वसु	१५:०८-१७:२२
०३-०५-२०२५	वैशाख	शु	६	शनि	पुनर्वसु	०८:१७-१०:३१, १०:५५-१२:३९
					पुष्य	१५:०४-१७:१८
२५-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृ	१३	रवि	अश्विनी	०६:५०-०९:४८, १०:५२-११:११
२८-०५-२०२५	ज्येष्ठ	शु	२	बुध	मृगशिरा	०६:३८-०८:५२, ०९:०३-०९:५८, १०:५२-११-४७
०८-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शु	१२	शनि	स्वाति	०५:५५-०९:०३, १०:५३-१२:४१
१२-०६-२०२५	श्रावण	कृ	२	शनि	श्रवण	१०:३३-१२:४७
१३-०७-२०२५	श्रावण	कृ	३	रवि	धनिष्ठा	१०:२५-१२:३९
१८-०७-२०२५	श्रावण	कृ	८	शुक्र	अश्विनी	१०:०५-१४:३६
२१-०७-२०२५	श्रावण	कृ	११	सोम	रोहिणी	०९:५३-१३:४४
०३-०८-२०२५	श्रावण	शु	९	रवि	अनुराधा	११:५६-१३:३३
०९-०८-२०२५	श्रावण	शु	१५	शनि	श्रवण	१०:५३-१३:१०
१०-०८-२०२५	भाद्रपद	कृ	१	रवि	धनिष्ठा	१०:४९-१३:१०
११-०८-२०२५	भाद्रपद	कृ	२	सोम	शतभिषा	१०:४५-१२:५९
१३-०८-२०२५	भाद्रपद	कृ	४	बुध	रेवती	१०:३७-१२:५४
१४-०८-२०२५	भाद्रपद	कृ	५	गुरु	रेवती	०७:३३-०८२५
२०-०८-२०२५	भाद्रपद	कृ	१२	बुध	पुनर्वसु	१०:०९-१३:३८
२८-०८-२०२५	भाद्रपद	शु	५	गुरु	स्वाति	०९:३८-१२:४३
२९-०८-२०२५	भाद्रपद	शु	६	शुक्र	स्वाति	०९:३४-११:३९
०५-०९-२०२५	भाद्रपद	शु	१३	शुक्र	श्रवण	०९:०६-११:२३, ११:४०-१२:४१
२४-०९-२०२५	आश्विन	शु	३	बुध	चित्रा	१०:५६-१४:३०
२७-०९-२०२५	आश्विन	शु	५	शनि	अनुराधा	११:४४-१४:१९
०२-१०-२०२५	आश्विन	शु	१०	गुरु	श्रवण	०९:२०-१०:०७, ११:४२-१३:५९
१३-१०-२०२५	कार्तिक	कृ	७	सोम	पुनर्वसु	११:११-१४:४६
१५-१०-२०२५	कार्तिक	कृ	९	बुध	पुष्य	११:०३-१२:०३
२४-१०-२०२५	कार्तिक	शु	३	शुक्र	अनुराधा	०९:२२-१०:०७, ११:३८-१४:१७
१०-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृ	६	सोम	पुनर्वसु	०९:२७-१०:११, १०:५५-१३:११
२६-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शु	६	बुध	श्रवण	१३:३८-१५:०४
२७-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शु	७	गुरु	धनिष्ठा	१०:१९-१५:००
२८-११-२०२५	मार्गशीर्ष्	शु	८	शुक्र	शतभिषा	१३:३०-१४:५६

नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त्त (कलश चक्र शुद्धि वेध शुद्धि सहित)

२४ अप्रैल २०२५ वैशाख कृष्ण ११गुरुवार शतभिषा प्रातः वृषभ लग्न ०६:५५ से ०८:५२ तक। मिथुन लग्न ०८:५२ से १०:४६ तक।

२५ अप्रैल २०२५ वैशाख कृष्ण १२ शुक्रवार उ.भा. प्रातः मिथुन लग्न ०८:५२ से ११:०२ तक।

०३ मई २०२५ वैशाख शुक्ल ६ शनिवार पुष्य सिह लग्न १२:४९ से १५:०४ तक।

०८ मई २०२५ वैशाख शुक्ल ११ गुरुवार उ.फा. सिह लग्न १२:३१ से १४:४४ तक।

१० मई २०२५ वैशाख शुक्ल १३ शनिवार चित्रा अभिजित ११:४७ से १२:४० तक। सिह लग्न १२:२२ से १४:३६ तक।

१५ अक्टूबर २०२५ कार्तिक कृष्ण ९ बुधवार पुष्य धनु लग्न प्रातः ११:०३ से १२:०३ तक।

१८ अक्टूबर २०२५ कार्तिक कृष्ण १२ शनिवार उ.फा. कुंभ लग्न १५:४४ से १६:११ तक।

०१ नवम्बर २०२५ कार्तिक शुक्ल १० शनिवार शतभिषा ०७:५५ से ०८:३९ तक।

१५ नवम्बर २०२५ मार्गशीर्ष कृष्ण १२ शनिवार उ.फा. प्रातः वृश्चिक लग्न ०७:३८ से ०९:०१तक। मीन लग्न १४:२१ से १५:४८ तक। अभिजित ११:३९ से १२:२३ तक।

२८ नवम्बर २०२५ मार्गशीर्ष शुक्ल ८ शुक्रवार शतभिषा मीन लग्न १३:३० से १४:५६ तक।

कूप निर्माण, जलस्रोत खनन मुहूर्त्त (वेध शुद्धि, चक्र शुद्धि सहित)

३० अप्रैल २०२५ वैशाख शुक्ल ३ बुधवार रोहिणी प्रातः ०७:२७ से ११:४८ तक।

२८ मई २०२५ ज्येष्ठ शुक्ल २ बुधवार मृगशिरा ०७:१४ से ११:४७ तक।

०५ दिसम्बर २०२५ पौष कृष्ण १ शुक्रवार रोहिणी-मृगशिरा ०८:१४ से १४:२९ तक।

१३ फरवरी २०२६ फाल्गुन कृष्ण ११ शुक्रवार पू.षा. १६:१० से १८:०७ तक

०९ मार्च २०२६ चैत कृष्ण ६ सोमवार अनुराधा १६:१३ से १८:२२ तक

औषधि आरंभ मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
३०-०३-२०२५	चैत्र	शुक्ल	१	र	रेवती	१२:४९	१८:२९
०३-०४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	६	गु	रोहिणी	०७:००	१८:३१
०७-०४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	१०	सो	पुष्य	०६:०५	१८:३३
१४-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	१	सो	स्वाति	०५:५८	१८:३६
२१-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	८	सो	उ.षा.	१३:००	१८:३९
२३-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	१०	बु	धनिष्ठा	०५:५०	१८:४०
०२-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	५	शु	आर्द्रा	१३:००	१८:४५
०४-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	७	र	पुष्य	०५:४१	१८:४६
०९-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	१२	शु	हस्त	०५:३८	१८:४९
१४-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	२	बु	अनुराधा	०५:३५	१८:५१
१९-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	६	सो	श्रवण	०५:३२	१८:५४
२८-०५-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	२	बु	मृगशिरा	०५:२९	१८:५९
०५-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	१०	गु	हस्त	०५:२८	१९:०२
०८-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	१२	र	स्वाति	०५:२८	१९:०४
२६-०६-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	१	गु	आर्द्रा	१३:२९	१९:०९
०३-०७-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	८	गु	हस्त	०५:३३	१४:०८
०४-०७-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	९	शु	चित्रा	१६:३२	१९:०९
०७-०७-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	१२	सो	अनुराधा	०५:३४	१९:०९
१८-०७-२०२५	श्रावण	कृष्ण	८	शु	अश्विनी	०५:३९	१७:००
३०-०७-२०२५	श्रावण	शुक्ल	६	बु	हस्त	०५:४५	१९:०१
३१-०७-२०२५	श्रावण	शुक्ल	७	गु	चित्रा	०५:४६	१९:००
०१-०८-२०२५	श्रावण	शुक्ल	८	शु	स्वाति	०५:४६	१९:००
०४-०८-२०२५	श्रावण	शुक्ल	१०	सो	अनुराधा	०५:४८	१८:५८
११-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	२	सो	शतभिषा	०५:५१	१८:५३
१३-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	४	बु	उ.भा.	११:००	१८:५१
१८-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	१०	सो	मृगशिरा	०५:५४	१८:४७
२९-०८-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	६	शु	स्वाति	०५:५९	१८:३६
३१-०८-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	८	र	अनुराधा	०६:००	१८:३४
०५-०९-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	१३	शु	श्रवण	०६:०२	१८:२९
१०-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण	३	बु	रेवती	०६:०४	१५:३८
११-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण	४	गु	अश्विनी	१२:४६	१८:२२
१७-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण	११	बु	पुनर्वसु	०६:०७	१८:१६

औषधि आरंभ मुहूर्त्त

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
१८-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण	१२	गु	पुष्य	०६:०७	१८:१५
२४-०९-२०२५	आश्विन	शुक्ल	३	बु	चित्रा	०६:१०	१८:०८
२५-०९-२०२५	आश्विन	शुक्ल	३	गु	स्वाति	०६:१०	०७:०६
०३-१०-२०२५	आश्विन	शुक्ल	११	शु	श्रवण	०६:१४	१७:५८
०५-१०-२०२५	आश्विन	शुक्ल	१३	र	शतभिषा	०६:१५	१४:५९
१२-१०-२०२५	कार्तिक	कृष्ण	६	र	मृगशिरा	०६:१८	१७:४९
१५-१०-२०२५	कार्तिक	कृष्ण	९	बु	पुष्य	१०:३७	१७:४६
२४-१०-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	३	शु	अनुराधा	०६:२४	१७:३७
३०-१०-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	८	गु	श्रवण	०६:२८	१०:०३
३१-१०-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	९	शु	धनिष्ठा	१०:००	१७:३२
०५-११-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	१५	बु	अश्विनी	०६:३२	१७:२९
१७-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	१३	सो	चित्रा	०६:४१	१७:२३
२१-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	१	शु	अनुराधा	१४:४७	१७:२१
०७-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	३	र	पुनर्वसु	०६:५५	१७:२१
१४-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	१०	र	हस्त	०७:००	१७:२२
१५-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	११	सो	चित्रा	०७:०१	१७:२३
१७-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	१३	बु	विशाखा	१७:००	१७:२३
२६-१२-२०२५	पौष	शुक्ल	६	शु	शतभिषा	०७:०६	१७:२८
२८-१२-२०२५	पौष	शुक्ल	८	र	उ.भा.	०९:००	११:५५
२९-१२-२०२५	पौष	शुक्ल	९	सो	रेवती	१०:०९	१७:३०
०९-०१-२०२६	माघ	कृष्ण	७	शु	उ.फा.	१४:००	१७:३७
११-०१-२०२६	माघ	कृष्ण	८	र	चित्रा	०७:१०	१०:२२
१४-०१-२०२६	माघ	कृष्ण	११	बु	अनुराधा	०७:१०	१७:४१
२१-०१-२०२६	माघ	शुक्ल	३	बु	धनिष्ठा	०७:०९	१७:४७
२६-०१-२०२६	माघ	शुक्ल	८	सो	अश्विनी	०७:०८	१७:५१
०१-०२-२०२६	माघ	शुक्ल	१५	र	पुष्य	०७:०५	१७:५५
०८-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	७	र	स्वाति	०७:०१	१८:००
२६-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	१०	गु	मृगशिरा	०६:४७	१८:१२
२७-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	११	शु	आर्द्रा	११:००	१८:१३
०१-०३-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	१३	र	पुष्य	०६:४४	१८:१४
०५-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	२	गु	उ.फा.	०८:००	१८:१६
०९-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	६	सो	विशाखा	१६:००	१८:१८
१६-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	१२	सो	धनिष्ठा	०६:२९	१८:२२

ऑपरेशन, सर्जरी, चीरा इत्यादि के मुहूर्त्त (भाग-१)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
३०-०३-२०२५	चैत्र	शुक्ल	१	र	रेवती	१७:००	३०:१३
०३-०४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	६	गु	रोहिणी	०६:१०	३०:०८
०६-०४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	९	र	पुष्य	११:२८	३०:००
१३-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	१	र	चित्रा	०५:५९	२९:५८
१५-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	२	मं	विशाखा	२७:००	२९:५६
१७-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	४	गु	ज्येष्ठा	१५:२१	३२:००
२९-०४-२०२५	वैशाख	शुक्ल	२	मं	कृत्तिका	१९:००	२९:४४
०१-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	४	गु	मृगशिरा	११:२८	१४:००
०४-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	७	र	पुष्य	०५:४१	१३:००
०८-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	११	गु	उ.फा.	२१:००	२९:३८
११-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	१४	र	स्वाति	२०:०१	३०:००
१३-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	१	मं	विशाखा	०९:००	२९:३५
१५-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	३	गु	ज्येष्ठा	०५:३४	१४:००
१८-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	५	र	उ.षा.	१९:००	२९:३२
२५-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	१३	र	अश्विनी	०५:३०	११:००
०५-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	१०	गु	हस्त	०५:२८	२९:२८
०८-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	१२	र	स्वाति	०५:२८	१३:००
१०-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	१४	मं	अनुराधा	११:३४	२९:२८
१५-०६-२०२५	आषाढ़	कृष्ण	४	र	श्रवण	१५:४८	२५:००
०३-०७-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	८	गु	हस्त	०५:३३	१४:०८
०६-०७-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	११	र	विशाखा	२३:००	२९:३४
०८-०७-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	१३	मं	ज्येष्ठा	०५:३५	२४:३६
१३-०७-२०२५	श्रावण	कृष्ण	३	र	श्रवण	०५:३७	०७:००
१७-०७-२०२५	श्रावण	कृष्ण	७	गु	रेवती	२८:००	२९:३९
२०-०७-२०२५	श्रावण	कृष्ण	१०	र	कृत्तिका	२३:००	२९:४१
२२-०७-२०२५	श्रावण	कृष्ण	१२	मं	मृगशिरा	०५:४१	१९:००
२९-०७-२०२५	श्रावण	शुक्ल	५	मं	उ.फा.	२०:००	२९:४५
३१-०७-२०२५	श्रावण	शुक्ल	७	गु	चित्रा	०५:४६	२९:४६
०३-०८-२०२५	श्रावण	शुक्ल	९	र	विशाखा	०९:४१	२९:४८
०५-०८-२०२५	श्रावण	शुक्ल	११	मं	ज्येष्ठा	०५:४८	११:००
१४-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	६	गु	रेवती	०९:००	२९:५३
१७-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	९	र	रोहिणी	१९:२६	२९:५४
२१-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	१३	गु	पुष्य	०५:५६	१२:४८
२६-०८-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	३	मं	हस्त	०५:५८	१३:५८

आपात या अकस्मात परिस्थितियों से हट कर औषधि सेवन या शल्य चिकित्सा विचार

शल्य चिकित्सा संबंधित मुहूर्त्त विचार - **शुभ नक्षत्र** - चित्रा, स्वाती, अनुराधा, ज्येष्ठा, रोहिणी, मृगशिरा, अश्विनी, पुष्य, हस्त, अभिजित, श्रवण नक्षत्र में चीरा लगवाना, ऑपरेशन, सर्जरी

ऑपरेशन, सर्जरी, चीरा इत्यादि के मुहूर्त्त (भाग-२)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
२८-०८-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	५	गु	चित्रा	०५:५९	२९:५९
३१-०८-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	८	र	अनुराधा	०६:००	२४:५६
०४-०९-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	१२	गु	उ.षा.	२४:००	३०:०२
११-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण	४	गु	अश्विनी	१२:४६	१४:००
१४-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण	८	र	रोहिणी	०६:०६	२७:०७
१८-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण	१२	गु	पुष्य	०६:०७	०७:००
२३-०९-२०२५	आश्विन	शुक्ल	२	मं	हस्त	०६:०९	३०:१०
२५-०९-२०२५	आश्विन	शुक्ल	३	गु	स्वाति	०६:१०	०७:०६
२८-०९-२०२५	आश्विन	शुक्ल	६	र	ज्येष्ठा	०६:११	२८:००
०२-१०-२०२५	आश्विन	शुक्ल	१०	गु	उ.षा.	०९:००	३०:१४
०७-१०-२०२५	आश्विन	शुक्ल	१५	मं	रेवती	२५:००	३०:१६
१२-१०-२०२५	कार्तिक	कृष्ण	६	र	मृगशिरा	०६:१८	१४:००
२३-१०-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	२	गु	विशाखा	२९:००	३०:२४
२६-१०-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	५	र	ज्येष्ठा	०६:२६	११:००
३०-१०-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	८	गु	श्रवण	०६:२८	१०:०३
०४-११-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	१४	मं	रेवती	२२:३३	३०:३२
११-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	७	मं	पुष्य	०६:३६	१८:००
१६-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	१२	र	हस्त	०६:४०	३०:४१
१८-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	१३	मं	स्वाति	०६:४१	०७:१२
२५-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	५	मं	उ.षा.	२४:००	३०:४७
०२-१२-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	१२	मं	अश्विनी	०६:५२	२१:००
०४-१२-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	१४	गु	कृत्तिका	१५:००	३०:५४
१४-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	१०	र	हस्त	०७:००	३१:०१
१६-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	१२	मं	स्वाति	०७:०१	१४:००
२३-१२-२०२५	पौष	शुक्ल	३	मं	श्रवण	०७:०५	१२:११
०१-०१-२०२६	पौष	शुक्ल	१३	गु	रोहिणी	०७:०८	२२:२२
०४-०१-२०२६	माघ	कृष्ण	१	र	पुनर्वसु	१५:००	३१:०९
११-०१-२०२६	माघ	कृष्ण	८	र	चित्रा	०७:१०	१०:२२
१३-०१-२०२६	माघ	कृष्ण	१०	मं	विशाखा	२४:००	३१:१०
१५-०१-२०२६	माघ	कृष्ण	१२	गु	ज्येष्ठा	०७:१०	३०:००
२०-०१-२०२६	माघ	शुक्ल	२	मं	श्रवण	०७:०९	१३:००
२५-०१-२०२६	माघ	शुक्ल	७	र	रेवती	१४:००	३१:०८
२९-०१-२०२६	माघ	शुक्ल	११	गु	रोहिणी	०७:०६	३१:०६
०१-०२-२०२६	माघ	शुक्ल	१५	र	पुष्य	०७:०५	२४:००
०५-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	४	गु	उ.फा.	२४:२६	३१:०२
०८-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	७	र	स्वाति	०७:०१	२९:००
१२-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	१०	गु	ज्येष्ठा	०६:५९	१४:००
२२-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	५	र	अश्विनी	०६:५१	१८:००
२४-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	७	मं	कृत्तिका	१५:००	३०:४८
२६-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	१०	गु	मृगशिरा	०६:४७	१२:००
०१-०३-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	१३	र	पुष्य	०६:४४	०९:००
०५-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	२	गु	उ.फा.	०८:००	३०:३९
०८-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	५	र	स्वाति	०६:३७	१४:००
१०-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	७	मं	अनुराधा	०६:३५	३०:३४
१५-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	११	र	श्रवण	०६:३०	३०:००

रोगमुक्ति स्नान के मुहूर्त्त (भाग-१)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
०१-०४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	४	मं	भरणी	०६:१२	११:०९
०८-०४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	११	मं	आश्लेषा	०७:५६	१८:३३
१९-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	६	श	मूल	१०:१८	१८:३८
२०-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	७	र	पू.षा.	०५:५३	११:४५
२२-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	९	मं	श्रवण	०५:५१	१८:४०
०६-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	९	मं	मघा	०५:४०	१८:४७
११-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	१४	र	स्वाति	०५:३७	१८:५०
१७-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	५	श	पू.षा.	०५:३३	१७:४०
१८-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	५	र	उ.षा.	१८:४९	१८:५३
२०-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	७	मं	धनिष्ठा	०५:३२	१८:५४
२५-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	१३	र	अश्विनी	११:११	१८:५७
०३-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	८	मं	पू.फा.	०५:२८	१९:०१
०७-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	१२	श	चित्रा	०९:३९	१९:०३
०८-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	१२	र	स्वाति	०५:२८	१२:४०
१५-०६-२०२५	आषाढ़	कृष्ण	४	र	श्रवण	०५:२८	१९:०६
१७-०६-२०२५	आषाढ़	कृष्ण	६	मं	शतभिषा	०५:२८	१९:०७
२२-०६-२०२५	आषाढ़	कृष्ण	१२	र	भरणी	०५:२९	१७:३७
२९-०६-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	४	र	आश्लेषा	०६:३५	१९:०९
०१-०७-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	६	मं	पू.फा.	०५:३२	०८:५५
०५-०७-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	१०	श	स्वाति	०५:३४	१९:०९
१२-०७-२०२५	श्रावण	कृष्ण	२	श	उ.षा.	०६:३५	१९:०८
१३-०७-२०२५	श्रावण	कृष्ण	३	र	श्रवण	०५:३७	१९:०८
१५-०७-२०२५	श्रावण	कृष्ण	५	मं	शतभिषा	०५:३८	१९:०७
१९-०७-२०२५	श्रावण	कृष्ण	९	श	भरणी	०५:४०	१९:०६
२६-०७-२०२५	श्रावण	शुक्ल	२	श	आश्लेषा	१५:५७	१९:०३
२७-०७-२०२५	श्रावण	शुक्ल	३	र	मघा	०५:४४	१९:०३
०९-०८-२०२५	श्रावण	शुक्ल	१५	श	श्रवण	०५:५०	१८:५४
१०-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	१	र	धनिष्ठा	०५:५१	१८:५४
१२-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	३	मं	पू.भा.	०५:५२	११:५०
१६-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	८	श	भरणी	०५:५३	०६:०६
२३-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	३०	श	मघा	०५:५७	१८:४२
२४-०८-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	१	र	पू.फा.	०५:५७	१८:४१
०६-०९-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	१४	श	धनिष्ठा	०६:०२	१८:२८
०७-०९-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	१५	र	शतभिषा	०६:०३	१८:२७
२०-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण	१४	श	मघा	०६:०८	१८:१२

रोगमुक्ति स्नान के मुहूर्त्त (भाग-२)

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
२१-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण	३०	र	पू.फा.	०६:०८	०९:३३
३०-०९-२०२५	आश्विन	शुक्ल	८	मं	मूल	०६:१७	१८:०१
०४-१०-२०२५	आश्विन	शुक्ल	१२	श	धनिष्ठा	०६:१४	१७:५७
०५-१०-२०२५	आश्विन	शुक्ल	१३	र	शतभिषा	०६:१५	१७:५६
१८-१०-२०२५	कार्तिक	कृष्ण	१२	श	पू.फा.	०६:२१	१५:४४
२८-१०-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	६	मं	पू.षा.	०६:२७	१५:४१
०१-११-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	१०	श	शतभिषा	०६:२९	१७:३१
०२-११-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	११	र	पू.भा.	०६:३०	१६:५७
१८-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	१३	मं	स्वाति	०६:४१	१७:२२
२९-११-२०२५	मार्गशीर्ष	शुक्ल	९	श	पू.भा.	०६:५०	१७:२०
१६-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	१२	मं	स्वाति	०७:०१	१४:०९
२१-१२-२०२५	पौष	शुक्ल	१	र	पू.षा.	०७:०४	१७:२५
२३-१२-२०२५	पौष	शुक्ल	३	मं	श्रवण	०७:०५	१७:२६
२७-१२-२०२५	पौष	शुक्ल	७	श	पू.भा.	०७:०७	०९:०७
३०-१२-२०२५	पौष	शुक्ल	१०	मं	भरणी	०७:०८	१७:३०
०६-०१-२०२६	माघ	कृष्ण	३	मं	आश्लेषा	१२:२२	१७:३५
१७-०१-२०२६	माघ	कृष्ण	१४	श	मूल	०८:११	१७:४३
१८-०१-२०२६	माघ	कृष्ण	३०	र	पू.षा.	०७:१०	१०:१२
२०-०१-२०२६	माघ	शुक्ल	२	मं	श्रवण	०७:०९	१७:४६
२७-०१-२०२६	माघ	शुक्ल	९	मं	भरणी	०७:०७	११:०७
०३-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	२	मं	मघा	०७:०४	१७:५७
०८-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	७	र	स्वाति	०७:०१	१८:००
१४-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	१२	श	पू.षा.	०६:५७	१८:०५
१७-०२-२०२६	फाल्गुन	कृष्ण	३०	मं	धनिष्ठा	०६:५५	१८:०७
२२-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	५	र	अश्विनी	१७:५३	१८:१०
०३-०३-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	१५	मं	मघा	०६:४२	१८:१५
०७-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	४	श	चित्रा	११:१७	१८:१७
०८-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	५	र	स्वाति	०६:३७	१३:३३
१५-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	११	र	श्रवण	०६:३०	१८:२१
१७-०३-२०२६	चैत्र	कृष्ण	१३	मं	शतभिषा	०६:२८	१८:२२

शुभाशुभ योग प्रकरण

द्विपुष्कर योग

दिनाङ्क	मास	पक्ष	वार	तिथि	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
२०-०५-२०२५	ज्येष्ठ	कृष्ण	मं	७	धनिष्ठा	५:३२	५:५१
०७-०६-२०२५	ज्येष्ठ	शुक्ल	श	१२	चित्रा	५:२८	९:३९
२२-०७-२०२५	श्रावण	कृष्ण	मं	१२	मृगशिरा	५:४१	७:०६
१०-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	र	१	धनिष्ठा	१२:०८	१३:५०
२३-०९-२०२५	आश्विन	शुक्ल	मं	२	हस्त	१३:४२	२८:५२
०४-१०-२०२५	आश्विन	शुक्ल	श	१२	धनिष्ठा	६:१४	९:०६
१६-११-२०२५	मार्गशीर्ष	कृष्ण	र	१२	हस्त	२६:११	२८:४८
०६-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	श	२	मृगशिरा	६:५५	८:५०

त्रिपुष्कर योग -१

दिनाङ्क	नक्षत्र	पक्ष	तिथि	वार	नक्षत्र	आरंभ	समाप्त
१५-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	मं	२	विशाखा	५:५७	१०:५५
२०-०४-२०२५	वैशाख	कृष्ण	र	७	पू.षा.	११:४५	१८:५६
२९-०४-२०२५	वैशाख	शुक्ल	मं	२	कृत्तिका	५:४५	१७:३५
०३-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	श	६	पुनर्वसु	७:५४	१२:३९
१७-०६-२०२५	आषाढ़	कृष्ण	मं	६	शतभिषा	२४:५९	२९:२८
२२-०६-२०२५	आषाढ़	कृष्ण	र	१२	भरणी	१७:३७	२५:२१
०१-०७-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	मं	६	पू.फा.	१०:२३	२९:३२
०६-०७-२०२५	आषाढ़	शुक्ल	र	११	विशाखा	२१:१३	२२:४०
१२-०७-२०२५	श्रावण	कृष्ण	श	२	उ.षा.	५:३७	६:३५
१९-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	मं	११	आर्द्रा	२५:०९	२९:५५
२४-०८-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	र	१	पू.फा.	२६:०७	२९:५७
३०-०८-२०२५	भाद्रपद	शुक्ल	श	७	विशाखा	६:००	१४:३६
१३-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण	श	६	कृत्तिका	७:२४	१०:१३
२८-१०-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	मं	६	पू.षा.	१५:४१	३०:२७
०२-११-२०२५	कार्तिक	शुक्ल	र	११	पू.भा.	७:३०	१६:५७
१६-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	मं	१२	स्वाति	१४:०९	२३:५७
२१-१२-२०२५	पौष	शुक्ल	र	१	पू.षा.	२७:३५	३१:०४
२७-१२-२०२५	पौष	शुक्ल	श	७	पू.भा.	७:०७	९:०७
०४-०१-२०२६	माघ	कृष्ण	र	१	पुनर्वसु	१२:३४	१५:१५
२४-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	मं	७	कृत्तिका	६:४९	७:०२
२८-०२-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	श	१२	पुनर्वसु	६:४५	९:३६

रविपुष्य योग

रविवार और पुष्य नक्षत्र के संयोग से बना यह योग मंत्र सिद्धि, साधना, औषधिनिर्माण, दुःख दारिद्रय नाशक, मुद्रिका निर्माण, श्रीसाधना, स्वर्णाभूषण क्रय, शिव-शक्ति आराधना आदि कार्यों के लिए श्रेष्ठ होता है।

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	आरंभ
०६-०४-२०२५	चैत्र	शुक्ल	९	सूर्योदय से ३०:२४तक
०४-०५-२०२५	वैशाख	शुक्ल	७	सूर्योदय से १२:५८तक
०७-१२-२०२५	पौष	कृष्ण	३	२८:१२से अगले सूर्योदय तक
०४-०१-२०२६	माघ	कृष्ण	१	१५:१५से अगले सूर्योदय तक
०१-०२-२०२६	माघ	शुक्ल	१५	सूर्योदय से २४:००तक
०१-०३-२०२६	फाल्गुन	शुक्ल	१३	सूर्योदय से ०८:३५तक

गुरु-पुष्य योग

गुरुवार और पुष्य नक्षत्र के संयोग से बना यह योग चर कार्य, मशीनरी, वाहन क्रय, स्वर्णाभूषण, वस्त्रादि क्रय में समृद्धिकारक होता है।

दिनाङ्क	मास	पक्ष	तिथि	आरंभ
२४-०७-२०२५	श्रावण	कृष्ण	३०	१६:४७से सूर्योदय तक
२१-०८-२०२५	भाद्रपद	कृष्ण	१३	सूर्योदय से २४:१०तक
१८-०९-२०२५	आश्विन	कृष्ण		सूर्योदय से ०६:३३तक

शुभाशुभ योग प्रकरण

विष्कम्भादि योगों की त्याज्य घटियाँ

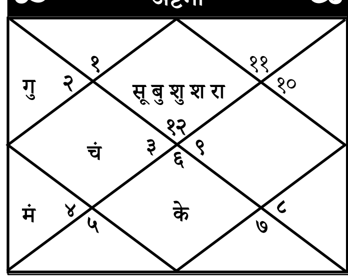
दिनाङ्क	योग	समय	दिनाङ्क	योग	समय	दिनाङ्क	योग	समय	दिनाङ्क	योग	समय	दिनाङ्क	योग	समय
३०-०३-२०२५	वैधृति	१७:५४ से	०३-०६-२०२५	वज्र	०८:०९-०९:२१	१०-०८-२०२५	अतिगण्ड	२४:००-२६:२४	२६-१०-२०२५	अतिगण्ड	०६:४५-०९:०९	१२-०१-२०२६	शूल	१८:१२-२०:१२
३१-०३-२०२५	वैधृति	१३:४७तक	०५-०६-२०२५	व्यतिपात	०९:१४से	१३-०८-२०२५	शूल	१६:०४-१८:०४	२९-१०-२०२५	शूल	०७:४९-०९:४९	१३-०१-२०२६	गण्ड	१९:०४-२१:२८
३१-०३-२०२५	विषकम्भ	१३:४७-१४:५९	०६-०६-२०२५	व्यतिपात	१०:१३तक	१४-०८-२०२५	गण्ड	१३:११-१५:३५	०१-११-२०२५	व्याघात	२६:०६-२९:४२	१६-०१-२०२६	व्याघात	२१:०४-२४:४०
०४-०४-२०२५	अतिगण्ड	२१:४९-२४:१३	०७-०६-२०२५	परिध	११:१६-२३:४६	१८-०८-२०२५	वज्र	२३:००-२४:१२	०३-११-२०२५	वज्र	१९:३४-२०:४६	१८-०१-२०२६	वज्र	२१:०८-२२:२०
०७-०४-२०२५	शूल	१८:२२-२०:२२	१५-०६-२०२५	वैधृति	१२:१७से	२०-०८-२०२५	व्यतिपात	१८:१५से	०५-११-२०२५	व्यतिपात	११:२७से	२०-०१-२०२६	व्यतिपात	१९:५८से
०८-०४-२०२५	गण्ड	१८:१३-२०:३७	१६-०६-२०२५	वैधृति	११:०४ तक	२१-०८-२०२५	व्यतिपात	१६:१७तक	०६-११-२०२५	व्यतिपात	०७:०४तक	२१-०१-२०२६	व्यतिपात	१८:५५तक
११-०४-२०२५	व्याघात	१९:४६-२३:२२	१६-०६-२०२५	विषकम्भ	११:०४-१२:१६	२२-०८-२०२५	परिध	१४:३८-२६:००	१४-११-२०२५	विषकम्भ	३०:२५से	२२-०१-२०२६	परिध	१७:३५-२८:४५
१३-०४-२०२५	वज्र	२१:३९-२२:५१	२०-०६-२०२५	अतिगण्ड	२३:४४-२६:०८	३०-०८-२०२५	वैधृति	१५:०८से	१५-११-२०२५	विषकम्भ	०७:३७तक	२९-०१-२०२६	वैधृति	२०:२६से
१५-०४-२०२५	व्यतिपात	२३:३१से	२३-०६-२०२५	शूल	१३:१७-१५:१७	३१-०८-२०२५	वैधृति	१५:५६तक	२०-११-२०२५	अतिगण्ड	०९:५२-१२:१६	३०-०१-२०२६	वैधृति	१६:५८तक
१६-०४-२०२५	व्यतिपात	२४:१७ तक	२४-०६-२०२५	गण्ड	०९:३६-१२:००	३१-०८-२०२५	विषकम्भ	१५:५६-१७:०८	२३-११-२०२५	शूल	१२:०७-१४:०७	३०-०१-२०२६	विषकम्भ	१६:५८-१८:१०
१७-०४-२०२५	परिध	२४:४८से	२६-०६-२०२५	व्याघात	२३:४३-२७:१९	०५-०९-२०२५	अतिगण्ड	१३:४८-१६:१२	२४-११-२०२५	गण्ड	१२:३५-१४:५९	०३-०२-२०२६	अतिगण्ड	२६:४०-२९:०४
१८-०४-२०२५	परिध	१२:५५तक	२८-०६-२०२५	वज्र	१९:२०-२०:३२	११-०९-२०२५	व्याघात	१७:०५-२०:४१	२७-११-२०२५	व्याघात	१२:०५-१५:४१	०६-०२-२०२६	शूल	२३:३९-२५:३९
२५-०४-२०२५	वैधृति	१२:२७से	३०-०६-२०२५	व्यतिपात	१७:२५से	१३-०९-२०२५	वज्र	१०:३३-११:४५	२९-११-२०२५	वज्र	०९:२३-१०:३५	०७-०२-२०२६	गण्ड	२३:४२-२६:०६
२६-०४-२०२५	वैधृति	०८:४०तक	०१-०१-२०२५	व्यतिपात	१७:२२तक	१६-०९-२०२५	परिध	२४:३६से	०२-१२-२०२५	परिध	२१:०४ले	१०-०२-२०२६	व्याघात	२५:४२-२९:१८
३०-०४-२०२५	अतिगण्ड	१२:०५-१४:२९	०२-०७-२०२५	परिध	१७:४८से	१७-०९-२०२५	परिध	११:४६तक	०३-१२-२०२५	परिध	०६:५९तक	१२-०२-२०२६	वज्र	२७:०४-२८:१६
०२-०५-२०२५	शूल	२७:२१-२९:२१	०३-०७-२०२५	परिध	०६:१२तक	२४-०९-२०२५	वैधृति	२१:०३से	०९-१२-२०२५	वैधृति	१४:३८से	१४-०२-२०२६	व्यतिपात	२७:१६से
०३-०५-२०२५	गण्ड	२५:४३-२८:०७	१०-०७-२०२५	वैधृति	२१:३४से	२५-०९-२०२५	वैधृति	२१:५४तक	१०-१२-२०२५	वैधृति	१२:५०तक	१५-०२-२०२६	व्यतिपात	२६:४५तक
०६-०५-२०२५	व्याघात	२४:३२-२८:०८	११-०७-२०२५	वैधृति	२०:४१तक	२५-०९-२०२५	विषकम्भ	२१:५४-२३:०६	१०-१२-२०२५	विषकम्भ	१२:५०-१४:०२	१६-०२-२०२६	परिध	२५:४८से
०८-०५-२०२५	वज्र	२५:५७-२७:०९	११-०७-२०२५	विषकम्भ	२०:४१-२१:५३	३०-०९-२०२५	अतिगण्ड	२५:००-२७:२४	१५-१२-२०२५	अतिगण्ड	१२:३०-१४:५४	१७-०२-२०२६	परिध	१३:०७तक
१०-०५-२०२५	व्यतिपात	२८:००से	१६-०७-२०२५	अतिगण्ड	११:५५-१४:१९	०३-१०-२०२५	शूल	२१:४१-२३:४१	१८-१२-२०२५	शूल	१५:०४-१७:०४	०१-०३-२०२६	अतिगण्ड	१४:३५-१६:५९
११-०५-२०२५	व्यतिपात	२८:००तक	१९-०७-२०२५	गण्ड	२४:५४-२७:१८	०४-१०-२०२५	गण्ड	१९:२१-२१:४५	१९-१२-२०२५	गण्ड	१५:४५-१८:०९	०४-०३-२०२६	शूल	०८:५३-१०:५३
१३-०५-२०२५	परिध	०५:५२-१८:१३	२२-०७-२०२५	व्याघात	१५:३३-१९:०९	०८-१०-२०२५	वज्र	२५:३२-२६:४४	२२-१२-२०२५	व्याघात	१६:३८-२०:१४	०५-०३-२०२६	गण्ड	०७:४६-१०:१०
२०-०५-२०२५	वैधृति	२६:४८से	२४-०७-२०२५	वज्र	०९:५२-११:०४	१०-१०-२०२५	व्यतिपात	१७:४४से	२४-१२-२०२५	वज्र	१५:५९-१७:११	०८-०३-२०२६	व्याघात	०७:०४-१०:४०
२१-०५-२०२५	वैधृति	२४:३१तक	२७-०७-२०२५	परिध	२७:१४से	११-१०-२०२५	व्यतिपात	१४:१०तक	२६-१२-२०२५	व्यतिपात	१३:५७से	१०-०३-२०२६	वज्र	०८:२१-०९:३३
२१-०५-२०२५	विषकम्भ	२४:३१-२५:४३	२८-०७-२०२५	परिध	१५:०५तक	१२-१०-२०२५	परिध	१०:५८-२१:३५	२७-१२-२०२५	व्यतिपात	१२:१७तक	१२-०३-२०२६	व्यतिपात	०९:५७से
२८-०५-२०२५	शूल	१९:१२-२१:१२	०५-०८-२०२५	वैधृति	०७:२३से	१९-१०-२०२५	वैधृति	२६:०५से	२८-१२-२०२५	परिध	१०:१०-२०:५२	१३-०३-२०२६	व्यतिपात	१०:२९ तक
२९-०५-२०२५	गण्ड	१५:५१-१८:१५	०६-०८-२०२५	वैधृति	०७:१६तक	२०-१०-२०२५	वैधृति	२६:३५तक	०४-०१-२०२६	विषकम्भ	२५:४९-२७:०१	१४-०३-२०२६	परिध	१०:३९-२२:३१
०१-०६-२०२५	व्याघात	०९:१४-१२:५०	०६-०८-२०२५	विषकम्भ	०७:१६-०८:२८	२०-१०-२०२५	विषकम्भ	२६:३५-२७:४७	०९-०१-२०२६	अतिगण्ड	१६:५९-१९:२३			

चैत्र शुक्ल | सूर्य उत्तरायण उत्तर गोल | वसंत ऋतु | 30 मार्च से 12 अप्रैल 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं.रा.प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिकसूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
प्रवर्धमान	**१**	र	१६:२९	१२:४९	रेवती	२५:५२	१६:३५	ऐन्द्र	२९:०९	१७:५४	बव	१६:२९	१२:४९	**०६:१४**	**१८:२९**	३०:३७	मेष २५:५३	१६:३५	११-१५:२१:३०	**५९:१८**	30	पंचक १६:३५ समाप्त। नवसंवत्सरारंभ, **वासंतीय नवरात्रि**, घट स्थापना, **चन्द्र दर्शन दक्षिण श्रृङ्गोन्नत, उत्तर शर**⊗, **बालेन्दु व्रत** ❶।
रक्ष	**२** **३**	सो	०७:२८ ५८:४३	०९:१२ २९:४२	अश्विनी	१८:५४	१३:४६	वैधृति	१८:५६	१३:४७	कौलव	०७:२८	०९:१२	**०६:१३**	**१८:२९**	३०:४१	मेष		११-१६:२०:४५	**५९:१६**	31	**मत्स्यावतार**, मन्वादि तिथि श्राद्ध, १३:४६ से रवि योग, सूर्य रेवती में १४:००, बुध उदित, शुक्र पू.भा. में २८:४६
मूसल	**४**	मं	५०:५६	२६:३४	भरणी	१२:२३	११:०९	विषकम्भ	०९:०५	०९:४९	वणिज	२४:५२	१६:०८	**०६:१२**	**१८:३०**	३०:४५	वृष २५:५४	१६:३३	११-१७:१९:५८	**५९:१४**	1	अप्रैल २०२५॥ भद्रा १६:०८-२६:३४, वासुदेवरूप श्रीगणेश पूजा, ११:०९से रवि/सर्वार्थसिद्धि योग, त्रिपुष्कर योग ११:०९-३०:१२
सिद्धि	**५**	बु	४४:१७	२३:५३	कृत्तिका	०६:४२	०८:५२	आयुष्मान	५१:४१	२६:५१	बव	१७:३२	१३:१२	**०६:११**	**१८:३०**	३०:४९	वृष		११-१८:१९:०९	**५९:११**	2	**श्रीपञ्चमी**, पृथ्वी व्रत, चान्द्र व्रत, **हयग्रीव व्रत**। रवियोग ०८:५२ तक, सर्वार्थसिद्धि, मंगल कर्क में २५:२९
उत्पात	**६**	गु	३९:०२	२१:४६	रोहिणी मृगशिरा	०२:१४ ५९:१२	०७:०३ २९:५०	सौभाग्य	४४:४७	२४:०४	कौलव	११:२८	१०:४५	**०६:१०**	**१८:३१**	३०:५३	मिथुन ३०:४३	१८:२७	११-१९:१८:१८	**५९:०९**	3	कुमार व्रत, **स्कंद षष्ठी**, ०७:०३ से रवियोग, बुध पू.भा. में १८:४१
पद्म	**७**	शु	३५:२४	२०:१८	आर्द्रा	५७:५९	२९:२०	शोभन	३९:१२	२१:४९	गर	०६:५५	०८:५५	**०६:०८**	**१८:३१**	३०:५७	मिथुन		११-२०:१७:२४	**५९:०७**	4	भद्रारंभ २०:१८, सूर्य सप्तमी, मोदन व्रत, २९:२० से सर्वार्थ सिद्धि योग
छत्र	**८**	श	३३:३१	१९:३२	पुनर्वसु	५८:३०	२९:३२	अतिगण्ड	३४:६०	२०:०७	विष्टि	०४:०७	०७:४६	**०६:०७**	**१८:३२**	३१:००	कर्क४३:२३	२३:२९	११-२१:१६:२८	**५९:०४**	5	भद्रा ०७:४६तक, भवानी व्रत, **महाष्टमी व्रत, अशोक-कलिका प्राशन**, २९:३२से रवि योग, त्रिपुष्कर ०६:०८-२९:३४
श्रीवत्स	**९**	र	३३:२३	१९:२८	पुष्य	६०:४३	३०:२४	सुकर्म	३२:११	१८:५९	बालव	०३:०६	०७:२१	**०६:०६**	**१८:३२**	३१:०४	कर्क		११-२२:१५:३०	**५९:०२**	6	**राम नवमी**, दुर्गा/मातृका नवमी, रवियोग/सर्वार्थसिद्धि योग ३०:२४तक
धाता	**१०**	सो	३४:५६	२०:०४	पुष्य	००:४९	०६:२५	धृति	३०:४१	१८:२२	तैतिल	०३:५२	०७:३८	**०६:०५**	**१८:३३**	३१:०८	कर्क		११-२३:१४:२९	**५८:६०**	7	**धर्मराज दशमी**, रवि/सर्वार्थसिद्धि ०६:२५ तक
आन	**११**	मं	३७:५९	२१:१६	आश्लेषा	०४:३८	०७:५६	शूल	३०:२१	१८:१३	वणिज	०६:१४	०८:३४	**०६:०४**	**१८:३३**	३१:१२	सिह ०४:३९	०७:५६	११-२४:१३:२६	**५८:५७**	8	भद्रा ०८:३४-२१:१६, **कामदा एकादशी**, लक्ष्मीकान्त दोलनोत्सव, रवियोग/सर्वार्थसिद्धियोग ०७:५६ तक
चर	**१२**	बु	४२:१५	२२:५७	मघा	०९:४७	०९:५८	गण्ड	३०:६०	१८:२७	बव	०९:५८	१०:०३	**०६:०३**	**१८:३३**	३१:१५	सिह		११-२५:१२:२१	**५८:५५**	9	मदन व्रत, भर्तृ द्वादशी, व्यतिपात श्राद्ध
गद	**१३**	गु	४७:२८	२५:०२	पू.फा.	१५:५८	१२:२६	वृद्धि	३२:२४	१९:००	कौलव	१४:४७	११:५७	**०६:०२**	**१८:३४**	३१:१९	कन्या ३२:३९	१९:०६	११-२६:११:१३	**५८:५३**	10	**प्रदोष व्रत, अनङ्ग त्रयोदशी**, १२:२६से रवियोग, गुरु मृगशिरा में १८:५९
शुभ	**१४**	शु	५३:२१	२७:२२	उ.फा.	२२:५४	१५:११	ध्रुव	३४:२१	१९:४६	गर	२०:२३	१४:११	**०६:०१**	**१८:३४**	३१:२३	कन्या		११-२७:१०:०४	**५८:५१**	11	भद्रारंभ २७:२२, **दमनपवित्ररोपण**, रवियोग १५:११ तक, बुध उ.भा. में १७:३०
मृत्यु	**१५**	श	५९:३८	२९:५२	हस्त	३०:१९	१८:०८	व्याघात	३६:४०	२०:४०	विष्टि	२६:३०	१६:३६	**०६:००**	**१८:३५**	३१:२६	कन्या		११-२८:०८:५२	**५८:४९**	12	भद्रा १६:३६तक, **व्रतस्नानदान पूर्णिमा** (चन्द्रोदय १८:१२), **हनुमान जयन्ती**, मन्वादि श्राद्ध, मंगल पुष्य में ०६:१०

चन्द्र	२-२०:२६:१०	७९३:३३	पुन-१
मं	३-००:४५:१५	२१:१०	पुन-४
बुध	११-०२:५३:२२	-१०:५१	पूभा-४
गुरु	१-२२:२४:२४	०९:४८	रो-४
शुक्र	११-०१:४३:०१	-१८:१९	पूभा-४
शनि	११-००:४५:३३	०७:०६	पूभा-४
राहु	११-०२:१८:२८	-०३:११	पूभा-४

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ
३०	०५:३०	०६:५७	०८:३५	१०:३१	१२:४५	१५:०४	१७:१९	१९:३२	२१:५०	००:०७	०२:१२	०३:५६
३१	०५:२६	०६:५३	०८:३१	१०:२७	१२:४१	१५:००	१७:१५	१९:२८	२१:४६	००:०३	०२:०८	०३:५२
१	०५:२२	०६:५०	०८:२७	१०:२३	१२:३७	१४:५६	१७:११	१९:२४	२१:४२	२३:५९	०२:०४	०३:४८
२	०५:१८	०६:४६	०८:२३	१०:१९	१२:३३	१४:५२	१७:०७	१९:२१	२१:३८	२३:५५	०२:००	०३:४४
३	०५:१४	०६:४२	०८:१९	१०:१६	१२:२९	१४:४८	१७:०३	१९:१७	२१:३४	२३:५१	०१:५६	०३:४०
४	०५:१०	०६:३८	०८:१५	१०:१२	१२:२५	१४:४४	१६:५९	१९:१३	२१:३०	२३:४७	०१:५२	०३:३७
५	०५:०६	०६:३४	०८:११	१०:०८	१२:२१	१४:४०	१६:५५	१९:०९	२१:२६	२३:४३	०१:४८	०३:३३
६	०५:०२	०६:३०	०८:०७	१०:०४	१२:१७	१४:३६	१६:५१	१९:०५	२१:२२	२३:३९	०१:४४	०३:२९
७	०४:५८	०६:२६	०८:०३	१०:००	१२:१३	१४:३२	१६:४७	१९:०१	२१:१८	२३:३६	०१:४०	०३:२५
८	०४:५४	०६:२२	०७:५९	०९:५६	१२:०९	१४:२८	१६:४३	१८:५७	२१:१४	२३:३२	०१:३६	०३:२१
९	०४:५०	०६:१८	०७:५५	०९:५२	१२:०५	१४:२४	१६:३९	१८:५३	२१:१०	२३:२८	०१:३३	०३:१७
१०	०४:४६	०६:१४	०७:५१	०९:४८	१२:०१	१४:२०	१६:३५	१८:४९	२१:०६	२३:२४	०१:२९	०३:१३
११	०४:४२	०६:१०	०७:४७	०९:४४	११:५७	१४:१७	१६:३१	१८:४५	२१:०२	२३:२०	०१:२५	०३:०९
१२	०४:३८	०६:०६	०७:४३	०९:४०	११:५३	१४:१३	१६:२७	१८:४१	२०:५८	२३:१६	०१:२१	०३:०५

ब्रह्मा जी की प्रार्थना

भगवंस्त्वत्प्रसादेन वर्षं क्षेमहमिहास्तु में। संवत्सरोपसर्गा म विलयं यान्त्वशेषतः

❖**१४ दिवसीय पक्ष।** पूर्णिमा + हस्त = ५५.७%, पूर्णिमा + चित्रा योग= ४४.३% ⊗ **चन्द्र दर्शन** दक्षिण श्रृङ्गोन्नत उत्तर शर युक्त प्रथम चन्द्र दर्शन ३० मार्च को सूर्यास्त के बाद हो। इस दिन से बालेन्दु व्रतारंभ करते हैं। **चन्द्र दर्शन दक्षिण श्रृङ्गोन्नत फल** - तुष, धान्य वृद्धि, अनाज मन्दा, सरसों-अलसी में तेजी हो। आवरेज मन्दी, गुड़, तेल, सोना-चांदी में तेजी तथा रूई में घटा-बड़ी से मन्दी हो। एक मास में वस्तु प्रत्येक वस्तु में तेजी होगी।

नवसंवत्सर आरंभ - ब्रह्मा जी का पूजन। प्रातः घट स्थापन, तैलाभ्यङ्ग, नवरात्रारंभ, प्रपादान, आरोग्यव्रत, विद्या व्रत, ध्वजारोपण, घट दान। गणेशाम्बिका, वरुण, षोडशमातृका, सप्तघृतमातृका, नवग्रह आदि देवों का पूजन, पञ्चाङ्ग श्रवण एवं दान, पौसला (प्याऊ) की स्थापना, नव वस्त्र धारण, घर को ध्वज, पताका, बन्दनवार आदि से सजाना - यह सब चैत्र शुक्ल प्रतिपदा में प्रमुख कार्य हैं। आरोग्यता के लिए इस दिन निम्ब के कोमल पत्तों, पुष्पों का चूर्ण बनाकर उसमें काली मिर्च, नमक, हींग, जीता, मिस्री और अजवाइन डालकर खाना चाहिए।

❶ **तृतीया तिथि व्रत** - नेत्र व्रत, गौरी तृतीया व्रत, दोलनोत्सव, गणगौरी पूजन अरुन्धति जयन्ति, सौभाग्य शयन, मनोरथ व्रत। पुत्र सुख की इच्छा चाहने वाली स्त्रियाँ सौभाग्य के लिए सौभाग्य शयन व्रत को करें।

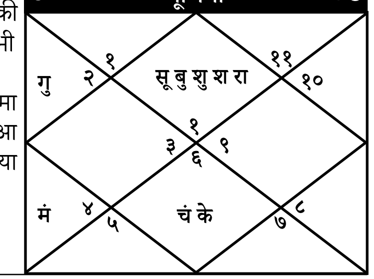
दशमी तिथि - धर्मराज दशमी, अष्टमी/नवमी को कुमारी पूजन के उपरांत दशमी को दुर्गा विसर्जन करते हैं।

अशोक-कलिका प्राशन शुक्ल ८ को अशोक वृक्ष की आठ कलियों को पीसकर जो पीते हैं वे लोग कभी भी शोक को प्राप्त नहीं होते हैं।

चैत्र पूर्णिमा - यह मन्वादि तिथि है। इस दिन चन्द्रमा की प्रसन्नता के लिए कच्चे अन्न सहित जल से भरा हुआ घट दान करना चाहिए। वैशाख स्नान का संकल्प लिया जाता है।

चन्द्र	५-१७:२०:५१	७१०:४४	हस्त-३
मं	३-०३:१९:५०	२३:१६	पुन-४
बुध	११-०३:३०:४८	२५:१०	उभा-१
गुरु	१-२३:३५:१०	१०:३१	मृ-१
शुक्र	११-००:२६:०७	-०१:१८	पूभा-४
शनि	११-०१:३४:३१	०६:५३	पूभा-४
राहु	११-०१:५६:१३	-०३:११	पूभा-४

पूर्णिमा

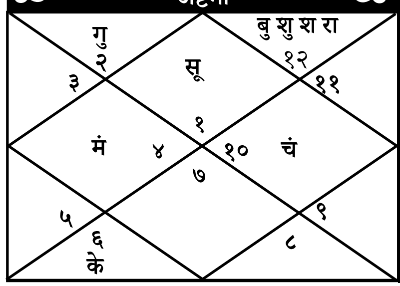


वैशाख कृष्ण सूर्य उत्तरायण उत्तर गोल वसंत/ग्रीष्म ऋतु 13 - 27 अप्रैल 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दिमान	चं.रा.प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिकसूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
पद्म	**१**	र	६६:०४	३२:२५	**चित्रा**	३७:५७	२१:१०	**हर्षण**	३९:०९	२१:३९	**बालव**	३२:५३	१९:०८	**०५:५९**	**१८:३५**	३१:३०	तुला ०४:०८	०७:३९	११-२९:०७:३८	**५८:४७**	13	♈ **मेष संक्रान्ति /अश्विनी २७:२२**। द्विपुष्कर ०५:५९-२१:११तक।
छत्र	**१**	**सो**	०६:०६	०८:२५	**स्वाति**	४५:३६	२४:१३	**वज्र**	४१:३७	२२:३७	**कौलव**	०६:०६	०८:२५	**०५:५८**	**१८:३६**	३१:३४	तुला		०-००:०६:२२	**५८:४५**	14	मेष संक्रान्ति पुण्य काल पूर्वार्द्ध में।
श्रीवत्स	**२**	**मं**	१२:२३	१०:५५	**विशाखा**	५३:००	२७:१०	**सिद्धि**	४३:५५	२३:३१	**गर**	१२:२३	१०:५५	**०५:५७**	**१८:३६**	३१:३७	वृश्चिक ३६:११	२०:२६	०-०१:०५:०५	**५८:४३**	15	भद्रारंभ २४:०७, २७:१० से सर्वार्थसिद्धि। त्रिपुष्कर ०५:५७-२७:१०।
सौम्य	**३**	**बु**	१८:१८	१३:१६	**अनुराधा**	५९:५६	२९:५५	**व्यतिपात**	४५:५१	२४:१७	**विष्टि**	१८:१८	१३:१६	**०५:५६**	**१८:३७**	३१:४१	वृश्चिक		०-०२:०३:४६	**५८:४१**	16	भद्रा १३:१६तक, **संकष्ट चतुर्थीव्रत** (चंद्रोदय २१:५०)। सर्वार्थ सिद्धि २९:५५तक॥
काल	४	**गु**	२३:३३	१५:२१	**ज्येष्ठा**	६६:०६	३२:२२	**वरियन**	४७:१२	२४:४८	**बालव**	२३:३४	१५:२१	**०५:५५**	**१८:३७**	३१:४५	वृश्चिक		०-०३:०२:२५	**५८:४०**	17	
चर	**५**	**शु**	२७:५३	१७:०४	**ज्येष्ठा**	०६:०२	०८:१९	**परिध**	४७:४७	२५:०१	**तैतिल**	२७:५४	१७:०४	**०५:५४**	**१८:३८**	३१:४८	धनु ०६:०२	०८:१९	०-०४:०१:०२	**५८:३८**	18	
गद	**६**	**श**	३१:००	१८:१८	**मूल**	११:०१	१०:१८	**शिव**	४७:२०	२४:५०	**वणिज**	३१:०१	१८:१८	**०५:५४**	**१८:३८**	३१:५२	धनु		०-०४:५९:३७	**५८:३६**	19	भद्रारंभ १८:१८, रवियोग १०:१८ से॥ **सा.सूर्य वृष २५:२६ बजे, ग्रीष्म आरंभ**॥
शुभ	**७**	र	३२:३७	१८:५६	**पू.षा.**	१४:३९	११:४५	**सिद्ध**	४५:४१	२४:०९	**विष्टि**	०२:११	०६:४५	**०५:५३**	**१८:३९**	३१:५५	मकर ३०:१७	१७:५९	०-०५:५८:११	**५८:३५**	20	भद्रा ०६:४५तक, **गुरु अर्जुनदेव जयन्ती**। ११:४५से सर्वार्थसिद्धि। त्रिपुष्कर ११:४५-२९:५३। रवियोग ११:४५तक।
मृत्यु	**८**	**सो**	३२:३३	१८:५३	**उ.षा.**	१६:४२	१२:३३	**साध्य**	४२:४१	२२:५६	**बालव**	०२:६०	०७:०४	**०५:५२**	**१८:३९**	३१:५९	मकर		०-०६:५६:४४	**५८:३३**	21	शीतला अष्टमी व्रत। १२:३३से सर्वार्थ सिद्धि।
पद्म	**९**	**मं**	३०:४०	१८:०७	**श्रवण**	१७:००	१२:३९	**शुभ**	३८:१३	२१:०८	**तैतिल**	०२:०३	०६:४०	**०५:५१**	**१८:४०**	३२:०२	कुंभ ४६:३१	२४:२७	०-०७:५५:१४	**५८:३१**	22	पंचक २४:२७ आरंभ, भद्रारंभ २९:३४, द्विपुष्कर १२:३९-२९:५१
मित्र	**१०**	**बु**	२६:५८	१६:३७	**धनिष्ठा**	१५:३१	१२:०३	**शुक्ल**	३२:१९	१८:४५	**विष्टि**	२६:५८	१६:३७	**०५:५०**	**१८:४०**	३२:०६	कुंभ		०-०८:५३:४३	**५८:३०**	23	पंचक, भद्रा १६:३७तक, वैधृति श्राद्ध।
वज्र	**११**	**गु**	२१:३४	१४:२७	**शतभिषा**	१२:२०	१०:४५	**ब्रह्म**	२५:०३	१५:५०	**बालव**	२१:३५	१४:२७	**०५:४९**	**१८:४१**	३२:०९	मीन ५३:५६	२७:२४	०-०९:५२:११	**५८:२८**	24	पंचक, **वरुथिनी एकादशी**।
ध्वांक्ष	**१२**	**शु**	१४:४२	११:४१	**पू.भा.**	०७:३७	०८:५१	**ऐन्द्र**	१६:३७	१२:२७	**तैतिल**	१४:४२	११:४१	**०५:४८**	**१८:४१**	३२:१३	मीन		०-१०:५०:३६	**५८:२६**	25	पंचक, **प्रदोष व्रत**। शुक्र उ.भा. २३:३५,
धूम्र	**१३ १४**	**श**	०६:३७	०८:२६	**उ.भा. रेवती**	०१:३७ ५४:३५	०६:२६ २७:३८	**वैधृति**	०७:११	०८:४०	**वणिज**	०६:३७	०८:२६	**०५:४७**	**१८:४२**	३२:१६	मेष ५४:३६	२७:३८	०-११:४९:०१	**५८:२५**	26	पंचक २७:३८ समाप्त, भद्रा ०८:२६-१८:३८, **मास शिवरात्रि**।
आन	**३०**	र	४८:०४	२५:००	**अश्विनी**	४७:०८	२४:३८	**प्रीति**	४६:१९	२४:१८	**चतुष्पद**	२२:५१	१४:५५	**०५:४७**	**१८:४२**	३२:१९	मेष		०-१२:४७:२३	**५८:२३**	27	**देव-पितृकार्य अमावस्या**। सर्वार्थसिद्धि २४:३८तक। सूर्य भरणी १९:११, बुध रेवती १५:३१

चन्द्र	९-०६:२०:१४	७८९:१६	उषा-३
मंगल	३-०६:५८:२३	२५:३१	पुष्य-२
बुध	११-०९:४०:११	५८:१०	उभा-२
गुरु	१-२५:१३:०२	११:१९	मृ-१
शुक्र	११-०१:३६:४०	१८:२१	पूभा-४
शनि	११-०२:३५:०३	०६:३२	पूभा-४
राहु	११-०१:२७:३८	-०३:११	पूभा-४

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ
१४	०४:३५	०६:०२	०७:३९	०९:३६	११:४९	१४:०९	१६:२४	१८:३७	२०:५५	२३:१२	०१:१७	०३:०१
	मेष	**वृष**	**मिथुन**	**कर्क**	**सिह**	**कन्या**	**तुला**	**वृश्चिक**	**धनु**	**मकर**	**कुंभ**	**मीन**
१४	०४:३१	०५:५८	०७:३६	०९:३२	११:४६	१४:०५	१६:२०	१८:३३	२०:५१	२३:०८	०१:१३	०२:५७
१५	०४:२७	०५:५४	०७:३२	०९:२८	११:४२	१४:०१	१६:१६	१८:२९	२०:४७	२३:०४	०१:०९	०२:५३
१६	०४:२३	०५:५१	०७:२८	०९:२४	११:३८	१३:५७	१६:१२	१८:२५	२०:४३	२३:००	०१:०५	०२:४९
१७	०४:१९	०५:४७	०७:२४	०९:२०	११:३४	१३:५३	१६:०८	१८:२२	२०:३९	२२:५६	०१:०१	०२:४५
१८	०४:१५	०५:४३	०७:२०	०९:१७	११:३०	१३:४९	१६:०४	१८:१८	२०:३५	२२:५२	००:५७	०२:४१
१९	०४:११	०५:३९	०७:१६	०९:१३	११:२६	१३:४५	१६:००	१८:१४	२०:३१	२२:४८	००:५३	०२:३८
२०	०४:०७	०५:३५	०७:१२	०९:०९	११:२२	१३:४१	१५:५६	१८:१०	२०:२७	२२:४४	००:४९	०२:३४
२१	०४:०३	०५:३१	०७:०८	०९:०५	११:१८	१३:३७	१५:५२	१८:०६	२०:२३	२२:४०	००:४५	०२:३०
२२	०३:५९	०५:२७	०७:०४	०९:०१	११:१४	१३:३३	१५:४८	१८:०२	२०:१९	२२:३७	००:४१	०२:२६
२३	०३:५५	०५:२३	०७:००	०८:५७	११:१०	१३:२९	१५:४४	१७:५८	२०:१५	२२:३३	००:३७	०२:२२
२४	०३:५१	०५:१९	०६:५६	०८:५३	११:०६	१३:२५	१५:४०	१७:५४	२०:११	२२:२९	००:३४	०२:१८
२५	०३:४७	०५:१५	०६:५२	०८:४९	११:०२	१३:२१	१५:३६	१७:५०	२०:०७	२२:२५	००:३०	०२:१४
२६	०३:४३	०५:११	०६:४८	०८:४५	१०:५८	१३:१८	१५:३२	१७:४६	२०:०३	२२:२१	००:२६	०२:१०
२७	०३:३९	०५:०७	०६:४४	०८:४१	१०:५४	१३:१४	१५:२८	१७:४२	१९:५९	२२:१७	००:२२	०२:०६

❖१५ दिवसीय पक्ष।

♈**सूर्य मेष संक्रान्ति** १३ अप्रैल रविवार २७:२२ बजे। पुण्य काल अगले दिन सोमवार को होगा। इस दिन ब्राह्मणों को सतुआ और जल युक्त घट दान करते हैं। वारानुसार **घोरा** संज्ञक तथा नक्षत्रानुसार **महोदरा** संज्ञक संक्रान्ति है। सेवकों के लिए, गुप्तचर, इन्टरनेट हैकर्स, चोरों इत्यादि के लिए सुखप्रद है।

पौसरा—वैशाख मास में **पौसरा** करना चाहिए तथा निरन्तर देवता को कमण्डल आदि पात्र से जलधारा देनी चाहिए। जूता, पंखा, छत्र, सूक्ष्म वस्त्र, चन्दन, जल पात्र, पुष्प, किसमिस, कदली फल आदि पदार्थों को देना चाहिए।

ग्रीष्म आरंभ १९ अप्रैल २५:२६ बजे - **वसंत संपात** बिन्दु से सूर्य ३०अंश की कोणात्मक दूरी पर स्थित रहेंगे। सौर मान से यह ग्रीष्म ऋतु का आरंभ काल है।

वैशाख मास माहत्म्य

(स्कन्द पुराण)

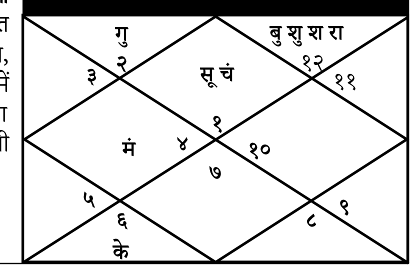
न माधनसमो मासो न कृतेन युगं समम्।
न च वेदसमं शास्त्रं न तीर्थं गङ्गया समम्॥

वैशाख के समान कोई मास नहीं है, सत्युग के समान कोई युग नहीं है, वेद के समान कोई शास्त्र नहीं है और गङ्गाजी के समान कोई तीर्थ नहीं है।

तैलाभ्यङ्गं दिवास्वापं तथा वै कांस्यभोजन्म्। खद्वानिद्रां गृहे स्नानं निषिद्धस्य च भक्षणम्॥ वैशाखे वर्जयेदष्टौ द्वभुक्तं नक्तभोजनम्। अर्थात - वैशाख में तेल लगाना, दिन में सोना, कांस्यपात्र में भोजन करना, खाट पर सोना, घर में नहाना, निषिद्ध पदार्थ खाना, दुबारा भोजन करना तथा रात में खाना—ये आठ बातें त्याग देनी चाहिए।

चन्द्र	०-०१:२१:०८	९१४:५७	अश्वि-१
मं	३-०९:३४:४३	२६:४९	पुष्य-२
बुध	११-१६:१०:०२	७३:५०	उभा-४
गुरु	१-२६:२२:०४	११:४७	मृ-१
शुक्र	११-०३:५३:४२	२८:३९	उभा-१
शनि	११-०३:१३:३३	०६:१६	पूभा-४
राहु	११-०१:०८:३३	-०३:११	पूभा-४

अमावस्या

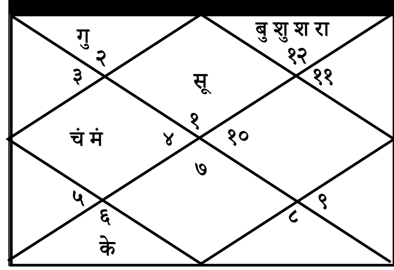


वैशाख शुक्ल — सूर्य उत्तरायण उत्तर गोल — वसंत ऋतु — 28 अप्रैल से 12 मई 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
चर	१	सो	३८:३६	२१:१२	भरणी	३९:४२	२१:३९	आयुष्मान	३५:४४	२०:०३	किस्तुघ्न	१३:२१	११:०६	**०५:४६**	**१८:४३**	३२:२३	वृष ५२:५०	२६:५४	०-१३:४५:४४	**५८:२१**	28	**छत्रपति शिवाजी जयन्ती**, शनि उ.भा. ०६:३१
गद	२	मं	२९:३४	१७:३५	कृत्तिका	३२:४२	१८:५०	सौभाग्य	२५:२८	१५:५६	बालव	०३:५८	०७:२०	**०५:४५**	**१८:४३**	३२:२६	वृष		०-१४:४४:०३	**५८:१९**	29	चन्द्र दर्शन, समश्रृङ्ग, उत्तर शर। **परशुरामावतार**। सर्वार्थसिद्धि १८:५०तक, त्रिपुष्कर ०५:४५-१८:५०तक।❶
शुभ	३	बु	२१:२१	१४:१७	रोहिणी	२६:३५	१६:२२	शोभन	१५:५१	१२:०५	गर	२१:२२	१४:१७	**०५:४४**	**१८:४४**	३२:२९	मिथुन ५३:५०	२७:१६	०-१५:४२:२१	**५८:१८**	30	भद्रारंभ २४:४७, गंगा स्नान-दान, **अक्षय-तृतीया, त्रेतायुगादि श्राद्ध**, नर-नारायण अवतार, हयग्रीव अवतार, रवियोग १६:२२से, सर्वार्थसिद्धि । **अगत्स्य तारा लोप**
मृत्यु	४	गु	१४:२२	११:२८	मृगशिरा	२१:४६	१४:२६	अतिगण्ड	०७:१२	०८:३६	विष्टि	१४:२२	११:२८	**०५:४३**	**१८:४४**	३२:३३	मिथुन		०-१६:४०:३६	**५८:१६**	1	भद्रा ११:२८तक, मई २०२५। **बासवा जयन्ती**, रवियोग १४:२६तक ।
पद्म	५	शु	०८:५९	०९:१८	आर्द्रा	१८:३६	१३:०९	धृति	५४:०७	२७:२१	बालव	०८:५९	०९:१८	**०५:४३**	**१८:४५**	३२:३६	मिथुन		०-१७:३८:५०	**५८:१४**	2	**आद्यजगद्गुरुशङ्कराचार्य जयन्ती, सूरदास जयन्ती**। १३:०९से रवियोग/सर्वार्थ -सिद्धि योग।
छत्र	६	श	०५:३०	०७:५४	पुनर्वसु	१७:२२	१२:३९	शूल	५०:०४	२५:४३	तैतिल	०५:३१	०७:५४	**०५:४२**	**१८:४५**	३२:३९	कर्क ०२:२०	०६:३८	०-१८:३७:०१	**५८:११**	3	निम्ब/शर्करा/कमल/**गङ्गा सप्तमी**। रवियोग १२:३९तक। त्रिपुष्कर ०५:४२-१२:३९तक।
श्रीवत्स	७	र	०४:०८	०७:२१	पुष्य	१८:११	१२:५८	गण्ड	४७:३८	२४:४४	वणिज	०४:०९	०७:२१	**०५:४१**	**१८:४६**	३२:४२	कर्क		०-१९:३५:११	**५८:०९**	4	भद्रा ०७:२१-१९:२७, सर्वार्थसिद्धि १२:५८ तक।
सौम्य	८	सो	०४:५२	०७:३७	आश्लेषा	२१:०१	१४:०५	वृद्धि	४६:४४	२४:२२	बव	०४:५२	०७:३७	**०५:४०**	**१८:४६**	३२:४५	सिंह २१:०२	१४:०५	०-२०:३३:१८	**५८:०७**	5	**बगुलामुखी जयन्ती**। **सीता नवमी**। व्यतिपात श्राद्ध। रवियोग १४:०५ से
काल	९	मं	०७:३१	०८:४०	मघा	२५:३८	१५:५५	ध्रुव	४७:०९	२४:३२	कौलव	०७:३२	०८:४०	**०५:४०**	**१८:४७**	३२:४८	सिंह		०-२१:३१:२४	**५८:०५**	6	रवियोग अहोरात्र। बुध मेष २८:०७,बुधअश्विनी २८:०७
सुस्थिर	१०	बु	११:४६	१०:२२	पू.फा.	३१:४०	१८:१९	व्याघात	४८:३७	२५:०६	गर	११:४६	१०:२२	**०५:३९**	**१८:४८**	३२:५१	कन्या ४८:१९	२४:५९	०-२२:२९:२७	**५८:०४**	7	भद्रारंभ २३:२४, रवियोग १८:१९ तक।
मातंग	११	गु	१७:१०	१२:३१	उ.फा.	३८:४२	२१:०७	हर्षण	५०:४६	२५:५७	विष्टि	१७:११	१२:३१	**०५:३८**	**१८:४८**	३२:५४	कन्या		०-२३:२७:२९	**५८:०२**	8	भद्रा १२:३१तक, **मोहिनी एकादशी व्रत**।
अमृत	१२	शु	२३:१७	१४:५७	हस्त	४६:१८	२४:०९	वज्र	५३:१९	२६:५७	बालव	२३:१७	१४:५७	**०५:३८**	**१८:४९**	३२:५७	कन्या		०-२४:२५:२९	**५७:६०**	9	शुक्र प्रदोष व्रत (१८:५३ से २१:३३तक)। **मधुसूदन पूजा**। २४:०९से रवियोग।
काण	१३	श	२९:४१	१७:३०	चित्रा	५४:०४	२७:१५	सिद्धि	५५:५८	२८:००	तैतिल	२९:४१	१७:३०	**०५:३७**	**१८:४९**	३२:६०	तुला २०:११	१३:४२	०-२५:२३:२७	**५७:५८**	10	छिन्नमस्ता जयन्ती। **कामदेव व्रत**। रवियोग २७:१५तक। द्विपुष्कर ०५:३७-२७:१५तक।
लुम्ब	१४	र	३६:०१	२०:०१	स्वाति	६१:४१	३०:१७	व्यतिपात	५८:२९	२९:००	गर	०२:५५	०६:४६	**०५:३७**	**१८:५०**	३३:०३	तुला		०-२६:२१:२४	**५७:५७**	11	भद्रारंभ २०:०१, **नृसिंहावतार**। **लिङ्गव्रत**। रवियोग १३:१९ से। सूर्य कृत्तिका १३:१९❷
छत्र	१५	सो	४२:००	२२:२४	स्वाति	०१:४१	०६:१७	वरियन	६०:४१	२९:५२	विष्टि	०९:०६	०९:१४	**०५:३६**	**१८:५०**	३३:०६	वृश्चिक ५२:०६	२६:२६	०-२७:१९:१९	**५७:५५**	12	भद्रा ०९:१४तक, व्रतस्नानदान पूर्णिमा (चन्द्रोदय १८:४८), **यमाय कुम्भदान, कूर्मावतार**। रवियोग ०६:१७ तक। मंगल आश्लेषा ०८:३८, वैशाख स्नान पूर्ण।

चन्द्र	३-२५:३७:०६	७५०:०६	श्लेषा-३
मंगल	३-१३:१४:३९	२८:२०	पुष्य-३
बुध	११-२७:०२:०७	९०:५६	रे-४
गुरु	१-२७:५८:१२	१२:१९	मृ-२
शुक्र	११-०८:२१:३३	३९:०६	उभा-२
शनि	११-०४:०२:०८	०५:५०	उभा-१
राहु	११-००:४३:०८	-०३:११	पूभा-४

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
२८	०५:०३	०६:४०	०८:३७	१०:५०	१३:१०	१५:२५	१७:३८	१९:५६	२२:१३	००:१८	०२:०२	०३:३६
२९	०४:५९	०६:३७	०८:३३	१०:४७	१३:०६	१५:२१	१७:३४	१९:५२	२२:०९	००:१४	०१:५८	०३:३२
३०	०४:५५	०६:३३	०८:२९	१०:४३	१३:०२	१५:१७	१७:३०	१९:४८	२२:०५	००:१०	०१:५४	०३:२८
१	०४:५२	०६:२९	०८:२५	१०:३९	१२:५८	१५:१३	१७:२६	१९:४४	२२:०१	००:०६	०१:५०	०३:२४
२	०४:४८	०६:२५	०८:२१	१०:३५	१२:५४	१५:०९	१७:२३	१९:४०	२१:५७	००:०२	०१:४६	०३:२०
३	०४:४४	०६:२१	०८:१८	१०:३१	१२:५०	१५:०५	१७:१९	१९:३६	२१:५३	२३:५८	०१:४२	०३:१६
४	०४:४०	०६:१७	०८:१४	१०:२७	१२:४६	१५:०१	१७:१५	१९:३२	२१:४९	२३:५४	०१:३९	०३:१२
५	०४:३६	०६:१३	०८:१०	१०:२३	१२:४२	१४:५७	१७:११	१९:२८	२१:४५	२३:५०	०१:३५	०३:०८
६	०४:३२	०६:०९	०८:०६	१०:१९	१२:३८	१४:५३	१७:०७	१९:२४	२१:४१	२३:४६	०१:३१	०३:०४
७	०४:२८	०६:०५	०८:०२	१०:१५	१२:३४	१४:४९	१७:०३	१९:२०	२१:३८	२३:४२	०१:२७	०३:००
८	०४:२४	०६:०१	०७:५८	१०:११	१२:३०	१४:४५	१६:५९	१९:१६	२१:३४	२३:३८	०१:२३	०२:५६
९	०४:२०	०५:५७	०७:५४	१०:०७	१२:२६	१४:४१	१६:५५	१९:१२	२१:३०	२३:३५	०१:१९	०२:५२
१०	०४:१६	०५:५३	०७:५०	१०:०३	१२:२२	१४:३७	१६:५१	१९:०८	२१:२६	२३:३१	०१:१५	०२:४८
११	०४:१२	०५:४९	०७:४६	०९:५९	१२:१९	१४:३३	१६:४७	१९:०४	२१:२२	२३:२७	०१:११	०२:४४
१२	०४:०८	०५:४५	०७:४२	०९:५५	१२:१५	१४:२९	१६:४३	१९:००	२१:१८	२३:२३	०१:०७	०२:४०

जानकीजू प्रार्थना- वन्दे विदेहतनयापदपुण्डरीकं कैशोरसौरभसमाहृतयोगिचित्तम्।
हन्तुं त्रितापमनिशं मुनिहंससेव्यं सन्मानसालिपरिपीतपरागपुञ्जमम्॥

❖**१५ दिवसीय पक्ष।** पूर्णिमा + स्वाति योग = ३९%, पूर्णिमा + विशाखा योग = ६१%॥

चन्द्र दर्शन समश्रृङ्ग फल - सब धान्य, मूंग, उड़द, मोठ तिल तेज हों। नशे की वस्तु अफीम में तेजी हो। प्रायः अन्न तथा अन्य वायदा व्यापारिक वस्तुओं में तेजी का रुख रहे। रुई पहले मन्दी, बाद में तेजी, सोना, चांदी में घटा-बढ़ी के बाद तेजी हो। गुड़, सरसों, मूंगफली तेज हों।

❶यव हवन-दान-प्राशन, जल-घट पूजन व दान, पिण्ड रहित श्राद्ध, अक्षय-तृतीया (पूर्वाह्न-व्यापिनी, रोहिणी + बुधवार दुर्लभ संयोग), त्रेतायुगादि श्राद्ध॥

परशुराम जयन्ती - वैशाख शुक्ल प्रदोष व्यापिनी ३ परशुराम जयन्ती है। **अक्षय-तृतीया** - रोहिणी नक्षत्र का विशेष संयोग है। इस योग में गन्धोदक तिल से युक्त, अन्न तथा फल के साथ जल से भरे घड़े का पूजन जो दान करता है वह शिवलोक में जाता है।

❷**लिङ्गव्रत** - आटे का शिवलिङ्ग बना कर पिष्टमय शिवलिङ्ग की पूजा करने से महादेव की कृपा से भोग और मोक्ष प्राप्त कर लेता है।

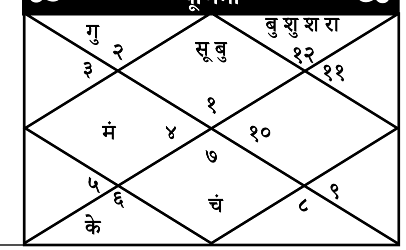
गङ्गा सप्तमी - वै.शु.७ तिथि गंगाजी की स्वर्ग में उत्पत्ति का दिवस है, इस तिथि को आकाश मेखला रूप जाह्नवी देवी की पूजा करते हैं।

नृसिंहावतार - वै.शु. १४ तिथि को भगवान के संतोष केलिए सुवर्णमय सिंह का दान करते हैं।

यमाय कुम्भदान - पूर्णिमा को पकवान्न और जलपूर्ण घड़े को धर्मराज के उद्देश्य से दान देते हैं। इस दिन जो-जो द्रव्य दिया जाता है, वह सब दाता को निश्चितरूप से प्राप्त होता है।

चन्द्र	६-१९:३९:४८	७१४:११	स्वा-४
मंगल	३-१६:३६:१७	२९:२७	पुष्य-४
बुध	०-०८:२०:१३	१०४:५०	अश्वि-३
गुरु	१-२९:२५:२९	१२:४१	मृ-२
शुक्र	११-१३:१६:४०	४५:५६	उभा-३
शनि	११-०४:४१:३८	०५:२४	उभा-१
राहु	११-००:२०:५३	-०३:११	पूभा-४

पूर्णिमा

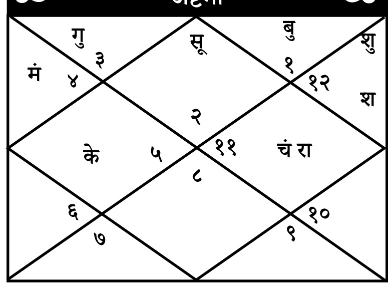


ज्येष्ठ कृष्ण — सूर्य उत्तरायण उत्तर गोल — ग्रीष्म ऋतु — 13-27 मई 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि.	चं.रा.प्रवेश	घं.मि.	औदयिकसूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
श्रीवत्स	**१**	**मं**	४७:२७	२४:३५	**विशाखा**	०८:५१	०९:०८	**वरियन**	००:४२	०५:५२	**बालव**	१४:४९	११:३१	**०५:३५**	**१८:५१**	३३:०८	वृश्चिक		०-२८:१७:१३	**५७:५४**	13	०९:०८ से सर्वार्थसिद्धि। त्रिपुष्कर ०५:३५-०९:०८तक। **नारद जयन्ती।**
सौम्य	**२**	**बु**	५२:१३	२६:२८	**अनुराधा**	१५:२६	११:४५	**परिध**	०२:२६	०६:३३	**तैतिल**	१९:५५	१३:३३	**०५:३५**	**१८:५१**	३३:११	वृश्चिक		०-२९:१५:०५	**५७:५२**	14	♉ **सूर्य वृष संक्रान्ति २४:१२**, संक्रान्ति पुण्य काल १२:१४ से १८:५६ तक। सर्वार्थसिद्धि ११:४५ तक॥ बुध भरणी २५:०२, गुरु मिथुन २२:४०,
काल	**३**	**गु**	५६:०९	२८:०२	**ज्येष्ठा**	२१:१७	१४:०५	**शिव**	०३:३७	०७:०१	**वणिज**	२४:१५	१५:१६	**०५:३४**	**१८:५२**	३३:१४	धनु २१:१७	१४:०५	१-००:१२:५६	**५७:५१**	15	भद्रा १५:१६-२८:०२, वृष संक्रान्ति पुण्य काल ०५:३१से १२:१४तक।
सुस्थिर	**४**	**शु**	५९:०८	२९:१३	**मूल**	२६:१७	१६:०५	**सिद्ध**	०४:०९	०७:१३	**बव**	२७:४२	१६:३८	**०५:३४**	**१८:५२**	३३:१६	धनु		१-०१:१०:४५	**५७:५०**	16	**संकष्ट चतुर्थी व्रत** (चन्द्रोदय २२:२८)। बुध अस्त, शुक्र रेवती १२:४७,
मातंग	**५**	**श**	६१:०१	२९:५८	**पू.षा.**	३०:१७	१७:४०	**साध्य**	०३:५६	०७:०८	**कौलव**	३०:०६	१७:३६	**०५:३३**	**१८:५३**	३३:१९	मकर ४६:१०	२४:०१	१-०२:०८:३३	**५७:४८**	17	त्रिपुष्कर १७:४१-२९:३३तक।
अमृत	**५**	**र**	०१:०१	०५:५७	**उ.षा.**	३३:०९	१८:४९	**शुभ**	०२:५१	०६:४१	**तैतिल**	०१:०१	०५:५७	**०५:३३**	**१८:५३**	३३:२१	मकर		१-०३:०६:२०	**५७:४७**	18	१८:४९ से रवियोग॥ सर्वार्थसिद्धि १८:४९तक। त्रिपुष्कर ०५:३३-१८:४९तक।, राहु कुंभ १९:२०,
काण	**६**	**सो**	०१:३६	०६:११	**श्रवण**	३४:४२	१९:२५	**शुक्ल**	००:४८	०५:५२	**वणिज**	०१:३७	०६:११	**०५:३२**	**१८:५४**	३३:२४	मकर		१-०४:०४:०६	**५७:४६**	19	भद्रा ०६:११-१८:०२, रवियोग / सर्वार्थसिद्धि १९:२५ तक।
उत्पात	**७** **८**	**मं**	००:४८ ५८:२७	०५:५१ २८:५५	**धनिष्ठा**	३४:४८	१९:२७	**ऐन्द्र**	५३:१०	२६:४८	**बव**	००:४८	०५:५१	**०५:३२**	**१८:५४**	३३:२६	कुंभ ०५:०४	०७:३४	१-०५:०१:५१	**५७:४५**	20	पंचक ०७:३४ आरंभ, द्विपुष्कर ०५:३२-१९:२८तक। , सा.सूर्य मिथुन २४:२४ बजे,
मानस	**९**	**बु**	५४:३१	२७:२०	**शतभिषा**	३३:२३	१८:५३	**वैधृति**	४७:२९	२४:३१	**तैतिल**	२६:३१	१६:०८	**०५:३२**	**१८:५५**	३३:२८	कुंभ		१-०५:५९:३५	**५७:४४**	21	पंचक, बुध कृत्तिका २२:१८,
मुद्गर	**१०**	**गु**	४९:०४	२५:०९	**पू.भा.**	३०:२७	१७:४२	**विषकम्भ**	४०:३४	२१:४५	**वणिज**	२१:५३	१४:१६	**०५:३१**	**१८:५६**	३३:३१	मीन १६:२२	१२:०४	१-०६:५७:१७	**५७:४३**	22	पंचक, भद्रा १४:१६-२५:०९
केतु	**११**	**शु**	४२:१७	२२:२६	**उ.भा.**	२६:०७	१५:५८	**प्रीति**	३२:३३	१८:३२	**बव**	१५:५०	११:५१	**०५:३१**	**१८:५६**	३३:३३	मीन		१-०७:५४:५९	**५७:४२**	23	पंचक, **अपरा एकादशी**। १५:५८ से सर्वार्थसिद्धि।, बुध वृष १३:००,
धाता	**१२**	**श**	३४:२५	१९:१७	**रेवती**	२०:३६	१३:४५	**आयुष्मान**	२३:३६	१४:५७	**कौलव**	०८:३४	०८:५६	**०५:३१**	**१८:५७**	३३:३५	मेष २०:३६	१३:४५	१-०८:५२:४०	**५७:४१**	24	पंचक १३:४५ समाप्त, **शनि प्रदोष व्रत** (१९:०१-२१:२५)।
आन	**१३**	**र**	२५:४८	१५:४९	**अश्विनी**	१४:११	११:११	**सौभाग्य**	१३:५७	११:०५	**गर**	००:१८	०५:३८	**०५:३०**	**१८:५७**	३३:३७	मेष		१-०९:५०:१९	**५७:४०**	25	भद्रा १५:४९-२६:०१, वटसावित्री व्रतारंभ संकल्पादि। सर्वार्थसिद्धि ११:११ तक।, सूर्य रोहिणी ०९:३२,
चर	**१४**	**सो**	१६:४४	१२:१२	**भरणी**	०७:१३	०८:२३	**शोभन**	०३:४९	०७:०१	**शकुनि**	१६:४५	१२:१२	**०५:३०**	**१८:५८**	३३:३९	वृष २०:२७	१३:४१	१-१०:४७:५८	**५७:३९**	26	**वट सावित्री व्रत। पितृकार्य अमावस्या।**
गद	**३०**	**मं**	०७:३८	०८:३३	**कृत्तिका** **रोहिणी**	००:०६ ५३:२४	०५:३२ २६:५१	**सुकर्म**	४३:३५	२२:५६	**नाग**	०७:३८	०८:३३	**०५:३०**	**१८:५८**	३३:४१	वृष		१-११:४५:३६	**५७:३८**	27	**देवकार्य भौमवती अमावस्या, शनिजयन्ती।** सर्वार्थसिद्धि ०५:३२ तक। त्रिपुष्कर ०५:३०-०५:३२तक। बुधरोहिणी २९:०५,

चन्द्र	९-२८:५१:४६	८०७:०७	ध-२
मंगल	३-२०:३५:४४	३०:३४	श्लेषा-२
बुध	०-२३:१४:०५	१२०:२९	भ-३
गुरु	२-०१:०८:१६	१३:०३	मृ-३
शुक्र	११-१९:४५:४४	५१:४८	रे-१
शनि	११-०५:२२:६०	०४:५२	उभा-१
राहु	१०-२९:५५:२८	-०३:११	पूभा-३

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	कुंभ
१३	०४:०४	०५:४१	०७:३८	०९:५१	१२:११	१४:२६	१६:३९	१८:५७	२१:१४	२३:१९	०१:०३	०२:३७
१४	०४:००	०५:३८	०७:३४	०९:४८	१२:०७	१४:२२	१६:३५	१८:५३	२१:१०	२३:१५	००:५९	०२:३३
	वृष	**मिथुन**	**कर्क**	**सिह**	**कन्या**	**तुला**	**वृश्चिक**	**धनु**	**मकर**	**कुंभ**	**मीन**	**मेष**
१५	०५:३४	०७:३०	०९:४४	१२:०३	१४:१८	१६:३१	१८:४९	२१:०६	२३:११	००:५५	०२:२९	०३:५६
१६	०५:३०	०७:२६	०९:४०	११:५९	१४:१४	१६:२७	१८:४५	२१:०२	२३:०७	००:५१	०२:२५	०३:५३
१७	०५:२६	०७:२२	०९:३६	११:५५	१४:१०	१६:२४	१८:४१	२०:५८	२३:०३	००:४७	०२:२१	०३:४९
१८	०५:२२	०७:१९	०९:३२	११:५१	१४:०६	१६:२०	१८:३७	२०:५४	२२:५९	००:४३	०२:१७	०३:४५
१९	०५:१८	०७:१५	०९:२८	११:४७	१४:०२	१६:१६	१८:३३	२०:५०	२२:५५	००:४०	०२:१३	०३:४१
२०	०५:१४	०७:११	०९:२४	११:४३	१३:५८	१६:१२	१८:२९	२०:४६	२२:५१	००:३६	०२:०९	०३:३७
२१	०५:१०	०७:०७	०९:२०	११:३९	१३:५४	१६:०८	१८:२५	२०:४२	२२:४७	००:३२	०२:०५	०३:३३
२२	०५:०६	०७:०३	०९:१६	११:३५	१३:५०	१६:०४	१८:२१	२०:३९	२२:४३	००:२८	०२:०१	०३:२९
२३	०५:०२	०६:५९	०९:१२	११:३१	१३:४६	१६:००	१८:१७	२०:३५	२२:३९	००:२४	०१:५७	०३:२५
२४	०४:५८	०६:५५	०९:०८	११:२७	१३:४२	१५:५६	१८:१३	२०:३१	२२:३६	००:२०	०१:५३	०३:२१
२५	०४:५४	०६:५१	०९:०४	११:२३	१३:३८	१५:५२	१८:०९	२०:२७	२२:३२	००:१६	०१:४९	०३:१७
२६	०४:५०	०६:४७	०९:००	११:२०	१३:३४	१५:४८	१८:०५	२०:२३	२२:२८	००:१२	०१:४५	०३:१३
२७	०४:४६	०६:४३	०८:५६	११:१६	१३:३०	१५:४४	१८:०१	२०:१९	२२:२४	००:०८	०१:४१	०३:०९

सावित्री अर्घ्य -**अवैधव्यं च सौभाग्यं देहि त्वं मम सुव्रते। पुत्रान् पौत्रांश्च सौख्यं च गृहाणार्घ्यं नमोऽस्तु ते॥**

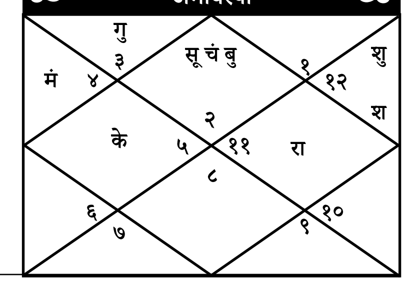
❖**१५ दिवसीय पक्ष।**

♉ **सूर्य वृष संक्रान्ति** १४ मई बुधवार २४:१२ बजे। संक्रान्ति निशाकाल (मध्य रात्रि २४:२६ बजे) मैं है इसलिए पुण्य काल १५ और १५ मई दोनों दिवस हैं। इस दिन ब्राह्मण को सतुआ और घट दान । वारानुसार मन्दाकिनी संज्ञक तथा नक्षत्रानुसार राक्षसी संज्ञक संक्रान्ति है। राजनेताओं, राज्य/जिलाधीशों, क्षत्रियों के लिए तथा अंत्यजों के लिए यह मास हितकारी है।

संकष्ट चतुर्थी व्रत - इस व्रत में प्रातःकाल नित्य कर्म करके व्रत के संकल्प से दिनभर मौन रहे। सायंकाल में पुनः स्नान करके गणेशजी का और चन्द्रोदय होने पर चन्द्रमा का पूजन करे तथा शङ्ख में दूध, दूर्वा, सुपारी और गन्धाक्षत लेकर **ज्योत्स्नापते नमस्तुभ्यं नमस्ते ज्योतिषां पते। नमस्ते रोहिणीकान्त गृहाणार्घ्यं नमोऽस्तु ते॥ इस मन्त्र से चन्द्रमा को, गौरीसुत नमस्तेऽस्तु सततं मोदकप्रिय। सर्वसंकटनाशाय गृहाणार्घ्यं नमोऽस्तु ते॥ इस मन्त्र से चन्द्रमा को, तिथीनामुत्तमे देवि गणेशप्रियवल्लभे। गृहाणार्घ्यं मया दत्तं सर्वसिद्धिप्रदायिके॥** इस मन्त्र से चतुर्थी को अर्घ्य दे तथा वायन दान करके भोजन करे।

चन्द्र	१-०९:५८:२०	९००:४२	कृ-४
मंगल	३-२४:१२:१८	३१:२७	श्लेषा-३
बुध	१-०७:५१:३५	१३०:३७	कृ-४
गुरु	२-०२:४०:२३	१३:१८	मृ-३
शुक्र	११-२६:००:१९	५५:३७	रे-३
शनि	११-०५:५५:२९	०४:२१	उभा-१
राहु	१०-२९:३३:१३	-०३:११	पूभा-३

अमावस्या

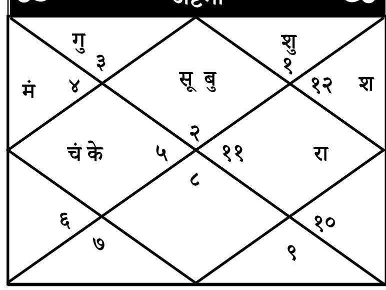


ज्येष्ठ शुक्ल | सूर्य उत्तरायण उत्तर गोल | ग्रीष्म ऋतु | 28 मई से 11 जून 2025

अमृत	२	बु	५१:०८	२५:५७	मृगशिरा	४७:३५	२४:३२	धृति	३४:१७	१९:१२	बालव	२५:००	१५:२९	**०५:२९**	**१८:५९**	३३:४३	मिथुन २०:२६	१३:४०	१-१२:४३:१३	**५७:३६**	28	**चन्द्र दर्शन, समश्रृङ्ग, उत्तर शर** । **करवीर व्रत** ॥ सर्वार्थसिद्धि २४:३२ तक।
काण	३	गु	४४:४३	२३:२३	आर्द्रा	४३:०४	२२:४३	शूल	२५:५६	१५:५१	तैतिल	१७:४९	१२:३७	**०५:२९**	**१८:५९**	३३:४५	मिथुन		१-१३:४०:४८	**५७:३५**	29	**रम्भा तृतीया** ॥ २२:४३ से रवियोग। २२:४३ से सर्वार्थसिद्धि ॥
लुम्ब	४	शु	३९:५९	२१:२९	पुनर्वसु	४०:१३	२१:३४	गण्ड	१८:५०	१३:०१	वणिज	१२:०५	१०:१९	**०५:२९**	**१९:००**	३३:४७	कर्क २५:४८	१५:४८	१-१४:३८:२३	**५७:३४**	30	भद्रा १०:१९-२१:२९, रवियोग / सर्वार्थसिद्धि २१:३४ तक।
मित्र	५	श	३७:१२	२०:२२	पुष्य	३९:२०	२१:१३	वृद्धि	१३:१६	१०:४७	बव	०८:१३	०८:४६	**०५:२९**	**१९:००**	३३:४८	कर्क		१-१५:३५:५६	**५७:३२**	31	व्यतिपात श्राद्ध ॥ २१:१३ से रवियोग। शुक्र मेष / अश्विनी ११:३३,
वज्र	६	र	३६:३२	२०:०६	आश्लेषा	४०:३१	२१:४१	ध्रुव	०९:२३	०९:१४	कौलव	०६:२७	०८:०३	**०५:२९**	**१९:००**	३३:५०	सिह ४०:३२	२१:४१	१-१६:३३:२८	**५७:३१**	1	**जून २०२५।** रवियोग २१:४१ तक।
ध्वांक्ष	७	सो	३७:५९	२०:४०	मघा	४३:४६	२२:५९	व्याघात	०७:१४	०८:२२	गर	०६:५२	०८:१३	**०५:२८**	**१९:०१**	३३:५१	सिह		१-१७:३०:५८	**५७:३०**	2	भद्रारंभ २०:४०
धूम्र	८	मं	४१:१९	२२:००	पू.फा.	४८:५०	२५:०१	हर्षण	०६:४३	०८:०९	विष्टि	०९:२१	०९:१३	**०५:२८**	**१९:०१**	३३:५३	सिह		१-१८:२८:२७	**५७:२८**	3	भद्रा ०९:१३तक, २५:०१ से रवियोग। त्रिपुष्कर २५:०१-२९:२८तक। बुध मृगशिरा ०६:५७,
प्रवर्ध	९	बु	४६:१०	२३:५६	उ.फा.	५५:१९	२७:३६	वज्र	०७:३३	०८:२९	बालव	१३:३४	१०:५४	**०५:२८**	**१९:०२**	३३:५४	कन्या ०५:१९	०७:३६	१-१९:२५:५५	**५७:२७**	4	रवियोग। २७:३६ से सर्वार्थसिद्धि।
रक्ष	१०	गु	५२:०१	२६:१७	हस्त	६२:४२	३०:३३	सिद्धि	०९:२४	०९:१४	तैतिल	१९:०१	१३:०४	**०५:२८**	**१९:०२**	३३:५६	कन्या		१-२०:२३:२२	**५७:२६**	5	**गङ्गा दशहरा**। रवियोग।
अमृत	११	शु	५८:२०	२८:४८	हस्त	०२:४३	०६:३३	व्यतिपात	११:५२	१०:१३	वणिज	२५:१०	१५:३२	**०५:२८**	**१९:०३**	३३:५७	तुला ३६:३६	२०:०६	१-२१:२०:४७	**५७:२५**	6	भद्रा १५:३२-२८:४८, **निर्जला एकादशी** (५२:०१ घटी वेध)। रवियोग०६:३३ तक। मंगल सिह /मघा २६:१२, बुध मिथुन ०९:२७
काण	१२	श	६४:३५	३१:१८	चित्रा	१०:२७	०९:३९	वरियन	१४:३१	११:१६	बव	३१:२८	१८:०३	**०५:२८**	**१९:०३**	३३:५८	तुला		१-२२:१८:१२	**५७:२४**	7	द्विपुष्कर ०५:२८-०९:३९तक।
लुम्ब	१२	र	०४:३४	०७:१७	स्वाति	१८:०१	१२:४०	परिध	१७:०१	१२:१६	बालव	०४:३४	०७:१७	**०५:२८**	**१९:०४**	३३:५९	तुला		१-२३:१५:३५	**५७:२३**	8	**अर्क प्रदोष** (१९:०६से २१:३२तक)। १२:४०से रवियोग ॥ त्रिपुष्कर १२:४०-२९:२८तक। सूर्य मृगशिरा ०७:१८, बुध उदित
मित्र	१३	सो	१०:१७	०९:३५	विशाखा	२५:०२	१५:२९	शिव	१९:०७	१३:०७	तैतिल	१०:१७	०९:३५	**०५:२८**	**१९:०४**	३४:००	वृश्चिक ०८:२३	०८:४९	१-२४:१२:५८	**५७:२२**	9	१५:२९ से रवियोग / सर्वार्थसिद्धि। बुध आर्द्रा १४:५७
वज्र	१४	मं	१५:१४	११:३४	अनुराधा	३१:१८	१७:५९	सिद्ध	२०:३६	१३:४२	वणिज	१५:१५	११:३४	**०५:२८**	**१९:०४**	३४:०१	वृश्चिक		१-२५:१०:२०	**५७:२१**	10	भद्रा ११:३४-२४:२६, **पूर्णिमा व्रत** (चन्द्रोदय १८:३४)। बिल्वत्रिरात्रिव्रत। रवियोग / सर्वार्थसिद्धि १७:५९ तक ॥।
ध्वांक्ष	१५	बु	१९:१७	१३:११	ज्येष्ठा	३६:४०	२०:०८	साध्य	२१:२३	१४:०१	बव	१९:१८	१३:११	**०५:२८**	**१९:०५**	३४:०२	धनु ३६:४०	२०:०८	१-२६:०७:४१	**५७:२०**	11	**स्नान-दान पूर्णिमा** । मन्वादि तिथि (पूर्वाह्न) श्राद्ध ।

चन्द्र	४-१६:४३:०८	७३३:०८	पूफा-२
मंगल	३-२७:५४:५१	३२:१४	श्लेषा-४
बुध	१-२३:१२:००	१३०:१२	रो-४
गुरु	२-०४:१४:०५	१३:२९	मृ-४
शुक्र	०-०२:३८:४७	५८:३३	अश्वि-१
शनि	११-०६:२४:१०	०३:४६	उभा-१
राहु	१०-२९:१०:५९	-०३:११	पूभा-३

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	वृष	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मेष	मीन
२८	०४:४२	०६:३९	०८:५२	११:१२	१३:२७	१५:४०	१७:५८	२०:१५	२२:२०	००:०४	०१:३८	०३:०५
२९	०४:३९	०६:३५	०८:४९	११:०८	१३:२३	१५:३६	१७:५४	२०:११	२२:१६	००:००	०१:३४	०३:०१
३०	०४:३५	०६:३१	०८:४५	११:०४	१३:१९	१५:३२	१७:५०	२०:०७	२२:१२	२३:५६	०१:३०	०२:५७
३१	०४:३१	०६:२७	०८:४१	११:००	१३:१५	१५:२८	१७:४६	२०:०३	२२:०८	२३:५२	०१:२६	०२:५४
१	०४:२७	०६:२३	०८:३७	१०:५६	१३:११	१५:२५	१७:४२	१९:५९	२२:०४	२३:४८	०१:२२	०२:५०
२	०४:२३	०६:२०	०८:३३	१०:५२	१३:०७	१५:२१	१७:३८	१९:५५	२२:००	२३:४४	०१:१८	०२:४६
३	०४:१९	०६:१६	०८:२९	१०:४८	१३:०३	१५:१७	१७:३४	१९:५१	२१:५६	२३:४१	०१:१४	०२:४२
४	०४:१५	०६:१२	०८:२५	१०:४४	१२:५९	१५:१३	१७:३०	१९:४७	२१:५२	२३:३७	०१:१०	०२:३८
५	०४:११	०६:०८	०८:२१	१०:४०	१२:५५	१५:०९	१७:२६	१९:४३	२१:४८	२३:३३	०१:०६	०२:३४
६	०४:०७	०६:०४	०८:१७	१०:३६	१२:५१	१५:०५	१७:२२	१९:४०	२१:४४	२३:२९	०१:०२	०२:३०
७	०४:०३	०६:००	०८:१३	१०:३२	१२:४७	१५:०१	१७:१८	१९:३६	२१:४०	२३:२५	००:५८	०२:२६
८	०३:५९	०५:५६	०८:०९	१०:२८	१२:४३	१४:५७	१७:१४	१९:३२	२१:३७	२३:२१	००:५४	०२:२२
९	०३:५५	०५:५२	०८:०५	१०:२४	१२:३९	१४:५३	१७:१०	१९:२८	२१:३३	२३:१७	००:५०	०२:१८
१०	०३:५१	०५:४८	०८:०१	१०:२१	१२:३५	१४:४९	१७:०६	१९:२४	२१:२९	२३:१३	००:४६	०२:१४
११	०३:४७	०५:४४	०७:५७	१०:१७	१२:३१	१४:४५	१७:०२	१९:२०	२१:२५	२३:०९	००:४२	०२:१०

नमामि गङ्गे तव पादपङ्कजं सुरासुरैर्वन्दितदिव्यरूपम्। भुक्तिं च मुक्तिं च ददासि नित्यं भावानुसारेण सदा नराणाम् ॥

❖१५ दिवसीय पक्ष।

पूर्णिमा+अनुराधा=१९.७%,

पूर्णिमा+ज्येष्ठा=८०.३% ॥

चन्द्र दर्शन, समश्रृङ्ग फल - गेहूँ, चना, जौ, रूई, सूत में तेजी हो। सोना, चांदी, सन, बारदाना, जूट आदि गुड़, शक्कर, खांड़ में मन्दी, अन्न और घृत में तेजी हो।

करवीर व्रत - में मंदिर के बगीचे में कनेर के वृक्ष को लाल चुनरी ओढ़ा कर पूजा करते हैं।

प्रार्थना मन्त्र - **करवीर विषावास नमस्ते भानुवल्लभ। मौलिमण्डन दुर्गादिदेवानां सततं प्रिय ॥**

मान्यताओं के अनुसार यह व्रत आपद्ग्रहस्त अवस्था में स्त्रियों को तत्काल फल देता है।

गङ्गा दशहरा - ज्ये. शु१० हस्त नक्षत्र युक्त विशेष फलदायी है। इस तिथि को गङ्गा जी स्वर्ग से अवतरित हुई थी। गङ्गाजी अथवा किसी निकटतम सरोवर में स्नान कर अभय मुद्रा युक्त मकर-वाहिनी गङ्गाजी का ध्यान करें।

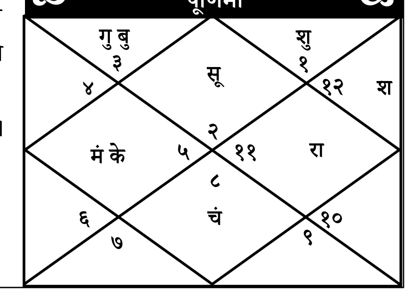
प्रार्थना मंत्र - **ॐ नमः शिवायै नारायण्यै दशहरायै गङ्गायै नमः ॥**

बिल्वत्रिरात्रिव्रत - ज्येष्ठमास पूर्णिमा, मंगलवार, ज्येष्ठा नक्षत्र का संयोग 10 जून को १७:५१ मिनट से हो रहा है। इस व्रत में सरसों मिले जल से स्नान करके श्रीवृक्ष (बिल्ववृक्ष) की पूजा, उमाहेश्वर की पूजा इत्यादि करते हैं।

पूजन मन्त्र - **श्रीनिकेत नमस्तुभ्यं हरप्रिय नमोऽस्तु ते। अवैध्यव्यं च मे देहि श्रियं जन्मनिजन्मनि।**

चन्द्र	७-२२:२८:३८	७३८:२८	ज्ये-२
मंगल	४-०२:१५:३५	३३:०२	मघा-१
बुध	२-०९:५१:२२	११६:१६	आर्द्रा-१
गुरु	२-०६:०२:२९	१३:३८	मृ-४
शुक्र	०-१०:३६:४८	६१:१२	अश्वि-४
शनि	११-०६:५१:५६	०३:०५	उभा-२
राहु	१०-२८:४५:३३	-०३:११	पूभा-३

पूर्णिमा

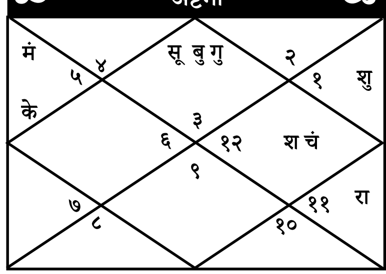


आषाढ़ कृष्ण सूर्य उत्तरायण उत्तर गोल ग्रीष्म / वर्षा ऋतु 12 - 25 जून 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि.	चं. रा. प्रवेश	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
धूम्र	**१**	**गु**	२२:२३	१४:२५	**मूल**	४१:०६	२१:५५	**शुभ**	२१:२६	१४:०२	**कौलव**	२२:२३	१४:२५	**०५:२८**	**१९:०५**	३४:०३	धनु		१-२७:०५:०१	**५७:२०**	12	
प्रवर्ध	**२**	**शु**	२४:३०	१५:१६	**पू.षा.**	४४:३६	२३:१८	**शुक्ल**	२०:४३	१३:४५	**गर**	२४:३०	१५:१६	**०५:२८**	**१९:०५**	३४:०३	धनु		१-२८:०२:२१	**५७:१९**	13	भद्रारंभ २७:३५, गुरु आर्द्रा २३:३०, शुक्र भरणी २१:१३,
रक्ष	**३**	**श**	२५:३९	१५:४४	**उ.षा.**	४७:०८	२४:२०	**ब्रह्म**	१९:१५	१३:१०	**विष्टि**	२५:४०	१५:४४	**०५:२८**	**१९:०६**	३४:०४	मकर ००:२४	०५:३८	१-२८:५९:४०	**५७:१८**	14	भद्रा १५:४४तक, **संकष्ट चतुर्थी व्रत** (चन्द्रोदय २१:५८) ॥ २४:२० से सर्वार्थसिद्धि ॥ त्रिपुष्कर ०५:२८-२४:२०तक ॥
मूसल	**४**	**र**	२५:५०	१५:४८	**श्रवण**	४८:४३	२४:५८	**ऐन्द्र**	१७:०१	१२:१७	**बालव**	२५:५०	१५:४८	**०५:२८**	**१९:०६**	३४:०५	मकर		१-२९:५६:५८	**५७:१८**	15	♊ **सूर्य मिथुन संक्रान्ति ०६:४४बजे,** संक्रान्ति पुण्यकाल ०६:४५ से १३:०९तक। द्विपुष्कर २४:५८-२९:२८तक ॥
शुभ	**५**	**सो**	२५:००	१५:२८	**धनिष्ठा**	४९:१७	२५:११	**वैधृति**	१३:६०	११:०४	**तैतिल**	२५:००	१५:२८	**०५:२८**	**१९:०६**	३४:०५	कुंभ १९:०६	१३:०७	२-००:५४:१६	**५७:१८**	16	पंचक १३:०७ आरंभ, रवियोग २५:११ से ॥ बुध पुनर्वसु १७:०३,
मृत्यु	**६**	**मं**	२३:०६	१४:४३	**शतभिषा**	४८:४६	२४:५९	**विषकम्भ**	१०:०९	०९:३२	**वणिज**	२३:०७	१४:४३	**०५:२८**	**१९:०७**	३४:०६	कुंभ		२-०१:५१:३४	**५७:१७**	17	पंचक, भद्रा १४:४३-२६:१२, रवियोग २४:५९ तक ॥ त्रिपुष्कर २४:५९-२९:२८तक ॥
पद्म	**७**	**बु**	२०:०६	१३:३१	**पू.भा.**	४७:०८	२४:२०	**प्रीति**	०५:२५	०७:३९	**बव**	२०:०७	१३:३१	**०५:२९**	**१९:०७**	३४:०६	मीन ३२:३६	१८:३१	२-०२:४८:५२	**५७:१७**	18	पंचक, **कालाष्टमी** ॥
छत्र	**८**	**गु**	१५:५९	११:५२	**उ.भा.**	४४:२२	२३:१४	**सौभाग्य**	५३:०८	२६:४४	**कौलव**	१५:५९	११:५२	**०५:२९**	**१९:०७**	३४:०६	मीन		२-०३:४६:०९	**५७:१७**	19	पंचक, २३:१४ से सर्वार्थसिद्धि ॥
श्रीवत्स	**९**	**शु**	१०:४५	०९:४७	**रेवती**	४०:३१	२१:४२	**शोभन**	४५:३७	२३:४४	**गर**	१०:४६	०९:४७	**०५:२९**	**१९:०७**	३४:०६	मेष ४०:३१	२१:४२	२-०४:४३:२६	**५७:१७**	20	पंचक २१:४२ समाप्त, भद्रारंभ २०:३४, सर्वार्थसिद्धि २१:४२ तक ॥
सौम्य	**१०** **११**	**श**	०४:३१ ५७:२४	०७:१८ २८:२७	**अश्विनी**	३५:४५	१९:४७	**अतिगण्ड**	३७:२३	२०:२६	**विष्टि**	०४:३२	०७:१८	**०५:२९**	**१९:०८**	३४:०६	मेष		२-०५:४०:४३	**५७:१६**	21	भद्रा ०७:१८तक, **सा.सूर्य कर्क ०८:१२ बजे, सूर्य दक्षिणायन/वर्षा ऋतु आरंभ** ॥ दक्षिणायन श्राद्ध ॥
काल	**१२**	**र**	४९:३९	२५:२१	**भरणी**	३०:१७	१७:३७	**सुकर्म**	२८:३५	१६:५५	**कौलव**	२३:३३	१४:५५	**०५:२९**	**१९:०८**	३४:०६	वृष ४३:५२	२३:०२	२-०६:३८:००	**५७:१६**	22	**योगिनी एकादशी** ॥ व्यतिपात श्राद्ध ॥ त्रिपुष्कर १७:३६-२९:२९तक ॥ सूर्य आर्द्रा ०६:२०, बुध कर्क २१:३३
सुस्थिर	**१३**	**सो**	४१:४०	२२:१०	**कृत्तिका**	२४:२६	१५:१६	**धृति**	१९:२७	१३:१७	**गर**	१५:४१	११:४६	**०५:३०**	**१९:०८**	३४:०६	वृष		२-०७:३५:१६	**५७:१६**	23	भद्रारंभ २२:१०, **सोम प्रदोष व्रत** ॥ १५:१६ से सर्वार्थसिद्धि ॥
मातंग	**१४**	**मं**	३३:४८	१९:०१	**रोहिणी**	१८:३३	१२:५५	**शूल**	१०:१५	०९:३६	**विष्टि**	०७:४१	०८:३४	**०५:३०**	**१९:०८**	३४:०६	मिथुन ४५:४२	२३:४७	२-०८:३२:३३	**५७:१६**	24	भद्रा ०८:३४तक, द्विपुष्कर १२:५५-२९:३०तक ॥ बुध पुष्य २९:०४
अमृत	**३०**	**बु**	२६:२५	१६:०५	**मृगशिरा**	१३:००	१०:४२	**गण्ड**	०१:१४	०६:००	**नाग**	२६:२६	१६:०५	**०५:३०**	**१९:०८**	३४:०६	मिथुन		२-०९:२९:५०	**५७:१६**	25	**देवपितृकार्य अमावस्या** ॥ सर्वार्थसिद्धि १०:४२ तक ॥

चन्द्र	११-०६:१६:५८	८४२:३१	उभा-१
मंगल	४-०६:४२:२५	३३:४६	मघा-३
बुध	२-२४:१५:५१	९७:१०	पुन-२
गुरु	२-०७:५१:४६	१३:४२	आर्द्रा-१
शुक्र	०-१८:५४:०४	६३:१८	भ-२
शनि	११-०७:१४:०१	०२:२१	उभा-२
राहु	१०-२८:२०:०७	-०३:११	पूभा-३

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	वृष	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष
१२	०३:४३	०५:४०	०७:५३	१०:१३	१२:२८	१४:४१	१६:५९	१९:१६	२१:२१	२३:०५	००:३९	०२:०६
१३	०३:४०	०५:३६	०७:५०	१०:०९	१२:२४	१४:३७	१६:५५	१९:१२	२१:१७	२३:०१	००:३५	०२:०२
१४	०३:३६	०५:३२	०७:४६	१०:०५	१२:२०	१४:३३	१६:५१	१९:०८	२१:१३	२२:५७	००:३१	०१:५८
	मिथुन	**कर्क**	**सिह**	**कन्या**	**तुला**	**वृश्चिक**	**धनु**	**मकर**	**कुंभ**	**मीन**	**मेष**	**वृष**
१५	०५:२८	०७:४२	१०:०१	१२:१६	१४:२९	१६:४७	१९:०४	२१:०९	२२:५३	००:२७	०१:५५	०३:३२
१६	०५:२४	०७:३८	०९:५७	१२:१२	१४:२६	१६:४३	१९:००	२१:०५	२२:४९	००:२३	०१:५१	०३:२८
१७	०५:२१	०७:३४	०९:५३	१२:०८	१४:२२	१६:३९	१८:५६	२१:०१	२२:४५	००:१९	०१:४७	०३:२४
१८	०५:१७	०७:३०	०९:४९	१२:०४	१४:१८	१६:३५	१८:५२	२०:५७	२२:४२	००:१५	०१:४३	०३:२०
१९	०५:१३	०७:२६	०९:४५	१२:००	१४:१४	१६:३१	१८:४८	२०:५३	२२:३८	००:११	०१:३९	०३:१६
२०	०५:०९	०७:२२	०९:४१	११:५६	१४:१०	१६:२७	१८:४४	२०:४९	२२:३४	००:०७	०१:३५	०३:१२
२१	०५:०५	०७:१८	०९:३७	११:५२	१४:०६	१६:२३	१८:४१	२०:४५	२२:३०	००:०३	०१:३१	०३:०८
२२	०५:०१	०७:१४	०९:३३	११:४८	१४:०२	१६:१९	१८:३७	२०:४१	२२:२६	२३:५९	०१:२७	०३:०४
२३	०४:५७	०७:१०	०९:२९	११:४४	१३:५८	१६:१५	१८:३३	२०:३८	२२:२२	२३:५५	०१:२३	०३:००
२४	०४:५३	०७:०६	०९:२५	११:४०	१३:५४	१६:११	१८:२९	२०:३४	२२:१८	२३:५१	०१:१९	०२:५६
२५	०४:४९	०७:०२	०९:२२	११:३६	१३:५०	१६:०७	१८:२५	२०:३०	२२:१४	२३:४७	०१:१५	०२:५२

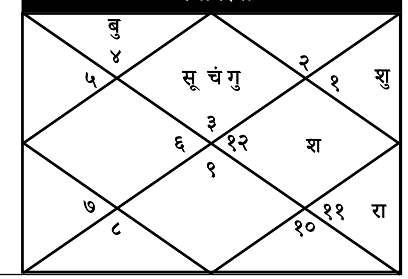
❖१४ दिवसीय पक्ष।

♊ **सूर्य मिथुन संक्रान्ति** मिथुन में १५ जून रविवार को ०६:४४ बजे होगा। पुण्य काल अगले दिन पूर्वार्द्ध में होगा। इस दिन ब्राह्मण को सतुआ और घट दान । वारानुसार घोरा संज्ञक तथा नक्षत्रानुसार महोदरा संज्ञक संक्रान्ति है। सेवकों के लिए, गुप्तचर, इन्टरनेट हैकर्स, चोरों इत्यादि के लिए यह मास सुखप्रद है।

सूर्य आर्द्रा प्रवेश २२ जून रविवार ०६:२० बजे। इस दिवस के पहले और बाद के तीन दिनों तक दिनमान अधिकतम ३४:०६ घटी तक रहेगी। इस दिन के बाद से वर्षा ऋतु का आरंभ होता है।

चन्द्र	२-०३:३०:६०	८७१:४७	मृ-४
मंगल	४-१०:०६:२०	३४:१७	मघा-४
बुध	३-०३:२१:३४	८२:०३	पुष्य-१
गुरु	२-०९:१३:५९	१३:४३	आर्द्रा-१
शुक्र	०-२५:१७:१०	६४:३४	भ-४
शनि	११-०७:२६:४०	०१:४६	उभा-२
राहु	१०-२८:०१:०२	-०३:११	पूभा-३

अमावस्या

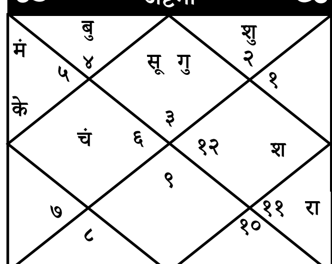


आषाढ़ शुक्ल   सूर्य दक्षिणायन उत्तर गोल   वर्षा ऋतु   26 जून से 10 जुलाई 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
काण	**१**	गु	१९:५६	१३:२९	**आर्द्रा**	०८:१४	०८:४८	**ध्रुव**	४५:३१	२३:४३	**बव**	१९:५६	१३:२९	**०५:३०**	**१९:०९**	३४:०५	कर्क ५०:२९	२५:४२	२-१०:२७:०६	**५७:१५**	26	चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृङ्गोन्नत, उत्तर शर। **गुप्त नवरात्रांभ** ॥ ०८:४८ से सर्वार्थसिद्धि ॥ शुक्र कृत्तिका १२:१७,
लुम्ब	**२**	शु	१४:४२	११:२४	**पुनर्वसु**	०४:४०	०७:२३	**व्याघात**	३९:१९	२१:१४	**कौलव**	१४:४२	११:२४	**०५:३१**	**१९:०९**	३४:०५	कर्क		२-११:२४:२२	**५७:१५**	27	**श्री जगन्नाथ रथयात्रा** ॥ सर्वार्थसिद्धि ०७:२३ तक ॥
मित्र	**३**	श	११:०६	०९:५८	**पुष्य**	०२:४२	०६:३६	**हर्षण**	३४:३३	१९:२०	**गर**	११:०७	०९:५८	**०५:३१**	**१९:०९**	३४:०४	कर्क		२-१२:२१:३७	**५७:१४**	28	भद्रारंभ २१:३४, ०९:५८ से रवियोग ॥
वज्र	**४**	र	०९:२५	०९:१८	**आश्लेषा**	०२:३८	०६:३५	**वज्र**	३१:२०	१८:०३	**विष्टि**	०९:२६	०९:१८	**०५:३१**	**१९:०९**	३४:०४	सिंह ०२:३८	०६:३५	२-१३:१८:५२	**५७:१४**	29	भद्रा ०९:१८तक, रवियोग ०६:३५ तक, शुक्र वृष १४:०९,
ध्वांक्ष	**५**	सो	०९:४७	०९:२७	**मघा**	०४:३५	०७:२२	**सिद्धि**	२९:४२	१७:२५	**बालव**	०९:४८	०९:२७	**०५:३२**	**१९:०९**	३४:०३	सिंह		२-१४:१६:०७	**५७:१४**	30	**स्कंध षष्ठी** ॥ शुभाशुभ निदर्शन व्रत ॥ रवियोग १९:५० तक ॥ त्रिपुष्कर १९:५०-२९:३४तक ॥ मंगल पू.फा. २०:१८,
धूम्र	**६**	मं	१२:०८	१०:२३	**पू.फा.**	०८:२८	०८:५५	**व्यतिपात**	२९:३४	१७:२२	**तैतिल**	१२:०८	१०:२३	**०५:३२**	**१९:०९**	३४:०२	कन्या २४:४८	१५:२७	२-१५:१३:२१	**५७:१३**	1	**जुलाई २०२५** ॥ रवियोग ०८:५५ तक ॥ त्रिपुष्कर ०८:५५-२९:३२तक ॥
प्रवर्ध	**७**	बु	१६:११	१२:०१	**उ.फा.**	१४:०१	११:०९	**वरियन**	३०:४०	१७:४८	**वणिज**	१६:११	१२:०१	**०५:३२**	**१९:०९**	३४:०१	कन्या		२-१६:१०:३५	**५७:१३**	2	भद्रा १२:०१-२५:०१, **सूर्य सप्तमी** (विवस्वान व्रत) ॥ ११:०९ से सर्वार्थसिद्धि ॥
रक्ष	**८**	गु	२१:२८	१४:०८	**हस्त**	२०:४६	१३:५२	**परिघ**	३२:३९	१८:३६	**बव**	२१:२९	१४:०८	**०५:३३**	**१९:०९**	३४:००	तुला ५४:२६	२७:१९	२-१७:०७:४९	**५७:१२**	3	१३:५२ से रवियोग ॥
मूसल	**९**	शु	२७:२६	१६:३२	**चित्रा**	२८:११	१६:५०	**शिव**	३५:०५	१९:३५	**कौलव**	२७:२७	१६:३२	**०५:३३**	**१९:०९**	३३:५९	तुला		२-१८:०५:०२	**५७:१२**	4	रवियोग अहोरात्र ॥
सिद्धि	**१०**	श	३३:३०	१८:५८	**स्वाति**	३५:४०	१९:५०	**सिद्ध**	३७:३२	२०:३४	**तैतिल**	००:३१	०५:४६	**०५:३४**	**१९:०९**	३३:५८	तुला		२-१९:०२:१५	**५७:१२**	5	मन्वादि श्राद्ध ॥ वामन पूजा ॥ रवियोग १९:५० तक ॥ त्रिपुष्कर १९:५०-२९:३४तक ॥
उत्पात	**११**	र	३९:०७	२१:१३	**विशाखा**	४२:४४	२२:४०	**साध्य**	३९:३८	२१:२५	**वणिज**	०६:२६	०८:०८	**०५:३४**	**१९:०९**	३३:५७	वृश्चिक २६:०१	१५:५९	२-१९:५९:२८	**५७:१२**	6	भद्रा ०८:०८-२१:१३, **देवशयनी एकादशी ॥ चातुर्मास्यव्रतारंभ** ॥ वैधृति श्राद्ध ॥ त्रिपुष्कर ०५:३४-२२:३९तक ॥ सूर्य पुनर्वसु ०५:४७,
मानस	**१२**	सो	४३:५३	२३:०८	**अनुराधा**	४८:५८	२५:१०	**शुभ**	४१:०४	२२:००	**बव**	११:३९	१०:१४	**०५:३४**	**१९:०९**	३३:५६	वृश्चिक		२-२०:५६:४०	**५७:१२**	7	वामन पूजा ॥ सर्वार्थसिद्धि २५:१० तक ॥ बुध आश्लेषा ०५:४६,
मुद्गर	**१३**	मं	४७:३३	२४:३६	**ज्येष्ठा**	५४:०७	२७:१४	**शुक्ल**	४१:३८	२२:१४	**कौलव**	१५:५१	११:५५	**०५:३५**	**१९:०९**	३३:५५	धनु ५४:०७	२७:१४	२-२१:५३:५३	**५७:१२**	8	**भौम प्रदोष व्रत** ॥ २७:१४ से रवियोग ॥ शुक्र रोहिणी १६:२४,
केतु	**१४**	बु	४९:५९	२५:३५	**मूल**	५८:०४	२८:४९	**ब्रह्म**	४१:१६	२२:०६	**गर**	१८:५३	१३:०८	**०५:३५**	**१९:०९**	३३:५३	धनु		२-२२:५१:०५	**५७:१२**	9	भद्रारंभ २५:३५, रवियोग २८:४९ तक ॥
धाता	**१५**	गु	५१:१२	२६:०५	**पू.षा.**	६०:५०	२९:५६	**ऐन्द्र**	३९:५७	२१:३४	**विष्टि**	२०:४१	१३:५२	**०५:३६**	**१९:०८**	३३:५२	धनु		२-२३:४८:१८	**५७:१२**	10	भद्रा १३:५२तक, **व्रतस्नानदानादि पूर्णिमा** (चन्द्रोदय १९:०९) ॥ मन्वादि श्राद्ध ॥ **कोकिला व्रतारंभ** (श्रावण पूर्णिमा तक) **व्यास पूजा, गुरु पूर्णिमा।** वायुधारिणी पूर्णिमा।

चन्द्र	५-१९:१३:०१	७१३:१०	हस्त-३
मंगल	४-१४:४२:५९	३४:५६	पूफा-१
बुध	३-१३:०१:३५	५९:२४	पुष्य-३
गुरु	२-११:०३:२८	१३:३८	आर्द्रा-२
शुक्र	१-०३:५८:४१	६५:५६	कृ-३
शनि	११-०७:३८:०१	००:५८	उभा-२
राहु	१०-२७:३५:३६	-०३:११	पूभा-३

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष
२६	०४:४५	०६:५८	०९:१८	११:३२	१३:४६	१६:०३	१८:२१	२०:२६	२२:१०	२३:४३	०१:११	०२:४८
२७	०४:४१	०६:५४	०९:१४	११:२९	१३:४२	१६:००	१८:१७	२०:२२	२२:०६	२३:४०	०१:०७	०२:४४
२८	०४:३७	०६:५१	०९:१०	११:२५	१३:३८	१५:५६	१८:१३	२०:१८	२२:०२	२३:३६	०१:०३	०२:४१
२९	०४:३३	०६:४७	०९:०६	११:२१	१३:३४	१५:५२	१८:०९	२०:१४	२१:५८	२३:३२	००:५९	०२:३७
३०	०४:२९	०६:४३	०९:०२	११:१७	१३:३०	१५:४८	१८:०५	२०:१०	२१:५४	२३:२८	००:५६	०२:३३
१	०४:२५	०६:३९	०८:५८	११:१३	१३:२७	१५:४४	१८:०१	२०:०६	२१:५०	२३:२४	००:५२	०२:२९
२	०४:२२	०६:३५	०८:५४	११:०९	१३:२३	१५:४०	१७:५७	२०:०२	२१:४६	२३:२०	००:४८	०२:२५
३	०४:१८	०६:३१	०८:५०	११:०५	१३:१९	१५:३६	१७:५३	१९:५८	२१:४३	२३:१६	००:४४	०२:२१
४	०४:१४	०६:२७	०८:४६	११:०१	१३:१५	१५:३२	१७:४९	१९:५४	२१:३९	२३:१२	००:४०	०२:१७
५	०४:१०	०६:२३	०८:४२	१०:५७	१३:११	१५:२८	१७:४५	१९:५०	२१:३५	२३:०८	००:३६	०२:१३
६	०४:०६	०६:१९	०८:३८	१०:५३	१३:०७	१५:२४	१७:४२	१९:४६	२१:३१	२३:०४	००:३२	०२:०९
७	०४:०२	०६:१५	०८:३४	१०:४९	१३:०३	१५:२०	१७:३८	१९:४२	२१:२७	२३:००	००:२८	०२:०५
८	०३:५८	०६:११	०८:३०	१०:४५	१२:५९	१५:१६	१७:३४	१९:३९	२१:२३	२२:५६	००:२४	०२:०१
९	०३:५४	०६:०७	०८:२६	१०:४१	१२:५५	१५:१२	१७:३०	१९:३५	२१:१९	२२:५२	००:२०	०१:५७
१०	०३:५०	०६:०३	०८:२३	१०:३७	१२:५१	१५:०८	१७:२६	१९:३१	२१:१५	२२:४८	००:१६	०१:५३

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुर्गुरुर्देवो महेश्वरः। गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्रीगुरुवे नमः॥

❖**१५ दिवसीय पक्ष।** पूर्णिमा+मूल=१३% पूर्णिमा+पू.षा.=८७% ॥

चन्द्र दर्शन उत्तर श्रृङ्गोन्नत फल - वृष्टि में रुकावट हो। रूई, सूत तथा सूती, रेशमी, ऊनी वस्त्र सरसों, तेल, घृत तेज हो। सोना, चांदी, खांड, गुड़ में मन्दी।

पूर्णिमा फल - पूर्णिमा का योग मूल नक्षत्र से ०३:१४ घंटे का है तथा पूर्व आषाढ़ा से योग २१:१५ का है। अतः भारत के अधिकतर भागों में सुभिक्ष होगा। (*आषाढ़ पूर्णिमायां यन्नक्षत्रं तद्विचारतः। पूर्वाषाढ़े सुभिक्षं च मूले दुर्भिक्षमुच्यते॥ शीघ्रबोध पृ९७*)

शुभाशुभ निदर्शन व्रत - आषाढ़ शुक्ल ५ को सर्वव्यापी वायु की परीक्षा की जाती है। गाँव/शहर से बाहर निकलकर धरती पर खड़ा रहे और वहाँ एक बाँस खड़ा करे। बाँस के डंडे के अग्रभाग में पञ्चाङ्गी पताका लगा कर वायु परीक्षण करते हैं।

विवस्वान व्रत - इस दिन रथ चक्र के समान गोल मण्डल बनाकर उसमें विवस्वान का गंध पुष्पादि से पूजन करते हैं।

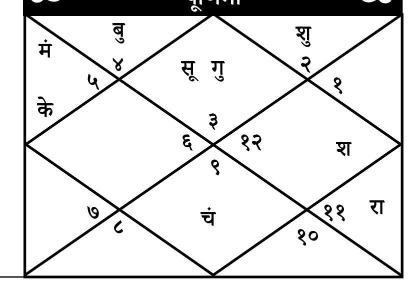
चातुर्मास्यव्रतारंभ - शयनी के मध्य में शमी, दूर्वा, अपामार्ग और भृङ्गराज से कभी देवताओं की पूजा न करें। शयनी में अभ्यङ्ग वर्जित है।

कोकिला व्रतारंभ आषाढ़ पूर्णिमा से आरंभ करके श्रावण पूर्णिमा तक कोकिला व्रत किया जाता है।

वायुधारिणी पूर्णिमा - इस दिन सूर्यास्त के समय हवा कि दिशा के अनुसार अन्नादि के महँगे-सस्ते, व्यक्तियों के वृद्धि-ह्रासादि का विचार किया जाता है।

चन्द्र	८-१३:४४:२४	७६४:५०	पूषा-१
मंगल	४-१८:४९:०६	३५:२७	पूफा-२
बुध	३-१८:४६:२४	३४:३५	श्लेषा-१
गुरु	२-१२:३८:४०	१३:३२	आर्द्रा-२
शुक्र	१-११:४३:३०	६६:५८	रो-१
शनि	११-०७:४२:४२	००:१६	उभा-२
राहु	१०-२७:१३:२१	-०३:११	पूभा-३

पूर्णिमा

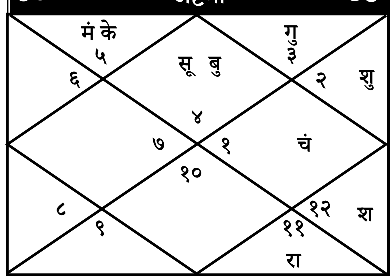


श्रावण कृष्ण | सूर्य दक्षिणायन उत्तर गोल | वर्षा ऋतु | 11 - 24 जुलाई 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चंराप्रवेशघप	घं.मि.	औदयिकसूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
प्रवर्ध	**१**	**शु**	५१:१७	२६:०७	**पू.षा.**	००:४८	०५:५६	**वैधृति**	३७:४३	२०:४१	**बालव**	२१:१९	१४:०८	**०५:३६**	**१९:०८**	३३:५०	मकर १६:१४	१२:०६	२-२४:४५:३१	**५७:१२**	11	
रक्ष	**२**	**श**	५०:२०	२५:४५	**उ.षा.**	०२:२७	०६:३५	**विषकम्भ**	३४:४०	१९:२८	**तैतिल**	२०:५२	१३:५८	**०५:३७**	**१९:०८**	३३:४९	मकर		२-२५:४२:४४	**५७:१२**	12	**अशून्यशयन व्रत**। ०६:३५ से सर्वार्थसिद्धि ॥ त्रिपुष्कर ०५:३७-०६:३५तक ॥
मूसल	**३**	**र**	४८:२९	२५:०१	**श्रवण**	०३:०७	०६:५२	**प्रीति**	३०:५२	१७:५८	**वणिज**	१९:२९	१३:२५	**०५:३७**	**१९:०८**	३३:४७	कुंभ ३३:०४	१८:५१	२-२६:३९:५७	**५७:१३**	13	कजरी तीज व्रतोत्सव। पंचक १८:५१ आरंभ, भद्रा १३:२५-२५:०१, द्विपुष्कर ०६:५२-२९:३७तक ॥
शुभ	**४**	**सो**	४५:५१	२३:५८	**धनिष्ठा**	०२:५६	०६:४८	**आयुष्मान**	२६:२४	१६:११	**बव**	१७:१५	१२:३१	**०५:३७**	**१९:०८**	३३:४५	कुंभ		२-२७:३७:११	**५७:१३**	14	पंचक, **संकष्ट चतुर्थी व्रत**(चन्द्रोदय २१:४९) ॥ **प्रथम सोमवार व्रत** ॥
मृत्यु	**५**	**मं**	४२:२७	२२:३७	**शतभिषा**	०१:५९	०६:२६	**सौभाग्य**	२१:२०	१४:१०	**कौलव**	१४:१४	११:२०	**०५:३८**	**१९:०७**	३३:४४	मीन ४५:४५	२३:५६	२-२८:३४:२५	**५७:१४**	15	पंचक, त्रिपुष्कर ०६:२६-२९:३८तक ॥ **मङ्गला गौरी व्रत।**
पद्म	**६**	**बु**	३८:२३	२१:००	**पू.भा. उ.भा.**	००:१८ ५७:५८	०५:४६ २८:५०	**शोभन**	१५:४२	११:५५	**गर**	१०:३२	०९:५१	**०५:३८**	**१९:०७**	३३:४२	मीन		२-२९:३१:३९	**५७:१४**	16	पंचक, भद्रारंभ २१:००, ♋**सूर्य कर्क संक्रान्ति १७:३१ बजे,** संक्रान्ति पुण्य काल ११:०८से १७:३२ ॥ **नदियों का रजोदर्शन।** रवियोग ०५:४६ से २७:५४ ॥
मित्र	**७**	**गु**	३३:४०	१९:०७	**रेवती**	५४:५७	२७:३८	**अतिगण्ड**	०९:३१	०९:२७	**विष्टि**	०६:०९	०८:०६	**०५:३९**	**१९:०७**	३३:४०	मेष ५४:५८	२७:३८	३-००:२८:५४	**५७:१५**	17	पंचक २७:३८ समाप्त, भद्रा ०८:०६तक, **शीतला सप्तमी,** सर्वार्थसिद्धि २७:३८ तक ॥
वज्र	**८**	**शु**	२८:२१	१७:००	**अश्विनी**	५१:२३	२६:१३	**सुकर्म**	०२:५०	०६:४७	**बालव**	०१:०९	०६:०७	**०५:३९**	**१९:०७**	३३:३८	मेष		३-०१:२६:१०	**५७:१६**	18	मन्वादि अपराह्न श्राद्ध पिण्ड रहित ॥ सर्वार्थसिद्धि २६:१३ तक ॥
ध्वांक्ष	**९**	**श**	२२:३२	१४:४१	**भरणी**	४७:२०	२४:३६	**शूल**	४८:०५	२४:५४	**गर**	२२:३२	१४:४१	**०५:४०**	**१९:०६**	३३:३६	मेष		३-०२:२३:२७	**५७:१६**	19	भद्रारंभ २५:२८, व्यतिपात श्राद्ध ॥ त्रिपुष्कर २४:३६-२९:४०तक ॥, सूर्य पुष्य २९:२२,
धूम्र	**१०**	**र**	१६:२०	१२:१२	**कृत्तिका**	४३:००	२२:५३	**गण्ड**	४०:१७	२१:४७	**विष्टि**	१६:२०	१२:१२	**०५:४०**	**१९:०६**	३३:३४	वृष ०१:१८	०६:११	३-०३:२०:४४	**५७:१७**	20	भद्रा १२:१२तक, त्रिपुष्कर ०५:४०-२२:५२तक ॥ शुक्र मृगशिरा १२:५५,
प्रवर्ध	**११**	**सो**	०९:५५	०९:३९	**रोहिणी**	३८:३५	२१:०७	**वृद्धि**	३२:२४	१८:३९	**बालव**	०९:५६	०९:३९	**०५:४१**	**१९:०५**	३३:३२	वृष		३-०४:१८:०३	**५७:१८**	21	**द्वितीय सोमवार व्रत** ॥ **कामिका एकादशी** ॥ सर्वार्थसिद्धि ॥
रक्ष	**१२ १३**	**मं**	०३:३१ ५७:२६	०७:०६ २८:४०	**मृगशिरा**	३४:२१	१९:२६	**ध्रुव**	२४:३९	१५:३३	**तैतिल**	०३:३१	०७:०६	**०५:४१**	**१९:०५**	३३:२९	मिथुन ०६:२४	०८:१५	३-०५:१५:२२	**५७:१९**	22	भद्रारंभ २८:४०, **भौम प्रदोष** (प्रदोषकाल १९:०९ से २१:३३) ॥ **मङ्गला गौरी व्रत।** द्विपुष्कर ०५:४१-१९:२६तक ॥ **सा.सूर्य सिंह १८:५९ बजे।**
मूसल	**१४**	**बु**	५२:००	२६:३०	**आर्द्रा**	३०:३७	१७:५७	**व्याघात**	१७:१४	१२:३६	**विष्टि**	२४:४२	१५:३५	**०५:४२**	**१९:०५**	३३:२७	मिथुन		३-०६:१२:४२	**५७:१९**	23	भद्रा १५:३५तक, मंगल उ.फा. ०८:३७,बुध अस्त,
सिद्धि	**३०**	**गु**	४७:३२	२४:४३	**पुनर्वसु**	२७:४१	१६:४७	**हर्षण**	१०:२५	०९:५२	**चतुष्पद**	१९:४२	१३:३५	**०५:४२**	**१९:०४**	३३:२५	कर्क १३:१७	११:०१	३-०७:१०:०२	**५७:२०**	24	**देवपितृकार्य अमावस्या** ॥ **हरियाली अमावस्या** ॥ सर्वार्थसिद्धि ॥

चन्द्र	०-०१:१०:६०	८५१:१०	अश्वि-१
मंगल	४-२३:३४:४३	३६:०१	पूफा-४
बुध	३-२१:२१:३२	-०१:२८	श्लेषा-२
गुरु	२-१४:२६:१८	१३:२०	आर्द्रा-३
शुक्र	१-२०:४३:११	६८:०१	रो-४
शनि	११-०७:४२:००	-००:३२	उभा-२
राहु	१०-२६:४७:५४	-०३:११	पूभा-३

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष
११	०३:४६	०५:५९	०८:१९	१०:३३	१२:४७	१५:०४	१७:२२	१९:२७	२१:११	२२:४४	००:१२	०१:४९
१२	०३:४२	०५:५५	०८:१५	१०:३०	१२:४३	१५:०१	१७:१८	१९:२३	२१:०७	२२:४१	००:०८	०१:४५
१३	०३:३८	०५:५२	०८:११	१०:२६	१२:३९	१४:५७	१७:१४	१९:१९	२१:०३	२२:३७	००:०४	०१:४२
१४	०३:३४	०५:४८	०८:०७	१०:२२	१२:३५	१४:५३	१७:१०	१९:१५	२०:५९	२२:३३	००:००	०१:३८
१५	०३:३०	०५:४४	०८:०३	१०:१८	१२:३१	१४:४९	१७:०६	१९:११	२०:५५	२२:२९	२३:५७	०१:३४
१६	०३:२६	०५:४०	०७:५९	१०:१४	१२:२८	१४:४५	१७:०२	१९:०७	२०:५१	२२:२५	२३:५३	०१:३०
	कर्क	**सिह**	**कन्या**	**तुला**	**वृश्चिक**	**धनु**	**मकर**	**कुंभ**	**मीन**	**मेष**	**वृष**	**मिथुन**
१७	०५:३६	०७:५५	१०:१०	१२:२४	१४:४१	१६:५८	१९:०३	२०:४७	२२:२१	२३:४९	०१:२६	०३:२३
१८	०५:३२	०७:५१	१०:०६	१२:२०	१४:३७	१६:५४	१८:५९	२०:४४	२२:१७	२३:४५	०१:२२	०३:१९
१९	०५:२८	०७:४७	१०:०२	१२:१६	१४:३३	१६:५०	१८:५५	२०:४०	२२:१३	२३:४१	०१:१८	०३:१५
२०	०५:२४	०७:४३	०९:५८	१२:१२	१४:२९	१६:४६	१८:५१	२०:३६	२२:०९	२३:३७	०१:१४	०३:११
२१	०५:२०	०७:३९	०९:५४	१२:०८	१४:२५	१६:४३	१८:४७	२०:३२	२२:०५	२३:३३	०१:१०	०३:०७
२२	०५:१६	०७:३५	०९:५०	१२:०४	१४:२१	१६:३९	१८:४३	२०:२८	२२:०१	२३:२९	०१:०६	०३:०३
२३	०५:१२	०७:३१	०९:४६	१२:००	१४:१७	१६:३५	१८:४०	२०:२४	२१:५७	२३:२५	०१:०२	०२:५९
२४	०५:०८	०७:२७	०९:४२	११:५६	१४:१३	१६:३१	१८:३६	२०:२०	२१:५३	२३:२१	००:५८	०२:५५

❖**१४ दिवसीय पक्ष।**

♋**सूर्य कर्क संक्रान्ति** १६ जुलाई बुधवार को १७:३१ बजे होगा। सस्येश - बुध। वारानुसार **मंदाकिनी** संज्ञक तथा नक्षत्रानुसार **मन्दा** संज्ञक संक्रान्ति है। राजनेताओं, राज्य/जिलाधीशों, क्षत्रियों के लिए तथा प्राचार्यों, शिक्षकों, कथावाचकों, विप्रवर्ण केलिए इत्यादि के लिए यह मास सुखप्रद है।

कजरी तीज - श्रवण नक्षत्र युक्त कजरी तीज व्रत में विष्णु करके व्रत करना है। यह उत्तर प्रदेश का प्रचलित लोकोत्सव है। बालाएँ झूला झूलती है और सावन के गीत या कजरी गीत गाती हैं।

नदिनां रजो दर्शन दोष - १६ जुलाई से लेकर अगस्तोदय तक, कर्क और सिह संक्रान्ति के मध्य में सब नदियाँ रजस्वाला होती हैं। उन नदियों में मनुष्य को स्नान आदि कार्य नहीं करना चाहिए। यह निषेध क्षुद्र (छोटी) नदियों के लिए है, समुद्र में जाने वाली नदियों के लिए निषेध नहीं है।

अशून्यशयन व्रत - श्रावण कृ २ से १२ तक यह व्रत किया जाता है। इसमें शेषश्य्या पर लक्ष्मी सहित नारायण शयन करते हैं।

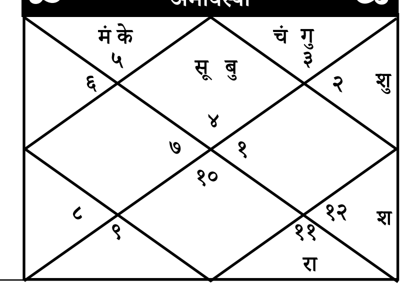
मङ्गलागौरी के पूजा का ध्यान मंत्र -

कंकुमागुरुलिप्ताङ्गा सर्वाभरणभूषिताम्।
नीलकण्ठप्रियां गौरीं वन्देऽहं मङ्गलाङ्वयाम्॥

शाक व्रत - भविष्यपुराण के अनुसार श्रावण मास में शाक का त्याग करते हैं। शाक - पालक, मूली, पोई आदि, फल, बोड़ा, ग्वालिन आदि, गांठ गोभी, केले का फल, करेमू आदि, कुह्मढ़ा आदि का साग, कुन्दुरू आदि अंकुरित चना, मटर का साग॥

चन्द्र	२-२६:५५:३०	८३२:५५	पुन-३
मंगल	४-२७:११:५९	३६:२७	उफा-१
बुध	३-२०:००:२३	-२९:२२	श्लेषा-२
गुरु	२-१५:४५:५५	१३:०९	आर्द्रा-३
शुक्र	१-२७:३३:१४	६८:४२	मृ-२
शनि	११-०७:३७:१६	-०१:०८	उभा-२
राहु	१०-२६:२८:५०	-०३:११	पूभा-२

अमावस्या

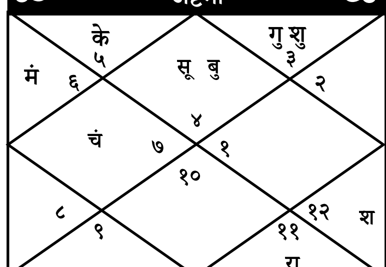


श्रावण शुक्ल सूर्य दक्षिणायन उत्तर गोल वर्षा ऋतु 25 जुलाई से 09 अगस्त 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
उत्पात	**१**	**शु**	४४:१९	२३:२७	**पुष्य**	२५:५४	१६:०५	**वज्र**	०४:२५	०७:२९	**किस्तुघ्न**	१५:४६	१२:०१	**०५:४३**	**१९:०४**	३३:२२	कर्क		३-०८:०७:२३	**५७:२१**	25	
मानस	**२**	**श**	४२:३७	२२:४६	**आश्लेषा**	२५:३३	१५:५७	**व्यतिपात**	५५:५८	२८:०६	**बालव**	१३:१५	११:०१	**०५:४३**	**१९:०३**	३३:२०	सिह २५:३३	१५:५७	३-०९:०४:४५	**५७:२१**	26	चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृङ्गोन्नत, उत्तर शर। शुक्र मिथुन ०८:५६,
मुद्गर	**३**	**र**	४२:३५	२२:४६	**मघा**	२६:४९	१६:२८	**वरियन**	५३:४६	२७:१४	**तैतिल**	१२:२१	१०:४०	**०५:४४**	**१९:०३**	३३:१७	सिह		३-१०:०२:०७	**५७:२२**	27	रवियोग १६:२८ से॥ **हरियाली तीज**।
केतु	**४**	**सो**	४४:१९	२३:२८	**पू.फा.**	२९:४८	१७:४०	**परिघ**	५२:५६	२६:५५	**वणिज**	१३:१३	११:०१	**०५:४४**	**१९:०२**	३३:१५	कन्या ४५:४६	२४:०३	३-१०:५९:३०	**५७:२२**	28	भद्रा ११:०१-२३:२८, **तृतीय सोमवार व्रत**॥ रवियोग १७:४० तक॥ मंगल कन्या १९:५८
धाता	**५**	**मं**	४७:४०	२४:४९	**उ.फा.**	३४:२४	१९:३१	**शिव**	५३:२१	२७:०५	**बव**	१५:४८	१२:०४	**०५:४५**	**१९:०२**	३३:१२	कन्या		३-११:५६:५३	**५७:२३**	29	**नागपञ्चमी**॥ **मङ्गला गौरी व्रत**। १९:३१ से रवियोग॥ त्रिपुष्कर ०५:४५-१९:३१तक॥ बुधपुष्य १६:२५
आन	**६**	**बु**	५२:२३	२६:४३	**हस्त**	४०:२३	२१:५५	**सिद्ध**	५४:४७	२७:४०	**कौलव**	१९:५५	१३:४३	**०५:४५**	**१९:०१**	३३:०९	कन्या		३-१२:५४:१७	**५७:२३**	30	**कल्की अवतार**॥ रवियोग / सर्वार्थसिद्धि २१:५५ तक॥
चर	**७**	**गु**	५८:०१	२८:५८	**चित्रा**	४७:२०	२४:४२	**साध्य**	५६:५५	२८:३२	**गर**	२५:०९	१५:५०	**०५:४६**	**१९:००**	३३:०७	तुला १३:४५	११:१६	३-१३:५१:४१	**५७:२४**	31	भद्रारंभ २८:५८, शुक्र आर्द्रा २७:४४,
गद	**८**	**शु**	६४:०२	३१:२३	**स्वाति**	५४:४४	२७:४०	**शुभ**	५९:१८	२९:३०	**विष्टि**	३१:०२	१८:११	**०५:४६**	**१९:००**	३३:०४	तुला		३-१४:४९:०६	**५७:२४**	1	**अगस्त २०२५;** भद्रा १८:११तक, रवियोग २७:४० से॥ वैधृति श्राद्ध॥
शुभ	**८**	**श**	०४:००	०७:२३	**विशाखा**	६२:००	३०:३५	**शुक्ल**	६१:३३	३०:२४	**बव**	०४:०१	०७:२३	**०५:४७**	**१८:५९**	३३:०१	वृश्चिक ४५:११	२३:५१	३-१५:४६:३२	**५७:२५**	2	रवियोग ३०:३५ तक॥ त्रिपुष्कर ०५:४७-३०:३४तक॥ सूर्य आश्लेषा २८:०८
उत्पात	**९**	**र**	०९:४३	०९:४१	**विशाखा**	०१:५७	०६:३४	**शुक्ल**	०१:३०	०६:२३	**कौलव**	०९:४४	०९:४१	**०५:४७**	**१८:५९**	३२:५८	वृश्चिक		३-१६:४३:५८	**५७:२६**	3	रवियोग ०६:३४ से॥
मानस	**१०**	**सो**	१४:३८	११:३९	**अनुराधा**	०८:२६	०९:११	**ब्रह्म**	०३:१०	०७:०४	**गर**	१४:३८	११:३९	**०५:४८**	**१८:५८**	३२:५६	वृश्चिक		३-१७:४१:२५	**५७:२७**	4	भद्रारंभ २४:२९, रवियोग अहोरात्र॥ **चतुर्थ सोमवार व्रत**॥
मुद्गर	**११**	**मं**	१८:२१	१३:०९	**ज्येष्ठा**	१३:४८	११:२०	**ऐन्द्र**	०३:५६	०७:२३	**विष्टि**	१८:२१	१३:०९	**०५:४८**	**१८:५७**	३२:५३	धनु १३:४९	११:२०	३-१८:३८:५२	**५७:२७**	5	भद्रा १३:०९तक, **पुत्रदा एकादशी॥ पवित्रार्पण**॥ **मङ्गला गौरी व्रत**। रवियोग ११:२० तक॥
केतु	**१२**	**बु**	२०:३८	१४:०४	**मूल**	१७:४८	१२:५६	**वैधृति**	०३:३८	०७:१६	**बालव**	२०:३९	१४:०४	**०५:४९**	**१८:५७**	३२:५०	धनु		३-१९:३६:२०	**५७:२८**	6	
धाता	**१३**	**गु**	२१:२६	१४:२४	**पू.षा.**	२०:१९	१३:५७	**विषकम्भ**	०२:१०	०६:४१	**तैतिल**	२१:२६	१४:२४	**०५:४९**	**१८:५६**	३२:४७	मकर ३५:४४	२०:०७	३-२०:३३:५०	**५७:२९**	7	१३:५७ से रवियोग॥
आन	**१४**	**शु**	२०:४६	१४:०८	**उ.षा.**	२१:२५	१४:२४	**आयुष्मान**	५५:४४	२८:०७	**वणिज**	२०:४६	१४:०८	**०५:५०**	**१८:५५**	३२:४४	मकर		३-२१:३१:१९	**५७:३०**	8	भद्रा १४:०८-२५:५०, व्रत पूर्णिमा (चन्द्रोदय १८:३३)॥ रवियोग १४:२४ तक॥ १४:२४ से सर्वार्थसिद्धि॥
चर	**१५**	**श**	१८:४७	१३:२१	**श्रवण**	२१:१४	१४:२०	**सौभाग्य**	५०:५८	२६:१३	**बव**	१८:४८	१३:२१	**०५:५०**	**१८:५४**	३२:४१	कुंभ ५०:४७	२६:०९	३-२२:२८:५०	**५७:३१**	9	पंचक २६:०९ आरंभ, स्नान दान पूर्णिमा॥ **ऋषि तर्पण, श्रावणी पूजन, रक्षाबन्धन**॥ सर्वार्थसिद्धि १४:२० तक॥ द्विपुष्कर १४:२०-२९:५०तक॥ बुध उदित॥

चन्द्र	६-०९:१०:५३	७११:३१	स्वा-१
मंगल	५-०२:०५:३४	३६:५९	उफा-२
बुध	३-१४:४६:३६	-४३:५८	पुष्य-४
गुरु	२-१७:३०:००	१२:४९	आर्द्रा-४
शुक्र	२-०६:४५:५३	६१:३०	आर्द्रा-१
शनि	११-०७:२५:२४	-०१:५४	उभा-२
राहु	१०-२६:०३:२३	-०३:११	पूभा-२

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	कर्क	सिह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन
२५	०५:०४	०७:२४	०९:३८	११:५२	१४:०९	१६:२७	१८:३२	२०:१६	२१:४९	२३:१७	००:५४	०२:५१
२६	०५:००	०७:२०	०९:३४	११:४८	१४:०५	१६:२३	१८:२८	२०:१२	२१:४५	२३:१३	००:५०	०२:४७
२७	०४:५६	०७:१६	०९:३१	११:४४	१४:०२	१६:१९	१८:२४	२०:०८	२१:४२	२३:०९	००:४६	०२:४३
२८	०४:५३	०७:१२	०९:२७	११:४०	१३:५८	१६:१५	१८:२०	२०:०४	२१:३८	२३:०५	००:४३	०२:३९
२९	०४:४९	०७:०८	०९:२३	११:३६	१३:५४	१६:११	१८:१६	२०:००	२१:३४	२३:०१	००:३९	०२:३५
३०	०४:४५	०७:०४	०९:१९	११:३२	१३:५०	१६:०७	१८:१२	१९:५६	२१:३०	२२:५८	००:३५	०२:३१
३१	०४:४१	०७:००	०९:१५	११:२९	१३:४६	१६:०३	१८:०८	१९:५२	२१:२६	२२:५४	००:३१	०२:२७
१	०४:३७	०६:५६	०९:११	११:२५	१३:४२	१५:५९	१८:०४	१९:४८	२१:२२	२२:५०	००:२७	०२:२४
२	०४:३३	०६:५२	०९:०७	११:२१	१३:३८	१५:५५	१८:००	१९:४५	२१:१८	२२:४६	००:२३	०२:२०
३	०४:२९	०६:४८	०९:०३	११:१७	१३:३४	१५:५१	१७:५६	१९:४१	२१:१४	२२:४२	००:१९	०२:१६
४	०४:२५	०६:४४	०८:५९	११:१३	१३:३०	१५:४७	१७:५२	१९:३७	२१:१०	२२:३८	००:१५	०२:१२
५	०४:२१	०६:४०	०८:५५	११:०९	१३:२६	१५:४४	१७:४८	१९:३३	२१:०६	२२:३४	००:११	०२:०८
६	०४:१७	०६:३६	०८:५१	११:०५	१३:२२	१५:४०	१७:४४	१९:२९	२१:०२	२२:३०	००:०७	०२:०४
७	०४:१३	०६:३२	०८:४७	११:०१	१३:१८	१५:३६	१७:४१	१९:२५	२०:५८	२२:२६	००:०३	०२:००
८	०४:०९	०६:२८	०८:४३	१०:५७	१३:१४	१५:३२	१७:३७	१९:२१	२०:५४	२२:२२	२३:५९	०१:५६
९	०४:०५	०६:२५	०८:३९	१०:५३	१३:१०	१५:२८	१७:३३	१९:१७	२०:५०	२२:१८	२३:५५	०१:५२

❖**१६ दिवसीय पक्ष।** पूर्णिमा+उ.षा.=१% पूर्णिमा+श्रवण=९९%॥

चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृङ्गोन्नत फल - पशु पीड़ा हो, गेहूँ आदि अनाज तेज रहें। कटु वस्तु, अफीम तेज, मन्दे। रूई, सूत, वस्त्र, चांदी, सोना, सरसों, मूंगफली आदि में अच्छी तेज हो। अन्न भी तेज रहें।

हरियाली तीज- राजस्थान का बहुत प्रचलित लोकोत्सव है।

नागपञ्चमी - विभिन्न नागों के नाम स्मरण से भय मुक्ति होती है।

अनन्तं वासुकि शेषं पद्मनाभं च कम्बलम्।
शंखपालं धार्तराष्ट्रं तक्षकं कालियं तथा॥
एतानि नव नामानि नागानां च महात्मनाम्।
तस्मै विषभयं प्रातःकाले विशेषतः॥
तस्मै विषभयं नास्ति सर्वत्र विजयी भवेत॥

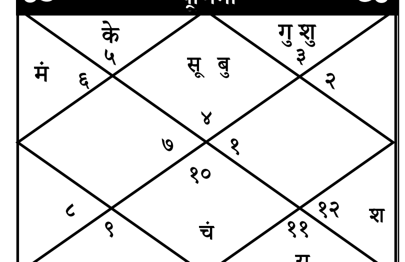
श्रावणी पूजन, ऋषितर्पण, रक्षाबन्धन - इत्यादि कार्य एवं पूजन पूर्णिमा तिथि में (09अगस्त) दोपहर १३:२१ तक किया जाएगा। रक्षा सूत्र/पोटली बांधने का मन्त्र -

येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः। तेन त्वामनुबध्नामि रक्षे मा चल मा चल॥

श्रावणी उपाकर्म में वर्ष भर के ज्ञात-अज्ञात पापों के निराकरण के लिए प्रायश्चित रूप में हेमाद्रिस्नान-संकल्प करके दशविध स्नान करने का विधान है। इसके अनन्तर ऋषिपूजन, सूर्योपस्थान, यज्ञोपवीतपूजन तथा नवीन यज्ञोपवीत धारण करने की विधि है। इसके साथ वर्ष भर केलिए बहुत सारे नवीन यज्ञोपवीत को अभिमंत्रित करके रखा जाता है।

चन्द्र	९-१८:३२:२२	८१२:२०	श्र-३
मंगल	५-०७:०३:२३	३७:३०	उफा-४
बुध	३-१०:१९:३४	-११:५५	पुष्य-३
गुरु	२-१९:११:०९	१२:२४	आर्द्रा-४
शुक्र	२-१६:०४:४०	७०:१४	आर्द्रा-३
शनि	११-०७:०७:३५	-०२:३७	उभा-२
राहु	१०-२५:३७:५७	-०३:११	पूभा-२

पूर्णिमा

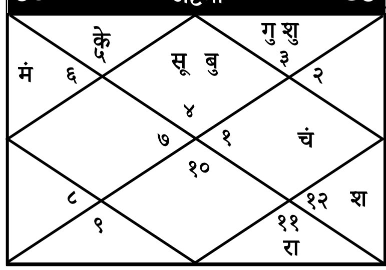


भाद्रपद कृष्ण सूर्य दक्षिणायन उत्तर गोल वर्षा / शरद ऋतु 10 - 23 अगस्त 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं.रा.प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
मातंग	**१**	**र**	१५:४२	१२:०८	**धनिष्ठा**	१९:५७	१३:५०	**शोभन**	४५:२३	२४:००	**कौलव**	१५:४२	१२:०८	**०५:५१**	**१८:५४**	३२:३७	कुंभ		३-२३:२६:२२	**५७:३२**	10	पंचक, द्विपुष्कर ०५:५१-१३:४९तक ॥
अमृत	**२**	**सो**	११:४२	१०:३२	**शतभिषा**	१७:४७	१२:५८	**अतिगण्ड**	३९:११	२१:३२	**गर**	११:४३	१०:३२	**०५:५१**	**१८:५३**	३२:३४	कुंभ		३-२४:२३:५५	**५७:३३**	11	पंचक, भद्रारंभ २१:३७। **विशालाक्षीयात्रा।**
काण	**३**	**मं**	०७:०१	०८:४०	**पू.भा.**	१४:५७	११:५०	**सुकर्म**	३२:३१	१८:५२	**विष्टि**	०७:०१	०८:४०	**०५:५२**	**१८:५२**	३२:३१	मीन ००:४५	०६:१०	३-२५:२१:२९	**५७:३४**	12	पंचक, भद्रा ०८:४०तक,**कज्जली तीज** ॥ **संकष्ट चतुर्थी व्रत** (चन्द्रोदय २०:५६) ॥ ११:५० से सर्वार्थसिद्धि ॥ त्रिपुष्कर ०५:५२-११:५०तक ॥ गुरु पुनर्वसु २९:०२, शुक्र पुनर्वसु १४:०७,
लुम्ब	**४** **५**	**बु**	०१:४९ ५६:१८	०६:३६ २८:२३	**उ.भा.**	११:३८	१०:३१	**धृति**	२५:३०	१६:०४	**बालव**	०१:५०	०६:३६	**०५:५२**	**१८:५१**	३२:२८	मीन		३-२६:१९:०५	**५७:३६**	13	पंचक, मंगल हस्त २२:३१, **बहुला व्रत**।
मित्र	**६**	**गु**	५०:३६	२६:०७	**रेवती**	०८:०१	०९:०५	**शूल**	१८:१७	१३:११	**गर**	२३:२७	१५:१५	**०५:५३**	**१८:५०**	३२:२५	मेष ०८:०२	०९:०५	३-२७:१६:४२	**५७:३७**	14	पंचक ०९:०५ समाप्त, भद्रारंभ २६:०७, वैधृति श्राद्ध ॥ व्यतिपात श्राद्ध ॥ ०९:०५ से रवियोग ॥ सर्वार्थसिद्धि ०९:०५ तक ॥
वज्र	**७**	**शु**	४४:५२	२३:५०	**अश्विनी**	०४:१६	०७:३६	**गण्ड**	१०:५८	१०:१६	**विष्टि**	१७:४४	१२:५८	**०५:५३**	**१८:५०**	३२:२१	मेष		३-२८:१४:२०	**५७:३९**	15	भद्रा १२:५८तक, **कृष्णावतार जन्माष्टमी**(महानिशा २३:५७ से २४:४५तक) रवियोग / सर्वार्थसिद्धि ०७:३६ तक ॥
ध्वांक्ष	**८**	**श**	३९:१४	२१:३५	**भरणी** **कृत्तिका**	००:३० ५६:५२	०६:०६ २८:३८	**वृद्धि**	०३:३८	०७:२१	**बालव**	१२:०२	१०:४२	**०५:५३**	**१८:४९**	३२:१८	वृष १४:३६	११:४४	३-२९:१२:००	**५७:४१**	16	**दूर्वाष्टमी** ॥ त्रिपुष्कर ०६:०६-२९:५३तक ॥ ♌ सूर्य सिह संक्रान्ति/ मघा २५:५२,
धाता	**९**	**र**	३३:४९	१९:२६	**रोहिणी**	५३:२९	२७:१८	**व्याघात**	४९:२६	२५:४०	**तैतिल**	०६:२८	०८:२९	**०५:५४**	**१८:४८**	३२:१५	वृष		४-००:०९:४२	**५७:४२**	17	bसंक्रान्ति पुण्य काल ५:५१ से १२:२१ तक ॥ **गोगा नवमी** ॥ द्विपुष्कर २७:१७-२९:५४तक ॥
आन	**१०**	**सो**	२८:४४	१७:२४	**मृगशिरा**	५०:२९	२६:०६	**हर्षण**	४२:४५	२३:००	**वणिज**	०१:१०	०६:२२	**०५:५४**	**१८:४७**	३२:११	मिथुन २१:५८	१४:४१	४-०१:०७:२५	**५७:४४**	18	भद्रा ०६:२२-१७:२४, सर्वार्थसिद्धि २६:०६ तक ॥
चर	**११**	**मं**	२४:१०	१५:३५	**आर्द्रा**	४८:०४	२५:०९	**वज्र**	३६:३१	२०:३१	**बालव**	२४:१०	१५:३५	**०५:५५**	**१८:४६**	३२:०८	मिथुन		४-०२:०५:१०	**५७:४५**	19	**अजा एकादशी** ॥ त्रिपुष्कर २५:०९-२९:५५तक ॥
गद	**१२**	**बु**	२०:१४	१४:०१	**पुनर्वसु**	४६:२३	२४:२८	**सिद्धि**	३०:५०	१८:१५	**तैतिल**	२०:१५	१४:०१	**०५:५५**	**१८:४५**	३२:०५	कर्क ३१:४६	१८:३८	४-०३:०२:५६	**५७:४७**	20	**कलियुगारंभ श्राद्ध ॥ गोवत्स द्वादशी/बछवास। प्रदोष व्रत।** शुक्र कर्क २५:१८,
शुभ	**१३**	**गु**	१७:१०	१२:४८	**पुष्य**	४५:३६	२४:१०	**व्यतिपात**	२५:५२	१६:१७	**वणिज**	१७:१०	१२:४८	**०५:५६**	**१८:४४**	३२:०१	कर्क		४-०४:००:४४	**५७:४८**	21	भद्रा १२:४८-२४:१९, युगादि तिथि पिण्ड रहित श्राद्ध अपराह्ण में ॥ सर्वार्थसिद्धि २४:१० तक ॥ बुध आश्लेषा २८:२०
मृत्यु	**१४**	**शु**	१५:०७	११:५९	**आश्लेषा**	४५:५६	२४:१९	**वरियन**	२१:४४	१४:३८	**शकुनि**	१५:०७	११:५९	**०५:५६**	**१८:४३**	३१:५८	सिह ४५:५६	२४:१९	४-०४:५८:३३	**५७:५०**	22	**सा.सूर्य कन्या २६:०३ बजे, शरद आरंभ;** पितृकार्य अमावस्या ॥
पद्म	**३०**	**श**	१४:१६	११:३९	**मघा**	४७:३०	२४:५७	**परिध**	१८:३४	१३:२२	**नाग**	१४:१६	११:३९	**०५:५७**	**१८:४२**	३१:५४	सिह		४-०५:५६:२४	**५७:५१**	23	**अगस्त्योदय। अगस्त्यार्घ्यव्रतारंभ ॥ कुशोत्पटनी अमावस्या ॥ देवकार्य अमावस्या** ॥ शुक्र पुष्य २०:३६,

चन्द्र	०-२६:३२:५२	८५१:३२	भ-४
मंगल	५-११:२७:१८	३७:५७	हस्त-१
बुध	३-११:२०:०६	३६:५२	पुष्य-३
गुरु	२-२०:३६:४५	११:५९	पुन-१
शुक्र	२-२४:१८:२५	७०:५२	पुन-२
शनि	११-०६:४७:२९	-०३:११	उभा-२
राहु	१०-२५:१५:४१	-०३:११	पूभा-२

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	कर्क	सिह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन
१०	०४:०१	०६:२१	०८:३५	१०:४९	१३:०६	१५:२४	१७:२९	१९:१३	२०:४६	२२:१४	२३:५१	०१:४८
११	०३:५७	०६:१७	०८:३२	१०:४५	१३:०३	१५:२०	१७:२५	१९:०९	२०:४३	२२:१०	२३:४७	०१:४४
१२	०३:५४	०६:१३	०८:२८	१०:४१	१२:५९	१५:१६	१७:२१	१९:०५	२०:३९	२२:०६	२३:४४	०१:४०
१३	०३:५०	०६:०९	०८:२४	१०:३७	१२:५५	१५:१२	१७:१७	१९:०१	२०:३५	२२:०२	२३:४०	०१:३६
१४	०३:४६	०६:०५	०८:२०	१०:३३	१२:५१	१५:०८	१७:१३	१८:५७	२०:३१	२१:५९	२३:३६	०१:३२
१५	०३:४२	०६:०१	०८:१६	१०:३०	१२:४७	१५:०४	१७:०९	१८:५३	२०:२७	२१:५५	२३:३२	०१:२८
१६	०३:३८	०५:५७	०८:१२	१०:२६	१२:४३	१५:००	१७:०५	१८:४९	२०:२३	२१:५१	२३:२८	०१:२५
	सिह	**कन्या**	**तुला**	**वृश्चिक**	**धनु**	**मकर**	**कुंभ**	**मीन**	**मेष**	**वृष**	**मिथुन**	**कर्क**
१७	०५:५३	०८:०८	१०:२२	१२:३९	१४:५६	१७:०१	१८:४६	२०:१९	२१:४७	२३:२४	०१:२१	०३:३४
१८	०५:४९	०८:०४	१०:१८	१२:३५	१४:५२	१६:५७	१८:४२	२०:१५	२१:४३	२३:२०	०१:१७	०३:३०
१९	०५:४५	०८:००	१०:१४	१२:३१	१४:४८	१६:५३	१८:३८	२०:११	२१:३९	२३:१६	०१:१३	०३:२६
२०	०५:४१	०७:५६	१०:१०	१२:२७	१४:४५	१६:४९	१८:३४	२०:०७	२१:३५	२३:१२	०१:०९	०३:२२
२१	०५:३७	०७:५२	१०:०६	१२:२३	१४:४१	१६:४५	१८:३०	२०:०३	२१:३१	२३:०८	०१:०५	०३:१८
२२	०५:३३	०७:४८	१०:०२	१२:१९	१४:३७	१६:४२	१८:२६	१९:५९	२१:२७	२३:०४	०१:०१	०३:१४
२३	०५:२९	०७:४४	०९:५८	१२:१५	१४:३३	१६:३८	१८:२२	१९:५५	२१:२३	२३:००	००:५७	०३:१०

❖१४ दिवसीय पक्ष।

♌ **सिह संक्रान्ति** - सूर्य सिह / मघा १६ अगस्त शनिवार २५:५२। वारानुसार **राक्षसी** संज्ञक तथा नक्षत्रानुसार **मिश्र** संक्रान्ति है। राजनेताओं, राज्य/जिलाधीशों, क्षत्रियों के लिए तथा पशुपालन केन्द्र, पशुओं आदि के लिए सुखप्रद है।

विशालाक्षीयात्रा - भाद्रपद कृष्णपक्ष तृतीया रात्रि व्यापिनी में किया जाता है।

कज्जली तीज - यह भादो का व्रतोत्सव है जिसे सातूड़ी तीज भी कहते हैं।

जन्माष्टमी - निशिथ काल २३:५३ - २४:४१ तक।

गोगानवमी - कुम्हारों के द्वारा अश्वारूढ वीर पुरुष की मिट्टी की मूर्ती बना कर पूजन करने के उपरांत मुहल्ले में घुमाते हैं। मूर्ती पर अपूप और श्रावणी का रक्षासूत्र अर्पण करते हैं।

अगस्त्योदय - २३ अगस्त को अगस्त्योदय के साथ नदियों का रजोदर्शन समाप्त होगा। इस दिन से अगस्त्य को अर्घ्य प्रदान करते हैं।

काशपुष्पप्रतीकाश अग्निमारूतसम्भव।
मित्रावरुणयोः पुत्र कुम्भयोने नमोऽस्तु ते ॥

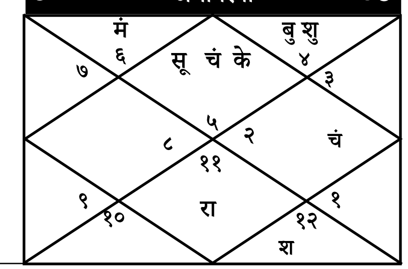
अर्थात् काश-पुष्प के समान उज्ज्वल, अग्नि और वायु से उत्पन्न मित्रावरुण के पुत्र हे कुम्भ योनि अगत्स्यजी, आप को नमस्कार है।

कुशोत्पटनी अमावस्या - पूर्वाह्नकाल में दर्भस्थल पर जाकर पूर्व या उत्तराभिमुख बैठकर निम्न मन्त्रोच्चारण करें फिर दाहिने हाथ से एक बार में **हुँ फट्** कहते हुए कुश उखाड़ें -

विरञ्चिना सहोत्पन्न परमेष्ठिन्निसर्गज।
नुद सर्वाणि पापनि दर्भ स्वस्तिकरो भव ॥

चन्द्र	४-०३:०५:३६	७७५:५८	मघा-१
मंगल	५-१५:५४:२९	३८:२५	हस्त-२
बुध	३-१८:०१:१९	८२:०१	श्लेषा-१
गुरु	२-२१:५९:११	११:२९	पुन-१
शुक्र	३-०२:३६:२३	७१:२६	पुन-४
शनि	११-०६:२३:३८	-०३:४१	उभा-१
राहु	१०-२४:५३:२५	-०३:११	पूभा-२

अमावस्या

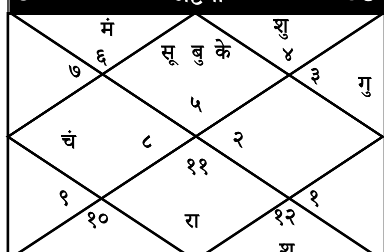


भाद्रपद शुक्ल   सूर्य दक्षिणायन उत्तर गोल   शरद ऋतु   24 अगस्त से 07 सितम्बर 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
छत्र	**१**	**र**	१४:४६	११:५२	**पू.फा.**	५०:२५	२६:०७	**शिव**	१६:२७	१२:३२	**बव**	१४:४६	११:५२	**०५:५७**	**१८:४१**	३१:५१	सिह		४-०६:५४:१६	**५७:५३**	24	चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृङ्गोन्न, दक्षिण शर। २६:०७ से सर्वार्थसिद्धि ॥ त्रिपुष्कर २६:०७-२९:५७ ॥
श्रीवत्स	**२**	**सो**	१६:४१	१२:३८	**उ.फा.**	५४:४१	२७:५०	**सिद्ध**	१५:२७	१२:०८	**कौलव**	१६:४१	१२:३८	**०५:५७**	**१८:४०**	३१:४७	कन्या ०६:२१	०८:३०	४-०७:५२:१०	**५७:५४**	25	२७:५० से रवियोग ॥
सौम्य	**३**	**मं**	१९:५९	१३:५८	**हस्त**	६०:१४	३०:०४	**साध्य**	१५:३१	१२:१०	**गर**	१९:५९	१३:५८	**०५:५८**	**१८:३९**	३१:४४	कन्या		४-०८:५०:०५	**५७:५५**	26	भद्रारंभ २६:४७, मन्वादि श्राद्ध ॥ **हरतालिका तीज व्रत** ॥ **चतुर्थी चन्द्र दर्शन निषेध** ॥ रवियोग ३०:०४तक ॥
आन	**४**	**बु**	२४:३१	१५:४७	**हस्त**	००:१४	०६:०४	**शुभ**	१६:३३	१२:३६	**विष्टि**	२४:३१	१५:४७	**०५:५८**	**१८:३८**	३१:४०	तुला ३३:३२	१९:२३	४-०९:४८:०१	**५७:५७**	27	भद्रा १५:४७तक, रवियोग ०६:०४तक ॥
चर	**५**	**गु**	२९:५८	१७:५८	**चित्रा**	०६:५२	०८:४४	**शुक्ल**	१८:२०	१३:१९	**बालव**	२९:५९	१७:५८	**०५:५९**	**१८:३७**	३१:३७	तुला		४-१०:४५:५९	**५७:५८**	28	**ऋषि पञ्चमी** ॥ ०८:४४ से रवियोग ॥ बुध अस्त,
गद	**६**	**शु**	३५:५६	२०:२२	**स्वाति**	१४:०७	११:३८	**ब्रह्म**	२०:३३	१४:१२	**कौलव**	०२:५४	०७:०९	**०५:५९**	**१८:३६**	३१:३३	तुला		४-११:४३:५८	**५७:५९**	29	रवियोग ११:३८ तक ॥
शुभ	**७**	**श**	४१:५५	२२:४६	**विशाखा**	२१:३१	१४:३६	**ऐन्द्र**	२२:५२	१५:०८	**गर**	०८:५७	०९:३५	**०६:००**	**१८:३५**	३१:२९	वृश्चिक ०४:४२	०७:५२	४-१२:४१:५८	**५८:०१**	30	भद्रारंभ २२:४६, **मुक्ताभरण सप्तमी** व्रत ॥ **संतान सप्तमी** ॥ त्रिपुष्कर ०६:००-१४:३६तक ॥ सूर्य पू.फा. २१:४३, बुध सिह /मघा १६:४१
मृत्यु	**८**	**र**	४७:२०	२४:५६	**अनुराधा**	२८:३१	१७:२४	**वैधृति**	२४:५१	१५:५६	**विष्टि**	१४:४२	११:५३	**०६:००**	**१८:३४**	३१:२६	वृश्चिक		४-१३:४०:००	**५८:०२**	31	भद्रा ११:५३तक, **राधाष्टमी** ॥ **महालक्ष्मी व्रतारंभ** ॥
पद्म	**९**	**सो**	५१:४२	२६:४१	**ज्येष्ठा**	३४:३७	१९:५१	**विषकम्भ**	२६:०९	१६:२८	**बालव**	१९:३७	१३:५१	**०६:००**	**१८:३३**	३१:२२	धनु ३४:३८	१९:५१	४-१४:३८:०३	**५८:०४**	1	**सितम्बर २०२५** ॥ नन्दा नवमी ॥ १९:५१ से रवियोग ॥
छत्र	**१०**	**मं**	५४:३७	२७:५२	**मूल**	३९:२५	२१:४७	**प्रीति**	२६:२५	१६:३५	**तैतिल**	२३:१४	१५:१८	**०६:०१**	**१८:३२**	३१:१८	धनु		४-१५:३६:०७	**५८:०५**	2	**दशावतार व्रत** ॥ रवियोग ॥
श्रीवत्स	**११**	**बु**	५५:४९	२८:२१	**पू.षा.**	४२:३७	२३:०४	**आयुष्मान**	२५:२७	१६:१२	**वणिज**	२५:१६	१६:०८	**०६:०१**	**१८:३१**	३१:१५	मकर ५८:१९	२९:२१	४-१६:३४:१३	**५८:०६**	3	भद्रा १६:०८-२८:२१, **पद्मा एकादशी** ५४:३७घटी वेध ॥ रवियोग २३:०४तक ॥ मंगल चित्रा १७:५१, शुक्र आश्लेषा २३:५१
सौम्य	**१२**	**गु**	५५:१३	२८:०७	**उ.षा.**	४४:०५	२३:४०	**सौभाग्य**	२३:०७	१५:१७	**बव**	२५:३३	१६:१५	**०६:०२**	**१८:३०**	३१:११	मकर		४-१७:३२:२०	**५८:०८**	4	**वामनावतार** ॥
काल	**१३**	**शु**	५२:५३	२७:११	**श्रवण**	४३:५०	२३:३४	**शोभन**	१९:२४	१३:४८	**कौलव**	२४:०६	१५:४०	**०६:०२**	**१८:२९**	३१:०७	मकर		४-१८:३०:२९	**५८:०९**	5	शुक्र प्रदोष व्रत(१८:३१से २२:५५तक) ॥ २३:३४ से रवियोग ॥ सर्वार्थसिद्धि २३:३४ तक ॥
प्रवर्ध	**१४**	**श**	४९:००	२५:३९	**धनिष्ठा**	४२:०३	२२:५२	**अतिगण्ड**	१४:२३	११:४८	**गर**	२१:०१	१४:२७	**०६:०२**	**१८:२८**	३१:०४	कुंभ १३:०८	११:१८	४-१९:२८:३९	**५८:११**	6	पंचक ११:१८ आरंभ, भद्रारंभ २५:३९, **अनन्त चतुर्दशी व्रत** ॥ रवियोग २२:५२तक ॥ द्विपुष्कर ०६:०३-२२:५१तक ॥ बुध पू.फा. १६:४३,
रक्ष	**१५**	**र**	४३:५१	२३:३६	**शतभिषा**	३८:५७	२१:३८	**सुकर्म**	०८:१३	०९:२०	**विष्टि**	१६:३२	१२:४०	**०६:०३**	**१८:२७**	३०:६०	कुंभ		४-२०:२६:५१	**५८:१२**	7	पंचक, भद्रा १२:४०तक, व्रतस्नानदान पूर्णिमा(चन्द्रोदय१८:२०) ॥ चन्द्र ग्रहण ॥ **प्रोष्ठपद श्राद्ध** ॥ त्रिपुष्कर २१:३७-३०:०३तक ॥

चन्द्र	४-०३:०५:३६	७७५:५८	मघा-१
मंगल	५-१५:५४:२९	३८:२५	हस्त-२
बुध	३-१८:०१:१९	८२:०१	श्लेषा-१
गुरु	२-२१:५९:११	११:२९	पुन-१
शुक्र	३-०२:३६:२३	७१:२६	पुन-४
शनि	११-०६:२३:३८	-०३:४१	उभा-१
राहु	१०-२४:५३:२५	-०३:११	पूभा-२

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	सिह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
२४	०५:२६	०७:४०	०९:५४	१२:११	१४:२९	१६:३४	१८:१८	१९:५१	२१:१९	२२:५६	००:५३	०३:०६
२५	०५:२२	०७:३६	०९:५०	१२:०७	१४:२५	१६:३०	१८:१४	१९:४७	२१:१५	२२:५२	००:४९	०३:०२
२६	०५:१८	०७:३३	०९:४६	१२:०४	१४:२१	१६:२६	१८:१०	१९:४४	२१:११	२२:४८	००:४५	०२:५८
२७	०५:१४	०७:२९	०९:४२	१२:००	१४:१७	१६:२२	१८:०६	१९:४०	२१:०७	२२:४५	००:४१	०२:५५
२८	०५:१०	०७:२५	०९:३८	११:५६	१४:१३	१६:१८	१८:०२	१९:३६	२१:०३	२२:४१	००:३७	०२:५१
२९	०५:०६	०७:२१	०९:३४	११:५२	१४:०९	१६:१४	१७:५८	१९:३२	२१:००	२२:३७	००:३३	०२:४७
३०	०५:०२	०७:१७	०९:३१	११:४८	१४:०५	१६:१०	१७:५४	१९:२८	२०:५६	२२:३३	००:२९	०२:४३
३१	०४:५८	०७:१३	०९:२७	११:४४	१४:०१	१६:०६	१७:५०	१९:२४	२०:५२	२२:२९	००:२६	०२:३९
१	०४:५४	०७:०९	०९:२३	११:४०	१३:५७	१६:०२	१७:४७	१९:२०	२०:४८	२२:२५	००:२२	०२:३५
२	०४:५०	०७:०५	०९:१९	११:३६	१३:५३	१५:५८	१७:४३	१९:१६	२०:४४	२२:२१	००:१८	०२:३१
३	०४:४६	०७:०१	०९:१५	११:३२	१३:४९	१५:५४	१७:३९	१९:१२	२०:४०	२२:१७	००:१४	०२:२७
४	०४:४२	०६:५७	०९:११	११:२८	१३:४६	१५:५०	१७:३५	१९:०८	२०:३६	२२:१३	००:१०	०२:२३
५	०४:३८	०६:५३	०९:०७	११:२४	१३:४२	१५:४६	१७:३१	१९:०४	२०:३२	२२:०९	००:०६	०२:१९
६	०४:३४	०६:४९	०९:०३	११:२०	१३:३८	१५:४३	१७:२७	१९:००	२०:२८	२२:०५	००:०२	०२:१५
७	०४:३०	०६:४५	०८:५९	११:१६	१३:३४	१५:३९	१७:२३	१८:५६	२०:२४	२२:०१	२३:५८	०२:११

❖१५ दिवसीय पक्ष। पूर्णिमा+शतभिषा=११% पूर्णिमा+पू.भा.=९% ॥

चन्द्र दर्शन उत्तर श्रृङ्गोन्न फल - पशु पीड़ा हो, गेहूँ आदि अनाज तेज रहें। आवरेज में मन्दी, गुड़, तेल, सोना-चांदी में तेजी तथा रूई में घटा-बढ़ी से मंदी हो।

पूर्ण चन्द्रग्रहण ०७ सितम्बर, रविवार को होगा, जिसमें सूतक का आरंभ दोपहर १२:१७ से होगा। इस ग्रहण के प्रभाव से शहद, घृत, तेल, मक्का, पीले धान्य, सोना, पीतल और अन्य पीली धातुओं में तेजी आएगी। अशुभ फलों का नाश होगा, और प्रजा में सुख-समृद्धि का वातावरण बनेगा। अन्न बेचकर घृत, तेल, गुड़, खांड़ आदि का संग्रह करना लाभकारी होगा। रूई, कपास, गेहूं, अलसी, अफीम और लाल वस्तुओं में भी तेजी की संभावना है। अनाज के संग्रह से पांचवें महीने में लाभ होगा, जबकि चने का संग्रह विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगा। चांदी का भाव मंदा रहने की संभावना है, इसलिए इसे पंद्रह दिन पहले ही बेच देना चाहिए। सरसों, तिल, तेल, एरंडी और मूंगफली में भी तेजी का योग बनता है।

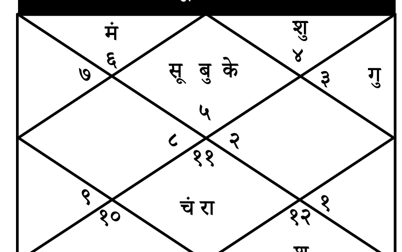
हरतालिका तीज व्रत पति की दीर्घायु के लिए किया जाता है। चतुर्थी तिथि में चन्द्र दर्शन निषेध है। यदि दैववशात् चन्द्र दर्शन हो जाए तो इस दोष शमन के लिए मन्त्र का पाठ करें और स्यमन्तकमणि की कथा सुनें।

सिहः प्रसेनमवधीत्सिहो जाम्बवता हतः।
सुकुमारक मा रोदीस्वत ह्येष स्यमन्कः ॥

महालक्ष्मी व्रतारंभ - यह सोलह दिन का व्रत है जो आश्विन कृष्ण अष्टमी तक होता है।

चन्द्र	१०-१०:४८:५४	८४८:४९	शत-२
मंगल	५-२५:३७:३४	३९:२१	चित्रा-१
बुध	४-१४:२४:३९	११६:१०	पूफा-१
गुरु	२-२४:४२:३३	१०:०९	पुन-२
शुक्र	३-२०:३५:४३	७२:२९	श्लेषा-२
शनि	११-०५:२२:३५	-०४:२५	उभा-१
राहु	१०-२४:०५:४३	-०३:११	पूभा-२

पूर्णिमा

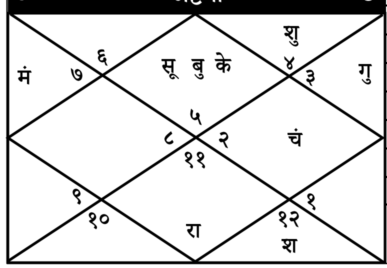


आश्विन कृष्ण | सूर्य दक्षिणायन उत्तर गोल | शरद ऋतु | 08 - 21 सितम्बर 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
मूसल	**१**	**सो**	३७:४५	२१:०९	**पू.भा.**	३४:५१	२०:००	**धृति**	०१:०५	०६:२९	**बालव**	१०:५६	१०:२६	**०६:०३**	**१८:२६**	३०:५६	मीन २०:५८	१४:२६	४-२१:२५:०४	**५८:१४**	8	पंचक, **प्रतिपदा श्राद्ध**
सिद्धि	**२**	**मं**	३१:००	१८:२८	**उ.भा.**	३०:०४	१८:०६	**गण्ड**	४४:४४	२३:५७	**तैतिल**	०४:२९	०७:५१	**०६:०४**	**१८:२५**	३०:५२	मीन		४-२२:२३:२०	**५८:१६**	9	पंचक, भद्रारंभ २९:०४, **द्वितीया श्राद्ध** ॥ सर्वार्थसिद्धि १८:०६ तक ॥
उत्पात	**३**	**बु**	२३:५४	१५:३८	**रेवती**	२४:५६	१६:०३	**वृद्धि**	३६:०७	२०:३१	**विष्टि**	२३:५४	१५:३८	**०६:०४**	**१८:२४**	३०:४९	मेष २४:५७	१६:०३	४-२३:२१:३७	**५८:१८**	10	पंचक १६:०३ समाप्त, भद्रा १५:३८तक, **तृतीया एवं चतुर्थी श्राद्ध** ॥ संकष्ट चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय २०:०५) ॥
मानस	**४**	**गु**	१६:४४	१२:४६	**अश्विनी**	१९:४५	१३:५८	**ध्रुव**	२७:३२	१७:०५	**बालव**	१६:४५	१२:४६	**०६:०४**	**१८:२२**	३०:४५	मेष		४-२४:१९:५५	**५८:२०**	11	**पंचमी श्राद्ध** ॥ सर्वार्थसिद्धि १३:५८ तक ॥
मुद्गर	**५**	**शु**	०९:४७	१०:००	**भरणी**	१४:४७	१२:००	**व्याघात**	१९:०९	१३:४५	**तैतिल**	०९:४७	१०:००	**०६:०५**	**१८:२१**	३०:४१	वृष २८:३८	१७:३२	४-२५:१८:१७	**५८:२२**	12	**षष्ठी श्राद्ध** ॥ १२:०० से रवियोग ॥
केतु	**६** **७**	**श**	०३:१६ ५७:२८	०७:२४ २९:०५	**कृत्तिका**	१०:१८	१०:१३	**हर्षण**	११:११	१०:३३	**वणिज**	०३:१७	०७:२४	**०६:०५**	**१८:२०**	३०:३७	वृष		४-२६:१६:४०	**५८:२५**	13	भद्रा ०७:२४-१८:१४, **सप्तमी श्राद्ध** ॥ रवियोग १०:१३ तक ॥ १०:१३ से सर्वार्थसिद्धि ॥ त्रिपुष्कर ०६:०५-१०:१३तक ॥ सूर्य उ.फा. १५:४०,मंगल तुला २१:२२,बुधउ.फा. १६:०१,
धाता	**८**	**र**	५२:३३	२७:०७	**रोहिणी**	०६:३०	०८:४२	**वज्र**	०३:४५	०७:३६	**बालव**	२५:००	१६:०६	**०६:०६**	**१८:१९**	३०:३४	मिथुन ३५:०१	२०:०६	४-२७:१५:०५	**५८:२७**	14	**अष्टमी श्राद्ध ॥ जीवत्पुत्रिका व्रत ॥ महालक्ष्मी व्रत पूर्ण** ॥ रवियोग ०८:४२ तक ॥ द्विपुष्कर ०८:४२-३०:०६तक ॥ शुक्र सिंह /मघा २४:१६,
आन	**९**	**सो**	४८:३७	२५:३३	**मृगशिरा**	०३:३५	०७:३२	**व्यतिपात**	५१:१३	२६:३५	**तैतिल**	२०:३२	१४:१९	**०६:०६**	**१८:१८**	३०:३०	मिथुन		४-२८:१३:३३	**५८:२९**	15	**नवमी श्राद्ध ॥ मातृ नवमी** ॥ सर्वार्थसिद्धि ०७:३२ तक ॥ बुध कन्या ११:०७,
चर	**१०**	**मं**	४५:४५	२४:२५	**आर्द्रा**	०१:३९	०६:४६	**वरियन**	४६:१३	२४:३६	**वणिज**	१७:०५	१२:५६	**०६:०६**	**१८:१७**	३०:२६	कर्क ४५:६०	२४:३०	४-२९:१२:०३	**५८:३१**	16	भद्रा १२:५६-२४:२५, **दशमी श्राद्ध** ॥ त्रिपुष्कर ०६:४६-३०:०७तक ॥ ♍सूर्य कन्या संक्रान्ति २५:४६,
गद	**११**	**बु**	४३:५८	२३:४२	**पुनर्वसु**	००:४८	०६:२६	**परिघ**	४२:०५	२२:५७	**बव**	१४:४४	१२:००	**०६:०७**	**१८:१६**	३०:२२	कर्क		५-००:१०:३५	**५८:३३**	17	**एकादशी श्राद्ध ॥ इन्दिरा एकादशी ४५:५५ घटी-पल का वेध। विश्वकर्मा पूजा।** कन्या पुण्यकाल १२:१७तक ॥
शुभ	**१२**	**गु**	४३:१९	२३:२७	**पुष्य**	०१:०३	०६:३३	**शिव**	३८:५०	२१:३९	**कौलव**	१३:३०	११:३१	**०६:०७**	**१८:१५**	३०:१८	कर्क		५-०१:०९:०९	**५८:३५**	18	**द्वादशी श्राद्ध ॥** सन्यासी-यति वैष्णवों का श्राद्ध ॥ सर्वार्थसिद्धि ०६:३३ तक ॥
मृत्यु	**१३**	**शु**	४३:४९	२३:३९	**आश्लेषा**	०२:२५	०७:०६	**सिद्ध**	३६:२९	२०:४३	**गर**	१३:२५	११:३०	**०६:०८**	**१८:१४**	३०:१५	सिंह ०२:२६	०७:०६	५-०२:०७:४५	**५८:३७**	19	भद्रारंभ २३:३९, **त्रयोदशी श्राद्ध** ॥
पद्म	**१४**	**श**	४५:२७	२४:१९	**मघा**	०४:५५	०८:०६	**साध्य**	३५:०२	२०:०९	**विष्टि**	१४:३०	११:५६	**०६:०८**	**१८:१२**	३०:११	सिंह		५-०३:०६:२३	**५८:३९**	20	भद्रा ११:५६तक, **चतुर्दशी श्राद्ध ॥** बुध हस्त २४:५३
छत्र	**३०**	**र**	४८:११	२५:२५	**पू.फा.**	०८:३२	०९:३३	**शुभ**	३४:२५	१९:५५	**चतुष्पद**	१६:४२	१२:४९	**०६:०८**	**१८:११**	३०:०७	कन्या २४:३९	१६:००	५-०४:०५:०३	**५८:४१**	21	**रोगहा व्रत** (आदित्य+उ.फा.) ॥ **देवपितृकार्य अमावस्या ॥ सर्व पितृश्राद्ध** ॥ ०९:३३ से सर्वार्थसिद्धि ॥ त्रिपुष्कर ०९:३३-३०:०९तक ॥

चन्द्र	१-२१:४८:३६	८४२:०२	रो-४
मंगल	६-००:१४:२८	३९:४८	चित्रा-३
बुध	४-२७:४५:४३	१११:१२	उफा-१
गुरु	२-२५:५१:२९	०९:२५	पुन-२
शुक्र	३-२९:०४:४४	७२:५८	श्लेषा-४
शनि	११-०४:५१:०१	-०४:३६	उभा-१
राहु	१०-२३:४३:२७	-०३:११	पूभा-२

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
८	०४:२७	०६:४१	०८:५५	११:१२	१३:३०	१५:३५	१७:१९	१८:५२	२०:२०	२१:५७	२३:५४	०२:०७
९	०४:२३	०६:३७	०८:५१	११:०८	१३:२६	१५:३१	१७:१५	१८:४८	२०:१६	२१:५३	२३:५०	०२:०३
१०	०४:१९	०६:३४	०८:४७	११:०५	१३:२२	१५:२७	१७:११	१८:४५	२०:१२	२१:४९	२३:४६	०१:५९
११	०४:१५	०६:३०	०८:४३	११:०१	१३:१८	१५:२३	१७:०७	१८:४१	२०:०८	२१:४६	२३:४२	०१:५६
१२	०४:११	०६:२६	०८:३९	१०:५७	१३:१४	१५:१९	१७:०३	१८:३७	२०:०४	२१:४२	२३:३८	०१:५२
१३	०४:०७	०६:२२	०८:३५	१०:५३	१३:१०	१५:१५	१६:५९	१८:३३	२०:०१	२१:३८	२३:३४	०१:४८
१४	०४:०३	०६:१८	०८:३२	१०:४९	१३:०६	१५:११	१६:५५	१८:२९	१९:५७	२१:३४	२३:३०	०१:४४
१५	०३:५९	०६:१४	०८:२८	१०:४५	१३:०२	१५:०७	१६:५१	१८:२५	१९:५३	२१:३०	२३:२७	०१:४०
१६	०३:५५	०६:१०	०८:२४	१०:४१	१२:५८	१५:०३	१६:४८	१८:२१	१९:४९	२१:२६	२३:२३	०१:३६
	कन्या	**तुला**	**वृश्चिक**	**धनु**	**मकर**	**कुंभ**	**मीन**	**मेष**	**वृष**	**मिथुन**	**कर्क**	**सिंह**
१७	०६:०६	०८:२०	१०:३७	१२:५४	१४:५९	१६:४४	१८:१७	१९:४५	२१:२२	२३:१९	०१:३२	०३:५१
१८	०६:०२	०८:१६	१०:३३	१२:५०	१४:५५	१६:४०	१८:१३	१९:४१	२१:१८	२३:१५	०१:२८	०३:४७
१९	०५:५८	०८:१२	१०:२९	१२:४७	१४:५१	१६:३६	१८:०९	१९:३७	२१:१४	२३:११	०१:२४	०३:४३
२०	०५:५४	०८:०८	१०:२५	१२:४३	१४:४७	१६:३२	१८:०५	१९:३३	२१:१०	२३:०७	०१:२०	०३:३९
२१	०५:५०	०८:०४	१०:२१	१२:३९	१४:४४	१६:२८	१८:०१	१९:२९	२१:०६	२३:०३	०१:१६	०३:३५

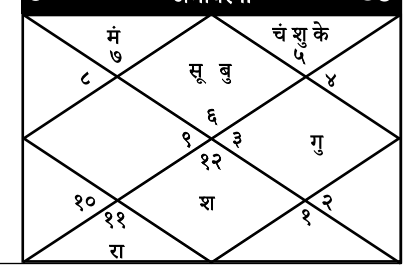
आयुः पुत्रान् यशः स्वर्गं कीर्तिं पुष्टिं बलं श्रियम्। पशून् सौख्यं धनं धान्यं प्राप्नुयात् पितृपूजनात् ॥

❖**१४ दिवसीय पक्ष। ♍ कन्या संक्रान्ति** १६ सितम्बर मंगलवार २५:४६ बजे। वार एवं नक्षत्रानुसार महोदरा संज्ञक संक्रान्ति है. राजनेताओं, राज्य/जिलाधीशों, क्षत्रियों के लिए यह मास सुखप्रद रहेगा। **दुग्ध व्रत** - भविष्यपुराण के अनुसार आश्विन मास में दूध का त्याग करते हैं।

महालक्ष्मी व्रत पूर्ण - भाद्र शुक्ल ८ को आरंभ किया गया सोलह दिनों का व्रत 14 सितम्बर को पूर्ण होगा।

चन्द्र	४-२४:५४:०६	७४४:३४	पूफा-४
मंगल	६-०४:५४:३२	४०:१५	चित्रा-४
बुध	५-१०:२३:०२	१०४:०७	हस्त-१
गुरु	२-२६:५४:५९	०८:३५	पुन-३
शुक्र	४-०७:३६:५७	७३:२३	मघा-३
शनि	११-०४:१८:३२	-०४:४०	उभा-१
राहु	१०-२३:२१:११	-०३:११	पूभा-२

अमावस्या

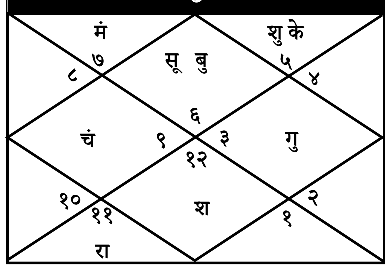


आश्विन शुक्ल सूर्य दक्षिणायन दक्षिण गोल शरद ऋतु 22 सितम्बर से 07 अक्तूबर 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घं.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
श्रीवत्स	**१**	**सो**	५२:००	२६:५७	**उ.फा.**	१३:११	११:२६	**शुक्ल**	३४:३९	२०:००	**किस्तुघ्न**	२०:०१	१४:०९	**०६:०९**	**१८:१०**	३०:०३	कन्या		५-०५:०३:४५	**५८:४३**	22	**मातामह श्राद्ध** ॥ सा.सूर्य तुला २३:४९ बजे, **दक्षिणगोल प्रवेश** ॥ **शारदीय नवरात्र आरंभ** ॥ **घट स्थापना** ॥
सौम्य	**२**	**मं**	५६:४६	२८:५२	**हस्त**	१८:५०	१३:४२	**ब्रह्म**	३५:३७	२०:२४	**बालव**	२४:२०	१५:५३	**०६:०९**	**१८:०९**	२९:५९	तुला ५१:५८	२६:५६	५-०६:०२:२९	**५८:४५**	23	चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृङ्गोन्नत, दक्षिण शर। द्विपुष्कर १३:४२-३०:०९तक ॥ मंगल स्वाति २०:५६,
काल	**३**	**बु**	६२:१९	३१:०६	**चित्रा**	२५:१९	१६:१८	**ऐन्द्र**	३७:१४	२१:०३	**तैतिल**	२९:३२	१७:५८	**०६:१०**	**१८:०८**	२९:५५	तुला		५-०७:०१:१५	**५८:४७**	24	१६:१८ से रवियोग ॥
सुस्थिर	**३**	**गु**	०२:२०	०७:०६	**स्वाति**	३२:२७	१९:०९	**वैधृति**	३९:१९	२१:५४	**गर**	०२:२०	०७:०६	**०६:१०**	**१८:०७**	२९:५२	तुला		५-०८:००:०३	**५८:४९**	25	भद्रारंभ २०:१९, रवियोग १९:०९ तक ॥ शुक्र पू.फा. २२:११,
मातंग	**४**	**शु**	०८:२६	०९:३३	**विशाखा**	३९:५५	२२:०९	**विषकम्भ**	४१:३८	२२:५०	**विष्टि**	०८:२६	०९:३३	**०६:११**	**१८:०६**	२९:४८	वृश्चिक २३:०२	१५:२३	५-०८:५८:५२	**५८:५१**	26	भद्रा ०९:३३तक, **उपाङ्ग ललिता व्रत** ॥ २२:०९ से रवियोग ॥ २२:०९ से सर्वार्थसिद्धि ॥
अमृत	**५**	**श**	१४:३९	१२:०३	**अनुराधा**	४७:२०	२५:०७	**प्रीति**	४३:५४	२३:४५	**बालव**	१४:४०	१२:०३	**०६:११**	**१८:०५**	२९:४४	वृश्चिक		५-०९:५७:४४	**५८:५२**	27	रवियोग २५:०७ तक ॥ सूर्य हस्त ०७:०६
काण	**६**	**र**	२०:३४	१४:२५	**ज्येष्ठा**	५४:१६	२७:५४	**आयुष्मान**	४५:४७	२४:३०	**तैतिल**	२०:३४	१४:२५	**०६:११**	**१८:०३**	२९:४०	धनु ५४:१६	२७:५४	५-१०:५६:३७	**५८:५४**	28	रवियोग २७:५४ तक ॥ २७:५४ से सर्वार्थसिद्धि ॥ बुध चित्रा २३:०६, बुध उदित
लुम्ब	**७**	**सो**	२५:४१	१६:२८	**मूल**	६०:१४	३०:१८	**सौभाग्य**	४६:५५	२४:५८	**वणिज**	२५:४१	१६:२८	**०६:१२**	**१८:०२**	२९:३६	धनु		५-११:५५:३३	**५८:५६**	29	भद्रा १६:२८-२९:२३
छत्र	**८**	**मं**	२९:३३	१८:०२	**मूल**	००:१०	०६:१७	**शोभन**	४६:५९	२५:००	**बव**	२९:३३	१८:०२	**०६:१२**	**१८:०१**	२९:३२	धनु		५-१२:५४:२९	**५८:५८**	30	**महाअष्टमी** व्रत ॥
श्रीवत्स	**९**	**बु**	३१:४७	१८:५६	**पू.षा.**	०४:३८	०८:०४	**अतिगण्ड**	४५:४४	२४:३०	**बालव**	०१:०३	०६:३८	**०६:१३**	**१८:००**	२९:२९	मकर २०:२४	१४:२२	५-१३:५३:२८	**५८:५९**	1	**अक्टूबर २०२५** ॥ मन्वादि पूर्वाह्न श्राद्ध पिण्ड रहित ॥ **महानवमी** व्रत ॥ ०८:०४ से रवियोग ॥
सौम्य	**१०**	**गु**	३२:०९	१९:०५	**उ.षा.**	०७:२१	०९:१०	**सुकर्म**	४२:५७	२३:२४	**तैतिल**	०२:२३	०७:१०	**०६:१३**	**१७:५९**	२९:२५	मकर		५-१४:५२:२९	**५९:०१**	2	**भगवतंश बुद्धावतार** ॥ **शमी/अपराजिता पूजन** ॥ **दुर्गा विसर्जन** ॥ **विजया दशमी** ॥ रवियोग ॥ बुध तुला २७:४३
काल	**११**	**शु**	३०:३३	१८:२७	**श्रवण**	०८:१२	०९:३१	**धृति**	३८:३७	२१:४१	**वणिज**	०१:४७	०६:५७	**०६:१४**	**१७:५८**	२९:२१	कुंभ ३७:५१	२१:२२	५-१५:५१:३१	**५९:०३**	3	पंचक २१:२२ आरंभ, भद्रा ०६:५७-१८:२७, **पापाङ्कुशा एकादशी** ॥ रवियोग / सर्वार्थसिद्धि ०९:३१तक ॥ शनि पू.भा. २३:४७
प्रवर्ध	**१२**	**श**	२७:०३	१७:०३	**धनिष्ठा**	०७:०९	०९:०६	**शूल**	३२:४७	१९:२१	**बालव**	२७:०३	१७:०३	**०६:१४**	**१७:५७**	२९:१७	कुंभ		५-१६:५०:३५	**५९:०५**	4	पंचक, **शनि प्रदोष** (प्रदोष काल २०:४३तक) ॥ द्विपुष्कर ०६:१४-०९:०६तक ॥
रक्ष	**१३**	**र**	२१:५०	१४:५९	**शतभिषा**	०४:२१	०७:५९	**गण्ड**	२५:३६	१६:२९	**तैतिल**	२१:५१	१४:५९	**०६:१५**	**१७:५६**	२९:१३	मीन ४६:०९	२४:४२	५-१७:४९:४०	**५९:०६**	5	पंचक, ०७:५९ से रवियोग। त्रिपुष्कर ०७:५९-३०:१५तक ॥
मूसल	**१४**	**सो**	१५:१३	१२:२०	**पू.भा.** **उ.भा.**	००:०० ५४:२४	०६:१५ २८:०१	**वृद्धि**	१७:१७	१३:१०	**वणिज**	१५:१३	१२:२०	**०६:१५**	**१७:५५**	२९:१०	मीन		५-१८:४८:४८	**५९:०८**	6	पंचक, भद्रा १२:२०-२२:५०, **व्रत पूर्णिमा** (चन्द्रोदय १७:२४) ॥ **कोजागर व्रत**। **शरद पूर्णिमा**। रवियोग ०६:१५तक ॥ शुक्र उ.फा. १८:०६
शुभ	**१५**	**मं**	०७:३०	०९:१६	**रेवती**	४७:५७	२५:२७	**ध्रुव**	०८:०६	०९:३०	**बव**	०७:३१	०९:१६	**०६:१५**	**१७:५४**	२९:०६	मेष ४७:५८	२५:२७	५-१९:४७:५७	**५९:१०**	7	पंचक २५:२७ समाप्त, स्नानदान पूर्णिमा ॥ **महर्षि वाल्मीकि जयन्ती** ॥ बुध स्वाति १२:१८

चन्द्र	८-१३:१७:४४	७४२:३७	मूल-४
मंगल	६-१०:५९:१३	४०:४९	स्वा-२
बुध	५-२५:२५:२०	९५:४०	चित्रा-१
गुरु	२-२८:०७:३५	०७:२४	पुन-३
शुक्र	४-१८:३९:३१	७३:५१	पूफा-२
शनि	११-०३:३६:५१	-०४:३३	उभा-१
राहु	१०-२२:५२:३३	-०३:११	पूभा-१

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
२२	०५:४६	०८:००	१०:१७	१२:३५	१४:४०	१६:२४	१७:५७	१९:२५	२१:०२	२२:५९	०१:१२	०३:३१
२३	०५:४२	०७:५६	१०:१३	१२:३१	१४:३६	१६:२०	१७:५३	१९:२१	२०:५८	२२:५५	०१:०८	०३:२८
२४	०५:३८	०७:५२	१०:०९	१२:२७	१४:३२	१६:१६	१७:४९	१९:१७	२०:५४	२२:५१	०१:०४	०३:२४
२५	०५:३५	०७:४८	१०:०६	१२:२३	१४:२८	१६:१२	१७:४६	१९:१३	२०:५०	२२:४७	०१:००	०३:२०
२६	०५:३१	०७:४४	१०:०२	१२:१९	१४:२४	१६:०८	१७:४२	१९:०९	२०:४७	२२:४३	००:५७	०३:१६
२७	०५:२७	०७:४०	०९:५८	१२:१५	१४:२०	१६:०४	१७:३८	१९:०५	२०:४३	२२:३९	००:५३	०३:१२
२८	०५:२३	०७:३६	०९:५४	१२:११	१४:१६	१६:००	१७:३४	१९:०२	२०:३९	२२:३५	००:४९	०३:०८
२९	०५:१९	०७:३३	०९:५०	१२:०७	१४:१२	१५:५६	१७:३०	१८:५८	२०:३५	२२:३१	००:४५	०३:०४
३०	०५:१५	०७:२९	०९:४६	१२:०३	१४:०८	१५:५२	१७:२६	१८:५४	२०:३१	२२:२८	००:४१	०३:००
१	०५:११	०७:२५	०९:४२	११:५९	१४:०४	१५:४९	१७:२२	१८:५०	२०:२७	२२:२४	००:३७	०२:५६
२	०५:०७	०७:२१	०९:३८	११:५५	१४:००	१५:४५	१७:१८	१८:४६	२०:२३	२२:२०	००:३३	०२:५२
३	०५:०३	०७:१७	०९:३४	११:५१	१३:५६	१५:४१	१७:१४	१८:४२	२०:१९	२२:१६	००:२९	०२:४८
४	०४:५९	०७:१३	०९:३०	११:४८	१३:५२	१५:३७	१७:१०	१८:३८	२०:१५	२२:१२	००:२५	०२:४४
५	०४:५५	०७:०९	०९:२६	११:४४	१३:४८	१५:३३	१७:०६	१८:३४	२०:११	२२:०८	००:२१	०२:४०
६	०४:५१	०७:०५	०९:२२	११:४०	१३:४५	१५:२९	१७:०२	१८:३०	२०:०७	२२:०४	००:१७	०२:३६
७	०४:४७	०७:०१	०९:१८	११:३६	१३:४१	१५:२५	१६:५८	१८:२६	२०:०३	२२:००	००:१३	०२:३२

❖१६ दिवसीय पक्ष।

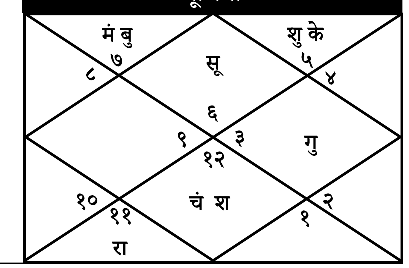
पूर्णिमा+उ.भा.=८७.५%

पूर्णिमा+रेवती=१२.५% ॥

चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृङ्गोन्नत फल - चौपाये के व्यापारियों को हानि भय हो। रूई, कपास, मूंग तेज। गेहूँ आदि मंदे रहें। प्रायः अन्न तथा अन्य वायदा व्यापारिक वस्तुओं में तेजी के रुख रहे। रूई पहले मन्दी, बाद में तेजी, सोना, चांदी में घटाबढ़ी के बाद तेजी हो। गुड़, सरसों, मूंगफली में भी तेजी हो।

चन्द्र	११-१८:०३:०५	८९६:५०	रे-१
मंगल	६-१५:४६:२०	४१:१५	स्वा-३
बुध	६-०६:१७:२३	८९:५२	चित्रा-४
गुरु	२-२८:५६:१५	०६:२२	पुन-३
शुक्र	४-२७:१७:३३	७४:१०	उफा-१
शनि	११-०३:०५:३५	-०४:२०	पूभा-४
राहु	१०-२२:३०:१७	-०३:११	पूभा-१

पूर्णिमा

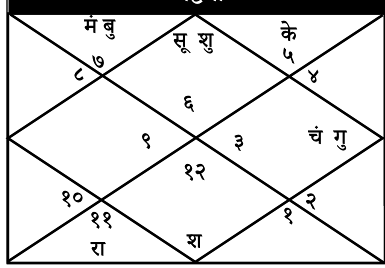


कार्तिक कृष्ण	सूर्य दक्षिणायन दक्षिण गोल	शरद ऋतु	08 - 21अक्टूबर 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
मृत्यु	**२**	**बु**	५०:१६	२६:२३	**अश्विनी**	४१:११	२२:४४	**हर्षण**	४८:११	२५:३२	**तैतिल**	२४:४०	१६:०८	**०६:१६**	**१७:५३**	२९:०२	मेष		५-२०:४७:०९	**५९:१३**	8	
पद्म	**३**	**गु**	४१:३८	२२:५६	**भरणी**	३४:२८	२०:०४	**वज्र**	३८:१२	२१:३३	**वणिज**	१५:५६	१२:३९	**०६:१६**	**१७:५२**	२८:५८	वृष४७:४९	२५:२४	५-२१:४६:२३	**५९:१५**	9	भद्रा १२:३९-२२:५६, शुक्र कन्या १०:४९,
छत्र	**४**	**शु**	३३:३२	१९:४२	**कृत्तिका**	२८:१२	१७:३४	**सिद्धि**	२८:३७	१७:४४	**बव**	०७:२८	०९:१६	**०६:१७**	**१७:५१**	२८:५४	वृष		५-२२:४५:३९	**५९:१७**	10	संकष्ट चतुर्थी व्रत ॥ **करक चतुर्थी व्रत** (चन्द्रोदय २०:१६), **दशरथ पूजा** ॥ सूर्य चित्रा २०:११
श्रीवत्स	**५**	**श**	२६:१६	१६:४८	**रोहिणी**	२२:४५	१५:२४	**व्यतिपात**	१९:४२	१४:१०	**तैतिल**	२६:१६	१६:४८	**०६:१७**	**१७:५०**	२८:५१	मिथुन५०:२१	२६:२६	५-२३:४४:५७	**५९:२०**	11	सर्वार्थसिद्धि १५:२४ तक ॥ द्विपुष्कर १५:२४-३०:१७तक ॥
सौम्य	**६**	**र**	२०:०९	१४:२२	**मृगशिरा**	१८:२६	१३:४१	**वरियन**	११:४०	१०:५८	**वणिज**	२०:१०	१४:२२	**०६:१८**	**१७:४९**	२८:४७	मिथुन		५-२४:४४:१८	**५९:२२**	12	भद्रा १४:२२-२५:१९, १३:४१ से रवियोग ॥ द्विपुष्कर ०६:१८-१३:४१तक ॥
काल	**७**	**सो**	१५:२६	१२:२९	**आर्द्रा**	१५:३०	१२:३१	**परिध**	०४:४३	०८:१२	**बव**	१५:२६	१२:२९	**०६:१८**	**१७:४८**	२८:४३	कर्क५९:०९	२९:५८	५-२५:४३:४१	**५९:२४**	13	**अहोई अष्टमी** (चन्द्रोदय २३:२३) ॥ रवियोग १२:३१ तक ॥ मंगल विशाखा ०९:१७,
सुस्थिर	**८**	**मं**	१२:१६	११:१३	**पुनर्वसु**	१४:०७	११:५८	**सिद्ध**	५४:४१	२८:११	**कौलव**	१२:१६	११:१३	**०६:१९**	**१७:४७**	२८:३९	कर्क		५-२६:४३:०६	**५९:२६**	14	**राधाष्टमी** (उदया) ॥ त्रिपुष्कर ०६:१९-११:५८तक ॥
मातंग	**९**	**बु**	१०:४३	१०:३७	**पुष्य**	१४:१८	१२:०३	**साध्य**	५१:३६	२६:५८	**गर**	१०:४४	१०:३७	**०६:१९**	**१७:४६**	२८:३६	कर्क		५-२७:४२:३४	**५९:२९**	15	भद्रारंभ २२:३४
अमृत	**१०**	**गु**	१०:४५	१०:३८	**आश्लेषा**	१६:०२	१२:४५	**शुभ**	४९:३९	२६:१२	**विष्टि**	१०:४६	१०:३८	**०६:२०**	**१७:४५**	२८:३२	सिंह१६:०२	१२:४५	५-२८:४२:०४	**५९:३१**	16	भद्रा १०:३८तक, बुध विशाखा १९:०५,
काण	**११**	**शु**	१२:१५	११:१५	**मघा**	१९:०८	१४:००	**शुक्ल**	४८:४३	२५:५०	**बालव**	१२:१५	११:१५	**०६:२१**	**१७:४४**	२८:२८	सिंह		५-२९:४१:३६	**५९:३३**	17	**रमा एकादशी** ॥ **गोवत्सर द्वादशी** ॥ ♎सूर्य तुला संक्रान्ति १३:४५, शुक्र हस्त १२:१९,
लुम्ब	**१२**	**श**	१५:००	१२:२१	**पू.फा.**	२३:२६	१५:४४	**ब्रह्म**	४८:३९	२५:४९	**तैतिल**	१५:०१	१२:२१	**०६:२१**	**१७:४३**	२८:२४	कन्या३९:४१	२२:१३	६-००:४१:१०	**५९:३५**	18	**शनि प्रदोष** ॥ **यमदीपदान** ॥ **धन त्रयोदशी, धनवन्तरी जयन्ती** ॥ त्रिपुष्कर १५:४४-३०:२१तक ॥, गुरु कर्क १९:५२,
मित्र	**१३**	**र**	१८:५०	१३:५४	**उ.फा.**	२८:४४	१७:५१	**ऐन्द्र**	४९:१८	२६:०५	**वणिज**	१८:५०	१३:५४	**०६:२२**	**१७:४२**	२८:२१	कन्या		६-०१:४०:४७	**५९:३७**	19	भद्रा १३:५४-२६:४७, **हनुमज्जन्मोत्सव** (निशाकाल २३:५३ से २४:४१तक) । सर्वार्थसिद्धि ॥ त्रिपुष्कर ०६:२२-१७:५१तक ॥
वज्र	**१४**	**सो**	२३:३१	१५:४७	**हस्त**	३४:४९	२०:१८	**वैधृति**	५०:३२	२६:३५	**शकुनि**	२३:३१	१५:४७	**०६:२२**	**१७:४१**	२८:१७	कन्या		६-०२:४०:२५	**५९:४०**	20	**नरक चौदस, रूप चतुर्दशी, अरुणोदय अभ्यङ्ग स्नान, प्रदोष काल में यम एवं भीष्म तर्पण ॥** राष्ट्रीय एकता दिवस
ध्वांक्ष	**३०**	**मं**	२८:५३	१७:५६	**चित्रा**	४१:३१	२२:५९	**विषकम्भ**	५२:१३	२७:१६	**नाग**	२८:५३	१७:५६	**०६:२३**	**१७:४०**	२८:१३	तुला०८:०४	०९:३६	६-०३:४०:०६	**५९:४२**	21	देवपितृकार्य भौमवती अमावस्या, **अरुणोदय अभ्यङ्ग स्नान, कौमुदी महोत्सव, दीपावली, लक्ष्मीपूजन** ॥ द्विपुष्कर ०६:२३-२२:५९तक ॥

चन्द्र	३-००:११:०९	८०२:३५	पुन-४
मंगल	६-२०:३६:२९	४१:४१	वि-१
बुध	६-१६:२९:१७	८४:०१	स्वा-३
गुरु	२-२९:३७:२८	०५:१५	पुन-३
शुक्र	५-०५:५७:४९	७४:२८	उफा-३
शनि	११-०२:३६:१३	-०३:६०	पूभा-४
राहु	१०-२२:०८:०१	-०३:११	पूभा-१

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
८	०४:४३	०६:५७	०९:१४	११:३२	१३:३७	१५:२१	१६:५४	१८:२२	१९:५९	२१:५६	००:०९	०२:२९
९	०४:३९	०६:५३	०९:१०	११:२८	१३:३३	१५:१७	१६:५०	१८:१८	१९:५५	२१:५२	००:०५	०२:२५
१०	०४:३६	०६:४९	०९:०७	११:२४	१३:२९	१५:१३	१६:४७	१८:१४	१९:५१	२१:४८	००:०१	०२:२१
११	०४:३२	०६:४५	०९:०३	११:२०	१३:२५	१५:०९	१६:४३	१८:१०	१९:४८	२१:४४	२३:५८	०२:१७
१२	०४:२८	०६:४१	०८:५९	११:१६	१३:२१	१५:०५	१६:३९	१८:०६	१९:४४	२१:४०	२३:५४	०२:१३
१३	०४:२४	०६:३७	०८:५५	११:१२	१३:१७	१५:०१	१६:३५	१८:०३	१९:४०	२१:३६	२३:५०	०२:०९
१४	०४:२०	०६:३४	०८:५१	११:०८	१३:१३	१४:५७	१६:३१	१७:५९	१९:३६	२१:३२	२३:४६	०२:०५
१५	०४:१६	०६:३०	०८:४७	११:०४	१३:०९	१४:५३	१६:२७	१७:५५	१९:३२	२१:२९	२३:४२	०२:०१
१६	०४:१२	०६:२६	०८:४३	११:००	१३:०५	१४:५०	१६:२३	१७:५१	१९:२८	२१:२५	२३:३८	०१:५७
	तुला	**वृश्चिक**	**धनु**	**मकर**	**कुंभ**	**मीन**	**मेष**	**वृष**	**मिथुन**	**कर्क**	**सिंह**	**कन्या**
१७	०६:२२	०८:३९	१०:५६	१३:०१	१४:४६	१६:१९	१७:४७	१९:२४	२१:२१	२३:३४	०१:५३	०४:०८
१८	०६:१८	०८:३५	१०:५२	१२:५७	१४:४२	१६:१५	१७:४३	१९:२०	२१:१७	२३:३०	०१:४९	०४:०४
१९	०६:१४	०८:३१	१०:४९	१२:५३	१४:३८	१६:११	१७:३९	१९:१६	२१:१३	२३:२६	०१:४५	०४:००
२०	०६:१०	०८:२७	१०:४५	१२:४९	१४:३४	१६:०७	१७:३५	१९:१२	२१:०९	२३:२२	०१:४१	०३:५६
२१	०६:०६	०८:२३	१०:४१	१२:४६	१४:३०	१६:०३	१७:३१	१९:०८	२१:०५	२३:१८	०१:३७	०३:५२

मासानां कार्तिकः श्रेष्ठो देवानां मधुसूदनः। तीर्थं नारायणाख्यं हि त्रितयं दुर्लभं कलौ ॥

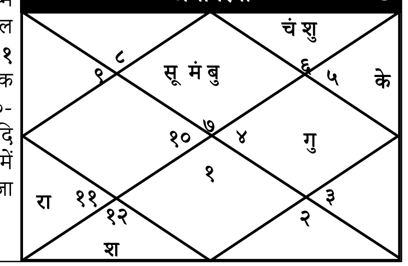
❖**१४ दिवसीय पक्ष। ♎ सूर्य तुला संक्रान्ति** १७ अक्तूबर शुक्रवार १३:४५ बजे। वारानुसार **मिश्र** संज्ञक और नक्षत्रानुसार घोरा संज्ञक संक्रान्ति है। पशुपालन केन्द्र, पशुओं आदि के लिए तथा सेवकों के लिए यह मास सुखप्रद होगा।

गुरु कर्क संक्रान्ति फल - १२ नवम्बर तक गुरु मार्गी रहेंगे, इस दौरान जलजन्तु व जलोत्पन्न वस्तु में मन्दी हो। ➊ २० अक्तूबर (रविवार रात्रि चतुर्थयाम) को चन्द्रोदय प्रातः ०५:०७ बजे है। अरुणोदय काल ०४:४६ बजे आरंभ हो रहा है। चन्द्रोदय के बाद ही अभ्यङ्ग स्नान करना है। **द्विदल व्रत** - कार्तिक मास में द्विदल (दाल) का त्याग करते हैं।

दीपावली पर्व संग्रह - (क) **१८ अक्तूबर** - मध्याह्न में धनवन्तरी पूजा सायंकाल के समय पूरी रात जलने वाले एक दीपक को तेल से भरकर प्रज्वलित करें और गन्धादि से पूजन करके अपने मकान के द्वार देश में अन्न की ढेर पर रखें। प्रदोषकाल(१७:४३-२०:०७) यमदीप दान, रात्रि में कुबेर पूजन। (ख) **१९ अक्तूबर** - गोत्रिरात्रि पूजन आरंभ। महानिशाकाल (२३:५३-२४:४१) में श्री हनुमान जन्मोत्सव। तिल-तेल से भरे हुए प्रज्वलित और सुपूजित चौदह दीपक लेकर मंदिर, मठ, परकोटा, बाग, बगीचे, बावली, गली, कूचे, नजरनिवास, सूने स्थानों में दीप स्थापन करें। पूर्वाभिमुख हो कर चार बत्तियों वाला दीपक पितरों के निमित्त दान करें एवं प्रज्वलित उल्का दान करें। चतुर्दशी युता महानिशा काल में भगवती चण्डी, दुर्गा की साधना, आराधना, मंत्र-तंत्र सिद्धि साधना शुभ है। (ग) **२० अक्तूबर** - प्रदोषकाल(१७:४३-२०:०७) यमदीप दान। सायंकाल में दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके जल, तिल और कुश लेकर यम तर्पण और भीष्म तर्पण करें। प्रातः काल सूर्योदय से पूर्व अरुणोदय काल (०४:४६-०५:१०) में अभ्यङ्ग स्नान। (घ) **२१ अक्तूबर** - भौमवार को सूर्यास्त के बाद १६ मिनट तक अमावस्या रहेगी। इस दिन प्रदोष काल (१७:४०-२०:०४) में लक्ष्मी पूजन, दीप प्रज्वलन, उत्सवादि मनाया जाए। महानिशा काल (२३:५३-२४:४१) में भगवती त्रिपुरा सुन्दरी, काली, महालक्ष्मी साधना पूजा इत्यादि करें। गोत्रि रात्रि समाप्त।

चन्द्र	५-२८:२३:२८	७१७:२८	चित्रा-२
मंगल	६-२५:२९:४५	४२:०८	वि-२
बुध	६-२५:५६:२३	७६:२८	वि-२
गुरु	३-००:१०:३५	०४:०२	पुन-४
शुक्र	५-१४:४०:०५	७४:४३	हस्त-२
शनि	११-०२:०९:२८	-०३:३४	पूभा-४
राहु	१०-२१:४५:४५	-०३:११	पूभा-१

अमावस्या

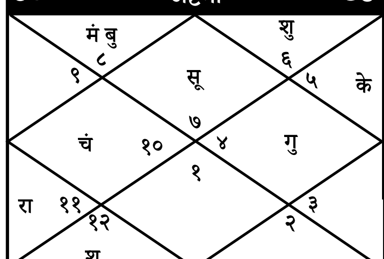


कार्तिक शुक्ल | सूर्य दक्षिणायन दक्षिण गोल | शरद/हेमन्त ऋतु | 22 अक्तूबर - 01 नवम्बर 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
धूम्र	**१**	**बु**	३४:४५	२०:१७	**स्वाति**	४८:४०	२५:५२	**प्रीति**	५४:१५	२८:०५	**किस्तुघ्न**	०१:४३	०७:०५	**०६:२३**	**१७:३९**	२८:१०	तुला		६-०४:३९:४९	**५९:४४**	22	**अरुणोदय अभ्यङ्ग स्नान ॥ अन्नकूट, गोवर्धन पूजा, मार्गपाली ॥**
प्रवर्ध	**२**	**गु**	४०:५७	२२:४७	**विशाखा**	५६:०७	२८:५१	**आयुष्मान**	५६:२८	२८:५९	**बालव**	०७:४८	०९:३१	**०६:२४**	**१७:३८**	२८:०६	वृश्चिक ३९:१५	२२:०६	६-०५:३९:३४	**५९:४६**	23	चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृङ्गोन्नत, दक्षिण शर। सा.सूर्य वृश्चिक ०९:२० बजे, **हेमन्त आरंभ; यमद्वितीया, भाई दूज** ॥ २८:५१ से रवियोग/सर्वार्थसिद्धि ॥
रक्ष	**३**	**शु**	४७:१७	२५:१९	**अनुराधा**	६३:३७	३१:५१	**सौभाग्य**	५८:४४	२९:५४	**तैतिल**	१४:०६	१२:०३	**०६:२४**	**१७:३७**	२८:०२	वृश्चिक		६-०६:३९:२१	**५९:४७**	24	रवियोग/सर्वार्थसिद्धियोग ३१:५१ तक ॥ सूर्य स्वाति ०६:४०, बुध वृश्चिक १२:३६,
अमृत	**४**	**श**	५३:२७	२७:४८	**अनुराधा**	०३:३४	०७:५१	**शोभन**	६०:५०	३०:४५	**वणिज**	२०:२२	१४:३४	**०६:२५**	**१७:३७**	२७:५९	वृश्चिक		६-०७:३९:१०	**५९:४९**	25	भद्रा १४:३४-२७:४८, ०७:५१ से रवियोग ॥
काण	**५**	**र**	५९:०८	३०:०५	**ज्येष्ठा**	१०:४८	१०:४५	**शोभन**	००:४८	०६:४५	**बव**	२६:१८	१६:५७	**०६:२६**	**१७:३६**	२७:५५	धनु १०:४९	१०:४५	६-०८:३९:०१	**५९:५१**	26	रवियोग १०:४५ तक ॥ १०:४५ से सर्वार्थसिद्धि ॥
लुम्ब	**६**	**सो**	६३:५७	३२:०१	**मूल**	१७:२६	१३:२५	**अतिगण्ड**	०२:२८	०७:२५	**कौलव**	३१:३२	१९:०३	**०६:२६**	**१७:३५**	२७:५२	धनु		६-०९:३८:५३	**५९:५३**	27	१३:२५ से रवियोग ॥ मंगल वृश्चिक १५:४२, बुध अनुराधा ०९:३१, शुक्र चित्रा २९:११
मित्र	**६**	**मं**	०३:४८	०७:५८	**पू.षा.**	२३:०५	१५:४१	**सुकर्म**	०३:२५	०७:४९	**तैतिल**	०३:४९	०७:५८	**०६:२७**	**१७:३४**	२७:४८	मकर ३९:२१	२२:११	६-१०:३८:४७	**५९:५४**	28	रवियोग १५:४१ तक ॥ त्रिपुष्कर १५:४०-३०:२७तक ॥
वज्र	**७**	**बु**	०७:१२	०९:२०	**उ.षा.**	२७:२३	१७:२५	**धृति**	०३:२४	०७:४९	**वणिज**	०७:१३	०९:२०	**०६:२७**	**१७:३३**	२७:४५	मकर		६-११:३८:४३	**५९:५६**	29	भद्रा ०९:२०-२१:४६, **डाला छठ ॥ शाक सप्तमी ॥**
ध्वांक्ष	**८**	**गु**	०८:५६	१०:०३	**श्रवण**	२९:५९	१८:२८	**शूल**	०२:०७	०७:१९	**बव**	०८:५७	१०:०३	**०६:२८**	**१७:३३**	२७:४१	मकर		६-१२:३८:४१	**५९:५८**	30	**गोपाष्टमी, धात्री (आँवला) नवमी, अक्षय नवमी, कूष्माण्ड नवमी** ॥ १८:२८ से रवियोग ॥
धाता	**९**	**शु**	०८:४७	१०:००	**धनिष्ठा**	३०:३९	१८:४५	**वृद्धि**	५५:०४	२८:३०	**कौलव**	०८:४७	१०:००	**०६:२९**	**१७:३२**	२७:३८	कुंभ ००:४५	०६:४७	६-१३:३८:४०	**५९:५९**	31	पंचक ०६:४७ आरंभ, युगादि तिथि पिण्ड रहित श्राद्ध पूर्वाह्न ॥ रवियोग ॥
आन	**१०**	**श**	०६:३७	०९:०८	**शतभिषा**	२९:२१	१८:१४	**ध्रुव**	४९:०२	२६:०६	**गर**	०६:३७	०९:०८	**०६:२९**	**१७:३१**	२७:३४	कुंभ		६-१४:३८:४१	**६०:०१**	1	**नवम्बर २०२५** ॥ पंचक, भद्रारंभ २०:२१, रवियोग १८:१४ तक ॥ त्रिपुष्कर १८:१३-३०:२९तक ॥ मंगल अनुराधा ०८:१७
चर	**११** **१२**	**र**	०२:२८ ५६:३२	०७:३० २९:०७	**पू.भा.**	२६:०८	१६:५७	**व्याघात**	४१:२९	२३:०६	**विष्टि**	०२:२९	०७:३०	**०६:३०**	**१७:३०**	२७:३१	मीन १२:१०	११:२२	६-१५:३८:४३	**६०:०२**	2	पंचक, भद्रा ०७:३०तक, मन्वादि पूर्वाह्न श्राद्ध पिण्ड रहित ॥ **प्रबोधिनी एकादशी ॥ तुलसी विवाह** ॥ **भीष्म पञ्चकारंभ**। १६:५७ से सर्वार्थसिद्धि ॥ त्रिपुष्कर ०६:३०-१६:५६तक ॥ शुक्र तुला १३:१५,
गद	**१३**	**सो**	४८:५१	२६:०३	**उ.भा.**	२१:१४	१५:०१	**हर्षण**	३२:३९	१९:३४	**कौलव**	२२:४२	१५:३६	**०६:३१**	**१७:३०**	२७:२८	मीन		६-१६:३८:४७	**६०:०४**	3	पंचक, सोम प्रदोष (२०:२७ तक) ॥ १५:०१ से रवियोग ॥
शुभ	**१४**	**मं**	४०:०५	२२:३३	**रेवती**	१४:५९	१२:३१	**वज्र**	२२:४९	१५:३९	**गर**	१४:३४	१२:२१	**०६:३१**	**१७:२९**	२७:२४	मेष १४:६०	१२:३१	६-१७:३८:५२	**६०:०६**	4	पंचक १२:३१ समाप्त, भद्रारंभ २२:३३, **वैकुण्ठ चतुर्दशी** ॥ रवियोग १२:३१ तक ॥
मृत्यु	**१५**	**बु**	३०:३८	१८:४७	**अश्विनी**	०७:४७	०९:३९	**सिद्धि**	१२:१७	११:२७	**विष्टि**	०५:२८	०८:४३	**०६:३२**	**१७:२९**	२७:२१	मेष		६-१८:३९:००	**६०:०८**	5	भद्रा ०८:४३तक, व्रतपर्वस्नानदानादि पूर्णिमा(चन्द्रोदय १७:१२) ॥ मन्वादि पूर्वाह्न श्राद्ध पिण्ड रहित ॥ **कार्तिक पूर्णिमा ॥ श्री गुरुनानक जयन्ती ॥ भीष्म पञ्चक व्रत पूर्ण।**

चन्द्र	९-१६:५१:४६	७७६:४९	श्र-३
मंगल	७-०१:५१:२१	४२:४१	वि-४
बुध	७-०६:२१:४९	५७:५९	अनु-१
गुरु	३-००:४०:१८	०२:२३	पुन-४
शुक्र	५-२५:५३:५२	७४:५८	चित्रा-१
शनि	११-०१:४०:१०	-०२:५१	पूभा-४
राहु	१०-२१:१७:०७	-०३:११	पूभा-१

अष्टमी



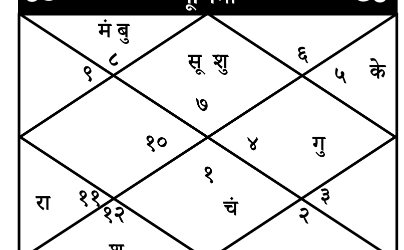
दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या
२२	०६:०२	०८:१९	१०:३७	१२:४२	१४:२६	१५:५९	१७:२७	१९:०४	२१:०१	२३:१४	०१:३३	०३:४८
२३	०५:५८	०८:१५	१०:३३	१२:३८	१४:२२	१५:५५	१७:२३	१९:००	२०:५७	२३:१०	०१:३०	०३:४४
२४	०५:५४	०८:११	१०:२९	१२:३४	१४:१८	१५:५१	१७:१९	१८:५६	२०:५३	२३:०६	०१:२६	०३:४०
२५	०५:५०	०८:०८	१०:२५	१२:३०	१४:१४	१५:४८	१७:१५	१८:५२	२०:४९	२३:०२	०१:२२	०३:३७
२६	०५:४६	०८:०४	१०:२१	१२:२६	१४:१०	१५:४४	१७:११	१८:४९	२०:४५	२२:५९	०१:१८	०३:३३
२७	०५:४२	०८:००	१०:१७	१२:२२	१४:०६	१५:४०	१७:०७	१८:४५	२०:४१	२२:५५	०१:१४	०३:२९
२८	०५:३८	०७:५६	१०:१३	१२:१८	१४:०२	१५:३६	१७:०४	१८:४१	२०:३७	२२:५१	०१:१०	०३:२५
२९	०५:३५	०७:५२	१०:०९	१२:१४	१३:५८	१५:३२	१७:००	१८:३७	२०:३३	२२:४७	०१:०६	०३:२१
३०	०५:३१	०७:४८	१०:०५	१२:१०	१३:५४	१५:२८	१६:५६	१८:३३	२०:३०	२२:४३	०१:०२	०३:१७
३१	०५:२७	०७:४४	१०:०१	१२:०६	१३:५१	१५:२४	१६:५२	१८:२९	२०:२६	२२:३९	००:५८	०३:१३
१	०५:२३	०७:४०	०९:५७	१२:०२	१३:४७	१५:२०	१६:४८	१८:२५	२०:२२	२२:३५	००:५४	०३:०९
२	०५:१९	०७:३६	०९:५३	११:५८	१३:४३	१५:१६	१६:४४	१८:२१	२०:१८	२२:३१	००:५०	०३:०५
३	०५:१५	०७:३२	०९:५०	११:५४	१३:३९	१५:१२	१६:४०	१८:१७	२०:१४	२२:२७	००:४६	०३:०१
४	०५:११	०७:२८	०९:४६	११:५०	१३:३५	१५:०८	१६:३६	१८:१३	२०:१०	२२:२३	००:४२	०२:५७
५	०५:०७	०७:२४	०९:४२	११:४७	१३:३१	१५:०४	१६:३२	१८:०९	२०:०६	२२:१९	००:३८	०२:५३

❖**१५ दिवसीय पक्ष।** पूर्णिमा + अश्विनी = ५४.९% पूर्णिमा + भरणी=४५.१%॥ **चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृङ्गोन्नत फल** - बर्तन, सोना, चांदी, रूई, सूत में तेजी हो। गेहूँ, बाजरा, मूंग, ज्वार, उड़द, गुड़, खांड़, सरसों, अलसी तेज हों। रूई, सूत तथा सूती, रेशमी, ऊनी वस्त्र सरसों, तेल, घृत, तेज हो। सोना, चांदी, खांड़, गुड़ में कुछ रियायत। **२२ अक्तूबर** - अरुणोदय काल (प्रातः ०४:४७-०५:११) में अभ्यङ्ग स्नान। अन्नकूट गोवर्धन पूजा, बली पूजा मध्याह्न १०:०० से ०२:०० तक शुभ।

चन्द्र	०-११:२०:४९	९१८:०६	अश्वि-४
मंगल	७-०६:०८:२५	४३:०२	अनु-१
बुध	७-११:११:०३	३१:३७	अनु-३
गुरु	३-००:५१:३८	०१:१३	पुन-४
शुक्र	६-०३:२४:०८	७५:०५	चित्रा-४
शनि	११-०१:२४:२१	-०२:१९	पूभा-४
राहु	१०-२०:५८:०२	-०३:११	पूभा-१

पूर्णिमा

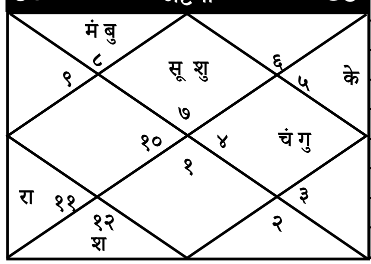


मार्गशीर्ष कृष्ण | सूर्य दक्षिणायन दक्षिण गोल | हेमन्त ऋतु | 06 - 20 नवम्बर 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
पद्म	१	गु	२०:५७	१४:५६	भरणी कृत्तिका	००:०२ ५२:१७	०६:३४ २७:२८	व्यतिपात	०१:१९	०७:०४	कौलव	२०:५७	१४:५६	०६:३३	१७:२८	२७:१८	वृष १३:०६	११:४७	६-१९:३९:०९	६०:१०	6	सूर्य विशाखा १४:५२,
मित्र	२	शु	११:२५	११:०८	रोहिणी	४५:०४	२४:३५	परिध	३९:५०	२२:२९	गर	११:२५	११:०८	०६:३३	१७:२७	२७:१५	वृष		६-२०:३९:२०	६०:११	7	भद्रारंभ २१:१९, शुक्र स्वाति २१:०७,
वज्र	३ ४	श	०२:२८ ५४:४०	०७:३४ २८:२६	मृगशिरा	३८:५०	२२:०६	शिव	३०:०४	१८:३६	विष्टि	०२:२९	०७:३४	०६:३४	१७:२७	२७:१२	मिथुन ११:४८	११:१७	६-२१:३९:३३	६०:१३	8	भद्रा ०७:३४तक, **संकष्ट चतुर्थी व्रत** (चन्द्रोदय २०:०२) ॥ द्विपुष्कर ०६:३४-२२:०७तक ॥
ध्वांक्ष	५	र	४८:२८	२५:५८	आर्द्रा	३३:५७	२०:१०	सिद्ध	२१:२०	१५:०७	कौलव	२१:३२	१५:११	०६:३५	१७:२६	२७:०८	मिथुन		६-२२:३९:४८	६०:१५	9	त्रिपुष्कर २०:११-३०:३५तक ॥
धूम्र	६	सो	४४:०३	२४:१३	पुनर्वसु	३०:४६	१८:५४	साध्य	१३:५४	१२:०९	गर	१६:०५	१३:०२	०६:३६	१७:२६	२७:०५	कर्क १६:२१	१३:०८	६-२३:४०:०६	६०:१७	10	भद्रारंभ २४:१३, १८:५४ से रवियोग/ सर्वार्थसिद्धि ॥
प्रवर्ध	७	मं	४१:३४	२३:१४	पुष्य	२९:२८	१८:२४	शुभ	०७:५८	०९:४७	विष्टि	१२:३३	११:३७	०६:३६	१७:२५	२७:०२	कर्क		६-२४:४०:२५	६०:१९	11	भद्रा ११:३७तक, रवियोग १८:२४ तक ॥ १८:२४ से सर्वार्थसिद्धि ॥
रक्ष	८	बु	४१:०५	२३:०३	आश्लेषा	३०:०८	१८:४०	शुक्ल	०३:३७	०८:०४	बालव	११:०२	११:०२	०६:३७	१७:२५	२६:५९	सिह ३०:०९	१८:४०	६-२५:४०:४६	६०:२१	12	**कालभैरवाष्टमी**
मूसल	९	गु	४२:२९	२३:३८	मघा	३२:४१	१९:४२	ब्रह्म	००:५२	०६:५८	तैतिल	११:३२	११:१४	०६:३८	१७:२४	२६:५६	सिह		६-२६:४१:०९	६०:२३	13	सर्वार्थसिद्धि २६:११ तक ॥ द्विपुष्कर २६:११-३०:४०तक ॥, बुध अस्त,
सिद्धि	१०	शु	४५:३४	२४:५२	पू.फा.	३६:५२	२१:२३	वैधृति	५९:२५	३०:२५	वणिज	१३:५०	१२:१०	०६:३८	१७:२४	२६:५३	कन्या ५३:०४	२७:५२	६-२७:४१:३४	६०:२५	14	भद्रा १२:१०-२४:५२
उत्पात	११	श	४९:५८	२६:३८	उ.फा.	४२:२१	२३:३६	विषकम्भ	६०:१५	३०:४५	बव	१७:३९	१३:४३	०६:३९	१७:२३	२६:५०	कन्या		६-२८:४२:००	६०:२७	15	**उत्पन्ना एकादशी ४५:३४घटी का वेध** ॥ त्रिपुष्कर ०६:३९-२३:३६तक ॥
मानस	१२	र	५५:१९	२८:४८	हस्त	४८:४८	२६:११	विषकम्भ	००:१६	०६:४६	कौलव	२२:३५	१५:४२	०६:४०	१७:२३	२६:४८	कन्या		६-२९:४२:२९	६०:२९	16	♏ **सूर्य संक्रान्ति** पुण्य काल ०७:१३ से १३:३७तक, सूर्य वृश्चिक १३:३७,
मुद्गर	१३	सो	६१:१७	३१:१२	चित्रा	५५:५१	२९:०१	प्रीति	०१:४५	०७:२२	गर	२८:१७	१८:००	०६:४१	१७:२३	२६:४५	तुला २२:१७	१५:३६	७-००:४३:००	६०:३०	17	**सोम प्रदोष** (२०:१७ तक) ॥
केतु	१३	मं	०१:१७	०७:१२	स्वाति	६३:१३	३१:५९	आयुष्मान	०३:३८	०८:०९	वणिज	०१:१७	०७:१२	०६:४१	१७:२२	२६:४२	तुला		७-०१:४३:३२	६०:३२	18	भद्रा ०७:१२-२०:२८, शुक्र विशाखा १२:१८,
धूम्र	१४	बु	०७:३३	०९:४४	स्वाति	०३:११	०७:५९	सौभाग्य	०५:४४	०९:००	शकुनि	०७:३४	०९:४४	०६:४२	१७:२२	२६:४०	वृश्चिक ५३:४९	२८:१४	७-०२:४४:०६	६०:३४	19	**पितृकार्य अमावस्या** ॥ सूर्य अनुराधा २०:५६, मंगल ज्येष्ठा १९:२९,
प्रवर्ध	३०	गु	१३:५४	१२:१६	विशाखा	१०:३८	१०:५८	शोभन	०७:५३	०९:५२	नाग	१३:५४	१२:१६	०६:४३	१७:२२	२६:३७	वृश्चिक		७-०३:४४:४२	६०:३५	20	**देवकार्य अमावस्या** ॥ १०:५८ से सर्वार्थसिद्धि ॥ बुध विशाखा २८:१६,

चन्द्र	३-२३:२८:३४	७७९:११	श्लेषा-३
मंगल	७-११:११:०३	४३:२७	अनु-३
बुध	७-१२:१४:५०	-२५:५३	अनु-३
गुरु	३-००:५५:६०	-००:१०	पुन-४
शुक्र	६-१२:१०:२८	७५:१४	स्वा-२
शनि	११-०१:१०:०८	-०१:३९	पूभा-४
राहु	१०-२०:३५:४७	-०३:११	पूभा-१

अष्टमी



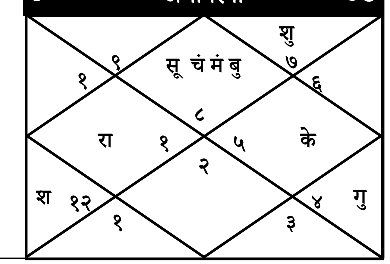
दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या
६	०५:०३	०७:२०	०९:३८	११:४३	१३:२७	१५:००	१६:२८	१८:०५	२०:०२	२२:१५	००:३४	०२:४९
७	०४:५९	०७:१६	०९:३४	११:३९	१३:२३	१४:५६	१६:२४	१८:०१	१९:५८	२२:११	००:३१	०२:४५
८	०४:५५	०७:१२	०९:३०	११:३५	१३:१९	१४:५२	१६:२०	१७:५७	१९:५४	२२:०७	००:२७	०२:४१
९	०४:५१	०७:०९	०९:२६	११:३१	१३:१५	१४:४९	१६:१६	१७:५३	१९:५०	२२:०३	००:२३	०२:३८
१०	०४:४७	०७:०५	०९:२२	११:२७	१३:११	१४:४५	१६:१२	१७:५०	१९:४६	२२:००	००:१९	०२:३४
११	०४:४३	०७:०१	०९:१८	११:२३	१३:०७	१४:४१	१६:०८	१७:४६	१९:४२	२१:५६	००:१५	०२:३०
१२	०४:३९	०६:५७	०९:१४	११:१९	१३:०३	१४:३७	१६:०५	१७:४२	१९:३८	२१:५२	००:११	०२:२६
१३	०४:३६	०६:५३	०९:१०	११:१५	१२:५९	१४:३३	१६:०१	१७:३८	१९:३४	२१:४८	००:०७	०२:२२
१४	०४:३२	०६:४९	०९:०६	११:११	१२:५५	१४:२९	१५:५७	१७:३४	१९:३१	२१:४४	००:०३	०२:१८
१५	०४:२८	०६:४५	०९:०२	११:०७	१२:५२	१४:२५	१५:५३	१७:३०	१९:२७	२१:४०	२३:५९	०२:१४
१६	०४:२४	०६:४१	०८:५८	११:०३	१२:४८	१४:२१	१५:४९	१७:२६	१९:२३	२१:३६	२३:५५	०२:१०
	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या	तुला
१७	०६:३७	०८:५४	१०:५९	१२:४४	१४:१७	१५:४५	१७:२२	१९:१९	२१:३२	२३:५१	०२:०६	०४:२०
१८	०६:३३	०८:५१	१०:५५	१२:४०	१४:१३	१५:४१	१७:१८	१९:१५	२१:२८	२३:४७	०२:०२	०४:१६
१९	०६:२९	०८:४७	१०:५१	१२:३६	१४:०९	१५:३७	१७:१४	१९:११	२१:२४	२३:४३	०१:५८	०४:१२
२०	०६:२५	०८:४३	१०:४८	१२:३२	१४:०५	१५:३३	१७:१०	१९:०७	२१:२०	२३:३९	०१:५४	०४:०८

❖**१५ दिवसीय पक्ष।** ♏ **सूर्य वृश्चिक संक्रान्ति** १६ नवम्बर रविवार १३:३७ बजे। वारानुसार **घोरा** संज्ञक तथा नक्षत्रानुसार **ध्वांक्षी** संज्ञक संक्रान्ति है। सेवकों के लिए तथा व्यापारियों के लिए यह मास सुखप्रद होगा। गुरु वक्री १२ नवम्बर से ०५ दिसम्बर तक कर्क में वक्री फल—रस आदि सब वस्तु घृत, तेल, शक्कर, कपास, रूई में तेजी से अच्छा लाभ हो। धान्य तेज रहे।

चन्द्र	७-०१:१३:४८	७११:५७	वि-४
मंगल	७-१७:००:३१	४३:५६	ज्ये-१
बुध	७-०४:३३:०३	-८१:२१	अनु-१
गुरु	३-००:४८:५८	-०१:४६	पुन-४
शुक्र	६-२२:१३:०७	७५:२२	वि-१
शनि	११-००:५९:४९	-००:४९	पूभा-४
राहु	१०-२०:१०:१९	-०३:११	पूभा-१

अमावस्या

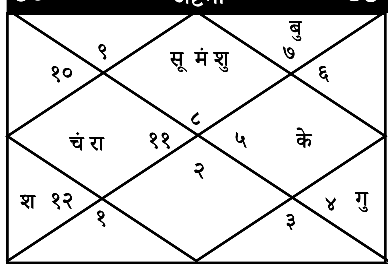


मार्गशीर्ष शुक्ल | सूर्य दक्षिणायन दक्षिण गोल | हेमन्त ऋतु | 21 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
रक्ष	**१**	**शु**	२०:०७	१४:४७	**अनुराधा**	१७:५८	१३:५५	**अतिगण्ड**	०९:५७	१०:४२	**बव**	२०:०७	१४:४७	**०६:४४**	**१७:२१**	२६:३४	वृश्चिक		७-०४:४५:१९	**६०:३७**	21	सर्वार्थसिद्धियोग १३:५५ तक ॥
मूसल	**२**	**श**	२६:०४	१७:१०	**ज्येष्ठा**	२५:०२	१६:४५	**सुकर्म**	११:५०	११:२८	**कौलव**	२६:०५	१७:१०	**०६:४४**	**१७:२१**	२६:३२	धनु २५:०३	१६:४५	७-०५:४५:५७	**६०:३८**	22	चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृङ्गोन्नत, दक्षिण शर। सा.सूर्य धनु ०७:०५ बजे,
सिद्धि	**३**	**र**	३१:३५	१९:२३	**मूल**	३१:४२	१९:२६	**धृति**	१३:२५	१२:०७	**गर**	३१:३५	१९:२३	**०६:४५**	**१७:२१**	२६:३०	धनु		७-०६:४६:३७	**६०:४०**	23	१९:२६ से रवियोग ॥ सर्वार्थसिद्धि १९:२६ तक ॥ मंगल अस्त, बुध तुला २०:२८, राहु शतभिषा १२:४१,
उत्पात	**४**	**सो**	३६:२५	२१:२०	**पू.षा.**	३७:४३	२१:५१	**शूल**	१४:३२	१२:३५	**वणिज**	०४:०८	०८:२५	**०६:४६**	**१७:२१**	२६:२७	मकर ५४:११	२८:२६	७-०७:४७:१९	**६०:४१**	24	भद्रा ०८:२५-२१:२०, रवियोग २१:५१ तक ॥
मानस	**५**	**मं**	४०:१९	२२:५४	**उ.षा.**	४२:५१	२३:५५	**गण्ड**	१५:०१	१२:४७	**बव**	०८:३१	१०:११	**०६:४७**	**१७:२१**	२६:२५	मकर		७-०८:४८:०१	**६०:४२**	25	**श्रीराम विवाहोत्सव** ॥ २३:५५ से रवियोग ॥ त्रिपुष्कर ०६:४६-२३:५४तक ॥
मुद्गर	**६**	**बु**	४२:५९	२३:५९	**श्रवण**	४६:४७	२५:३०	**वृद्धि**	१४:३९	१२:३९	**कौलव**	११:४८	११:३१	**०६:४७**	**१७:२०**	२६:२३	मकर		७-०९:४८:४५	**६०:४३**	26	रवियोग २५:३० तक ॥ बुध उदित ॥ शुक्र वृश्चिक ११:२१,
श्रीवत्स	**७**	**गु**	४४:०६	२४:२७	**धनिष्ठा**	४९:१३	२६:३०	**ध्रुव**	१३:१३	१२:०५	**गर**	१३:४२	१२:१७	**०६:४८**	**१७:२०**	२६:२१	कुंभ १८:०६	१४:०३	७-१०:४९:३०	**६०:४४**	27	पंचक १४:०३ आरंभ, भद्रारंभ २४:२७
सौम्य	**८**	**शु**	४३:२६	२४:११	**शतभिषा**	४९:५५	२६:४७	**व्याघात**	१०:३१	११:०१	**विष्टि**	१३:५७	१२:२३	**०६:४९**	**१७:२०**	२६:१८	कुंभ		७-११:५०:१५	**६०:४५**	28	पंचक, भद्रा १२:२३तक, २६:४७ से रवियोग ॥ शुक्र अनुराधा २७:००,
काल	**९**	**श**	४०:५१	२३:१०	**पू.भा.**	४८:४४	२६:१९	**हर्षण**	०६:२५	०९:२३	**बालव**	१२:२१	११:४६	**०६:५०**	**१७:२०**	२६:१६	मीन ३४:०५	२०:२८	७-१२:५१:०२	**६०:४६**	29	पंचक, रवियोग ॥ त्रिपुष्कर ०६:४९-२६:१७तक ॥
सुस्थिर	**१०**	**र**	३६:२२	२१:२३	**उ.भा.**	४५:४१	२५:०७	**वज्र**	००:५०	०७:१०	**तैतिल**	०८:५३	१०:२३	**०६:५०**	**१७:२०**	२६:१५	मीन		७-१३:५१:५०	**६०:४७**	30	पंचक, रवियोग २५:०७/सर्वार्थसिद्धियोग २५:०७ तक ॥
मातंग	**११**	**सो**	३०:१०	१८:५५	**रेवती**	४०:५६	२३:१४	**व्यतिपात**	४५:११	२४:५५	**वणिज**	०३:३६	०८:१८	**०६:५१**	**१७:२०**	२६:१३	मेष ४०:५७	२३:१४	७-१४:५२:३८	**६०:४८**	1	**दिसम्बर २०२५** ॥ पंचक २३:१४ समाप्त, भद्रा ०८:१८-१८:५५, **मोक्षदा एकादशी** ॥ **गीता जयन्ती** ॥ १८:५५ से अमृत ॥
अमृत	**१२**	**मं**	२२:३२	१५:५३	**अश्विनी**	३४:४९	२०:४७	**वरियन**	३५:३१	२१:०४	**बालव**	२२:३२	१५:५३	**०६:५२**	**१७:२०**	२६:११	मेष		७-१५:५३:२८	**६०:४९**	2	२०:४७से रवियोग ॥ सर्वार्थसिद्धि २०:४७तक ॥, सूर्य ज्येष्ठा २५:१४,
काण	**१३**	**बु**	१३:४७	१२:२४	**भरणी**	२७:४१	१७:५७	**परिध**	२५:०५	१६:५५	**तैतिल**	१३:४८	१२:२४	**०६:५३**	**१७:२०**	२६:०९	वृष ४०:४९	२३:१२	७-१६:५४:१८	**६०:५०**	3	१७:५७ से रवियोग/ सर्वार्थसिद्धि ॥
लुम्ब	**१४**	**गु**	०४:२०	०८:३७	**कृत्तिका**	२०:००	१४:५४	**शिव**	१४:११	१२:३३	**वणिज**	०४:२०	०८:३७	**०६:५३**	**१७:२०**	२६:०८	वृष		७-१७:५५:१०	**६०:५१**	4	भद्रा ०८:३७-१८:४०, **व्रतदानादि पूर्णिमा** (चन्द्रोदय १६:३८) ॥ **श्रीदत्तात्रेय जयन्ती ।** रवियोग १४:५४ तक ॥

चन्द्र	१०-०९:००:०४	७९३:०७	शत-१
मंगल	७-२२:५३:४२	४४:२२	ज्ये-२
बुध	६-२६:४५:०८	-१३:४३	वि-३
गुरु	३-००:२९:१४	-०३:१९	पुन-४
शुक्र	७-०२:१६:३४	७५:२५	वि-४
शनि	११-००:५६:१७	००:०२	पूभा-४
राहु	१०-१९:४४:५३	-०३:११	शत-४

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला
२१	०६:२१	०८:३९	१०:४४	१२:२८	१४:०१	१५:२९	१७:०६	१९:०३	२१:१६	२३:३५	०१:५०	०४:०४
२२	०६:१७	०८:३५	१०:४०	१२:२४	१३:५७	१५:२५	१७:०२	१८:५९	२१:१२	२३:३२	०१:४६	०४:००
२३	०६:१३	०८:३१	१०:३६	१२:२०	१३:५३	१५:२१	१६:५८	१८:५५	२१:०८	२३:२८	०१:४२	०३:५६
२४	०६:१०	०८:२७	१०:३२	१२:१६	१३:५०	१५:१७	१६:५४	१८:५१	२१:०४	२३:२४	०१:३९	०३:५२
२५	०६:०६	०८:२३	१०:२८	१२:१२	१३:४६	१५:१३	१६:५१	१८:४७	२१:०१	२३:२०	०१:३५	०३:४८
२६	०६:०२	०८:१९	१०:२४	१२:०८	१३:४२	१५:०९	१६:४७	१८:४३	२०:५७	२३:१६	०१:३१	०३:४४
२७	०५:५८	०८:१५	१०:२०	१२:०४	१३:३८	१५:०६	१६:४३	१८:३९	२०:५३	२३:१२	०१:२७	०३:४०
२८	०५:५४	०८:११	१०:१६	१२:००	१३:३४	१५:०२	१६:३९	१८:३५	२०:४९	२३:०८	०१:२३	०३:३७
२९	०५:५०	०८:०७	१०:१२	११:५६	१३:३०	१४:५८	१६:३५	१८:३२	२०:४५	२३:०४	०१:१९	०३:३३
३०	०५:४६	०८:०३	१०:०८	११:५३	१३:२६	१४:५४	१६:३१	१८:२८	२०:४१	२३:००	०१:१५	०३:२९
१	०५:४२	०७:५९	१०:०४	११:४९	१३:२२	१४:५०	१६:२७	१८:२४	२०:३७	२२:५६	०१:११	०३:२५
२	०५:३८	०७:५५	१०:००	११:४५	१३:१८	१४:४६	१६:२३	१८:२०	२०:३३	२२:५२	०१:०७	०३:२१
३	०५:३४	०७:५२	०९:५६	११:४१	१३:१४	१४:४२	१६:१९	१८:१६	२०:२९	२२:४८	०१:०३	०३:१७
४	०५:३०	०७:४८	०९:५२	११:३७	१३:१०	१४:३८	१६:१५	१८:१२	२०:२५	२२:४४	००:५९	०३:१३

❖१४ दिवसीय पक्ष।

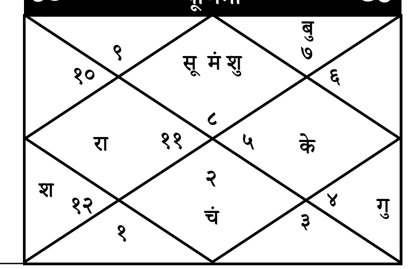
पूर्णिमा+कृत्तिका=६८.७%

पूर्णिमा+रोहिणी=३१.३%

चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृङ्गोन्नत फल - गणितागत चन्द्रदर्शन २१नवम्बर को आता है। प्रतिपदा की अवधि को देखते हुए गणितीय निर्णय संशयात्मक प्रतीत हो रहा है। इसलिए २२ को चन्द्र दर्शन निर्णय दिया है।

चन्द्र	१-०४:५३:००	९२०:२५	कृ-३
मंगल	७-२७:२०:४८	४४:४१	ज्ये-४
बुध	६-२७:५८:५७	४१:४८	वि-३
गुरु	३-००:०६:२६	-०४:२५	पुन-४
शुक्र	७-०९:४९:२३	७५:२७	अनु-२
शनि	११-००:५८:०८	००:४१	पूभा-४
राहु	१०-१९:२५:४८	-०३:११	शत-४

पूर्णिमा

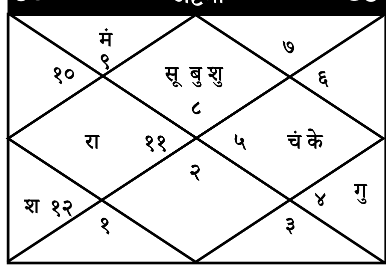


पौष कृष्ण सूर्य दक्षिणायन दक्षिण गोल हेमन्त ऋतु 05 - 20 दिसम्बर 2025

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
मित्र	१	शु	४५:०८	२४:५७	रोहिणी	१२:१३	११:४७	सिद्ध	०३:०६	०८:०८	बालव	१९:५१	१४:५०	०६:५४	१७:२०	२६:०६	मिथुन ३८:२८	२२:१७	७-१८:५६:०२	६०:५२	5	गुरु मिथुन १७:२६,
वज्र	२	श	३६:२७	२१:३०	मृगशिरा आर्द्रा	०४:४८ ५८:१४	०८:५० ३०:१२	शुभ	४२:१४	२३:४८	तैतिल	१०:४०	११:११	०६:५५	१७:२०	२६:०५	मिथुन		७-१९:५६:५६	६०:५३	6	द्विपुष्कर ०६:५५-०८:५०तक ॥ बुध वृश्चिक २०:२८,
केतु	३	र	२८:५९	१८:३१	पुनर्वसु	५३:१२	२८:१२	शुक्ल	३३:११	२०:१२	वणिज	०२:२४	०७:५३	०६:५५	१७:२१	२६:०३	कर्क ३९:२९	२२:४३	७-२०:५७:५१	६०:५४	7	भद्रा ०७:५३-१८:३१, संकष्ट चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय १९:५८) ॥ २८:१२ से सर्वार्थसिद्धि ॥ त्रिपुष्कर ०६:५५-२८:१४तक ॥ मंगल धनु / मूल २०:१६,
धाता	४	सो	२३:०५	१६:१०	पुष्य	४९:५६	२६:५५	ब्रह्म	२५:२७	१७:०७	बालव	२३:०५	१६:१०	०६:५६	१७:२१	२६:०२	कर्क		७-२१:५८:४६	६०:५५	8	सर्वार्थसिद्धि २६:५५ तक ॥
आन	५	मं	१९:०७	१४:३६	आश्लेषा	४८:४१	२६:२५	ऐन्द्र	१९:१४	१४:३८	तैतिल	१९:०७	१४:३६	०६:५७	१७:२१	२६:०१	सिह ४८:४१	२६:२५	७-२२:५९:४३	६०:५६	9	२६:२५ से रवियोग ॥ सर्वार्थसिद्धि २६:२५ तक ॥ बुध अनुराधा २६:२८, शुक्र ज्येष्ठा १७:२८
चर	६	बु	१७:१८	१३:५३	मघा	४९:३२	२६:४६	वैधृति	१४:४२	१२:५०	वणिज	१७:१८	१३:५३	०६:५७	१७:२१	२५:६०	सिह		७-२४:००:४२	६०:५८	10	भद्रा १३:५३-२५:४९, रवियोग २६:४६ तक ॥
गद	७	गु	१७:४०	१४:०२	पू.फा.	५२:२५	२७:५६	विषकम्भ	११:५३	११:४३	बव	१७:४१	१४:०२	०६:५८	१७:२१	२५:५९	सिह		७-२५:०१:४१	६०:५९	11	
शुभ	८	शु	२०:०६	१५:०१	उ.फा.	५७:०७	२९:५०	प्रीति	१०:३९	११:१४	कौलव	२०:०६	१५:०१	०६:५९	१७:२२	२५:५८	कन्या ०८:३०	१०:२३	७-२६:०२:४१	६०:६०	12	
मृत्यु	९	श	२४:१४	१६:४१	हस्त	६३:१३	३२:१७	आयुष्मान	१०:४६	११:१८	गर	२४:१५	१६:४१	०६:५९	१७:२२	२५:५७	कन्या		७-२७:०३:४२	६१:०१	13	भद्रारंभ २९:४१,
मानस	१०	र	२९:३९	१८:५२	हस्त	०३:१७	०८:१९	सौभाग्य	११:५५	११:४६	विष्टि	२९:३९	१८:५२	०७:००	१७:२२	२५:५६	तुला ३६:४७	२१:४३	७-२८:०४:४५	६१:०२	14	भद्रा १८:५२तक, सर्वार्थसिद्धि ०८:१९ तक ॥ द्विपुष्कर ०८:१९-३१:००तक ॥
मुद्गर	११	सो	३५:५०	२१:२१	चित्रा	१०:२०	११:०९	शोभन	१३:४४	१२:३०	बव	०२:३८	०८:०४	०७:०१	१७:२३	२५:५५	तुला		७-२९:०५:४८	६१:०३	15	**सफला एकादशी** ॥ ♐ **सूर्य धनु संक्रान्ति / मूल** २८:१९,
केतु	१२	मं	४२:२०	२३:५७	स्वाति	१७:४९	१४:०९	अतिगण्ड	१५:५३	१३:२२	कौलव	०९:०३	१०:३८	०७:०१	१७:२३	२५:५५	तुला		८-००:०६:५३	६१:०४	16	सूर्य धनु संक्रान्ति पुण्यकाल पूर्वार्द्ध में, त्रिपुष्कर १४:०९-३१:०१।
धाता	१३	बु	४८:४६	२६:३२	विशाखा	२५:२१	१७:१०	सुकर्म	१८:०४	१४:१५	गर	१५:३३	१३:१५	०७:०२	१७:२३	२५:५४	वृश्चिक ०८:२९	१०:२५	८-०१:०७:५८	६१:०५	17	भद्रारंभ २६:३२, १७:१० से सर्वार्थसिद्धि ॥
आन	१४	गु	५४:५१	२८:५९	अनुराधा	३२:३७	२०:०५	धृति	२०:०५	१५:०४	विष्टि	२१:४९	१५:४६	०७:०२	१७:२४	२५:५४	वृश्चिक		८-०२:०९:०४	६१:०६	18	भद्रा १५:४६तक, सर्वार्थसिद्धि २०:०५ तक ॥
चर	३०	शु	६०:२५	३१:१३	ज्येष्ठा	३९:२६	२२:५०	शूल	२१:४५	१५:४५	चतुष्पद	२७:३८	१८:०६	०७:०३	१७:२४	२५:५४	धनु ३९:२७	२२:५०	८-०३:१०:११	६१:०६	19	**पितृकार्य अमावस्या** ॥
गद	३०	श	००:२२	०७:१२	मूल	४५:४२	२५:२०	गण्ड	२२:५९	१६:१५	नाग	००:२२	०७:१२	०७:०३	१७:२५	२५:५३	धनु		८-०४:११:१८	६१:०७	20	**देवकार्य अमावस्या** ॥ बुध ज्येष्ठा ०६:०८, शुक्र धनु /मूल ०७:४४

चन्द्र	४-२८:१५:०२	७४०:३३	उफा-१
मंगल	८-०३:१९:५३	४५:०६	मूल-१
बुध	७-०५:५५:३४	७५:०६	अनु-१
गुरु	२-२९:२६:१६	-०५:४४	पुन-३
शुक्र	७-१९:५३:२९	७५:३०	ज्ये-१
शनि	११-०१:०६:३९	०१:३२	पूभा-४
राहु	१०-१९:००:२२	-०३:११	शत-४

अष्टमी



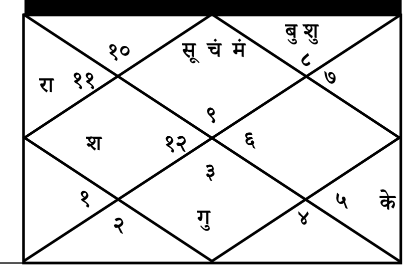
दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या	तुला
५	०५:२६	०७:४४	०९:४९	११:३३	१३:०६	१४:३४	१६:११	१८:०८	२०:२१	२२:४०	००:५५	०३:०९
६	०५:२२	०७:४०	०९:४५	११:२९	१३:०२	१४:३०	१६:०७	१८:०४	२०:१७	२२:३६	००:५१	०३:०५
७	०५:१८	०७:३६	०९:४१	११:२५	१२:५८	१४:२६	१६:०३	१८:००	२०:१३	२२:३३	००:४७	०३:०१
८	०५:१४	०७:३२	०९:३७	११:२१	१२:५४	१४:२२	१५:५९	१७:५६	२०:०९	२२:२९	००:४३	०२:५७
९	०५:११	०७:२८	०९:३३	११:१७	१२:५१	१४:१८	१५:५५	१७:५२	२०:०५	२२:२५	००:४०	०२:५३
१०	०५:०७	०७:२४	०९:२९	११:१३	१२:४७	१४:१४	१५:५२	१७:४८	२०:०२	२२:२१	००:३६	०२:४९
११	०५:०३	०७:२०	०९:२५	११:०९	१२:४३	१४:१०	१५:४८	१७:४४	१९:५८	२२:१७	००:३२	०२:४५
१२	०४:५९	०७:१६	०९:२१	११:०५	१२:३९	१४:०७	१५:४४	१७:४०	१९:५४	२२:१३	००:२८	०२:४१
१३	०४:५५	०७:१२	०९:१७	११:०१	१२:३५	१४:०३	१५:४०	१७:३६	१९:५०	२२:०९	००:२४	०२:३८
१४	०४:५१	०७:०८	०९:१३	१०:५७	१२:३१	१३:५९	१५:३६	१७:३३	१९:४६	२२:०५	००:२०	०२:३४
१५	०४:४७	०७:०४	०९:०९	१०:५४	१२:२७	१३:५५	१५:३२	१७:२९	१९:४२	२२:०१	००:१६	०२:३०
	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या	तुला	वृश्चिक
१६	०७:००	०९:०५	१०:५०	१२:२३	१३:५१	१५:२८	१७:२५	१९:३८	२१:५७	००:१२	०२:२६	०४:४३
१७	०६:५६	०९:०१	१०:४६	१२:१९	१३:४७	१५:२४	१७:२१	१९:३४	२१:५३	००:०८	०२:२२	०४:३९
१८	०६:५३	०८:५७	१०:४२	१२:१५	१३:४३	१५:२०	१७:१७	१९:३०	२१:४९	००:०४	०२:१८	०४:३५
१९	०६:४९	०८:५३	१०:३८	१२:११	१३:३९	१५:१६	१७:१३	१९:२६	२१:४५	००:००	०२:१४	०४:३१
२०	०६:४५	०८:५०	१०:३४	१२:०७	१३:३५	१५:१२	१७:०९	१९:२२	२१:४१	२३:५६	०२:१०	०४:२७

❖**१६ दिवसीय पक्ष। ♐सूर्य धनु संक्रान्ति** १५ दिसम्बर सोमवार २८:१९ बजे। वारानुसार **ध्वांक्षी** तथा नक्षत्रानुसार महोदरा संक्रान्ति है। व्यापारियों के लिए तथा राजनेताओं, राज्य/जिलाधीशों, क्षत्रियों के लिए गुप्तचर, इन्टरनेट हैकर्स, चोरों इत्यादि के लिए सुखप्रद है। **गुरु १० मार्च तक वक्री मिथुन राशि फल** - किराने की वस्तु तथा पीतल धातु तेज हो। पशुओं का भाव आठ मास तक तेज रहेगा।

चन्द्र	८-०४:०७:१२	७२५:४६	मूल-२
मंगल	८-०९:२२:१४	४५:३०	मूल-३
बुध	७-१६:४३:१९	८६:०२	ज्ये-१
गुरु	२-२८:३६:१४	-०६:५०	पुन-३
शुक्र	७-२९:५७:५२	७५:३२	ज्ये-४
शनि	११-०१:२१:५६	०२:२२	पूभा-४
राहु	१०-१८:३४:५५	-०३:११	शत-४

अमावस्या

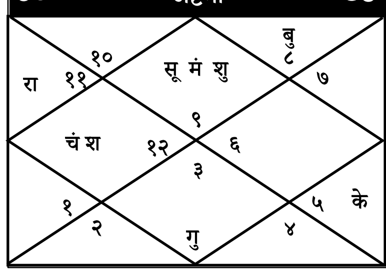


पौष शुक्ल — सूर्य उत्तरायण दक्षिण गोल — शिशिर ऋतु — 21 दिसम्बर 2025 से 03 जनवरी 2026

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
शुभ	**१**	र	०५:१५	०९:१०	**पू.षा.**	५१:१७	२७:३५	**वृद्धि**	२३:४४	१६:३३	**बव**	०५:१५	०९:१०	**०७:०४**	**१७:२५**	२५:५३	धनु		८-०५:१२:२६	**६१:०७**	21	चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृङ्गोन्नत, दक्षिण शर। सा.सूर्य मकर २०:३३ बजे, **उत्तरायण आरंभ**; **शिशिर आरंभ**; २७:३५ से सर्वार्थसिद्धि ॥ त्रिपुष्कर २७:३४-३१:०४तक ॥
मृत्यु	**२**	सो	०९:२४	१०:५०	**उ.षा.**	५६:०८	२९:३२	**ध्रुव**	२३:५४	१६:३८	**कौलव**	०९:२४	१०:५०	**०७:०४**	**१७:२६**	२५:५३	मकर ०७:३२	१०:०५	८-०६:१३:३५	**६१:०८**	22	२९:३२ से रवियोग ॥ २९:३२ से सर्वार्थसिद्धि ॥
पद्म	**३**	मं	१२:४४	१२:११	**श्रवण**	६०:०७	३१:०८	**व्याघात**	२३:२६	१६:२७	**गर**	१२:४४	१२:११	**०७:०५**	**१७:२६**	२५:५३	मकर		८-०७:१४:४३	**६१:०८**	23	भद्रारंभ २४:४३, सिद्धि १२:११ तक ॥ रवियोग ३१:०८ तक ॥
मुद्गर	४	बु	१५:०७	१३:०८	**श्रवण**	००:०२	०७:०६	**हर्षण**	२२:१४	१५:५९	**विष्टि**	१५:०७	१३:०८	**०७:०५**	**१७:२७**	२५:५४	कुंभ ३१:३४	१९:४३	८-०८:१५:५२	**६१:०८**	24	पंचक १९:४३ आरंभ, भद्रा १३:०८तक, रवियोग ०७:०६ तक ॥
श्रीवत्स	**५**	गु	१६:२३	१३:३९	**धनिष्ठा**	०२:५६	०८:१७	**वज्र**	२०:१०	१५:१०	**बालव**	१६:२४	१३:३९	**०७:०६**	**१७:२७**	२५:५४	कुंभ		८-०९:१७:०१	**६१:०८**	25	पंचक, ०८:१७ से रवियोग ॥ मंगल पू.षा. १२:१३,
सौम्य	**६**	शु	१६:२३	१३:३९	**शतभिषा**	०४:३९	०८:५८	**सिद्धि**	१७:०६	१३:५७	**तैतिल**	१६:२३	१३:३९	**०७:०६**	**१७:२८**	२५:५४	मीन ५०:०६	२७:०९	८-१०:१८:१०	**६१:०८**	26	पंचक, रवियोग ०८:५८ तक ॥ बुध अस्त,
काल	**७**	श	१४:५७	१३:०५	**पू.भा.**	०५:००	०९:०७	**व्यतिपात**	१२:५७	१२:१७	**वणिज**	१४:५७	१३:०५	**०७:०७**	**१७:२९**	२५:५५	मीन		८-११:१९:१९	**६१:०८**	27	पंचक, भद्रा १३:०५-२४:३६, त्रिपुष्कर ०७:०६-०९:०७तक ॥
सुस्थिर	**८**	र	१२:००	११:५५	**उ.भा.**	०३:५४	०८:४१	**वरियन**	०७:३८	१०:१०	**बव**	१२:०१	११:५५	**०७:०७**	**१७:२९**	२५:५५	मीन		८-१२:२०:२८	**६१:०८**	28	पंचक, ०८:४१ से रवियोग ॥ सर्वार्थसिद्धि ०८:४१ तक ॥
मातंग	**९**	सो	०७:३४	१०:०९	**रेवती**	०१:१८	०७:३९	**परिध**	०१:०७	०७:३४	**कौलव**	०७:३५	१०:०९	**०७:०७**	**१७:३०**	२५:५६	मेष ०१:१९	०७:३९	८-१३:२१:३७	**६१:०८**	29	पंचक ०७:३९ समाप्त, ०७:३९ से रवियोग ॥ सूर्य पू.षा. ०६:२९,बुध धनु /मूल ०७:२२,
मूसल	**१०** **११**	मं	०१:४४ ५४:४१	०७:५० २९:००	**भरणी**	५२:०३	२७:५७	**सिद्ध**	४४:३९	२४:५९	**गर**	०१:४५	०७:५०	**०७:०८**	**१७:३०**	२५:५७	मेष		८-१४:२२:४६	**६१:०८**	30	भद्रा १८:२५-२९:००, मन्वादि पूर्वाह्न श्राद्ध पिण्ड रहित ॥ रवियोग २७:५७ तक ॥ २७:५७ से सर्वार्थसिद्धि ॥ त्रिपुष्कर २७:५५-३१:०८तक ॥ शुक्र पू.षा. २१:५९,
सिद्धि	**१२**	बु	४६:३६	२५:४७	**कृत्तिका**	४५:५०	२५:२८	**साध्य**	३५:०७	२१:११	**बव**	२०:३९	१५:२४	**०७:०८**	**१७:३१**	२५:५७	वृष ०५:३३	०९:२१	८-१५:२३:५४	**६१:०८**	31	**पुत्रदा एकादशी** ॥ सर्वार्थसिद्धि ॥
उत्पात	**१३**	गु	३८:०३	२२:२२	**रोहिणी**	३९:०७	२२:४७	**शुभ**	२५:०७	१७:११	**कौलव**	१२:२२	१२:०५	**०७:०८**	**१७:३२**	२५:५८	वृष		८-१६:२५:०३	**६१:०८**	1	**जनवरी २०२६** ॥ ग्रेगोरियन नववर्ष ॥ २२:२२ से रवियोग ॥
मानस	**१४**	शु	२९:२५	१८:५५	**मृगशिरा**	३२:२०	२०:०५	**शुक्ल**	१४:५६	१३:०७	**गर**	०३:४३	०८:३८	**०७:०९**	**१७:३२**	२५:५९	मिथुन ०५:४३	०९:२६	८-१७:२६:१२	**६१:०८**	2	भद्रा १८:५५-२९:११, व्रत पूर्णिमा (चन्द्रोदय १६:२२) ॥ रवियोग २०:०५ तक ॥
मुद्गर	**१५**	श	२१:०६	१५:३५	**आर्द्रा**	२५:५३	१७:३०	**ब्रह्म**	०४:५३	०९:०६	**बव**	२१:०७	१५:३५	**०७:०९**	**१७:३३**	२६:००	मिथुन		८-१८:२७:२०	**६१:०८**	3	स्नानदानादि पूर्णिमा ॥ त्रिपुष्कर १७:३१-३१:०९तक ॥

चन्द्र	११-१५:४५:४७	८३३:४२	उभा-४
मंगल	८-१५:२७:३३	४५:५०	पूषा-१
बुध	७-२८:२८:४६	९०:१५	ज्ये-४
गुरु	२-२७:३८:३२	-०७:३७	पुन-३
शुक्र	८-१०:०२:१४	७५:३१	मूल-४
शनि	११-०१:४३:४६	०३:१०	पूभा-४
राहु	१०-१८:०९:२९	-०३:११	शत-४

अष्टमी



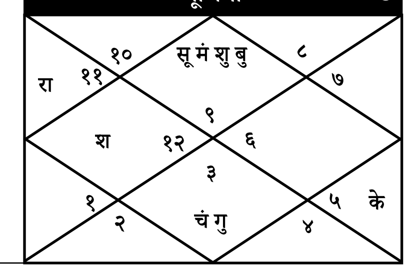
दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या	तुला	वृश्चिक
२१	०६:४१	०८:४६	१०:३०	१२:०३	१३:३१	१५:०८	१७:०५	१९:१८	२१:३७	२३:५२	०२:०६	०४:२३
२२	०६:३७	०८:४२	१०:२६	११:५९	१३:२७	१५:०४	१७:०१	१९:१४	२१:३४	२३:४८	०२:०२	०४:१९
२३	०६:३३	०८:३८	१०:२२	११:५५	१३:२३	१५:००	१६:५७	१९:१०	२१:३०	२३:४४	०१:५८	०४:१५
२४	०६:२९	०८:३४	१०:१८	११:५२	१३:१९	१४:५६	१६:५३	१९:०६	२१:२६	२३:४१	०१:५४	०४:१२
२५	०६:२५	०८:३०	१०:१४	११:४८	१३:१५	१४:५३	१६:४९	१९:०३	२१:२२	२३:३७	०१:५०	०४:०८
२६	०६:२१	०८:२६	१०:१०	११:४४	१३:११	१४:४९	१६:४५	१८:५९	२१:१८	२३:३३	०१:४६	०४:०४
२७	०६:१७	०८:२२	१०:०६	११:४०	१३:०८	१४:४५	१६:४१	१८:५५	२१:१४	२३:२९	०१:४२	०४:००
२८	०६:१३	०८:१८	१०:०२	११:३६	१३:०४	१४:४१	१६:३७	१८:५१	२१:१०	२३:२५	०१:३९	०३:५६
२९	०६:०९	०८:१४	०९:५८	११:३२	१३:००	१४:३७	१६:३४	१८:४७	२१:०६	२३:२१	०१:३५	०३:५२
३०	०६:०५	०८:१०	०९:५५	११:२८	१२:५६	१४:३३	१६:३०	१८:४३	२१:०२	२३:१७	०१:३१	०३:४८
३१	०६:०१	०८:०६	०९:५१	११:२४	१२:५२	१४:२९	१६:२६	१८:३९	२०:५८	२३:१३	०१:२७	०३:४४
१	०५:५७	०८:०२	०९:४७	११:२०	१२:४८	१४:२५	१६:२२	१८:३५	२०:५४	२३:०९	०१:२३	०३:४०
२	०५:५४	०७:५८	०९:४३	११:१६	१२:४४	१४:२१	१६:१८	१८:३१	२०:५०	२३:०५	०१:१९	०३:३६
३	०५:५०	०७:५४	०९:३९	११:१२	१२:४०	१४:१७	१६:१४	१८:२७	२०:४६	२३:०१	०१:१५	०३:३२

❖**१४ दिवसीय पक्ष।** पूर्णिमा+मृगशिरा=५.६% पूर्णिमा+आर्द्रा=९४.४% ॥ **चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृङ्गोन्नत फल** - धान्य भाव मंदे हो। नमक, चावल, गेहूँ, चना, जौ, चांदी, कपास, रूई, सूत वस्त्र मंदे हों। आवरेज में मंदी, गुड़, तेल, सोना, चांदी, में तेजी तथा रूई में घटा-बड़ी से मंदी हो।

चन्द्र	२-१३:३५:१४	८९१:२३	आर्द्रा-३
मंगल	८-२०:०३:१५	४६:०५	पूषा-३
बुध	८-०७:३५:५९	९२:२५	मूल-३
गुरु	२-२६:५१:५३	-०७:५७	पुन-३
शुक्र	८-१७:३५:२०	७५:२९	पूषा-२
शनि	११-०२:०४:१३	०३:४४	पूभा-४
राहु	१०-१७:५०:२५	-०३:११	शत-४

पूर्णिमा

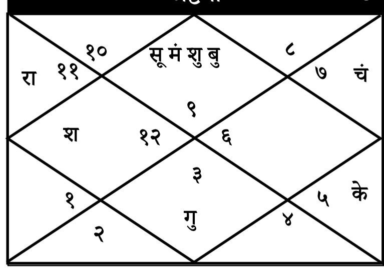


माघ कृष्ण | सूर्य उत्तरायण दक्षिण गोल | शिशिर ऋतु | 04 - 18 जनवरी 2026

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
केतु	**१**	**र**	१३:३२	१२:३४	**पुनर्वसु**	२०:१५	१५:१५	**वैधृति**	४६:४०	२५:४९	**कौलव**	१३:३२	१२:३४	**०७:०९**	**१७:३४**	२६:०२	कर्क ०६:३०	०९:४५	८-१९:२८:२८	**६१:०८**	4	१५:१५ से सर्वार्थसिद्धि ॥ त्रिपुष्कर ०७:०९-१५:१६तक ॥
धाता	**२**	**सो**	०७:०७	१०:००	**पुष्य**	१५:५०	१३:२९	**विषकम्भ**	३९:१४	२२:५१	**गर**	०७:०७	१०:००	**०७:०९**	**१७:३४**	२६:०३	कर्क		८-२०:२९:३६	**६१:०८**	5	भद्रारंभ २०:५९, सर्वार्थसिद्धि १३:२९ तक ॥
आन	**३** **४**	**मं**	०२:१६ ५९:१३	०८:०४ ३०:५१	**आश्लेषा**	१३:०२	१२:२२	**प्रीति**	३३:१२	२०:२६	**विष्टि**	०२:१७	०८:०४	**०७:०९**	**१७:३५**	२६:०४	सिह १३:०२	१२:२२	८-२१:३०:४५	**६१:०८**	6	भद्रा ०८:०४तक, **संकष्ट चतुर्थी व्रत** (चंद्रोदय २०:५४) ॥ सर्वार्थसिद्धि १२:२२ तक ॥, बुधपू.षा. २३:५९,
चर	**५**	**बु**	५८:२७	३०:३२	**मघा**	१२:०८	१२:०१	**आयुष्मान**	२८:४३	१८:३९	**कौलव**	२८:५४	१८:४३	**०७:१०**	**१७:३६**	२६:०६	सिह		८-२२:३१:५३	**६१:०८**	7	
गद	**६**	**गु**	५९:४५	३१:०४	**पू.फा.**	१३:१७	१२:२९	**सौभाग्य**	२५:५१	१७:३०	**गर**	२९:०९	१८:४९	**०७:१०**	**१७:३७**	२६:०७	कन्या २८:५६	१८:४४	८-२३:३३:०१	**६१:०८**	8	भद्रारंभ ३१:०४, १२:२९ से रवियोग ॥
शुभ	**७**	**शु**	६२:५८	३२:२१	**उ.फा.**	१६:२६	१३:४४	**शोभन**	२४:३३	१६:५९	**विष्टि**	३१:२५	१९:४४	**०७:१०**	**१७:३७**	२६:०९	कन्या		८-२४:३४:०९	**६१:०८**	9	भद्रा १९:४४तक, रवियोग १३:४४ तक ॥
मृत्यु	**७**	**श**	०३:०८	०८:२५	**हस्त**	२१:२१	१५:४३	**अतिगण्ड**	२४:३७	१७:०१	**बव**	०३:०९	०८:२५	**०७:१०**	**१७:३८**	२६:११	तुला ५४:१६	२८:५२	८-२५:३५:१७	**६१:०८**	10	द्विपुष्कर १५:४३-३१:१०तक ॥, शुक्र उ.षा. १२:२०,
पद्म	**८**	**र**	०७:५९	१०:२२	**चित्रा**	२७:३९	१८:१४	**सुकर्म**	२५:४६	१७:२८	**कौलव**	०७:६०	१०:२२	**०७:१०**	**१७:३९**	२६:१२	तुला		८-२६:३६:२५	**६१:०८**	11	द्विपुष्कर ०७:१०-१८:१४तक ॥, सूर्य उ.षा. ०८:३४,मंगल उ.षा. २१:०८,
छत्र	**९**	**सो**	१३:५४	१२:४४	**स्वाति**	३४:४९	२१:०६	**धृति**	२७:३६	१८:१२	**गर**	१३:५४	१२:४४	**०७:१०**	**१७:४०**	२६:१४	तुला		८-२७:३७:३३	**६१:०८**	12	भद्रारंभ २६:००, शुक्र मकर २७:५६,
श्रीवत्स	**१०**	**मं**	२०:१९	१५:१८	**विशाखा**	४२:१९	२४:०६	**शूल**	२९:४५	१९:०४	**विष्टि**	२०:२०	१५:१८	**०७:१०**	**१७:४०**	२६:१६	वृश्चिक २५:२७	१७:२१	८-२८:३८:४१	**६१:०८**	13	भद्रा १५:१८तक, २४:०६ से सर्वार्थसिद्धि ॥ त्रिपुष्कर ०७:१०-२४:०६तक ॥
सौम्य	**११**	**बु**	२६:४४	१७:५२	**अनुराधा**	४९:४२	२७:०३	**गण्ड**	३१:५०	१९:५४	**बालव**	२६:४४	१७:५२	**०७:१०**	**१७:४१**	२६:१८	वृश्चिक		८-२९:३९:४९	**६१:०८**	14	♑**सूर्य मकर संक्रान्ति पुण्यकाल** १५:०६ से १७:४६तक ॥ सर्वार्थसिद्धि २७:०३ तक ॥ , सूर्य मकर १५:०५,
काल	**१२**	**गु**	३२:४१	२०:१५	**ज्येष्ठा**	५६:३३	२९:४७	**वृद्धि**	३३:३५	२०:३६	**तैतिल**	३२:४२	२०:१५	**०७:१०**	**१७:४२**	२६:२०	धनु ५६:३४	२९:४७	९-००:४०:५७	**६१:०८**	15	मंगल मकर २८:२६,बुध उ.षा. ०९:१८,
सुस्थिर	**१३**	**शु**	३७:५४	२२:२०	**मूल**	६२:३७	३२:१३	**ध्रुव**	३४:४५	२१:०४	**गर**	०५:२७	०९:२०	**०७:१०**	**१७:४३**	२६:२२	धनु		९-०१:४२:०४	**६१:०७**	16	भद्रारंभ २२:२०
गद	**१४**	**श**	४२:१०	२४:०२	**मूल**	०२:३२	०८:११	**व्याघात**	३५:१४	२१:१५	**विष्टि**	१०:१०	११:१४	**०७:१०**	**१७:४३**	२६:२५	धनु		९-०२:४३:११	**६१:०७**	17	भद्रा ११:१४तक, बुध मकर १०:२२,
शुभ	**३०**	**र**	४५:२५	२५:२०	**पू.षा.**	०७:३६	१०:१२	**हर्षण**	३४:५६	२१:०८	**चतुष्पद**	१३:५५	१२:४३	**०७:१०**	**१७:४४**	२६:२७	मकर २३:४१	१६:३८	९-०३:४४:१७	**६१:०६**	18	युगादि तिथि पिण्ड रहित श्राद्ध ॥ **मौनी अमावस्या ।** १०:१२ से सर्वार्थसिद्धि ॥ त्रिपुष्कर १०:१२-३१:०९तक ॥

चन्द्र	६-०१:०८:५४	७१८:१४	चित्रा-३
मंगल	८-२६:१३:०१	४६:२३	पूषा-४
बुध	८-२०:०६:०९	९५:३५	पूषा-३
गुरु	२-२५:४७:२८	-०८:०६	पुन-२
शुक्र	८-२७:३९:१३	७५:२८	उषा-१
शनि	११-०२:३६:३२	०४:२५	पूभा-४
राहु	१०-१७:२४:५९	-०३:११	शत-४

अष्टमी



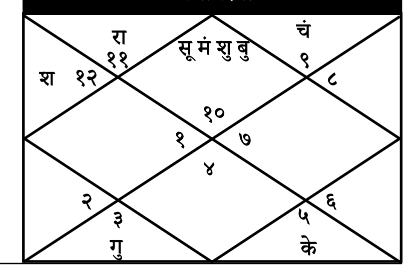
दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	धनु	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या	तुला	वृश्चिक
४	०५:४६	०७:५१	०९:३५	११:०८	१२:३६	१४:१३	१६:१०	१८:२३	२०:४२	२२:५७	०१:११	०३:२८
५	०५:४२	०७:४७	०९:३१	११:०४	१२:३२	१४:०९	१६:०६	१८:१९	२०:३८	२२:५३	०१:०७	०३:२४
६	०५:३८	०७:४३	०९:२७	११:००	१२:२८	१४:०५	१६:०२	१८:१५	२०:३५	२२:४९	०१:०३	०३:२०
७	०५:३४	०७:३९	०९:२३	१०:५६	१२:२४	१४:०१	१५:५८	१८:११	२०:३१	२२:४५	००:५९	०३:१६
८	०५:३०	०७:३५	०९:१९	१०:५३	१२:२०	१३:५७	१५:५४	१८:०७	२०:२७	२२:४२	००:५५	०३:१३
९	०५:२६	०७:३१	०९:१५	१०:४९	१२:१६	१३:५४	१५:५०	१८:०४	२०:२३	२२:३८	००:५१	०३:०९
१०	०५:२२	०७:२७	०९:११	१०:४५	१२:१२	१३:५०	१५:४६	१८:००	२०:१९	२२:३४	००:४७	०३:०५
११	०५:१८	०७:२३	०९:०७	१०:४१	१२:०९	१३:४६	१५:४२	१७:५६	२०:१५	२२:३०	००:४३	०३:०१
१२	०५:१४	०७:१९	०९:०३	१०:३७	१२:०५	१३:४२	१५:३८	१७:५२	२०:११	२२:२६	००:४०	०२:५७
१३	०५:१०	०७:१५	०८:५९	१०:३३	१२:०१	१३:३८	१५:३५	१७:४८	२०:०७	२२:२२	००:३६	०२:५३
१४	०५:०६	०७:११	०८:५६	१०:२९	११:५७	१३:३४	१५:३१	१७:४४	२०:०३	२२:१८	००:३२	०२:४९
	मकर	**कुंभ**	**मीन**	**मेष**	**वृष**	**मिथुन**	**कर्क**	**सिह**	**कन्या**	**तुला**	**वृश्चिक**	**धनु**
१५	०७:०७	०८:५२	१०:२५	११:५३	१३:३०	१५:२७	१७:४०	१९:५९	२२:१४	००:२८	०२:४५	०५:०२
१६	०७:०३	०८:४८	१०:२१	११:४९	१३:२६	१५:२३	१७:३६	१९:५५	२२:१०	००:२४	०२:४१	०४:५८
१७	०६:५९	०८:४४	१०:१७	११:४५	१३:२२	१५:१९	१७:३२	१९:५१	२२:०६	००:२०	०२:३७	०४:५५
१८	०६:५५	०८:४०	१०:१३	११:४१	१३:१८	१५:१५	१७:२८	१९:४७	२२:०२	००:१६	०२:३३	०४:५१

❖**१५ दिवसीय पक्ष । ♑सूर्य मकर संक्रान्ति १४ जनवरी २०२६ बुधवार १५:०५ बजे ।** वारनुसार **मन्दाकिनी** एवं नक्षत्रानुसार **महोदरा** संज्ञक संक्रान्ति है। राजनेताओं, राज्य/जिलाधीशों, क्षत्रियों के लिए तथा गुप्तचर, इन्टरनेट हैकर्स, चोरों इत्यादि के लिए सुखप्रद है।

चन्द्र	८-२५:०५:२५	७४६:२७	पूषा-४
मंगल	९-०१:३८:२७	४६:३८	उषा-२
बुध	९-०१:२५:२३	९९:०३	उषा-२
गुरु	२-२४:५१:१५	-०७:५३	पुन-२
शुक्र	९-०६:२७:२४	७५:२६	उषा-३
शनि	११-०३:०९:१४	०४:५९	पूभा-४
राहु	१०-१७:०२:४४	-०३:११	शत-४

अमावस्या

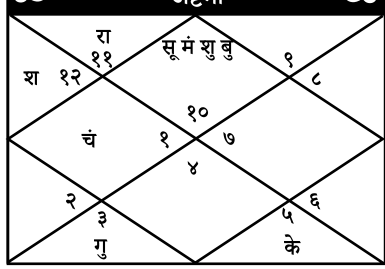


माघ शुक्ल	सूर्य उत्तरायण दक्षिण गोल	शिशिर ऋतु	19 जनवरी से 01 फरवरी 2026

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
मृत्यु	**१**	**सो**	४७:३८	२६:१३	**उ.षा.**	११:४०	११:५०	**वज्र**	३३:५२	२०:४२	**किंस्तुघ्न**	१६:३७	१३:४८	**०७:०९**	**१७:४५**	२६:२९	मकर		९-०४:४५:२३	**६१:०६**	19	**गुप्तनवरात्रि आरंभ**। ११:५० से सर्वार्थसिद्धि॥
पद्म	**२**	**मं**	४८:५०	२६:४१	**श्रवण**	१४:४७	१३:०४	**सिद्धि**	३२:०२	१९:५८	**बालव**	१८:१८	१४:२९	**०७:०९**	**१७:४६**	२६:३२	कुंभ ४६:०१	२५:३३	९-०५:४६:२९	**६१:०५**	20	पंचक २५:३३ आरंभ, चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृङ्गोन्नत, दक्षिण शर। द्विपुष्कर १३:०४-३१:०९तक॥, सा.सूर्य कुंभ ०७:१४ बजे, शुक्र श्रवण २६:४८, शनि उ.भा. १०:२९
मित्र	**३**	**बु**	४९:०२	२६:४६	**धनिष्ठा**	१६:५५	१३:५५	**व्यतिपात**	२९:२६	१८:५५	**तैतिल**	१८:६०	१४:४५	**०७:०९**	**१७:४७**	२६:३४	कुंभ		९-०६:४७:३३	**६१:०४**	21	पंचक, १३:५५ से रवियोग॥
वज्र	**४**	**गु**	४८:१५	२६:२७	**शतभिषा**	१८:०७	१४:२४	**वरियन**	२६:०४	१७:३५	**वणिज**	१८:४३	१४:३८	**०७:०९**	**१७:४७**	२६:३७	कुंभ		९-०७:४८:३६	**६१:०३**	22	पंचक, भद्रा १४:३८-२६:२७, रवियोग १४:२४ तक॥
ध्वांक्ष	**५**	**शु**	४६:२९	२५:४४	**पू.भा.**	१८:२३	१४:३०	**परिघ**	२१:५८	१५:५६	**बव**	१७:२७	१४:०७	**०७:०९**	**१७:४८**	२६:३९	मीन ०३:२८	०८:३२	९-०८:४९:३९	**६१:०२**	23	पंचक, **वसंत पञ्चमी। सरस्वती पूजा।** १४:३० से रवियोग॥ बुध श्रवण १०:२३,
धूम्र	**६**	**श**	४३:४३	२४:३८	**उ.भा.**	१७:४०	१४:१३	**शिव**	१७:०५	१३:५८	**कौलव**	१५:१२	१३:१३	**०७:०८**	**१७:४९**	२६:४२	मीन		९-०९:५०:४१	**६१:०१**	24	पंचक, रवियोग १४:१३ तक॥, सूर्य श्रवण १०:४८
प्रवर्ध	**७**	**र**	३९:५९	२३:०८	**रेवती**	१६:०१	१३:३३	**सिद्ध**	११:२७	११:४३	**गर**	११:५९	११:५५	**०७:०८**	**१७:५०**	२६:४५	मेष १६:०१	१३:३३	९-१०:५१:४१	**६१:००**	25	पंचक १३:३३ समाप्त, भद्रारंभ २३:०८, **नर्मदा जयन्ती, रथ सप्तमी**। रवियोग १३:३३ तक॥
रक्ष	**८**	**सो**	३५:१८	२१:१५	**अश्विनी**	१३:२५	१२:३०	**साध्य**	०५:०४	०९:०९	**विष्टि**	०७:४८	१०:१५	**०७:०८**	**१७:५१**	२६:४७	मेष		९-११:५२:४०	**६०:५९**	26	भद्रा १०:१५तक
मूसल	**९**	**मं**	२९:४८	१९:०३	**भरणी**	०९:५८	११:०७	**शुक्ल**	५०:११	२७:११	**बालव**	०२:४४	०८:१३	**०७:०७**	**१७:५१**	२६:५०	वृष २३:५७	१६:४२	९-१२:५३:३९	**६०:५८**	27	११:०७ से रवियोग/ सर्वार्थसिद्धि॥ त्रिपुष्कर ११:०६-३१:०७तक॥
सिद्धि	**१०**	**बु**	२३:३८	१६:३४	**कृत्तिका**	०५:४६	०९:२५	**ब्रह्म**	४१:५३	२३:५२	**गर**	२३:३८	१६:३४	**०७:०७**	**१७:५२**	२६:५३	वृष		९-१३:५४:३६	**६०:५७**	28	भद्रारंभ २७:१६, रवियोग॥ सर्वार्थसिद्धि॥ मंगल श्रवण २४:३६
उत्पात	**११**	**गु**	१६:५९	१३:५४	**रोहिणी मृगशिरा**	०१:०१ ५५:५५	०७:३१ २९:२९	**ऐन्द्र**	३३:१९	२०:२६	**विष्टि**	१६:६०	१३:५४	**०७:०६**	**१७:५३**	२६:५६	मिथुन २८:२९	१८:३०	९-१४:५५:३१	**६०:५६**	29	**जया एकादशी।** भद्रा १३:५४तक, रवियोग ०७:३१ तक॥
पद्म	**१२**	**शु**	१०:०८	११:१०	**आर्द्रा**	५०:५२	२७:२७	**वैधृति**	२४:४१	१६:५८	**बालव**	१०:०९	११:१०	**०७:०६**	**१७:५४**	२६:५९	मिथुन		९-१५:५६:२६	**६०:५५**	30	**भीष्म द्वादशी।** बुध धनिष्ठा २७:२३
छत्र	**१३**	**श**	०३:२१	०८:२६	**पुनर्वसु**	४६:१२	२५:३५	**विषकम्भ**	१६:१२	१३:३४	**तैतिल**	०३:२२	०८:२६	**०७:०६**	**१७:५४**	२७:०२	कर्क ३२:२२	२०:०३	९-१६:५७:२०	**६०:५४**	31	भद्रारंभ २९:५२, रवियोग २५:३५ तक॥ त्रिपुष्कर ०७:०६-२५:३६तक॥ शुक्र धनिष्ठा १७:३५
श्रीवत्स	**१५**	**र**	५१:२६	२७:४०	**पुष्य**	४२:१६	२४:००	**प्रीति**	०८:०७	१०:२०	**विष्टि**	२४:१३	१६:४६	**०७:०५**	**१७:५५**	२७:०५	कर्क		९-१७:५८:१२	**६०:५२**	1	**फरवरी २०२६;** भद्रा १६:४६तक, **व्रतस्नानदानादि पूर्णिमा** (चन्द्रोदय १७:२८)॥ **माघस्नान पूर्ण।** सर्वार्थसिद्धि २४:०० तक॥

चन्द्र	०-१०:१०:३७	८४६:००	अश्वि-४
मं	९-०७:५२:१०	४६:५०	उषा-४
बुध	९-१४:५३:३५	१०३:३३	श्र-२
गुरु	२-२३:४९:५९	-०७:१८	पुन-२
शुक्र	९-१६:३०:३२	७५:२१	श्र-२
शनि	११-३:५१:११	०५:३४	उभा-१
राहु	१०-१६:३७:१८	-०३:११	शत-३

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु
१९	०६:५२	०८:३६	१०:०९	११:३७	१३:१४	१५:११	१७:२४	१९:४३	२१:५८	००:१२	०२:२९	०४:४७
२०	०६:४८	०८:३२	१०:०५	११:३३	१३:१०	१५:०७	१७:२०	१९:३९	२१:५४	००:०८	०२:२५	०४:४३
२१	०६:४४	०८:२८	१०:०१	११:२९	१३:०६	१५:०३	१७:१६	१९:३६	२१:५०	००:०४	०२:२१	०४:३९
२२	०६:४०	०८:२४	०९:५७	११:२५	१३:०२	१४:५९	१७:१२	१९:३२	२१:४६	००:००	०२:१७	०४:३५
२३	०६:३६	०८:२०	०९:५४	११:२१	१२:५८	१४:५५	१७:०८	१९:२८	२१:४३	२३:५६	०२:१४	०४:३१
२४	०६:३२	०८:१६	०९:५०	११:१७	१२:५५	१४:५१	१७:०५	१९:२४	२१:३९	२३:५२	०२:१०	०४:२७
२५	०६:२८	०८:१२	०९:४६	११:१३	१२:५१	१४:४७	१७:०१	१९:२०	२१:३५	२३:४८	०२:०६	०४:२३
२६	०६:२४	०८:०८	०९:४२	११:१०	१२:४७	१४:४३	१६:५७	१९:१६	२१:३१	२३:४४	०२:०२	०४:१९
२७	०६:२०	०८:०४	०९:३८	११:०६	१२:४३	१४:३९	१६:५३	१९:१२	२१:२७	२३:४१	०१:५८	०४:१५
२८	०६:१६	०८:००	०९:३४	११:०२	१२:३९	१४:३६	१६:४९	१९:०८	२१:२३	२३:३७	०१:५४	०४:११
२९	०६:१२	०७:५७	०९:३०	१०:५८	१२:३५	१४:३२	१६:४५	१९:०४	२१:१९	२३:३३	०१:५०	०४:०७
३०	०६:०८	०७:५३	०९:२६	१०:५४	१२:३१	१४:२८	१६:४१	१९:००	२१:१५	२३:२९	०१:४६	०४:०३
३१	०६:०४	०७:४९	०९:२२	१०:५०	१२:२७	१४:२४	१६:३७	१८:५६	२१:११	२३:२५	०१:४२	०३:५९
१	०६:००	०७:४५	०९:१८	१०:४६	१२:२३	१४:२०	१६:३३	१८:५२	२१:०७	२३:२१	०१:३८	०३:५६

❖१४ दिवसीय पक्ष।

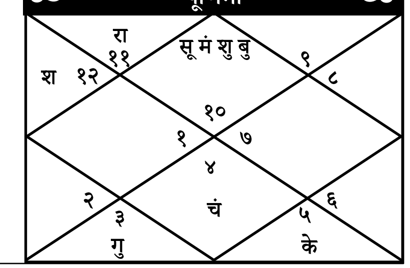
पूर्णिमा + पुनर्वसु = ८३.२%

पूर्णिमा + पुष्य=१६.८%॥

चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृङ्गोन्नत फल - प्रजा का कल्याण हो। सोना, चांदी आदि धातु तेज हो। प्रायः अन्न तथा अन्य वायदा व्यापारिक वस्तुओं में तेजी के रुख रहे। रूई पहले मंदी, बाद में तेजी, सोना, चांदी में घटा बढ़ी के बाद तेजी हो। गुड़, सरसों, मूंगफली में भी तेजी हो।

चन्द्र	३-०६:३८:०६	८५४:०८	पुष्य-१
मंगल	९-१२:३३:२८	४६:५८	श्र-१
बुध	९-२५:२२:०९	१०६:०८	ध-१
गुरु	२-२३:०७:५२	-०६:३८	पुन-१
शुक्र	९-२४:०२:२०	७५:१७	ध-१
शनि	११-०४:२५:३१	०५:५६	उभा-१
राहु	१०-१६:१८:१५	-०३:११	शत-३

पूर्णिमा

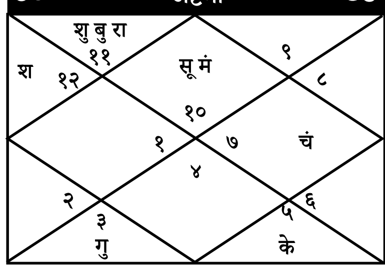


फाल्गुन कृष्ण — सूर्य उत्तरायण उत्तर गोल — शिशिर ऋतु — 02 - 17 फरवरी 2026

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
सौम्य	**१**	**सो**	४७:०५	२५:५५	**आश्लेषा**	३९:२५	२२:५१	**आयुष्मान**	००:४१	०७:२१	**बालव**	१९:१३	१४:४६	**०७:०५**	**१७:५६**	२७:०८	सिंह ३९:२५	२२:५१	९-१८:५९:०३	**६०:५१**	2	
काल	**२**	**मं**	४४:०९	२४:४४	**मघा**	३७:५५	२२:१४	**शोभन**	४९:००	२६:४०	**तैतिल**	१५:३०	१३:१६	**०७:०४**	**१७:५७**	२७:११	सिंह		९-१९:५९:५३	**६०:५०**	3	बुध कुंभ २१:५०,
सुस्थिर	**३**	**बु**	४२:५४	२४:१३	**पू.फा.**	३८:०२	२२:१७	**अतिगण्ड**	४५:०८	२५:०७	**वणिज**	१३:२२	१२:२४	**०७:०४**	**१७:५७**	२७:१५	कन्या ५३:१२	२८:२०	९-२१:००:४१	**६०:४९**	4	भद्रा १२:२४-२४:१३
मातंग	**४**	**गु**	४३:२६	२४:२६	**उ.फा.**	३९:५३	२३:०१	**सुकर्म**	४२:३९	२४:०७	**बव**	१२:५९	१२:१५	**०७:०३**	**१७:५८**	२७:१८	कन्या		९-२२:०१:२९	**६०:४८**	5	संकष्ट चतुर्थी व्रत (चन्द्रोदय २१:३०) ॥ शुक्र कुंभ २५:०९,
अमृत	**५**	**शु**	४५:४६	२५:२१	**हस्त**	४३:२९	२४:२६	**धृति**	४१:३२	२३:३९	**कौलव**	१४:२७	१२:४९	**०७:०२**	**१७:५९**	२७:२१	कन्या		९-२३:०२:१५	**६०:४७**	6	२४:२६ से रवियोग ॥ सूर्य धनिष्ठा १४:०३,बुध उदित
काण	**६**	**श**	४९:४४	२६:५६	**चित्रा**	४८:३८	२६:२९	**शूल**	४१:४१	२३:४२	**गर**	१७:३९	१४:०५	**०७:०२**	**१८:००**	२७:२४	तुला १५:५६	१३:२४	९-२४:०३:०१	**६०:४६**	7	भद्रारंभ २६:५६, २६:२९ से रवियोग ॥ द्विपुष्कर ०७:०२-२६:३१तक ॥ बुध शतभिषा १६:२९,
लुम्ब	**७**	**र**	५५:००	२९:०१	**स्वाति**	५५:०२	२९:०२	**गण्ड**	४२:४९	२४:०९	**विष्टि**	२२:२०	१५:५७	**०७:०१**	**१८:००**	२७:२८	तुला		९-२५:०३:४६	**६०:४५**	8	भद्रा १५:५७तक, रवियोग २९:०२ तक ॥ त्रिपुष्कर २९:०४-३१:०१तक ॥
मित्र	**८**	**सो**	६१:०५	३१:२७	**विशाखा**	६२:१४	३१:५४	**वृद्धि**	४४:३८	२४:५२	**बालव**	२८:०३	१८:१४	**०७:०१**	**१८:०१**	२७:३१	वृश्चिक ४५:२७	२५:११	९-२६:०४:२९	**६०:४४**	9	
श्रीवत्स	**८**	**मं**	०१:०८	०७:२७	**विशाखा**	०२:१७	०७:५५	**ध्रुव**	४६:४४	२५:४२	**कौलव**	०१:०८	०७:२७	**०७:००**	**१८:०२**	२७:३५	वृश्चिक		९-२७:०५:१२	**६०:४३**	10	०७:५५ से सर्वार्थसिद्धि ॥ त्रिपुष्कर ०७:००-०७:५५तक ॥
सौम्य	**९**	**बु**	०७:२६	०९:५८	**अनुराधा**	०९:४०	१०:५२	**व्याघात**	४८:४३	२६:२९	**गर**	०७:२७	०९:५८	**०६:५९**	**१८:०३**	२७:३८	वृश्चिक		९-२८:०५:५३	**६०:४२**	11	भद्रारंभ २३:११, सर्वार्थसिद्धि १०:५२ तक ॥, शुक्र शतभिषा ०८:५०
काल	**१०**	**गु**	१३:२४	१२:२०	**ज्येष्ठा**	१६:४३	१३:४०	**हर्षण**	५०:१४	२७:०४	**विष्टि**	१३:२४	१२:२०	**०६:५९**	**१८:०३**	२७:४२	धनु १६:४३	१३:४०	९-२९:०६:३४	**६०:४१**	12	भद्रा १२:२०तक, **सूर्य कुंभ २८:०६**♒सूर्य कुंभ संक्रान्ति।
सुस्थिर	**११**	**शु**	१८:३२	१४:२३	**मूल**	२२:५८	१६:०९	**वज्र**	५०:६०	२७:२२	**बालव**	१८:३३	१४:२३	**०६:५८**	**१८:०४**	२७:४५	धनु		१०-००:०७:१३	**६०:४०**	13	विजया एकादशी ॥
मातंग	**१२**	**श**	२२:३२	१५:५८	**पू.षा.**	२८:०७	१८:१२	**सिद्धि**	५०:४७	२७:१६	**तैतिल**	२२:३२	१५:५८	**०६:५७**	**१८:०५**	२७:४९	मकर ४४:१६	२४:४०	१०-०१:०७:५१	**६०:३९**	14	त्रिपुष्कर १८:१२-३०:५७तक ॥ मंगल धनिष्ठा २४:३५
अमृत	**१३**	**र**	२५:११	१७:०१	**उ.षा.**	३१:५९	१९:४४	**व्यतिपात**	४९:३१	२६:४५	**वणिज**	२५:११	१७:०१	**०६:५६**	**१८:०५**	२७:५२	मकर		१०-०२:०८:२८	**६०:३८**	15	भद्रा १७:०१-२९:२४, **अर्क प्रदोष** (१८:०९ से २०:३३ तक) ॥ **महाशिवरात्रि** ॥ सर्वार्थसिद्धि १९:४४ तक ॥ त्रिपुष्कर ०६:५६-१९:४४तक ॥ बुध पू.भा. २१:४०
काण	**१४**	**सो**	२६:२५	१७:३०	**श्रवण**	३४:३०	२०:४४	**वरियन**	४७:१०	२५:४८	**शकुनि**	२६:२६	१७:३०	**०६:५६**	**१८:०६**	२७:५६	मकर		१०-०३:०९:०३	**६०:३६**	16	सर्वार्थसिद्धि २०:४४ तक ॥
उत्पात	**३०**	**मं**	२६:१९	१७:२७	**धनिष्ठा**	३५:४३	२१:१२	**परिध**	४३:४८	२४:२६	**नाग**	२६:२०	१७:२७	**०६:५५**	**१८:०७**	२७:५९	कुंभ ०५:२१	०९:०३	१०-०४:०९:३७	**६०:३५**	17	पंचक ०९:०३ आरंभ, मन्वादि श्राद्ध ॥ **देवपितृकार्य अमावस्या** ॥ द्विपुष्कर ०६:५५-२१:१२तक ॥

चन्द्र	६-२०:५८:४९	७१४:३३	वि-१
मंगल	९-१८:४९:३८	४७:०८	श्र-३
बुध	१०-०९:२७:२०	१०२:४१	शत-१
गुरु	२-२२:१८:४१	-०५:३०	पुन-१
शुक्र	१०-०४:०३:५७	७५:११	ध-४
शनि	११-०५:१४:३६	०६:२३	उभा-१
राहु	१०-१५:५२:४९	-०३:११	शत-३

अष्टमी



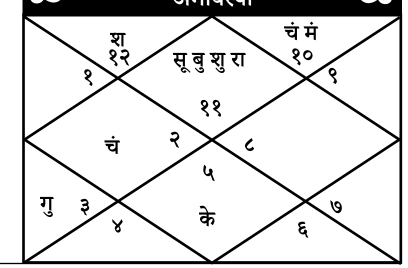
दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	मकर	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु
२	०५:५६	०७:४१	०९:१४	१०:४२	१२:१९	१४:१६	१६:२९	१८:४८	२१:०३	२३:१७	०१:३४	०३:५२
३	०५:५३	०७:३७	०९:१०	१०:३८	१२:१५	१४:१२	१६:२५	१८:४४	२०:५९	२३:१३	०१:३०	०३:४८
४	०५:४९	०७:३३	०९:०६	१०:३४	१२:११	१४:०८	१६:२१	१८:४०	२०:५५	२३:०९	०१:२६	०३:४४
५	०५:४५	०७:२९	०९:०२	१०:३०	१२:०७	१४:०४	१६:१७	१८:३७	२०:५१	२३:०५	०१:२२	०३:४०
६	०५:४१	०७:२५	०८:५८	१०:२६	१२:०३	१४:००	१६:१३	१८:३३	२०:४७	२३:०१	०१:१८	०३:३६
७	०५:३७	०७:२१	०८:५५	१०:२२	११:५९	१३:५६	१६:०९	१८:२९	२०:४४	२२:५७	०१:१५	०३:३२
८	०५:३३	०७:१७	०८:५१	१०:१८	११:५६	१३:५२	१६:०६	१८:२५	२०:४०	२२:५३	०१:११	०३:२८
९	०५:२९	०७:१३	०८:४७	१०:१४	११:५२	१३:४८	१६:०२	१८:२१	२०:३६	२२:४९	०१:०७	०३:२४
१०	०५:२५	०७:०९	०८:४३	१०:११	११:४८	१३:४४	१५:५८	१८:१७	२०:३२	२२:४५	०१:०३	०३:२०
११	०५:२१	०७:०५	०८:३९	१०:०७	११:४४	१३:४०	१५:५४	१८:१३	२०:२८	२२:४२	००:५९	०३:१६
१२	०५:१७	०७:०१	०८:३५	१०:०३	११:४०	१३:३७	१५:५०	१८:०९	२०:२४	२२:३८	००:५५	०३:१२
	कुंभ	**मीन**	**मेष**	**वृष**	**मिथुन**	**कर्क**	**सिंह**	**कन्या**	**तुला**	**वृश्चिक**	**धनु**	**मकर**
१३	०६:५८	०८:३१	०९:५९	११:३६	१३:३३	१५:४६	१८:०५	२०:२०	२२:३४	००:५१	०३:०८	०५:१३
१४	०६:५४	०८:२७	०९:५५	११:३२	१३:२९	१५:४२	१८:०१	२०:१६	२२:३०	००:४७	०३:०४	०५:०९
१५	०६:५०	०८:२३	०९:५१	११:२८	१३:२५	१५:३८	१७:५७	२०:१२	२२:२६	००:४३	०३:००	०५:०५
१६	०६:४६	०८:१९	०९:४७	११:२४	१३:२१	१५:३४	१७:५३	२०:०८	२२:२२	००:३९	०२:५७	०५:०१
१७	०६:४२	०८:१५	०९:४३	११:२०	१३:१७	१५:३०	१७:४९	२०:०४	२२:१८	००:३५	०२:५३	०४:५७

❖१६ दिवसीय पक्ष। ♒सूर्य कुंभ संक्रान्ति १२ फरवरी २०२६ गुरुवार २८:०६ बजे। वारानुसार **मन्दा** संक्रान्ति तथा नक्षत्रानुसार **राक्षसी** संज्ञक संक्रान्ति है। प्राचार्यों, शिक्षकों, कथावाचकों, विप्रवर्ण केलिए इत्यादि के लिए तथा अंत्यजों के लिए यह मास सुखप्रद है।

चन्द्र	९-२८:४९:२९	७९०:०५	ध-२
मंगल	९-२५:०६:५३	४७:१४	ध-१
बुध	१०-२१:५२:२९	७४:३९	पूभा-१
गुरु	२-२१:३९:१९	-०४:१०	पुन-१
शुक्र	१०-१४:०४:४०	७५:०४	शत-३
शनि	११-०६:०६:६०	०६:४५	उभा-१
राहु	१०-१५:२७:२४	-०३:११	शत-३

अमावस्या



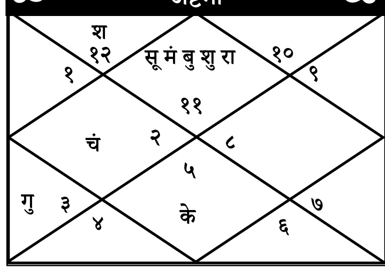
फाल्गुन शुक्ल सूर्य उत्तरायण उत्तर गोल वसंत ऋतु 18 फरवरी से 03 मार्च 2026

योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	अं.
मानस	**१**	**बु**	२५:००	१६:५४	**शतभिषा**	३५:४६	२१:१३	**शिव**	३९:३०	२२:४२	**बव**	२५:००	१६:५४	**०६:५४**	**१८:०७**	२८:०३	18
मुद्गर	**२**	**गु**	२२:३६	१५:५६	**पू.भा.**	३४:४९	२०:४९	**सिद्ध**	३४:२५	२०:३९	**कौलव**	२२:३६	१५:५६	**०६:५३**	**१८:०८**	२८:०७	19
केतु	**३**	**शु**	१९:१९	१४:३६	**उ.भा.**	३३:०१	२०:०५	**साध्य**	२८:४०	१८:२१	**गर**	१९:१९	१४:३६	**०६:५२**	**१८:०९**	२८:१०	20
धाता	**४**	**श**	१५:१९	१२:५९	**रेवती**	३०:३३	१९:०५	**शुभ**	२२:२३	१५:४९	**विष्टि**	१५:१९	१२:५९	**०६:५२**	**१८:०९**	२८:१४	21
आन	**५**	**र**	१०:४५	११:०९	**अश्विनी**	२७:३५	१७:५३	**शुक्ल**	१५:४१	१३:०७	**बालव**	१०:४६	११:०९	**०६:५१**	**१८:१०**	२८:१८	22
चर	**६**	**सो**	०५:४७	०९:०९	**भरणी**	२४:१६	१६:३२	**ब्रह्म**	०८:३९	१०:१८	**तैतिल**	०५:४७	०९:०९	**०६:५०**	**१८:१०**	२८:२२	23
गद	**७** **८**	**मं**	००:३२ ५५:०६	०७:०२ २८:५२	**कृत्तिका**	२०:४३	१५:०६	**ऐन्द्र**	०१:२५	०७:२३	**वणिज**	००:३३	०७:०२	**०६:४९**	**१८:११**	२८:२५	24
शुभ	**९**	**बु**	४९:४२	२६:४१	**रोहिणी**	१७:०६	१३:३८	**विषकम्भ**	४६:४०	२५:२८	**बालव**	२२:२६	१५:४६	**०६:४८**	**१८:१२**	२८:२९	25
मृत्यु	**१०**	**गु**	४४:२७	२४:३४	**मृगशिरा**	१३:३१	१२:१२	**प्रीति**	३९:२६	२२:३३	**तैतिल**	१७:०५	१३:३७	**०६:४७**	**१८:१२**	२८:३३	26
पद्म	**११**	**शु**	३९:२९	२२:३४	**आर्द्रा**	१०:०७	१०:४९	**आयुष्मान**	३२:२५	१९:४४	**वणिज**	११:५७	११:३३	**०६:४६**	**१८:१३**	२८:३७	27
छत्र	**१२**	**श**	३४:५९	२०:४५	**पुनर्वसु**	०७:०५	०९:३६	**सौभाग्य**	२५:४६	१७:०३	**बव**	०७:११	०९:३७	**०६:४५**	**१८:१३**	२८:४०	28
श्रीवत्स	**१३**	**र**	३१:०९	१९:१२	**पुष्य**	०४:३६	०८:३५	**शोभन**	१९:३६	१४:३५	**कौलव**	०२:५७	०७:५५	**०६:४४**	**१८:१४**	२८:४४	1
सौम्य	**१४**	**सो**	२८:०९	१७:५९	**आश्लेषा**	०२:५१	०७:५२	**अतिगण्ड**	१४:०४	१२:२१	**वणिज**	२८:०९	१७:५९	**०६:४३**	**१८:१५**	२८:४८	2
काल	**१५**	**मं**	२६:१२	१७:११	**मघा**	०२:०४	०७:३२	**सुकर्म**	०९:१९	१०:२६	**बव**	२६:१२	१७:११	**०६:४२**	**१८:१५**	२८:५२	3

अं.	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
18	कुंभ		१०-०५:१०:०९	**६०:३३**	पंचक, **सा.सूर्य मीन २१:२१ बजे, वसंत ऋतु आरंभ** ॥ पयोव्रत द्वादशी पर्याप्त ॥ १६:५४ से सिद्धि ॥
19	मीन २०:०९	१४:५७	१०-०६:१०:४०	**६०:३१**	पंचक, चन्द्र दर्शन, सम श्रृङ्ग, शर उत्तर ॥ **श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती** ॥ २०:४९ से रवियोग ॥ सूर्य शतभिषा १८:३१
20	मीन		१०-०७:११:०९	**६०:३०**	पंचक, भद्रारंभ २५:५०, **अविघ्नकरव्रत**, मनोरथ चतुर्थी। २०:०५ से रवियोग ॥ २०:०५ से सर्वार्थसिद्धि ॥
21	मेष ३०:३३	१९:०५	१०-०८:११:३६	**६०:२८**	पंचक १९:०५ समाप्त, भद्रा १२:५९तक, रवियोग १९:०५ तक ॥ शुक्र पू.भा. २४:३६
22	मेष		१०-०९:१२:०२	**६०:२६**	१७:५३ से रवियोग ॥ सर्वार्थसिद्धि १७:५३ तक ॥
23	वृष ३८:२४	२२:११	१०-१०:१२:२५	**६०:२४**	रवियोग १६:३२ तक ॥ मंगल कुंभ ११:४७
24	वृष		१०-११:१२:४७	**६०:२२**	भद्रा ०७:०२-१७:५७, **होलाष्टक आरंभ** ॥ सर्वार्थसिद्धि १५:०६ तक ॥ त्रिपुष्कर ०६:४९-१५:०७तक ॥
25	मिथुन ४५:१६	२४:५४	१०-१२:१३:०७	**६०:२०**	**आनंद नवमी** ॥ १३:३८ से रवियोग ॥ सर्वार्थसिद्धि ॥
26	मिथुन		१०-१३:१३:२५	**६०:१८**	रवियोग ॥
27	कर्क ५२:४५	२७:५२	१०-१४:१३:४०	**६०:१६**	भद्रा ११:३३-२२:३४, **आमलकी एकादशी** ॥ रवियोग १०:४९ तक ॥ १०:४९ से सर्वार्थसिद्धि ॥, बुध अस्त
28	कर्क		१०-१५:१३:५४	**६०:१४**	**पापनाशिनी द्वादशी** ॥ त्रिपुष्कर ०६:४५-०९:३६तक ॥
1	कर्क		१०-१६:१४:०५	**६०:१२**	**मार्च २०२६;** अर्क प्रदोष १८:१८से २०:४२तक ॥ ०८:३५ से रवियोग ॥ सर्वार्थसिद्धि ०८:३५ तक ॥ शुक्र मीन २४:५५
2	सिंह ०२:५२	०७:५२	१०-१७:१४:१५	**६०:१०**	भद्रा १७:५९-२९:२८, व्रत पूर्णिमा (चन्द्रोदय १७:१९) ॥ **होलिका दहन** ॥
3	सिंह		१०-१८:१४:२३	**६०:०८**	स्नानदान पूर्णिमा। **ग्रस्तोदय चन्द्र ग्रहण**। रवियोग ०७:५२ तक ॥ मंगल शतभिषा २२:५२,

चन्द्र	१-०५:०५:३६	८५२:०५	कृ-३
मंगल	१०-००:३७:२८	४७:१७	ध-३
बुध	१०-२७:५५:५०	१७:३३	पूभा-३
गुरु	२-२१:१४:०८	-०२:५१	पुन-१
शुक्र	१०-२२:४९:१९	७४:५५	पूभा-१
शनि	११-०६:५५:०४	०७:०१	उभा-२
राहु	१०-१५:०५:०९	-०३:११	शत-३

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर
१८	०६:३८	०८:११	०९:३९	११:१६	१३:१३	१५:२६	१७:४५	२०:००	२२:१४	००:३१	०२:४९	०४:५४
१९	०६:३४	०८:०७	०९:३५	११:१२	१३:०९	१५:२२	१७:४१	१९:५६	२२:१०	००:२७	०२:४५	०४:५०
२०	०६:३०	०८:०३	०९:३१	११:०८	१३:०५	१५:१८	१७:३८	१९:५२	२२:०६	००:२३	०२:४१	०४:४६
२१	०६:२६	०७:५९	०९:२७	११:०४	१३:०१	१५:१४	१७:३४	१९:४८	२२:०२	००:१९	०२:३७	०४:४२
२२	०६:२२	०७:५६	०९:२३	११:००	१२:५७	१५:१०	१७:३०	१९:४५	२१:५८	००:१६	०२:३३	०४:३८
२३	०६:१८	०७:५२	०९:१९	१०:५७	१२:५३	१५:०७	१७:२६	१९:४१	२१:५४	००:१२	०२:२९	०४:३४
२४	०६:१४	०७:४८	०९:१५	१०:५३	१२:४९	१५:०३	१७:२२	१९:३७	२१:५०	००:०८	०२:२५	०४:३०
२५	०६:१०	०७:४४	०९:१२	१०:४९	१२:४५	१४:५९	१७:१८	१९:३३	२१:४६	००:०४	०२:२१	०४:२६
२६	०६:०६	०७:४०	०९:०८	१०:४५	१२:४१	१४:५५	१७:१४	१९:२९	२१:४३	००:००	०२:१७	०४:२२
२७	०६:०२	०७:३६	०९:०४	१०:४१	१२:३८	१४:५१	१७:१०	१९:२५	२१:३९	२३:५६	०२:१३	०४:१८
२८	०५:५९	०७:३२	०९:००	१०:३७	१२:३४	१४:४७	१७:०६	१९:२१	२१:३५	२३:५२	०२:०९	०४:१४
१	०५:५५	०७:२८	०८:५६	१०:३३	१२:३०	१४:४३	१७:०२	१९:१७	२१:३१	२३:४८	०२:०५	०४:१०
२	०५:५१	०७:२४	०८:५२	१०:२९	१२:२६	१४:३९	१६:५८	१९:१३	२१:२७	२३:४४	०२:०१	०४:०६
३	०५:४७	०७:२०	०८:४८	१०:२५	१२:२२	१४:३५	१६:५४	१९:०९	२१:२३	२३:४०	०१:५८	०४:०२

❖**१४ दिवसीय पक्ष।** पूर्णिमा + मघा = ५८.४% पूर्णिमा + पू.फा.=४१.६% ॥

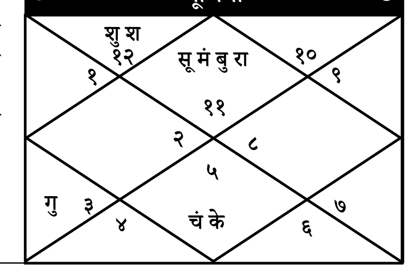
चन्द्र दर्शन, सम श्रृङ्ग फल - गणितागत चन्द्र दर्शन १८ फरवरी को है, परंतु प्रतिपदा तिथि की अवधि से यह संदेहास्पद प्रतीत होता है। इसलिए १९ फरवरी को चन्द्र-दर्शन निर्णीत है।

ग्रस्तोदय चन्द्र ग्रहण ०३ मार्च, मंगलवार, सायं १८:२० बजे होगा। इस ग्रहण के प्रभाव से घृत, तेल, गुड़, खांड़ आदि में तेजी आएगी। अन्न के भाव प्रारंभ में तेजी पर रहेंगे, लेकिन बाद में मंदी हो सकती है। रूई, सूत, कपास, वस्त्र, गेहूं, अलसी, तिल, तेल, एरंड आदि में अच्छी तेजी देखने को मिलेगी। चावल और चना के संग्रह से लाभ होगा, वहीं लाल वस्तुओं के भाव में भी तेजी आएगी। शहद, घृत, तेल, मक्का, पीला धान्य, सोना, पीतल और अन्य पीली धातुओं में भी उछाल संभव है। रूई, राई, मेथी, जस्ता आदि का संग्रह करने से चार महीने बाद लाभ मिलेगा। सुपारी, अनाज, सरसों आदि का संग्रह भी फायदेमंद हो सकता है। **होलिका दहन** - ०२ मार्च के सूर्यास्त से पूर्व १७:५९ बजे से आरंभ हो कर अगले दिन १७:११ तक पूर्णिमा तिथि व्याप्त है। दूसरे दिन ग्रस्तोदय ग्रहण है। ऐसी स्थिति में पूर्व रात्रि में भद्रा को त्यागकर चतुर्थ याम में या भद्रा-पुच्छ में होलिका करें। (निर्णय सिन्धु पृ४६५) अतः ०२ मार्च को २५:३७-२६:३७तक होलिका दहन का शुभ मुहूर्त्त ग्राह्य है।

यज्ञोपवीत मुहूर्त्त - १९ फरवरी गुरुवार ०६:५३ से १४:२३ तक। २० फरवरी शुक्रवार ०६:५२ से १४:२३ तक। २२ फरवरी रविवार ०६:५१ से १४:२३ तक। (आगामी दो मुहूर्त्त होलाष्टक दिनों के हैं, अतः जहाँ होलाष्टक मान्य हो वहाँ वर्जित करें।) २६ फरवरी गुरुवार ०६:५१ से १४:२३ तक। २७ फरवरी शुक्रवार०६:५१ से १४:२३ तक।

चन्द्र	४-१२:५२:२८	७९७:१७	मघा-४
मंगल	१०-०६:०८:११	४७:१६	ध-४
बुध	१०-२६:३४:४७	-४५:०१	पूभा-२
गुरु	२-२०:५८:१७	-०१:३०	पुन-१
शुक्र	११-०१:३२:४८	७४:४४	पूभा-४
शनि	११-०७:४४:४६	०७:१३	उभा-२
राहु	१०-१४:४२:५४	-०३:११	शत-३

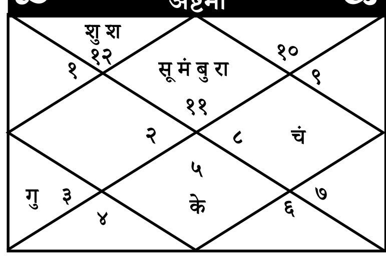
पूर्णिमा



चैत्र कृष्ण						सूर्य उत्तरायण दक्षिण गोल								वसंत ऋतु								04 - 19 मार्च 2026
योग	ति	वार	घ.प.	घ.मि.	नक्षत्र	घ.प.	घं.मि.	योग	घ.प.	घं.मि.	करण	घ.प.	घं.मि.	सू.उ.	सू.अ.	दि. मान	चं. रा. प्रवेश घ.प.	घं.मि.	औदयिक सूर्य	गति	अं.	भद्रा पञ्चक, व्रतपर्वादि, ग्रहाचार
सुस्थिर	**१**	बु	२५:२९	१६:५३	**पू.फा.**	०२:२५	०७:४०	**धृति**	०५:३०	०८:५३	**कौलव**	२५:२९	१६:५३	**०६:४१**	**१८:१६**	२८:५६	कन्या १७:४८	१३:४९	१०-१९:१४:२९	**६०:०७**	4	**वसंतोत्सव, श्वपच स्पृष्ट्वा स्नानं, होलिकाविभूति वन्दनम्, आम्रकुसुमप्राशन**। सूर्य पू.भा. २४:५२, शुक्र उ.भा. १७:०८
मातंग	**२**	गु	२६:०८	१७:०८	**उ.फा.**	०४:०५	०८:१९	**शूल**	०२:४४	०७:४६	**गर**	२६:०९	१७:०८	**०६:४०**	**१८:१६**	२८:६०	कन्या		१०-२०:१४:३३	**६०:०५**	5	भद्रारंभ २९:२४, **भाई दूज** ॥
अमृत	**३**	शु	२८:१४	१७:५७	**हस्त**	०७:१०	०९:३१	**गण्ड**	०१:०६	०७:०६	**विष्टि**	२८:१५	१७:५७	**०६:३९**	**१८:१७**	२९:०३	तुला ३९:१४	२२:२१	१०-२१:१४:३५	**६०:०३**	6	भद्रा १७:५७तक, **संकष्ट चतुर्थी व्रत**(चन्द्रोदय २१:०७)
काण	**४**	श	३१:४५	१९:२०	**चित्रा**	११:३७	११:१७	**वृद्धि**	००:३५	०६:५२	**बालव**	३१:४५	१९:२०	**०६:३८**	**१८:१७**	२९:०७	तुला		१०-२२:१४:३५	**६०:०२**	7	द्विपुष्कर ०६:३८-११:१८तक
लुम्ब	**५**	र	३६:२९	२१:१३	**स्वाति**	१७:१९	१३:३३	**ध्रुव**	०१:०६	०७:०४	**कौलव**	०३:५६	०८:१२	**०६:३७**	**१८:१८**	२९:११	तुला		१०-२३:१४:३४	**६०:००**	8	त्रिपुष्कर १३:३४-३०:३७तक
मित्र	**६**	सो	४२:०९	२३:२८	**विशाखा**	२३:५९	१६:१२	**व्याघात**	०२:२८	०७:३५	**गर**	०९:१४	१०:१८	**०६:३६**	**१८:१८**	२९:१५	वृश्चिक ०७:१४	०९:३०	१०-२४:१४:३२	**५९:५८**	9	भद्रारंभ २३:२८, १६:१२ से रवियोग ॥ १६:१२ से सर्वार्थसिद्धि
वज्र	**७**	मं	४८:१७	२५:५४	**अनुराधा**	३१:१३	१९:०५	**हर्षण**	०४:२४	०८:२१	**विष्टि**	१५:१२	१२:४०	**०६:३५**	**१८:१९**	२९:१९	वृश्चिक		१०-२५:१४:२७	**५९:५७**	10	भद्रा १२:४०तक, रवियोग १९:०५ तक ॥ सर्वार्थसिद्धि १९:०५ तक, मंगल उदित, बुध शतभिषा ०८:००,
ध्वांक्ष	**८**	बु	५४:२२	२८:१९	**ज्येष्ठा**	३८:३१	२१:५९	**वज्र**	०६:३२	०९:११	**बालव**	२१:२२	१५:०७	**०६:३४**	**१८:१९**	२९:२३	धनु ३८:३१	२१:५९	१०-२६:१४:२१	**५९:५५**	11	**शीतला पूजन, शीतलाष्टमी, बासोढ़ा, बुधाष्टमी**
धूम्र	**९**	गु	५९:५०	३०:२९	**मूल**	४५:२१	२४:४२	**सिद्धि**	०८:२९	०९:५७	**तैतिल**	२७:०८	१७:२५	**०६:३३**	**१८:२०**	२९:२७	धनु		१०-२७:१४:१४	**५९:५४**	12	
प्रवर्ध	**१०**	शु	६४:११	३२:१३	**पू.षा.**	५१:१२	२७:०१	**व्यतिपात**	०९:५२	१०:२९	**वणिज**	३२:०१	१९:२१	**०६:३२**	**१८:२०**	२९:३१	धनु		१०-२८:१४:०४	**५९:५२**	13	भद्रारंभ १९:२१, बुध उदित
रक्ष	**१०**	श	०४:०५	०८:०९	**उ.षा.**	५५:४२	२८:४८	**वरियन**	१०:२०	१०:३९	**विष्टि**	०४:०५	०८:०९	**०६:३१**	**१८:२१**	२९:३४	मकर ०७:२८	०९:३०	१०-२९:१३:५३	**५९:५०**	14	भद्रा ०८:०९तक, iसूर्य मीन संक्रान्ति। २८:४८से सर्वार्थ सिद्धि, त्रिपुष्कर ०६:३१-२८:४८ , सूर्य मीन २५:०१,
मूसल	**११**	र	०६:४९	०९:१४	**श्रवण**	५८:३४	२९:५६	**परिध**	०९:४०	१०:२२	**बालव**	०६:४९	०९:१४	**०६:३०**	**१८:२१**	२९:३८	मकर		११-००:१३:४१	**५९:४८**	15	**पापमोचिनी एकादशी**। द्विपुष्कर २९:५५-३ ०:३ ०तक, शुक्र रेवती १०:३७,
शुभ	**१२**	सो	०७:५१	०९:३८	**धनिष्ठा**	५९:४३	३०:२२	**शिव**	०७:४१	०९:३३	**तैतिल**	०७:५२	०९:३८	**०६:२९**	**१८:२२**	२९:४२	कुंभ २९:१०	१८:०९	११-०१:१३:२६	**५९:४६**	16	पंचक १८:०९ आरंभ, वारुणी योग ०९:३८ से आरंभ ॥ **सोम प्रदोष** (१८:२६-२०:५०)
मृत्यु	**१३**	मं	०७:१०	०९:२०	**शतभिषा**	५९:१२	३०:०९	**सिद्ध**	०४:२२	०८:१३	**वणिज**	०७:१०	०९:२०	**०६:२८**	**१८:२२**	२९:४६	कुंभ		११-०२:१३:१०	**५९:४५**	17	पंचक, भद्रा ०९:२०-२०:५४, **वारुणी योग** ०६:१०तक। त्रिपुष्कर ३०:०९-३०:२८तक
पद्म	**१४**	बु	०४:५१	०८:२३	**पू.भा.**	५७:१४	२९:२१	**शुभ**	५३:५२	२८:००	**शकुनि**	०४:५१	०८:२३	**०६:२७**	**१८:२३**	२९:५०	मीन ४२:४४	२३:३२	११-०३:१२:५१	**५९:४३**	18	पंचक, पितृकार्य अमावस्या। सूर्य उ.भा. ०९:१९,
छत्र	**३०** **१**	गु	०१:०५ ५६:०८	०६:५२ २८:५३	**उ.भा.**	५४:०४	२८:०४	**शुक्ल**	४७:०२	२५:१४	**नाग**	०१:०६	०६:५२	**०६:२६**	**१८:२३**	२९:५४	मीन		११-०४:१२:३१	**५९:४१**	19	पंचक, देवकार्य अमावस्या। २८:०४से सर्वार्थ सिद्धि योग। **सिद्धार्थी संवत्सर समाप्त**। **विक्रमाब्द २०८३ शकाब्द १९४८ नवसंवत्सर आरंभ** ॥

चन्द्र	७-२२:२१:२३	७१४:१८	ज्ये-२
मंगल	१०-१२:२६:०३	४७:१५	शत-२
बुध	१०-१९:०६:०७	-५४:०५	शत-४
गुरु	२-२०:५१:५०	००:०४	पुन-१
शुक्र	११-११:२९:३०	७४:३२	उभा-३
शनि	११-०८:४३:०४	०७:२३	उभा-२
राहु	१०-१४:१७:२९	-०३:११	शत-३

अष्टमी



दैनिक लग्न प्रवेश सारणी

दि	कुंभ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर
४	०५:४३	०७:१६	०८:४४	१०:२१	१२:१८	१४:३१	१६:५०	१९:०५	२१:१९	२३:३६	०१:५४	०३:५८
५	०५:३९	०७:१२	०८:४०	१०:१७	१२:१४	१४:२७	१६:४६	१९:०१	२१:१५	२३:३२	०१:५०	०३:५५
६	०५:३५	०७:०८	०८:३६	१०:१३	१२:१०	१४:२३	१६:४२	१८:५७	२१:११	२३:२८	०१:४६	०३:५१
७	०५:३१	०७:०४	०८:३२	१०:०९	१२:०६	१४:१९	१६:३९	१८:५३	२१:०७	२३:२४	०१:४२	०३:४७
८	०५:२७	०७:००	०८:२८	१०:०५	१२:०२	१४:१५	१६:३५	१८:४९	२१:०३	२३:२०	०१:३८	०३:४३
९	०५:२३	०६:५७	०८:२४	१०:०१	११:५८	१४:११	१६:३१	१८:४६	२०:५९	२३:१७	०१:३४	०३:३९
१०	०५:१९	०६:५३	०८:२०	०९:५८	११:५४	१४:०८	१६:२७	१८:४२	२०:५५	२३:१३	०१:३०	०३:३५
११	०५:१५	०६:४९	०८:१६	०९:५४	११:५०	१४:०४	१६:२३	१८:३८	२०:५१	२३:०९	०१:२६	०३:३१
१२	०५:११	०६:४५	०८:१३	०९:५०	११:४६	१४:००	१६:१९	१८:३४	२०:४७	२३:०५	०१:२२	०३:२७
१३	०५:०७	०६:४१	०८:०९	०९:४६	११:४२	१३:५६	१६:१५	१८:३०	२०:४४	२३:०१	०१:१८	०३:२३
१४	०५:०३	०६:३७	०८:०५	०९:४२	११:३९	१३:५२	१६:११	१८:२६	२०:४०	२२:५७	०१:१४	०३:१९
	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ
१५	०६:३३	०८:०१	०९:३८	११:३५	१३:४८	१६:०७	१८:२२	२०:३६	२२:५३	०१:१०	०३:१५	०५:००
१६	०६:२९	०७:५७	०९:३४	११:३१	१३:४४	१६:०३	१८:१८	२०:३२	२२:४९	०१:०६	०३:११	०४:५६
१७	०६:२५	०७:५३	०९:३०	११:२७	१३:४०	१५:५९	१८:१४	२०:२८	२२:४५	०१:०२	०३:०७	०४:५२
१८	०६:२१	०७:४९	०९:२६	११:२३	१३:३६	१५:५५	१८:१०	२०:२४	२२:४१	००:५९	०३:०३	०४:४८
१९	०६:१७	०७:४५	०९:२२	११:१९	१३:३२	१५:५१	१८:०६	२०:२०	२२:३७	००:५५	०२:५९	०४:४४

❖**१६ दिवसीय पक्ष। ♓सूर्य मीन संक्रान्ति १४ मार्च शनिवार २५:०१ बजे।** निशा काल के बाद मीन संक्रान्ति है, इसलिए अगले दिन पुण्य काल रहेगा। वारानुसार राक्षसी संज्ञक और नक्षत्रानुसार **मन्दा** संज्ञक संक्रान्ति है। यह अन्त्यजों के लिए तथा प्राचार्यों, शिक्षकों, कथावाचकों, विप्रवर्ण केलिए इत्यादि के लिए यह मास सुखप्रद है।

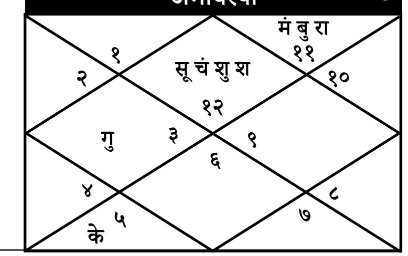
वसंतोत्सव - ०४ मार्च। चैत्र कृष्ण प्रतिपदा की सूर्योदय बाद श्वपच स्पर्श के बाद स्नान, होलिका विभूति धारण इत्यादि के बाद वसंतोत्सव मनाते हैं।

वारुणी योग - १७ मार्च प्रातः ०६:२२ से ०९:२० तक शतभिषा का शुभ योग सौ सूर्य ग्रहण के समान फल देने वाला है।

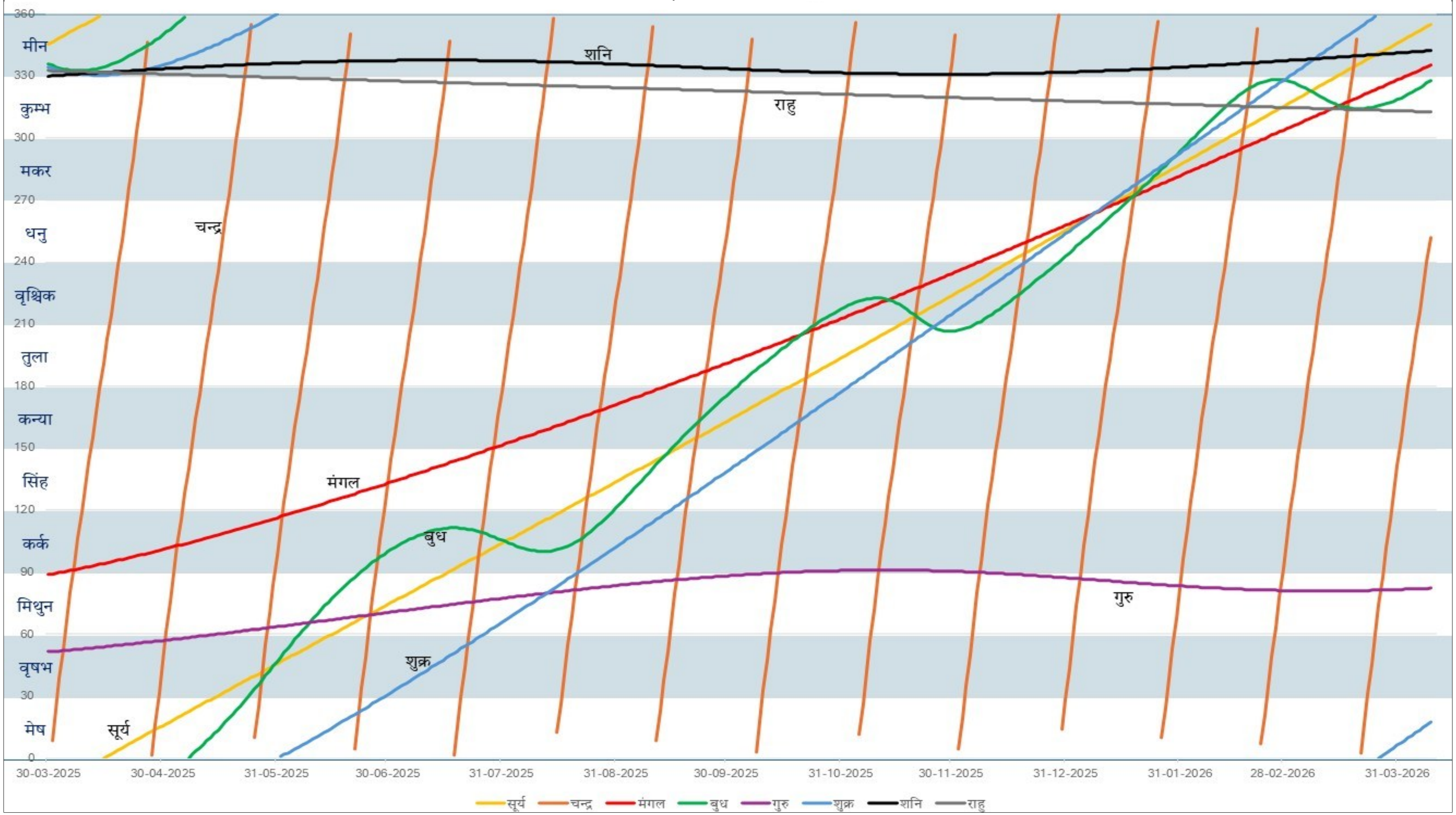
विक्रमाब्द २०८३ शकाब्द १९४८ नव संवत्सर आरंभ, वासंती नवरात्र, गुड़ी पड़वा, अमावस्या उपरांत कलश स्थापना इत्यादि कार्य १९ मार्च गुरुवार को किया जाएगा। प्रतिपदा क्षय तिथि होने के कारण अमायुता तिथि को ग्रहण किया गया है। इसके साथ प्रपादान (जलयुक्त घटदान) किया जाता है।

चन्द्र	११-०३:५८:१३	८४५:१५	उभा-१
मंगल	१०-१८:४३:३४	४७:११	शत-४
बुध	१०-१४:२५:४०	-०७:५९	शत-३
गुरु	२-२०:५७:५२	०१:३७	पुन-१
शुक्र	११-२१:२४:३३	७४:१९	रे-२
शनि	११-०९:४२:२६	०७:२८	उभा-२
राहु	१०-१३:५२:०३	-०३:११	शत-३

अमावस्या



वार्षिक ग्रहस्पष्ट - २०२५ - २६



दैनिक ग्रह स्पष्ट एवं नक्षत्राचार सारणी (औदयिक) मार्च-अप्रैल २०२५

दि	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	दि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
30	११-१५:२१:३१	५९:१८	११-२३:२८:१२	९०८:२७	२-२८:४५:३१	१९:०३	११-०५:५०:१७	-४१:५६	१-२१:२७:५९	०९:०७	११-०४:१७:५८	-३०:४७	११-००:०२:३१	०७:१४	११-०२:३७:३२	30	उभा-४	रे-३	पुन-३	उभा-१	रो-४	उभा-१	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
31	११-१६:२०:४६	५९:१६	०-०८:३५:४६	९०२:०८	२-२९:०४:३४	१९:२६	११-०५:०८:३०	-३७:३०	१-२१:३७:०५	०९:१४	११-०३:४७:१६	-२९:००	११-००:०९:४५	०७:१३	११-०२:३४:२१	31	उभा-४	अश्वि-३	पुन-३	उभा-१	रो-४	उभा-१	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
1	११-१७:१९:५९	५९:१४	०-२३:३६:४८	८८७:३२	२-२९:२३:५९	१९:४८	११-०४:३१:१०	-३२:३८	१-२१:४६:१९	०९:२१	११-०३:१८:२०	-२७:०५	११-००:१६:५७	०७:११	११-०२:३१:१०	1	रे-१	भ-४	पुन-३	उभा-१	रो-४	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
2	११-१८:१९:१०	५९:११	१-०८:२३:०५	८६६:४८	२-२९:४३:४७	२०:०९	११-०३:५८:४३	-२७:२५	१-२१:५५:४०	०९:२८	११-०२:५१:२०	-२५:०२	११-००:२४:०८	०७:१०	११-०२:२७:६०	2	रे-१	कृ-४	पुन-३	उभा-१	रो-४	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
3	११-१९:१८:१८	५९:०९	१-२२:४८:३५	८४२:३६	३-००:०३:५६	२०:३०	११-०३:३१:२८	-२१:५९	१-२२:०५:०८	०९:३५	११-०२:२६:२३	-२२:५३	११-००:३१:१८	०७:०९	११-०२:२४:४९	3	रे-१	रो-४	पुन-४	उभा-१	रो-४	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
4	११-२०:१७:२५	५९:०७	२-०६:४९:५३	८१७:३१	३-००:२४:२५	२०:५०	११-०३:०९:३९	-१६:२६	१-२२:१४:४३	०९:४२	११-०२:०३:३४	-२०:३८	११-००:३८:२६	०७:०७	११-०२:२१:३९	4	रे-२	आर्द्रा-१	पुन-४	पूभा-४	रो-४	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
5	११-२१:१६:२९	५९:०४	२-२०:२६:१०	७९३:३३	३-००:४५:१५	२१:१०	११-०२:५३:२२	-१०:५१	१-२२:२४:२४	०९:४८	११-०१:४३:०१	-१८:१९	११-००:४५:३३	०७:०६	११-०२:१८:२८	5	रे-२	पुन-१	पुन-४	पूभा-४	रो-४	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
6	११-२२:१५:३०	५९:०२	३-०३:३८:३६	७७२:०७	३-०१:०६:२५	२१:२९	११-०२:४२:४०	-०५:१७	१-२२:३४:१२	०९:५५	११-०१:२४:४७	-१५:५६	११-००:५२:३८	०७:०४	११-०२:१५:१८	6	रे-२	पुष्य-१	पुन-४	पूभा-४	रो-४	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
7	११-२३:१४:३०	५८:६०	३-१६:२९:४३	७५३:५६	३-०१:२७:५४	२१:४८	११-०२:३७:३२	००:१२	१-२२:४४:०६	१०:०१	११-०१:०८:५५	-१३:३१	११-००:५९:४१	०७:०२	११-०२:१२:०७	7	रे-२	पुष्य-४	पुन-४	पूभा-४	रो-४	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
8	११-२४:१३:२६	५८:५७	३-२९:०२:४५	७३९:१४	३-०१:४९:४२	२२:०७	११-०२:३७:५१	०५:३२	१-२२:५४:०७	१०:०७	११-००:५५:२८	-११:०४	११-०१:०६:४३	०७:००	११-०२:०८:५६	8	रे-३	श्लेषा-४	पुन-४	पूभा-४	रो-४	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
9	११-२५:१२:२१	५८:५५	४-११:२१:१२	७२७:५५	३-०२:११:४७	२२:२४	११-०२:४३:३०	१०:४४	१-२३:०४:१३	१०:१३	११-००:४४:२७	-०८:३७	११-०१:१३:४२	०६:५८	११-०२:०५:४६	9	रे-३	मघा-४	पुन-४	पूभा-४	रो-४	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
10	११-२६:११:१४	५८:५३	४-२३:२८:२४	७१९:३८	३-०२:३४:११	२२:४२	११-०२:५४:२०	१५:४४	१-२३:१४:२६	१०:१९	११-००:३५:५४	-०६:१०	११-०१:२०:४०	०६:५७	११-०२:०२:३५	10	रे-३	पूफा-४	पुन-४	पूभा-४	रो-४	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
11	११-२७:१०:०४	५८:५१	५-०५:२७:२४	७१४:०१	३-०२:५६:५२	२२:५९	११-०३:१०:१०	२०:३३	१-२३:२४:४५	१०:२५	११-००:२९:४७	-०३:४३	११-०१:२७:३६	०६:५५	११-०१:५९:२४	11	रे-४	उफा-३	पुन-४	पूभा-४	मृ-१	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
12	११-२८:०८:५२	५८:४९	५-१७:२०:५१	७१०:४४	३-०३:१९:५०	२३:१६	११-०३:३०:४८	२५:१०	१-२३:३५:१०	१०:३१	११-००:२६:०७	-०१:१८	११-०१:३४:३१	०६:५३	११-०१:५६:१३	12	रे-४	हस्त-३	पुन-४	उभा-१	मृ-१	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
13	११-२९:०७:३९	५८:४७	५-२९:११:०४	७०९:३१	३-०३:४३:०५	२३:३२	११-०३:५६:०३	२९:३५	१-२३:४५:४०	१०:३७	११-००:२४:५२	०१:०५	११-०१:४१:२३	०६:५१	११-०१:५३:०२	13	रे-४	चित्रा-२	पुष्य-१	उभा-१	मृ-१	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
14	०-००:०६:२३	५८:४५	६-११:००:०७	७१०:१६	३-०४:०६:३६	२३:४८	११-०४:२५:४१	३३:४७	१-२३:५६:१६	१०:४२	११-००:२५:५९	०३:२६	११-०१:४८:१३	०६:४९	११-०१:४९:५२	14	अश्वि-१	स्वा-२	पुष्य-१	उभा-१	मृ-१	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
15	०-०१:०५:०५	५८:४३	६-२२:४९:५७	७१३:०४	३-०४:३०:२३	२४:०४	११-०४:५९:३१	३७:४७	१-२४:०६:५८	१०:४८	११-००:२९:२८	०५:४४	११-०१:५५:०१	०६:४६	११-०१:४६:४१	15	अश्वि-१	वि-१	पुष्य-१	उभा-१	मृ-१	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
16	०-०२:०३:४६	५८:४१	७-०४:४२:३८	७१८:०७	३-०४:५४:२६	२४:१९	११-०५:३७:२१	४१:३६	१-२४:१७:४५	१०:५३	११-००:३५:१४	०७:५९	११-०२:०१:४७	०६:४४	११-०१:४३:३०	16	अश्वि-१	अनु-१	पुष्य-१	उभा-१	मृ-१	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
17	०-०३:०२:२५	५८:४०	७-१६:४०:२५	७२५:४६	३-०५:१८:४४	२४:३४	११-०६:१८:६०	४५:१५	१-२४:२८:३८	१०:५९	११-००:४३:१५	१०:११	११-०२:०८:३१	०६:४२	११-०१:४०:२०	17	अश्वि-१	ज्ये-१	पुष्य-१	उभा-१	मृ-१	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
18	०-०४:०१:०२	५८:३८	७-२८:४५:५३	७३६:२५	३-०५:४३:१७	२४:४९	११-०७:०४:१६	४८:४२	१-२४:३९:३६	११:०४	११-००:५३:२८	१२:१९	११-०२:१५:१३	०६:४०	११-०१:३७:०९	18	अश्वि-२	ज्ये-४	पुष्य-१	उभा-२	मृ-१	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
19	०-०४:५९:३८	५८:३६	८-११:०२:०३	७५०:२७	३-०६:०८:०५	२५:०३	११-०७:५२:६०	५२:००	१-२४:५०:४०	११:०९	११-०१:०५:४९	१४:२४	११-०२:२१:५२	०६:३७	११-०१:३३:५९	19	अश्वि-२	मूल-४	पुष्य-१	उभा-२	मृ-१	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
20	०-०५:५८:१२	५८:३५	८-२३:३२:१८	७६८:०५	३-०६:३३:०७	२५:१७	११-०८:४५:०१	५५:०९	१-२५:०१:४८	११:१४	११-०१:२०:१४	१६:२५	११-०२:२८:२९	०६:३५	११-०१:३०:४८	20	अश्वि-२	पूषा-४	पुष्य-१	उभा-२	मृ-१	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
21	०-०६:५६:४४	५८:३३	९-०६:२०:१४	७८९:१६	३-०६:५८:२३	२५:३१	११-०९:४०:११	५८:१०	१-२५:१३:०२	११:१९	११-०१:३६:४०	१८:२१	११-०२:३५:०३	०६:३२	११-०१:२७:३८	21	अश्वि-३	उषा-३	पुष्य-२	उभा-२	मृ-१	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
22	०-०७:५५:१५	५८:३१	९-१९:२९:२२	८१३:२७	३-०७:२३:५३	२५:४५	११-१०:३८:२१	६१:०२	१-२५:२४:२०	११:२४	११-०१:५५:०२	२०:१४	११-०२:४१:३५	०६:३०	११-०१:२४:२७	22	अश्वि-३	श्र-३	पुष्य-२	उभा-३	मृ-१	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
23	०-०८:५३:४४	५८:३०	१०-०३:०२:४१	८३९:२८	३-०७:४९:३७	२५:५८	११-११:३९:२३	६३:४८	१-२५:३५:४४	११:२९	११-०२:१५:१६	२२:०३	११-०२:४८:०४	०६:२७	११-०१:२१:१६	23	अश्वि-३	ध-३	पुष्य-२	उभा-३	मृ-१	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
24	०-०९:५२:११	५८:२८	१०-१७:०१:६०	८६५:२४	३-०८:१५:३४	२६:११	११-१२:४३:११	६६:२७	१-२५:४७:१२	११:३३	११-०२:३७:२०	२३:४८	११-०२:५४:३०	०६:२४	११-०१:१८:०५	24	अश्वि-३	शत-४	पुष्य-२	उभा-३	मृ-१	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
25	०-१०:५०:३७	५८:२६	११-०१:२७:११	८८८:३७	३-०८:४१:४४	२६:२४	११-१३:४९:३७	६८:६०	१-२५:५८:४५	११:३८	११-०३:०१:०८	२५:२९	११-०३:००:५४	०६:२१	११-०१:१४:५५	25	अश्वि-४	पूभा-४	पुष्य-२	उभा-४	मृ-१	पूभा-४	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
26	०-११:४९:०१	५८:२५	११-१६:१५:२९	९०६:०३	३-०९:०८:०७	२६:३७	११-१४:५८:३६	७१:२७	१-२६:१०:२२	११:४२	११-०३:२६:३६	२७:०६	११-०३:०७:१५	०६:१८	११-०१:११:४४	26	अश्वि-४	उभा-४	पुष्य-२	उभा-४	मृ-१	उभा-१	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
27	०-१२:४७:२४	५८:२३	०-०१:२१:०८	९१४:५७	३-०९:३४:४३	२६:४९	११-१६:१०:०२	७३:५०	१-२६:२२:०४	११:४७	११-०३:५३:४२	२८:३९	११-०३:१३:३३	०६:१६	११-०१:०८:३३	27	अश्वि-४	अश्वि-१	पुष्य-२	उभा-४	मृ-१	उभा-१	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
28	०-१३:४५:४४	५८:२१	०-१६:३५:३२	९१३:३१	३-१०:०१:३१	२७:०२	११-१७:२३:५१	७६:०९	१-२६:३३:५१	११:५१	११-०४:२२:२१	३०:०९	११-०३:१९:४८	०६:१३	११-०१:०५:२२	28	भ-१	भ-१	पुष्य-३	रे-१	मृ-१	उभा-१	पूभा-४	पूभा-४	उफा-४
29	०-१४:४४:०४	५८:१९	१-०१:४८:२५	९०१:४२	३-१०:२८:३२	२७:१४	११-१८:३९:५९	७८:२३	१-२६:४५:४१	११:५६	११-०४:५२:२९	३१:३५	११-०३:२६:०१	०६:१०	११-०१:०२:१२	29	भ-१	कृ-२	पुष्य-३	रे-१	मृ-२	उभा-१	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
30	०-१५:४२:२१	५८:१८	१-१६:४९:२५	८८१:०९	३-१०:५५:४५	२७:२५	११-१९:५८:२१	८०:३५	१-२६:५७:३७	११:६०	११-०५:२४:०४	३२:५८	११-०३:३२:१०	०६:०७	११-००:५९:०१	30	भ-१	रो-३	पुष्य-३	रे-१	मृ-२	उभा-१	उभा-१	पूभा-४	उफा-४

दैनिक ग्रह स्पष्ट एवं नक्षत्राचार सारणी (औदयिक) मई २०२५

दि	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	दि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक	शनि	राहु	केतु
1	०-१६:४०:३७	५८:१६	२-०१:२९:५०	८५४:४५	३-११:२३:०९	२७:३७	११-२१:१८:५४	८२:४३	१-२७:०९:३६	१२:०४	११-०५:५७:०१	३४:१७	११-०३:३८:१६	०६:०३	११-००:५५:५१	1	भ-२	मृ-३	पुष्य-३	रे-२	मृ-२	उभा-१	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
2	०-१७:३८:५०	५८:१४	२-१५:४३:५२	८२५:५२	३-११:५०:४५	२७:४८	११-२२:४१:३५	८४:४९	१-२७:२१:३९	१२:०८	११-०६:३१:१७	३५:३३	११-०३:४४:१९	०५:६०	११-००:५२:४०	2	भ-२	आर्द्रा-३	पुष्य-३	रे-२	मृ-२	उभा-१	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
3	०-१८:३७:०२	५८:११	२-२९:२९:०४	७९७:२७	३-१२:१८:३३	२७:५९	११-२४:०६:२३	८६:५३	१-२७:३३:४६	१२:११	११-०७:०६:५०	३६:४७	११-०३:५०:१८	०५:५७	११-००:४९:३०	3	भ-२	पुन-३	पुष्य-३	रे-३	मृ-२	उभा-२	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
4	०-१९:३५:११	५८:०९	३-१२:४५:५४	७७१:४५	३-१२:४६:३१	२८:०९	११-२५:३३:१४	८८:५५	१-२७:४५:५७	१२:१५	११-०७:४३:३६	३७:५८	११-०३:५६:१५	०५:५३	११-००:४६:१९	4	भ-२	पुष्य-३	पुष्य-३	रे-३	मृ-२	उभा-२	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
5	०-२०:३३:१९	५८:०७	३-२५:३७:०६	७५०:०६	३-१३:१४:३९	२८:२०	११-२७:०२:०७	९०:५६	१-२७:५८:१२	१२:१९	११-०८:२१:३३	३९:०६	११-०४:०२:०८	०५:५०	११-००:४३:०८	5	भ-३	श्लेषा-३	पुष्य-३	रे-४	मृ-२	उभा-२	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
6	०-२१:३१:२४	५८:०५	४-०८:०६:४३	७३३:०८	३-१३:४२:५८	२८:३०	११-२८:३३:०२	९२:५६	१-२८:१०:३०	१२:२२	११-०९:००:३८	४०:११	११-०४:०७:५७	०५:४६	११-००:३९:५८	6	भ-३	मघा-३	पुष्य-४	रे-४	मृ-२	उभा-२	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
7	०-२२:२९:२८	५८:०४	४-२०:१९:२६	७२०:५५	३-१४:११:२७	२८:४०	०-००:०५:५६	९४:५६	१-२८:२२:५१	१२:२५	११-०९:४०:४९	४१:१४	११-०४:१३:४३	०५:४३	११-००:३६:४७	7	भ-३	पूफा-३	पुष्य-४	अश्वि-१	मृ-२	उभा-२	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
8	०-२३:२७:३०	५८:०२	५-०२:१९:५८	७१३:०६	३-१४:४०:०६	२८:४९	०-०१:४०:५०	९६:५५	१-२८:३५:१६	१२:२९	११-१०:२२:०२	४२:१५	११-०४:१९:२५	०५:३९	११-००:३३:३६	8	भ-४	उफा-२	पुष्य-४	अश्वि-१	मृ-२	उभा-३	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
9	०-२४:२५:३०	५७:६०	५-१४:१२:४४	७०९:१०	३-१५:०८:५५	२८:५९	०-०३:१७:४२	९८:५४	१-२८:४७:४४	१२:३२	११-११:०४:१६	४३:१३	११-०४:२५:०४	०५:३५	११-००:३०:२५	9	भ-४	हस्त-२	पुष्य-४	अश्वि-१	मृ-२	उभा-३	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
10	०-२५:२३:२८	५७:५८	५-२६:०१:३६	७०८:२७	३-१५:३७:५३	२९:०८	०-०४:५६:३४	१००:५२	१-२९:००:१६	१२:३५	११-११:४७:२८	४४:१०	११-०४:३०:३९	०५:३२	११-००:२७:१५	10	भ-४	चित्रा-१	पुष्य-४	अश्वि-२	मृ-२	उभा-३	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
11	०-२६:२१:२५	५७:५७	६-०७:४९:४५	७१०:१९	३-१६:०७:००	२९:१८	०-०६:३७:२४	१०२:५१	१-२९:१२:५१	१२:३८	११-१२:३१:३७	४५:०४	११-०४:३६:१०	०५:२८	११-००:२४:०४	11	भ-४	स्वा-१	पुष्य-४	अश्वि-२	मृ-२	उभा-३	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
12	०-२७:१९:२०	५७:५५	६-१९:३९:४८	७१४:११	३-१६:३६:१७	२९:२७	०-०८:२०:१३	१०४:५०	१-२९:२५:२९	१२:४१	११-१३:१६:४०	४५:५६	११-०४:४१:३८	०५:२४	११-००:२०:५३	12	कृ-१	स्वा-४	पुष्य-४	अश्वि-३	मृ-२	उभा-३	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
13	०-२८:१७:१३	५७:५४	७-०१:३३:४३	७१९:३८	३-१७:०५:४३	२९:३५	०-१०:०५:०२	१०६:५०	१-२९:३८:१०	१२:४४	११-१४:०२:३५	४६:४६	११-०४:४७:०२	०५:२०	११-००:१७:४३	13	कृ-१	वि-४	श्लेषा-१	अश्वि-४	मृ-२	उभा-४	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
14	०-२९:१५:०५	५७:५२	७-१३:३३:०७	७२६:२८	३-१७:३५:१७	२९:४४	०-११:५१:४९	१०८:४९	१-२९:५०:५४	१२:४७	११-१४:४९:२०	४७:३५	११-०४:५२:२२	०५:१७	११-००:१४:३२	14	कृ-१	अनु-४	श्लेषा-१	अश्वि-४	मृ-२	उभा-४	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
15	१-००:१२:५६	५७:५१	७-२५:३९:२१	७३४:४१	३-१८:०५:०१	२९:५३	०-१३:४०:३६	११०:४८	२-००:०३:४१	१२:५०	११-१५:३६:५४	४८:२१	११-०४:५७:३९	०५:१३	११-००:११:२१	15	कृ-२	ज्ये-३	श्लेषा-१	भ-१	मृ-३	उभा-४	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
16	१-०१:१०:४६	५७:५०	८-०७:५३:४८	७४४:३१	३-१८:३४:५३	३०:०१	०-१५:३१:२२	११२:४७	२-००:१६:३१	१२:५३	११-१६:२५:१४	४९:०६	११-०५:०२:५१	०५:०९	११-००:०८:११	16	कृ-२	मूल-३	श्लेषा-१	भ-१	मृ-३	उभा-४	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
17	१-०२:०८:३४	५७:४८	८-२०:१८:०६	७५६:१९	३-१९:०४:५३	३०:०९	०-१७:२४:०७	११४:४५	२-००:२९:२३	१२:५६	११-१७:१४:१८	४९:४९	११-०५:०७:५९	०५:०५	११-००:०५:००	17	कृ-२	पूषा-३	श्लेषा-१	भ-२	मृ-३	रे-१	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
18	१-०३:०६:२१	५७:४७	९-०२:५४:१२	७७०:३१	३-१९:३५:०२	३०:१८	०-१९:१८:५०	११६:४२	२-००:४२:१८	१२:५८	११-१८:०४:०६	५०:३०	११-०५:१३:०४	०५:००	११-००:०१:५०	18	कृ-२	उषा-२	श्लेषा-१	भ-२	मृ-३	रे-१	उभा-१	पूभा-४	उफा-४
19	१-०४:०४:०७	५७:४६	९-१५:४४:३१	७८७:२७	३-२०:०५:१९	३०:२६	०-२१:१५:३०	११८:३७	२-००:५५:१६	१३:०१	११-१८:५४:३५	५१:१०	११-०५:१८:०४	०४:५६	१०-२९:५८:३९	19	कृ-३	श्र-२	श्लेषा-२	भ-३	मृ-३	रे-१	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
20	१-०५:०१:५१	५७:४५	९-२८:५१:४६	८०७:०७	३-२०:३५:४४	३०:३४	०-२३:१४:०५	१२०:२९	२-०१:०८:१६	१३:०३	११-१९:४५:४४	५१:४८	११-०५:२२:६०	०४:५२	१०-२९:५५:२८	20	कृ-३	ध-२	श्लेषा-२	भ-३	मृ-३	रे-१	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
21	१-०५:५९:३५	५७:४४	१०-१२:१८:४१	८२९:०३	३-२१:०६:१७	३०:४१	०-२५:१४:३२	१२२:१८	२-०१:२१:१९	१३:०५	११-२०:३७:३१	५२:२५	११-०५:२७:५१	०४:४७	१०-२९:५२:१७	21	कृ-३	शत-२	श्लेषा-२	भ-४	मृ-३	रे-२	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
22	१-०६:५७:१८	५७:४३	१०-२६:०७:३२	८५२:०५	३-२१:३६:५७	३०:४९	०-२७:१६:४८	१२४:०१	२-०१:३४:२४	१३:०८	११-२१:२९:५५	५३:००	११-०५:३२:३९	०४:४३	१०-२९:४९:०७	22	कृ-४	पूभा-२	श्लेषा-२	कृ-१	मृ-३	रे-२	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
23	१-०७:५४:५९	५७:४२	११-१०:१९:२४	८७४:१३	३-२२:०७:४६	३०:५७	०-२९:२०:४७	१२५:३९	२-०१:४७:३१	१३:१०	११-२२:२२:५५	५३:३४	११-०५:३७:२२	०४:३९	१०-२९:४५:५६	23	कृ-४	उभा-३	श्लेषा-२	कृ-१	मृ-३	रे-२	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
24	१-०८:५२:४०	५७:४१	११-२४:५३:२६	८९२:४७	३-२२:३८:४२	३१:०५	१-०१:२६:२४	१२७:०८	२-०२:००:४१	१३:१२	११-२३:१६:२८	५४:०७	११-०५:४२:००	०४:३४	१०-२९:४२:४५	24	कृ-४	रे-३	श्लेषा-२	कृ-२	मृ-३	रे-२	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
25	१-०९:५०:२०	५७:४०	०-०९:४६:०१	९०४:५०	३-२३:०९:४७	३१:१२	१-०३:३३:३०	१२८:२९	२-०२:१३:५३	१३:१४	११-२४:१०:३४	५४:३८	११-०५:४६:३४	०४:३०	१०-२९:३९:३४	25	कृ-४	अश्वि-३	श्लेषा-२	कृ-३	मृ-३	रे-३	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
26	१-१०:४७:५९	५७:३९	०-२४:५०:३९	९०७:५१	३-२३:४०:५८	३१:२०	१-०५:४१:५८	१२९:३९	२-०२:२७:०७	१३:१६	११-२५:०५:११	५५:०८	११-०५:५१:०४	०४:२५	१०-२९:३६:२४	26	रो-१	भ-४	श्लेषा-३	कृ-३	मृ-३	रे-३	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
27	१-११:४५:३६	५७:३८	१-०९:५८:२०	९००:४२	३-२४:१२:१८	३१:२७	१-०७:५१:३५	१३०:३७	२-०२:४०:२३	१३:१८	११-२६:००:१९	५५:३७	११-०५:५५:२९	०४:२१	१०-२९:३३:१३	27	रो-१	कृ-४	श्लेषा-३	कृ-४	मृ-३	रे-३	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
28	१-१२:४३:१३	५७:३६	१-२४:५८:५२	८८३:५७	३-२४:४३:४५	३१:३४	१-१०:०२:१०	१३१:२१	२-०२:५३:४१	१३:२०	११-२६:५५:५६	५६:०५	११-०५:५९:४९	०४:१६	१०-२९:३०:०२	28	रो-१	मृ-१	श्लेषा-३	रो-१	मृ-३	रे-४	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
29	१-१३:४०:४९	५७:३५	२-०९:४२:४१	८५९:५२	३-२५:१५:१९	३१:४१	१-१२:१३:२९	१३१:५०	२-०३:०७:०१	१३:२२	११-२७:५२:००	५६:३२	११-०६:०४:०५	०४:११	१०-२९:२६:५२	29	रो-२	आर्द्रा-१	श्लेषा-३	रो-१	मृ-३	रे-४	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
30	१-१४:३८:२३	५७:३४	२-२४:०२:२५	८३१:३६	३-२५:४६:६०	३१:४८	१-१४:२५:१८	१३२:०३	२-०३:२०:२३	१३:२४	११-२८:४८:३१	५६:५८	११-०६:०८:१६	०४:०६	१०-२९:२३:४१	30	रो-२	पुन-२	श्लेषा-३	रो-२	मृ-४	रे-४	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
31	१-१५:३५:५६	५७:३२	३-०७:५३:५५	८०२:२८	३-२६:१८:४८	३१:५५	१-१६:३७:१९	१३१:६०	२-०३:३३:४६	१३:२५	११-२९:४५:२८	५७:२३	११-०६:१२:२२	०४:०१	१०-२९:२०:३१	31	रो-२	पुष्य-२	श्लेषा-३	रो-२	मृ-४	रे-४	उभा-१	पूभा-३	उफा-३

दैनिक ग्रह स्पष्ट एवं नक्षत्राचार सारणी (औदयिक) जून २०२५

दि	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	दि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक	शनि	राहु	केतु
1	१-१६:३३:२८	५७:३१	३-२१:१६:१९	७७५:१३	३-२६:५०:४२	३२:०२	१-१८:४९:१८	१३१:४०	२-०३:४७:११	१३:२६	०-००:४२:५१	५७:४७	११-०६:१६:२३	०३:५६	१०-२९:१७:२०	1	रो-२	श्लेषा-२	श्लेषा-४	रो-३	मृ-४	अश्वि-१	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
2	१-१७:३०:५९	५७:३०	४-०४:११:२८	७५१:४४	३-२७:२२:४४	३२:०८	१-२१:००:५७	१३१:०४	२-०४:००:३८	१३:२८	०-०१:४०:३७	५८:१०	११-०६:२०:१९	०३:५१	१०-२९:१४:०९	2	रो-३	मघा-२	श्लेषा-४	रो-४	मृ-४	अश्वि-१	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
3	१-१८:२८:२८	५७:२८	४-१६:४३:०८	७३३:०८	३-२७:५४:५१	३२:१४	१-२३:१२:००	१३०:१२	२-०४:१४:०५	१३:२९	०-०२:३८:४७	५८:३३	११-०६:२४:१०	०३:४६	१०-२९:१०:५९	3	रो-३	पूफा-२	श्लेषा-४	रो-४	मृ-४	अश्वि-१	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
4	१-१९:२५:५६	५७:२७	४-२८:५६:१३	७१९:५१	३-२८:२७:०५	३२:२१	१-२५:२२:१२	१२९:०५	२-०४:२७:३४	१३:३०	०-०३:३७:१९	५८:५५	११-०६:२७:५६	०३:४१	१०-२९:०७:४८	4	रो-३	उफा-१	श्लेषा-४	मृ-१	मृ-४	अश्वि-२	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
5	१-२०:२३:२२	५७:२६	५-१०:५६:०२	७११:४७	३-२८:५९:२६	३२:२७	१-२७:३१:१७	१२७:४५	२-०४:४१:०४	१३:३२	०-०४:३६:१३	५९:१६	११-०६:३१:३७	०३:३६	१०-२९:०४:३७	5	रो-४	हस्त-१	श्लेषा-४	मृ-२	मृ-४	अश्वि-२	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
6	१-२१:२०:४८	५७:२५	५-२२:४७:४६	७०८:३१	३-२९:३१:५२	३२:३३	१-२९:३९:०१	१२६:१२	२-०४:५४:३६	१३:३३	०-०५:३५:२९	५९:३७	११-०६:३५:१३	०३:३१	१०-२९:०१:२६	6	रो-४	हस्त-४	श्लेषा-४	मृ-२	मृ-४	अश्वि-२	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
7	१-२२:१८:१२	५७:२४	६-०४:३६:१६	७०९:२४	४-००:०४:२५	३२:३९	२-०१:४५:१३	१२४:२९	२-०५:०८:०८	१३:३४	०-०६:३५:०५	५९:५७	११-०६:३८:४४	०३:२६	१०-२८:५८:१५	7	रो-४	चित्रा-४	मघा-१	मृ-३	मृ-४	अश्वि-२	उभा-१	पूभा-३	उफा-३
8	१-२३:१५:३६	५७:२३	६-१६:२५:३९	७१३:३९	४-००:३७:०४	३२:४५	२-०३:४९:४२	१२२:३६	२-०५:२१:४२	१३:३५	०-०७:३५:०२	६०:१६	११-०६:४२:१०	०३:२१	१०-२८:५५:०५	8	रो-४	स्वा-३	मघा-१	मृ-४	मृ-४	अश्वि-३	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
9	१-२४:१२:५८	५७:२२	६-२८:१९:१७	७२०:२६	४-०१:०९:४८	३२:५१	२-०५:५२:१८	१२०:३६	२-०५:३५:१७	१३:३६	०-०८:३५:१८	६०:३५	११-०६:४५:३०	०३:१६	१०-२८:५१:५४	9	मृ-१	वि-३	मघा-१	मृ-४	मृ-४	अश्वि-३	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
10	१-२५:१०:२०	५७:२१	७-१०:१९:४३	७२८:५५	४-०१:४२:३९	३२:५६	२-०७:५२:५४	११८:२९	२-०५:४८:५२	१३:३७	०-०९:३५:५४	६०:५४	११-०६:४८:४६	०३:१०	१०-२८:४८:४३	10	मृ-१	अनु-३	मघा-१	आर्द्रा-१	मृ-४	अश्वि-३	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
11	१-२६:०७:४१	५७:२०	७-२२:२८:३८	७३८:२८	४-०२:१५:३५	३३:०२	२-०९:५१:२२	११६:१६	२-०६:०२:२९	१३:३८	०-१०:३६:४८	६१:१२	११-०६:५१:५६	०३:०५	१०-२८:४५:३३	11	मृ-१	ज्ये-२	मघा-१	आर्द्रा-१	मृ-४	अश्वि-४	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
12	१-२७:०५:०२	५७:२०	८-०४:४७:०७	७४८:३५	४-०२:४८:३७	३३:०८	२-११:४७:३९	११४:००	२-०६:१६:०७	१३:३८	०-११:३७:५९	६१:२९	११-०६:५५:०१	०२:६०	१०-२८:४२:२२	12	मृ-२	मूल-२	मघा-१	आर्द्रा-२	मृ-४	अश्वि-४	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
13	१-२८:०२:२१	५७:१९	८-१७:१५:४३	७५९:०६	४-०३:२१:४४	३३:१३	२-१३:४१:३९	१११:४१	२-०६:२९:४५	१३:३९	०-१२:३९:२९	६१:४६	११-०६:५८:००	०२:५४	१०-२८:३९:११	13	मृ-२	पूषा-२	मघा-२	आर्द्रा-३	मृ-४	अश्वि-४	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
14	१-२८:५९:४०	५७:१८	८-२९:५४:५०	७७०:०६	४-०३:५४:५७	३३:१९	२-१५:३३:२०	१०९:१९	२-०६:४३:२४	१३:४०	०-१३:४१:१५	६२:०३	११-०७:००:५४	०२:४९	१०-२८:३६:०१	14	मृ-२	उषा-१	मघा-२	आर्द्रा-३	आर्द्रा-१	भ-१	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
15	१-२९:५६:५९	५७:१८	९-१२:४४:५९	७८१:५४	४-०४:२८:१६	३३:२४	२-१७:२२:४०	१०६:५५	२-०६:५७:०३	१३:४०	०-१४:४३:१८	६२:१९	११-०७:०३:४३	०२:४३	१०-२८:३२:५०	15	मृ-२	श्र-१	मघा-२	आर्द्रा-४	आर्द्रा-१	भ-१	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
16	२-००:५४:१७	५७:१८	९-२५:४६:५६	७९४:५४	४-०५:०१:४०	३३:२९	२-१९:०९:३६	१०४:३१	२-०७:१०:४३	१३:४१	०-१५:४५:३६	६२:३४	११-०७:०६:२६	०२:३८	१०-२८:२९:३९	16	मृ-३	ध-१	मघा-२	आर्द्रा-४	आर्द्रा-१	भ-१	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
17	२-०१:५१:३५	५७:१७	१०-०९:०१:५४	८०९:२६	४-०५:३५:१०	३३:३५	२-२०:५४:०७	१०२:०५	२-०७:२४:२४	१३:४१	०-१६:४८:१०	६२:४९	११-०७:०९:०३	०२:३२	१०-२८:२६:२८	17	मृ-३	शत-१	मघा-२	पुन-१	आर्द्रा-१	भ-२	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
18	२-०२:४८:५२	५७:१७	१०-२२:३१:२४	८२५:२८	४-०६:०८:४४	३३:४०	२-२२:३६:१२	९९:३८	२-०७:३८:०५	१३:४१	०-१७:५०:६०	६३:०४	११-०७:११:३५	०२:२६	१०-२८:२३:१८	18	मृ-३	पूभा-१	मघा-२	पुन-१	आर्द्रा-१	भ-२	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
19	२-०३:४६:०९	५७:१७	११-०६:१६:५८	८४२:३१	४-०६:४२:२५	३३:४६	२-२४:१५:५१	९७:१०	२-०७:५१:४६	१३:४२	०-१८:५४:०४	६३:१८	११-०७:१४:०१	०२:२१	१०-२८:२०:०७	19	मृ-४	उभा-१	मघा-३	पुन-२	आर्द्रा-१	भ-२	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
20	२-०४:४३:२६	५७:१७	११-२०:१९:३५	८५९:२२	४-०७:१६:१०	३३:५१	२-२५:५३:०२	९४:४२	२-०८:०५:२८	१३:४२	०-१९:५७:२२	६३:३१	११-०७:१६:२२	०२:१५	१०-२८:१६:५६	20	मृ-४	रे-२	मघा-३	पुन-२	आर्द्रा-१	भ-२	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
21	२-०५:४०:४३	५७:१६	०-०४:३९:०४	८७४:०८	४-०७:५०:०१	३३:५६	२-२७:२७:४५	९२:१३	२-०८:१९:१०	१३:४२	०-२१:००:५३	६३:४५	११-०७:१८:३७	०२:०९	१०-२८:१३:४५	21	मृ-४	अश्वि-२	मघा-३	पुन-३	आर्द्रा-१	भ-३	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
22	२-०६:३८:००	५७:१६	०-१९:१३:२०	८८४:३४	४-०८:२३:५८	३४:०२	२-२८:५९:५९	८९:४३	२-०८:३२:५२	१३:४३	०-२२:०४:३९	६३:५८	११-०७:२०:४६	०२:०४	१०-२८:१०:३४	22	मृ-४	भ-२	मघा-३	पुन-३	आर्द्रा-१	भ-३	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
23	२-०७:३५:१७	५७:१६	१-०३:५८:०३	८८८:२५	४-०८:५७:६०	३४:०७	३-००:२९:४२	८७:१२	२-०८:४६:३५	१३:४३	०-२३:०८:३७	६४:१०	११-०७:२२:५०	०१:५८	१०-२८:०७:२४	23	आर्द्रा-१	कृ-३	मघा-३	पुन-४	आर्द्रा-१	भ-३	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
24	२-०८:३२:३४	५७:१६	१-१८:४६:३७	८८४:१३	४-०९:३२:०७	३४:१२	३-०१:५६:५५	८४:३८	२-०९:००:१८	१३:४१	०-२४:१२:४७	६४:२२	११-०७:२४:४८	०१:५२	१०-२८:०४:१३	24	आर्द्रा-१	रो-३	मघा-३	पुन-४	आर्द्रा-१	भ-४	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
25	२-०९:२९:५०	५७:१६	२-०३:३०:६०	८७१:४७	४-१०:०६:२०	३४:१७	३-०३:२१:३४	८२:०३	२-०९:१३:५९	१३:४३	०-२५:१७:१०	६४:३४	११-०७:२६:४०	०१:४६	१०-२८:०१:०२	25	आर्द्रा-१	मृ-४	मघा-४	पुष्य-१	आर्द्रा-१	भ-४	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
26	२-१०:२७:०६	५७:१५	२-१८:०२:५६	८५२:२०	४-१०:४०:३८	३४:२३	३-०४:४३:३८	७९:२६	२-०९:२७:४२	१३:४२	०-२६:२१:४४	६४:४५	११-०७:२८:२६	०१:४०	१०-२७:५७:५२	26	आर्द्रा-२	आर्द्रा-४	मघा-४	पुष्य-१	आर्द्रा-१	भ-४	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
27	२-११:२४:२२	५७:१५	३-०२:१५:२६	८२८:०८	४-११:१५:००	३४:२७	३-०६:०३:०५	७६:४६	२-०९:४१:२४	१३:४२	०-२७:२६:२९	६४:५६	११-०७:३०:०६	०१:३४	१०-२७:५४:४१	27	आर्द्रा-२	पुन-४	मघा-४	पुष्य-१	आर्द्रा-१	कृ-१	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
28	२-१२:२१:३८	५७:१४	३-१६:०३:४३	८०१:५८	४-११:४९:२८	३४:३२	३-०७:१९:५१	७४:०२	२-०९:५५:०६	१३:४१	०-२८:३१:२५	६५:०६	११-०७:३१:४०	०१:२८	१०-२७:५१:३०	28	आर्द्रा-२	पुष्य-४	मघा-४	पुष्य-२	आर्द्रा-१	कृ-१	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
29	२-१३:१८:५३	५७:१४	३-२९:२५:४९	७७६:२६	४-१२:२४:०१	३४:३७	३-०८:३३:५४	७१:१६	२-१०:०८:४८	१३:४१	०-२९:३६:३२	६५:१६	११-०७:३३:०८	०१:२२	१०-२७:४८:२०	29	आर्द्रा-२	श्लेषा-४	मघा-४	पुष्य-२	आर्द्रा-२	कृ-१	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
30	२-१४:१६:०७	५७:१४	४-१२:२२:२४	७५३:३९	४-१२:५८:३८	३४:४२	३-०९:४५:१०	६८:२५	२-१०:२२:२९	१३:४०	१-००:४१:४९	६५:२६	११-०७:३४:३०	०१:१६	१०-२७:४५:०९	30	आर्द्रा-३	मघा-४	मघा-४	पुष्य-२	आर्द्रा-२	कृ-२	उभा-२	पूभा-३	उफा-३

दैनिक ग्रह स्पष्ट एवं नक्षत्राचार सारणी (औदयिक) जुलाई २०२५

दि	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	दि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक	शनि	राहु	केतु
1	२-१५:१३:२२	५७:१३	४-२४:५६:१२	७३५:०३	४-१३:३३:२०	३४:४६	३-१०:५३:३५	६५:३०	२-१०:३६:०९	१३:४०	१-०१:४७:१७	६५:३६	११-०७:३५:४६	०१:१०	१०-२७:४१:५८	1	आर्द्रा-३	पूफा-४	पूफा-१	पुष्य-३	आर्द्रा-२	कृ-२	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
2	२-१६:१०:३६	५७:१३	५-०७:११:२४	७२१:२७	४-१४:०८:०७	३४:५१	३-११:५९:०५	६२:२९	२-१०:४९:४९	१३:३९	१-०२:५२:५४	६५:४६	११-०७:३६:५६	०१:०४	१०-२७:३८:४७	2	आर्द्रा-३	उफा-४	पूफा-१	पुष्य-३	आर्द्रा-२	कृ-२	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
3	२-१७:०७:४९	५७:१२	५-१९:१३:०१	७१३:१०	४-१४:४२:५९	३४:५६	३-१३:०१:३५	५९:२४	२-११:०३:२८	१३:३८	१-०३:५८:४१	६५:५६	११-०७:३८:०१	००:५८	१०-२७:३५:३६	3	आर्द्रा-४	हस्त-३	पूफा-१	पुष्य-३	आर्द्रा-२	कृ-३	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
4	२-१८:०५:०२	५७:१२	६-०१:०६:२२	७१०:०६	४-१५:१७:५५	३५:००	३-१४:००:६०	५६:१२	२-११:१७:०७	१३:३८	१-०५:०४:३८	६६:०५	११-०७:३८:५९	००:५२	१०-२७:३२:२५	4	आर्द्रा-४	चित्रा-३	पूफा-१	पुष्य-४	आर्द्रा-२	कृ-३	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
5	२-१९:०२:१५	५७:१२	६-१२:५६:३९	७११:५०	४-१५:५२:५६	३५:०५	३-१४:५७:१२	५२:५५	२-११:३०:४५	१३:३७	१-०६:१०:४४	६६:१४	११-०७:३९:५१	००:४६	१०-२७:२९:१५	5	आर्द्रा-४	स्वा-२	पूफा-१	पुष्य-४	आर्द्रा-२	कृ-३	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
6	२-१९:५९:२८	५७:१२	६-२४:४८:४२	७१७:४४	४-१६:२८:०१	३५:०९	३-१५:५०:०७	४९:३०	२-११:४४:२२	१३:३६	१-०७:१६:५९	६६:२३	११-०७:४०:३७	००:४०	१०-२७:२६:०४	6	आर्द्रा-४	वि-२	पूफा-१	पुष्य-४	आर्द्रा-२	कृ-४	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
7	२-२०:५६:४१	५७:१२	७-०६:४६:४०	७२६:५७	४-१७:०३:११	३५:१४	३-१६:३९:३७	४५:५८	२-११:५७:५८	१३:३५	१-०८:२३:२३	६६:३२	११-०७:४१:१७	००:३४	१०-२७:२२:५३	7	पुन-१	अनु-२	पूफा-२	पुष्य-४	आर्द्रा-२	कृ-४	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
8	२-२१:५३:५३	५७:१२	७-१८:५३:५२	७३८:३१	४-१७:३८:२५	३५:१८	३-१७:२५:३५	४२:१९	२-१२:११:३३	१३:३४	१-०९:२९:५७	६६:४१	११-०७:४१:५१	००:२८	१०-२७:१९:४२	8	पुन-१	ज्ये-१	पूफा-२	श्लेषा-१	आर्द्रा-२	कृ-४	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
9	२-२२:५१:०६	५७:१२	८-०१:१२:४०	७५१:२८	४-१८:१३:४३	३५:२२	३-१८:०७:५४	३८:३१	२-१२:२५:०७	१३:३३	१-१०:३६:३९	६६:५०	११-०७:४२:२०	००:२२	१०-२७:१६:३२	9	पुन-१	मूल-१	पूफा-२	श्लेषा-१	आर्द्रा-२	रो-१	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
10	२-२३:४८:१९	५७:१२	८-१३:४४:२४	७६४:५०	४-१८:४९:०६	३५:२७	३-१८:४६:२४	३४:३५	२-१२:३८:४०	१३:३२	१-११:४३:३०	६६:५८	११-०७:४२:४२	००:१६	१०-२७:१३:२१	10	पुन-२	पूषा-१	पूफा-२	श्लेषा-१	आर्द्रा-२	रो-१	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
11	२-२४:४५:३१	५७:१२	८-२६:२९:३२	७७७:५४	४-१९:२४:३३	३५:३१	३-१९:२०:५९	३०:३१	२-१२:५२:१२	१३:३१	१-१२:५०:२९	६७:०७	११-०७:४२:५८	००:१०	१०-२७:१०:१०	11	पुन-२	पूषा-४	पूफा-२	श्लेषा-१	आर्द्रा-२	रो-१	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
12	२-२५:४२:४४	५७:१२	९-०९:२७:४३	७९०:१२	४-२०:००:०५	३५:३५	३-१९:५१:२९	२६:१९	२-१३:०५:४३	१३:२९	१-१३:५७:३७	६७:१५	११-०७:४३:०८	००:०४	१०-२७:०६:५९	12	पुन-२	उषा-४	पूफा-३	श्लेषा-१	आर्द्रा-२	रो-२	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
13	२-२६:३९:५८	५७:१३	९-२२:३८:१४	८०१:३७	४-२०:३५:४१	३५:३९	३-२०:१७:४७	२१:५८	२-१३:१९:१२	१३:२८	१-१५:०४:५३	६७:२३	११-०७:४३:१२	-००:०२	१०-२७:०३:४९	13	पुन-२	श्र-४	पूफा-३	श्लेषा-२	आर्द्रा-२	रो-२	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
14	२-२७:३७:११	५७:१३	१०-०६:००:१०	८१२:१८	४-२१:११:२१	३५:४४	३-२०:३९:४३	१७:२९	२-१३:३२:४१	१३:२७	१-१६:१२:१७	६७:३१	११-०७:४३:१०	-००:०८	१०-२७:००:३८	14	पुन-३	ध-४	पूफा-३	श्लेषा-२	आर्द्रा-३	रो-२	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
15	२-२८:३४:२५	५७:१४	१०-१९:३२:४७	८२२:३१	४-२१:४७:०५	३५:४८	३-२०:५७:११	१२:५३	२-१३:४६:०७	१३:२५	१-१७:१९:४९	६७:३९	११-०७:४३:०१	-००:१४	१०-२६:५७:२७	15	पुन-३	शत-४	पूफा-३	श्लेषा-२	आर्द्रा-३	रो-३	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
16	२-२९:३१:४०	५७:१४	११-०३:१५:३८	८३२:३०	४-२२:२२:५३	३५:५२	३-२१:१०:०२	०८:१०	२-१३:५९:३२	१३:२४	१-१८:२७:२९	६७:४६	११-०७:४२:४७	-००:२०	१०-२६:५४:१६	16	पुन-३	पूभा-४	पूफा-३	श्लेषा-२	आर्द्रा-३	रो-३	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
17	३-००:२८:५५	५७:१५	११-१७:०८:२८	८४२:१२	४-२२:५८:४६	३५:५७	३-२१:१८:११	०३:२३	२-१४:१२:५६	१३:२२	१-१९:३५:१६	६७:५४	११-०७:४२:२७	-००:२६	१०-२६:५१:०५	17	पुन-४	रे-१	पूफा-३	श्लेषा-२	आर्द्रा-३	रो-३	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
18	३-०१:२६:११	५७:१६	०-०१:१०:६०	८५१:१०	४-२३:३४:४३	३६:०१	३-२१:२१:३२	-०१:२८	२-१४:२६:१८	१३:२०	१-२०:४३:११	६८:०१	११-०७:४२:००	-००:३२	१०-२६:४७:५४	18	पुन-४	अश्वि-१	पूफा-४	श्लेषा-२	आर्द्रा-३	रो-४	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
19	३-०२:२३:२७	५७:१६	०-१५:२२:३०	८५८:३२	४-२४:१०:४५	३६:०५	३-२१:२०:०१	-०६:२१	२-१४:३९:३९	१३:१९	१-२१:५१:१४	६८:०९	११-०७:४१:२८	-००:३८	१०-२६:४४:४३	19	पुन-४	भ-१	पूफा-४	श्लेषा-२	आर्द्रा-३	रो-४	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
20	३-०३:२०:४५	५७:१७	०-२९:४१:२१	८६३:०२	४-२४:४६:५१	३६:१०	३-२१:१३:३८	-११:१३	२-१४:५२:५८	१३:१७	१-२२:५९:२४	६८:१६	११-०७:४०:४९	-००:४४	१०-२६:४१:३३	20	पुष्य-१	कृ-१	पूफा-४	श्लेषा-२	आर्द्रा-३	रो-४	उभा-२	पूभा-३	उफा-३
21	३-०४:१८:०३	५७:१८	१-१४:०४:४१	८६३:२३	४-२५:२३:०१	३६:१४	३-२१:०२:२२	-१६:०१	२-१५:०६:१५	१३:१५	१-२४:०७:४१	६८:२३	११-०७:४०:०५	-००:५०	१०-२६:३८:२२	21	पुष्य-१	रो-२	पूफा-४	श्लेषा-२	आर्द्रा-३	मृ-१	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
22	३-०५:१५:२२	५७:१९	१-२८:२८:१९	८५८:३४	४-२५:५९:१६	३६:१८	३-२०:४६:१९	-२०:४१	२-१५:१९:३०	१३:१३	१-२५:१६:०५	६८:३०	११-०७:३९:१४	-००:५६	१०-२६:३५:११	22	पुष्य-१	मृ-२	पूफा-४	श्लेषा-२	आर्द्रा-३	मृ-१	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
23	३-०६:१२:४२	५७:१९	२-१२:४७:०५	८४८:१५	४-२६:३५:३५	३६:२३	३-२०:२५:३५	-२५:१०	२-१५:३२:४४	१३:११	१-२६:२४:३६	६८:३६	११-०७:३८:१८	-०१:०२	१०-२६:३२:०१	23	पुष्य-१	आर्द्रा-२	पूफा-४	श्लेषा-२	आर्द्रा-३	मृ-१	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
24	३-०७:१०:०३	५७:२०	२-२६:५५:३०	८३२:५५	४-२७:११:५९	३६:२७	३-२०:००:२३	-२९:२२	२-१५:४५:५५	१३:०९	१-२७:३३:१४	६८:४२	११-०७:३७:१६	-०१:०८	१०-२६:२८:५०	24	पुष्य-२	पुन-३	उफा-१	श्लेषा-२	आर्द्रा-३	मृ-२	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
25	३-०८:०७:२४	५७:२१	३-१०:४८:३२	८१३:४९	४-२७:४८:२६	३६:३१	३-१९:३०:५७	-३३:१४	२-१५:५९:०४	१३:०७	१-२८:४१:५८	६८:४९	११-०७:३६:०७	-०१:१४	१०-२६:२५:३९	25	पुष्य-२	पुष्य-३	उफा-१	श्लेषा-१	आर्द्रा-३	मृ-२	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
26	३-०९:०४:४५	५७:२१	३-२४:२२:२५	७९२:४१	४-२८:२४:५८	३६:३५	३-१८:५७:४०	-३६:४०	२-१६:१२:११	१३:०४	१-२९:५०:४८	६८:५५	११-०७:३४:५३	-०१:२०	१०-२६:२२:२८	26	पुष्य-२	श्लेषा-३	उफा-१	श्लेषा-१	आर्द्रा-३	मृ-२	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
27	३-१०:०२:०८	५७:२२	४-०७:३५:१०	७७१:२४	४-२९:०१:३४	३६:३९	३-१८:२०:५७	-३९:३६	२-१६:२५:१५	१३:०२	२-००:५९:४४	६९:०१	११-०७:३३:३२	-०१:२६	१०-२६:१९:१८	27	पुष्य-३	मघा-३	उफा-१	श्लेषा-१	आर्द्रा-३	मृ-३	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
28	३-१०:५९:३०	५७:२२	४-२०:२६:३८	७५१:४३	४-२९:३८:१४	३६:४३	३-१७:४१:१९	-४१:५५	२-१६:३८:१७	१२:५९	२-०२:०८:४६	६९:०७	११-०७:३२:०६	-०१:३२	१०-२६:१६:०७	28	पुष्य-३	पूफा-३	उफा-१	श्लेषा-१	आर्द्रा-३	मृ-३	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
29	३-११:५६:५३	५७:२३	५-०२:५८:२६	७३५:०३	५-००:१४:५८	३६:४७	३-१६:५९:२२	-४३:३४	२-१६:५१:१७	१२:५७	२-०३:१७:५४	६९:१३	११-०७:३०:३४	-०१:३८	१०-२६:१२:५६	29	पुष्य-३	उफा-२	उफा-२	श्लेषा-१	आर्द्रा-४	मृ-३	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
30	३-१२:५४:१७	५७:२३	५-१५:१३:३६	७२२:२६	५-००:५१:४६	३६:५१	३-१६:१५:४६	-४४:३०	२-१७:०४:१४	१२:५४	२-०४:२७:०८	६९:१८	११-०७:२८:५६	-०१:४३	१०-२६:०९:४५	30	पुष्य-३	हस्त-२	उफा-२	पुष्य-४	आर्द्रा-४	मृ-४	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
31	३-१३:५१:४१	५७:२४	५-२७:१६:११	७१४:२९	५-०१:२८:३८	३६:५५	३-१५:३१:१५	-४४:३८	२-१७:१७:०८	१२:५२	२-०५:३६:२७	६९:२४	११-०७:२७:१३	-०१:४९	१०-२६:०६:३४	31	पुष्य-४	चित्रा-२	उफा-२	पुष्य-४	आर्द्रा-४	मृ-४	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२

दैनिक ग्रह स्पष्ट एवं नक्षत्राचार सारणी (औदयिक) अगस्त २०२५

दि	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	दि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
1	३-१४:४९:०७	५७:२४	६-०९:१०:५३	७११:३१	५-०२:०५:३४	३६:५९	३-१४:४६:३६	-४३:५८	२-१७:३०:००	१२:४९	२-०६:४५:५३	६९:३०	११-०७:२५:२४	-०१:५४	१०-२६:०३:२३	1	पुष्य-४	स्वा-१	उफा-२	पुष्य-४	आर्द्रा-४	आर्द्रा-१	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
2	३-१५:४६:३२	५७:२५	६-२१:०२:३९	७१३:३१	५-०२:४२:३४	३७:०३	३-१४:०२:३८	-४२:२९	२-१७:४२:४९	१२:४६	२-०७:५५:२४	६९:३६	११-०७:२३:२९	-०१:६०	१०-२६:००:१२	2	पुष्य-४	वि-१	उफा-२	पुष्य-४	आर्द्रा-४	आर्द्रा-१	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
3	३-१६:४३:५८	५७:२६	७-०२:५६:२९	७२०:११	५-०३:१९:३८	३७:०७	३-१३:२०:१०	-४०:१०	२-१७:५५:३५	१२:४३	२-०९:०५:०१	६९:४१	११-०७:२१:२९	-०२:०५	१०-२५:५७:०१	3	श्लेषा-१	वि-४	उफा-२	पुष्य-४	आर्द्रा-४	आर्द्रा-१	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
4	३-१७:४१:२५	५७:२७	७-१४:५७:०३	७३०:५९	५-०३:५६:४६	३७:११	३-१२:४०:०१	-३७:०५	२-१८:०८:१८	१२:४०	२-१०:१४:४४	६९:४७	११-०७:१९:२३	-०२:११	१०-२५:५३:५१	4	श्लेषा-१	अनु-४	उफा-३	पुष्य-३	आर्द्रा-४	आर्द्रा-२	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
5	३-१८:३८:५३	५७:२७	७-२७:०८:२९	७४५:०६	५-०४:३३:५८	३७:१५	३-१२:०२:५८	-३३:१६	२-१८:२०:५९	१२:३७	२-११:२४:३२	६९:५२	११-०७:१७:१२	-०२:१६	१०-२५:५०:४०	5	श्लेषा-१	ज्ये-४	उफा-३	पुष्य-३	आर्द्रा-४	आर्द्रा-२	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
6	३-१९:३६:२१	५७:२८	८-०९:३४:०३	७६१:३०	५-०५:११:१३	३७:१९	३-११:२९:४५	-२८:४५	२-१८:३३:३६	१२:३४	२-१२:३४:२६	६९:५८	११-०७:१४:५६	-०२:२१	१०-२५:४७:२९	6	श्लेषा-१	मूल-३	उफा-३	पुष्य-३	आर्द्रा-४	आर्द्रा-२	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
7	३-२०:३३:५०	५७:२९	८-२२:१६:०३	७७८:६०	५-०५:४८:३२	३७:२२	३-११:०१:०३	-२३:३९	२-१८:४६:१०	१२:३१	२-१३:४४:२५	७०:०४	११-०७:१२:३४	-०२:२७	१०-२५:४४:१९	7	श्लेषा-२	पूषा-३	उफा-३	पुष्य-३	आर्द्रा-४	आर्द्रा-३	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
8	३-२१:३१:२०	५७:३०	९-०५:१५:३३	७९६:१९	५-०६:२५:५६	३७:२६	३-१०:३७:२९	-१८:००	२-१८:५८:४१	१२:२८	२-१४:५४:३०	७०:०९	११-०७:१०:०७	-०२:३२	१०-२५:४१:०८	8	श्लेषा-२	उषा-३	उफा-३	पुष्य-३	आर्द्रा-४	आर्द्रा-३	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
9	३-२२:२८:५१	५७:३१	९-१८:३२:२२	८१२:२०	५-०७:०३:२३	३७:३०	३-१०:१९:३४	-११:५५	२-१९:११:०९	१२:२४	२-१६:०४:४०	७०:१४	११-०७:०७:३५	-०२:३७	१०-२५:३७:५७	9	श्लेषा-२	श्र-३	उफा-४	पुष्य-३	आर्द्रा-४	आर्द्रा-३	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
10	३-२३:२६:२३	५७:३२	१०-०२:०५:१०	८२६:०९	५-०७:४०:५३	३७:३४	३-१०:०७:४४	-०५:२७	२-१९:२३:३३	१२:२१	२-१७:१४:५६	७०:२०	११-०७:०४:५८	-०२:४२	१०-२५:३४:४६	10	श्लेषा-३	ध-३	उफा-४	पुष्य-३	आर्द्रा-४	आर्द्रा-४	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
11	३-२४:२३:५६	५७:३३	१०-१५:५१:४५	८३७:११	५-०८:१८:२८	३७:३८	३-१०:०२:२३	०१:१८	२-१९:३५:५४	१२:१७	२-१८:२५:१७	७०:२५	११-०७:०२:१५	-०२:४७	१०-२५:३१:३५	11	श्लेषा-३	शत-३	उफा-४	पुष्य-३	आर्द्रा-४	आर्द्रा-४	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
12	३-२५:२१:३०	५७:३४	१०-२९:४९:२०	८४५:१६	५-०८:५६:०६	३७:४१	३-१०:०३:४७	०८:१५	२-१९:४८:११	१२:१४	२-१९:३५:४४	७०:३१	११-०६:५९:२८	-०२:५२	१०-२५:२८:२४	12	श्लेषा-३	पूभा-३	उफा-४	पुष्य-३	आर्द्रा-४	आर्द्रा-४	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
13	३-२६:१९:०५	५७:३६	११-१३:५४:५८	८५०:३०	५-०९:३३:४८	३७:४५	३-१०:१२:०९	१५:२१	२-२०:००:२५	१२:१०	२-२०:४६:१६	७०:३६	११-०६:५६:३५	-०२:५७	१०-२५:२५:१३	13	श्लेषा-३	उभा-४	उफा-४	पुष्य-३	पुन-१	पुन-१	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
14	३-२७:१६:४२	५७:३७	११-२८:०५:४७	८५३:०८	५-१०:११:३४	३७:४९	३-१०:२७:३७	२२:३१	२-२०:१२:३५	१२:०६	२-२१:५६:५४	७०:४२	११-०६:५३:३८	-०३:०२	१०-२५:२२:०२	14	श्लेषा-४	रे-४	हस्त-१	पुष्य-३	पुन-१	पुन-१	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
15	३-२८:१४:२१	५७:३९	०-१२:१९:१२	८५३:२६	५-१०:४९:२४	३७:५३	३-१०:५०:१६	२९:४३	२-२०:२४:४२	१२:०३	२-२३:०७:३६	७०:४७	११-०६:५०:३६	-०३:०६	१०-२५:१८:५२	15	श्लेषा-४	अश्वि-४	हस्त-१	पुष्य-३	पुन-१	पुन-१	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
16	३-२९:१२:००	५७:४१	०-२६:३२:५२	८५१:३२	५-११:२७:१८	३७:५७	३-११:२०:०६	३६:५२	२-२०:३६:४५	११:५९	२-२४:१८:२५	७०:५२	११-०६:४७:२९	-०३:११	१०-२५:१५:४१	16	श्लेषा-४	भ-४	हस्त-१	पुष्य-३	पुन-१	पुन-२	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
17	४-००:०९:४२	५७:४२	१-१०:४४:३६	८४७:२५	५-१२:०५:१६	३८:०१	३-११:५७:०६	४३:५६	२-२०:४८:४४	११:५५	२-२५:२९:१८	७०:५७	११-०६:४४:१८	-०३:१५	१०-२५:१२:३०	17	मघा-१	रो-१	हस्त-१	पुष्य-३	पुन-१	पुन-२	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
18	४-०१:०७:२५	५७:४४	१-२४:५२:१०	८४०:६०	५-१२:४३:१८	३८:०६	३-१२:४१:११	५०:५२	२-२१:००:३९	११:५१	२-२६:४०:१७	७१:०२	११-०६:४१:०२	-०३:२०	१०-२५:०९:१९	18	मघा-१	मृ-१	हस्त-१	पुष्य-३	पुन-१	पुन-३	उभा-२	पूभा-२	पूफा-२
19	४-०२:०५:१०	५७:४५	२-०८:५३:१६	८३२:०७	५-१३:२१:२५	३८:१०	३-१३:३२:११	५७:३८	२-२१:१२:३०	११:४७	२-२७:५१:२०	७१:०७	११-०६:३७:४२	-०३:२४	१०-२५:०६:०९	19	मघा-१	आर्द्रा-१	हस्त-२	पुष्य-४	पुन-१	पुन-३	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
20	४-०३:०२:५७	५७:४७	२-२२:४५:२७	८२०:४९	५-१३:५९:३५	३८:१३	३-१४:२९:५७	६४:१०	२-२१:२४:१६	११:४३	२-२९:०२:२९	७१:१२	११-०६:३४:१८	-०३:२९	१०-२५:०२:५८	20	मघा-१	पुन-१	हस्त-२	पुष्य-४	पुन-१	पुन-३	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
21	४-०४:००:४४	५७:४८	३-०६:२६:१६	८०७:१९	५-१४:३७:४९	३८:१७	३-१५:३४:१४	७०:२६	२-२१:३५:५९	११:३८	३-००:१३:४२	७१:१७	११-०६:३०:४९	-०३:३३	१०-२४:५९:४७	21	मघा-२	पुष्य-१	हस्त-२	पुष्य-४	पुन-१	पुन-४	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
22	४-०४:५८:३४	५७:५०	३-१९:५३:३३	७९२:०७	५-१५:१६:०७	३८:२१	३-१६:४४:४८	७६:२४	२-२१:४७:३७	११:३४	३-०१:२५:०१	७१:२१	११-०६:२७:१६	-०३:३७	१०-२४:५६:३६	22	मघा-२	श्लेषा-१	हस्त-२	श्लेषा-१	पुन-१	पुन-४	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
23	४-०५:५६:२५	५७:५१	४-०३:०५:३६	७७५:५८	५-१५:५४:२९	३८:२५	३-१८:०१:१९	८२:०१	२-२१:५९:११	११:२९	३-०२:३६:२३	७१:२६	११-०६:२३:३८	-०३:४१	१०-२४:५३:२५	23	मघा-२	मघा-१	हस्त-२	श्लेषा-१	पुन-१	पुन-४	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
24	४-०६:५४:१७	५७:५३	४-१६:०१:२९	७५९:४७	५-१६:३२:५५	३८:२९	३-१९:२३:२८	८७:१६	२-२२:१०:४०	११:२४	३-०३:४७:५०	७१:३०	११-०६:१९:५७	-०३:४५	१०-२४:५०:१५	24	मघा-३	पूफा-१	हस्त-२	श्लेषा-१	पुन-१	पुष्य-१	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
25	४-०७:५२:१०	५७:५४	४-२८:४१:१२	७४४:३५	५-१७:११:२४	३८:३३	३-२०:५०:५१	९२:०६	२-२२:२२:०४	११:१९	३-०४:५९:२२	७१:३५	११-०६:१६:१२	-०३:४९	१०-२४:४७:०४	25	मघा-३	उफा-१	हस्त-३	श्लेषा-२	पुन-१	पुष्य-१	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
26	४-०८:५०:०५	५७:५५	५-११:०५:४५	७३१:२१	५-१७:४९:५८	३८:३७	३-२२:२३:०३	९६:३०	२-२२:३३:२३	११:१५	३-०६:१०:५८	७१:३९	११-०६:१२:२३	-०३:५२	१०-२४:४३:५३	26	मघा-३	हस्त-१	हस्त-३	श्लेषा-२	पुन-१	पुष्य-१	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
27	४-०९:४८:०१	५७:५७	५-२३:१७:०६	७२०:५८	५-१८:२८:३५	३८:४१	३-२३:५९:४०	१००:२७	२-२२:४४:३८	११:१०	३-०७:२२:३८	७१:४४	११-०६:०८:३१	-०३:५६	१०-२४:४०:४२	27	मघा-३	हस्त-४	हस्त-३	श्लेषा-३	पुन-१	पुष्य-२	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
28	४-१०:४५:५९	५७:५८	६-०५:१८:०८	७१४:०९	५-१९:०७:१६	३८:४४	३-२५:४०:१२	१०३:५६	२-२२:५५:४७	११:०५	३-०८:३४:२३	७१:४८	११-०६:०४:३५	-०३:५९	१०-२४:३७:३१	28	मघा-४	चित्रा-४	हस्त-३	श्लेषा-३	पुन-१	पुष्य-२	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
29	४-११:४३:५८	५७:५९	६-१७:१२:२६	७११:२९	५-१९:४६:०१	३८:४८	३-२७:२४:१३	१०६:५६	२-२३:०६:५२	१०:६०	३-०९:४६:१२	७१:५२	११-०६:००:३६	-०४:०२	१०-२४:३४:२०	29	मघा-४	स्वा-४	हस्त-३	श्लेषा-४	पुन-१	पुष्य-२	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
30	४-१२:४१:५८	५८:०१	६-२९:०४:०९	७१३:२०	५-२०:२४:५०	३८:५२	३-२९:११:१४	१०९:२९	२-२३:१७:५२	१०:५४	३-१०:५८:०६	७१:५६	११-०५:५६:३४	-०४:०५	१०-२४:३१:०९	30	मघा-४	वि-३	हस्त-४	श्लेषा-४	पुन-१	पुष्य-३	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
31	४-१३:४०:००	५८:०२	७-१०:५७:५०	७१९:५१	५-२१:०३:४३	३८:५६	४-०१:००:४८	१११:३५	२-२३:२८:४६	१०:४९	३-१२:१०:०३	७२:०१	११-०५:५२:२८	-०४:०८	१०-२४:२७:५८	31	पूफा-१	अनु-३	हस्त-४	मघा-१	पुन-२	पुष्य-३	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२

दैनिक ग्रह स्पष्ट एवं नक्षत्राचार सारणी (औदयिक) सितम्बर २०२५

दि	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	दि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
1	४-१४:३८:०३	५८:०४	७-२२:५८:०८	७३०:५७	५-२१:४२:३९	३८:५९	४-०२:५२:२७	११३:१६	२-२३:३९:३५	१०:४४	३-१३:२२:०५	७२:०५	११-०५:४८:२०	-०४:११	१०-२४:२४:४८	1	पूफा-१	ज्ये-२	हस्त-४	मघा-१	पुन-२	पुष्य-४	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
2	४-१५:३६:०८	५८:०५	८-०५:०९:३८	७४६:१५	५-२२:२१:३९	३९:०३	४-०४:४५:४६	११४:३२	२-२३:५०:१९	१०:३८	३-१४:३४:११	७२:०९	११-०५:४४:०९	-०४:१४	१०-२४:२१:३७	2	पूफा-१	मूल-२	हस्त-४	मघा-२	पुन-२	पुष्य-४	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
3	४-१६:३४:१४	५८:०६	८-१७:३६:३१	७६५:०३	५-२३:००:४३	३९:०७	४-०६:४०:२१	११५:२७	२-२४:००:५७	१०:३३	३-१५:४६:२१	७२:१३	११-०५:३९:५५	-०४:१६	१०-२४:१८:२६	3	पूफा-१	पूषा-२	हस्त-४	मघा-३	पुन-२	पुष्य-४	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
4	४-१७:३२:२१	५८:०८	९-००:२२:१५	७८६:१५	५-२३:३९:५०	३९:१०	४-०८:३५:५१	११६:०२	२-२४:११:३०	१०:२७	३-१६:५८:३६	७२:१७	११-०५:३५:३९	-०४:१९	१०-२४:१५:१५	4	पूफा-२	उषा-२	चित्रा-१	मघा-३	पुन-२	श्लेषा-१	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
5	४-१८:३०:३०	५८:०९	९-१३:२९:१२	८०८:२५	५-२४:१९:०१	३९:१४	४-१०:३१:५५	११६:१९	२-२४:२१:५६	१०:२१	३-१८:१०:५४	७२:२१	११-०५:३१:२०	-०४:२१	१०-२४:१२:०५	5	पूफा-२	श्र-२	चित्रा-१	मघा-४	पुन-२	श्लेषा-१	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
6	४-१९:२८:४०	५८:११	९-२६:५८:२१	८२९:५३	५-२४:५८:१६	३९:१८	४-१२:२८:१६	११६:२१	२-२४:३२:१८	१०:१५	३-१९:२३:१७	७२:२५	११-०५:२६:५९	-०४:२३	१०-२४:०८:५४	6	पूफा-२	ध-२	चित्रा-१	मघा-४	पुन-२	श्लेषा-१	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
7	४-२०:२६:५२	५८:१२	१०-१०:४८:५४	८४८:४९	५-२५:३७:३४	३९:२१	४-१४:२४:३९	११६:१०	२-२४:४२:३३	१०:०९	३-२०:३५:४३	७२:२९	११-०५:२२:३५	-०४:२५	१०-२४:०५:४३	7	पूफा-३	शत-२	चित्रा-१	पूफा-१	पुन-२	श्लेषा-२	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
8	४-२१:२५:०५	५८:१४	१०-२४:५८:१८	८६३:३६	५-२६:१६:५६	३९:२५	४-१६:२०:५१	११५:४८	२-२४:५२:४२	१०:०३	३-२१:४८:१४	७२:३४	११-०५:१८:१०	-०४:२७	१०-२४:०२:३२	8	पूफा-३	पूभा-२	चित्रा-१	पूफा-१	पुन-२	श्लेषा-२	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
9	४-२२:२३:२०	५८:१६	११-०९:२२:२१	८७२:५९	५-२६:५६:२२	३९:२९	४-१८:१६:४०	११५:१७	२-२५:०२:४५	०९:५७	३-२३:००:४८	७२:३८	११-०५:१३:४२	-०४:२९	१०-२३:५९:२१	9	पूफा-३	उभा-२	चित्रा-२	पूफा-२	पुन-२	श्लेषा-२	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
10	४-२३:२१:३७	५८:१८	११-२३:५५:३९	८७६:२५	५-२७:३५:५१	३९:३३	४-२०:११:५८	११४:३८	२-२५:१२:४२	०९:५१	३-२४:१३:२७	७२:४२	११-०५:०९:१३	-०४:३१	१०-२३:५६:१०	10	पूफा-४	रे-३	चित्रा-२	पूफा-३	पुन-२	श्लेषा-३	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
11	४-२४:१९:५६	५८:२०	०-०८:३२:१६	८७४:०४	५-२८:१५:२४	३९:३७	४-२२:०६:३७	११३:५३	२-२५:२२:३३	०९:४५	३-२५:२६:१०	७२:४६	११-०५:०४:४२	-०४:३२	१०-२३:५२:५९	11	पूफा-४	अश्वि-३	चित्रा-२	पूफा-३	पुन-२	श्लेषा-३	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
12	४-२५:१८:१७	५८:२२	०-२३:०६:२४	८६६:४४	५-२८:५५:०२	३९:४०	४-२४:००:३१	११३:०३	२-२५:३२:१८	०९:३९	३-२६:३८:५७	७२:५०	११-०५:००:१०	-०४:३४	१०-२३:४९:४८	12	पूफा-४	भ-३	चित्रा-२	पूफा-४	पुन-२	श्लेषा-३	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
13	४-२६:१६:४०	५८:२५	१-०७:३३:०५	८५५:३७	५-२९:३४:४३	३९:४४	४-२५:५३:३४	११२:०९	२-२५:४१:५७	०९:३२	३-२७:५१:४९	७२:५४	११-०४:५५:३६	-०४:३५	१०-२३:४६:३७	13	पूफा-४	कृ-४	चित्रा-२	पूफा-४	पुन-२	श्लेषा-४	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
14	४-२७:१५:०६	५८:२७	१-२१:४८:३६	८४२:०२	६-००:१४:२८	३९:४८	४-२७:४५:४३	१११:१२	२-२५:५१:२९	०९:२५	३-२९:०४:४४	७२:५८	११-०४:५१:०१	-०४:३६	१०-२३:४३:२७	14	उफा-१	रो-४	चित्रा-३	उफा-१	पुन-२	श्लेषा-४	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
15	४-२८:१३:३३	५८:२९	२-०५:५०:२९	८२७:११	६-००:५४:१७	३९:५२	४-२९:३६:५६	११०:१३	२-२६:००:५४	०९:१९	४-००:१७:४३	७३:०२	११-०४:४६:२५	-०४:३७	१०-२३:४०:१६	15	उफा-१	मृ-४	चित्रा-३	उफा-१	पुन-२	मघा-१	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
16	४-२९:१२:०३	५८:३१	२-१९:३७:३०	८११:६०	६-०१:३४:०९	३९:५६	५-०१:२७:०९	१०९:१३	२-२६:१०:१२	०९:१२	४-०१:३०:४६	७३:०६	११-०४:४१:४८	-०४:३८	१०-२३:३७:०५	16	उफा-१	आर्द्रा-४	चित्रा-३	उफा-२	पुन-२	मघा-१	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
17	५-००:१०:३५	५८:३३	३-०३:०९:२०	७९७:०४	६-०२:१४:०६	३९:६०	५-०३:१६:२३	१०८:१२	२-२६:१९:२४	०९:०५	४-०२:४३:५३	७३:०९	११-०४:३७:१०	-०४:३८	१०-२३:३३:५४	17	उफा-२	पुन-४	चित्रा-३	उफा-२	पुन-२	मघा-१	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
18	५-०१:०९:०९	५८:३५	३-१६:२६:१५	७८२:४३	६-०२:५४:०७	४०:०४	५-०५:०४:३५	१०७:१०	२-२६:२८:२९	०८:५८	४-०३:५७:०४	७३:१३	११-०४:३२:३१	-०४:३९	१०-२३:३०:४४	18	उफा-२	पुष्य-४	चित्रा-३	उफा-३	पुन-२	मघा-२	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
19	५-०२:०७:४५	५८:३७	३-२९:२८:५०	७६९:०८	६-०३:३४:११	४०:०८	५-०६:५१:४५	१०६:०९	२-२६:३७:२६	०८:५०	४-०५:१०:१८	७३:१६	११-०४:२७:५२	-०४:३९	१०-२३:२७:३३	19	उफा-२	श्लेषा-४	चित्रा-४	उफा-४	पुन-२	मघा-२	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
20	५-०३:०६:२३	५८:३९	४-१२:१७:५०	७५६:२२	६-०४:१४:२०	४०:१२	५-०८:३७:५४	१०५:०८	२-२६:४६:१६	०८:४३	४-०६:२३:३६	७३:२०	११-०४:२३:१२	-०४:४०	१०-२३:२४:२२	20	उफा-२	मघा-४	चित्रा-४	उफा-४	पुन-३	मघा-२	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
21	५-०४:०५:०३	५८:४१	४-२४:५४:०६	७४४:३४	६-०४:५४:३२	४०:१५	५-१०:२३:०२	१०४:०७	२-२६:५४:५९	०८:३५	४-०७:३६:५७	७३:२३	११-०४:१८:३२	-०४:४०	१०-२३:२१:११	21	उफा-३	पूफा-४	चित्रा-४	हस्त-१	पुन-३	मघा-३	उभा-१	पूभा-२	पूफा-२
22	५-०५:०३:४५	५८:४३	५-०७:१८:३४	७३३:५४	६-०५:३४:४८	४०:१९	५-१२:०७:०९	१०३:०७	२-२७:०३:३४	०८:२८	४-०८:५०:२१	७३:२६	११-०४:१३:५३	-०४:४०	१०-२३:१७:६०	22	उफा-३	उफा-४	चित्रा-४	हस्त-१	पुन-३	मघा-३	उभा-१	पूभा-१	पूफा-१
23	५-०६:०२:२९	५८:४५	५-१९:३२:२५	७२४:४१	६-०६:१५:०८	४०:२३	५-१३:५०:१६	१०२:०८	२-२७:१२:०२	०८:२०	४-१०:०३:४९	७३:३०	११-०४:०९:१३	-०४:३९	१०-२३:१४:४९	23	उफा-३	हस्त-३	चित्रा-४	हस्त-२	पुन-३	मघा-४	उभा-१	पूभा-१	पूफा-१
24	५-०७:०१:१५	५८:४७	६-०१:३७:०७	७१७:२३	६-०६:५५:३१	४०:२७	५-१५:३२:२३	१०१:०९	२-२७:२०:२२	०८:१२	४-११:१७:२०	७३:३३	११-०४:०४:३३	-०४:३९	१०-२३:११:३८	24	उफा-४	चित्रा-३	स्वा-१	हस्त-२	पुन-३	मघा-४	उभा-१	पूभा-१	पूफा-१
25	५-०८:००:०३	५८:४९	६-१३:३४:३४	७१२:३०	६-०७:३५:५९	४०:३१	५-१७:१३:३२	१००:१२	२-२७:२८:३४	०८:०५	४-१२:३०:५४	७३:३६	११-०३:५९:५४	-०४:३८	१०-२३:०८:२७	25	उफा-४	स्वा-३	स्वा-१	हस्त-३	पुन-३	मघा-४	उभा-१	पूभा-१	पूफा-१
26	५-०८:५८:५३	५८:५१	६-२५:२७:१२	७१०:३६	६-०८:१६:३०	४०:३४	५-१८:५३:४४	९९:१६	२-२७:३६:३८	०७:५७	४-१३:४४:३१	७३:३९	११-०३:५५:१६	-०४:३७	१०-२३:०५:१६	26	उफा-४	वि-२	स्वा-१	हस्त-३	पुन-३	पूफा-१	उभा-१	पूभा-१	पूफा-१
27	५-०९:५७:४५	५८:५२	७-०७:१८:०३	७१२:१४	६-०८:५७:०६	४०:३८	५-२०:३३:००	९८:२०	२-२७:४४:३५	०७:४९	४-१४:५८:१२	७३:४२	११-०३:५०:३८	-०४:३७	१०-२३:०२:०५	27	उफा-४	अनु-२	स्वा-१	हस्त-४	पुन-३	पूफा-१	उभा-१	पूभा-१	पूफा-१
28	५-१०:५६:३८	५८:५४	७-१९:१०:४०	७१७:५५	६-०९:३७:४४	४०:४२	५-२२:११:२१	९७:२६	२-२७:५२:२३	०७:४०	४-१६:११:५५	७३:४५	११-०३:४६:०१	-०४:३५	१०-२२:५८:५५	28	हस्त-१	ज्ये-१	स्वा-१	हस्त-४	पुन-३	पूफा-१	उभा-१	पूभा-१	पूफा-१
29	५-११:५५:३३	५८:५६	८-०१:०९:०५	७२७:६०	६-१०:१८:२७	४०:४६	५-२३:४८:४७	९६:३३	२-२८:००:०३	०७:३२	४-१७:२५:४१	७३:४८	११-०३:४१:२६	-०४:३४	१०-२२:५५:४४	29	हस्त-१	मूल-१	स्वा-२	चित्रा-१	पुन-३	पूफा-२	उभा-१	पूभा-१	पूफा-१
30	५-१२:५४:३०	५८:५८	८-१३:१७:४४	७४२:३७	६-१०:५९:१३	४०:४९	५-२५:२५:२०	९५:४०	२-२८:०७:३५	०७:२४	४-१८:३९:३१	७३:५१	११-०३:३६:५१	-०४:३३	१०-२२:५२:३३	30	हस्त-१	मूल-४	स्वा-२	चित्रा-१	पुन-३	पूफा-२	उभा-१	पूभा-१	पूफा-१

दैनिक ग्रह स्पष्ट एवं नक्षत्राचार सारणी (औदयिक) अक्टूबर २०२५

दि	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	दि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक	शनि	राहु	केतु
1	५-१३:५३:२९	५८:५९	८-२५:४१:०९	७६१:३७	६-११:४०:०३	४०:५३	५-२७:०१:००	९४:४९	२-२८:१४:५८	०७:१५	४-१९:५३:२३	७३:५४	११-०३:३२:१८	-०४:३१	१०-२२:४९:२२	1	हस्त-२	पूषा-४	स्वा-२	चित्रा-२	पुन-३	पूफा-२	उभा-१	पूभा-१	पूफा-१
2	५-१४:५२:२९	५९:०१	९-०८:२३:४१	७८४:२६	६-१२:२०:५७	४०:५७	५-२८:३५:४९	९३:५८	२-२८:२२:१३	०७:०६	४-२१:०७:१७	७३:५६	११-०३:२७:४६	-०४:३०	१०-२२:४६:११	2	हस्त-२	उषा-४	स्वा-२	चित्रा-२	पुन-३	पूफा-३	उभा-१	पूभा-१	पूफा-१
3	५-१५:५१:३१	५९:०३	९-२१:२९:०९	८०९:५५	६-१३:०१:५४	४१:००	६-००:०९:४७	९३:०८	२-२८:२९:१९	०६:५८	४-२२:२१:१५	७३:५९	११-०३:२३:१६	-०४:२८	१०-२२:४३:०१	3	हस्त-२	श्र-४	स्वा-२	चित्रा-३	पुन-३	पूफा-३	उभा-१	पूभा-१	पूफा-१
4	५-१६:५०:३५	५९:०५	१०-०५:००:०८	८३६:२१	६-१३:४२:५५	४१:०४	६-०१:४२:५५	९२:१८	२-२८:३६:१६	०६:४९	४-२३:३५:१५	७४:०२	११-०३:१८:४८	-०४:२६	१०-२२:३९:५०	4	हस्त-३	ध-४	स्वा-३	चित्रा-३	पुन-३	पूफा-४	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
5	५-१७:४९:४१	५९:०६	१०-१८:५७:३२	८६१:२५	६-१४:२३:६०	४१:०७	६-०३:१५:१३	९१:२९	२-२८:४३:०५	०६:४०	४-२४:४९:१८	७४:०४	११-०३:१४:२१	-०४:२४	१०-२२:३६:३९	5	हस्त-३	शत-४	स्वा-३	चित्रा-३	पुन-३	पूफा-४	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
6	५-१८:४८:४८	५९:०८	११-०३:१९:५४	८८२:२७	६-१५:०५:०८	४१:११	६-०४:४६:४२	९०:४०	२-२८:४९:४४	०६:३१	४-२६:०३:२४	७४:०७	११-०३:०९:५७	-०४:२२	१०-२२:३३:२८	6	हस्त-३	पूभा-४	स्वा-३	चित्रा-४	पुन-३	पूफा-४	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
7	५-१९:४७:५८	५९:१०	११-१८:०३:०५	८९६:५०	६-१५:४६:२०	४१:१५	६-०६:१७:२३	८९:५२	२-२८:५६:१५	०६:२२	४-२७:१७:३३	७४:१०	११-०३:०५:३५	-०४:२०	१०-२२:३०:१७	7	हस्त-३	रे-१	स्वा-३	चित्रा-४	पुन-३	उफा-१	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
8	५-२०:४७:०९	५९:१३	०-०३:००:२४	९०२:४२	६-१६:२७:३५	४१:१८	६-०७:४७:१५	८९:०४	२-२९:०२:३६	०६:१३	४-२८:३१:४४	७४:१३	११-०३:०१:१५	-०४:१७	१०-२२:२७:०६	8	हस्त-४	अश्वि-१	स्वा-३	स्वा-१	पुन-३	उफा-१	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
9	५-२१:४६:२३	५९:१५	०-१८:०३:१७	८९९:२४	६-१७:०८:५४	४१:२२	६-०९:१६:१९	८८:१५	२-२९:०८:४८	०६:०३	४-२९:४५:५८	७४:१५	११-०२:५६:५८	-०४:१५	१०-२२:२३:५५	9	हस्त-४	भ-२	स्वा-४	स्वा-१	पुन-३	उफा-१	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
10	५-२२:४५:३९	५९:१७	१-०३:०२:३७	८८७:४५	६-१७:५०:१७	४१:२६	६-१०:४४:३४	८७:२६	२-२९:१४:५२	०५:५४	५-०१:००:१५	७४:१८	११-०२:५२:४३	-०४:१२	१०-२२:२०:४४	10	हस्त-४	कृ-२	स्वा-४	स्वा-२	पुन-३	उफा-२	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
11	५-२३:४४:५७	५९:२०	१-१७:५०:०४	८६९:४४	६-१८:३१:४४	४१:३०	६-१२:११:६०	८६:३७	२-२९:२०:४५	०५:४४	५-०२:१४:३४	७४:२१	११-०२:४८:३१	-०४:०९	१०-२२:१७:३३	11	चित्रा-१	रो-३	स्वा-४	स्वा-२	पुन-३	उफा-२	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
12	५-२४:४४:१८	५९:२२	२-०२:१९:२२	८४७:५५	६-१९:१३:१५	४१:३४	६-१३:३८:३७	८५:४६	२-२९:२६:२९	०५:३५	५-०३:२८:५७	७४:२३	११-०२:४४:२२	-०४:०६	१०-२२:१४:२३	12	चित्रा-१	मृ-३	स्वा-४	स्वा-३	पुन-३	उफा-३	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
13	५-२५:४३:४१	५९:२४	२-१६:२६:४७	८२४:५१	६-१९:५४:५०	४१:३८	६-१५:०४:२२	८४:५४	२-२९:३२:०४	०५:२५	५-०४:४३:२२	७४:२६	११-०२:४०:१६	-०४:०३	१०-२२:११:१२	13	चित्रा-१	आर्द्रा-३	स्वा-४	स्वा-३	पुन-३	उफा-३	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
14	५-२६:४३:०६	५९:२६	३-००:११:०९	८०२:३५	६-२०:३६:२९	४१:४१	६-१६:२९:१७	८४:०१	२-२९:३७:२८	०५:१५	५-०५:५७:४९	७४:२८	११-०२:३६:१३	-०३:६०	१०-२२:०८:०१	14	चित्रा-२	पुन-४	वि-१	स्वा-३	पुन-३	उफा-३	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
15	५-२७:४२:३४	५९:२९	३-१३:३३:२०	७८२:२७	६-२१:१८:११	४१:४५	६-१७:५३:१७	८३:०६	२-२९:४२:४३	०५:०५	५-०७:१२:१९	७४:३१	११-०२:३२:१३	-०३:५६	१०-२२:०४:५०	15	चित्रा-२	पुष्य-४	वि-१	स्वा-४	पुन-३	उफा-४	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
16	५-२८:४२:०४	५९:३१	३-२६:३५:२८	७६५:१०	६-२१:५९:५७	४१:४९	६-१९:१६:२३	८२:०८	२-२९:४७:४७	०४:५५	५-०८:२६:५१	७४:३३	११-०२:२८:१६	-०३:५३	१०-२२:०१:४०	16	चित्रा-२	श्लेषा-३	वि-१	स्वा-४	पुन-३	उफा-४	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
17	५-२९:४१:३६	५९:३३	४-०९:२०:२४	७५०:५०	६-२२:४१:४७	४१:५३	६-२०:३८:३१	८१:०८	२-२९:५२:४२	०४:४४	५-०९:४१:२६	७४:३५	११-०२:२४:२३	-०३:४९	१०-२१:५८:२९	17	चित्रा-२	मघा-३	वि-१	वि-१	पुन-३	उफा-४	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
18	६-००:४१:११	५९:३५	४-२१:५१:०५	७३९:१६	६-२३:२३:४१	४१:५७	६-२१:५९:३८	८०:०५	२-२९:५७:२६	०४:३४	५-१०:५६:०२	७४:३७	११-०२:२०:३४	-०३:४६	१०-२१:५५:१८	18	चित्रा-३	पूफा-३	वि-२	वि-१	पुन-३	हस्त-१	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
19	६-०१:४०:४७	५९:३७	५-०४:१०:१९	७३०:०७	६-२४:०५:३९	४२:००	६-२३:१९:४२	७८:५७	३-००:०१:५९	०४:२४	५-१२:१०:४१	७४:३९	११-०२:१६:४८	-०३:४२	१०-२१:५२:०७	19	चित्रा-३	उफा-३	वि-२	वि-१	पुन-४	हस्त-१	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
20	६-०२:४०:२६	५९:४०	५-१६:२०:२७	७२२:५७	६-२४:४७:४०	४२:०४	६-२४:३८:३९	७७:४५	३-००:०६:२२	०४:१३	५-१३:२५:२२	७४:४१	११-०२:१३:०६	-०३:३८	१०-२१:४८:५६	20	चित्रा-३	हस्त-२	वि-२	वि-२	पुन-४	हस्त-२	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
21	६-०३:४०:०७	५९:४२	५-२८:२३:२८	७१७:२८	६-२५:२९:४५	४२:०८	६-२५:५६:२३	७६:२८	३-००:१०:३५	०४:०२	५-१४:४०:०५	७४:४३	११-०२:०९:२८	-०३:३४	१०-२१:४५:४५	21	चित्रा-४	चित्रा-२	वि-२	वि-२	पुन-४	हस्त-२	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
22	६-०४:३९:५०	५९:४४	६-१०:२१:०४	७१३:३२	६-२६:११:५४	४२:१२	६-२७:१२:४९	७५:०५	३-००:१४:३७	०३:५२	५-१५:५४:५०	७४:४५	११-०२:०५:५५	-०३:२९	१०-२१:४२:३४	22	चित्रा-४	स्वा-२	वि-२	वि-३	पुन-४	हस्त-२	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
23	६-०५:३९:३५	५९:४६	६-२२:१४:४८	७११:१३	६-२६:५४:०७	४२:१६	६-२८:२७:५२	७३:३५	३-००:१८:२८	०३:४१	५-१७:०९:३७	७४:४७	११-०२:०२:२६	-०३:२५	१०-२१:३९:२३	23	चित्रा-४	वि-१	वि-३	वि-३	पुन-४	हस्त-३	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
24	६-०६:३९:२२	५९:४७	७-०४:०६:१८	७१०:४८	६-२७:३६:२४	४२:१९	६-२९:४१:२५	७१:५६	३-००:२२:०८	०३:३०	५-१८:२४:२५	७४:४९	११-०१:५९:०१	-०३:२०	१०-२१:३६:१२	24	चित्रा-४	अनु-१	वि-३	वि-३	पुन-४	हस्त-३	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
25	६-०७:३९:१०	५९:४९	७-१५:५७:२८	७१२:४४	६-२८:१८:४४	४२:२३	७-००:५३:१९	७०:०९	३-००:२५:३८	०३:१९	५-१९:३९:१६	७४:५०	११-०१:५५:४०	-०३:१६	१०-२१:३३:०१	25	स्वा-१	अनु-४	वि-३	वि-४	पुन-४	हस्त-३	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
26	६-०८:३९:०१	५९:५१	७-२७:५०:४१	७१७:३६	६-२९:०१:०८	४२:२७	७-०२:०३:२५	६८:११	३-००:२८:५६	०३:०८	५-२०:५४:०८	७४:५२	११-०१:५२:२५	-०३:११	१०-२१:२९:५१	26	स्वा-१	ज्ये-४	वि-३	वि-४	पुन-४	हस्त-४	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
27	६-०९:३८:५४	५९:५३	८-०९:४८:५४	७२५:५९	६-२९:४३:३६	४२:३०	७-०३:११:३१	६६:००	३-००:३२:०३	०२:५७	५-२२:०९:०२	७४:५३	११-०१:४९:१४	-०३:०६	१०-२१:२६:४०	27	स्वा-१	मूल-३	वि-३	वि-४	पुन-४	हस्त-४	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
28	६-१०:३८:४८	५९:५४	८-२१:५५:४२	७३८:२८	७-००:२६:०७	४२:३४	७-०४:१७:२८	६३:३६	३-००:३४:५९	०२:४५	५-२३:२३:५७	७४:५५	११-०१:४६:०८	-०३:०१	१०-२१:२३:२९	28	स्वा-२	पूषा-३	वि-४	अनु-१	पुन-४	चित्रा-१	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
29	६-११:३८:४४	५९:५६	९-०४:१५:१०	७५५:२४	७-०१:०८:४२	४२:३७	७-०५:२०:५९	६०:५६	३-००:३७:४४	०२:३४	५-२४:३८:५३	७४:५६	११-०१:४३:०६	-०२:५६	१०-२१:२०:१८	29	स्वा-२	उषा-३	वि-४	अनु-१	पुन-४	चित्रा-१	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
30	६-१२:३८:४१	५९:५८	९-१६:५१:४६	७७६:४९	७-०१:५१:२१	४२:४१	७-०६:२१:४९	५७:५९	३-००:४०:१८	०२:२३	५-२५:५३:५२	७४:५८	११-०१:४०:१०	-०२:५१	१०-२१:१७:०७	30	स्वा-२	श्र-३	वि-४	अनु-१	पुन-४	चित्रा-१	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
31	६-१३:३८:४०	५९:५९	९-२९:४९:५९	८०२:१३	७-०२:३४:०२	४२:४४	७-०७:१९:४१	५४:४१	३-००:४२:४०	०२:११	५-२७:०८:५१	७४:५९	११-०१:३७:१९	-०२:४६	१०-२१:१३:५७	31	स्वा-३	ध-२	वि-४	अनु-२	पुन-४	चित्रा-२	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१

दैनिक ग्रह स्पष्ट एवं नक्षत्राचार सारणी (औदयिक) नवम्बर २०२५

दि	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	दि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक	शनि	राहु	केतु
1	६-१४:३८:४१	६०:०१	१०-१३:१३:४४	८३०:२३	७-०३:१६:४८	४२:४८	७-०८:१४:१५	५१:०१	३-००:४४:५१	०१:६०	५-२८:२३:५२	७५:००	११-०१:३४:३३	-०२:४१	१०-२१:१०:४६	1	स्वा-३	शत-२	वि-४	अनु-२	पुन-४	चित्रा-२	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
2	६-१५:३८:४३	६०:०२	१०-२७:०५:४२	८५९:१२	७-०३:५९:३७	४२:५१	७-०९:०५:०६	४६:५५	३-००:४६:५०	०१:४८	५-२९:३८:५४	७५:०१	११-०१:३१:५२	-०२:३६	१०-२१:०७:३५	2	स्वा-३	पूभा-३	अनु-१	अनु-२	पुन-४	चित्रा-२	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
3	६-१६:३८:४७	६०:०४	११-११:२६:२५	८८५:४३	७-०४:४२:२९	४२:५५	७-०९:५१:५१	४२:२१	३-००:४८:३७	०१:३७	६-००:५३:५७	७५:०३	११-०१:२९:१६	-०२:३०	१०-२१:०४:२४	3	स्वा-३	उभा-३	अनु-१	अनु-२	पुन-४	चित्रा-३	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
4	६-१७:३८:५३	६०:०६	११-२६:१३:२६	९०६:२७	७-०५:२५:२५	४२:५८	७-१०:३४:००	३७:१६	३-००:५०:१३	०१:२५	६-०२:०९:०२	७५:०४	११-०१:२६:४६	-०२:२५	१०-२१:०१:१३	4	स्वा-४	रे-३	अनु-१	अनु-३	पुन-४	चित्रा-३	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
5	६-१८:३९:००	६०:०८	०-११:२०:४९	९१८:०६	७-०६:०८:२५	४३:०२	७-११:११:०३	३१:३७	३-००:५१:३८	०१:१३	६-०३:२४:०८	७५:०५	११-०१:२४:२१	-०२:१९	१०-२०:५८:०२	5	स्वा-४	अश्वि-४	अनु-१	अनु-३	पुन-४	चित्रा-४	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
6	६-१९:३९:०९	६०:१०	०-२६:३९:२२	९१८:३७	७-०६:५१:२८	४३:०६	७-११:४२:२४	२५:२१	३-००:५२:५०	०१:०२	६-०४:३९:१५	७५:०७	११-०१:२२:०२	-०२:१३	१०-२०:५४:५१	6	स्वा-४	भ-४	अनु-२	अनु-३	पुन-४	चित्रा-४	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
7	६-२०:३९:२१	६०:११	१-११:५७:५७	९०७:५३	७-०७:३४:३४	४३:०९	७-१२:०७:२७	१८:२५	३-००:५३:५२	००:५०	६-०५:५४:२४	७५:०८	११-०१:१९:४९	-०२:०८	१०-२०:५१:४०	7	वि-१	रो-१	अनु-२	अनु-३	पुन-४	चित्रा-४	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
8	६-२१:३९:३४	६०:१३	१-२७:०५:२२	८८७:४६	७-०८:१७:४५	४३:१३	७-१२:२५:३२	१०:४९	३-००:५४:४१	००:३८	६-०७:०९:३५	७५:०९	११-०१:१७:४१	-०२:०२	१०-२०:४८:३०	8	वि-१	मृ-२	अनु-२	अनु-३	पुन-४	स्वा-१	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
9	६-२२:३९:४९	६०:१५	२-११:५२:२२	८६१:३०	७-०९:००:५९	४३:१६	७-१२:३५:५९	०२:३२	३-००:५५:१९	००:२६	६-०८:२४:४६	७५:११	११-०१:१५:३९	-०१:५६	१०-२०:४५:१९	9	वि-१	आर्द्रा-२	अनु-२	अनु-३	पुन-४	स्वा-१	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
10	६-२३:४०:०६	६०:१७	२-२६:१२:५८	८३२:४४	७-०९:४४:१७	४३:२०	७-१२:३८:०५	-०६:२५	३-००:५५:४४	००:१४	६-०९:३९:५९	७५:१२	११-०१:१३:४३	-०१:५१	१०-२०:४२:०८	10	वि-२	पुन-२	अनु-२	अनु-३	पुन-४	स्वा-१	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
11	६-२४:४०:२५	६०:१९	३-१०:०४:४८	८०४:३३	७-१०:२७:३८	४३:२४	७-१२:३१:१४	-१५:५६	३-००:५५:५८	००:०२	६-१०:५५:१३	७५:१३	११-०१:११:५२	-०१:४५	१०-२०:३८:५८	11	वि-२	पुष्य-३	अनु-३	अनु-३	पुन-४	स्वा-२	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
12	६-२५:४०:४६	६०:२१	३-२३:२८:३४	७७९:११	७-११:११:०३	४३:२७	७-१२:१४:५०	-२५:५३	३-००:५५:६०	-००:१०	६-१२:१०:२८	७५:१४	११-०१:१०:०८	-०१:३९	१०-२०:३५:४७	12	वि-२	श्लेषा-३	अनु-३	अनु-३	पुन-४	स्वा-२	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
13	६-२६:४१:०९	६०:२३	४-०६:२७:०७	७५७:५३	७-११:५४:३१	४३:३१	७-११:४८:२७	-३६:०३	३-००:५५:४९	-००:२२	६-१३:२५:४५	७५:१५	११-०१:०८:२९	-०१:३३	१०-२०:३२:३६	13	वि-३	मघा-२	अनु-३	अनु-३	पुन-४	स्वा-३	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
14	६-२७:४१:३४	६०:२५	४-१९:०४:३६	७४१:०६	७-१२:३८:०३	४३:३४	७-११:११:५४	-४६:१०	३-००:५५:२७	-००:३४	६-१४:४१:०२	७५:१६	११-०१:०६:५६	-०१:२७	१०-२०:२९:२५	14	वि-३	पूफा-२	अनु-३	अनु-३	पुन-४	स्वा-३	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
15	६-२८:४२:०१	६०:२७	५-०१:२५:२८	७२८:४२	७-१३:२१:३९	४३:३८	७-१०:२५:१४	-५५:५०	३-००:५४:५२	-००:४६	६-१५:५६:२१	७५:१७	११-०१:०५:२९	-०१:२१	१०-२०:२६:१४	15	वि-३	उफा-२	अनु-४	अनु-३	पुन-४	स्वा-३	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
16	६-२९:४२:३०	६०:२९	५-१३:३४:०८	७२०:१२	७-१४:०५:१८	४३:४२	७-०९:२८:५६	-६४:३७	३-००:५४:०५	-००:५८	६-१७:११:४०	७५:१८	११-०१:०४:०९	-०१:१४	१०-२०:२३:०३	16	वि-३	हस्त-२	अनु-४	अनु-२	पुन-४	स्वा-४	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
17	७-००:४३:००	६०:३०	५-२५:३४:२६	७१४:५५	७-१४:४९:०१	४३:४५	७-०८:२३:५५	-७२:००	३-००:५३:०७	-०१:१०	६-१८:२७:०१	७५:१९	११-०१:०२:५४	-०१:०८	१०-२०:१९:५२	17	वि-४	चित्रा-१	अनु-४	अनु-२	पुन-४	स्वा-४	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
18	७-०१:४३:३२	६०:३२	६-०७:२९:३५	७१२:१०	७-१५:३२:४८	४३:४९	७-०७:११:३५	-७७:३१	३-००:५१:५६	-०१:२२	६-१९:४२:२२	७५:२०	११-०१:०१:४६	-०१:०२	१०-२०:१६:४१	18	वि-४	स्वा-१	अनु-४	अनु-२	पुन-४	स्वा-४	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
19	७-०२:४४:०६	६०:३४	६-१९:२२:०४	७११:१९	७-१६:१६:३८	४३:५२	७-०५:५३:५२	-८०:४४	३-००:५०:३३	-०१:३४	६-२०:५७:४४	७५:२१	११-०१:००:४५	-००:५६	१०-२०:१३:३०	19	वि-४	स्वा-४	अनु-४	अनु-१	पुन-४	वि-१	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
20	७-०३:४४:४२	६०:३५	७-०१:१३:४८	७११:५७	७-१७:००:३१	४३:५६	७-०४:३३:०३	-८१:२१	३-००:४८:५८	-०१:४६	६-२२:१३:०७	७५:२२	११-००:५९:४९	-००:४९	१०-२०:१०:१९	20	अनु-१	वि-४	ज्ये-१	अनु-१	पुन-४	वि-१	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
21	७-०४:४५:१९	६०:३७	७-१३:०६:१३	७१३:५२	७-१७:४४:२९	४३:५९	७-०३:११:४६	-७९:१५	३-००:४७:१२	-०१:५८	६-२३:२८:३१	७५:२२	११-००:५९:००	-००:४३	१०-२०:०७:०९	21	अनु-१	अनु-३	ज्ये-१	वि-४	पुन-४	वि-२	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
22	७-०५:४५:५८	६०:३८	७-२५:००:३७	७१७:१०	७-१८:२८:२९	४४:०३	७-०१:५२:४४	-७४:३१	३-००:४५:१३	-०२:१०	६-२४:४३:५६	७५:२३	११-००:५८:१७	-००:३६	१०-२०:०३:५८	22	अनु-१	ज्ये-३	ज्ये-१	वि-४	पुन-४	वि-२	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
23	७-०६:४६:३८	६०:४०	८-०६:५८:२५	७२२:१०	७-१९:१२:३३	४४:०६	७-००:३८:३२	-६७:२८	३-००:४३:०३	-०२:२१	६-२५:५९:२१	७५:२३	११-००:५७:४१	-००:३०	१०-२०:००:४७	23	अनु-२	मूल-३	ज्ये-१	वि-४	पुन-४	वि-२	पूभा-४	पूभा-१	पूफा-१
24	७-०७:४७:१९	६०:४१	८-१९:०१:२०	७२९:२६	७-१९:५६:४०	४४:०९	६-२९:३१:३१	-५८:२९	३-००:४०:४०	-०२:३३	६-२७:१४:४७	७५:२४	११-००:५७:११	-००:२४	१०-१९:५७:३६	24	अनु-२	पूषा-२	ज्ये-१	वि-३	पुन-४	वि-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
25	७-०८:४८:०२	६०:४२	९-०१:११:४२	७३९:३९	७-२०:४०:५१	४४:१२	६-२८:३३:३३	-४८:०६	३-००:३८:०६	-०२:४५	६-२८:३०:१३	७५:२४	११-००:५६:४८	-००:१७	१०-१९:५४:२६	25	अनु-२	उषा-२	ज्ये-२	वि-३	पुन-४	वि-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
26	७-०९:४८:४५	६०:४३	९-१३:३२:२८	७५३:२५	७-२१:२५:०५	४४:१६	६-२७:४६:०२	-३६:५२	३-००:३५:२०	-०२:५७	६-२९:४५:३९	७५:२५	११-००:५६:३१	-००:११	१०-१९:५१:१५	26	अनु-२	श्र-२	ज्ये-२	वि-३	पुन-४	वि-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
27	७-१०:४९:३०	६०:४४	९-२६:०७:१५	७७१:१३	७-२२:०९:२२	४४:१९	६-२७:०९:४७	-२५:१६	३-००:३२:२३	-०३:०८	७-०१:०१:०६	७५:२५	११-००:५६:२१	-००:०४	१०-१९:४८:०४	27	अनु-३	ध-१	ज्ये-२	वि-३	पुन-४	वि-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
28	७-११:५०:१६	६०:४५	१०-०९:००:०४	७९३:०७	७-२२:५३:४२	४४:२२	६-२६:४५:०८	-१३:४३	३-००:२९:१४	-०३:१९	७-०२:१६:३४	७५:२५	११-००:५६:१७	००:०२	१०-१९:४४:५३	28	अनु-३	शत-१	ज्ये-२	वि-३	पुन-४	वि-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
29	७-१२:५१:०३	६०:४६	१०-२२:१५:०१	८१८:३५	७-२३:३८:०५	४४:२५	६-२६:३२:०२	-०२:३४	३-००:२५:५४	-०३:३१	७-०३:३२:०१	७५:२६	११-००:५६:१९	००:०९	१०-१९:४१:४२	29	अनु-३	पूभा-१	ज्ये-३	वि-२	पुन-४	अनु-१	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
30	७-१३:५१:५०	६०:४७	११-०५:५५:३५	८४६:१३	७-२४:२२:३१	४४:२८	६-२६:३०:०३	०७:५८	३-००:२२:२२	-०३:४२	७-०४:४७:२९	७५:२६	११-००:५६:२८	००:१५	१०-१९:३८:३१	30	अनु-४	उभा-१	ज्ये-३	वि-२	पुन-४	अनु-१	पूभा-४	शत-४	पूफा-४

दैनिक ग्रह स्पष्ट एवं नक्षत्राचार सारणी (औदयिक) दिसम्बर २०२५

दि	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	दि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
1	७-१४:५२:३९	६०:४८	११-२०:०३:४७	८७३:३७	७-२५:०७:०१	४४:३१	६-२६:३८:३४	१७:४३	३-००:१८:४०	-०३:५३	७-०६:०२:५७	७५:२६	११-००:५६:४३	००:२२	१०-१९:३५:२०	1	अनु-४	रे-२	ज्ये-३	वि-२	पुन-४	अनु-१	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
2	७-१५:५३:२८	६०:४९	०-०४:३९:१२	८९७:२८	७-२५:५१:३४	४४:३४	६-२६:५६:४८	२६:३७	३-००:१४:४६	-०४:०४	७-०७:१८:२५	७५:२७	११-००:५७:०५	००:२८	१०-१९:३२:०९	2	अनु-४	अश्वि-२	ज्ये-३	वि-३	पुन-४	अनु-२	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
3	७-१६:५४:१९	६०:५०	०-१९:३८:०५	९१४:०६	७-२६:३६:०९	४४:३८	६-२७:२३:५३	३४:३८	३-००:१०:४२	-०४:१४	७-०८:३३:५४	७५:२७	११-००:५७:३४	००:३५	१०-१९:२८:५९	3	ज्ये-१	भ-२	ज्ये-३	वि-३	पुन-४	अनु-२	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
4	७-१७:५५:१०	६०:५१	१-०४:५३:००	९२०:२५	७-२७:२०:४८	४४:४१	६-२७:५८:५७	४१:४८	३-००:०६:२६	-०४:२५	७-०९:४९:२३	७५:२७	११-००:५८:०८	००:४१	१०-१९:२५:४८	4	ज्ये-१	कृ-३	ज्ये-४	वि-३	पुन-४	अनु-२	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
5	७-१८:५६:०३	६०:५२	१-२०:१३:३३	९१४:५६	७-२८:०५:३०	४४:४४	६-२८:४१:०९	४८:०९	३-००:०२:०१	-०४:३५	७-११:०४:५३	७५:२८	११-००:५८:५०	००:४८	१०-१९:२२:३७	5	ज्ये-१	रो-४	ज्ये-४	वि-३	पुन-४	अनु-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
6	७-१९:५६:५६	६०:५३	२-०५:२७:५७	८९८:२४	७-२८:५०:१६	४४:४७	६-२९:२९:३९	५३:४४	२-२९:५७:२५	-०४:४६	७-१२:२०:२२	७५:२८	११-००:५९:३८	००:५४	१०-१९:१९:२७	6	ज्ये-१	मृ-४	ज्ये-४	वि-३	पुन-३	अनु-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
7	७-२०:५७:५१	६०:५४	२-२०:२५:१८	८७३:३०	७-२९:३५:०४	४४:५०	७-००:२३:४२	५८:३८	२-२९:५२:३८	-०४:५६	७-१३:३५:५३	७५:२९	११-०१:००:३२	०१:००	१०-१९:१६:१६	7	ज्ये-२	पुन-१	ज्ये-४	वि-४	पुन-३	अनु-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
8	७-२१:५८:४७	६०:५५	३-०४:५७:२७	८४३:५६	८-००:१९:५६	४४:५३	७-०१:२२:३७	६२:५५	२-२९:४७:४२	-०५:०६	७-१४:५१:२३	७५:२९	११-०१:०१:३३	०१:०७	१०-१९:१३:०५	8	ज्ये-२	पुष्य-१	मूल-१	वि-४	पुन-३	अनु-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
9	७-२२:५९:४४	६०:५६	३-१८:५९:५६	८१३:२४	८-०१:०४:५१	४४:५६	७-०२:२५:४७	६६:३८	२-२९:४२:३५	-०५:१६	७-१६:०६:५४	७५:२९	११-०१:०२:४०	०१:१३	१०-१९:०९:५४	9	ज्ये-२	श्लेषा-१	मूल-१	वि-४	पुन-३	अनु-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
10	७-२४:००:४२	६०:५८	४-०२:३१:५८	७८४:५१	८-०१:४९:४८	४४:६०	७-०३:३२:३८	६९:५२	२-२९:३७:१८	-०५:२६	७-१७:२२:२५	७५:३०	११-०१:०३:५३	०१:१९	१०-१९:०६:४४	10	ज्ये-३	मघा-१	मूल-१	अनु-१	पुन-३	ज्ये-१	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
11	७-२५:०१:४१	६०:५९	४-१५:३५:४०	७६०:१४	८-०२:३४:४९	४५:०३	७-०४:४२:४३	७२:४०	२-२९:३१:५२	-०५:३५	७-१८:३७:५७	७५:३०	११-०१:०५:१३	०१:२६	१०-१९:०३:३३	11	ज्ये-३	पूफा-१	मूल-१	अनु-१	पुन-३	ज्ये-१	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
12	७-२६:०२:४२	६०:६०	४-२८:१५:०२	७४०:३३	८-०३:१९:५३	४५:०६	७-०५:५५:३४	७५:०६	२-२९:२६:१६	-०५:४४	७-१९:५३:२९	७५:३०	११-०१:०६:३९	०१:३२	१०-१९:००:२२	12	ज्ये-३	उफा-१	मूल-१	अनु-१	पुन-३	ज्ये-१	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
13	७-२७:०३:४३	६१:०१	५-१०:३४:६०	७२६:०४	८-०४:०५:००	४५:०९	७-०७:१०:५०	७७:१३	२-२९:२०:३०	-०५:५३	७-२१:०९:०१	७५:३१	११-०१:०८:११	०१:३८	१०-१८:५७:११	13	ज्ये-४	हस्त-१	मूल-२	अनु-२	पुन-३	ज्ये-२	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
14	७-२८:०४:४५	६१:०२	५-२२:४०:४७	७१६:३४	८-०४:५०:१०	४५:१२	७-०८:२८:१२	७९:०३	२-२९:१४:३६	-०६:०२	७-२२:२४:३३	७५:३१	११-०१:०९:५०	०१:४५	१०-१८:५४:००	14	ज्ये-४	हस्त-४	मूल-२	अनु-२	पुन-३	ज्ये-२	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
15	७-२९:०५:४९	६१:०३	६-०४:३७:१९	७११:२७	८-०५:३५:२३	४५:१५	७-०९:४७:२३	८०:३९	२-२९:०८:३३	-०६:११	७-२३:४०:०६	७५:३१	११-०१:११:३५	०१:५१	१०-१८:५०:४९	15	ज्ये-४	चित्रा-४	मूल-२	अनु-२	पुन-३	ज्ये-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
16	८-००:०६:५३	६१:०४	६-१६:२८:५९	७१०:००	८-०६:२०:४०	४५:१८	७-११:०८:०१	८२:०२	२-२९:०२:२१	-०६:१९	७-२४:५५:३९	७५:३१	११-०१:१३:२७	०१:५७	१०-१८:४७:३८	16	मूल-१	स्वा-३	मूल-२	अनु-३	पुन-३	ज्ये-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
17	८-०१:०७:५९	६१:०५	६-२८:१९:२१	७११:२४	८-०७:०५:५९	४५:२१	७-१२:३०:१७	८३:१४	२-२८:५६:०१	-०६:२७	७-२६:११:१२	७५:३२	११-०१:१५:२५	०२:०४	१०-१८:४४:२८	17	मूल-१	वि-३	मूल-३	अनु-३	पुन-३	ज्ये-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
18	८-०२:०९:०५	६१:०६	७-१०:११:१६	७१४:५३	८-०७:५१:२१	४५:२४	७-१३:५३:३८	८४:१८	२-२८:४९:३३	-०६:३५	७-२७:२६:४५	७५:३२	११-०१:१७:२९	०२:१०	१०-१८:४१:१७	18	मूल-१	अनु-३	मूल-३	अनु-४	पुन-३	ज्ये-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
19	८-०३:१०:११	६१:०६	७-२२:०६:४४	७१९:४८	८-०८:३६:४६	४५:२७	७-१५:१८:०१	८५:१३	२-२८:४२:५७	-०६:४३	७-२८:४२:१८	७५:३२	११-०१:१९:३९	०२:१६	१०-१८:३८:०६	19	मूल-१	ज्ये-२	मूल-३	अनु-४	पुन-३	ज्ये-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
20	८-०४:११:१९	६१:०७	८-०४:०७:१२	७२५:४६	८-०९:२२:१४	४५:३०	७-१६:४३:१९	८६:०२	२-२८:३६:१४	-०६:५०	७-२९:५७:५२	७५:३२	११-०१:२१:५६	०२:२२	१०-१८:३४:५५	20	मूल-२	मूल-२	मूल-३	ज्ये-१	पुन-३	ज्ये-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
21	८-०५:१२:२७	६१:०७	८-१६:१३:४०	७३२:३८	८-१०:०७:४५	४५:३२	७-१८:०९:२६	८६:४६	२-२८:२९:२३	-०६:५७	८-०१:१३:२५	७५:३२	११-०१:२४:१८	०२:२९	१०-१८:३१:४५	21	मूल-२	पूषा-१	मूल-४	ज्ये-१	पुन-३	मूल-१	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
22	८-०६:१३:३५	६१:०८	८-२८:२७:०४	७४०:३३	८-१०:५३:१८	४५:३५	७-१९:३६:१५	८७:२४	२-२८:२२:२६	-०७:०३	८-०२:२८:५९	७५:३२	११-०१:२६:४७	०२:३५	१०-१८:२८:३४	22	मूल-२	उषा-१	मूल-४	ज्ये-१	पुन-३	मूल-१	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
23	८-०७:१४:४४	६१:०८	९-१०:४८:२९	७४९:५६	८-११:३८:५४	४५:३८	७-२१:०३:४४	८७:५९	२-२८:१५:२२	-०७:१०	८-०३:४४:३२	७५:३२	११-०१:२९:२२	०२:४१	१०-१८:२५:२३	23	मूल-३	अभि-१	मूल-४	ज्ये-२	पुन-३	मूल-२	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
24	८-०८:१५:५३	६१:०८	९-२३:१९:२६	७६१:२०	८-१२:२४:३३	४५:४०	७-२२:३१:४६	८८:३१	२-२८:०८:११	-०७:१६	८-०५:००:०५	७५:३२	११-०१:३२:०३	०२:४७	१०-१८:२२:१२	24	मूल-३	श्र-४	मूल-४	ज्ये-२	पुन-३	मूल-२	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
25	८-०९:१७:०२	६१:०८	१०-०६:०१:५५	७७५:१७	८-१३:१०:१४	४५:४३	७-२४:००:२०	८८:५९	२-२८:००:५४	-०७:२२	८-०६:१५:३८	७५:३१	११-०१:३४:५०	०२:५२	१०-१८:१९:०२	25	मूल-३	ध-४	मूल-४	ज्ये-३	पुन-३	मूल-२	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
26	८-१०:१८:११	६१:०८	१०-१८:५८:३४	७९२:०८	८-१३:५५:५८	४५:४५	७-२५:२९:२३	८९:२६	२-२७:५३:३२	-०७:२७	८-०७:३१:१०	७५:३१	११-०१:३७:४३	०२:५८	१०-१८:१५:५१	26	मूल-४	शत-४	पूषा-१	ज्ये-३	पुन-३	मूल-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
27	८-११:१९:२०	६१:०८	११-०२:१२:१५	८११:५१	८-१४:४१:४४	४५:४८	७-२६:५८:५२	८९:५१	२-२७:४६:०५	-०७:३२	८-०८:४६:४२	७५:३१	११-०१:४०:४१	०३:०४	१०-१८:१२:४०	27	मूल-४	पूभा-४	पूषा-१	ज्ये-४	पुन-३	मूल-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
28	८-१२:२०:२९	६१:०८	११-१५:४५:४७	८३३:४२	८-१५:२७:३३	४५:५०	७-२८:२८:४६	९०:१५	२-२७:३८:३२	-०७:३७	८-१०:०२:१४	७५:३१	११-०१:४३:४६	०३:१०	१०-१८:०९:२९	28	मूल-४	उभा-४	पूषा-१	ज्ये-४	पुन-३	मूल-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
29	८-१३:२१:३७	६१:०८	११-२९:४१:१४	८५६:१४	८-१६:१३:२४	४५:५३	७-२९:५९:०३	९०:३७	२-२७:३०:५५	-०७:४१	८-११:१७:४६	७५:३०	११-०१:४६:५६	०३:१६	१०-१८:०६:१८	29	पूषा-१	रे-४	पूषा-१	ज्ये-४	पुन-३	मूल-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
30	८-१४:२२:४६	६१:०८	०-१३:५९:०५	८७७:०५	८-१६:५९:१७	४५:५५	८-०१:२९:४३	९०:५९	२-२७:२३:१४	-०७:४५	८-१२:३३:१७	७५:३०	११-०१:५०:१२	०३:२१	१०-१८:०३:०७	30	पूषा-१	भ-१	पूषा-२	मूल-१	पुन-३	मूल-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
31	८-१५:२३:५५	६१:०८	०-२८:३७:२८	८९३:२३	८-१७:४५:१३	४५:५८	८-०३:००:४५	९१:२१	२-२७:१५:२८	-०७:४८	८-१३:४८:४८	७५:३०	११-०१:५३:३४	०३:२७	१०-१७:५९:५७	31	पूषा-१	कृ-१	पूषा-२	मूल-१	पुन-३	पूषा-१	पूभा-४	शत-४	पूफा-४

दैनिक ग्रह स्पष्ट एवं नक्षत्राचार सारणी (औदयिक) जनवरी २०२६

दि	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	दि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक	शनि	राहु	केतु
1	८-१६:२५:०४	६१:०८	१-१३:३१:३८	९०२:१६	८-१८:३१:१२	४६:००	८-०४:३२:०८	९१:४२	२-२७:०७:४०	-०७:५२	८-१५:०४:१९	७५:३०	११-०१:५७:०२	०३:३३	१०-१७:५६:४६	1	पूषा-१	रो-२	पूषा-२	मूल-२	पुन-३	पूषा-१	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
2	८-१७:२६:१२	६१:०८	१-२८:३४:०२	९०१:४५	८-१९:१७:१२	४६:०२	८-०६:०३:५३	९२:०३	२-२६:५९:४८	-०७:५५	८-१६:१९:५०	७५:३०	११-०२:००:३५	०३:३८	१०-१७:५३:३६	2	पूषा-२	मृ-२	पूषा-२	मूल-२	पुन-३	पूषा-१	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
3	८-१८:२७:२०	६१:०८	२-१३:३५:१४	८९१:२३	८-२०:०३:१५	४६:०५	८-०७:३५:५९	९२:२५	२-२६:५१:५३	-०७:५७	८-१७:३५:२०	७५:२९	११-०२:०४:१३	०३:४४	१०-१७:५०:२५	3	पूषा-२	आर्द्रा-३	पूषा-३	मूल-३	पुन-३	पूषा-२	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
4	८-१९:२८:२९	६१:०८	२-२८:२५:२६	८७२:२६	८-२०:४९:२१	४६:०७	८-०९:०८:२६	९२:४६	२-२६:४३:५५	-०७:५९	८-१८:५०:५०	७५:२९	११-०२:०७:५७	०३:४९	१०-१७:४७:१५	4	पूषा-२	पुन-३	पूषा-३	मूल-३	पुन-३	पूषा-२	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
5	८-२०:२९:३७	६१:०८	३-१२:५६:१६	८४७:३०	८-२१:३५:२८	४६:०९	८-१०:४१:१४	९३:०८	२-२६:३५:५६	-०८:०१	८-२०:०६:२०	७५:२९	११-०२:११:४६	०३:५४	१०-१७:४४:०४	5	पूषा-३	पुष्य-३	पूषा-३	मूल-४	पुन-२	पूषा-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
6	८-२१:३०:४५	६१:०८	३-२७:०१:५६	८१९:४४	८-२२:२१:३८	४६:१२	८-१२:१४:२५	९३:३१	२-२६:२७:५४	-०८:०३	८-२१:२१:४९	७५:२९	११-०२:१५:४१	०३:६०	१०-१७:४०:५३	6	पूषा-३	श्लेषा-४	पूषा-३	मूल-४	पुन-२	पूषा-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
7	८-२२:३१:५३	६१:०८	४-१०:३९:४९	७९२:०५	८-२३:०७:५०	४६:१४	८-१३:४७:५८	९३:५४	२-२६:१९:५०	-०८:०४	८-२२:३७:१८	७५:२९	११-०२:१९:४१	०४:०५	१०-१७:३७:४२	7	पूषा-३	मघा-४	पूषा-३	पूषा-१	पुन-२	पूषा-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
8	८-२३:३३:०१	६१:०८	४-२३:५०:१३	७६६:५३	८-२३:५४:०४	४६:१६	८-१५:२१:५४	९४:१८	२-२६:११:४६	-०८:०५	८-२३:५२:४७	७५:२९	११-०२:२३:४६	०४:१०	१०-१७:३४:३२	8	पूषा-४	पूफा-४	पूषा-४	पूषा-१	पुन-२	पूषा-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
9	८-२४:३४:०९	६१:०८	५-०६:३५:४०	७४५:४२	८-२४:४०:२१	४६:१९	८-१६:५६:१४	९४:४३	२-२६:०३:४०	-०८:०६	८-२५:०८:१६	७५:२८	११-०२:२७:५६	०४:१५	१०-१७:३१:२१	9	पूषा-४	उफा-३	पूषा-४	पूषा-२	पुन-२	पूषा-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
10	८-२५:३५:१७	६१:०८	५-१९:००:१६	७२९:२४	८-२५:२६:४०	४६:२१	८-१८:३०:५९	९५:०८	२-२५:५५:३४	-०८:०६	८-२६:२३:४५	७५:२८	११-०२:३२:१२	०४:२०	१०-१७:२८:१०	10	पूषा-४	हस्त-३	पूषा-४	पूषा-२	पुन-२	पूषा-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
11	८-२६:३६:२६	६१:०८	६-०१:०८:५४	७१८:१४	८-२६:१३:०१	४६:२३	८-२०:०६:०९	९५:३५	२-२५:४७:२८	-०८:०६	८-२७:३९:१३	७५:२८	११-०२:३६:३२	०४:२५	१०-१७:२४:५९	11	पूषा-४	चित्रा-३	पूषा-४	पूषा-३	पुन-२	उषा-१	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
12	८-२७:३७:३४	६१:०८	६-१३:०६:४३	७१२:०६	८-२६:५९:२४	४६:२५	८-२१:४१:४५	९६:०२	२-२५:३९:२२	-०८:०५	८-२८:५४:४१	७५:२८	११-०२:४०:५८	०४:३०	१०-१७:२१:४८	12	उषा-१	स्वा-२	उषा-१	पूषा-३	पुन-२	उषा-१	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
13	८-२८:३८:४२	६१:०८	६-२४:५८:४२	७१०:३२	८-२७:४५:४९	४६:२८	८-२३:१७:४९	९६:३०	२-२५:३१:१७	-०८:०४	९-००:१०:०९	७५:२८	११-०२:४५:२८	०४:३५	१०-१७:१८:३८	13	उषा-१	वि-२	उषा-१	पूषा-३	पुन-२	उषा-२	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
14	८-२९:३९:५०	६१:०८	७-०६:४९:२४	७१२:५६	८-२८:३२:१७	४६:३०	८-२४:५४:२०	९६:५९	२-२५:२३:१३	-०८:०३	९-०१:२५:३७	७५:२८	११-०२:५०:०४	०४:४०	१०-१७:१५:२७	14	उषा-१	अनु-२	उषा-१	पूषा-४	पुन-२	उषा-२	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
15	९-००:४०:५७	६१:०८	७-१८:४२:४१	७१८:३०	८-२९:१८:४६	४६:३२	८-२६:३१:२१	९७:२८	२-२५:१५:१०	-०८:०१	९-०२:४१:०४	७५:२७	११-०२:५४:४४	०४:४५	१०-१७:१२:१६	15	उषा-२	ज्ये-१	उषा-१	पूषा-४	पुन-२	उषा-२	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
16	९-०१:४२:०५	६१:०७	८-००:४१:४२	७२६:२७	९-००:०५:१८	४६:३४	८-२८:०८:५१	९७:५९	२-२५:०७:१०	-०७:५९	९-०३:५६:३१	७५:२७	११-०२:५९:३०	०४:५०	१०-१७:०९:०६	16	उषा-२	मूल-१	उषा-२	उषा-१	पुन-२	उषा-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
17	९-०२:४३:११	६१:०७	८-१२:४८:४६	७३५:५९	९-००:५१:५२	४६:३६	८-२९:४६:५१	९८:३०	२-२४:५९:११	-०७:५६	९-०५:११:५८	७५:२७	११-०३:०४:२०	०४:५५	१०-१७:०५:५५	17	उषा-२	मूल-४	उषा-२	उषा-१	पुन-२	उषा-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
18	९-०३:४४:१८	६१:०६	८-२५:०५:२५	७४६:२७	९-०१:३८:२७	४६:३८	९-०१:२५:२३	९९:०३	२-२४:५१:१५	-०७:५३	९-०६:२७:२४	७५:२६	११-०३:०९:१४	०४:५९	१०-१७:०२:४४	18	उषा-३	पूषा-४	उषा-२	उषा-२	पुन-२	उषा-३	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
19	९-०४:४५:२४	६१:०६	९-०७:३२:३२	७५७:२४	९-०२:२५:०५	४६:३९	९-०३:०४:२८	९९:३५	२-२४:४३:२१	-०७:५०	९-०७:४२:५०	७५:२६	११-०३:१४:१४	०५:०४	१०-१६:५९:३४	19	उषा-३	उषा-४	उषा-२	उषा-२	पुन-२	उषा-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
20	९-०५:४६:२९	६१:०५	९-२०:१०:३७	७६८:३६	९-०३:११:४४	४६:४१	९-०४:४४:०४	१००:०९	२-२४:३५:३१	-०७:४७	९-०८:५८:१५	७५:२५	११-०३:१९:१७	०५:०८	१०-१६:५६:२३	20	उषा-३	श्र-४	उषा-२	उषा-३	पुन-२	उषा-४	पूभा-४	शत-४	पूफा-४
21	९-०६:४७:३३	६१:०४	१०-०२:५९:५४	७८०:०५	९-०३:५८:२४	४६:४३	९-०६:२४:१५	१००:४३	२-२४:२७:४५	-०७:४३	९-१०:१३:३९	७५:२५	११-०३:२४:२६	०५:१२	१०-१६:५३:१२	21	उषा-४	ध-३	उषा-३	उषा-३	पुन-२	अभि-१	उभा-१	शत-४	पूफा-४
22	९-०७:४८:३७	६१:०३	१०-१६:००:४१	७९२:०२	९-०४:४५:०६	४६:४४	९-०८:०४:५९	१०१:१७	२-२४:२०:०२	-०७:३८	९-११:२९:०३	७५:२४	११-०३:२९:३८	०५:१७	१०-१६:५०:०१	22	उषा-४	शत-३	उषा-३	उषा-४	पुन-२	श्र-१	उभा-१	शत-४	पूफा-४
23	९-०८:४९:४०	६१:०२	१०-२९:१३:२७	८०४:४१	९-०५:३१:५०	४६:४६	९-०९:४६:१७	१०१:५१	२-२४:१२:२४	-०७:३४	९-१२:४४:२७	७५:२३	११-०३:३४:५५	०५:२१	१०-१६:४६:५१	23	उषा-४	पूभा-३	उषा-३	उषा-४	पुन-२	श्र-१	उभा-१	शत-४	पूफा-४
24	९-०९:५०:४१	६१:०१	११-१२:३८:५३	८१८:०६	९-०६:१८:३५	४६:४७	९-११:२८:०९	१०२:२५	२-२४:०४:५१	-०७:२९	९-१३:५९:४९	७५:२३	११-०३:४०:१६	०५:२५	१०-१६:४३:४०	24	उषा-४	उभा-३	उषा-३	श्र-१	पुन-२	श्र-२	उभा-१	शत-४	पूफा-४
25	९-१०:५१:४२	६१:००	११-२६:१७:४६	८३२:०६	९-०७:०५:२२	४६:४९	९-१३:१०:३५	१०२:५९	२-२३:५७:२२	-०७:२३	९-१५:१५:११	७५:२२	११-०३:४५:४१	०५:२९	१०-१६:४०:२९	25	अभि-१	रे-३	उषा-४	श्र-१	पुन-२	श्र-२	उभा-१	शत-४	पूफा-४
26	९-११:५२:४१	६०:५९	०-१०:१०:३७	८४६:००	९-०७:५२:१०	४६:५०	९-१४:५३:३५	१०३:३३	२-२३:४९:५९	-०७:१८	९-१६:३०:३२	७५:२१	११-०३:५१:११	०५:३४	१०-१६:३७:१८	26	श्र-१	अश्वि-४	उषा-४	श्र-२	पुन-२	श्र-२	उभा-१	शत-३	पूफा-३
27	९-१२:५३:३९	६०:५८	०-२४:१७:१६	८५८:४१	९-०८:३८:६०	४६:५२	९-१६:३७:०८	१०४:०५	२-२३:४२:४२	-०७:१२	९-१७:४५:५२	७५:२१	११-०३:५६:४४	०५:३८	१०-१६:३४:०८	27	श्र-१	भ-४	उषा-४	श्र-२	पुन-२	श्र-३	उभा-१	शत-३	पूफा-३
28	९-१३:५४:३६	६०:५७	१-०८:३६:२४	८६८:३७	९-०९:२५:५१	४६:५३	९-१८:२१:१३	१०४:३५	२-२३:३५:३१	-०७:०५	९-१९:०१:११	७५:२०	११-०४:०२:२२	०५:४१	१०-१६:३०:५७	28	श्र-२	कृ-४	उषा-४	श्र-३	पुन-२	श्र-३	उभा-१	शत-३	पूफा-३
29	९-१४:५५:३२	६०:५६	१-२३:०५:०९	८७४:०८	९-१०:१२:४३	४६:५५	९-२०:०५:४९	१०५:०३	२-२३:२८:२६	-०६:५९	९-२०:१६:३०	७५:१९	११-०४:०८:०४	०५:४५	१०-१६:२७:४६	29	श्र-२	रो-४	अभि-१	श्र-४	पुन-२	श्र-४	उभा-१	शत-३	पूफा-३
30	९-१५:५६:२७	६०:५५	२-०७:३८:६०	८७३:५१	९-१०:५९:३७	४६:५६	९-२१:५०:५२	१०५:२९	२-२३:२१:२८	-०६:५२	९-२१:३१:४७	७५:१८	११-०४:१३:४९	०५:४९	१०-१६:२४:३६	30	श्र-२	आर्द्रा-१	श्र-१	श्र-४	पुन-२	श्र-४	उभा-१	शत-३	पूफा-३
31	९-१६:५७:२०	६०:५४	२-२२:१२:०८	८६७:०७	९-११:४६:३२	४६:५७	९-२३:३६:२०	१०५:५०	२-२३:१४:३६	-०६:४५	९-२२:४७:०४	७५:१८	११-०४:१९:३८	०५:५३	१०-१६:२१:२५	31	श्र-३	पुन-१	श्र-१	ध-१	पुन-१	श्र-४	उभा-१	शत-३	पूफा-३

दैनिक ग्रह स्पष्ट एवं नक्षत्राचार सारणी (औदयिक) फरवरी २०२६

दि	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	दि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक	शनि	राहु	केतु
1	९-१७:५८:१२	६०:५२	३-०६:३८:०६	८५४:०८	९-१२:३३:२८	४६:५८	९-२५:२२:०९	१०६:०८	२-२३:०७:५२	-०६:३८	९-२४:०२:२०	७५:१७	११-०४:२५:३१	०५:५६	१०-१६:१८:१५	1	श्र-३	पुष्य-१	श्र-१	ध-१	पुन-१	ध-१	उभा-१	शत-३	पूफा-३
2	९-१८:५९:०३	६०:५१	३-२०:५०:४४	८३६:०२	९-१३:२०:२५	४६:५९	९-२७:०८:१५	१०६:१९	२-२३:०१:१५	-०६:३०	९-२५:१७:३५	७५:१६	११-०४:३१:२७	०५:६०	१०-१६:१५:०४	2	श्र-३	श्लेषा-२	श्र-२	ध-२	पुन-१	ध-१	उभा-१	शत-३	पूफा-३
3	९-१९:५९:५३	६०:५०	४-०४:४५:०४	८१४:३७	९-१४:०७:२४	४७:०१	९-२८:५४:३२	१०६:२३	२-२२:५४:४५	-०६:२२	९-२६:३२:४९	७५:१५	११-०४:३७:२७	०६:०३	१०-१६:११:५३	3	श्र-३	मघा-२	श्र-२	ध-२	पुन-१	ध-१	उभा-१	शत-३	पूफा-३
4	९-२१:००:४२	६०:४९	४-१८:१७:५४	७९१:५५	९-१४:५४:२३	४७:०२	१०-००:४०:५२	१०६:१९	२-२२:४८:२४	-०६:१४	९-२७:४८:०२	७५:१४	११-०४:४३:३०	०६:०७	१०-१६:०८:४३	4	श्र-४	पूफा-२	श्र-२	ध-३	पुन-१	ध-२	उभा-१	शत-३	पूफा-३
5	९-२२:०१:२९	६०:४८	५-०१:२८:०४	७६९:५१	९-१५:४१:२४	४७:०३	१०-०२:२७:०८	१०६:०४	२-२२:४२:१०	-०६:०६	९-२९:०३:१५	७५:१४	११-०४:४९:३७	०६:१०	१०-१६:०५:३२	5	श्र-४	उफा-२	श्र-२	ध-३	पुन-१	ध-२	उभा-१	शत-३	पूफा-३
6	९-२३:०२:१६	६०:४७	५-१४:१६:२०	७५०:०५	९-१६:२८:२६	४७:०४	१०-०४:१३:०८	१०५:३८	२-२२:३६:०५	-०५:५७	१०-००:१८:२६	७५:१३	११-०४:५५:४७	०६:१३	१०-१६:०२:२१	6	श्र-४	हस्त-२	श्र-२	ध-४	पुन-१	ध-३	उभा-१	शत-३	पूफा-३
7	९-२४:०३:०२	६०:४६	५-२६:४५:०४	७३३:४८	९-१७:१५:२९	४७:०५	१०-०५:५८:४०	१०४:५६	२-२२:३०:०८	-०५:४९	१०-०१:३३:३७	७५:१२	११-०५:०१:६०	०६:१७	१०-१५:५९:१०	7	ध-१	चित्रा-२	श्र-३	ध-४	पुन-१	ध-३	उभा-१	शत-३	पूफा-३
8	९-२५:०३:४६	६०:४५	६-०८:५७:४७	७२१:४९	९-१८:०२:३३	४७:०७	१०-०७:४३:३०	१०३:५८	२-२२:२४:२०	-०५:४०	१०-०२:४८:४७	७५:१२	११-०५:०८:१६	०६:२०	१०-१५:५५:६०	8	ध-१	स्वा-१	श्र-३	शत-१	पुन-१	ध-३	उभा-१	शत-३	पूफा-३
9	९-२६:०४:३०	६०:४४	६-२०:५८:४९	७१४:३३	९-१८:४९:३८	४७:०८	१०-०९:२७:२०	१०२:४१	२-२२:१८:४१	-०५:३०	१०-०४:०३:५७	७५:११	११-०५:१४:३६	०६:२३	१०-१५:५२:४९	9	ध-१	वि-१	श्र-३	शत-१	पुन-१	ध-४	उभा-१	शत-३	पूफा-३
10	९-२७:०५:१२	६०:४३	७-०२:५२:५३	७१२:०६	९-१९:३६:४५	४७:०९	१०-११:०९:५१	१०१:००	२-२२:१३:११	-०५:२१	१०-०५:१९:०५	७५:१०	११-०५:२०:५९	०६:२६	१०-१५:४९:३८	10	ध-२	वि-४	श्र-३	शत-२	पुन-१	ध-४	उभा-१	शत-३	पूफा-३
11	९-२८:०५:५४	६०:४२	७-१४:४४:४६	७१४:१७	९-२०:२३:५२	४७:१०	१०-१२:५०:४१	९८:५५	२-२२:०७:५१	-०५:११	१०-०६:३४:१३	७५:०९	११-०५:२७:२५	०६:२९	१०-१५:४६:२८	11	ध-२	अनु-४	श्र-४	शत-२	पुन-१	ध-४	उभा-१	शत-३	पूफा-३
12	९-२९:०६:३४	६०:४१	७-२६:३९:०७	७२०:४३	९-२१:११:००	४७:११	१०-१४:२९:२३	९६:२०	२-२२:०२:४१	-०५:०१	१०-०७:४९:२०	७५:०८	११-०५:३३:५३	०६:३२	१०-१५:४३:१७	12	ध-२	ज्ये-३	श्र-४	शत-३	पुन-१	शत-१	उभा-१	शत-३	पूफा-३
13	१०-००:०७:१४	६०:४०	८-०८:४०:०५	७३०:४८	९-२१:५८:०९	४७:१२	१०-१६:०५:२८	९३:१४	२-२१:५७:४०	-०४:५१	१०-०९:०४:२६	७५:०८	११-०५:४०:२५	०६:३५	१०-१५:४०:०६	13	ध-३	मूल-३	श्र-४	शत-३	पुन-१	शत-१	उभा-१	शत-३	पूफा-३
14	१०-०१:०७:५२	६०:३९	८-२०:५१:१८	७४३:४३	९-२२:४५:१९	४७:१२	१०-१७:३८:२६	८९:३३	२-२१:५२:४९	-०४:४१	१०-१०:१९:३१	७५:०७	११-०५:४६:६०	०६:३८	१०-१५:३६:५६	14	ध-३	पूषा-३	श्र-४	शत-४	पुन-१	शत-२	उभा-१	शत-३	पूफा-३
15	१०-०२:०८:२८	६०:३८	९-०३:१५:३१	७५८:३४	९-२३:३२:३०	४७:१३	१०-१९:०७:४०	८५:१५	२-२१:४८:०९	-०४:३१	१०-११:३४:३५	७५:०६	११-०५:५३:३७	०६:४०	१०-१५:३३:४५	15	ध-३	उषा-२	ध-१	शत-४	पुन-१	शत-२	उभा-१	शत-३	पूफा-३
16	१०-०३:०९:०४	६०:३६	९-१५:५४:३७	७७४:२१	९-२४:१९:४१	४७:१४	१०-२०:३२:३५	८०:१७	२-२१:४३:३९	-०४:२०	१०-१२:४९:३८	७५:०५	११-०६:००:१७	०६:४३	१०-१५:३०:३५	16	ध-३	श्र-२	ध-१	पूभा-१	पुन-१	शत-२	उभा-१	शत-३	पूफा-३
17	१०-०४:०९:३८	६०:३५	९-२८:४९:२९	७९०:०५	९-२५:०६:५३	४७:१४	१०-२१:५२:२९	७४:३९	२-२१:३९:१९	-०४:१०	१०-१४:०४:४०	७५:०४	११-०६:०६:६०	०६:४५	१०-१५:२७:२४	17	ध-४	ध-२	ध-१	पूभा-१	पुन-१	शत-३	उभा-१	शत-३	पूफा-३
18	१०-०५:१०:१०	६०:३३	१०-११:५९:५९	८०४:५५	९-२५:५४:०६	४७:१५	१०-२३:०६:४३	६८:१९	२-२१:३५:१०	-०३:५९	१०-१५:१९:४१	७५:०२	११-०६:१३:४५	०६:४८	१०-१५:२४:१३	18	ध-४	शत-२	ध-१	पूभा-१	पुन-१	शत-३	उभा-१	शत-३	पूफा-३
19	१०-०६:१०:४१	६०:३१	१०-२५:२५:१३	८१८:१०	९-२६:४१:१९	४७:१५	१०-२४:१४:३४	६१:१७	२-२१:३१:१२	-०३:४८	१०-१६:३४:४१	७५:०१	११-०६:२०:३२	०६:५०	१०-१५:२१:०२	19	ध-४	पूभा-२	ध-२	पूभा-२	पुन-१	शत-३	उभा-१	शत-३	पूफा-३
20	१०-०७:११:१०	६०:३०	११-०९:०३:३३	८२९:२५	९-२७:२८:३२	४७:१५	१०-२५:१५:२३	५३:३६	२-२१:२७:२५	-०३:३७	१०-१७:४९:३९	७४:६०	११-०६:२७:२२	०६:५२	१०-१५:१७:५२	20	शत-१	उभा-२	ध-२	पूभा-२	पुन-१	शत-४	उभा-१	शत-३	पूफा-३
21	१०-०८:११:३७	६०:२८	११-२२:५२:५९	८३८:२६	९-२८:१५:४६	४७:१६	१०-२६:०८:२९	४५:१९	२-२१:२३:४९	-०३:२५	१०-१९:०४:३६	७४:५९	११-०६:३४:१४	०६:५५	१०-१५:१४:४१	21	शत-१	रे-२	ध-२	पूभा-२	पुन-१	शत-४	उभा-१	शत-३	पूफा-३
22	१०-०९:१२:०२	६०:२६	०-०६:५१:१८	८४५:१२	९-२९:०२:६०	४७:१६	१०-२६:५३:१६	३६:२८	२-२१:२०:२४	-०३:१४	१०-२०:१९:३२	७४:५७	११-०६:४१:०८	०६:५७	१०-१५:११:३०	22	शत-१	अश्वि-३	ध-२	पूभा-३	पुन-१	पूभा-१	उभा-२	शत-३	पूफा-३
23	१०-१०:१२:२६	६०:२४	०-२०:५६:१५	८४९:४५	९-२९:५०:१४	४७:१६	१०-२७:२९:१२	२७:११	२-२१:१७:१०	-०३:०३	१०-२१:३४:२६	७४:५६	११-०६:४८:०५	०६:५९	१०-१५:०८:१९	23	शत-२	भ-३	ध-२	पूभा-३	पुन-१	पूभा-१	उभा-२	शत-३	पूफा-३
24	१०-११:१२:४८	६०:२२	१-०५:०५:३६	८५२:०५	१०-००:३७:२८	४७:१७	१०-२७:५५:५०	१७:३३	२-२१:१४:०८	-०२:५१	१०-२२:४९:१९	७४:५५	११-०६:५५:०४	०७:०१	१०-१५:०५:०९	24	शत-२	कृ-३	ध-३	पूभा-३	पुन-१	पूभा-१	उभा-२	शत-३	पूफा-३
25	१०-१२:१३:०७	६०:२०	१-१९:१७:०९	८५२:०७	१०-०१:२४:४३	४७:१७	१०-२८:१२:५०	०७:४४	२-२१:११:१८	-०२:४०	१०-२४:०४:११	७४:५३	११-०७:०२:०४	०७:०३	१०-१५:०१:५८	25	शत-२	रो-३	ध-३	पूभा-३	पुन-१	पूभा-२	उभा-२	शत-३	पूफा-३
26	१०-१३:१३:२५	६०:१८	२-०३:२८:३५	८४९:४१	१०-०२:११:५८	४७:१७	१०-२८:२०:०२	-०२:०७	२-२१:०८:३९	-०२:२८	१०-२५:१९:०१	७४:५२	११-०७:०९:०७	०७:०५	१०-१४:५८:४८	26	शत-२	मृ-४	ध-३	पूभा-३	पुन-१	पूभा-२	उभा-२	शत-३	पूफा-३
27	१०-१४:१३:४१	६०:१६	२-१७:३७:२६	८४४:३४	१०-०२:५९:१२	४७:१७	१०-२८:१७:२३	-११:५०	२-२१:०६:११	-०२:१६	१०-२६:३३:५०	७४:५०	११-०७:१६:१२	०७:०७	१०-१४:५५:३७	27	शत-३	आर्द्रा-४	ध-३	पूभा-३	पुन-१	पूभा-२	उभा-२	शत-३	पूफा-३
28	१०-१५:१३:५४	६०:१४	३-०१:४१:०२	८३६:३८	१०-०३:४६:२७	४७:१७	१०-२८:०५:०४	-२१:११	२-२१:०३:५५	-०२:०५	१०-२७:४८:३७	७४:४९	११-०७:२३:१८	०७:०८	१०-१४:५२:२७	28	शत-३	पुन-४	ध-४	पूभा-३	पुन-१	पूभा-३	उभा-२	शत-३	पूफा-३

दैनिक ग्रह स्पष्ट एवं नक्षत्राचार सारणी (औदयिक) मार्च २०२६

दि	सूर्य	गति	चन्द्र	गति	मंगल	गति	बुध	गति	गुरु	गति	शुक्र	गति	शनि	गति	राहु	दि	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक	शनि	राहु	केतु
1	१०-१६:१४:०६	६०:१२	३-१५:३६:३३	८२५:५३	१०-०४:३३:४१	४७:१७	१०-२७:४३:२७	-२९:५८	२-२१:०१:५१	-०१:५३	१०-२९:०३:२२	७४:४७	११-०७:३०:२६	०७:१०	१०-१४:४९:१६	1	शत-३	पुष्य-४	ध-४	पूभा-३	पुन-१	पूभा-३	उभा-२	शत-३	पूफा-३
2	१०-१७:१४:१६	६०:१०	३-२९:२१:१२	८१२:३५	१०-०५:२०:५६	४७:१७	१०-२७:१३:०५	-३७:५९	२-२०:५९:५८	-०१:४२	११-००:१८:०५	७४:४५	११-०७:३७:३५	०७:११	१०-१४:४६:०५	2	शत-४	श्लेषा-४	ध-४	पूभा-३	पुन-१	पूभा-४	उभा-२	शत-३	पूफा-३
3	१०-१८:१४:२३	६०:०८	४-१२:५२:२८	७९७:१७	१०-०६:०८:११	४७:१६	१०-२६:३४:४७	-४५:०१	२-२०:५८:१७	-०१:३०	११-०१:३२:४८	७४:४४	११-०७:४४:४६	०७:१३	१०-१४:४२:५४	3	शत-४	मघा-४	ध-४	पूभा-२	पुन-१	पूभा-४	उभा-२	शत-३	पूफा-३
4	१०-१९:१४:२९	६०:०७	४-२६:०८:२२	७८०:४७	१०-०६:५५:२५	४७:१६	१०-२५:४९:३०	-५०:५४	२-२०:५६:४७	-०१:१८	११-०२:४७:२८	७४:४२	११-०७:५१:५९	०७:१४	१०-१४:३९:४४	4	शत-४	पूफा-४	शत-१	पूभा-२	पुन-१	पूभा-४	उभा-२	शत-३	पूफा-३
5	१०-२०:१४:३३	६०:०५	५-०९:०७:४८	७६४:०६	१०-०७:४२:३९	४७:१६	१०-२४:५८:२४	-५५:२९	२-२०:५५:२९	-०१:०७	११-०४:०२:०७	७४:४१	११-०७:५९:१३	०७:१६	१०-१४:३६:३३	5	पूभा-१	उफा-४	शत-१	पूभा-२	पुन-१	उभा-१	उभा-२	शत-३	पूफा-३
6	१०-२१:१४:३५	६०:०३	५-२१:५०:३६	७४८:१८	१०-०८:२९:५३	४७:१६	१०-२४:०२:४७	-५८:४१	२-२०:५४:२३	-००:५५	११-०५:१६:४५	७४:३९	११-०८:०६:२८	०७:१७	१०-१४:३३:२२	6	पूभा-१	हस्त-४	शत-१	पूभा-२	पुन-१	उभा-१	उभा-२	शत-३	पूफा-३
7	१०-२२:१४:३६	६०:०२	६-०४:१७:४३	७३४:२४	१०-०९:१७:०८	४७:१६	१०-२३:०४:०४	-६०:२६	२-२०:५३:२९	-००:४३	११-०६:३१:२१	७४:३८	११-०८:१३:४५	०७:१८	१०-१४:३०:११	7	पूभा-१	चित्रा-४	शत-१	पूभा-१	पुन-१	उभा-१	उभा-२	शत-३	पूफा-३
8	१०-२३:१४:३५	६०:००	६-१६:३१:०५	७२३:२३	१०-१०:०४:२२	४७:१६	१०-२२:०३:३९	-६०:४६	२-२०:५२:४७	-००:३१	११-०७:४५:५५	७४:३६	११-०८:२१:०३	०७:२०	१०-१४:२७:००	8	पूभा-१	स्वा-३	शत-२	पूभा-१	पुन-१	उभा-२	उभा-२	शत-३	पूफा-३
9	१०-२४:१४:३२	५९:५८	६-२८:३३:३७	७१६:०१	१०-१०:५१:३५	४७:१६	१०-२१:०२:५८	-५९:४४	२-२०:५२:१६	-००:१९	११-०९:००:२८	७४:३५	११-०८:२८:२२	०७:२१	१०-१४:२३:५०	9	पूभा-२	वि-३	शत-२	पूभा-१	पुन-१	उभा-२	उभा-२	शत-३	पूफा-३
10	१०-२५:१४:२८	५९:५७	७-१०:२८:५८	७१२:५२	१०-११:३८:४९	४७:१६	१०-२०:०३:२३	-५७:२७	२-२०:५१:५७	-००:०८	११-१०:१४:६०	७४:३३	११-०८:३५:४२	०७:२२	१०-१४:२०:३९	10	पूभा-२	अनु-३	शत-२	पूभा-१	पुन-१	उभा-३	उभा-२	शत-३	पूफा-३
11	१०-२६:१४:२२	५९:५५	७-२२:२१:२३	७१४:१८	१०-१२:२६:०३	४७:१५	१०-१९:०६:०७	-५४:०५	२-२०:५१:५०	००:०४	११-११:२९:३०	७४:३२	११-०८:४३:०४	०७:२३	१०-१४:१७:२९	11	पूभा-२	ज्ये-२	शत-२	शत-४	पुन-१	उभा-३	उभा-२	शत-३	पूफा-३
12	१०-२७:१४:१४	५९:५४	८-०४:१५:२६	७२०:२८	१०-१३:१३:१६	४७:१५	१०-१८:१२:१५	-४९:४७	२-२०:५१:५४	००:१६	११-१२:४३:५८	७४:३०	११-०८:५०:२६	०७:२४	१०-१४:१४:१८	12	पूभा-३	मूल-२	शत-२	शत-४	पुन-१	उभा-३	उभा-२	शत-३	पूफा-३
13	१०-२८:१४:०५	५९:५२	८-१६:१५:५१	७३१:१४	१०-१४:००:२९	४७:१५	१०-१७:२२:४४	-४४:४४	२-२०:५२:१०	००:२८	११-१३:५८:२५	७४:२९	११-०८:५७:५०	०७:२५	१०-१४:११:०७	13	पूभा-३	पूषा-१	शत-३	शत-४	पुन-१	उभा-४	उभा-२	शत-३	पूफा-३
14	१०-२९:१३:५४	५९:५०	८-२८:२७:११	७४६:१०	१०-१४:४७:४१	४७:१४	१०-१६:३८:१६	-३९:०८	२-२०:५२:३८	००:३९	११-१५:१२:५१	७४:२७	११-०९:०५:१४	०७:२६	१०-१४:०७:५७	14	पूभा-३	उषा-१	शत-३	शत-३	पुन-१	उभा-४	उभा-२	शत-३	पूफा-३
15	११-००:१३:४१	५९:४८	९-१०:५३:३४	७६४:३२	१०-१५:३४:५३	४७:१४	१०-१५:५९:२५	-३३:०८	२-२०:५३:१८	००:५१	११-१६:२७:१५	७४:२६	११-०९:१२:३९	०७:२६	१०-१४:०४:४६	15	पूभा-४	श्र-१	शत-३	शत-३	पुन-१	उभा-४	उभा-२	शत-३	पूफा-३
16	११-०१:१३:२७	५९:४६	९-२३:३८:२३	७८५:१२	१०-१६:२२:०४	४७:१३	१०-१५:२६:३४	-२६:५४	२-२०:५४:०९	०१:०३	११-१७:४१:३७	७४:२४	११-०९:२०:०५	०७:२७	१०-१४:०१:३६	16	पूभा-४	ध-१	शत-३	शत-३	पुन-१	रे-१	उभा-२	शत-३	पूफा-३
17	११-०२:१३:१०	५९:४५	१०-०६:४३:५३	८०६:४२	१०-१७:०९:१५	४७:१२	१०-१४:५९:५६	-२०:३४	२-२०:५५:१२	०१:१४	११-१८:५५:५७	७४:२२	११-०९:२७:३१	०७:२७	१०-१३:५८:२५	17	पूभा-४	शत-१	शत-४	शत-३	पुन-१	रे-१	उभा-२	शत-३	पूफा-३
18	११-०३:१२:५२	५९:४३	१०-२०:१०:४८	८२७:२०	१०-१७:५६:२५	४७:११	१०-१४:३९:३८	-१४:१४	२-२०:५६:२६	०१:२६	११-२०:१०:१६	७४:२०	११-०९:३४:५८	०७:२८	१०-१३:५५:१४	18	पूभा-४	पूभा-१	शत-४	शत-३	पुन-१	रे-२	उभा-२	शत-३	पूफा-३
19	११-०४:१२:३२	५९:४१	११-०३:५८:१३	८४५:१५	१०-१८:४३:३४	४७:११	१०-१४:२५:४०	-०७:५९	२-२०:५७:५२	०१:३७	११-२१:२४:३३	७४:१९	११-०९:४२:२६	०७:२८	१०-१३:५२:०३	19	उभा-१	उभा-१	शत-४	शत-३	पुन-१	रे-२	उभा-२	शत-३	पूफा-३
20	११-०५:१२:०९	५९:३९	११-१८:०३:२१	८५८:५२	१०-१९:३०:४२	४७:१०	१०-१४:१७:५५	-०१:५३	२-२०:५९:३०	०१:४९	११-२२:३८:४८	७४:१७	११-०९:४९:५४	०७:२९	१०-१३:४८:५३	20	उभा-१	रे-१	शत-४	शत-३	पुन-१	रे-२	उभा-२	शत-३	पूफा-३
21	११-०६:११:४५	५९:३७	०-०२:२१:५४	८६७:०६	१०-२०:१७:५०	४७:०९	१०-१४:१६:१६	०४:००	२-२१:०१:१८	०२:००	११-२३:५३:०१	७४:१५	११-०९:५७:२२	०७:२९	१०-१३:४५:४२	21	उभा-१	अश्वि-१	पूभा-१	शत-३	पुन-१	रे-३	उभा-२	शत-३	पूफा-३
22	११-०७:११:१९	५९:३४	०-१६:४८:२६	८६९:३३	१०-२१:०४:५६	४७:०८	१०-१४:२०:२८	०९:३९	२-२१:०३:१९	०२:१२	११-२५:०७:१३	७४:१३	११-१०:०४:५१	०७:२९	१०-१३:४२:३१	22	उभा-२	भ-२	पूभा-१	शत-३	पुन-१	रे-३	उभा-३	शत-३	पूफा-३
23	११-०८:१०:५०	५९:३२	१-०१:१७:१४	८६६:३९	१०-२१:५२:०२	४७:०७	१०-१४:३०:१९	१५:०३	२-२१:०५:३०	०२:२३	११-२६:२१:२२	७४:११	११-१०:१२:१९	०७:३०	१०-१३:३९:२१	23	उभा-२	कृ-२	पूभा-१	शत-३	पुन-१	रे-३	उभा-३	शत-३	पूफा-३
24	११-०९:१०:२०	५९:३०	१-१५:४२:५९	८५९:२५	१०-२२:३९:०७	४७:०६	१०-१४:४५:३२	२०:११	२-२१:०७:५३	०२:३४	११-२७:३५:३०	७४:०९	११-१०:१९:४८	०७:३०	१०-१३:३६:१०	24	उभा-२	रो-२	पूभा-१	शत-३	पुन-१	रे-४	उभा-३	शत-३	पूफा-३
25	११-१०:०९:४७	५९:२८	२-००:०१:२३	८४९:०९	१०-२३:२६:१०	४७:०५	१०-१५:०५:५२	२५:०३	२-२१:१०:२८	०२:४५	११-२८:४९:३६	७४:०७	११-१०:२७:१८	०७:३०	१०-१३:३२:५९	25	उभा-३	मृ-३	पूभा-२	शत-३	पुन-१	रे-४	उभा-३	शत-३	पूफा-३
26	११-११:०९:११	५९:२५	२-१४:०९:३०	८३७:०९	१०-२४:१३:१३	४७:०३	१०-१५:३१:०४	२९:३९	२-२१:१३:१३	०२:५६	०-००:०३:३९	७४:०५	११-१०:३४:४७	०७:३०	१०-१३:२९:४९	26	उभा-३	आर्द्रा-३	पूभा-२	शत-३	पुन-१	अश्वि-१	उभा-३	शत-३	पूफा-३
27	११-१२:०८:३४	५९:२३	२-२८:०५:३६	८२४:२८	१०-२५:००:१४	४७:०२	१०-१६:००:५०	३३:६०	२-२१:१६:०९	०३:०७	०-०१:१७:४०	७४:०२	११-१०:४२:१६	०७:२९	१०-१३:२६:३८	27	उभा-३	पुन-३	पूभा-२	शत-३	पुन-१	अश्वि-१	उभा-३	शत-३	पूफा-३
28	११-१३:०७:५४	५९:२०	३-११:४९:०२	८११:४३	१०-२५:४७:१४	४७:०१	१०-१६:३४:५५	३८:०५	२-२१:१९:१६	०३:१८	०-०२:३१:३९	७४:००	११-१०:४९:४५	०७:२९	१०-१३:२३:२८	28	उभा-३	पुष्य-३	पूभा-२	शत-३	पुन-१	अश्वि-१	उभा-३	शत-३	पूफा-३
29	११-१४:०७:११	५९:१८	३-२५:१९:४५	७९९:१२	१०-२६:३४:१२	४६:५९	१०-१७:१३:०६	४१:५७	२-२१:२२:३४	०३:२८	०-०३:४५:३६	७३:५८	११-१०:५७:१३	०७:२९	१०-१३:२०:१७	29	उभा-४	श्लेषा-३	पूभा-२	शत-४	पुन-१	अश्वि-२	उभा-३	शत-३	पूफा-३
30	११-१५:०६:२६	५९:१६	४-०८:३७:५९	७८६:५७	१०-२७:२१:०९	४६:५८	१०-१७:५५:०८	४५:३६	२-२१:२६:०२	०३:३९	०-०४:५९:३०	७३:५६	११-११:०४:४२	०७:२८	१०-१३:१७:०६	30	उभा-४	मघा-३	पूभा-३	शत-४	पुन-१	अश्वि-२	उभा-३	शत-२	मघा-२
31	११-१६:०५:३९	५९:१४	४-२१:४३:५९	७७४:५३	१०-२८:०८:०५	४६:५७	१०-१८:४०:४९	४९:०३	२-२१:२९:४१	०३:४९	०-०६:१३:२२	७३:५३	११-११:१२:१०	०७:२८	१०-१३:१३:५६	31	उभा-४	पूफा-३	पूभा-३	शत-४	पुन-१	अश्वि-२	उभा-३	शत-२	मघा-२

अवकहडा चक्र - राशि नक्षत्र चरणादि

राशी	स्वामी	कोण	नक्षत्र	चरण	कोण (तक)	स्वामी	अक्षर	वर्ण	वश्य	वर्ग	हंसक	योनि	गण	नाड़ी	युंजा	देवता	नक्षत्राकृति	संज्ञा	मुख	लोचन
मेष	मंगल	३०°	अश्विनी	१	०३°२०′	केतु	चू	क्षत्रिय	चतुष्पद	सिंह	अग्नि	अश्व	देव	आदि	पूर्व	अश्विनी कुमार	घोड़े का मुख	क्षिप्र	तिर्यङ्ग मुख	मन्द
				२	०६°४०′		चे	क्षत्रिय	चतुष्पद	सिंह	अग्नि									
				३	१०°००′		चो	क्षत्रिय	चतुष्पद	सिंह	अग्नि									
				४	**१३°२०′**		**ला**	क्षत्रिय	चतुष्पद	मृग	अग्नि									
			भरणी	१	१६°४०′	शुक्र	ली	क्षत्रिय	चतुष्पद	मृग	अग्नि	गज	मनुष्य	मध्य	पूर्व	यम	योनि (भग)	उग्र	अधोमुख	मध्य
				२	२०°००′		लू	क्षत्रिय	चतुष्पद	मृग	अग्नि									
				३	२३°२०′		ले	क्षत्रिय	चतुष्पद	मृग	अग्नि									
				४	**२६°४०′**		**लो**	क्षत्रिय	चतुष्पद	मृग	अग्नि									
			कृत्तिका	१	**३०°००′**	सूर्य	**अ**	क्षत्रिय	चतुष्पद	गरुड़	अग्नि	मेढ़ा	राक्षस	अन्त्य	पूर्व	अग्नि	छुरा	मिश्रित	अधोमुख	सुलोचन
वृषभ	शुक्र	६०°		२	३३°२०′		इ	वैश्य	चतुष्पद	गरुड़	पृथ्वी									
				३	३६°४०′		उ	वैश्य	चतुष्पद	गरुड़	पृथ्वी									
				४	**४०°००′**		**ए**	वैश्य	चतुष्पद	गरुड़	पृथ्वी									
			रोहिणी	१	४३°२०′	चन्द्रमा	ओ	वैश्य	चतुष्पद	गरुड़	पृथ्वी	सर्प	मनुष्य	अन्त्य	पूर्व	ब्रह्मा	रथ या गाड़ी	ध्रुव	उर्ध्वमुख	अन्ध
				२	४६°४०′		वा	वैश्य	चतुष्पद	मृग	पृथ्वी									
				३	५०°००′		वी	वैश्य	चतुष्पद	मृग	पृथ्वी									
				४	**५३°२०′**		**वु**	वैश्य	चतुष्पद	मृग	पृथ्वी									
			मृगशिरा	१	५६°४०′	मंगल	वे	वैश्य	चतुष्पद	मृग	पृथ्वी	सर्प	देव	मध्य	पूर्व	चन्द्रमा	हिरण का मुख	मृदु	तिर्यङ्ग मुख	मन्द
				२	६०°००′		वो	वैश्य	चतुष्पद	मृग	पृथ्वी									
मिथुन	बुध	९०°		३	६३°२०′		क	शूद्र	मानव	मार्जार	वायु									
				४	**६६°४०′**		**की**	शूद्र	मानव	मार्जार	वायु									
			आर्द्रा	१	७०°००′	राहु	कू	शूद्र	मानव	मार्जार	वायु	श्वान	मनुष्य	आदि	मध्य	रुद्र	मणि	तूक्ष्ण	उर्ध्वमुख	मध्य
				२	७३°२०′		घ	शूद्र	मानव	मार्जार	वायु									
				३	७६°४०′		ङ	शूद्र	मानव	मार्जार	वायु									
				४	**८०°००′**		**छ**	शूद्र	मानव	सिंह	वायु									
			पुनर्वसु	१	८३°२०′	गुरु	के	शूद्र	मानव	मार्जार	वायु	बिलाव	देव	आदि	मध्य	अदिति	घर	चर	तिर्यङ्ग मुख	सुलोचन
				२	८६°४०′		को	शूद्र	मानव	मार्जार	वायु									
				३	९०°००′		ह	शूद्र	मानव	मेष	वायु									
कर्क	चन्द्र	१२०°		४	**९३°२०′**		**ही**	ब्राह्मण	जलचर	मेष	जल									
			पुष्य	१	९६°४०′	शनि	हू	ब्राह्मण	जलचर	मेष	जल	मेढ़ा	देव	मध्य	मध्य	गुरु	बाण	क्षिप्र	उर्ध्वमुख	अन्ध
				२	१००°००′		हे	ब्राह्मण	जलचर	मेष	जल									
				३	१०३°२०′		हो	ब्राह्मण	जलचर	मेष	जल									
				४	**१०६°४०′**		**डा**	ब्राह्मण	जलचर	श्वान	जल									
			आश्लेषा	१	११०°००′	बुध	डी	ब्राह्मण	जलचर	श्वान	जल	बिलाव	राक्षस	अन्त्य	मध्य	सर्प	चक्र	तीक्ष्ण	अधोमुख	मन्द
				२	११३°२०′		डू	ब्राह्मण	जलचर	श्वान	जल									
				३	११६°४०′		डे	ब्राह्मण	जलचर	श्वान	जल									
				४	**१२०°००′**		**डो**	ब्राह्मण	जलचर	श्वान	जल									

अवकहडा चक्र - राशि नक्षत्र चरणादि

राशी	स्वामी	कोण	नक्षत्र	चरण	कोण (तक)	स्वामी	अक्षर	वर्ण	वश्य	वर्ग	हंसक	योनि	गण	नाड़ी	युंजा	तारा	देवता	नक्षत्राकृति	संज्ञा	मुख	लोचन
सिह	सूर्य	१५०°	मघा	१	१२३°२०′	केतु	मा	क्षत्रिय	वनचर	मूषक	अग्नि	मूषक	राक्षस	अन्त्य	मध्य	५	पितर	भवन	उग्र	अधोमुख	मध्य
				२	१२६°४०′		मी	क्षत्रिय	वनचर	मूषक	अग्नि										
				३	१३०°००′		मू	क्षत्रिय	वनचर	मूषक	अग्नि										
				४	**१३३°२०′**		**मे**	क्षत्रिय	वनचर	मूषक	अग्नि										
			पूर्वा फाल्गुनी	१	१३६°४०′	शुक्र	मो	क्षत्रिय	वनचर	मूषक	अग्नि	मूषक	मनुष्य	मध्य	मध्य	२	भग	मंच या खाट	उग्र	अधोमुख	सुलोचन
				२	१४०°००′		टा	क्षत्रिय	वनचर	श्वान	अग्नि										
				३	१४३°२०′		टी	क्षत्रिय	वनचर	श्वान	अग्नि										
				४	**१४६°४०′**		**टू**	क्षत्रिय	वनचर	श्वान	अग्नि										
			उत्तरा फाल्गुनी	१	१५०°००′	सूर्य	टे	क्षत्रिय	वनचर	श्वान	अग्नि	गौ	मनुष्य	आदि	मध्य	२	अर्यमा	बिस्तर	ध्रुव	उर्ध्वमुख	अन्ध
कन्या	बुध	१८०°		२	१५३°२०′		टो	वैश्य	मानव	श्वान	पृथ्वी										
				३	१५६°४०′		प	वैश्य	मानव	मूषक	पृथ्वी										
				४	**१६०°००′**		**पी**	वैश्य	मानव	मूषक	पृथ्वी										
			हस्त	१	१६३°२०′	चन्द्रमा	पू	वैश्य	मानव	मूषक	पृथ्वी	महिष	देव	आदि	मध्य	५	सूर्य	हाथ	क्षिप्र	तिर्यङ्ग मुख	मन्द
				२	१६६°४०′		ष	वैश्य	मानव	मेष	पृथ्वी										
				३	१७०°००′		ण	वैश्य	मानव	श्वान	पृथ्वी										
				४	**१७३°२०′**		**ठ**	वैश्य	मानव	श्वान	पृथ्वी										
			चित्रा	१	१७६°४०′	मंगल	पे	वैश्य	मानव	मूषक	पृथ्वी	व्याघ्र	राक्षस	मध्य	मध्य	१	त्वष्टा	मोती	मृदु	तिर्यङ्ग मुख	मध्य
				२	१८०°००′		पो	वैश्य	मानव	मूषक	पृथ्वी										
तुला	शुक्र	२१०°		३	१८३°२०′		रा	शूद्र	मानव	मृग	वायु										
				४	**१८६°४०′**		**री**	शूद्र	मानव	मृग	वायु										
			स्वाती	१	१९०°००′	राहु	रू	शूद्र	मानव	मृग	वायु	महिष	देव	अन्त्य	मध्य	१	वायु	मूँगा	चर	तिर्यङ्ग मुख	सुलोचन
				२	१९३°२०′		रे	शूद्र	मानव	मृग	वायु										
				३	१९६°४०′		रो	शूद्र	मानव	मृग	वायु										
				४	**२००°००′**		**ता**	शूद्र	मानव	सर्प	वायु										
			विशाखा	१	२०३°२०′	गुरु	ती	शूद्र	मानव	सर्प	वायु	व्याघ्र	राक्षस	अन्त्य	मध्य	४	इन्द्राग्नी	तोरण	मिश्रित	अधोमुख	अन्ध
				२	२०६°४०′		तू	शूद्र	मानव	सर्प	वायु										
				३	२१०°००′		ते	शूद्र	मानव	सर्प	वायु										
वृश्चिक	मंगल	२४०°		४	**२१३°२०′**		**तो**	ब्राह्मण	कीट	सर्प	जल										
			अनुराधा	१	२१६°४०′	शनि	ना	ब्राह्मण	कीट	सर्प	जल	मृग	देव	मध्य	मध्य	४	मित्र	उबले चावल	मृदु	तिर्यङ्ग मुख	मन्द
				२	२२०°००′		नी	ब्राह्मण	कीट	सर्प	जल										
				३	२२३°२०′		नू	ब्राह्मण	कीट	सर्प	जल										
				४	**२२६°४०′**		**ने**	ब्राह्मण	कीट	सर्प	जल										
			ज्येष्ठा	१	२३०°००′	बुध	नो	ब्राह्मण	कीट	सर्प	जल	मृग	राक्षस	आदि	अन्त्य	३	इन्द्र	कुण्डल	तीक्ष्ण	तिर्यङ्ग मुख	मध्य
				२	२३३°२०′		या	ब्राह्मण	कीट	मृग	जल										
				३	२३६°४०′		यी	ब्राह्मण	कीट	मृग	जल										
				४	**२४०°००′**		**यू**	ब्राह्मण	कीट	मृग	जल										

अवकहडा चक्र - राशि नक्षत्र चरणादि

राशी	स्वामी	कोण	नक्षत्र	चरण	कोण (तक)	स्वामी	अक्षर	वर्ण	वश्य	वर्ग	हंसक	योनि	गण	नाड़ी	युंजा	देवता	नक्षत्राकृति	संज्ञा	मुख	लोचन
धनु	गुरु	२७०°	मूल	१	२४३°२०′	केतु	ये	क्षत्रिय	मानव	मृग	अग्नि	श्वान	राक्षस	आदि	अन्त्य	राक्षस	शेर की पूंछ	तीक्ष्ण	अधोमुख	सुलोचन
				२	२४६°४०′		यो	क्षत्रिय	मानव	मृग	अग्नि									
				३	२५०°००′		भ	क्षत्रिय	मानव	मूषक	अग्नि									
				४	**२५३°२०′**		**भी**	क्षत्रिय	मानव	मूषक	अग्नि									
			पूर्वाषाढ़ा	१	२५६°४०′	शुक्र	भू	क्षत्रिय	मानव	मूषक	अग्नि	वानर	मनुष्य	मध्य	अन्त्य	जल	हाथी दाँत	उग्र	अधोमुख	अन्ध
				२	२६०°००′		ध	क्षत्रिय	चतुष्पद	सर्प	अग्नि									
				३	२६३°२०′		फ	क्षत्रिय	चतुष्पद	मूषक	अग्नि									
				४	**२६६°४०′**		**ढ**	क्षत्रिय	चतुष्पद	श्वान	अग्नि									
			उत्तराषाढ़ा	१	२७०°००′	सूर्य	भे	क्षत्रिय	चतुष्पद	मूषक	अग्नि	नकुल	मनुष्य	अन्त्य	अन्त्य	विश्वदेवा	मंच	ध्रुव	उर्ध्वमुख	मन्द
मकर	शनि	३००°		२	२७३°२०′		भो	वैश्य	चतुष्पद	सिंह	पृथ्वी									
				३	२७६°४०′		ज	वैश्य	चतुष्पद	सिंह	पृथ्वी									
				४	**२८०°००′**		**जी**	वैश्य	चतुष्पद	मार्जार	पृथ्वी									
			श्रवण	१	२८३°२०′	चन्द्रमा	खी	वैश्य	चतुष्पद	मार्जार	पृथ्वी	वानर	देव	अन्त्य	अन्त्य	विष्णु	तीन पैर वाला बौना मानव	चर	उर्ध्वमुख	सुलोचन
				२	२८६°४०′		खू	वैश्य	जलचर	मार्जार	पृथ्वी									
				३	२९०°००′		खे	वैश्य	जलचर	मार्जार	पृथ्वी									
				४	**२९३°२०′**		**खो**	वैश्य	जलचर	मार्जार	पृथ्वी									
			धनिष्ठा	१	२९६°४०′	मंगल	गा	वैश्य	जलचर	मार्जार	पृथ्वी	सिंह	राक्षस	मध्य	अन्त्य	वसु	मृदंग	चर	उर्ध्वमुख	अन्ध
				२	३००°००′		गी	वैश्य	जलचर	मार्जार	पृथ्वी									
कुंभ	शनि	३३०°		३	३०३°२०′		गू	शूद्र	मानव	मार्जार	वायु									
				४	**३०६°४०′**		**गे**	शूद्र	मानव	मार्जार	वायु									
			शतभिषा	१	३१०°००′	राहु	गो	शूद्र	मानव	मार्जार	वायु	अश्व	राक्षस	आदि	अन्त्य	वरुण	वृत्ताकार	चर	उर्ध्वमुख	मन्द
				२	३१३°२०′		सा	शूद्र	मानव	मेष	वायु									
				३	३१६°४०′		सी	शूद्र	मानव	मेष	वायु									
				४	**३२०°००′**		**सू**	शूद्र	मानव	मेष	वायु									
			पूर्व भाद्रपद	१	३२३°२०′	गुरु	से	शूद्र	मानव	मेष	वायु	सिंह	मनुष्य	आदि	अन्त्य	अजन्मा	मंच	उग्र	अधोमुख	मध्य
				२	३२६°४०′		सो	शूद्र	मानव	मेष	वायु									
				३	३३०°००′		द	शूद्र	मानव	सर्प	वायु									
मीन	गुरु	३६०°		४	**३३३°२०′**		**दी**	ब्राह्मण	जलचर	सर्प	जल									
			उत्तर भाद्रपद	१	३३६°४०′	शनि	दू	ब्राह्मण	जलचर	सर्प	जल	गौ	मनुष्य	मध्य	अन्त्य	अहिर्बुध्न्य	जुड़वाँ बच्चे	ध्रुव	उर्ध्वमुख	सुलोचन
				२	३४०°००′		थ	ब्राह्मण	जलचर	सर्प	जल									
				३	३४३°२०′		झ	ब्राह्मण	जलचर	सिंह	जल									
				४	**३४६°४०′**		**ञ**	ब्राह्मण	जलचर	सिंह	जल									
			रेवती	१	३५०°००′	बुध	दे	ब्राह्मण	जलचर	सर्प	जल	गज	देव	अन्त्य	पूर्व	पूषा	मृदंग	मृदु	तिर्यङ्ग मुख	अन्ध
				२	३५३°२०′		दो	ब्राह्मण	जलचर	सर्प	जल									
				३	३५६°३०′		चा	ब्राह्मण	जलचर	सिंह	जल									
				४	**३६०°००′**		**ची**	ब्राह्मण	जलचर	सिंह	जल									

विवाह मेलापक - गुण, दोष, परिहार

१. वर्ण द्वारा गुण संख्या

मेलापक में पुरुष का वर्ण उत्तम होने पर स्त्री-पुरुष में उत्तम प्रेम होता है तथा स्त्री पुरुष की आज्ञा में रहने वाली होती है। पुरुष और स्त्री का

समान वर्ण होने पर - उत्तम फल   ब्राह्मण + क्षत्रिय - मध्यम फल

ब्राह्मण + वैश्य - अधम फल   ब्राह्मण + शूद्र - त्याज्य फल

मेलापक में श्रेष्ठ वर्ण की स्त्री तथा हीन वर्ण का वर हो तो स्त्री के पति का विनाश होता है। अतः विवाह नहीं करना चाहिए।

परिहार - यदि पुरुष की राशि का वर्ण कन्या के राशि वर्ण से हीन हो परंतु राशि का स्वामी उत्तम वर्ण हो तो वर्ण मिलान हो जाता है। अर्थात राशि के वर्ण वश जो अशुभता होती उसका विनाश होता है।

1. वर्ण गुण		वर वर्ण			
		ब्राह्मण	**क्षत्रिय**	**वैश्य**	**शूद्र**
कन्या वर्ण	**ब्राह्मण**	1	0	0	0
	क्षत्रिय	1	1	0	0
	वैश्य	1	1	1	0
	शूद्र	1	1	1	1

२. वश्य गुण संख्या

राशियों के आधार पर वश्य का विचार किया जाता है। वश्य तीन प्रकार के होते हैं - संख्य (मित्र), वैर तथा भक्ष्य। वैर तथा भक्ष्य में विवाह नही किया जाता है।

परिहार – निम्न में किसी एक प्रकार से परिहार होता है। यदि चारो प्रकार से शुभता प्राप्त हो तो हाथ में धर्म, अर्थ, काम की सिद्धि होती है।

♦ सम सप्तक आदि स्वभाव मैत्री का विचार राशि स्वामियों की मैत्री का विचार करें

♦ राशि की वश्यता का विचार करें योनि का ज्ञान कर मित्रता का विचार

2. वश्य गुण		वर वश्य				
		चतुष्पद	**द्विपद**	**जलचर**	**वनचर**	**कीट**
कन्या वश्य	**चतुष्पद**	2	1	1	1/2	0
	द्विपद	1	2	1/2	0	0
	जलचर	1	½	2	1	2
	वनचर	0	0	1	2	0
	कीट	1	1	1	0	21

३. तारा गुण विचार

स्त्री के नक्षत्र से पुरुष के नक्षत्र तक गिनने पर यदि पुरुष के नक्षत्र की संख्या 1, 3, 5, 7 हो तो पुरुष का विनाश होता है। पुरुष के नक्षत्र से स्त्री के नक्षत्र तक गिनने पर यदि स्त्री के नक्षत्र की संख्या 1, 3, 5, 7 हो तो स्त्री का विनाश होता है। तारा गुण न मिलने पर शोक, शत्रुता और विपत्ति जैसे फल भी प्राप्त होते हैं।

परिहार - राशि स्वामियों या नवांशेशों की मैत्री या एकता हो।

3. तारा गुण		वर तारा								
		1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**	**7**	**8**	**9**
कन्या तारा	**1**	3	3	1½	3	1½	3	1½	3	3
	2	3	3	1½	3	1½	3	1½	3	3
	3	1½	1½	0	1½	0	1½	0	1½	1½
	4	3	3	1½	3	1½	3	1½	3	3
	5	1½	1 ½	0	1½	0	1½	0	1½	1½
	6	3	3	1½	3	1½	3	1½	3	3
	7	1½	1½	0	1½	0	1½	0	1½	1½
	8	3	3	1½	3	1½	3	1½	3	3
	9	3	3	1½	3	1½	3	1½	3	3

४. योनि गुण विचार

स्त्री व पुरुष के जन्म नक्षत्र के आधार पर वर तथा वधू की योनियों तथा उनके पारस्परिक सम्बन्ध के आधार पर गुण ज्ञात किए जा सकते हैं। विवाह के लिए अतिमित्र व मित्र योनि सर्वश्रेष्ठ होती हैं। अतिशत्रु व शत्रु योनियाँ त्याज्य हैं। अन्य गुणों की अधिकता हो तो सम योनी ग्राह्य है।

परिहार - यदि भृकूट शुद्ध हो तो योनि दोष का परिहार हो जाता है।

4. योनि गुण		वर योनि													
		अश्व	गज	मेष	सर्प	श्वान	मार्जार	मूषक	गौ	महिष	व्याघ्र	मृग	वानर	नकुल	सिंह
कन्या योनि	अश्व	4	2	3	2	2	3	3	3	0	1	3	2	2	1
	गज	2	4	3	2	2	3	3	3	3	1	2	3	2	0
	मेष	3	3	4	3	2	3	1	3	3	1	3	0	3	1
	सर्प	2	2	2	4	2	2	1	1	2	2	2	2	0	2
	श्वान	2	2	2	2	4	1	1	2	2	1	0	2	2	1
	मार्जार	2	2	3	2	1	4	0	2	2	1	2	2	2	2
	मूषक	2	2	2	1	1	0	4	2	2	2	2	2	2	1
	गौ	3	2	3	1	2	2	2	4	3	0	3	2	3	1
	महिष	1	3	3	2	2	2	2	3	4	1	2	2	2	3
	व्याघ्र	1	2	1	2	1	1	2	0	1	4	2	1	2	2
	मृग	3	2	3	2	0	2	2	3	2	1	4	2	2	2
	वानर	2	3	0	2	2	2	2	2	2	1	2	4	2	3
	नकुल	2	2	3	0	2	2	2	3	2	2	2	2	4	2
	सिंह	1	0	1	2	1	2	1	1	3	2	2	2	2	4

५. ग्रह गुण विचार

स्त्री-पुरुष का समान गण हो तो परम प्रीति तथा वैचारिक समानता रहती है। देव गण व मनुष्य गण में उत्तम प्रीति रहती है। मनुष्य व राक्षस गणो में शत्रुता रहती है। देव व राक्षस गणो में भी शत्रुता रहती है।

जन्म ग्रह-राशि जनित वैश्य वर्ण में गण दोष का विशेष विचार किया जाता है।

परिहार - (१) स्त्री का मनुष्य तथा पुरुष का राक्षस गण हो परन्तु राशि स्वामी मित्र हों तथा भृकूट शुद्ध हो तो गण दोष का परिहार हो जाता है।

(२) स्त्री का राक्षस गण तथा वर का मनुष्य गण हो परंतु शेष गुण 28 हों तो गण दोष का परिहार हो जाता है।

(३) स्त्री-पुरुष के राशि स्वामी अथवा नवांश स्वामी मित्र हों तो गण दोष का परिहार हो जाता है।

(४) योनि मैत्री होने पर भी गण दोष समाप्त हो जाता है।

5. ग्रह मैत्री चक्र		वर ग्रह						
		सू	**चं**	**मं**	**बु**	**गु**	**शु**	**श**
कन्या ग्रह	**सू**	5	5	5	4	5	0	0
	चं	5	5	4	1	4	½	½
	मं	5	4	5	½	5	3	½
	बु	4	1	½	5	½	5	4
	गु	5	4	5	½	5	½	3
	शु	0	½	3	5	½	5	5
	श	0	½	½	4	3	5	5

६. गण गुण विचार

स्त्री-पुरुष का समान गण हो तो परम प्रीति तथा वैचारिक समानता रहती है। देवगण व मनुष्य गण में उत्तम प्रीतति रहती है। मनुष्य व राक्षस गणों में शत्रुता रहती है। देव राक्षस गणों में भी शत्रुता रहती है। <u>जन्म ग्रह राशि जनित वैश्य वर्ण में गण दोष को विशेष विचार किया जाता है</u>।

परिहार - वर कन्या की राशि एक और नक्षत्र भिन्न होने पर अथवा भृकूट दोष शुद्ध होने पर गण दोष दूर हो जाता है।

6. गण गुण		वर गण		
		देव	**नर**	**राक्षस**
कन्या गण	**देव**	6	5	1
	नर	5	6	0
	राक्षस	1	0	6

७. भृकूट गुण विचार

वर से वधू तथा वधू से वर की राशि तक गिनने पर जो संख्या आए वही भृकूट होता है। समान राशि (1-1), त्रि-एकादश (3-11), चतुर्थ दशम (4-10) तथा सम-सप्तक (7-7) भृकूट शुद्ध माने जाते हैं। द्वि-द्वादश (2-12), नव-पंचम (5-9) तथा षडाष्टक (6-8) भृकूट सामान्यतः अशुद्ध या दोषपूर्ण भृकूट माने जाते हैं। 2-12 से निर्धनता, 9-5 से संतान-हानि, 6-8 से मृत्यु जैसे फल संभावित होते हैं।

परिहार - अशुद्ध भृकूट में भी राशि स्वामियों के अनुरूप शुभ व अशुभ भृकूट का विचार किया जाता है। अगर शुभ भृकूट है तो 4 गुण दिए जाते हैं तथा विवाह संभव है।

7. राशिकूट चक्र		वर राशि											
		मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन
वधु राशि	मेष	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0
	वृष	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7
	मिथुन	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7
	कर्क	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0
	सिह	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0
	कन्या	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7
	तुला	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0
	वृश्चिक	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
	धनु	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7
	मकर	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7
	कुंभ	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0
	मीन	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7

८. नाड़ी कूट

मानव शरीर में वात, पित्त व कफ प्रकृति का एक निश्चित मात्रा में संतुलन रहता है। इन तीनों का प्रतिनिधित्व तीन नाड़ियाँ करती हैं। आद्य नाड़ी वात प्रधान, मध्य नाड़ी पित्त प्रधान, अन्त्य नाड़ी कफ प्रधान होती है। आद्य नाड़ी वाला चंचल, मध्य नाड़ी वाला उष्ण तथा अन्त्य नाड़ी वाला व्यक्ति शीतल होता है।

स्त्री-पुरुष दोनों एक ही प्रकृति के हो तो उनमें आकर्षण के बजाय विकर्षण होगा और जीवन-संचालन संतानोत्पत्ति आदि में व्यवधान हो सकता है। इसलिए समान नाड़ी होने पर दोष माना जाता है।

परिहार - (१) यदि वर-कन्या के जन्म ग्रह-राशि जनित वर्ण ब्राह्मण हो तो नाड़ी दोष पूर्ण तया मान्य होगा। परंतु यदि ज्योतिषीय वर्ण क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र के रहते नाड़ी दोष प्रभावी नहीं होता है।

(२) वर-वधू की एक राशि व भिन्न नक्षत्र होने पर विवाह शुभ होता है। इसमें गण व नाड़ी का विचार नहीं करना चाहिए।

(३) भिन्न राशि व एक नाड़ी होने पर गण, नाड़ी, नृद्वर व ग्रह शत्रुता का विचार नहीं करना चाहिए।

(४) एक नक्षत्र - एक राशि में चरण भेद होने पर दोनों का गण-नाड़ी-भकूट जन्य दोष नहीं होता है।

(५) रोहिणी, आर्द्रा, मृगशिरा, पुष्य, श्रवण रेवती, उत्तर भाद्रपद नक्षत्र होने पर नाडी दोष नहीं होता।

(६) शुक्र, गुरु, तथा बुध के राशि स्वामी एक ही हों (अनेक मतानुसार किन्हीं दो ग्रहों के भी) तो नाड़ी दोष नहीं कहना चाहिए।

8. नाड़ी बोधक		वर नाड़ी		
		आदि	**मध्य**	**अन्त्य**
कन्या नाड़ी	**आदि**	0	8	8
	मध्य	8	0	8
	अन्त्य	8	8	0

इन सब परिहारों विचार में यह आवश्यक है कि स्त्री का नक्षत्र पुरुष के नक्षत्र से पहले नहीं होना चाहिए।

युञ्जा

भचक्र के 27 नक्षत्रों को तीन भागों में विभाजित किया गया है - (१) पूर्व भाग - रेवती से 6 नक्षत्र, (२) मध्य भाग - आर्द्रा से 12 नक्षत्र, (३) पर भाग - ज्येष्ठा से 9 नक्षत्र।

युञ्जा के आधार पर वर-वधू का चयन -

- ◊ वर-वधू का जन्म नक्षत्रानुसार एक ही युञ्जा में हो तो दोनों में गहन-प्रीति रहती है।
- ◊ दोनों की पूर्व भाग युञ्जा हो तो पति श्रेष्ठ होता है।
- ◊ दोनों की मध्य भाग युञ्जा हो तो पत्नी श्रेष्ठ होती है।
- ◊ दोनो की पर भाग युञ्जा हो तो दोनों ही श्रेष्ठ होते हैं।
- ◊ वर की युञ्जा पूर्व भाग हो तथा वधू की युञ्जा मध्य भाग हो तो वधू को वर प्रिय होता है।
- ◊ यदि दोनों का जन्म पर भाग युञ्जा में हो तो दोनों में प्रीति रहती है।

मंगल दोष / कुज दोष

जन्म पत्रिका के लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम एवं द्वादश भावो में किसी भी भाव में मंगल का होना जन्म पत्रिका को मांगलिक बना देता है। इस दोष से प्रभावित जातक को मंगला (पु)/मंगली (स्त्री) माना जाता है। अगर मांगलिक दोष युक्त कुण्डली के 1,4,7,8,12 भावो में सूर्य, शनि, राहु, केतु में से कोई ग्रह बैठे हों तो जन्म पत्रिका मांगलिक दोष बढ़ जाता है। इन्हीं भावों में अगर मंगल नीच का हो तो मंगल का दुष्प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है।

मंगल दोष परिहार - मंगल दोष के प्रभाव में कमी आती है अगर :-

* पुरुष की जन्म पत्रिका मांगलिक हो तथा स्त्री की जन्म पत्रिका के 1,4,7,8,12 भावों में सूर्य, शनि, राहु, केतु तो मंगल दोष समाप्त हो जाता है।

* जिस भाव में मंगल बैठा है, उस भाव का स्वामी बली हो तथा उसी भाव में बैठा हो या उस भाव में उसकी दृष्टि पड़ रही हो, साथ ही सप्तमेश या शुक्र तीसरे भाव में बैठा हो ते मंगल दोष नहीं माना जाएगा।

* मेष का मंगल लग्न में, वृश्चिक का चतुर्थ भाव में, वृष का सप्तम भाव में, कुम्भ का अष्टम भाव में तथा धनु का द्वादश भाव में हो तो मंगल दोष नहीं माना जाता है।

* उच्च का गुरु लग्न में स्थित हो तो मांगलिक दोष नहीं माना जाता है। ऐसे जातक का विवाह अमांगलिक से किया जा सकता है।

* यदि शनि 1,4,7,8,12 भाव में किसी एक जातक की जन्म पत्रिका में हो तथा दूसरे जातक की जन्म पत्रिका में किसी एक स्थान में मंगल हो तो मंगल दोष परिहार हो जाता है। विवाह शुभ माना जाता है।

* यदि केन्द्र 1,4,7,10 तथा त्रिकोण (5,9) भाव में शुभ ग्रह हों तथा 3,6,11 भावों में अशुभ ग्रह हों एवं 7वें भाव में सप्तमेश हो तो मंगल दोष नहीं रहता।

* सातवें भाव में मंगल हो तथा गुरू की उसपर दृष्टि हो तो मंगल दोष नष्ट हो जाता है।

* गुरु और मंगल युति हो अथवा मंगल और चन्द्र की युति हो तो मांगलिक दोष नहीं रहता।

* 1,4,7,8,12 भावों में मंगल यदि चर राशि का हो तो मांगलिक दोष नहीं होता।

विवाह के लिए उपयुक्त गोचर?

१. लग्नेश जिस राशि या नवांश में हो उससे त्रिकोण राशि में जब गोचर वश शुक्र या सप्तमेश आता है तब विवाह होता है।

२. निम्नलिखित ग्रहों की जब दशा हो और लग्नेश गोचर वश सप्तम स्थान में आए तब विवाह का योग होता है - जो ग्रह लग्न से सप्तम हो; जो ग्रह सप्तम भाव को देखता है; सप्तमेश।

३. जिस राशि में सप्तमेश हो उस राशि का स्वामी तथा जिस नवांश में सप्तमेश हो उसका स्वामी – इन दोनों में तथा शुक्र और चन्द्र इन दोनों में कौन बलवान है? जब इस बलवान ग्रह की दशा (या अंतर्दशा हो) और सप्तमेश जिस राशि या नवांश में है – उससे त्रिकोण राशि में गोचर वश बृहस्पति आए तो विवाह का योग होता है।

४. विवाह के नैसर्गिक कारक ग्रह शुक्र या राहु की दशा में विवाह होता है।

५. शनि-गुरु का दोहरा गोचर निम्न भावों को प्रभावित करता है :- लग्न और लग्नेश; सप्तम और सप्तमेश; चन्द्र लग्न और चन्द्र लग्नेश।

विवाह में दस दोष

विवाह में दस मुख्य दोष विचारणीय होते हैं। 5 से अधिक दोष उपस्थित रहने पर विवाह नहीं किया जाता है।

१. **लत्ता दोष** - अपने आश्रित नक्षत्र से पीछे 6ठे को बुध, 9वें को राहु, 22वें को पूर्ण चन्द्र, 5वें को शुक्र लत्तित (पद से मर्दित) करते हैं। तथा अपने आश्रित नक्षत्र से आगे 12वें को सूर्य, 8वें को शनि, 6ठे को गुरू, 3रे को मंगल लत्तादोष से युक्त बताते हैं। इसमें अभिजित की गणना नहीं होती है।

२. **पात दोष** - हर्षण, व्यतिपात, शूल, गण्ड इन छः योगों के अन्त में जो नक्षत्र हो वे पात दोष युक्त होता है।

३. **युति दोष** - चन्द्र से युक्त हो तो युति दोष कहलाता है। चन्द्रमा यदि सूर्य से युक्त हो तो दरिद्रता, मंगल से युक्त हो तो मरण, बुध से युक्त हो तो शुभ, गुरु से युक्त हो तो सुख, शुक्र से युक्त हो तो शत्रुता, शनि से युक्त हो तो वैराग्य, यदि दो पाप ग्रहों से युक्त हो तो मरण होता है।

४. **वेध** - पाप ग्रह कृत वेध त्याज्य कहा गया है। पञ्चशलाक से वेध ज्ञान होता है।

५. **यामित्र दोष** - लग्न या चन्द्रमा से सप्तम स्थान में कोई ग्रह हो तो यामित्र दोष होता है। यदि लग्नगत नवमांश या चन्द्रगत नवमांश से पाँचवें नवमांश में ग्रह हो तो पूर्ण यामित्र होता है। यह विवाह में अशुभप्रद होता है।

६. **बाण दोष** - तात्कालिक सूर्य के भुक्तांश को 5 स्थान में रख कर क्रम से 6, 3, 1, 8, 4 जोड़कर सब में 9 के भाग देने से प्रथम स्थान में 5 शेष बजे तो रोग बाण, द्वितीय स्थान में अग्नि, तृतीय स्थान में राज, चतुर्थ स्थान में चोर और पञ्चम् स्थान में मृत्यु बाण होता है।

७. **एकार्गल दोष** - (खार्जूर दोष) व्याघात, गण्ड, व्यतिपात, वज्र, परिध, अतिगण्ड इन योगों में से कोई योग हो, उस दिन सूर्याश्रित नक्षत्र से चन्द्राश्रित नक्षत्र की संख्या विषम हो तो एकार्गल दोष होता है। (गणना अभिजित समेत होती है)

८. **उपग्रह दोष** - यदि सूर्याश्रित नक्षत्र से चन्द्र नक्षत्र तक गिनने से 5, 8, 10, 14, 7, , 15, 18,21, 22, 23, 24, 25 इनमें कोई संख्या हो तो उपग्रह दोष कहलाता है।

९. **क्रान्ति साम्य दोष** - सिंह, मेष इन दो राशियों में यदि एक में सूर्य और दूसरे में चन्द्रमा हो तो सूर्य और चन्द्र की क्रान्ति समता होती है। यह क्रान्ति साम्य दोष कहलाता है। इसी प्रकार वृष-मकर, तुला-कुंभ, कन्या-मीन, कर्क-वृश्चिक, धनु-मिथुन इन दो-दो राशियों में भी सूर्य चन्द्र के रहने पर परस्पर क्रान्ति साम्य दोष होता है। जो सभी मंगल कार्यों में अशुभ होता है।

१०.**दग्ध तिथि दोष** - सूर्य यदि धनु या मीन में हो तो द्वितीया, वृष या कुंभ में हो तो चतुर्थी, कर्क या मेष में हो तो षष्ठी, मिथुन या कन्या में हो तो अष्टमी, सिंह या वृश्चिक में हो तो दशमी और मकर या तुला में हो तो द्वादशी तिथि दग्ध होती है। यह विवाह में त्याज्य है।

वर-कन्या गुण मेलापक सारिणी देखने का तरीका

वर-कन्या गुण मेलापक चक्र से वर एवं कन्या के गुणों का मिलान किया जाता है। यह मिलान वर-वधु के जन्म नक्षत्र के आधार पर होता है। अगर जन्म नक्षत्र न मालूम हो तो दोनों के पुकार नाम से भी मिलान करने का प्रचलन है। सारिणी से प्राप्त अंको के नीचे कहीं कहीं पर ऋणात्मक (-), धनात्मक (+) चिह्न या 0,1,2,3,4,5,6 अंक भी देखे जा सकते हैं। इन अंको का अभिप्राय इस प्रकार समझें:-

ऋणात्मक चिह्न (-) – थोड़ा दोष समझा जाए।

धनात्मक चिह्न (+) – अधिक दोष समझा जाए।

0 -कन्या का नक्षत्र वर के नक्षत्र से पहले है।

1–गण दोष

2 – योनि वैर दोष

3 – नाड़ी दोष

4 – द्विर्द्वादश दोष

5 – नवपंचक दोष

6 – भकूट महादोष (षडाष्टक) गुणों की संख्या के नीचे जहाँ को संख्या व चिह्न नहीं है, वहाँ निर्दोष समझना चाहिए।

नक्षत्र मेलापक चक्र

राशि	वर ➤	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
वधू ➤	नक्षत्र चरण	अश्वि १-४	भर १-४	कृत्ति १	कृत्ति २-४	रोहि १-४	मृग १,२	मृग ३,४	आर्द्रा १-४	पुन. १-३	पुन. ४	पुष्य १-४	आश्ले १-४	मघा १-४	पूफा १-४	उफा १	उफा २-४	हस्त १-४	चित्रा १,२	चित्रा ३,४	स्वाति १-४	विशा १-३	विशा ४	अनु १-४	ज्येष्ठा १-४	मूल १-४	पूषा १-४	उषा १	उषा २-४	श्रवण १-४	धनि १,२	धनि ३,४	शत १-४	पूभा १-३	पूभा ४	उभा १-४	रेव १-४
मेष	अश्वि १-४	२८ ३	३३	२८ ॥	१८ ॥ ४	२१ ॥ -४	२२ ॥ -४	२६	१७ ३	१९ ३	२३ ॥ ३	३१ ॥	२८	२१ +५	२५ +५	१५ ॥ ३५	११ ३६	९ २३६	१३ ६	२२ ॥	२६ ॥ -२	२२ ॥	१८ ॥ -६	२५ ॥ -६	१४ ३६	१३ ३५	२५ +५	२३ ॥ +५	२५	२६	२०	२०	१५ ३	१६ ३	१४ ॥ ३४	२४ ॥ +४	२६ ॥ +४
	भर १-४	३४	२८ ३	२९ ०१	१९ ०४१	२२ ॥ -४	१४ ॥ ३४	१८ ३	२६	२७	३१ ॥	२३ ॥ ३	२४ ॥ १	२० -१५	१८ ३५	२६ +५	२१ ॥ ६	२० ६	४ १३६	१३ ॥ १३	२९ ॥	२१ ॥ -१	१७ ॥ -१६	१७ ॥ ३६	१९ ॥ -१६	२० -१५	१८ ३५	२६ +५	२७ ॥	२६	१० १३२	१० १३२	२० -१	२४ -२	२२ ॥ -२४	१७ ॥ ३४	२६ ॥ +४
	कृत्ति १	२७ ॥	२९ १	२८ ३	१८ ३४	१० १३४०	१६ ॥ ४	२०	२० १	२१	२५ ॥	२६ ॥	२३ ॥ ३	१६ ॥ ३५	२० १५	२० १५	१५ ॥ १६	१५ ॥ ६	१८ ६	२७ ॥	१५ ॥ ३	१९ ॥ ३	१५ ॥ ३६	१९ ॥ -६	२५ ॥ -६	२४ ॥ +५	१८ १२५	१२ ३१५	१३ ॥ १३	११ ॥ २३	२५	२५	२७	१९ १	१७ ॥ १४	१९ ॥ १४	११ ॥ ३४
वृष	कृत्ति २-४	१८ ॥ ४	२० १४	१९ ३४	२८ ३	२० १३	२६ ॥	१७ ॥ +४	१७ ॥ १४	१८ ॥ +४	२२	२३	२० ३	१८ ॥ ३	२२ १	२२ १	२१ १५	२१ +५	२३ ॥ +५	२२ ॥ -६	१० ॥ ३६	१४ ॥ ३६	२० ॥ ३	२४ ॥	३० ॥	२० ६	१३ ॥ १६	७ ॥ १३६	१२ १३५	१० ३५२	२३ ॥ +५	२९ ॥	३१ ॥	२३ ॥ १	२० १	२२ १	१४ ३
	रोहि १-४	२३ ॥ -४	२३ ॥ -४	११ ३४५	२० ३१	२८ ३	३६ ०	२५ ॥ ०४	२३ ॥ +४	२२ ॥ +४	२६	२७	१२ ३१	१० ॥ ३१	२४ ॥	२८	२६ +५	२६ +५	२० -१५	१९ -१६	१५ ॥ ३६	९ ॥ ३१६	१५ ॥ ३१	२९ ॥	२३ ॥ १	१४ १	१९ ६	११ ॥ ३२६	१६ ३५२	१७ ३५	२० -१५	२४ ॥ -१	२४ ॥ -१	३० ॥	२७	२७	१९ ३
	मृग १,२	२३ ॥ -४	१४ ॥ ३४	१८ ॥ -४	२७ ॥	३५	२८ ३	१९ ३४	२४ ०४	२२ ॥ +४	२६	१९ ३	२१	१९ ॥	१५ ॥ ३	२४ ॥	२३ ॥ +५	२६ +५	१३ ३५	१२ ३६	२५ -६	१८ ॥ -६	२४ ॥	२१ ॥ ३	२४ ॥	१५ ६	१० ३६	१७ २६	२१ ॥ -२५	२५ +५	१६ ३५	१९ ३	२७	२९ ॥	२६	१८ ३	२७
मिथुन	मृग ३-४	२७	१८ ३	२२	१९ ॥ +४	२७ +४	२० ३४	२८ ३	३३ ०	३१ ॥	१९ -४	१२ ३४	१४ ४	२३ ॥	१९ ॥ ३	२८ ॥	३१ ॥	३४	२१ ३	१४ ३५	२७ +५	२० ॥ +५	१४ ६	११ ३६	१४ ६	२३	१८ ३	२५ +२	२० -२६	२३ ॥ -६	११ ॥ ३६	१३ ३५	२१ +५	२३ ॥ +५	२५ ॥	१७ ॥ ३	२६ ॥
	आर्द्रा १-४	१९ ३	२७	२१ ॥ १	१८ ॥ -१४	२४ ॥ +४	२६ +४	३४	२८ ३	२५ ३०	१२ ॥ ०३४	२० -४	१३ १४	२३ ॥ १	२९ ॥	२१ ॥ ३	२४ ॥ ३	२४ ॥ ३	२८ १	२१ -१५	२७ +५	२१ -१५	१४ ॥ १६	१७ २६	६ १३२६	१६ १३	२८	२८	२३ -६	२३ -६	१७ ॥ -१६	१९ -१५	१२ १३५	१७ ३५	१९ ३	२६ ॥	२६ ॥
	पुन १-३	२० ३	२७	२२ ॥	२० ॥ +४	२२ ॥ +४	२३ ॥ +४	३१ ॥	२४ ३	२८ ३	१५ ॥ -३४	२२ ॥ ४०	१७ -४	२२ ॥ +२	२६ ॥ +२	२१ ॥ ३	२४ ॥ ३	२५ ॥ ३	२७ ॥	२० ॥ +५	२८ +५	२२ +५	१५ ॥ ६	२१ ॥ ६	७ ३६	१४ ३	२७	२७	२२ -६	२३ -६	१७ ॥ -६	१८ ॥ +५	१४ ३५	१६ ३५	१८ ३	२८	२७ ॥
कर्क	पुन ४	२२ ॥ ३	२९ ॥	२५ ॥	२२	२४	२५	१८ ४	१० ॥ ३४	१४ ॥ ३४	२८ ३	३५ ०	२९ ॥	१६ ॥ -२४	२० ॥ २४	१५ ॥ ३४	१८ ३	१९ ३	२१	२० ॥	२८	२२	२० +५	२६ +५	११ ॥ ३५	८ ३६	२१ -६	२१ -६	२६	२७	२१	१२ ॥ ६	८ ३६	१० ३६	१६ ३५	२६ +५	२५ ॥ +५
	पुष्य १-४	३० ॥	२१ ३	२६ ॥	२३	२५	१८ ३	११ ३४	१८ ४	२१ ॥ ४	३५	२८ ३	३० ०	१९ ॥ +४	१५ ॥ ३४	२३ ॥ +४	२६	२७	१२ ३	११ ॥ ३	२६ ॥	२१	१७ +५	१८ ३५	२१ -५	१७ ६	११ २३६	२९ ६	२६	२५ -२	१३ ३	४ ॥ ३६	१४ ॥ ६	१८ ६	२४ +५	१८ ३५	२७ +५
	आश्ले १-४	२६	२४ १	२२ ॥	१९ ३	११ ३१	१९	१२ ४	१२ १४	१५ ४	२८ ॥	२९	२८ ३	१५ ०३४२	१५ ॥ १४२	१८ ॥ १४	२१ १	२१	२६	२५ ॥	१२ ॥ ३	१७ ॥ ३	१५ ॥ ३५	२० +५	२६ -५	२२ ॥ ६	१६ १६	८ ३१६	१३ १३	१३ ३	२६	१७ ॥ ६	१९ ॥ ६	११ ॥ १६	१७ ॥ १५	२१ १५	१३ ३५
सिंह	मघा १-४	२० ५	२० २५	१६ ॥ ३५	१७ ॥ ३	९ ॥ ३१	१७ ॥	२१ ॥	२२ ॥ १	२० ॥ -२	१६ ॥ -२४	१९ +४	१६ ३४२	२८ ३	३० ०१	२७ ॥ १	१६ ॥ १४	१६ ॥ +४	२१ ॥ ४	२४ ॥	११ ॥ ३	१६ ॥ ३	२२ ॥ ३	२५ ॥	३३	२५ +५	१९ १५	८ ॥ १३५	३ ॥ ३१६	४ ॥ ३६	१८ ॥ ६	२४ ॥	२५ ॥	१८ ॥ १	१८ ॥ -१६	१९ ॥ १६	१३ ३६
	पूफा १-४	२६ +५	२९ ३५	२० -१५	२१ १	२३ ॥	१५ ॥ ३	१९ ॥ ३	२८ ॥	२६ ॥ -२	२२ ॥ -२४	१७ ॥ ३४	१६ ॥ १२४	३० -१	२८ ३	३५ ०	२२ ॥ ०४	२२ ॥ +४	७ ॥ १३४	१० ॥ १३	२५ ॥	१८ ॥ १	२४ ॥ -१	२३ ॥ ३	२५ ॥ -१	१९ -१५	१७ ३५	२४ +५	१७ ॥ ६	१८ ॥ ६	४ ॥ १३६	१० ॥ १३	१९ ॥ १	२४ ॥	२४ ॥ -६	१७ ॥ ३६	२५ ॥ -६
	उफा १	१६ ॥ ३५	२६ +६	२० -१५	२१ १	२६	२४ ॥	२८ ॥	२० ॥ ३	२१ ॥ ३	१७ ॥ ३४	२५ ॥ +४	१९ ॥ -१४	२७ ॥ -१	३५	२८ ३	१७ ३४	१६ ०३४	१३ ॥ १४२	१६ ॥ १२	२५ ॥	१६ ॥ १२	२२ ॥ -१२	३१ ॥	१७ ॥ १३	९ ॥ १३५	२५ +५	२५ +५	२० ६	२० ६	११ ॥ १६	१७ ॥ १	११ ॥ १३	१५ ॥ ३	१५ ॥ ३६	२६ ॥ -६	२५ ॥ -६
कन्या	उफा २-४	१३ ३६	२२ ॥ ६	१६ ॥ १६	२१ -१५	२६ +५	२४ ॥ +५	३१ ॥	२३ ॥ ३	२४ ॥ ३	२० ३	२८	२२ १	१७ ॥ १४	२५ +४	१८ ३४	२८ ३	२७ ३०	२४ ॥ -१२	१६ ॥ १२४	२५ ॥ +४	१६ ॥ १२४	१८ १२	२७	१३ १३	१४ १३	२९ ॥	२९ ॥	२४ ॥ +५	२४ ॥ +५	१६ -१५	१६ ॥ -१६	१० ॥ ३१६	१४ ॥ ३६	१७ ॥ ३	२८ ॥	२७ ॥
	हस्त १-४	१० २६६	२० ६	१७ ॥ ६	२२ +५	२५ +५	२६ +५	३३	२२ ॥ ३	२४ ॥ ३	२० ३	२८	२३	१८ ॥ +४	२२ ॥ +४	१६ ३४	२६ ३	२८ ३	२८ ०	२० ०४	२६ ॥ +४	१८ ॥ +४	२०	२६	१३ ३	१५ ३	२७	२८ ॥	२३ ॥ ५	२४ ॥ +५	१८ ॥ +५	१९ -६	८ ॥ ३६२	१३ ॥ ३६	१६ ॥ ३	२६ ॥	२७ ॥
	चित्रा १,२	१३ ६	५ १३५	१९ ६	२३ ॥ +५	२० १५	१२ ३५	१९ ३	२७ १	२५ ॥	२१	१२ ३	२७	२२ ॥ ४	८ ॥ १३४	१४ ॥ १२४	२४ ॥ १२	२७	२८ ३	२० ३४	१९ ०४	२६ ॥ +४	२८	११ ३	२५	२८	१४ १३	२२ १	१७ १५	१८ ॥ +५	१५ ॥ ३५	१६ ३६	२४ -६	१६ ॥ १६	१९ ॥ १	१० ॥ १३२	१९ ॥

नक्षत्र मेलापक चक्र

राशि	वर ➤	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिह			कन्या		
वधू	नक्षत्र	अश्वि	भर	कृत्ति	कृत्ति	रोहि	मृग	मृग	आर्द्रा	पुन.	पुन.	पुष्य	आश्ले	मघा	पूफा	उफा	उफा	हस्त	चित्रा
⮟	चरण	१-४	१-४	१	२-४	१-४	१,२	३,४	१-४	१-३	४	१-४	१-४	१-४	१-४	१	२-४	१-४	१,२
तुला	चित्रा ३-४	२२॥	१४॥ १३	२८॥	२३॥ +६	२० १६	१२ ३६	१३ ३५	२१ १५	१९॥ +५	२०॥	११॥ ३	२६॥	२५॥	११॥	१७॥ १२	१७॥ १२४	२० +४	२१ ३४
	स्वाति १-४	२७॥ +२	२९॥	१७॥ ३	१२॥ ३६	१५॥ ३६	२६ -६	२७ +५	२६ +५	२८ +५	२९	२७॥	१४॥ ३	१३॥ ३	२५॥	२५॥	२५॥ +४	२७॥ +४	२१ +४
	विशा १-३	२२॥	२२॥ १	२०॥ ३	१५॥ ३६	१०॥ १३६	१८॥ -६	१९॥ +५	२१ १५	२१ +५	२२	२१	१८॥ ३	१७॥ ३	१९॥ १	१७॥ १२	१७॥ १४२	१८॥ +४	२७॥ +४
वृश्चिक	विशा ४	१६॥ +६	१६॥ १६	१४॥ ३६	१९॥ ३	१४॥ १३	२२॥	१२ ६	१३॥ १६	१३॥ ६	१९ -५	१८ -५	१५॥ -५	२१॥ ३	२३॥ १	२१॥ १२	१७ १२	१८	२७
	अनु १-४	२४॥ -६	१५॥ ३६	१९॥ -६	२४॥	२७॥	२०॥ ३	१० ३६	१५ २६	२०॥ ६	२६ -५	१८ ३५	२१ -५	२४॥	२०॥ ३	२९॥	२५	२५	११ ३
	ज्येष्ठा १-४	१२ ३६	१८॥ १६	२४॥ -६	२९॥	२२॥ १	२२॥	१२ ६	२ ३१२६	५ ६३	१०॥ ५३	२० +५	२६ -५	३१	२३॥ १	१६॥ १३	१२ १३	११ ३	२४
धनु	मूल १-४	१२ ३५	२० १५	२४॥ +५	१९ ६	१३ १६	१६ ६	२१	१५ १३	१२ ३	८ ३६	१७ ६	२३॥ ६	२५ +५	१९ १५	९॥ १५३	१३ ३१	१३ ३	२७
	पूषा १-४	२६ +५	१८ ३५	१८ १२५	१२॥ १६२	१८ ६	१० ३६	१८ ३	२७	२७	२३ ३	१३ २३६	१७ १६	१९ -१५	१७ ३५	२५ +५	२८॥	२७	१३ १३
	उषा १	२४॥ +५	२६ +५	१२ १३५	६॥ १३६	१०॥ २३६	१७॥ २६	२५ +२	२७	२७	२३ ६	२३ ६	९ १६३	८॥ १५३	२४ +५	२५ +५	२८॥	२८॥	२१ १
मकर	उषा २-४	२७	२८॥	१४॥ १३	१२ १३५	१६ २३५	२२॥ -२५	२० -२६	२२ -६	२२ -६	२८	२८	१४ १३	४॥ १३६	२० ६	२१ ६	२४॥ +५	२४॥ १५	१७ १५
	श्रवण १-४	२७	२६	१३॥ ३२	११ ३५२	१६ ३५	२५ +५	२२॥ -६	२१ -६	२२ -६	२८	२६ +२	१५ ३	६॥ ३६	१८॥ ६	२० ६	२३॥ +५	२४॥ +५	१९॥ ५
	धनि १,२	२०	११ १३२	२६	२३॥ +५	२० १५	१२ ३५	९॥ ३६	१६॥ १६	१५ -६	२१	१३ ३	२७	१९॥ ६	५॥ १३६	१२॥ १६	१५ १५	१७॥ +५	१५॥ ३५
कुंभ	धनि ३-४	२०	११ १३२	२६	३०॥	२७ १	१९ ३	१२ ३५	१९ १५	१७॥ +५	१२॥ ६	४॥ ३६	१८॥ ६	२५॥	११॥ १३	१८॥ १	१७॥ १६	१९ +६	१७ ३६
	शत १-४	१५ ३	२१ १	२८	३२॥	२५ १	२७	२० +५	१२ १३५	१३ ३५	६॥ ३६	१४॥ ६	२०॥ ६	२६॥	२०॥ १	१२॥ १३	११॥ १३६	८॥ १३६	२५ ६
	पूभा १-३	१८ ३	२५ +	२० -१	२४॥ -१	३१॥	३१॥	२४॥ +५	१७ ३५	१७ ३५	१२ ३६	२० ६	१२॥ १६	१९ १	२५॥	१६॥ ३	१५॥ ३६	१५॥ -३६	१७॥ १६
मीन	पूभा ४	१४॥ ३४	२१॥ -४२	१६ -१४	१९ १	२६	२६	२५॥	१८ ३	१८ ३	१७ ३५	२५ ५	१७॥ १५	१७ -१६	२३॥ +६	१४॥ ३६	१६॥ ३	१६॥ ३	१८॥ +१
	उभा १-४	२४॥ +४	१६॥ ३४	१८॥ -१४	२१ १	२६	१८ ३	१७॥ ३	२५॥	२८	२७ ५	१९ ३५	२१ १५	१८॥ -१६	१६॥ ३६	२५॥ +६	२७॥	२६॥	९॥ १३२
	रेव १-४	२५ +४	२४॥ +४	११॥ ३४	१४ ३	१७ ३	२६	२५॥	२४॥	२६॥	२५॥ ५	२७ ५	१४ ३५	१३ ३६	२३॥ +६	२३॥ +६	२५॥	२६॥	१९॥

राशि	वर ➤	तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
वधू	नक्षत्र	चित्रा	स्वाति	विशा	विशा	अनु	ज्येष्ठा	मूल	पूषा	उषा	उषा	श्रवण	धनि	धनि	शत	पूभा	पूभा	उभा	रेव
⮟	चरण	३,४	१-४	१-३	४	१-४	१-४	१-४	१-४	१	२-४	१-४	१,२	३,४	१-४	१-३	४	१-४	१-४
तुला	चित्रा ३-४	२८ ३	२७ ०	३४॥	२३॥ ४	६॥ ३४	२०॥ ४	२८	१४ १३	२२ १	२५ ०१	२६॥	२३॥ ३	१८ ३५	२६ +५	१८॥ १५	१२॥ १६	३॥ ६२१३	१२॥ ६
	स्वाति १-४	२८	२८ ३	२० ३०	९ ३४०	२१॥ ४	१६॥ ४	२३	२७	१९ ३	२२ ३	२३	२६॥	२१ +५	२० -५२	२५ +५	१९ ६	१९॥ ६	१२॥ ३६
	विशा १-३	३४॥	१९ ३	२८ ३	१७ ३४	१६ ०४	२०॥ ४	२८	२२ १	१४ १३	१७ १३	१७ ३	३०	२४॥ +५	२६ +५	२० १५	१४ १६	१३ १६२	४॥ ३६
वृश्चिक	विशा ४	२२॥ ४	७ ३४	१६ ३४	२८ ३	२७ ०	३१॥	२२॥ +४	१६॥ ४१	८॥ १३४	१२ १३	१२ ३	२५	२४	२५॥	१९॥ १	१९ १५	१८ १५	९॥ ३२५
	अनु १-४	६॥ ३४	२०॥ ४	१६ ४	२८	२८ ३	३१॥ ०	१५॥ -२४	१३॥ ३४	२१॥ +४	२५	२६	१२ ३	११ ३	२१	२४॥	२४ +५	१८ ३५	२७ +५
	ज्येष्ठा १-४	१९॥ ४	१४॥	१९॥ ४	३१॥	३०	२८ ३	१४ ०२३४	१६॥ १४	१६॥ १४	२० १	२०	२५	२४	१८ ३	१० १३	९॥ १३५	२१ १५	२१ +५
धनु	मूल १-४	२७	२१	२६	२३॥ +४	१५॥ -२४	१५ ३४२	२८ ३	२८ ०१	२६॥ १	१५ १४	१५ ४	२० ४	२८॥	२१॥ ३	१४॥ १३	१६ १३	२५ १	२६॥
	पूषा १-४	१३ १३	२७	२१ १	१७॥ -१४	१५ ३४	१७॥ -१४	२८ +१	२८ ३	३४ ०	२२॥ ०४	२३ ४	६ १३४	१४॥ १३	२३॥ १	२८॥	३०	२३ ३	३१
	उषा १	२१ १	१९ ३	१३ १३	९॥ १३४	२३॥ +४	१७॥ -१४	२६॥ -१	३४	२८ ३	१६॥ ३४	१४॥ ३४०	१५ १४	२३॥ १	२३॥ १	२९॥	३१	३१	२३ ३
मकर	उषा २-४	२४ -१	२२ ३	१६ १३	१३ ३१	२७	२१ १	१६ १४	२३॥ ४	१७॥ ३४	२८ ३	२६ ३०	२६॥ +१	१७ -१४	१७ -१४	२३ +४	३०॥	३०॥	२२॥ ३
	श्रवण १-४	२६॥	२२ ३	१७ ३	१४ ३	२७	२२	१७ ४	२३ ४	१४॥ ३४	२५ ३	२८ ३	२८ -०	१८॥ ०४	१८ +४	२१ +४	२८॥	२९॥	२२॥ ३
	धनि १,२	२२॥ ३	२४॥	२९	२६	१२ ३	२६	२१ ४	७ ३४१	१६ ४१	२६॥ १	२७	२८ ३	१८॥ ३४	२३॥ ४०	१९ ४	२६॥ १	१५॥ १३	२२॥ +२
कुंभ	धनि ३-४	१८ ३५	२० -५	२४॥ -५	२५	११ ३	२५	२९॥	१५॥ १३	२४॥ १	१८ १४	१८॥ +४	१९॥ ३४	२८ ३	३३ ०	२८॥ १	१८ १४	७ १३४	१४ ४२
	शत १-४	२५ +५	१९ +५	२६ +५	२६॥	२१	१९ ३	२२॥ ३	२४॥ १	२४॥ १	१८ १४	१८ +४	२४॥ +४	३३	२८ ३	१९ ०१३	८॥ १३४०	१७ १४	१६ ४
	पूभा १-३	१८॥ -१५	२६ +५	२० -१५	२०॥ १	२६॥	११ १३	१५॥ १३	२९॥	३०॥	२४ +४	२३ +४	२० -१४	२८॥ -१	१९ १३	२८ ३	१७॥ ३४	२२॥ ०४	२० ४२
मीन	पूभा ४	११॥ १६	१९ +६	१३ १६	१९ -१५	२५ +५	९॥ १३५	१५ १३	२९	३०	२९॥	२८॥	२५॥ १	१७ १४	७॥ १३४	१६॥ ३४	२८ ३	३३ ०	३०॥ +२
	उभा १-४	२॥ ३२१६	१९॥ ६	१२ १६२	१८ १५२	१९ ३५	२१ -१५	२४ -१	२२ ३	३०	२९॥	२९॥	१४॥ १३	६ १३४	१६ १४	२१॥ ४	३३	२८ ३	३५ ०
	रेव १-४	१२॥ ६	११॥ ३६	४॥ ३६	१०॥ ३५	२७ -५	२२ +५	२६॥	२९	२१	२०॥ ३	२१॥ ३	२२॥ -२	१४ ४२	१६ ४	१८ ४२	२९॥ +२	३४	२८ ३

पलभा सारणी

अक्षांश	पलभा	अक्षांश	पलभा	अक्षांश	पलभा
०१°००'	०० ।१२ ।३४	१७°००'	०३ ।४० ।०८	३२°३०'	०७ ।३८ ।४१
०१°३०'	०० ।१८ ।५१	१७°३०'	०३ ।४७ ।०१	३३°००'	०७ ।४७ ।३४
०२°००'	०० ।२५ ।०९	१८°००'	०३ ।५३ ।५७	३३°३०'	०७ ।५६ ।३३
०२°३०'	०० ।३१ ।२६	१८°३०'	०४ ।०० ।५५	३४°००'	०८ ।०५ ।३९
०३°००'	०० ।३७ ।४४	१९°००'	०४ ।०७ ।५५	३४°३०'	०८ ।१४ ।५१
०३°३०'	०० ।४४ ।०२	१९°३०'	०४ ।१४ ।५८	३५°००'	०८ ।२४ ।०९
०४°००'	०० ।५० ।२१	२०°००'	०४ ।२२ ।०४	३५°३०'	०८ ।३३ ।३४
०४°३०'	०० ।५६ ।४०	२०°३०'	०४ ।२९ ।१२	३६°००'	०८ ।४३ ।०७
०५°००'	०१ ।०२ ।६०	२१°००'	०४ ।३६ ।२३	३६°३०'	०८ ।५२ ।४६
०५°३०'	०१ ।०९ ।२०	२१°००'	०४ ।३६ ।२३	३७°००'	०९ ।०२ ।३४
०६°००'	०१ ।१५ ।४१	२१°३०'	०४ ।४३ ।३७	३७°३०'	०९ ।१२ ।२९
०६°३०'	०१ ।२२ ।०२	२२°००'	०४ ।५० ।५४	३८°००'	०९ ।२२ ।३२
०७°००'	०१ ।२८ ।२४	२२°३०'	०४ ।५८ ।१४	३८°३०'	०९ ।३२ ।४३
०७°३०'	०१ ।३४ ।४७	२३°००'	०५ ।०५ ।३७	३९°००'	०९ ।४३ ।०३
०८°००'	०१ ।४१ ।११	२३°३०'	०५ ।१३ ।०४	३९°३०'	०९ ।५३ ।३१
०८°३०'	०१ ।४७ ।३६	२४°००'	०५ ।२० ।३४	४०°००'	१० ।०४ ।०९
०९°००'	०१ ।५४ ।०२	२४°३०'	०५ ।२८ ।०७	४०°३०'	१० ।१४ ।५६
०९°३०'	०२ ।०० ।२९	२५°००'	०५ ।३५ ।४४	४५°००'	११ ।५९ ।६०
१०°००'	०२ ।०६ ।५७	२५°३०'	०५ ।४३ ।२५	४५°३०'	१२ ।१२ ।४१
१०°३०'	०२ ।१३ ।२७	२६°००'	०५ ।५१ ।१०	४६°००'	१२ ।२५ ।३५
११°००'	०२ ।१९ ।५७	२६°३०'	०५ ।५८ ।५९	४६°३०'	१२ ।३८ ।४३
११°३०'	०२ ।२६ ।२९	२७°००'	०६ ।०६ ।५१	४७°००'	१२ ।५२ ।०६
१२°००'	०२ ।३३ ।०२	२७°३०'	०६ ।१४ ।४८	४७°३०'	१३ ।०५ ।४५
१२°३०'	०२ ।३९ ।३७	२८°००'	०६ ।२२ ।५०	४८°००'	१३ ।१९ ।३८
१३°००'	०२ ।४६ ।१४	२८°३०'	०६ ।३० ।५६	४८°३०'	१३ ।३३ ।४९
१३°३०'	०२ ।५२ ।५१	२९°००'	०६ ।३९ ।०६	४९°००'	१३ ।४८ ।१६
१४°००'	०२ ।५९ ।३१	२९°३०'	०६ ।४७ ।२१	४९°३०'	१४ ।०३ ।०१
१४°३०'	०३ ।०६ ।१२	३०°००'	०६ ।५५ ।४२	५०°००'	१४ ।१८ ।०४
१५°००'	०३ ।१२ ।५५	३०°३०'	०७ ।०४ ।०७	५०°३०'	१४ ।३३ ।२६
१५°३०'	०३ ।१९ ।४०	३१°००'	०७ ।१२ ।३७	५१°००'	१४ ।४९ ।०८
१६°००'	०३ ।२६ ।२७	३१°३०'	०७ ।२१ ।१३	५१°३०'	१५ ।०५ ।१०
१६°३०'	०३ ।३३ ।१६	३२°००'	०७ ।२९ ।५४	५२°००'	१५ ।२१ ।३३

वेलान्तर सारणी (EQUATION OF TIME CHART) वर्ष २०२५

जन	मिनट	फर	मिनट	मार्च	मिनट	अप्रै	मिनट	मई	मिनट	जून	मिनट	जुला	मिनट	अग	मिनट	सित	मिनट	अक्टू	मिनट	नव	मिनट	दिस	मिनट
१	-०३:५१	१	-१३:३८	१	-१२:१२	१	-०३:४१	१	+०२:५८	१	+०२:०२	१	-०४:०१	१	-०६:१९	१	+००:१२	१	+१०:३३	१	+१६:२६	१	+१०:४५
२	-०४:१९	२	-१३:४५	२	-११:५९	२	-०३:२४	२	+०३:०४	२	+०१:५३	२	-०४:१२	२	-०६:१५	२	+००:३१	२	+१०:५२	२	+१६:२७	२	+१०:२२
३	-०४:४७	३	-१३:५१	३	-११:४७	३	-०३:०६	३	+०३:१०	३	+०१:४३	३	-०४:२३	३	-०६:०९	३	+००:५१	३	+११:१०	३	+१६:२७	३	+०९:५८
४	-०५:१४	४	-१३:५७	४	-११:३४	४	-०२:४९	४	+०३:१५	४	+०१:३२	४	-०४:३४	४	-०६:०४	४	+०१:११	४	+११:२९	४	+१६:२६	४	+०९:३४
५	-०५:४०	५	-१४:०१	५	-११:२०	५	-०२:३२	५	+०३:२०	५	+०१:२२	५	-०४:४४	५	-०५:५७	५	+०१:३१	५	+११:४७	५	+१६:२४	५	+०९:०९
६	-०६:०६	६	-१४:०५	६	-११:०६	६	-०२:१५	६	+०३:२४	६	+०१:११	६	-०४:५४	६	-०५:५०	६	+०१:५१	६	+१२:०४	६	+१६:२१	६	+०८:४४
७	-०६:३२	७	-१४:०८	७	-१०:५१	७	-०१:५८	७	+०३:२८	७	+००:५९	७	-०५:०४	७	-०५:४३	७	+०२:१२	७	+१२:२२	७	+१६:१७	७	+०८:१८
८	-०६:५७	८	-१४:१०	८	-१०:३७	८	-०१:४१	८	+०३:३१	८	+००:४८	८	-०५:१३	८	-०५:३५	८	+०२:३२	८	+१२:३८	८	+१६:१३	८	+०७:५१
९	-०७:२२	९	-१४:११	९	-१०:२२	९	-०१:२५	९	+०३:३४	९	+००:३६	९	-०५:२२	९	-०५:२६	९	+०२:५३	९	+१२:५५	९	+१६:०८	९	+०७:२४
१०	-०७:४६	१०	-१४:१२	१०	-१०:०६	१०	-०१:०९	१०	+०३:३६	१०	+००:२४	१०	-०५:३०	१०	-०५:१७	१०	+०३:१४	१०	+१३:१०	१०	+१६:०२	१०	+०६:५७
११	-०८:०९	११	-१४:१२	११	-०९:५०	११	-००:५३	११	+०३:३७	११	+००:११	११	-०५:३८	११	-०५:०७	११	+०३:३६	११	+१३:२६	११	+१५:५५	११	+०६:२९
१२	-०८:३२	१२	-१४:११	१२	-०९:३४	१२	-००:३८	१२	+०३:३८	१२	-००:०१	१२	-०५:४५	१२	-०४:५७	१२	+०३:५७	१२	+१३:४१	१२	+१५:४७	१२	+०६:०१
१३	-०८:५५	१३	-१४:०९	१३	-०९:१८	१३	-००:२३	१३	+०३:३८	१३	-००:१४	१३	-०५:५२	१३	-०४:४६	१३	+०४:१८	१३	+१३:५५	१३	+१५:३८	१३	+०५:३३
१४	-०९:१६	१४	-१४:०७	१४	-०९:०१	१४	-००:०८	१४	+०३:३८	१४	-००:२६	१४	-०५:५८	१४	-०४:३४	१४	+०४:४०	१४	+१४:०९	१४	+१५:२९	१४	+०५:०४
१५	-०९:३७	१५	-१४:०४	१५	-०८:४४	१५	+००:०६	१५	+०३:३७	१५	-००:३९	१५	-०६:०४	१५	-०४:२२	१५	+०५:०१	१५	+१४:२२	१५	+१५:१९	१५	+०४:३५
१६	-०९:५७	१६	-१४:००	१६	-०८:२७	१६	+००:२०	१६	+०३:३६	१६	-००:५२	१६	-०६:१०	१६	-०४:१०	१६	+०५:२२	१६	+१४:३५	१६	+१५:०७	१६	+०४:०६
१७	-१०:१७	१७	-१३:५५	१७	-०८:१०	१७	+००:३४	१७	+०३:३४	१७	-०१:०५	१७	-०६:१५	१७	-०३:५७	१७	+०५:४४	१७	+१४:४७	१७	+१४:५६	१७	+०३:३७
१८	-१०:३६	१८	-१३:५०	१८	-०७:५२	१८	+००:४७	१८	+०३:३१	१८	-०१:१८	१८	-०६:१९	१८	-०३:४३	१८	+०६:०५	१८	+१४:५८	१८	+१४:४३	१८	+०३:०७
१९	-१०:५४	१९	-१३:४४	१९	-०७:३५	१९	+०१:००	१९	+०३:२८	१९	-०१:३१	१९	-०६:२३	१९	-०३:२९	१९	+०६:२७	१९	+१५:०९	१९	+१४:२९	१९	+०२:३८
२०	-११:११	२०	-१३:३८	२०	-०७:१७	२०	+०१:१२	२०	+०३:२५	२०	-०१:४४	२०	-०६:२६	२०	-०३:१५	२०	+०६:४८	२०	+१५:१९	२०	+१४:१५	२०	+०२:०८
२१	-११:२८	२१	-१३:३०	२१	-०६:५९	२१	+०१:२४	२१	+०३:२०	२१	-०१:५७	२१	-०६:२९	२१	-०३:००	२१	+०७:०९	२१	+१५:२९	२१	+१३:५९	२१	+०१:३८
२२	-११:४४	२२	-१३:२३	२२	-०६:४१	२२	+०१:३६	२२	+०३:१६	२२	-०२:१०	२२	-०६:३१	२२	-०२:४४	२२	+०७:३०	२२	+१५:३८	२२	+१३:४३	२२	+०१:०८
२३	-११:५९	२३	-१३:१४	२३	-०६:२३	२३	+०१:४७	२३	+०३:१०	२३	-०२:२३	२३	-०६:३२	२३	-०२:२८	२३	+०७:५१	२३	+१५:४६	२३	+१३:२६	२३	+००:३८
२४	-१२:१३	२४	-१३:०५	२४	-०६:०५	२४	+०१:५७	२४	+०३:०५	२४	-०२:३६	२४	-०६:३३	२४	-०२:१२	२४	+०८:१२	२४	+१५:५३	२४	+१३:०९	२४	+००:०९
२५	-१२:२६	२५	-१२:५६	२५	-०५:४७	२५	+०२:०८	२५	+०२:५९	२५	-०२:४९	२५	-०६:३४	२५	-०१:५५	२५	+०८:३३	२५	+१६:००	२५	+१२:५०	२५	-००:२१
२६	-१२:३९	२६	-१२:४५	२६	-०५:२९	२६	+०२:१७	२६	+०२:५२	२६	-०३:०१	२६	-०६:३३	२६	-०१:३८	२६	+०८:५४	२६	+१६:०६	२६	+१२:३१	२६	-००:५१
२७	-१२:५१	२७	-१२:३५	२७	-०५:११	२७	+०२:२६	२७	+०२:४५	२७	-०३:१४	२७	-०६:३२	२७	-०१:२१	२७	+०९:१४	२७	+१६:११	२७	+१२:१२	२७	-०१:२०
२८	-१३:०२	२८	-१२:२३	२८	-०४:५३	२८	+०२:३५	२८	+०२:३७	२८	-०३:२६	२८	-०६:३१	२८	-०१:०३	२८	+०९:३४	२८	+१६:१६	२८	+११:५१	२८	-०१:५०
२९	-१३:१२			२९	-०४:३५	२९	+०२:४३	२९	+०२:२९	२९	-०३:३८	२९	-०६:२९	२९	-००:४५	२९	+०९:५४	२९	+१६:२०	२९	+११:३०	२९	-०२:१९
३०	-१३:२२			३०	-०४:१७	३०	+०२:५१	३०	+०२:२१	३०	-०३:५०	३०	-०६:२६	३०	-००:२६	३०	+१०:१३	३०	+१६:२३	३०	+११:०८	३०	-०२:४७
३१	-१३:३०			३१	-०३:५९	३१		३१	+०२:१२	३१		३१	-०६:२३	३१	-००:०८	३१		३१	+१६:२५	३१		३१	-०३:१६

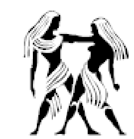
राशि प्रकरण

राशि	चिह्न	Name	अर्थ	स्वामी	स्वभाव	तत्व	समवि.	लिग	प्रकृति	जाति	दिशा	बल	पाद	उदय	ऋतु	पुष्टकृश	गुण	स्थान	क्रूरादि	स्त्रीसंग
मेष	♈	Aries	भेड़	मंगल	चर	अग्नि	विषम	पुरुष	पित्त	क्षत्रिय	पूर्व	रात्रि	चतुष्पाद	पृष्ठोदय	वसन्त	दृढ	तप्त	जंगल	उग्र	अल्प
वृष	♉	Taurus	बैल	शुक्र	स्थिर	पृथ्वी	सम	स्त्री	वायु	वैश्य	दक्षिण	रात्रि	चतुष्पाद	पृष्ठोदय	ग्रीष्म	दृढ	शीत	जलपूर्ण खेत	सौम्य	मध्य
मिथुन	♊	Gemini	युग्म	बुध	द्विस्वभाव	वायु	विषम	पुरुष	मिश्रित	शूद्र	पश्चिम	रात्रि	द्विपाद	शीर्षोदय	ग्रीष्म	मृदु	तप्त	शयनागार	उग्र	मध्य
कर्क	♋	Cancer	केंकड़ा	चन्द्र	चर	जल	सम	स्त्री	कफ	ब्राह्मण	उत्तर	रात्रि	जलीय	पृष्ठोदय	वर्षा	मृदु	शीत	जलपूर्ण दरार	सौम्य	बहु
सिह	♌	Leo	शेर	सूर्य	स्थिर	अग्नि	विषम	पुरुष	पित्त	क्षत्रिय	पूर्व	दिवा	वनचर	शीर्षोदय	वर्षा	दृढ	उष्ण	पर्वत	उग्र	अल्प
कन्या	♐	Virgo	कन्या	बुध	द्विस्वभाव	पृथ्वी	सम	स्त्री	वायु	वैश्य	दक्षिण	दिवा	द्विपाद	शीर्षोदय	शरद	कृश	शीत	जल-अन्न पूर्ण भूमि	सौम्य	अल्प
तुला	♎	Libra	तराजू	शुक्र	चर	वायु	विषम	पुरुष	मिश्रित	शूद्र	पश्चिम	दिवा	द्विपाद	शीर्षोदय	शरद	दृढ	उष्ण	बैश्य का घर	उग्र	अल्प
वृश्चिक	♏	Scorpio	बिच्छु	मंगल	स्थिर	जल	सम	स्त्री	कफ	ब्राह्मण	उत्तर	दिवा	कीट	शीर्षोदय	हेमन्त	कृश	शीत	छिद्र	सौम्य	बहु
धनु	♐	Sagittarius	धनुर्धर	गुरु	द्विस्वभाव	अग्नि	विषम	पुरुष	पित्त	क्षत्रिय	पूर्व	रात्रि	द्वि+ चतु	पृष्ठोदय	हेमन्त	दृढ	उष्ण	जनाधीश	उग्र	अल्प
मकर	♑	Capricorn	मृग+मगर	शनि	चर	पृथ्वी	सम	स्त्री	वायु	वैश्य	दक्षिण	रात्रि	चतु+जल	पृष्ठोदय	शिशिर	दृढ	शीत	जलपूर्ण जंगल	सौम्य	अल्प
कुंभ	♒	Aquarius	जल वाहक	शनि	स्थिर	वायु	विषम	पुरुष	मिश्रित	शूद्र	पश्चिम	दिवा	द्विपाद	शीर्षोदय	शिशिर	दृढ	उष्ण	कुम्हारों की जगह	उग्र	मध्य
मीन	♓	Pisces	मछली	गुरु	द्विस्वभाव	जल	सम	स्त्री	कफ	ब्राह्मण	उत्तर	दिवा	जलीय	उभयोदय	वसन्त	दृढ	शीत	जल	सौम्य	बहु

राशि	शरीर अंग	पर्यावाची	रंग	गोलार्द्ध	ह्रस्वदीर्घ	ध्वनि	प्रजनन	सजल
मेष	मस्तक	कल्प, अज, विश्व, क्रिय, तुम्बुर, आद्य	लाल	उत्तर	ह्रस्व		बंजर	शुष्क
वृष	मुख	स्व (धन), उक्ष, गौ, ताबुरु, गोकुल	शुक्ल	उत्तर	ह्रस्व			शुष्क
मिथुन	छाती	विक्रम, द्वन्द, नृयुग्म, जुतुम, यम, युग, तृतीय	हरित	उत्तर	ह्रस्व/सम	वाचाल	बंजर	शुष्क
कर्क	हृदय	गृह, कुलीर, कर्काटक, कर्क्कट	श्वेत-लाल मिश्रित	उत्तर	सम/दीर्घ	मूक	उसर	सजल
सिह	पेट	प्रतिभा (बुद्धि), कण्ठीरव, मृगेन्द्र, लेय	धुम्रपाण्डु	उत्तर	दीर्घ		बंजर	शुष्क
कन्या	कटि	क्षत, पाथोन, रमणी, तरुणी	चित्र	उत्तर	दीर्घ		बंजर	शुष्क
तुला	बस्ति	चित्तोत्थ (मदन), तौली, वणिक् जूक, धट	कृष्ण	दक्षिण	दीर्घ	वाचाल		सजल
वृश्चिक	लिङ्ग	रन्ध्र, अलि, अष्टम, कौर्पि, कीट, अस्र, मधुप	सुवर्ण	दक्षिण	दीर्घ	मूक	उसर	सजल
धनु	जांघ	गुरु, धन्वी, चाप, शरासन	पिङ्गल	दक्षिण	दीर्घ/सम			शुष्क
मकर	ठेहुना	मान, मृग, मृगास्य, नक्र, एण	कर्बुर	दक्षिण	सम/ह्रस्व			सजल
कुंभ	फीली	भव, घट, तोयधर	बभ्रु	दक्षिण	ह्रस्व	वाचाल		सजल
मीन	पैर	व्यय, अन्त्य, मत्स्य, पृथुरोग, झष	स्वच्छ	दक्षिण	ह्रस्व	मूक	उसर	सजल


मेष


वृष

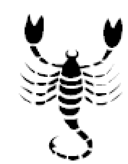

मिथुन

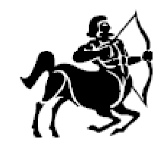

कर्क


सिंह


कन्या


तुला


वृश्चिक


धनु


मकर


कुंभ


मीन

ग्रह प्रकरण

ग्रह	देवता	लिग	पंचतत्व	जाति	राजतंत्र	गुण	कालखण्ड	दिशाबल	दिशास्वामी	बल	वस्त्र	ऋतुएँ	धातु-मूल-जीव	त्रिदोष	प्रतिनिधित्व	रंग	धातुएँ	स्थान	वृक्ष	रस
सूर्य	अग्नि	पुरुष	अग्नि	क्षत्रिय	राजा	सत्वगुण	अयन	दक्षिण	पूर्व	दिन	लाल व रेशमी	ग्रीष्म	मूल	पित्त	आत्मा	लाल मिश्रित सांवला	हड्डी	देवालय	स्थूल	कटु
चन्द्र	जल	स्त्री	जल	वैश्य	राजा	सत्वगुण	वार	उत्तर	वायव्यकोण	रात	सफेद व रेशमी	वर्षा	धातु	वात-कफ	मन	गौरवर्ण	खून	जलस्थान	दुग्धयुक्त	नमकीन
मंगल	कार्तिकेय	पुरुष	अग्नि	क्षत्रिय	सेनापति	तमोगुण	ऋतु	दक्षिण	दक्षिण	रात	साधारण लाल	ग्रीष्म	धातु	पित्त	पराक्रम, सत्व,	लाल रंग	मज्जा	अग्निस्थान	कड़वे	तीखा
बुध	विष्णु	नपुंसक	भूमि	वैश्य	राजकुमार	रजोगुण	पक्ष	पूर्व	उत्तर	सदैव	काला या नीला रेशम	शरद	जीव	वात-पित्त-	वाणी	नीला पन लिए हरा	त्वचा	क्रीड़ास्था	फलरहित	मसालेदार
गुरु	इन्द्र	पुरुष	आकाश	ब्राह्मण	मन्त्री	सत्वगुण	-	पूर्व	ईशान	दिन	पीला	हेमंत	जीव	कफ	ज्ञान व सुख	गौरवर्ण	चर्बी	कोषागार	फलदार	मिश्र
शुक्र	इन्द्राणी	स्त्री	जल	ब्राह्मण	मन्त्री	रजोगुण	-	उत्तर	अग्निकोण	दिन	रेशमी, कोमल	वसंत	मूल	वात-कफ	वीर्यदाता, काम-	चितकबरा	वीर्य	शयनागार	फूलदार	खट्टा मीठा
शनि	ब्रह्मा	नपुंसक	वायु	शूद्र	दास	तमोगुण	-	पश्चिम	पश्चिम	रात	मोटा रेशम या चितकबरा	शिशिर	धातु	कफ-वायु	दुःख	नीला	स्नायु	मैला स्थान	रसहीन	कसैला
राहु	-	-	-	-	-	-	-	-	नैऋत्य	-	रंगीन गुदड़ी	-	धातु	वायु	-	धूम्र	-	-	जहरीले	-
केतु	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	छेदयुक्त	-	जीव	वायु	-	धूम्र	-	-	जहरीले	-

दैनिक मध्यम गति			
ग्रह	एक राशि में		गति
सूर्य	१	मास	00:59:08
चन्द्र	२.२५	दिन	13:10:34
मंगल	१.५	मास	00:31:26
बुध	१	मास	01:05:32
गुरु	१३	मास	00:04:49
शुक्र	१	मास	01:36:07
शनि	३०	मास	00:02:00
राहु	१८	मास	00:03:11
केतु	१८	मास	00:03:11

ग्रह	चिह्न	पर्यायवाची	स्वरूप	वनस्पति	मित्र	सम	शत्रु
सूर्य	☉	हेलि, भानु, भास्कर, आक, आदित्य, मार्तण्ड, पतंग, रवि, अंशुमाली	शहद के समान भूरी आँखो वाला, चौकोर शरीर वाला, पवित्राचरण करने वाला, पित्त प्रधान प्रकृति, बुद्धिमान, पुरुष तथा कम बालों वाला।	स्थूल अर्थात सार युक्त मजबूत इमारती उपयोग वाले वृक्ष।	चन्द्र, मंगल, गुरु	बुध	शुक्र, शनि, राहु, केतु
चन्द्र	☽	शीत-रश्मि, इन्दु	बहुत वात-कफ वाला, बुद्धिमान, चंचल स्वभाव, कामातुर, गोल-मटोल शरीर वाला, शुभ दृष्टि, मधुर वाणी बोलने वाला होता है।	दुग्ध युक्त वृक्ष जैसे नारियल, रबड़, वट आदि।	सूर्य, बुध	मंगल, गुरु, शुक्र, शनि	राहु, केतु
मंगल	♂	आर, वक्रः, क्रूरदृक्, आवनेय, कुज, लोहित, भौम, क्षमातनय	क्रूर स्वभाव वाला, आक्रामक, लाल आँखो वाला, उतावला, उदार स्वभाव या आकार वाला, पित्तप्रकृत्ति, क्रोधी, पतली कमर वाला होतो है।	कड़वे नीम आदि / विशेषतया तीखे जैसे सरसों, मिर्च आदि।	सूर्य, चन्द्र, गुरु, केतु	शुक्र, शनि	बुध, राहु
बुध	☿	इन्दुपुत्र, हेम्ना, वित् (विज्ञ), बोधन, सौम्य, रौहिणेय, आंद्रि,मृगांकतनय, इन्दुज	सुन्दर आकर्षक शरीर वाला, गूढ़ अर्थ से युक्त वाक्य बोलने वाला, हास्य को समझने वाला तथा हास्य प्रिय, वात, पित्त व कफ मिश्रित प्रकृति वाला होता है।	फल रहित लेकिन शुभ वृक्ष जैसे चन्दन	सूर्य, शुक्र	मंगल, गुरु, शनि, राहु	चन्द्र
गुरु	♃	जीव, अङ्गिरा, सुरगुरु, वाचस्पति, इज्य, पूज्य, देव	बड़े लम्बे चौड़े शरीर वाला, सुन्दर आँखो वाला, भूरे बालों वाला, भूरी आँखों वाला, कफ प्रधान प्रकृति, बुद्धिमान व शास्त्रों को जानने वाला होता है।	फलदार वृक्ष	सूर्य, चन्द्र, मंगल	शनि, राहु, केतु	बुध, शुक्र
शुक्र	♀	भृगु, सित, आस्फुजित्, भार्गव, उशना, दैत्येज्य, असुरगुरु	सुन्दर शरीर वाला, सुन्दर आँखो वाला, सुखी, श्रेष्ठ, कवित्व शक्ति युक्त, कफ प्रधान, घुँघराले बालों वाला, वातयुक्त शरीर वाला होता है।	फूलदार वृक्ष	बुध, शनि, राहु, केतु	मंगल, गुरु	सूर्य, चन्द्र
शनि	♄	कोण, मन्द, सूर्यपुत्र, असित	कफ प्रकृति, लम्बा व पतला शरीर, विकृत दृष्टि वाला, वायु प्रधान, मोटे दाँतों वाला, आलसी, शरीर संचालन में विकार युक्त, मोटे रूखे बालों वाला होता है।	सूखे, रसहीन, दूषित व निन्दित, देखने में खराब लगने वाले वृक्ष।	बुध, शुक्र, राहु	गुरु	सूर्य, चन्द्र, मगंल, केतु
राहु	☊	स्वरभानु, तम, अगु, असुर, दैत्य, Dragon Head	धुएँ के समान साँवले शरीर वाला, वनवासी, भयंकर आकार-प्रकार वाला, वायु प्रधान प्रकृति, बुद्धिमान	सूखे, जहरीले, अभक्ष्य, निन्दित फल वाले वृक्ष	शुक्र, शनि, गुरु	बुध, चन्द्र	सूर्य, चन्द्र, मंगल, केतु

विभिन्न भावानुसार ग्रहों के सामान्य फल

भाव			सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
1	तनु	धर्म	शूर, अगद	सरुप अन्ध	क्रूर, व्रणी	विद्वान, सुखी	चिरायु, विद्वान	सकामी, सुखी	निस्वः रोगी	सुकामी, रोगी	गतायु सकाम
2	धनु	अर्थ	वक्ता, रोगी, धनी	कुटुम्बी, धनी	कोपी, कुटिल	धनी गुणी	सुवाक धनी	धनी, सुवाक्य	वक्ता, रोगी धनी	अधर्मी विरोधी	खल धनहानि
3	पराक्रम	काम	सुखी, विक्रमी	हिंस्र, सात्विक	विक्रमी सुधी	दुर्ज्जन, अरिमर्दन	कृपण, पापी	पापी कृपण	मति विक्रमवान	सुधी विक्रमी	शूर पराक्रमी
4	सुख	मोक्ष	असुखी, सोद्वीग्र	ससुखी, सुशील	विसुख, पीडित	पंडित, सुखी	सुखी धनी	सुखी कुधी	विसुख दुखी	असुखी मातृहा	मातृहा दुखी
5	सुत	धर्म	निस्व, असुत	धनी, पुत्रवान्	असुत, दरिद्र	मन्त्री असुत	श्रीमान् प्रतापी	सुखी श्रीमान	दरिद्री विपुत्र	कुमति, दुर्भग	असुत मूर्ख
6	रिपु	अर्थ	बलवान, शत्रुजित	अल्पायु, बहुशत्रु	अतिजित, सुखी	अशत्रु विशील	अशत्रुः कामी	रोगी अशत्रुः	शत्रुजित सखी	सबल श्रीयुत	धनी सवीर्य
7	दारा	काम	स्त्रीजित, खल	ईर्ष्यस्त्रीप्रमद	दारजित रणरुचि	धर्म सुकीर्त्ति	पितृतो अधिकः	कलह प्रिय	स्त्रीजित दुखी	सप्रमेह अशुचिज्ञ	प्रमेहरोगी दारहा
8	रिष्फ	मोक्ष	नेत्ररोगी, अल्पायु	व्याध्यार्दितस्सुधी	अल्पपुत्र रोगी	सदगुणी धनी	नीच अनायुः	नीच दीर्घायु	नेत्ररोगी अल्पपुत्र	रोगी गतायु	क्लेशयुक्त व्रणी
9	भाग्य	धर्म	सुतार्थ, सुखभाक्	सौभाग्य धनी	पापरत, दुमनारथ	पुत्रार्थ, सुखभाक्	तपस्वी पुत्रावान्	प्रतापी तपस्वी	सुतार्थ सुखभाक्	विकल द्वैन्ययुक्त	पापी दर्भग
10	कर्म	अर्थ	सुखशौर्यभाक्	धर्मार्थ, शौर्ययुत	सुखशौर्यवान्	सुखी, पराक्रमी	सधन, सुकृत	सुधनी मानवान	सुखी पराक्रमी	मानी सुखी	श्रेष्ठ पितृहानि
11	आय	काम	बहुधनवान	ख्यात सलाभ	बहुधनी सुखी	यशस्वी, धनी	सलाभ, पुत्राप्ति	सुमति सलाभ	प्रभूत धनवान	अधी अपुत्र ख्यात	सधन
12	व्यय	मोक्ष	व्यंग, पतित	अंगहीन	जातिभ्रष्ट, दारहा	अज्ञ, पतित	खल दरिद्र	खल बन्धुनाश	दुखी पतित	कष्ट पतित	दुर्ज्जन पतित

विशोत्तरी महादशा/अंतर्दशा बोध चक्र

सूर्य (६ वर्ष)				चन्द्र (१० वर्ष)				मंगल (७ वर्ष)				राहु (१८ वर्ष)				गुरु (१६ वर्ष)				शनि (१९ वर्ष)				बुध (१७ वर्ष)				केतु (७ वर्ष)				शुक्र (२० वर्ष)			
अं	व	मा	दि	अं	व	मा	दि	अं	व	मा	दि	अं	व	मा	दि	अं	व	मा	दि	अं	व	मा	दि	अं	व	मा	दि	अं	व	मा	दि	अं	व	मा	दि
सू	०	३	१८	चं	०	१०	०	मं	०	४	२७	रा	२	८	१२	गु	२	१	१८	श	३	०	३	बु	२	४	२७	के	०	४	२७	शु	३	४	४
चं	०	६	०	मं	०	७	०	रा	१	०	१८	गु	२	४	२४	श	२	६	१२	बु	२	८	९	के	०	११	२७	शु	१	२	०	सू	१	०	०
मं	०	४	६	रा	१	६	०	गु	०	११	६	श	२	१०	६	बु	२	३	६	के	१	१	९	शु	२	१०	०	सू	०	४	६	चं	१	८	८
रा	०	१०	२४	गु	१	४	०	श	१	१	९	बु	२	६	१८	के	०	११	६	शु	३	२	०	सू	०	१०	६	चं	०	७	०	मं	१	२	२
गु	०	९	१८	श	१	७	०	बु	०	११	२७	के	१	०	१८	शु	२	८	०	सू	०	११	१२	चं	१	५	०	मं	०	४	२७	रा	३	०	०
श	०	११	१२	बु	१	५	०	के	०	४	२७	शु	३	०	०	सू	०	९	१८	चं	१	७	०	मं	०	११	२७	रा	१	०	१८	गु	२	८	८
बु	०	१०	६	के	०	७	०	शु	१	२	०	सू	०	१०	२४	चं	१	४	०	मं	१	१	९	रा	२	६	१८	गु	०	११	६	श	३	२	२
के	०	४	६	शु	१	८	०	सू	०	४	६	चं	१	६	०	मं	०	११	६	रा	२	१०	६	गु	२	३	६	श	१	१	९	बु	२	१०	१०
शु	१	०	०	सू	०	६	०	चं	०	७	०	मं	१	०	१८	रा	२	४	२४	गु	२	६	१२	श	२	८	९	बु	०	११	२७	के	१	२	२

वर्ग कुण्डली निर्माण चक्र

होरा चक्र	मे	वृ	मि	क	सि	कं	तु	व	ध	म	कु	मी
१५°	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४
३०°	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५	४	५

द्रेष्काण	स्वामी	मे	वृ	मि	क	सि	कं	तु	व	ध	म	कु	मी
१०°	नारद	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
२०°	अगस्त्य	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४
३०°	दुर्वासा	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८

चतुर्थांश	स्वामी	मे	वृ	मि	क	सि	कं	तु	व	ध	म	कु	मी
७°३०'	सनक	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
१५°	सनन्द	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३
२२°३०'	कुमार	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६
३०°	सनातन	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९

सप्तमांश	विषम राशियाँ							सम राशियाँ						
	स्वामी	मे	मि	सि	तु	ध	कु	स्वामी	वृ	क	कं	व	म	मी
४°१७'८"	क्षार	१	३	५	७	९	११	शुद्ध जल	८	१०	१२	२	४	६
८°३४'१७"	क्षीर	२	४	६	८	१०	१२	मद्य	९	११	१	३	५	७
१२°५१'२५"	दधि	३	५	७	९	११	१	इक्षुरस	१०	१२	२	४	६	८
१७°८'३४"	घृत	४	६	८	१०	१२	२	घृत	११	१	३	५	७	९
२१°२५'४३"	इक्षुरस	५	७	९	११	१	३	दधि	१२	२	४	६	८	१०
२५°४२'५१"	मद्य	६	८	१०	१२	२	४	क्षीर	१	३	५	७	९	११
३०°००'००"	शुद्ध जल	७	९	११	१	३	५	क्षार	२	४	६	८	१०	१२

दशमांश	विषम राशियाँ							सम राशियाँ						
	स्वामी	मे	मि	सि	तु	ध	कु	स्वामी	वृ	क	कं	व	म	मी
३°	इन्द्र	१	३	५	७	९	११	अनन्त	१०	१२	२	४	६	८
६°	अग्नि	२	४	६	८	१०	१२	ब्रह्मा	११	१	३	५	७	९
९°	यम	३	५	७	९	११	१	ईशान	१२	२	४	६	८	१०
१२°	राक्षस	४	६	८	१०	१२	२	कुबेर	१	३	५	७	९	११
१५°	वरुण	५	७	९	११	१	३	वायु	२	४	६	८	१०	१२
१८°	वायु	६	८	१०	१२	२	४	वरुण	३	५	७	९	११	१
२१°	कुबेर	७	९	११	१	३	५	राक्षस	४	६	८	१०	१२	२
२४°	ईशान	८	१०	१२	२	४	६	यम	५	७	९	११	१	३
२७°	ब्रह्मा	९	११	१	३	५	७	अग्नि	६	८	१०	१२	२	४
३०°	अनन्त	१०	१२	२	४	६	८	इन्द्र	७	९	११	१	३	५

नवमांश	मे	वृ	मि	क	सि	कं	तु	व	ध	म	कु	मी
4°20'	1	10	7	4	1	10	7	4	1	10	7	4
	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस
6°40'	2	11	8	5	2	11	8	5	2	11	8	5
	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव
10°00'	3	12	9	6	3	12	9	6	3	12	9	6
	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य
13°20'	4	1	10	7	4	1	10	7	4	1	10	7
	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस
16°40'	5	2	11	8	5	2	11	8	5	2	11	8
	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव
20°00'	6	3	12	9	6	3	12	9	6	3	12	9
	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य
23°20'	7	4	1	10	7	4	1	10	7	4	1	10
	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस
26°40'	8	5	2	11	8	5	2	11	8	5	2	11
	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव
30°00'	9	6	3	12	9	6	3	12	9	6	3	12
	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य	राक्षस	देव	मनुष्य

द्वादशांश	मे	वृ	मि	क	सि	कं	तु	व	ध	म	कु	मी
०२°३०'००"	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
०५°००'००"	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१
०७°३०'००"	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२
१०°००'००"	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३
१२°३०'००"	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४
१५°००'००"	६	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५
१७°३०'००"	७	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६
२०°००'००"	८	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७
२२°३०'००"	९	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८
२५°००'००"	१०	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९
२७°३०'००"	११	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
३०°००'००"	१२	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११

षोडशांश	स्वामी	मेष, कर्क, तुला, मकर	वृष, सिह, वृश्चिक, कुम्भ	मिथुन, कन्या, धनु, मीन	सम स्वामी
०१°५२'३०"	ब्रह्मा	१	५	९	सूर्य
०३°४५'००"	विष्णु	२	६	१०	महेश
०५°३७'३०"	महेश	३	७	११	विष्णु
०७°३०'००"	सूर्य	४	८	१२	ब्रह्मा
०९°२२'३०"	ब्रह्मा	५	९	१	सूर्य
११°१५'००"	विष्णु	६	१०	२	महेश
१३°०७'३०"	महेश	७	११	३	विष्णु
१५°००'००"	सूर्य	८	१२	४	ब्रह्मा
१६°५२'३०"	ब्रह्मा	९	१	५	सूर्य
१८°४५'००"	विष्णु	१०	२	६	महेश
२०°३७'३०"	महेश	११	३	७	विष्णु
२२°३०'००"	सूर्य	१२	४	८	ब्रह्मा
२४°२२'३०"	ब्रह्मा	१	५	९	सूर्य
२६°१५'००"	विष्णु	२	६	१०	महेश
२८°०७'३०"	महेश	३	७	११	विष्णु
३०°००'००"	सूर्य	४	८	१२	ब्रह्मा

कुल वर्गों में शुभ	षड्वर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडषवर्ग
२	किंशुक	किंशुक	पारिजात	भेदक
३	व्यंजन	व्यंजन	उत्तम	कुसुम
४	चामर	चामर	गोपुर	नागपुष्प
५	छत्र	छत्र	सिहासन	कन्दुक
६	कुण्डल	कुण्डल	पारावत	केरल
७	-	मुकुट	देवलोक	कल्पवृक्ष
८	-	-	ब्रह्मलोक	चन्दनवन
९	-	-	शुक्रवाहन	पूर्णचन्द्र
१०	-	-	श्रीधाम	उच्चैश्रवा
११	-	-	-	धन्वन्तरि
१२	-	-	-	सूर्यकान्त
१३	-	-	-	विद्रुम
१४	-	-	-	इन्द्रासन
१५	-	-	-	गोलोक
१६	-	-	-	श्रीवल्लभ

गोचर प्रकरण

ग्रह										
सूर्य	शुभ	3	6	10	11					
	वेध	9	12	4	5					
चन्द्र	शुभ	1	3	6	7	10	11			
	वेध	5	9	12	2	4	8			
मंगल	शुभ	3	6	11						
	वेध	12	9	5						
बुध	शुभ	2	4	6	8	10	11			
	वेध	5	3	9	1	8	12			
गुरु	शुभ	2	5	7	9	11				
	वेध	12	4	3	10	8				
शुक्र	शुभ	1	2	3	4	5	8	9	11	12
	वेध	8	7	1	10	9	5	11	3	6
शनि	शुभ	3	6	11						
	वेध	12	9	5						
राहु	शुभ	3	6	10	11					
	वेध	9	12	4	5					
केतु	शुभ	3	6	10	11					
	वेध	9	12	4	5					

भाव	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
1	स्थान नाश	पुष्टि धनलाभ	शत्रु भय, पीड़ा	बन्धन, अनर्थ	अरिष्ट भय	सुख शत्रुनाश	सर्वनाश पीड़ाभय	हानि कष्ट	हानि रोगभय
2	हानि भय	लाभ सुख	धननाश	यश, धनलाभ	धन लाभ	सुख अर्थलाभ	शोक धनहानि	वियोग	वैर वित्तनाश
3	सुख श्रीप्राप्ति	द्रव्याप्ति सुख	सुख श्रीप्राप्ति	शत्रुभय	भय रोगाप्ति	सुख अर्थलाभ	सुख अर्थलाभ	स्वास्थ्य धन लाभ	सुख लाभवृद्धि
4	रोगभय मान नाश	रोग अर्थनाश	कष्ट शत्रु भय	धनसुखादिप्राप्ति	धनहानि व्यय	धनागम	पीड़ाभय शत्रुवृद्धि	मान का क्षय	भय पीड़ा
5	दीनता अर्थनाश	सुख एवं कार्यनाश	रोग भय धन नाश	कलह, शोक	लाभ सुख	लाभ पुत्रप्राप्ति	धन पुत्र नाश	हानि शोक	शोक अर्थनाश
6	शत्रुनाश सुख	वित्तलाभ	सुख अर्थ लाभ	विजय	रोग शोक	शत्रुवृद्धि पीड़ा	सुख वित्तलाभ	सुख लक्ष्मी प्राप्ति	सुख वित्त लाभ
7	गमन हानि	द्रव्याप्ति सुख	कार्य धननाश	पीड़ा भय विग्रह	सम्मान सुख	शोक अतिभय	दोष पीड़ा भय	हानि कलह	दुर्गति पीड़ा
8	रोग भय	क्लेश भय मृत्यु	भय पाप-बुद्धिः	धनान्नादि लाभ	मृत्युभय पीड़ा	विपत्ति धनक्षय	पीड़ा भय शत्रुवृद्धि	रोगभय	पीड़ा भय हानि
9	कान्तिक्षय पापबुद्धि	मान सरकार से भय	रोग भय	रोग भय धननाश	सुख सम्मान	सुख लाभ	पाप धननाश	पापकर्म मोह	पाप दीनता
10	सुख कर्मसिद्धि	शुभ, सुख, कर्मनाश	सुख	सुख सुभोग	अतिदीनता	धर्मनाश दुख	वैमनस्य	शत्रु से दुख	भय शोक
11	धन प्राप्ति सुख	विविध अर्थलाभ	लाभ सुख	शुभ अर्थ लाभ	सुख धन प्राप्ति	दुख धनागमन	सुख वित्तलाभ	सुख वित्त प्राप्ति	सुयश अर्थलाभ
12	द्रव्यनाश पीड़ा भय	रोग धन नाश	रोग शोक	शोक धननाश	देह पीड़ा भय	धनागम	क्लेश अनर्थ	हानि पीड़ा	पीड़ा वैर

वेध विचार - गोचर फल विचार में वेध विचार अनिवार्य होता है। वेध का अर्थ है संग करना या पास आना। जब जन्म राशि से गोचर में ग्रह शुभ भाव में स्थित हो और उसके वेध भाव में गोचर वश कोई ग्रह हो तो उसके शुभ फल में कमी आ जाती है। इस प्रकार के वेध को अशुभ वेध कहते हैं। सूर्य-शनि और चन्द्र-बुध एक दूसरे का वेध नहीं करते है।

विपरीत वेध - जब जन्म राशि में गोचरवश ग्रह अशुभ भाव में स्थित हो और यह अशुभ स्थान किसी शुभ स्थान का वेध स्थान भी हो तथा इस शुभ स्थान में कोई ग्रह हो तो गोचरीय अशुभ फल स्थगित होते हैं। इसे विपरीत वेध कहते हैं।

ग्रह शान्ति के उपाय

ग्रह	मंत्र	जप संख्या	जप काल	एकाक्षरी बीज मंत्र	पाठ	व्रत	पूजन	दान वस्तु	जड़ी	हवन समिधा	रुद्राक्ष मुखी
सूर्य	ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सूर्याय नमः।	7,000	सूर्योदय काल	ॐ धृणिः सूर्याय नमः॥	आदित्यहृदय या गायत्री मंत्र	रविवार	शिव पूजन, रुद्राभिषेक	माणिक, सोना, तांबा, गेहूँ, गुड़, घी, लाल कपड़ा, लाल फूल, केशर, मूंगा, लाल गाय, लाल चन्दन	बिल्वमूल	आक	1 या 12
चन्द्र	ॐ श्रां श्रीं श्रौं चन्द्रमसे नमः।	11,000	सायं संध्या	ॐ सों सोमाय नमः॥	अन्नपूर्णा स्तोत्र	सोमवार	पार्वती पूजन	मोती, सोना-चाँदी, चावल, मिश्री, दही, सफेद कपड़ा, सफेद फूल, शंख, कपूर, सफेद बैल, सफेद चन्दन	खिरनी	पलाश	2
मंगल	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः।	10,000	सूर्योदय से 48 मि. तक	ॐ अं अंगारकाय नमः॥	कार्तिकेय या शिव स्तोत्र	मंगलवार	कार्तिकेय या शिव पूजन, रुद्राभिषेक	मूंगा, सोना, तांवा, मसूर, गुड़, घी, लाल कपड़ा, लाल कनेर का फूल, केशर, कस्तूरी, लाल बैल, लाल चन्दन	अनन्त	खैर	3
बुध	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।	9,000	सूर्योदय से 2 घण्टे तक	ॐ बुं बुधाय नमः॥	विष्णुसहस्त्रनाम	बुधवार	विष्णु पूजन	पन्ना, सोना, कांसी, मूंग, खाड़, घी, हरा कपड़ा, सभी फूल, हाथी दांत, कपूर, शस्त्र, फल	विधारा	अपामार्ग	10
गुरु	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरूवे नमः।	19,000	सायं संध्या काल में	ॐ बृं बृहस्पतये नमः॥	श्रीरूद्र पाठ	गुरुवार	शिव पूजन, रुद्राभिषेक	पुखराज, सोना, कांसा, चने की दाल, खाड़, घी, पीला कपड़ा, पीला फूल, हल्दी, पुस्तक, घोड़ा, पीला फल	भारंगी या केला	पीपल	5
शुक्र	ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।	16,000	अरुणोदय काल में	ॐ शुं शुक्राय नमः॥	श्रीसूक्त पाठ, देवी वन्दना	शुक्रवार	दुर्गा पूजन	हीरा, सोना, चांदी, चावल, मिश्री, दूध, सफेद वस्त्र, सफेद फूल, सुगन्ध, दही, सफेद घोड़ा, सफेद चन्दन,	सिहपुच्छ, अरण्ड	गूलर	6
शनि	ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः।	23,000	सायं संध्या काल में	ॐ शं शनैश्चराय नमः॥	हनुमान चालीसा या स्तोत्र	शनिवार	हनुमान या शिव पूजन	नीलम, सोना, लोहा, उड़द, कुलथी, तेल, काला कपड़ा, काला फूल, कस्तूरी, काली गौ, भैंस, खड़ाऊ	हत्था जोड़ी	शमी	14
राहु	ॐ भ्रां भ्रीं भ्रौं सः राहवे नमः।	18,000	रात्रि काल में	ॐ रां राहवे नमः॥	कालभैरव अष्टक	राशि स्वामी जैसा	भैरव, शिव, चण्डी पूजन	गोमेद, सीसा, सोना, तिल, सरसों, तेल, नीला कपड़ा, काला फूल, तलवार, कम्बल, घोड़ा, सूप	श्वेत चन्दन	दूर्वा	8
केतु	ॐ स्रां स्रीं स्रौं सः केतवे नमः।	10,000	रात्रि काल में	ॐ कें केतवे नमः॥	गणेश के द्वादश नाम स्तोत्र		गणेश पूजन	लहसुनिया, सोना, लोहा, तिल, सप्त, धान्य, तेल, धूमिल कपड़ा, धूमिल फूल, नारियल, कम्बल, बकरा, शस्त्र	अश्वगंधा	कुशा	9

नवग्रहपीडा हर स्तोत्र

ग्रहाणामादिरादित्यो लोकरक्षणकारकः। विषमस्थानसम्भूतां पीडां हरतु मे रविः ॥१॥

रोहिणीशः सुधामूर्तिः सुधागात्रः सुधाशनः। विषमस्थानसम्भूतां पीडां हरतु मे विधुः ॥२॥

भूमिपुत्रो महातेजा जगतां भयकृत् सदा। वृष्टिकृद् वृष्टिहर्ता च पीडां हरतु मे कुजः ॥३॥

उत्पातरूपो जगतां चन्द्रपुत्रो महाद्युतिः। सूर्यप्रियकरो विद्वान् पीडां हरतु मे बुधः ॥४॥

देवमन्त्री विशालाक्षः सदा लोकहिते रतः। अनेकशिष्यसम्पूर्णः पीडां हरतु मे गुरुः ॥५॥

दैत्यमन्त्री गुरुस्तेषां प्राणदश्च महामतिः। प्रभुः ताराग्रहाणां च पीडां हरतु मे भृगुः ॥६॥

सूर्यपुत्रो दीर्घदेहा विशालाक्षः शिवप्रियः। मन्दचारः प्रसन्नात्मा पीडां हरतु मे शनिः ॥७॥

अनेकरूपवर्णैश्च शतशोऽथ सहस्रदृक्। उत्पातरूपो जगतां पीडां हरतु मे तमः ॥८॥

महाशिरा महावक्त्रो दीर्घदंष्ट्रो महाबलः। अतनुश्चोर्ध्वकेशश्च पीडां हतु मे शिखी ॥९॥

ग्रहों में प्रथम परिगणित, अदितिके पुत्र तथा विश्वकी रक्षा करनेवाले भगवान सूर्य विषम स्थान जनित मेरी पीड़ा का हरणकरें ॥१॥ दक्षकन्या नक्षत्ररूपा देवी रोहिणी के स्वामी, अमृतमय स्वरूपवाले, अमृतरूपी शरीरवाले तथा अमृत का पान करानेवाले चन्द्रदेव विषम स्थानजनित मेरी पीड़ा को दूर करें ॥२॥ भूमि के पुत्र महान तेजस्वी, जगत् को भय प्रदान करने वाले, वृष्टि करने वाले तथा वृष्टि हरण करने वाले मंगल (ग्रहजन्य) मेरी पीड़ा का हरण करें ॥३॥ जगत में उत्पात करने वाले महान द्युति से सम्पन्न, सूर्य का प्रिय करनेवाले, विद्वान् तथा चन्द्रमाके पुत्र बुध मेरी पीड़ा का निवारण करें ॥४॥ सर्वदा लोककल्याण में निरत रहनेवाले, देवताओं के मंत्री, विशाल नेत्रोंवाले तथा अनेक शिष्यों से युक्त बृहस्पति मेरी पीड़ा को दूर करें ॥५॥ दैत्यों के मंत्री और गुरु तथा उन्हें जीवनदान देनेवाले, ताराग्रहों के स्वामी, महान बुद्धि सम्पन्न शुक्र मेरी पीड़ा को दूर करें ॥६॥ सूर्य के पुत्र, दीर्घ देहवाले, विशाल नेत्रोंवाले, मन्दगति से चलनेवाले, भगवान शिव के प्रिय तथा प्रसन्नात्मा शनि मेरी पीड़ा को दूर करें ॥७॥ विविधरूप तथा वर्णवाले, सैकड़ों तथा हजारों आँखोवाले, जगत् के लिए उत्पातस्वरूफ, तमोमय राहु मेरी पीड़ाका हरण करे ॥८॥ महान् सिरा (नाड़ी) - से सम्पन्न, विशाल मुखवाले, बड़े दातोंवाले, महान् बली, बिना शरीरवाले तथा उपर की ओर केशवाले शिखास्वरूप केतु मेरी पीड़ा का हरण करें ॥९॥

नवग्रहों की समिधाएँ

अर्कः पलाशखदिरावपामार्गोऽथ पिप्पलः। औदुम्बरः शमी दूर्वा कुशाश्च समिधः क्रमात् ॥

(मत्स्यपुराण)

मदार, पलाश, खैर, चिचिड़ा, पीपल, गूलर, शमी, दूब और कुश - ये क्रमशः सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु तथा केतु ग्रहों की समिधाएँ हैं।

ग्रहों के देवता

वह्न्यमुभशिखिजा विष्णुविडौजःशचिका द्विजः। सूर्यादीनां खगानां च दैव ज्ञेयाः क्रमेण च ॥बृ.प.हो.॥

अग्नि, जल, कार्तिकेय, विष्णु, इन्द्र, इन्द्राणी तथा ब्रह्मा ये सात क्रमशः सूर्यादि सात ग्रहों के देवता हैं।

नवग्रह कवच

यह 'यामलतन्त्र' का एक नवग्रह-कवच है। इसके श्रद्धापूर्वक पाठ करने तथा भुजा में धारण करने से लाभ होता है।

ॐ शिरो मे पातु मार्तण्डः कपालं रोहिणीपतिः। मुखमङ्गारकः पातु कण्ठं च शशिनन्दनः॥

बुद्धिं जीवः सदा पातु हृदयं भृगुनन्दनः। जठरं च शनिः पातु जिह्वां मे दितिनन्दनः॥

पादौ केतुः सदा पातु वाराः सर्वाङ्गमेव च। तिथयोऽष्टौ दिशः पान्तु नक्षत्राणि वपुः सदा॥

अंसौ राशिः सदा पातु योगश्च स्थैर्यमेव च। सुचिरायुः सुखी पुत्री युद्धे च विजयी भवेत्॥

रोगात्प्रमुच्यते रोगी बन्धो मुच्येत बन्धनात्। श्रियं च लभते नित्यं रिष्टिस्तस्य न जायते॥

यः करे धारयेन्नित्यं तस्य रिष्टिर्न जायते॥ पठनात् कवचस्यास्य सर्वपापात् प्रमुच्यते॥

मृतवत्सा च या नारी काकबन्ध्या च या भवेत्॥ जीववत्सा पुत्रवती भवत्येव न संशयः॥

एतां रक्षां पठेद् यस्तु अङ्गं स्पृष्ट्वापि वा पठेत्॥

दशरथकृत शनि स्तोत्र

नमः कृष्णाय नीलाय शितिकण्ठनिभाय च।नमः कालाग्निरूपाय कृतान्ताय च वै नमः ॥१॥
नमो निर्मांस देहाय दीर्घश्मश्रुजटाय च। नमो विशालनेत्राय शुष्कोदर भयाकृते ॥२॥
नमः पुष्कलगात्राय स्थूलरोम्णेऽथ वै नमः। नमो दीर्घायशुष्काय कालदष्ट्र नमोऽस्तुते ॥३॥
नमस्ते कोटराक्षाय दुर्निरीक्ष्याय वै नमः। नमो घोराय रौद्राय भीषणाय कपालिने ॥४॥
नमस्ते सर्वभक्षाय वलीमुखायनमोऽस्तुते। सूर्यपुत्र नमस्तेऽस्तु भास्करे भयदाय च ॥५॥
अधोदृष्टेः नमस्तेऽस्तुसंवर्तक नमोऽस्तुते। नमो मन्दगते तुभ्यं निस्त्रिंशाय नमोऽस्तुते ॥६॥
तपसा दग्धदेहाय नित्यं योगरताय च। नमो नित्यं क्षुधार्ताय अतृप्ताय च वै नमः ॥७॥
ज्ञानचक्षुर्नमस्तेऽस्तु कश्यपात्मजसूनवे। तुष्टो ददासि वै राज्यं रुष्टो हरसि तत्क्षणात् ॥८॥
देवासुरमनुष्याश्च सिद्धविद्याधरोरगाः। त्वया विलोकिताः सर्वे नाशं यान्ति समूलतः ॥९॥

प्रसाद कुरु मे देव वाराहोऽहमुपागतः। एवं स्तुतस्तदा सौरिर्ग्रहराजो महाबलः ॥१०॥

विभिन्न मनोकामनाओं के लिए देवता उपासना

क्रम	कामना	पूज्य देवता की उपासना करें
1	ब्रह्मतेज का इच्छुक	बृहस्पति
2	इन्द्रियो की विशेषशक्ति की कामना	इन्द्र
3	सन्तान की लालसा	प्रजापतियों की
4	लक्ष्मी	मायादेवी
5	तेज की चाहत	अग्नि
6	धन की चाहत	वसुओं की
7	जिस प्रभावशाली पुरुष को वीरता की चाह हो	रुद्रों की
8	बहुत अन्न प्राप्त करने की इच्छा हो	अदिति
9	स्वर्ग की कामना	अदिति के पुत्र देवताओं की
10	राज्य की अभिलाषा	विश्वेदों की
11	जो प्रजा को अपने अनुकूल बनाने केलिए	साध्य देवताओं की आराधना
12	आयु की इच्छा	अश्विनीकुमारों की
13	पुष्टि की इच्छा	पृथ्वी
14	सौन्दर्य की चाह	गन्धर्वों की
15	पत्नी की प्राप्ति के लिए	उर्वशी अप्सरा की
16	सब का स्वामी बनने के लिए	ब्रह्मा की आराधना
17	यश की इच्छा	यज्ञपुरुषकी
18	खजाने की लालसा हो	वरुण की
19	विद्या प्राप्त करने की आकाङ्क्षा	शंकर की
20	पति-पत्नी में परस्पर प्रेम बनाये रखने के लिए	पार्वती जी की
21	धर्म-उपार्जन करने के लिए	विष्णु भगवान् की
22	वंश परम्परा की रक्षा के लिए	पितरों की
23	बाधाओं से बचने के लिए	यक्षों की
24	बलवान् होने के लिए	मरुद्गणों की
25	राज्य के लिए	मन्वन्तरों के अधिपति देवों की
26	भोगों के लिए	चन्द्रमा
27	निष्कामता प्राप्त करने के लिए	परम पुरुष नारायण को भजें

शुभाशुभ मुहूर्त्त विवरण

कार्यों की सफलता के लिए मुहूर्त्त का विचार किया जाता है। मुहूर्त्त विचार में अयन, तिथि, नक्षत्र, करण, वार, योग, प्राकृतिक घटनाएँ, गोचर कुण्डली, ग्रहों के उदयास्त आदि का विचार किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार सभी शुभ कार्य इन कालों में वर्जित किए जाते हैं -
अपना जन्म नक्षत्र, जन्म का चैत्रादि मास, जन्म तिथि, व्यतिपात, वैधृति योग, भद्रा करण, क्षय/वृद्धि/अमावस्या तिथि, माता-पिता की मृत्यु तिथि, क्षय/अधिक मास, कुलिक, अर्धप्रहर, गुरु-शुक्र का बाल्यावस्था/वृद्धावस्था।

गुरु-शुक्रास्तादि में वर्जित

सभी शुभ कार्यों में वर्जित हैं। मासिक, दैनिक नियम जो पहले से चले आ रहे हों या निर्दिष्ट समय पर किए जाने वाले कार्य जैसे संस्कारादि, गया श्राद्ध, गोदावरी तीर्थ आदि इस दौरान किए जा सकते हैं।

गुर्वादित्य दोष

सिह और मकर गत गुरु में सभी शुभ कार्य वर्जित हैं। सूर्य व गुरु जब तक एक राशि में रहें, तब गुर्वादित्य दोष काल में भी शुभ कार्य वर्जित है।
गुर्वादित्य दोष तब भी बनता है जब गुरु सिह राशि में हो या सूर्य धनु/मीन राशि में हो या सूर्य-गुरु एक ही राशि में हों।
परिहार- सिह राशि में गुरु जब तक सिह नवांश में हो तभी उक्त सिह-गुरु निषेध मानना चाहिए।
सिह-गुरु दोष केवल गंगा से गोदावरी के मध्य क्षेत्र में माना जाता है। अन्यत्र नहीं।
सिह राशिगत बृहस्पति में जब सूर्य मेष राशि में रहे, उस सौर मेषमास में भी सिह गुरु दोष नहीं होता है।

विश्वघस्र पक्ष - 13 दिनो वाले पक्ष को विश्वघस्र पक्ष कहा जाता है। इसमें भी सभी कार्य वर्जित हैं।

नक्षत्र वर्गिकरण -

ध्रुव नक्षत्र - तीनो उत्तरा और रोहिणी।
चर नक्षत्र - स्वाती, पुनर्वसु, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा।
उग्र - तीनों पूर्वा, भरणी, मघा।
मिश्रित - विशाखा, कृत्तिका।
क्षिप्र या लघु - हस्त, अश्विनी, पुष्य, अभिजित।
मृदु - मृगशिरा, रेवती, चित्रा, अनुराधा।
तीक्ष्ण - मूल, ज्येष्ठा, आर्द्रा, आश्लेषा
अधोमुख - मूल, आश्लेषा, मिश्र, उग्र
उर्ध्वमुख - आर्द्रा, पुष्य, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा
तिर्यङ मुख - मृदु, हस्त, स्वाती, पुनर्वसु, ज्येष्ठा, अश्विनी

विशेष कार्यो के मुहूर्त्त

कुछ महत्वपूर्ण कार्यों के मुहूर्त्त निर्णय में सहायक नियम आगे दिए जा रहे हैं। इनमें ऊपर दिए नियम का भी साथ में विचार करना चाहिए। शुद्ध लग्न व पंचांग समय का भी विचार आवश्यक होता है। इसके लिए दैनिक पंचांग देखें।

गृहारम्भ मुहूर्त्त

शुभ मास - वैशाख, श्रावण, मार्गशीर्ष (अगहन), पौष, फाल्गुन या मेष, कर्क, सिह, वृश्चिक, मकर, कुम्भ राशियोका सूर्य होना। शुक्र, गुरु का उदय होना। 8, 9, 11 भावों में शुभ ग्रह होना। पंचक न हो, तब घर बनाने की नीव डालनी चाहिए।
शुभ तिथियाँ - 1, 2, 3, 5, 7, 10, 11, 12, 13, 15 भद्रा न होने पर।
शुभ वार - सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार
शुभ नक्षत्र - रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, उत्तराषाढ़, धनिष्ठा, शतभिषा, उ.भा., रेवती।

नूतन गृह प्रवेश

शुभ मास - वैशाख, ज्येष्ठ, माघ, फाल्गुन
शुभ तिथियाँ - 1, 2, 3, 5, 6, 7, 8, 10, 11, 12, 13
शुभ नक्षत्र - रोहिणी, मृगशिरा, उत्तरफाल्गुन, चित्रा, अनुराधा, उत्तराषाढ़ा, उत्तरभाद्रपद, रेवती
शुभ वार - सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार
शुभ लग्न - 1, 2, 3, 5, 7, 9, 10, 11 इन स्थानों में शुभग्रह हो।

जीर्णादि गृह प्रवेश

शुभ मास – मार्गशीर्ष, कार्तिक, श्रावण
शुभ तिथियाँ - 1, 2, 3, 5, 6, 7, 8, 10, 11, 12, 13
शुभ नक्षत्र – शतभिषा, पुष्य, धनिष्ठा
शुभ वार - सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार
शुभ लग्न - 1, 2, 3, 5, 7, 9, 10, 11 इन स्थानों में शुभग्रह हो।

गृहप्रवेश में कलश चक्र

सूर्य के नक्षत्र से गृह-प्रवेश के दिन नक्षत्र (चन्द्र नक्षत्र) तक गिन कर फल देखें। सूर्य के नक्षत्र को घट के मुख में रख अन्य नक्षत्रों को क्रमवार चित्र में दी गई संख्या के अनुसार स्थापित करें। शुभाशुभ जानने के लिए सूर्य नक्षत्र से -



पहले नक्षत्र में गृह प्रवेश हो तो अग्निदाह करता है।
2,3,4,5 नक्षत्र में प्रवेश हो तो घर में लोग नहीं रह पाते हैं।
6,7,8,9 नक्षत्र में प्रवेश हो तो लाभदायक होता है।
10,11,12,13 नक्षत्र में प्रवेश हो तो श्रीवृद्धि होती है।
14,15,16,17 नक्षत्र में प्रवेश हो तो घर मे कलह होते हैं।
18,19,20,21 नक्षत्र में प्रवेश हो तो सन्तति हानि होती है।
22,23,24 नक्षत्र में प्रवेश हो तो स्थिरता रहती है।
25,26,27 नक्षत्र में प्रवेश हो तो शुभ होता है।

नूतन वधु प्रवेश मुहूर्त्त

शुभ विवाह के दिन से 16 दिन के भीतर 2, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 12, 14 दिनों में। यदि इनमें न हो सके तो विषम मास या विषम वर्ष में होता है। 5 वर्ष तक के लिए यहि नियम है।
शुभ नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, उत्तराफाल्गुन, हस्त, चित्रा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़, अभिजित, श्रवण, धनिष्ठा, उत्तराभाद्रपद, रेवती, मघा, स्वाति।
शुभ लग्न - 1, 2, 7, 9, 11 लग्नों में शुभ ग्रह हों। 3, 6, 11 में अशुभ ग्रह हों तो श्रेष्ठ है। 4, 8 में शुभ अशुभ दोनों ग्रह अनिष्ट हैं।

द्विरागमन मुहूर्त्त

विवाह से विषम वर्ष और विषम मास में मेष, वृश्चिक, कुम्भ सूर्य रहने से, शुक्लपक्षमें तथा कृष्णपक्ष में पञ्चमी तक, गुरु, शुक्र के अस्तादि दोष न हों और सम्मुख दक्षिण शुक्र न होने पर।
शुभ तिथियाँ - 1, 2, 3, 5, 6, 7, 8, 10, 11, 12, 13, 15
शुभ वार - सोमवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार
शुभ नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, पुनर्वसु, मृगशिरा, उ.फा., हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़, उ.भा, रेवती, शतभिषा।
शुभ लग्न - 3, 9, 7, 12

पति के घर से पिता के घर जाने का मुहूर्त्त

शनिवार, रविवार, और मंगलवार तथा कृत्तिका, भरणी, आर्द्रा, आश्लेषा, पूर्वाफाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा, पूर्वाभाद्रपद, विशाखा, ज्येष्ठा, इन वारों और नक्षत्रों में और कुयोग में नहीं जाना चाहिए।

प्रसूति स्नान मुहूर्त्त

शुभ तिथियाँ - 1, 2, 3, 4, 5, 10, 11, 13, 15
शुभ वार - रविवार, मंगलवार, गुरुवार
शुभ नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, रेवती, उत्तराषाढ़ा, उत्तराभाद्रपद।
शुभ लग्न - लग्न से पंचम स्थान में शुभ ग्रह हों।

जलपूजन मुहूर्त्त

एक महीने बाद जल पूजा करना चाहिए।
शुभ तिथियाँ - 1, 2, 3, 5 7, 8, 10, 11, 12, 13, 15
शुभ वार - सोमवार, बुधवार, शुक्रवार
शुभ नक्षत्र - मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, श्रवण, मूल। शुक्र, बृहस्पति अस्त होने पर। चैत्र, पौष, और अधिक मास में जल पूजा नहीं करना चाहिए।

यात्रा मुहूर्त्त

चन्द्र विचार—यात्रा में चन्द्रमा सामने रहने पर अर्थलाभ, दाहिने सुख-सम्पदा, पीठ पीछे प्राणनाश और बायें धननाश होता है। चन्द्रमा मेष, सिह और धनु का पूर्व में, वृश्चिक, कर्क, और मीन का उत्तर में रहता है।

दिशाशूल विचार - सोमवार और शनिवार को पूर्व, गुरुवार को दक्षिण, शुक्रवार और रविवार को पश्चिम, मंगलवार और बुधवार को उत्तरका जाना मना है।
शुभ तिथियाँ - 1, 2, 3, 4, 7, 10, 11, 13, 15
शुभ नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती।
योगिनी विचार - योगिनी बाएं सुख, पीठ पीछे वांछित फल, दाहिने धननाश और सम्मुख मृत्युकारक होती है। योगिनी 1, 9 को पूर्व में, 2, 10 को उत्र में, 3, 11 को अग्निकोण में, 4, 10 को नैऋत्यमें 5, 13 को दक्षिण में 6, 14 को पश्चिम में, 7, 15 को वायव्य में 8, 30 को ईशान में रहती है। जन्म तिथि, जन्म नक्षत्र, जन्म के वार में यात्रा करना मना है।

वस्त्राभूषण मुहूर्त्त

मूँगा, श्वेत वस्त्र, सुवर्ण आभूषण, सफेद पदार्थों के गहने आदि इन दिनों न पहनें -
निषिद्ध नक्षत्र - रेवती, उ.फा., उ.षा., उ.भा., हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, धनिष्ठा, पुनर्वसु, पुष्य
निषिद्ध तिथि - 4, 9, 14
निषिद्ध वार - शनिवार, मंगलवार, सोमवार

वृक्षारोपण

शुभ नक्षत्रों - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, उत्तरफाल्गुन, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, शतभिषा, उत्तरभाद्रपद, रेवती

राजा से मिलना

लाभप्रद नक्षत्र- अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, उत्तरफाल्गुन, हस्त, चित्रा, अनुराधा, उत्तराषाढ़ा, उत्तरभाद्रपद, रेवती

आसव बनाना
शुभ नक्षत्र - भरणी, आर्द्रा, आश्लेषा, मघा, पूर्व फाल्गुन, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, पूर्वभाद्रपद

पशु क्रय-विक्रय
क्रय विक्रय के शुभ नक्षत्र शुभ नक्षत्र - अश्विनी, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, विशाखा, ज्येष्ठा, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती
पशुओं को घर पर लाने के लिए शुभ ग्रह का लग्न हो, अष्टम भाव में पाप ग्रह न हों, अपने योनि के नक्षत्रों में, तथा चर नक्षत्र पुनर्वसु, स्वाति, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा हों।
अशुभ काल - 4,8,9,14,30 तिथियाँ, मंगलवार, तीनो उत्तरा, रोहिणी, चित्रा में पहली बार घर से बाहर ले जाना या लाना अशुभ है।

औषधि आरंभ
रोगी का इलाज या दवा-उपचार आरंभ करने के नक्षत्र हैं - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती।
द्विस्वभाव लग्न तथा 7,8,12 में पाप ग्रह न हों।
वार - रविवार, सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार

नोट - रिक्ता तिथि (4,10,14), अमावस्या और जन्म नक्षत्र को छोड़ दें।

सिलाई
शुभ नक्षत्र - अश्विनी, पुनर्वसु, चित्रा, अनुराधा, धनिष्ठा

कर्मचारी रखने के मुहूर्त्त
शुभ नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुष्य, हस्त, चित्रा, अनुराधा, रेवती
शुभ वार - रविवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार
शुभ लग्न में, 10,11 भावों में सूर्य या मंगल हो तो कर्मचारी, नौकर आदि रखें।
नोट - स्वामी और सेवक की योनि मैत्री हो और दोनों के राशि स्वामी मित्र हों यह बात भी ध्यान

धन का आदान-प्रदान मुहूर्त्त
शुभ नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, रेवती
चर लग्न में, 5,9,8 में शुभ ग्रह हों, पाप ग्रह न हों तो धन देना शुभ है। बुधवार को पैसा उधार या निवेश के मद में नहीं देना चाहिए।
मंगलवार, संक्रान्ति दिन, वृद्धि योग, हस्त नक्षत्र व रविवार (हस्तार्क योग) में ऋण कभी न लें। परंतु कर्ज चुकाना उत्तम है।
तीक्ष्ण, मिश्र, ध्रुव नक्षत्रों में; भद्रा करण; व्यतिपात एवं महापात योगों में उधार दिया गया, निवेश किया गया, कहीं धरोहर के रूप में रखा गया या चोरी गया धन पुनः प्राप्त नहीं होता है अथवा महान प्रयत्नों से अंशतः ही प्राप्त होता है।

जलाशय
रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, मघा, उत्तरफाल्गुन, हस्त, अनुराधा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तरभाद्रपद, रेवती इन नक्षत्रों में शुभ होता है।
लग्न में पाप ग्रह निर्बल हों, लग्न में गुरु या बुध हों और दशम में जलचर राशि में शुक्र या चन्द्र हो तो जलाशय, व्यूबवैल, कुआँ, बोरवैल आदि बनवाना शुभ होता है।

ललित कला सीखने का मुहूर्त्त
रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, उत्तरफाल्गुन, हस्त, अनुराधा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तरभाद्रपद, रेवती इन नक्षत्रों में शुभ होता है।
चतुर्थ में बुध हो, चन्द्रमा बुध की राशि में हो तो नृत्य, संगीत शिक्षा जैसी ललित कलाओं का का प्रशिक्षण आरंभ करना शुभकर होता है।

दस्तकारी सीखने का मुहूर्त्त
नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, उत्तरफाल्गुन, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तरभाद्रपद, रेवती

बुधवार, गुरुवार 1,10 भावों में हों, चन्द्रमा बुध, गुरु के वर्गों में हो तो दस्तकारी, कारीगरी, शिल्प विद्या सीखना शुरु करें।

संधि कराने का मुहूर्त्त
पुष्य, अनुराधा, पू.फा. नक्षत्रों में, अष्टमी, द्वादशी तिथि में, तैतिल करण में, लग्न पर शुक्र की दृष्टि हो, सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार में, सन्धि समझौता, सुलह कराएँ।

वाहन खरीदने का मुहूर्त्त
क्षिप्र संज्ञक, रेवती, धनिष्ठा, मृगशिरा, स्वाती, शतभिषा, पुनर्वसु नक्षत्रों में, रिक्ता तिथि को छोड़कर अन्य तिथि और मंगलवार को छोड़कर अन्य दिनों में वाहन बेचना या खरीदना शुभ है।

गर्भाधान का मुहूर्त्त
भद्रा, षष्ठी, पर्व के दिन, पूर्णिमा, अमावस्या, संक्रान्ति, रिक्ता तिथि, संध्याकाल, मंगलवार, रविवार, शनिवार और रजो दर्शन से चार रात्रि इन सभी को गर्भाधान में छोड़कर तीनों उत्तरा, मृगशिरा, हस्त, अनुराधा, रोहिणी, स्वाती, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा इन नक्षत्रों में (शुभवार, शुभ लग्न, शुभ तिथि, योग में) गर्भाधान शुभ होता है।

सीमन्त संस्कार का मुहूर्त्त
गुरु, रवि और मंगल के दिन मृगशिरा, पुष्य, मूल, श्रवण, पुनर्वसु, हस्त नक्षत्रों में
रिक्ता, अमावस्या, द्वादशी, षष्ठी, अष्टमी तिथि को छोड़कर अन्य तिथियों, में मासेश्वर बलवान हो, गर्भाधान से छठे, आठवें मास में, केन्द्र त्रिकोण में शुभ ग्रह हो, पापग्रह 11, 6, 3 में हो। ध्रुव संज्ञक नक्षत्र अथवा रेवती नक्षत्र में, पुरुष ग्रह के लग्न/नवांश में सीमन्तकर्म करना शुभ होता है।

जलपूजन
गुरु शुक्र अस्त न हों। चैत्र, पौष का अधिक मास न हो। बालक कम से कम एक मास का होगया हो। सोम, बुध, गुरुवार हो। रिक्ता तिथि न हो। श्रवण, पुनर्वसु, मृगशिरा, हस्त, मूल व अनुराधा नक्षत्र हों तो प्रसूता स्त्री जल पूजन करें।

नामकरण मुहूर्त्त
रिक्ता तिथि न हो। सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, मृदु, ध्रुव, क्षिप्र, चर नक्षत्र हों।

प्रथम बार झूले पर लिटाना
बाल के जिस दिन पहली बार पालने में लिटाना हो तब उस दिन सूर्य नक्षत्र से चन्द्र नक्षत्र तक गिनें।
पहले 5 नक्षत्रों में निरोगता, 6 से 10 में बालक का अनिष्ट, 11 से 15 नक्षत्रों में शारीरिक कमजोरी, 16 से तक नक्षत्रों में रोग, शेष 7 नक्षत्रों में सुख होता है।

अन्नप्राशन
रिक्ता, नन्द, अष्टमी, द्वादशी व अमावस्या छोड़ दें। शनि, सूर्य व मंगलवार को छोड़ दें। सामान्यतः अशुभ व वर्जिनीय काल तो सब संस्कारों में छोड़ दें। 1-8-13 राशि लग्नों को छोड़ दें।

कर्ण वेध मुहूर्त्त
चैत्र, पौष, सौरमास व तिथिक्षय, देवशयन के मासों को छोड़कर जन्ममास को छोड़ें। रिक्ता तिथि न हो। जन्मतारा न हो। बुध, गुरु, शुक्रवार हो।शुक्लपक्ष हो, विषम वर्षों में, श्रवण, धनिष्ठा, पुनर्वसु, मृदु, लघु, नक्षत्रों में कर्णवेध संस्कार करें।

मुण्डन मुहूर्त्त
4,9,14, 8,12,6,1 तिथियों व 14,30,15 तिथियों को छोड़कर शेष तिथियों में करें। संक्रान्तियों के दिन न करें। चैत्र मास को छोड़कर शेष पांच मासों में चूड़ाकरण करें। सोम, बुध, गुरु, शुक्रवार हो। मृदु, चर, लघु, नक्षत्रों में से अनुराधा छोड़ कर शेष नक्षत्रों में करें।

अक्षरारंभ मुहूर्त्त
पाँच वर्ष की आयु के भीतर अक्षरारंभ करना चाहिए।
शुभ तिथियाँ - 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12
शुभ नक्षत्र - हस्त, अश्विनी, पुष्य, श्रवण, स्वाती, रेवती, पुनर्वसु, चित्रा, अनुराधा,
शुभ लग्न - स्थिर या द्विस्वभाव
शुभ वार - रविवार, सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार

विद्यारम्भ मुहूर्त्त
गणेश आदि की पूजा करके सौम्यायन में शिशु को अक्षर-ज्ञान हो जाने पर विद्यारम्भ कराना चाहिए। कन्या राशि का सूर्य होने से आश्विन मास में भी बुध बलवान होने पर।
शुभ तिथियाँ - 2, 3, 5, 6, 10, 11, 12
शुभ वार - रविवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार
शुभ नक्षत्र - अश्विनी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, पूर्वाफाल्गुनी, आश्लेषा, हस्त, चित्रा, स्वाति, मूल, पूर्वाषाढ़, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, अनुराधा, पुनर्वसु।
शुभ लग्न - वृष, मिथुन, कन्या, धनु, मीन

यज्ञोपवीत मुहूर्त्त
शुभ तिथियाँ - 2, 3, 5, 7, 9, 10, 11, 12 (शुक्लपक्ष); 2, 3, 9 (कृष्णपक्ष)
शुभ वार - रविवार, सोमवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार
शुभ नक्षत्र - अश्विनी, रोहिणी, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वाफाल्गुनी, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चित्रा, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद। इन नक्षत्रों में वेध न होने पर।
नोट - पुनर्वसु नक्षत्र में ब्राह्मण का उपनयन नहीं होता है
निषिद्ध नक्षत्र - भरणी, कृत्तिका, मघा, विशाखा, ज्येष्ठा
ध्यातव्य - बृहस्पति और शुक्र के अस्त, वृद्धत्व, शिशुत्व तथा सूर्य का दक्षिणायन काल और दोपहर के बाद एवं भद्रा, बाण आदि दोष होने पर उपनयन संस्कार नहीं होता है।
सूर्य उत्तरायण में ही यज्ञोपवीत होता है।
शुभ लग्न - मिथुन, कन्या श्रेष्ठ है। चन्द्र वृष, तुला, मकर, मिथुन श्रेष्ठ है। गुरु, शनि, बुध, सूर्य 1, 4, 5, 6, 9, 10, 11 भाव में श्रेष्ठ है।
विचारित लग्नका स्वामी 6, 8 भाव में शुभ नहीं। शुक्र 12वें भाव में शुभ नहीं। विचारित लग्न में अथवा 5, 8 भाव में पाप ग्रह न हों। 6, 8, 12 भाव में शुभ ग्रहश्रेष्ठ नहीं। 3, 6, 11 में पापग्रह शुभ नहीं। वृष, कर्क के चन्द्रमा में अत्यन्त श्रेष्ठ है।
विशेष नियम - जन्ममास, जन्मनक्षत्र, जन्मलग्न, जन्मतिथि आदि में ब्राह्मण बालक का यज्ञोपवीत विशेष शुभ होता है। क्षत्रिय, वैश्यों में पहली संतान के लिए जन्ममास, नक्षत्र, लग्नादि सब निषिद्ध हैं। दूसरी संतान के विषय में ये सब ब्राह्मणवत शुभ हैं।

चौघड़िया मुहूर्त

चौघड़िया मुहूर्त का प्रयोग किसी नए कार्य, यात्रा करने, व्यापार शुरु करने आदि के लिए शुभ समय का निर्धारण करने के लिए किया जाता है। दिनमान और रात्रिमान के आठ-आठ भाग की एक चौघड़िया होती है।

दिन की चौघड़िया

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उत्पात	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल
चंचल	काल	उत्पात	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चंचल	काल	उत्पात	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उत्पात
काल	उत्पात	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल
शुभ	चंचल	काल	उत्पात	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उत्पात	अमृत
उत्पात	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल

रात की चौघड़िया

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चंचल	काल	उत्पात	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उत्पात	अमृत
उत्पात	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल
चंचल	काल	उत्पात	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चंचल	काल	उत्पात	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल	काल	उत्पात
काल	उत्पात	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चंचल
शुभ	चंचल	काल	उत्पात	अमृत	रोग	लाभ

राहु काल

राहु काल में किसी भी शुभ कार्य का आरंभ या समापन अशुभ माना जाता है। दिनमान के आठवें भाग की अवधि राहु काल की होती है। सोमवार को दूसरे भाग, शनिवार को तीसरे भाग, शुक्रवार को चौथे भाग, बुधवार को पांचवें भाग, गुरुवार को छठे भाग, मंगलवार को सातवें तथा रविवार को आठवें भाग में राहु काल होता है।

भद्रा या विष्टि करण

सभी माङ्गलिक कार्यों में भद्रा का त्याग किया जाता है। भद्रा में वध, आक्रमण, बन्धन, अग्नि प्रयोग, तान्त्रिक कार्य, पशु संबंधी कार्य, डॉक्टर बुलाना, गाड़ी ठीक करना, शिवपूजा, दुर्गापूजा, दान, शठता, ठगी, राजदर्शन, वाद-विवाद आदि किया जा सकता है।

<u>भद्रा का लोक में वास</u>

चन्द्र राशि -11,12	मृत्यु लोक
चन्द्र राशि -1,2,3,6	स्वर्ग
चन्द्र राशि -6,9,7,10	पाताल

<u>भद्रा के अंग</u>

घड़ी	वास स्थान	फल
5	मुख	कार्य का नाश
2	कण्ठ	धन का नाश
11	हृदय	प्राण का नाश
4	नाभि	कलह
5	कटि	अर्थ भ्रंश
3	पुच्छ	**विजय एवं कार्य सिद्धि**

चन्द्र बल और तारा बल

कृष्णपक्ष में तारा तथा शुक्लपक्ष में चन्द्रमा बली होता है। अतः कृष्ण पक्ष में ही तारा बल विचार करना चाहिए। तारा चक्र से तारा विचार किया जाता है। जन्म, विपत, प्रत्यरि, वध यह चार तारे अशुभ होते हैं।

जन्म नक्षत्र से	तारा	फल
पहला	जन्म	अशुभ
दूसरा	सम्पत्	सम्पत्ति, धनद
तीसरा	विपत्	संकट, घोर
चौथा	क्षेम	मंगल, कुशल, कल्याण
पाँचवा	प्रत्यरि	शत्रु, रिपु, पाप, वैरि
छठा	साधक	सिद्धि, शुभ, सफल
सातवाँ	वध	मृत्यु, संघात, कष्ट
आठवाँ	मित्र	सुहृद, हितकर
नवाँ	परम मित्र	अति सुहृद, परम हित

अहोरात्र विभाजन

दिन के चार प्रहर

सूर्योदय से सूर्यास्त तक के समय के हर चौथाई भाग को प्रहर कहते हैं। इनकी संज्ञाएँ हैं - पूर्वाह्न, मध्याह्न, अपराह्न और सायाह्न।

<u>रात्रि के चार प्रहर</u>

सूर्यास्त से अगले सूर्योदय तक के समय के हर चौथाई भाग को प्रहर कहते हैं। इनकी संज्ञाएँ हैं - प्रदोष, निशिथ, त्रियामा, उषा।